CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक/एल.टी. ग्रेड

TGT/LT Grade

इतिहास

सॉल्व्ड पेपर्स

एवं

प्रैक्टिस बुक

व्याख्या सहित हल

प्रधान सम्पादक
आनन्द कुमार महाजन

सम्पादन एवं संकलन
परीक्षा विशेषज्ञ समिति

कम्प्यूटर ग्राफिक्स
बालकृष्ण त्रिपाठी एवं विनय साहू

सम्पादकीय कार्यालय
यूथ कॉम्पिटिशन टाइम्स
12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002
फोन : 9415650134
Email : yctap12@gmail.com
Website : www.yctbooks.com

प्रकाशन घोषणा
प्रधान सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने ओम साईं ऑफसेट, प्रयागराज से मुद्रित करवाकर, यूथ कॉम्पिटिशन टाइम्स, 12, चर्च लेन, प्रयागराज के लिए प्रकाशित किया।

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में पूर्ण सावधानी बरती गई है
फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सुझाव सादर आमंत्रित है।
किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

मूल्य : 95/-

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

विषय-सूची

■ TGT/LT Grade परीक्षा पाठयक्रम 3-4

TGT/LT Grade साल्व्ड पेपर

■ प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT) चयन परीक्षा, 2021 5-14
■ प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT) चयन परीक्षा, 2016 15-22
■ प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT) चयन परीक्षा, 2013 23-29
■ प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT) चयन परीक्षा, 2011 30-37
■ प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT) चयन परीक्षा, 2010 38-45
■ प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT) चयन परीक्षा, 2009 46-52
■ प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT) चयन परीक्षा, 2005 53-60
■ प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT) चयन परीक्षा, 2004 61-67
■ प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT) चयन परीक्षा, 2004 (निरस्त).....68-74
■ प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT) चयन परीक्षा, 2003 75-79
■ प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT) चयन परीक्षा, 2002 80-84
■ उत्तर प्रदेश LT ग्रेड परीक्षा, 2018 (परीक्षा तिथि : 29 जुलाई, 2018) 85-91

प्रैक्टिस सेट

■ प्रैक्टिस सेट-1..... 92-94
■ प्रैक्टिस सेट-1 व्याख्या सहित हल 95-98
■ प्रैक्टिस सेट-2..... 99-101
■ प्रैक्टिस सेट-2 व्याख्या सहित हल 102-105
■ प्रैक्टिस सेट-3..... 106-108
■ प्रैक्टिस सेट-3 व्याख्या सहित हल 109-112
■ प्रैक्टिस सेट-4..... 113-115
■ प्रैक्टिस सेट-4 व्याख्या सहित हल 116-120
■ प्रैक्टिस सेट-5..... 121-123
■ प्रैक्टिस सेट-5 व्याख्या सहित हल 124-128

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

पाठ्यक्रम

TGT प्रशिक्षित स्नातक पाठ्यक्रम

- पुरा ऐतिहासिक संस्कृतियां-पूर्व पाषाण युग, मध्य पाषाण युग, नव पाषाण युग, इनकी प्रमुख विशेषताएं, प्राचीन युग-सिन्धु घाटी सभ्यता प्रमुख विशेषताएं, वैदिक काल, पूर्व वैदिक काल, उत्तर वैदिक काल, राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक एवं आर्थिक जीवन, धार्मिक आन्दोलन, जैन धर्म, बौद्ध धर्म, भागवत धर्म और शैव धर्म, मौर्यकाल राजनीतिक इतिहास, समाज एवं संस्कृति, गुप्त राजवंश राजनीतिक इतिहास और समाज एवं संस्कृति, चोल वंश-प्रशासन, भारत में इस्लाम का आगमन एवं प्रभाव, आक्रमण एवं प्रभाव, दिल्ली सल्तनत की स्थापना-कुतुबुद्दीन ऐबक का योगदान, इल्तुतमिश का मूल्यांकन, बलवन का जीवन चरित्र और उपलब्धियां अलाउद्दीन खिल्जी की उपलब्धियां, तुगलक वंश-गयासुद्दीन तुगलक, मोहम्मद बिन तुगलक, फिरोजशाह तुगलक, तैमूर का आक्रमण बहमनी साम्राज्य-सैय्यद एवं लोदी वंश, मुगल वंश बाबर, हुमायूँ, अकबर, जहांगीर, शाहजहाँ और औरंगजेब, छत्रपति शिवाजी जीवन चरित्र एवं उपलब्धियां, आधुनिक भारत (1858-1950 ई.) सन् 1857 ई. में प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम का कारण, स्वरूप एवं परिणाम, उन्नीसवीं शताब्दी में भारतीय पुनर्जागरण तथा सामाजिक धार्मिक आन्दोलन, राष्ट्रीय आन्दोलन में महात्मा गांधी का योगदान, स्वतन्त्रता की प्राप्ति तथा विभाजन के बाद का भारत (सन् 1950 ई. तक)।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग

एल.टी. ग्रेड–परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम

परीक्षा हेतु 150 वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रश्नों वाला एक प्रश्नपत्र होगा। जिसका प्रत्येक प्रश्न 01 अंक का होगा। प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1/3 (0.33) अंक दण्ड के रूप में काटा जायेगा।

उक्त प्रश्नपत्र दो भागों में होगा।

प्रथम भाग–सामान्य अध्ययन–30 प्रश्न (वस्तुनिष्ठ प्रकारक)

द्वितीय भाग–मुख्य विषय–120 प्रश्न (वस्तुनिष्ठ प्रकारक)

कुल प्रश्नों की संख्या – 150

परीक्षा अवधि– 2 घंटे (120 मिनट).....पूर्णांक 150

नोट : सहायक अध्यापक, सामाजिक विज्ञान (पुरुष/महिला शाखा) पद हेतु मुख्य विषय में चार (4) खण्ड होंगे, जिसमें भूगोल, इतिहास, अर्थशास्त्र तथा नागरिक शास्त्र विषय सम्मिलित होंगे एवं प्रत्येक खण्ड में 60 प्रश्न होंगे। अभ्यर्थियों को उक्त चार खण्डों में से किन्हीं दो (2) खण्डों का चयन करके उत्तर देना होगा।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

विषय–इतिहास

1–भारतीय प्रागैतिहासिक संस्कृतियों की प्रमुख विशेषताएँ।

2–**सिन्धु घाटी सभ्यता की प्रमुख विशेषताएँ**–**(ए)** नगर नियोजन-हड़प्पा एवं मोहन जोदड़ो **(बी)** प्रस्तर मूर्तियाँ, मृणमीय मूर्तियाँ एवं मुहरें **(सी)** धर्म।

3–पूर्व-वैदिक कालीन राजनीतिक अवस्था, समाज, अर्थव्यवस्था एवं धर्म उत्तर वैदिक काल में परिवर्तन।

4–जैन धर्म, बौद्ध धर्म, वैष्णव धर्म एवं शैव धर्म की प्रमुख विशेषताएँ।

5–**मौर्यकाल**–

(ए) मौर्यों की उत्पत्ति **(बी)** चन्द्रगुप्त मौर्य की उपलब्धियाँ, **(सी)** उसका शासन-प्रबन्ध तथा सार्वजनिक कार्य **(डी)** अशोक के अभिलेख **(ई)** अशोक का धम्म एवं धम्म प्रचार **(एफ)** उसके कल्याणकारी कार्य, **(जी)** अशोक का मूल्यांकन, **(एच)** मौर्य-साम्राज्य के पतन के कारण।

6–**गुप्तवंश का राजनीतिक इतिहास**–**(ए)** चन्द्रगुप्त–I, **(बी)** समुद्रगुप्त, **(सी)** चन्द्रगुप्त-II, **(डी)** कुमारगुप्त-I तथा **(ई)** स्कन्दगुप्त, **(एफ)** हूण आक्रमण तथा उसका प्रभाव, **(जी)** गुप्त साम्राज्य के पतन के कारण।

7– **चोल काल**–

(ए) राजराज प्रथम की उपलब्धियाँ

(बी) राजेन्द्र चोल प्रथम की उपलब्धियाँ

(सी) स्वायत्त स्थानीय शासन प्रणाली,

(डी) चोलकालीन कला एवं संस्कृति

8–**विदेशी आक्रमण**–

(ए) अरबों का आक्रमण तथा उसका प्रभाव

(बी) गजनवी आक्रमण एवं उसका प्रभाव

(सी) मोहम्मद गोरी का आक्रमण तथा उसका प्रभाव।

9–**दिल्ली सल्तनत (राजनैतिक तथा प्रशासनिक इतिहास)**–कुतुबुद्दीन ऐबक, इल्तुत्मिश, बलबन, अलाउद्दीन खल्जी, मोहम्मद बिन तुगलक, फिरोजशाह तुगलक, तैमूर का आक्रमण, सैय्यद एवं लोदी वंश।

10–**मुगल वंश**–(राजनीतिक तथा प्रशासनिक इतिहास)–बाबर, हुमायूँ, अकबर, जहांगीर, शाहजहाँ और औरंगजेब, मुगल साम्राज्य का पतन।

11–बहमनी साम्राज्य, विजयनगर साम्राज्य, मराठों का उदय एवं पतन, शिवाजी।

12–**मध्यकालीन संस्कृति**–धार्मिक नीति, सूफीवाद, भक्ति आन्दोलन, कला एवं स्थापत्य, साहित्य।

13–मध्यकालीन समाज एवं अर्थ-व्यवस्था–कृषि, उद्योग, व्यापार।

14–ईस्ट इण्डिया कम्पनी का विस्तार।

15–आधुनिक भारत में कृषि, उद्योग-धन्धे, व्यापार।

16–आधुनिक शिक्षा का विस्तार तथा संवैधानिक विकास।

17–1857 ई. के विद्रोह के कारण, स्वरूप, परिणाम।

18–उन्नीसवीं शताब्दी में भारतीय पुनर्जागरण तथा सामाजिक-धार्मिक आन्दोलन।

19–राष्ट्रीय आन्दोलन–असहयोग, सविनय अवज्ञा तथा भारत छोड़ो आन्दोलन।

20–राष्ट्रीय आन्दोलन में महात्मा गाँधी, तिलक, गोखले तथा सुभाष चन्द्र बोस का योगदान।

21–स्वतंत्रता की प्राप्ति–क्रिप्स मिशन से माउंटबेटन योजना तक।

22–स्वतंत्रता के बाद का भारत (सन् 1950 ई. तक)।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड, प्रयागराज
टी.जी.टी. परीक्षा 2021
भाग-II : इतिहास
व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र

1. From which one of the following Harappan Sites evidence of Pit-dwellings have been founded?
निम्नलिखित हड़प्पा स्थलों में से किस एक स्थल से गर्त-आवास के प्रमाणों की प्राप्ति हुई है?
(a) Rakhigarhi/राखीगढ़ी
(b) Banawali/बनावली
(c) Prabhash-Patan/प्रभास-पाटन
(d) Kunal/कुनाल

Ans. (d) : हरियाणा के हिसार जिले में सरस्वती नदी के किनारे स्थित कुणाल स्थल की खोज जगपति जोशी और आर.एस. बिष्ट ने 1974 ई. में किया था। हड़प्पाकालीन स्थलों में कुणाल से गर्त आवास के प्रमाण मिले है। यहाँ से चाँदी के 2 मुकुट व सोने के गहने प्राप्त हुए हैं। हड़प्पा शैली के लाल मृदभाण्ड सर्वप्रथम यहीं से प्राप्त हुए हैं।

2. Nalanda University was founded by which of the following ruler?
नालन्दा विश्वविद्यालय की स्थापना निम्नलिखित किस शासक द्वारा कराया गया?
(a) Samudragupta/समुद्रगुप्त
(b) Kumaragupta/कुमारगुप्त प्रथम
(c) Skandagupta/स्कन्दगुप्त
(d) Harshavardhana/हर्षवर्द्धन

Ans. (b) : गुप्तकालीन सम्राट कुमारगुप्त प्रथम ने 450 ई. में नालन्दा विश्वविद्यालय की स्थापना की। कुमारगुप्त प्रथम, चन्द्रगुप्त द्वितीय विक्रमादित्य की पत्नी ध्रुव देवी से उत्पन्न पुत्र था। नालन्दा विश्वविद्यालय प्राचीन भारत में उच्च शिक्षा का सर्वाधिक प्रसिद्ध एवं महत्वपूर्ण केन्द्र था। इस विश्वविद्यालय में अध्ययन हेतु चीन, श्रीलंका एवं तिब्बत आदि से छात्र आते थे। प्रसिद्ध चीनी यात्री ह्वेनसांग ने यहाँ से शिक्षाग्रहण की थी। ह्वेनसांग के समय इस विश्वविद्यालय में लगभग 8500 छात्र एवं 1510 शिक्षक थे। इस विश्वविद्यालय के प्रसिद्ध शिक्षकों में शीलभद्र, धर्मपाल, चन्द्रपाल, गुणमति, स्थिरमति आदि थे। 13वीं सदी में मुहम्मद बिन बख्तियार खिलजी के आक्रमण से यह विश्वविद्यालय नष्ट हो गया।
माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर (c) स्कंदगुप्त को माना है।

3. In Delhi Sultanate members of Chahalgani belonged to:
दिल्ली सल्तनत में चाहलगनी के सदस्य सम्बन्धित थे–
(a) Tajik/ताजिक से (b) Afgan/अफगान से
(c) Turk/तुर्क से (d) Mongol/मंगोल से

Ans. (c) : साम्राज्य विस्तार के बाद इल्तुतमिश ने उसे संगठित करने का प्रयास किया। उसने चालीस गुलाम सरदारों के गुट अर्थात तुर्कान-ए-चाहलगानी का गठन किया। इल्तुतमिश ने मुइज्जी तथा कुत्बी अमीरों के वर्चस्व से मुक्ति पाने के लिए तथा प्रशासनिक कार्य को सुचारु रूप से चलाने के लिए नवीन शासक वर्ग का गठन किया जिसमें दो प्रमुख दल थे- (i) तुर्क दास (ii) ताजीक

4. Palace of Turkish Sultana is situated at :
तुर्किस सुल्ताना का महल कहाँ है?
(a) Lahore/लाहौर
(b) Delhi/दिल्ली
(c) Agra/आगरा
(d) Fatehpur Sikri/फतेहपुर सिकरी

Ans. (d) : तुर्की सुल्ताना का महल एक सुन्दर लघु आकार की इमारत है। इसमें एक ही मंजिल है तथा स्तम्भों पर आधारित बरामदे की योजना है। इसके भीतर दीवार को पेड़ पौधे तथा पशु-पक्षियों से सुसज्जित किया गया है। इसका निर्माण अकबर द्वारा फतेहपुर सीकरी में कराया गया। इसकी निर्माण शैली सम्भवतः पंजाब के काष्ठ निर्माण पर आधारित है। पर्सी ब्राउन ने इसे स्थापत्य कला का मोती कहा है।

5. The Kailasha temple is located in the cave of :
कैलास मंदिर किस गुफा में स्थित है?
(a) Karle/कार्ले में (b) Elephanta/एलिफेन्टा में
(c) Ellora/एलोरा में (d) Ajanta/अजंता में

Ans. (c) : राष्ट्रकूट नरेश कला के महान संरक्षक थे। राष्ट्रकूटों की राजधानी मान्यखेट से अभी तक कला के कोई उल्लेखनीय पुरातात्विक अवशेष नहीं प्राप्त हुए हैं। किन्तु एलोरा, एलीफेन्टा, जोगेश्वरी तथा मंडलेश्वर में राष्ट्रकूट कला के महत्वपूर्ण स्मारक स्थित हैं। इनमें से एलोरा तथा एलिफेन्टा अपनी गुफा स्थापत्य, मूर्तिकला या मूर्तिशिल्प तथा चित्रकला के लिए विख्यात है। शासकीय संरक्षण में एलोरा में शैव धर्म से सम्बन्धित गुफा मंदिरों का निर्माण हुआ था जिनकी संख्या 17 (सत्रह) है। यहाँ के प्रमुख गुफा मंदिरों अथवा मण्डपों में रावण की खाई, दशावतार मंदिर, कैलाश मंदिर, सीता की नहानी अथवा घूमरलेण, देववाड़ा, लम्बेश्वर, रामेश्वर, नीलकंठ आदि विशेष रूप से उल्लेखनीय है। कैलाश मंदिर का निर्माण कृष्ण प्रथम ने करवाया था।

6. A set of twelve bath pavements with accompanying drains has been found from which Harappan site?
किस हड़प्पा स्थल से निकास नालियों के साथ फर्श जड़ित बारह स्नानगृह का एक समूह (सेट) मिला है?
(a) Harappa/हड़प्पा (b) Kalibangan/कालीबंगा
(c) Lothal/लोथल (d) Banawali/बानावली

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : हड़प्पा एवं मोहनजोदड़ों के अतिरिक्त लोथल भी सैंधव सभ्यता का प्रमुख स्थल है। लोथल का टीला अहमदाबाद (गुजरात) जिले में सरगवल नामक ग्राम के समीप स्थित है। 1955 तथा 1962 के मध्य यहाँ एस.आर. राव के निर्देशन में खुदाई की गयी जहाँ दो मील के घेरे में बसे हुए एक नगर के अवशेष प्राप्त हुए। लोथल की नगर एवं भवन योजना सुनियोजित एवं सुव्यवस्थित थी। नालियों एवं नरमोखों की अत्युत्तम प्रबन्ध देखने को मिलता है। इस स्थल से निकास नालियों के साथ फर्श जड़ित बारह स्नानगृह का एक (सेट) समूह मिला है।

7. Which Chola Emperor had the name Arumolivarman?
अरूमोलिवर्मन किस चोल सम्राट का नाम था?
(a) Rajraja/राजराजा (b) Rajendra/राजेन्द्र
(c) Rajadhiraja/राजाधिराज (d) Parantaka/परान्तक

Ans. (a) : राजराज प्रथम का प्रारम्भिक नाम अरिमोलिवर्मन था जो 985 ई. में राजराज प्रथम के नाम से गद्दी पर बैठा। राजराज प्रथम के शासनकाल से चोलों की विस्तृत विजय और समृद्धि का इतिहास प्रारम्भ होता है। इसके शासन के उन्नीसवें वर्ष में उत्कीर्ण तंजौर अभिलेख में इसके युद्धों का वर्णन है। राजराज प्रथम की महत्तम उपलब्धि तथा नौसैनिक पराक्रम का उदाहरण लक्षद्वीप एवं मालद्वीप समूह के 1200 द्वीपों को जीतना था। राजराज प्रथम ने सम्पूर्ण द्रविड़ प्रदेश, कर्नाटक, आंध्र, कलिंग तथा लंका (उत्तरी लंका) को जीत लिया।

8. Who of the following Officer controlled the collection of districts in his province?
निम्नलिखित में से कौन-सा अधिकारी अपने प्रान्त के जिलों के संग्रहण को नियंत्रित करता था?
(a) Samaharta/समाहर्ता
(b) Sannidhata/सन्निधाता
(c) Sthanika/स्थानिक
(d) Councillors/परामर्शदाता

Ans. (a) : मौर्य प्रशासन का भारतीय प्रशासनिक इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान है। यहाँ भारत की प्रथम केन्द्रीकृत प्रशासन प्रणाली का उल्लेख है। प्रशासन का केन्द्र बिन्दु राजा होता था। वह कार्यपालिका, व्यवस्थापिका एवं न्यायपालिका का प्रमुख था। अर्थशास्त्र में 18 तीर्थों का उल्लेख है। कुछ महत्वपूर्ण तीर्थ निम्न हैं-
– समाहर्ता – यह राजस्व विभाग का प्रधान अधिकारी था।
– सन्निधाता – यह राजकीय कोषाध्यक्ष था।
– सेनापति – यह युद्ध विभाग का मंत्री था।
– युवराज – यह राजा का उत्तराधिकारी होता था।
– प्रदेष्टा – फौजदारी न्यायालय का न्यायाधीश था।
– व्यवहारिक – दीवानी न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश था।
ध्यातव्य है कि समाहर्ता अपने प्रांत के जिलों के राजस्व संग्रह को नियंत्रित करता था।

9. According to evidence of writing which one of the following Ashokan Pillars was the earliest?
लेखन के आधार पर निम्नलिखित अशोक के स्तम्भों में से कौन-सा एक सबसे प्राचीन था?
(a) Rampurva Pillar with Lion Capital
सिंह शीर्ष युक्त रामपुरवा स्तम्भ
(b) Rummindei Pillar/रूम्मिनदेई स्तम्भ
(c) Rampurva Pillar with Bull Capital
वृषभ शीर्ष युक्त रामपुरवा स्तम्भ
(d) Lauriya-Nandangarh Pillar
लौरिया-नन्दनगढ़ स्तम्भ

Ans. (b): मौर्यकालीन कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन अशोक के स्तम्भों में दिखाई पड़ता है। ये स्तम्भ मथुरा और चुनार की पहाड़ियों से लाकर लाल बलुए पत्थरों से बनाए गए हैं। रुम्मिनदेई स्तम्भ लेखन के आधार पर अशोक के स्तम्भों में सबसे प्राचीन है। इस स्तम्भ पर खुदा हुआ लेख ब्राह्मी लिपि में है और बाएँ ओर से दाईं ओर पढ़ा जाता है। इसी अभिलेख से ज्ञात होता है कि सम्राट अशोक अपने राज्याभिषेक के बीस वर्ष बाद लुम्बिनी आया था तथा उसने यहाँ पर अर्चना की तथा गाँव के धार्मिक कर माफ कर दिये। **(स्त्रोत- प्राचीन भारत-एस.के. पाण्डे, पृष्ठ सं.-305)**

10. Buland Darwaza was built to commemorate Akbar's conquest of :
बुलन्द दरवाजा अकबर के किस विजय के स्मरण में बना था?
(a) Malwa/मालवा के
(b) Ranthambhor/रणथम्बोर के
(c) Mewar/मेवाड़ के
(d) Gujarat/गुजरात के

Ans. (d) : बुलंद दरवाजा जामा मस्जिद के दक्षिणी द्वार में निर्मित भारत का सबसे ऊँचा प्रवेश द्वार है। 42 फीट ऊँची चौकी जो सीढ़ियों से युक्त है पर बना 134 फीट ऊँचा यह दरवाजा जमीन से कुल 176 फीट ऊँचा है। इसका निर्माण अकबर ने 1572 ई. में अपनी गुजरात विजय की स्मृति में कराया था। 1601 ई. में असीरगढ़ के विजय के बाद इस दरवाजे की ऊँचाई और बढ़ा दी गयी। इसीलिए इसे गुजरात विजय और दक्षिण विजय दोनों का प्रतीक माना जाता है।

11. From which of the following place 'Agni Mandir' (Fire temple) has been found?
निम्नलिखित में किस स्थान से 'अग्नि मंदिर' की प्राप्ति हुई है?
(a) Kapisha/कपिशा
(b) Surkh-Kotala/सुर्ख-कोतल
(c) Charasadda/चारसद्दा
(d) Shahabajagarhi/शाहबाजगढ़ी

Ans. (b) : सूर्ख कोतल, जिसे चश्मा-ए-शिर या सर-ए-चश्मा भी कहा जाता है बैक्ट्रिया क्षेत्र के दक्षिणी भाग में स्थित एक प्राचीन पुरातात्विक स्थल है। यह कुषाणों के शासन के दौरान किए गए स्मारकीय निर्माणों का स्थान है। रबातक शिलालेख जो कुषाण वंश की वंशावली पर उल्लेखनीय साक्ष्य प्रस्तुत करता है यहीं से प्राप्त हुआ है। इस स्थल की सबसे प्रसिद्ध कलाकृतियाँ सुर्ख-कोतल शिलालेख, राजा कनिष्क की मूर्ति और 'अग्नि मंदिर' है।

12. From which of the following ruler Jharokha-darshan was discontinued?
निम्नलिखित किस शासक के समय से झरोखा-दर्शन बंद हो गया?
(a) Akbar/अकबर (b) Jahangir/जहाँगीर
(c) Shahjahan/शाहजहाँ (d) Aurangzeb/औरंगजेब

Ans. (d) : मुहीउद्दीन मुहम्मद औरंगजेब शाहजहाँ का पुत्र था। उसका जन्म 3 नवंबर 1618 ई. को मुमताज महल की गर्भ से दोहद (उज्जैन) में हुआ था। औरंगजेब मुगल साम्राज्य का एक मात्र शासक था जिसका दो बार राज्याभिषेक हुआ पहला राज्याभिषेक 31 जुलाई

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

1658 ई. को सामूगढ़ के युद्ध में विजय के बाद तथा दूसरा और वास्तविक राज्याभिषेक खजुआ और देवराई युद्धों में अपनी निर्णायक विजय के बाद 15 जून 1659 को दिल्ली में सम्पन्न हुआ। औरंगजेब एक धर्मनिष्ठ मुसलमान था। उसने इस्लाम धर्म में व्याप्त कुरीतियों को भी समाप्त किया जैसे- झरोखा दर्शन के रिवाज को बंद कर दिया क्योंकि वो इसे इस्लाम के विरुद्ध मानता था।

13. Which Act provided for holding Indian Civil Services Recruitment Examination in India along with England?
किस एक्ट द्वारा भारतीय सिविल सेवा में बहाली की परीक्षा को इंग्लैण्ड के साथ भारत में कराना सुनिश्चित हुआ?

(a) Indian Council Act, 1861/ इण्डियन काउंसिल एक्ट, 1861
(b) Indian Council Act, 1893/ इण्डियन काउंसिल एक्ट, 1893
(c) Morley-Minto Reform, 1909/ मॉर्ले-मिन्टो रिफार्म, 1909
(d) Government of India Act, 1919/ गॅवर्नमेंट ऑफ इण्डिया एक्ट, 1919

Ans. (d) : गवर्नमेंट ऑफ इण्डिया एक्ट 1919 के द्वारा भारतीय सिविल सेवा में बहाली की परीक्षा को इंग्लैंड के साथ भारत में कराना सुनिश्चित हुआ। 1919 के एक्ट के तहत सर्वप्रथम 1922 ई. में इंग्लैण्ड और इलाहाबाद (भारत) में सर्वप्रथम सिविल सेवा परीक्षा एक साथ सम्पन्न हुई। 1919 के एक्ट में भारत में लोक सेवा आयोग की स्थापना का भी प्रावधान था जिसे 1925 ई. में स्थापित किया गया था। सर्वप्रथम इण्डियन कांउसिल एक्ट 1892 में इंग्लैण्ड के हाऊस ऑफ कामन्स में यह प्रस्ताव पारित किया गया कि सिविल सेवाओं के प्रवेश के लिए परीक्षाओं का आयोजन अब इंग्लैण्ड एवं भारत दोनों जगहों पर एक साथ होगा किन्तु इस प्रस्ताव को कभी कार्यान्वित नहीं किया गया। माध्यमिक शिक्षा चयन बोर्ड ने इस प्रश्न का उत्तर (b) माना है जो कि गलत है।

14. Deimachus, an ambassador was sent from the Syrian Court to :
डाइमेकस (एक राजदूत) सीरिया से किसके दरबार में भेजा गया था?

(a) Bimbasara/विम्बसार
(b) Ajatashatru/अजातशत्रु
(c) Bindusara/बिन्दुसार
(d) Chandragupta Maurya/चन्द्रगुप्त मौर्य

Ans. (c) : बिन्दुसार को यूनानियों ने अमित्रचेट्स या 'अमित्रघात' कहा है। जिसका अर्थ है शत्रुओं का नाश करने वाला। इसका एक नाम सिंहसेन भी है। बिन्दुसार के समय सीरिया के शासक एण्टियोकस प्रथम ने ''डाइमेकस'' नामक राजदूत को भेजा। मिस्र के शासक टॉल्मी द्वितीय फिलाडेल्फस ने ''डायनोसियस'' नामक राजदूत बिन्दुसार के दरबार में भेजा। बिन्दुसार के समय में तक्षशिला में वहाँ के अमात्यों के विरोध में एक विद्रोह हुआ, जिसे दबाने हेतु मालवा या उज्जैन के प्रशासक अशोक को भेजा गया।

15. Where was founded 'Sanatan Dharma Rakshini Sabha' in 1883 A.D.?
1883 ई. में 'सनातन धर्म रक्षिणी सभा' की स्थापना कहाँ की गयी?

(a) Mathura/मथुरा (b) Varanasi/वाराणसी
(c) Patna/पटना (d) Calcutta/कलकत्ता

Ans. (d) : 1883 ई. में 'सनातन धर्म रक्षिणी सभा' की स्थापना बंगाल के कलकत्ता में की गई। सनातन धर्म रक्षिणी सभा की स्थापना का मूल उद्देश्य हिन्दू धर्म में आयी बुराईयों को दूर करना था।

16. From where ambassador had came during Aurangzeb reign?/कहाँ से राजदूत औरंगजेब के शासन के समय आया था?

(a) Constantinople/कॉन्सटेंटिनोपल
(b) Persia/फारस
(c) Macca/मक्का
(d) Turkey/तुर्की

Ans. (a) : 1661-1667 ई. के बीच औरंगजेब के पास कुछ विदेशी मुस्लिम शक्तियों के यहाँ से दूतमंडल आए। इनमें मक्का का शरीफ, फारस, बल्क, बुखारा कारागर, खीवां, अबिसीनिया और शहरे-नौ के राजा, बसरा, यमन एवं मोचा के तुर्की सरदार तथा कुस्तुनतुनिया से केवल एक दूत मंडल 1690 ई. में आया था।

17. In Mauryan period the Samaharta stands for:
मौर्य काल में समाहर्ता का अर्थ था–

(a) Commander in Chief/सेना नायक
(b) The Chief Custodian of Storehouses गोदाम का प्रमुख अभिरक्षक
(c) Officer Incharge of Assessment and Collection आकलन और संग्रहण का प्रभारी अधिकारी
(d) Officer of Forest/वन का अधिकारी

Ans. (c) : मौर्य प्रशासन का भारतीय प्रशासनिक इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान है। यह भारत की प्रथम केन्द्रीकृत प्रशासन प्रणाली का उल्लेख है। प्रशासन का केन्द्र बिन्दु राजा होता था। वह कार्यपालिका, व्यवस्थापिका एवं न्यायपालिका का प्रमुख था। अर्थशास्त्र में 18 तीर्थों का उल्लेख है। मुख्य तीर्थ इस प्रकार है।
प्रधानमंत्री और पुरोहित - पुरोहित प्रमुख धर्माधिकारी होते थे। चन्द्रगुप्त मौर्य के समय में ये दोनों विभाग कौटिल्य के अधीन थे।
समाहर्ता - यह राजस्व विभाग का प्रधान अधिकारी था।
सन्निधाता- राजकीय कोषाध्यक्ष था।
प्रदेष्टा - फौजदारी न्यायालय का न्यायाधीश (कमिशनर)
व्यवहारिक - दीवानी न्यायालय का न्यायाधीश

18. What was the purpose of the Indian visit of Hiuen Tsang?
ह्वेन सांग का भारत यात्रा का क्या उद्देश्य था?

(a) To know the geography of India/ भारत का भूगोल जानना
(b) To visit the places connected to Buddha/ बुद्ध से सम्बन्धित स्थलों पर जाना
(c) To know the cultures of India/ भारत की संस्कृति को जानना
(d) To amass wealth/ धन एकत्र करना

Ans. (b) : हर्ष के समय की सर्वप्रमुख घटना चीनी यात्री ह्वेनसांग (युवानच्वांग) के भारत आगमन की है। ह्वेनसांग का जन्म 600 ई. के लगभग चीन के होनन प्रान्त के चीन-लिउ नामक स्थान में हुआ था। इसे धार्मिक पुस्तकें बड़ी प्रिय थी। इसकी उत्कट् अभिलाषा महात्मा बुद्ध के चरण-चिन्हों द्वारा पवित्र किये गये स्थानों को देखने तथा पवित्र बौद्ध ग्रन्थों का उनके मूल भाषा में अध्ययन करने की थी जो उन दिनों भारत में सुलभ थे। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए 629 ई. में उसने तांग शासकों की राजधानी चंगन से भारतवर्ष के लिए प्रस्थान किया।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

19. The great stupa at Amaravati was originally established in the period of :
अमरावती का महास्तूप मूल रूप से किस काल में स्थापित हुआ?
(a) Ashokan/अशोक के (b) Sunga/शुंग के
(c) Satavahan/सातवाहन के (d) Gupta/गुप्त के

Ans. (c): स्तूप का शाब्दिक अर्थ होता है 'ढेर' या 'थूहा'। स्तूप संस्कृत के 'स्तुप' धातु से बना है जिसका अर्थ है 'एकत्र करना अथवा ढ़ेर लगाना' इसके लिए प्राकृत शब्द 'भूप' मिलता है। स्तूप निर्माण का वास्तविक कार्य अशोक के समय में प्रारम्भ हुआ तथा स्तूपों का विस्तार सम्पूर्ण देश में किया गया। बौद्ध परम्परा में अशोक को 84 हजार स्तूपों के निर्माण का श्रेय प्रदान किया गया है। अमरावती का महास्तूप जिसे महाचैत्य के रूप में जाना जाता है, सातवाहन कालीन स्तूप है।

20. In which year Lord Dalhousie announced that the successor of Mughal Emperor Bahadur Shah would have to vacate the Red Fort?
लार्ड डलहौजी ने किस वर्ष यह घोषणा की कि मुगल बादशाह बहादुर शाह के उत्तराधिकारियों को लाल किला खाली करना पड़ेगा?
(a) 1848 A.D. (b) 1849 A.D.
(c) 1855 A.D. (d) 1856 A.D.

Ans. (b) : यद्यपि मुगल सम्राट 1803 ई. में ब्रिटिश संरक्षण में रहने लगा था लेकिन मान मर्यादा सम्बन्धित उनके दावे स्वीकृत थे। वे गवर्नर जनरल को प्रिय पुत्र और "वफादार नौकर" सम्बोधित करते थे। ब्रिटिश गवर्नर जनरल एम्हर्स्ट ने बादशाह को यह साफ समझा दिया कि आपकी बादशाहत नाम मात्र की है और दरबार के ब्रिटिश रेजीडेन्ट ने नजर देते समय खड़े होने से इंकार किया। ब्रिटिश गवर्नर जनरल ऑकलैण्ड ने बादशाह को अपने दावे और अधिकार छोड़ने को कहा। डलहौजी ने 1849 में सम्राट को लाल किले से हटने के लिए कहा। बादशाह को उपाधि छोड़ देने और अपने उत्तराधिकारी नामजद करने का अधिकार भी छोड़ देने को कहा।

21. Which of the metal was used in making of Purana or Dharana type of coins?
पुराण या धरण प्रकार की मुद्रा में किस धातु का प्रयोग होता था?
(a) Copper/ताम्र (b) Bronze/कांस्य
(c) Silver/रजत (d) Gold/स्वर्ण

Ans. (c) : पुराण या धरण प्राक् मौर्यकालीन और मौर्यकालीन आहत् मुद्रा थी जो चाँदी की बनी हुई थी। आहत मुद्रा के लिए मनुस्मृति में पुराण व धरण शब्द का प्रयोग किया गया है। कौटिल्य ने आहत मुद्रा को 'पण' तथा काव्यायन ने 'प्रति' शब्द का प्रयोग किया है। पण, कार्षापण, रुप्यरूप, धरण आदि चाँदी की आहत मुद्राएं थीं। सुवर्ण और निष्क सोने की आहत मुद्राएँ थी जोकि माषक और काकणि तांबे की आहत मुद्रा थीं।

22. Sachivas and Mantris two terms for Ministers were mentioned in the inscriptions of the period of :
राजपदाधिकारियों के लिए दो पदों सचिव और मंत्री का उल्लेख किस काल के अभिलेखों में हुआ है?
(a) Maurya Period/मौर्य काल
(b) Kushan Period/कुषाण काल
(c) Gupta Period/गुप्त काल
(d) Sunga Period/शुंग काल

Ans. (c) : राजपदाधिकारियों के लिए दो पदों सचिव और मन्त्री का उल्लेख गुप्तकाल के शासकों के अभिलेखों में हुआ है। गुप्त शासन का केन्द्र बिन्दु राजा था। गुप्त शासक महाराजाधिराज और परमभट्टारक जैसी उपाधियाँ धारण करते थे। राजा की सहायता के लिए एक मंत्रिपरिषद होती थी जिसके ज्यादातर सदस्य उच्च वर्ग के होते थे। इन्हें अमात्य कहा जाता था। मंत्रियों का पद अधिकांशतः अनुवांशिक होता था। एक ही मंत्री के पास कई विभाग होते थे। उदाहरणार्थ- हरिषेण तीन पदों सन्धिविग्रहिक, कुमारामात्य एवं महादण्डनायक के पदों पर आसीन था।

23. Arthashastra of Kautilya has mentioned how many Adhyakshas appointed by State?
कौटिल्य का अर्थशास्त्र राज्य द्वारा नियुक्त कितने अध्यक्षों का उल्लेख करता है?
(a) Twenty five/पच्चीस (b) Twenty two/बाईस
(c) Twenty seven/सत्ताईस (d) Twenty nine/उनतीस

Ans. (*) : अर्थशास्त्र के अध्यक्ष-प्रचार नामक द्वितीय अधिकरण में अध्यक्षों का उल्लेख है। ये विभिन्न विभागों के अध्यक्ष होते थे और मंत्रियों के निरीक्षण में काम करते थे। सम्भवतः इन अध्यक्षों को ही मेगस्थनीज ने मजिस्ट्रेट कहा है। इनके नाम इस प्रकार हैं- पण्याध्यक्ष, सुराध्यक्ष, सूनाध्यक्ष, गणिकाध्यक्ष, सीताध्यक्ष अकराध्यक्ष, कोष्ठगाराध्यक्ष, कुप्याध्यक्ष, आयुधगाराध्यक्ष, शुल्काध्यक्ष, सूत्राध्यक्ष, लोहाध्यक्ष, लक्षणाध्यक्ष, गो-अध्यक्ष, विविताध्यक्ष, मुद्राध्यक्ष, नवाध्यक्ष, पत्तनाध्यक्ष संस्थाध्यक्ष, देवताध्यक्ष, पौतवाध्यक्ष, मानाध्यक्ष, अश्वाध्यक्ष, हस्त्याध्यक्ष, सुवर्णाध्यक्ष, अक्षपटलाध्यक्ष। कौटिल्य के इसी ग्रंथ (अर्थशास्त्र के अध्यक्ष-प्रचार के द्वितीय अधिकरण) में अन्य अध्यक्षों का भी उल्लेख प्राप्त होता है। अर्थात् अध्यक्षों की संख्या निश्चित न होने के कारण आयोग ने इस प्रश्न को विलोपित कर दिया है।

24. Who was the author of the book 'Setubandha' a Sanskrit Kavya?
संस्कृत काव्य, 'सेतुबन्ध' ग्रंथ का लेखक कौन था?
(a) Rudrasena II/रुद्रसेन द्वितीय
(b) Pravarasena II/प्रवरसेन द्वितीय
(c) Narendrasena/नरेन्द्रसेन
(d) Prithvisena II/पृथ्वीसेन द्वितीय

Ans. (b) : संस्कृत काव्य, 'सेतुबन्ध' ग्रन्थ का लेखक प्रवरसेन द्वितीय था। इस ग्रन्थ में राम की लंका विजय का विवरण है। प्रवरसेन द्वितीय वाकाटक राजवंश का शासक था। इस राजवंश की स्थापना 255 ईस्वीं के लगभग विष्णुवृद्धि गोत्र के विन्ध्यशक्ति ने की थी। उसके पूर्वज सातवाहनों के अधीन बरार के स्थानीय शासक थे। सातवाहनों के पश्चात् विन्ध्यशक्ति ने अपनी स्वतन्त्रता घोषित कर दी।

25. Jauna Khan was the first name of :
जौना खान किसका प्रथम नाम था?
(a) Alauddin Khilji/अलाउद्दीन खिलजी
(b) Ghiyas-ud-din Tughluq/गियासुद्दीन तुगलक
(c) Muhammad-bin Tughluq/मुहम्मद-बिन तुगलक
(d) Firuz Shah Tughluq/फिरोज शाह तुगलक

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : गियासुद्दीन तुगलक के मृत्यु के बाद उसका पुत्र जूना खाँ (जौना खान) मुहम्मद बिन तुगलक की उपाधि ग्रहण कर 1325 ई. में गद्दी पर बैठा। गियासुद्दीन के पाँच पुत्र थे जिसमें मुहम्मद बिन तुगलक सबसे बड़ा था। उसका मूल नाम मलिक फख़रूद्दीन था। वह जूना खाँ के नाम से जाना जाता था। 1320 ई. में जब सुल्तान गियासुद्दीन शासक बना तो जूना खाँ को उलूग खाँ की उपाधि दी और उसे अपना युवराज तथा उत्तराधिकारी घोषित किया।

26. Which Chola Ruler held the titles of Maduraikonda and Madhurantaka?
किस चोल शासक ने मदुरैकोण्ड और मधूरान्तक उपाधियों को धारण किया?
(a) Vijayalaya/विजयालय
(b) Aditya I/आदित्य प्रथम
(c) Parantaka I/परान्तक प्रथम
(d) Kulottunga I/कुलोत्तुंग प्रथम

Ans. (c) : परान्तक प्रथम (907-955 ई.) आदित्य प्रथम का पुत्र था तथा उसकी मृत्यु के उपरान्त राजा हुआ। यह चोल वंश का वास्तविक संस्थापक तथा अपने वंश का पहला सार्वभौम या सर्वसत्ता सम्पन्न शासक था। इसने मदुरै के पाण्ड्य शासक राजसिंह द्वितीय पर आक्रमण किया और बेल्लूर के युद्ध में हरा दिया। मदुरै पर विजय के उपलक्ष्य में उसने 'मदुरैकोण्ड' की उपाधि धारण की। इसकी अन्य उपाधियाँ थीं- मदुरान्तक, वीरचोल तथा संग्रामराघव।

27. In Arthashastra Vivitadhyaksha was used for:
अर्थशास्त्र में विवीताध्यक्ष किसके लिए प्रयोग किया गया था?
(a) Superintendent of Pasture lands
चारागाहों का अध्यक्ष
(b) Superintendent of Commerce
वाणिज्य का अध्यक्ष
(c) Superintendent of Mines/खानों का अध्यक्ष
(d) Superintendent of Agriculture/कृषि का अध्यक्ष

Ans. (a) : अर्थशास्त्र के अध्यक्ष-प्रचार के द्वितीय अध्याय में विभिन्न अध्यक्षों का उल्लेख है। ये विभिन्न विभागों के अध्यक्ष होते थे और मंत्रियों के निरीक्षण में काम करते थे। सम्भवतः इन अध्यक्षों को ही मेगस्थनीज ने मजिस्ट्रेट कहा है। कुछ मुख्य अध्यक्ष निम्न हैं:-
- पण्याध्यक्ष – वाणिज्य विभाग का अध्यक्ष
- सुराध्यक्ष – आबकारी विभाग का अध्यक्ष
- सूनाध्यक्ष – बूचड़खाने का अध्यक्ष
- गणिकाध्यक्ष – गणिकाओं का अध्यक्ष
- गो अध्यक्ष – पशुधन विभाग का अध्यक्ष
- विविताध्यक्ष – चारागाहों का अध्यक्ष। इसके अन्य कार्य कुओं का निर्माण, जलाशयों का निर्माण, जंगल से गुजरने वाले लोगों की रक्षा आदि थी।

28. Which Sultan used to compose poetry in Persian using the pen name "Gulrukh"?
किस सुल्तान द्वारा 'गुलरूख' के उपनाम से ईरानी भाषा में नज्म लिखी जाती थी?
(a) Bahlol Lodi/बहलोल लोदी
(b) Raziya/रजिया
(c) Sikandar Lodi/सिकन्दर लोदी
(d) Balban/बलबन

Ans. (c) : सिकन्दर लोदी शिक्षित और विद्वान शासक था। वह फारसी भाषा का ज्ञाता था तथा ''गुलरुखी' के उपनाम से फारसी में कविताएँ लिखता था। वह विद्वानों का सम्मान करता था तथा उन्हें संरक्षण प्रदान किया। प्रत्येक रात 70 विद्वान उसके शैय्या के पास बैठकर विभिन्न प्रकार की चर्चाएँ करते थे। उसके समय में संस्कृत के कई ग्रन्थों का फारसी में अनुवाद हुआ। सिकन्दर लोदी के संरक्षण में उसके वजीर मियाँ भुआँ ने संस्कृत भाषा के औषधिशास्त्र के एक ग्रन्थ का तिब्बत-ए-सिकन्दरी या फरहंग-ए-सिकन्दरी नाम से फारसी भाषा में अनुवाद किया।

29. Which of the following is the first Turkish Masjid in India?
निम्नलिखित में से कौन-सा मस्जिद भारत में प्रथम तुर्की मस्जिद था?
(a) Atala Devi Masjid/अटाला देवी मस्जिद
(b) Khirki Masjid/खिड़की मस्जिद
(c) Quwat-ul-Islam Masjid/
कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद
(d) Kalan Masjid/कलान मस्जिद

Ans. (c): कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद, दिल्ली में स्थित हिन्दू-मुस्लिम शैली पर निर्मित प्रथम भवन है। इसका निर्माण कुतुबुद्दीन ऐबक ने पृथ्वीराज चौहान पर विजय पाने की स्मृति में करवाया था। इस मस्जिद के सम्बन्ध में कहा जाता है कि इसका निर्माण जैन मंदिर के ध्वंसावशेषों पर हुआ था। पहले यहाँ एक वैष्णव मंदिर था। इसी विष्णु मन्दिर को तोड़कर ऐबक ने दिल्ली व भारत की प्रथम मस्जिद का निर्माण करवाया।

30. With which mutiny was Mangal Pandey associated?
मंगल पाण्डेय किस विद्रोह से सम्बन्धित था?
(a) Barrackpore/बैरकपुर (b) Meerut/मेरठ
(c) Delhi/दिल्ली (d) Dinapore/दीनापुर

Ans. (a): मंगल पाण्डेय 34वीं रेजीमेण्ट बैरकपुर (मुर्शिदाबाद के निकट) अपने साथियों के साथ 29 मार्च 1857 को एजुटेंट लेफ्टिनेंट बाग की हत्या कर और मेजर सार्जेण्ट ह्यूसन को गोली मारकर विद्रोह कर दिया। इस विद्रोह का तात्कालिक कारण पुरानी लोहे वाली बन्दूक ब्राउन बैस के स्थान पर न्यू इन्फील्ड रायफल का प्रयोग था। इस रायफल में कारतूस के ऊपरी भाग को मुँह से काटना पड़ता था जिसमें गाय और सूअर की चर्बी लगी होती थी। इस घटना ने चिंगारी का कार्य किया और मंगल पाण्डेय ने विद्रोह कर दिया।

31. In which its session, All India Muslim League had openly opposed the Civil Disobedience Movement?
अखिल भारतीय मुस्लिम लीग ने अपने किस अधिवेशन में नागरिक अवज्ञा आन्दोलन का खुलकर विरोध किया?
(a) Lahore Session/लाहौर अधिवेशन
(b) Amritsar Session/अमृतसर अधिवेशन
(c) Allahabad Session/इलाहाबाद अधिवेशन
(d) Lucknow Session/लखनऊ अधिवेशन

Ans. (c) : बंगाल के विभाजन ने साम्प्रदायिक फूट को जन्म दिया। बंगाल विभाजन के घोषणा के तत्काल बाद 1 अक्टूबर 1906 ई. को आगा खाँ तृतीय के नेतृत्व में मुसलमानों का एक शिष्टमण्डल जिसके अधिकांश सदस्य अभिजात्य वर्ग के थे, शिमला में लार्ड

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

मिण्टो से मिले और 1906 ई. को ढाका में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें ''अखिल भारतीय मुस्लिम लीग'' नामक राजनीतिक संगठन की स्थापना करने का निर्णय लिया गया। अखिल भारतीय मुस्लिम लीग ने अपने इलाहाबाद अधिवेशन (1930 अध्यक्ष- मो. इकबाल) में नागरिक अवज्ञा आन्दोलन का खुलकर विरोध किया।

32. Who was the author of Kalingattuparani?
कलिंगत्तुपर्णि का लेखक कौन था?
(a) Jayagondan/जयगोण्डन
(b) Ramanuja/रामानुज
(c) Karunakara Tondaiman/करुणाकर तोण्डैमन्
(d) Vishnuvardhana/विष्णुवर्धन

Ans. (a) : चोल राजाओं का शासन काल तमिल भाषा एवं साहित्य के विकास के लिए प्रसिद्ध है। तमिल लेखकों में सर्वाधिक प्रसिद्ध जयन्गोन्दार (जयगोण्डन) था। वह चोल शासक कुलोत्तुंग प्रथम का राजकवि था और उसने 'कलिंगत्तुपर्णि' नामक ग्रन्थ की रचना की। इसमें कुलोत्तुंग के कलिंग-युद्ध की घटनाओं का वर्णन है। कुलोत्तुंग तृतीय के शासन-काल में प्रसिद्ध कवि कम्बन हुआ जिसने 'तमिल रामायण' अथवा 'रामावतारम्' की रचना की।

33. Which of the following Rock Edict of Ashoka speaks of religious synthesis?
निम्नलिखित में अशोक का कौन-सा शिलालेख धार्मिक संश्लेषण (समन्वय) के बारे में कहता है?
(a) Rock Edict II/द्वितीय शिलालेख
(b) Rock Edict XI/ग्यारहवाँ शिलालेख
(c) Rock Edict XIII/तेरहवाँ शिलालेख
(d) Rock Edict XII/बारहवाँ शिलालेख

Ans. (d) : अशोक का इतिहास मुख्यतः उसके अभिलेखों से ही ज्ञात होता है। प्रसिद्ध इतिहासकार डी.आर. भण्डारकर महोदय ने केवल अभिलेखों के आधार पर ही अशोक का इतिहास लिखने का प्रयास किया है। सर्वप्रथम 1837 ई. में जेम्स प्रिंसेप ने अशोक के दिल्ली टोपरा स्तंभ लेख को पढ़ने में सफलता पायी जबकि सबसे पहले 1750 ई. में टी. फैन्थेलर महोदय द्वारा खोजा गया अभिलेख दिल्ली-मेरठ स्तंभ लेख था। अशोक अपने बारहवें शिलालेख में धार्मिक संश्लेषण (समन्वय) के बारे में कहता है। इसमें अशोक कहता है कि- सभी सम्प्रदायों के सार की वृद्धि हो, क्योंकि सबका मूल संयम है। लोग अपने सम्प्रदाय की प्रशंसा और दूसरे सम्प्रदाय की निन्दा न करें।

34. After the death of Prabhakarvardhan his wife had bumt herself on the bank of :
प्रभाकरवर्द्धन की पत्नी ने उसके मृत्यु के बाद किस नदी के किनारे अपना आत्मदाह कर लिया?
(a) Yamuna/यमुना (b) Saraswati/सरस्वती
(c) Ganga/गंगा (d) Jhelum/झेलम

Ans. (b) : थानेश्वर के वर्द्धनों का क्रमबद्ध एवं विस्तृत इतिहास प्रभाकरवर्द्धन के समय से मिलता है। वस्तुतः वह इस वंश की स्वतन्त्रता का जन्मदाता था। प्रभाकरवर्द्धन एक शक्तिशाली राजा था। अपनी स्वतन्त्र स्थिति को सूचित करने के लिए ही उसने 'परमभट्टारक' तथा 'महाराजाधिराज' जैसी सम्मानपरक उपाधियाँ धारण कीं। प्रभाकरवर्धन की कई रानियाँ थी। इसमें यशोमती उसकी प्रधान रानी (अग्रमहिषी) थी। हूणों से युद्ध करने के पश्चात् प्रभाकर वर्धन गम्भीर रूप से बीमार हो गया और उसकी मृत्यु हो गयी तथा रानी यशोमती ने सरस्वती नदी के किनारे चिता में कूदकर आत्मदाह कर लिया।

35. Who was the founder of Deccan Sabha?
दक्कन सभा का संस्थापक कौन था?
(a) Mahadeva Govind Ranade/ महादेव गोविन्द रानाडे
(b) Dadabhai Naoroji/दादाभाई नौरोजी
(c) Gopal Krishna Gokhale/गोपाल कृष्ण गोखले
(d) Bal Gangadhar Tilak/बाल गंगाधर तिलक

Ans. (c) : दक्कन सभा का संस्थापक गोपाल कृष्ण गोखले थे। ये एक महान समाज सुधारक और शिक्षाविद् थे जिन्होंने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को अनुकरणीय नेतृत्व प्रदान किया। गोखले ने सामाजिक सशक्तिकरण, शिक्षा के विस्तार और तीन दशकों तक भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की दिशा में कार्य किया तथा प्रतिक्रियावादी या क्रांतिकारी तरीकों के इस्तेमाल को खारिज किया। भारतीय शिक्षा के विस्तार के लिए वर्ष 1905 में उन्होंने सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी की स्थापना की। **(स्रोत- पी.आई.बी.)**

36. The tem 'Hiranyastupa' was mentioned firstly in :
'हिरण्यस्तूप' शब्द का उल्लेख सर्वप्रथम हुआ था–
(a) Vinaya Pitaka/विनय पिटक
(b) Digha Nikaya/दीघ निकाय
(c) Divyavadana/दिव्यवदान
(d) Rigveda/ऋग्वेद

Ans. (d) : स्तूप का सर्वप्रथम उल्लेख ऋग्वेद में मिलता है जहाँ इसे हिरण्यस्तूप कहा गया है। स्तूप का शाब्दिक अर्थ 'ढेर' या 'थूहा' होता है। चूँकि यह चिता के स्थान पर बनाया जाता है अतः इसका एक नाम 'चैत्य' भी है। स्तूप के 4 प्रकार पारिभौगिक, शारीरिक, उद्देशिक और संकल्पित होते हैं। पारिभौगिक में बुद्ध द्वारा उपयोग में लाई गई वस्तुओं पर, शारीरिक में बुद्ध व उनके प्रमुख शिष्यों के अस्थियों पर, उद्देशिक में बुद्ध के जीवन की घटनाओं पर तथा संकल्पित में श्रद्धालुओं द्वारा स्तूप का निर्माण कराया जाता है।

37. Who wrote 'Tarikh-i-Mubarak Shahi'?
'तारीख-ए-मुबारक शाही' का लेखक कौन था?
(a) Yahya bin ahmad Sirhindi/ याहया बिन अहमद सरहिन्दी
(b) Isami/इसामी
(c) Shams -e- Siraj Afif/शम्स-ए-सिराज अफीफ
(d) Barani/बरनी

Ans. (a) : 'तारीख-ए-मुबारकशाही' का लेखक याहया बिन अहमद सरहिन्दी है। तारीख-ए-मुबारकशाही की रचना याहया बिन अहमद ने सैय्यद वंश के शासक मुबारकशाह के संरक्षण में की थी। यह ग्रन्थ सैय्यद वंश का एक मात्र समकालीन स्रोत है। याहया बिन अहमद सरहिन्दी, मुबारकशाह का समकालीन था। उसने यह ग्रन्थ मुबारकशाह को समर्पित किया।

38. Who is the author of Jain literature Kuvalayamala?
जैन ग्रंथ कुवलयमाला का लेखक कौन था?
(a) Uddyotana Suri/उद्योतन सूरि
(b) Haribhadra/हरिभद्र
(c) Maheshara Suri/महेशरा सूरि
(d) Gunachandra/गुणचन्द्र

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : जैन ग्रन्थ कुवलयमाला के लेखक उद्योतन सूरि हैं। इस ग्रंथ की रचना उद्योतन सूरि द्वारा जालौर में रहकर 778 ईस्वी के आस-पास की थी यह एक तरह से प्राकृत ग्रंथ है। इस ग्रन्थ में 18 देसी भाषाओं का उल्लेख किया गया है। इन 18 भाषाओं में पश्चिमी राजस्थान की मरु भाषा का भी उल्लेख मिलता है।

39. Asiatic society of Bombay was established in which of the following year?
एशियाटिक सोसायटी ऑफ बॉम्बे की स्थापना निम्नलिखित में से किस वर्ष हुई थी?
(a) 1802 (b) 1814
(c) 1804 (d) 1806

Ans. (c) : मुंबई की एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बाम्बे की स्थापना सर जेम्स मैकिन्टोश ने की, जो इंग्लैंड में एक प्रतिष्ठित वकील, न्यायविद और विख्यात सामाजिक व्यक्ति थे जो बॉम्बे के चीफ जज बने। मुंबई की एशियाटिक सोसाइटी को प्रारम्भ में लिटरेरी सोसाइटी के नाम से जाना जाता था। इसकी स्थापना 26 नवंबर 1804 को हुई। उसका उद्देश्य उन उपयोगी ज्ञान को बढ़ावा देना था, जो तत्कालीन समय में भारत से जुड़ा हुआ था।

40. Who of the following Vakataka Rulers, married Prabhavatigupta, daughter of Chandragupta II?
निम्नलिखित वाकाटक शासकों में किसने चन्द्रगुप्त द्वितीय की पुत्री प्रभावतीगुप्ता से विवाह किया?
(a) Pravarasena II/प्रवरसेन द्वितीय
(b) Prithvisena II/पृथ्वीसेन द्वितीय
(c) Rudrasena I/रुद्रसेन प्रथम
(d) Rudrasena II/रुद्रसेन द्वितीय

Ans. (d) : चन्द्रगुप्त द्वितीय को विक्रमांक या विक्रमादित्य कहा जाता है। इसके माता का नाम दत्तदेवी था। इसका काल गुप्तकाल का स्वर्णयुग माना जाता है। वाकाटकों का सहयोग प्राप्त करने के लिए चन्द्रगुप्त ने अपनी पुत्री प्रभावतीगुप्ता का विवाह वाकाटक नरेश रुद्रसेन द्वितीय के साथ कर दिया। वाकाटकों तथा गुप्तों की सम्मिलित शक्ति ने शकों का उन्मूलन कर डाला। ध्यातव्य है कि वाकाटक लोग आधुनिक महाराष्ट्र प्रान्त में शासन करते थे।

41. Arrange the following events in chronological order and select the correct answer fom the codes given below.
निम्नलिखित घटनाओं को कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए तथा नीचे दिये गये कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए।
(1) Simon Commission/साइमन कमीशन
(2) First Round Table Conference/ प्रथम गोलमेज सम्मेलन
(3) Cripps Mission/क्रिप्स मिशन
(4) C.R. Formula/सी.आर. फार्मूला
Codes :/कूट–
(a) 2, 1, 4, 3 (b) 1, 2, 3, 4
(c) 1, 3, 2, 4 (d) 2, 1, 3, 4

Ans. (b) : निम्नलिखित घटनाओं का कालक्रमानुसार क्रम इस प्रकार है-
- 3 फरवरी 1928 ई. को साइमन कमीशन बम्बई पहुँचा
- 12 नवम्बर 1930 - 19 जनवरी 1931 ई. प्रथम गोलमेज सम्मेलन
- 23 मार्च 1942- क्रिप्स मिशन भारत पहुँचा।
- 10 जुलाई 1944-सी.आर. फार्मूला

42. The Guptas learnt the use of the trousers from which of the following?
निम्नलिखित में से किससे गुप्तों ने पतलून पहनना सीखा?
(a) The Kushanas/कुषाणों से
(b) The Mauryas/मौर्यों से
(c) The Sungas/शुंगों से
(d) The Sakas/शकों से

Ans. (a) : कुषाणों के पतन के बाद मगध में गुप्त राजवंश का उदय हुआ। गुप्त सम्भवतः कुषाणों के सामंत थे। वर्तमान उत्तर प्रदेश और बिहार के कई स्थानों पर गुप्त पुरावशेषों के बाद कुषाण पुरावशेष प्राप्त हुए हैं। संभावना है कि गुप्तों ने कुषाणों से काठी, बागडोर, बटनवाले कोट, पतलून और जूते का उपयोग सीखा।

43. Megasthenes has mentioned an officer Astynomoi who was related with :
मेगस्थनीज, द्वारा उल्लिखित ऐस्टिनोमोई अधिकारी का सम्बन्ध किससे था?
(a) Town Officials/नगर के अधिकारी
(b) District Officials/जिले का अधिकारी
(c) Village Officials/ग्राम के अधिकारी
(d) Chief Priest/धर्म का प्रमुख

Ans. (a) : ऐस्टिनोमोई मौर्यकालीन प्रमुख अधिकारी था। मेगस्थनीज ने ऐस्टिनोमोई नामक अधिकारी का वर्णन किया है। यह नगर का अधिकारी था। नागरक नगर का प्रमुख अधिकारी था। मेगस्थनीज ने इसका उल्लेख किया है। मौर्यकालीन कुछ प्रमुख अधिकारी निम्न हैं-
- एग्रोनोमोई - जिले एवं सड़क निर्माण का प्रमुख अधिकारी।
- रूपदर्शक - सिक्कों की जाँच करने वाला प्रधान अधिकारी।
- सौवर्णिक - टकसाल का प्रमुख अधिकारी
- प्रदेष्टा - यह फौजदारी न्यायालय का प्रमुख अधिकारी था।
- व्यवहारिक - दीवानी न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश था।

44. Muhammad Nadir and Muhammad Murad from Samarqand were among the last foreign artists to come to India in the reign of :
समरकन्द के मुहम्मद नादिर और मुहम्मद मुराद किसके शासनकाल में भारत आने वाले अंतिम कलाकार थे?
(a) Akbar/अकबर (b) Jahangir/जहाँगीर
(c) Shahjahan/शाहजहाँ (d) Aurangzeb/औरंगजेब

Ans. (b): समरकन्द के मुहम्मद नादिर और मुहम्मद मुराद जहाँगीर के शासनकाल में भारत आने वाले अंतिम कलाकार थे। जहाँगीर स्वयं एक कुशल चित्रकार था। इसका काल मुगल चित्रकला का चर्मोत्कर्ष था। उसके पास चित्रों का एक मुरक्का (एलबम) था। जहाँगीर ने अकारिजा के नेतृत्व में आगरा में एक चित्रशाला खुलवाई। जहाँगीर के दरबार के प्रसिद्ध चित्रकारों में अबुल हसन, बिशनदास, मंसूर, फार्रुखबेग, मनोहर, नन्हा, दौलत, विचित्र मुहम्मद नादिर, मुहम्मद मुराद, हाशीम, अकारिजा, माधव : गोवर्धन केशव आदि थे।

45. What is 'Gavishthi'?
'गविष्ठि' क्या थी?
(a) Search for Cows/गायों के लिए होने वाले संघर्ष
(b) Taxes on Cows/गायों पर लगने वाला कर
(c) Grazing Tax/चारागाह कर
(d) Dairy/गौशाला

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : ऋग्वैदिक आर्यों का प्रारम्भिक जीवन अस्थाई था। अतः उनके जीवन में कृषि की अपेक्षा पशुपालन का अधिक महत्व था। पशुओं में गाय की सर्वाधिक महत्ता थी। गाय की गणना सम्पत्ति में की जाती थी। ऋग्वेद में, 176 बार गाय का उल्लेख मिलता है। आर्यो की अधिकांश लड़ाइयाँ गायों को लेकर हुई। ऋग्वेद में युद्ध का पर्याय ''गविष्टि'' (गायों का अन्वेषण) इसी प्रकार गवेषण गोषु, गत्य, गभ्य आदि शब्द युद्ध के लिए प्रयुक्त होते थे।

46. Who announced that after the death of Bahadur Shah Mughals would lose the title of King'?
किसने यह घोषणा की कि बहादुर शाह की मृत्यु के पश्चात् मुगलों को 'राजा' की उपाधि नहीं मिलेगी?
(a) Lord Dalhousie/लार्ड डलहौजी
(b) Lord Canning/लार्ड कैनिंग
(c) John Lawrence/जॉन लारेन्स
(d) Lord Ellenborough/लार्ड एलेनबरो

Ans. (b) : मुगल सम्राट 1803 ई. से ब्रिटिश संरक्षण में रहने लगा था लेकिन मान-मर्यादा सम्बन्धित उनके दावे स्वीकृत थे। ब्रिटिश गवर्नर जनरल ने बादशाह को यह साफ समझा दिया कि आपकी बादशाहत नाम मात्र की है। ब्रिटिश गवर्नर जनरल ऑकलैण्ड ने बादशाह को अपने दावे और अधिकार छोड़ने को कहा। डलहौजी ने सम्राट को लाल किले से हटने के लिए कहा। बादशाह को उपाधि छोड़ देने और अपने उत्तराधिकारी नामजद करने का अधिकार भी छोड़ देने को कहा। लार्ड कैनिंग ने यह घोषणा कि बहादुर शाह के मृत्यु के पश्चात् मुगलों का 'राजा' की उपाधि नहीं मिलेगी।

47. Mughal Garden of Shahdra is in :
शाहदरा का मुगल गार्डेन स्थित है–
(a) Delhi/दिल्ली में (b) Agra/आगरा में
(c) Lahore/लाहौर में (d) Srinagar/श्रीनगर में

Ans. (c) : शाहदरा काबुल और कश्मीर की दिशा से लाहौर का प्रमुख प्रवेश बिंदु है। जहाँगीर का मकबरा लाहौर में शाहदरा में रावी नदी के किनारे दिलकुशा बाग (जहाँगीर द्वारा लगवाया गया) में स्थित है। इसकी योजना जहाँगीर ने स्वयं बनवायी थी। किन्तु मकबरे का निर्माण उसकी पत्नी नूरजहाँ ने अपने देख-रेख में करवायी। यह एक वर्गाकार मकबरा है। यह मकबरा मुगलों की परम्परा के अनुसार एक विशाल उद्यान के बीच स्थित है।

48. Which monument was built to mark the victory of Akbar over Khandesh in 1601?
1601 में खानदेश पर अकबर की विजय की स्मृति चिह्न के रूप में कौन-सा स्मारक बना?
(a) Jama Masjid/जामा मस्जिद
(b) Ibadat Khana/इबादत खाना
(c) Buland Darwaza/बुलन्द दरवाज़ा
(d) Bibi Khanam Ka Makbara/
बीबी खानम का मकबरा

Ans. (c) : खानदेश 'दक्षिण का प्रवेशद्वार' माना जाता था। इसकी राजधानी बुरहानपुर थी। यहाँ का शासक राजा अली खाँ ने 1596 ई. में स्वेच्छा से अकबर की अधीनता स्वीकार कर ली। 1597 ई. में अली खाँ मुगलों के तरफ से युद्ध करता हुआ मारा गया। इसके बाद उसका पुत्र मीरन बहादुर गद्दी पर बैठा और मुगलों का आधिपत्य मानने से इंकार कर दिया। अकबर ने असीरगढ़ के किले पर घेरा डाला और कई माह के घेरे के बाद अकबर ने रिश्वत और कपट का सहारा लेकर असीरगढ़ के किले पर अधिकार कर लिया। 1601 ई. में अकबर फतेहपुर सीकरी लौटकर, यहीं पर उसने असीरगढ़ (दक्षिण विजय) कि स्मृति में प्रसिद्ध बुलंद दरवाजा का निर्माण करवाया तथा 'दक्षिण के बादशाह की उपाधि' धारण की।

49. Which one of the following is not situated in Fatehpur Sikri?
निम्नलिखित में से कौन-सा एक फतेहपुर सिकरी में स्थित नहीं है?
(a) Panch Mahal/पंचमहल
(b) Moti Masjid/मोती मस्जिद
(c) Palace of Mariam Makani/
मरियम मकानी का महल
(d) Palace of Jodha Bai/जोधाबाई का महल

Ans. (b) : पंचमहल, जोधाबाई का महल तथा मरियम मकानी का महल ये सभी स्थापत्य फतेहपुर सीकरी में स्थित है तथा ये तीनों स्थापत्य अकबर कालीन स्थापत्य है। मोती मस्जिद नामक स्थापत्य का निर्माण दो शासकों ने करवाया। शाहजहाँ ने मोती मस्जिद का निर्माण आगरे के किले में करवाया। इसका निर्माण शाहजहाँ ने अपनी पुत्री जहाँआरा के सम्मान में करवाया दूसरे मोती मस्जिद का निर्माण औरंगजेब ने दिल्ली के लाल किले के अन्दर कराया। इसका निर्माण औरंगजेब ने संगमरमर से करवाया।

50. In Rigveda, Tasar is used for which of the following?
ऋग्वेद में, तसर निम्नलिखित में किसके लिए प्रयोग हुआ है?
(a) Winch/चरखी के लिए
(b) Weaver/बुनकर के लिए
(c) Chariot/रथ के लिए
(d) Bridle/लगाम के लिए

Ans. (a) : ऋग्वेद में बढ़ई, रथकार, बुनकर, चर्मकार, कुम्हार आदि शिल्पियों के उल्लेख मिलते हैं। ताँबे या काँसे के अर्थ में अयस शब्द का प्रयोग होता है जिससे पता चलता है, कि आर्यों को धातुकर्म की जानकारी थी। ऋग्वेद में बढ़ई के लिए तक्षण तथा धातुकर्मी के लिए कमरि शब्द मिलता है। सोना के लिए हिरण्य शब्द का प्रयोग हुआ है। बसावाय नामक वर्ग कपड़ा बुनने का कार्य करता था। कपड़े की बुनाई करघों से की जाती थी। चर्खी को तसर तना को ओतु तथा बाना को तन्तु कहा जाता था।

51. 'The History of British India' written by James Mill was published in which year?
जेम्स मिल की रचना 'दि हिस्ट्री ऑफ ब्रिटिश इण्डिया' का प्रकाशन कब हुआ था?
(a) 1917 (b) 1827
(c) 1817 (d) 1859

Ans. (c) : जेम्स मिल (1773-1836) स्कॉटिश मूल के लेखक और राजनीतिक दार्शनिक थे, जिन्हें दार्शनिक और अर्थशास्त्री जॉन स्टुअर्ट मिल (1806-73) के पिता के रूप में भी जाना जाता है। इन्होंने एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में अध्ययन किया। 1802 में मिल लंदन चले गए, जहाँ उन्होंने पैम्फलेट, लेख और अंततः पुस्तकों के लेखक के रूप में अपना कैरियर प्रारम्भ किया। 1806 में उन्होंने अपना स्मारकीय ब्रिटिश भारत का इतिहास शुरू किया, जिसे 1817 में प्रकाशित किया।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

52. Who among the following is given credit to establish improved coinage system?
निम्नलिखित में से किसे सुधरी हुई मुद्रा पद्धति को स्थापित करने का श्रेय दिया गया है?
(a) Shershah/शेरशाह (b) Akbar/अकबर
(c) Jahangir/जहाँगीर (d) Shahjahan/शाहजहाँ

Ans. (a) : शेरशाह ने मुद्रा व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार किया। उसे सुधरी हुई मुद्रा पद्धति को स्थापित करने का श्रेय दिया जाता है। शेरशाह ने सोने का सिक्का अशरफ, चाँदी का रुपया और तांबे का दाम नामक सिक्का जारी किया। शेरशाह के काल में चाँदी का रुपया और तांबे के दाम का विनिमय अनुपात 1: 64 था। चाँदी का रुपया सर्वप्रथम शेरशाह ने जारी किया था जिसका वजन 178 ग्रेन था।

53. Which one of the following Sultans refused to recognize the authority of the Calipha?
निम्नलिखित सुल्तानों में किस एक ने खलीफा की सत्ता को मान्यता देना बंद कर दिया?
(a) Alauddin Khilji/अलाउद्दीन खिलजी
(b) Qutb-ud-din Mubarak Shah
कुतुबुद्दीन मुबारक शाह
(c) Ghiyas-ud-din Tughluq/गियासुद्दीन तुगलक
(d) Muhammad-bin Tughluq/मुहम्मद-बिन तुगलक

Ans. (b) : कुतुबुद्दीन मुबारक शाह खिलजी अप्रैल 1316 ई. में गद्दी पर बैठा। वह दिल्ली सल्तनत का प्रथम शासक था जिसने स्वयं को खलीफा घोषित किया तथा खलीफा की सत्ता को मानने से इंकार किया। उसने ''अल-इमाम-उल-इमाम व खलाफत-उल-लाह'' की उपाधि धारण की वह अपने योग्य पिता का अयोग्य पुत्र था। उसे नग्न स्त्री-पुरुषों की संगत पसन्द थी।

54. Tipu Sultan of Mysore was forced to become a Subsidiary State after which war?
किस युद्ध के बाद मैसूर का टीपू सुल्तान सहायक राज्य बनने के लिए बाध्य हुआ?
(a) First Anglo–Mysore War
प्रथम आंग्ल–मैसूर युद्ध
(b) Second Anglo–Mysore War
द्वितीय आंग्ल–मैसूर युद्ध
(c) Third Anglo–Mysore War
तृतीय आंग्ल–मैसूर युद्ध
(d) Fourth Anglo–Mysore War
चतुर्थ आंग्ल–मैसूर युद्ध

Ans. (d) : 1799 ई. में लार्ड वेलेजली ने टीपू के पास सहायक सन्धि का प्रस्ताव भेजा। टीपू ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। इस कारण 1799 ई. में वेलेजली ने युद्ध की घोषणा कर दी और मैसूर पर पूरब से जनरल हेरिस व कर्नल वेलेजली तथा पश्चिम से जनरल स्टुअर्ट ने आक्रमण कर दिया। टीपू युद्ध करते हुये मारा गया। 1799 में अंग्रेजों ने श्रीरंगपट्टम पर अधिकार कर लिया। उसके परिवार के सदस्यों को वेल्लोर में कैद कर दिया गया। मैसूर के राज्य को वाडियार वंश के एक दो वर्षीय बालक कृष्णराज को राजा बनाकर अंग्रेजों ने अपने संरक्षण में ले लिया तथा मैसूर पर सहायक सन्धि लाद दी गई। अतः चतुर्थ आंग्ल-मैसूर युद्ध ने मैसूर पर सहायक संधि लाद दी।

55. Who was the author of Padshahnama, an official history of the reign of Shahjahan in his eighth regnal year?
शाहजहाँ के शासन के आठवें वर्ष में शासन के राजकीय इतिहास, पादशाहनामा का लेखक कौन था?
(a) Motamid Khan/मोतमिद खान
(b) Abdul Hamid Lahori/अब्दुल हामिद लाहोरी
(c) Muhammad Amin Qazvini/
मुहम्मद आमिन कजवीनी
(d) Muhammad Waris/मुहम्मद वारिस

Ans. (c) : शाहजहाँ के शासन काल में ऐतिहासिक ग्रन्थों में मोहम्मद अमीन कजवीनी की पादशाहनामा, अब्दुल हमीद लाहौरी की पादशाहनामा, इनायत खाँ की शाहजहाँनामा, मोहम्मद सालेह की अमल-ए-सालेह तथा मुहम्मद सादिक खाँ की शाहजहाँनामा प्रमुख है। मुहम्मद अमीन कजवीनी शाहजहाँ के समय का प्रथम सरकारी इतिहासकार था। इसने अपनी पुस्तक पादशाहनामा में शाहजहाँ के शासनकाल के प्रथम दस वर्षों का वर्णन किया है। अब्दुल हमीद लाहौरी भी शाहजहाँ का दरबारी इतिहासकार था।

56. Name of Ramagupta of the Gupta Dynasty appears in which inscription?
किस अभिलेख में गुप्त वंश के शासक रामगुप्त का नाम आता है?
(a) Prayag Inscription of Samudragupta/
समुद्रगुप्त का प्रयाग अभिलेख
(b) Banskhera Inscription of Harshavardhan/
हर्षवर्द्धन का बांसखेड़ा अभिलेख
(c) Sanjan Copper Plate Inscription of Amoghvarsh
अमोघवर्ष का संजन ताम्र पत्र लेख
(d) Kahaum Inscription of Skandagupta/
स्कन्दगुप्त का काहौम अभिलेख

Ans. (c) : गोविन्द तृतीय की मृत्यु के पश्चात् उसका पुत्र अमोघवर्ष प्रथम राष्ट्रकूट सिंहासन पर बैठा। उस समय, इसकी अवस्था 7वर्ष थी। यह विद्या और कला का उदार संरक्षक था। वह स्वयं एक विद्वान तो था ही साथ ही विद्वानों का आश्रयदाता भी था। संजन ताम्र पत्र में विद्या तथा साहित्य के संरक्षक के रूप में उसे गुप्त शासक 'साहसांक' (चन्द्रगुप्त द्वितीय) से भी महान बताया गया। संजन ताम्र लेख में गुप्त वंश के शासक रामगुप्त का भी उल्लेख है। अमोघवर्ष ने कन्नड़ में कविराजमार्ग नामक पुस्तक लिखी जो कन्नड़ साहित्य के प्रारम्भिक रचनाओं में एक है तथा प्रश्नोत्तर रत्नमालिका (संस्कृत में लिखा गया नीति ग्रन्थ) की रचना की।

57. Who of the following had excavated the Buddhist site of Nalanda University?
बौद्ध स्थल नालंदा विश्वविद्यालय का निम्नलिखित में किसने उत्खनन कराया?
(a) R.D. Banerjee/आर.डी. बनर्जी
(b) Dr. Mackay/डॉ. मैके
(c) Dr. Stein/डॉ. स्टीन
(d) Dr. Spooner/डॉ. स्पूनर

Ans. (d) : नालंदा के विषय में जानकारी सर्वप्रथम 1812 ई. में हैमिल्टन ने दी थी। नालंदा महाविहार के अन्वेषण कार्य सर्वप्रथम जनरल कनिंघम ने सन् 1862 ई. में प्रारम्भ किया और 1870 ई. में ब्रैडली ने वहाँ की चैत्य सं0-12 की खुदाई की और एक लेख प्रकाशित करवाया। नालंदा के जीर्णोद्धार हेतु सन् 1915 ई. में खुदाई

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

का काम भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने अपने हाथों में लिया। पुरातत्व विभाग के तत्कालीन निदेशक सर जॉन मार्शल तथा स्पूनर (डॉ. स्पूनर) के निर्देशन में यह कार्य प्रारम्भ हुआ।

58. In which one of the following buildings silver ceiling and mingled decoration of marble, gold and precious stones have been used?
निम्नलिखित स्मारकों में से किसमें रजत की छत और संगमरमर, स्वर्ण तथा बहुमूल्य पत्थरों की मिश्रित सजावट का प्रयोग किया गया था?
(a) Moti-Masjid, Agra/मोती मस्जिद, आगरा
(b) Tomb of Itimad-ud-daulah, Agra/ एतमादुद्दौला का मकबरा, आगरा
(c) Diwan-i-Khas, Delhi/दीवान-ए-खास, दिल्ली
(d) Jahangiri Mahal, Agra/जहाँगिरि महल, आगरा

Ans. (c) : दीवान-ए-खास दिल्ली के लाल किले में स्थित शाहजहाँ द्वारा निर्मित एक भवन है। शाहजहाँ के काल में निर्मित सभी भवनों में दीवान-ए-खास सबसे अधिक अलंकृत है। इस इमारत में रजत की छत और संगमरमर स्वर्ण तथा बहुमूल्य पत्थरों की मिश्रित सजावट का प्रयोग किया गया है। शाहजहाँ के काल में निर्मित भवनों में आगरा का ताजमहल, मोती मस्जिद, नगीना मस्जिद तथा दिल्ली में लाल किला और जामा मस्जिद प्रमुख है।

59. In Delhi Sultanate, Barid-Mumalika was the Officer of the :
दिल्ली सल्तनत में बरीद-ए-मुमालिक अधिकारी था–
(a) Law Department/कानून विभाग का
(b) Chief of Nobles/कुलीन वर्ग का प्रमुख
(c) Head of Intelligence and Spies गुप्तचर विभाग का प्रमुख
(d) Chief of Army/सेना प्रमुख

Ans. (c) : दिल्ली सल्तनत में दीवान-ए-बरीद गुप्तचर विभाग था। इसका अध्यक्ष बरीद-ए-मुमालिक कहलाता था। यह राज्य का प्रमुख समाचार लेखक भी था। इसके अधीन गुप्तचर, संदेशवाहक व डाक चौकियाँ होती थी। इसके अन्तर्गत अनेक बरीद, शहरों, बाजारों एवं प्रत्येक आबादी वाले स्थानों पर नियुक्त थे। वे गुप्त सूचनायें बरीद-ए-मुमालिक को भेजते थे जिसे वह सुल्तान की सेवा में प्रेषित करता था।

60. Alai-Darwaza built by Alauddin Khilji was a gateway leading into the extension of :
अलाउद्दीन खिलजी द्वारा निर्मित अलाई दरवाज़ा कहाँ तक जाने का एक प्रवेश द्वार था?
(a) Qutub Minar/कुतुब मिनार
(b) Arahi-din Ka Jhopra/अढ़ाई-दिन का झोपड़ा
(c) Hauz-i-Khas/हौज-ए-खास
(d) Quwat-ul-Islam Mosque कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद

Ans. (d) : अलाउद्दीन खिलजी द्वारा निर्मित अलाई दरवाजा कुव्वत-उल-इस्लाम तक जाने का एक प्रवेश द्वार है। अलाई दरवाजा का निर्माण 1311 में अलाउद्दीन खिलजी दिल्ली में कुतुबमीनार के निकट करवाया। कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद दिल्ली में स्थित यह मस्जिद हिन्दू-मुस्लिम शैली पर निर्मित प्रथम भवन है। अलाई दरवाजा कुव्वत-उल-इस्लाम तक जाने का मार्ग प्रदान करता है।

61. Which one of the following Chola Rulers made conquest in Sumatra and Malaya?
निम्नलिखित में से किस चोल शासक ने सुमात्रा और मलाया पर विजय प्राप्त की थी?
(a) Rajaraja I/राजराजा प्रथम
(b) Rajendra I/राजेन्द्र प्रथम
(c) Virarajendra I/वीरराजेन्द्र प्रथम
(d) Rajendra II/राजेन्द्र द्वितीय

Ans. (b) : राजराज प्रथम के बाद उसका पुत्र राजेन्द्र प्रथम सिंहासन पर बैठा और वह अपने पिता की भाँति एक महान विजेता सिद्ध हुआ। राजेन्द्र प्रथम ने भारतीय उपमहाद्वीप में अपनी विजय पताका फहराने के उपरान्त दक्षिण-पूर्व एशिया में सैन्य अभियान किया। तिरुवालंगाडु ताम्रपत्र अभिलेख के अनुसार राजेन्द्र प्रथम की जहाजी बेड़ा ने समुद्र पार करके श्री विजय साम्राज्य की राजधानी कटाह या कडारम (सुमात्रा) को जीत लिया और वहाँ के शासक संग्राम विजयोतुंगवर्मन को बन्दी बना लिया। राजेन्द्र प्रथम ने कडारम विजय के उपलक्ष्य में कडारकोंड की उपाधि धारण की। श्री विजय साम्राज्य पर जीत के क्रम में उसने कडारम के अतिरिक्त पण्णई मलइयूर, मप्पपिरुडिंगम, इलंगाशोक आदि नगरों पर अधिकार कर लिया। ये सारे स्थान मलय प्रायद्वीप में स्थित थे।

62. Which one of the following Chola Kings who had conquered entire Ceylon (Singhal)?
निम्नलिखित चोल शासकों में किस एक ने सम्पूर्ण सिलोन (सिंघल) को विजित किया?
(a) Rajendra I/राजेन्द्र प्रथम
(b) Rajaraja/राजराजा प्रथम
(c) Kulottunga I/कुलोत्तुंग प्रथम
(d) Rajadhiraja/राजाधिराज

Ans. (a) : राजराज प्रथम के बाद उसका पुत्र राजेन्द्र प्रथम सिंहासन पर बैठा और वह अपने पिता की भांति एक महान विजेता सिद्ध हुआ। राजेन्द्र प्रथम ने भारतीय उपमहाद्वीप में अपनी विजय पताका फहराने के बाद दक्षिण पूर्व एशिया में सैन्य अभियान किया। अपने पिता की भाँति राजेन्द्र प्रथम ने भी 1017 ई. में लंका (सिंहल) पर आक्रमण किया। लंका नरेश महिन्द पंचम पराजित हुआ और उसे बन्दी बनाकर चोल राज्य भेज दिया गया जहाँ कारागार में 12 वर्षों के बाद उसकी मृत्यु हो गयी। सम्पूर्ण सिंहल पर अधिकार कर लिया गया।

63. Who amongst the following was closely associated with Indian Civil Liberties Union?
निम्नलिखित में से कौन 'इंडियन सिविल लिबर्टीज़ यूनियन' से घनिष्ठ रूप से जुड़ा था?
(a) Bal Gangadhar Tilak बाल गंगाधर तिलक
(b) Gopal Krishna Gokhale गोपाल कृष्ण गोखले
(c) M.G. Ranade/एम.जी. रानाडे
(d) Jawaharlal Nehru/जवाहरलाल नेहरू

Ans. (d) : जवाहर लाल नेहरू ने 1936 में बॉम्बे में भारत में पहला मानवाधिकार संगठन, इंडियन **सिविल** लिबर्टीज यूनियन (ICLU) का गठन किया। इंडियन सिविल लिबर्टीज यूनियन का उद्घाटन करते हुए, उन्होंने कहा कि इसके गठन के पीछे का विचार सरकार का विरोध करने का अधिकार था।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड, प्रयागराज

टी.जी.टी. परीक्षा 2016

भाग-II : इतिहास

व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र

(परीक्षा तिथि : 8 मार्च, 2019)

1. निम्नलिखित में से किसने 1909 में लेफ्टिनेंट कर्नल सर विलियम कर्जन वायली पर भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में क्रांति के प्रथम कार्य के रूप में आक्रमण किया?

(a) मदनलाल ढींगरा (b) हरदयाल
(c) उधम सिंह (d) रोशन सिंह

Ans : (a) इण्डिया हाउस के सदस्य मदन लाल ढींगरा ने 1जुलाई 1909 को भारत सचिव के राजनीतिक सलाहकार विलियम कर्जन वायली की गोली मारकर हत्या कर दी। फलस्वरूप मदन लाल ढींगरा को फाँसी पर लटका दिया गया। इस हत्याकाण्ड के बाद सावरकर को गिरफ्तार कर नासिक षडयन्त्र केस के अन्तर्गत मुकदमा चलाने के लिए भारत भेजा गया। 'इण्डिया हाऊस' के प्रमुख सदस्य वी.डी. सावरकर, हरदयाल, मदन लाल ढींगरा थे।

2. निम्नलिखित में से किस सत्र में, 1916 में पृथक निर्वाचन क्षेत्र की स्वीकृति से कांग्रेस द्वारा मुस्लिम लीग को रियायत दी गई?

(a) कलकत्ता (b) लखनऊ
(c) इलाहाबाद (d) लाहौर

Ans : (b) लखनऊ समझौते (1916) के द्वारा कांग्रेस ने पहली बार मुसलमानों के लिए प्रथक निर्वाचन मण्डल की मांग औपचारिक रूप से स्वीकार कर लिया जो कालान्तर में एक बड़ी भूल सिद्ध हुई। लखनऊ समझौते के अन्तर्गत तैयार उन्नीस सूत्रीय ज्ञापन पत्र में ब्रिटिश सरकार से भारत को अविलम्ब स्वशासन प्रदान करने, प्रांतीय विधान परिषदों और गवर्नर जनरल की विधान परिषद का विस्तार करने तथा इनमें अधिक निर्वाचित सदस्यों को प्रतिनिधि देने की मांग की गयी थी।

3. सही क्रम व्यवस्थित करें।

(i) रौलट एक्ट (ii) गाँधी-इरविन पैक्ट
(iii) मोर्ले-मिन्टो सुधार (iv) इल्बर्ट विल
(a) iv, iii, i, ii (b) iv, ii, iii, i
(c) iv, iii, ii, i (d) iii, i, ii, iv

Ans : (a) 17 मार्च 1919 ई. को केन्द्रीय विधान परिषद में पास हुआ विधेयक रौलेट एक्ट या रौलेट अधिनियम के नाम से जाना गया। रौलेट एक्ट को भारतीय जनता ने काला कानून कहकर आलोचना की। 5 मार्च 1931 को महात्मा गाँधी व वायसराय लार्ड इरविन के मध्य एक समझौता हुआ जिसे गांधी इरविन पैक्ट कहा गया। मार्ले मिन्टो सुधार 1909 ई. को हुआ। इल्बर्ट बिल 1883 ई. को पारित हुआ। अतः सही क्रम क्रमशः है–इल्बर्ट विल, मार्ले-मिन्टो सुधार, रौलेट एक्ट, गाँधी इर्विन पैक्ट।

4. उर्दू कवि जो द्वितीय और तृतीय गोलमेज सम्मेलन दोनों के प्रतिनिधि थे?

(a) अरुणा आसफ अली
(b) मुहम्मद इकबाल
(c) खान अब्दुल गफ्फार खान
(d) फैज अहमद फैज

Ans : (b) दूसरा गोलमेज सम्मेलन लन्दन में 7 सितम्बर 1931 से 1 दिसम्बर, 1931 तक चला। तृतीय गोलमेज सम्मेलन 17 नवम्बर 1932 से 24 दिसम्बर 1932 तक चला। इन दोनों सम्मेलनों में ऊर्दू कवि मुहम्मद इकबाल ने भाग लिया था। तृतीय गोलमेज सम्मेलन का कांग्रेस ने बहिष्कार किया था। द्वितीय गोलमेज सम्मेलन साम्प्रदायिक समस्या पर विवाद के कारण विफल रहा।

5. निम्नलिखित में से कौन-सा प्राचीन भारत के एक उपकरण परंपरा से नहीं जुड़ा है?

(a) मोस्टेरियन (b) अचुलियन
(c) ओल्डोवान (d) ग्रोशियन

Ans : (d) ग्रोशियन प्राचीन भारत के एक उपकरण परम्परा से नहीं जुड़ा है। मोस्टेरियम को एक उपकरण के अन्तर्गत रखा गया है। अचुलियन और ओल्डोवाम को भी एक उपकरण के रूप में प्रदर्शित किया गया है। ये सभी उपकरण सबसे प्राचीन उपकरणों की श्रेणी में रखे गये हैं।

6. ऋग्वेद संहिता की 1/4 ऋचाएं .....को निर्देशित करती हैं।

(a) रुद्र (b) मारुत
(c) असि (d) इंद्र

Ans : (d) इन्द्र का उल्लेख ऋग्वेद में 250 बार हुआ है। अर्थात संहिता के लगभग एक चाथाई भाग में अकेले इन्द्र का उल्लेख है। इन्द्र ऋग्वैदिक आर्यों का सबसे प्रधान देवता हैं इसे पुरन्दर अर्थात किलों को तोड़ने वाला व युद्ध के नेता के रूप में चित्रित किया गया है तथा प्रकृतिगत रूप में वर्षा का देवता माना गया है।

7. निम्नलिखित में से कौन-सा ईसा पूर्व युग में प्राचीन भारतीय इतिहास की एक घटना नहीं है?

(a) इंडो-ग्रीक साम्राज्य की स्थापना
(b) विक्रम संवत का आरम्भ
(c) चतुर्थ बौद्ध संगीति
(d) खारवेल का हाथीगुम्फा अभिलेख

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (c) कनिष्क का शासन काल 78 ई. लगभग माना जाता है, यह कुषाण वंश का सबसे महान शासक था। इसी के काल में चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन ई. की प्रथम शताब्दी में हुई थी। इण्डोग्रीक साम्राज्य की स्थापना 183 ई.पू. के लगभग हुई थी। भारतीय सीमा में प्रवेश करने का प्रथम श्रेय डेमेट्रियस को है। खारवेल का हाथीगुम्फा अभिलेख प्रथम सदी ई.पू. से संबंधित है। विक्रम संवत् का आरम्भ 57 ई.पू. से हुआ।

8. जैन धर्म में एक पृथक संप्रदाय के रूप में श्वेतांबर की स्थापना .....में परिणत हुई।

(a) राजगृह (b) वल्लभी
(c) उज्जैन (d) साँची

Ans : (*) चतुर्थ शताब्दी ई.पू. में प्रथम जैन सभा का आयोजन मगध की राजधानी पाटलिपुत्र में स्थूलभद्र की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इसी सभा में जैन धर्म का विभाजक श्वेताम्बर एवं दिगम्बर नामक दो सम्प्रदायों में हो गया। स्थूलभद्र के अनुयायी श्वेताम्बर जबकि भद्रबाहु के अनुयायी दिगम्बर कहलाए। अतः इसका सही उत्तर पाटलिपुत्र होगा।
नोट- माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन आयोग ने इसका उत्तर (f) दिया है।

9. केवल एक ही शिलालेख है, जिसमें अशोक ने करारोपण के बारे में बात की है। इनमें से कौन सा वह शिलालेख है?

(a) भाब्रू
(b) निगालीसागर स्तंभ शिलालेख
(c) रुम्मिनदेई स्तंभ शिलालेख
(d) बाराबरा गुफा शिलालेख

Ans : (c) रूम्मिनदेई स्तम्भ लेख में अशोक ने करारोपण का उल्लेख किया है। यह शिलालेख नेपाल की तराई में स्थित है। इस अभिलेख से ज्ञात होता है कि अशोक अपने राज्याभिषेक के 20वे वर्ष यहाँ आया था, उसने यहाँ धार्मिक कर बलि को माफ कर दिया तथा भूमिकर घटाकर 1/8 भाग कर दिया। इसे आर्थिक अभिलेख भी कहा जाता है।

10. निम्नलिखित में से किसने सौलोन के बौद्ध राजा मेघवर्मन की बोधगया में विहार बनाने की अनुमति दी?

(a) चंद्रगुप्त द्वितीय विक्रमादित्य
(b) समुद्रगुप्त
(c) स्कंदगुप्त
(d) कुमारगुप्त

Ans : (b) श्रीलंका के बौद्ध राजा मेघ वर्मन को बोध गया में विहार बनाने की अनुमति समुद्रगुप्त ने दिया था। उसकी विजयों के कारण विन्सेन्ट स्मिथ ने समुद्रगुप्त को 'भारत का नेपोलियन' कहा है। समुद्रगुप्त विजेता के साथ-साथ कवि, संगीतज्ञ और विद्या का संरक्षक था। उसके सिक्कों पर उसे वीणा बजाते हुए दिखाया गया है।

11. 'फतवा-ए-आलमगीरी' के नाम से इस्लामिक कानूनों का पूर्ण रूप से वर्णन मध्यकालीन भारत के निम्नलिखित में से किस शासक की आज्ञा से लिपिबद्ध किया गया?

(a) अलाउद्दीन खिलजी (b) शेरशाह सूरी
(c) अकबर (d) औरंगजेब

Ans : (d) 'फतवा ए आलमगीरी' मुगल बादशाह औरंगजेब के शासनकाल में विधिवेत्तओं के एक दल द्वारा तैयार की गई। यह कृति मुस्लिम कानूनों का अत्यन्त प्रामाणिक एवं विस्तृत सार संग्रह माना जाता है।

12. इब्नबतूता, प्रसिद्ध मुस्लिम अन्वेषक जो मोहम्मद बिन तुगलक के शासन काल में भारत आया, वह किस देश से था?

(a) अफगानिस्तान (b) मोरक्को
(c) इराक (d) ईरान

Ans : (b) मु. बिन तुगलक के शासन काल में 1333 ई. में अफ्रीकी यात्री इब्नबतूता भारत आया था। इब्नबतूता मूल रूप से अफ्रीकी देश मोरक्को का निवासी था। सुल्तान ने इसे दिल्ली का काजी नियुक्त किया। 1342 ई. में इब्नबतूता सुल्तान के राजदूत की हैसियत से चीन के शासक तोगन तिमूर के दरबार में गया। इस यात्री ने मुहम्मद तुगलक के समय की घटनाओं का अपनी पुस्तक 'रेहला' में वर्णन किया।

13. निम्नलिखित में से किसने 1613 में सूरत में अंग्रेजों द्वारा कारखाना स्थापित करने के लिए फरमान जारी करने हेतु जहांगीर को प्रभावित किया?

(a) अंग्रेजों और पुर्तगालियों के बीच समन्वय
(b) मुगल बादशाहों की पुर्तगालियों को बाहर निकलाने के लिए एक गुप्त नौसैनिक सहायता
(c) नूरजहाँ को भारी रिश्वत
(d) अंग्रेजों द्वारा पुर्तगालियों के नौसैनिक स्क्वाड्रन की हार

Ans : (d) 6 फरवरी 1613 ई. को जारी एक शाही फरमान (जहाँगीर की ओर से) द्वारा अंग्रेजों को सूरत में व्यापारिक कोठी स्थापित करने तथा मुगल राजदरबार में एक एलची रखने की अनुमति प्राप्त हो गयी। जहांगीर ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि वह अंग्रेजों द्वारा पुर्तगालियों के नौसैनिक स्क्वाड्रन की हार से प्रभावित था। टामस एल्बर्ड के अधीन सूरत में ब्रिटिश व्यापारिक कोठी की स्थापना हुई थी।

14. महान मुगल साम्राज्य के संस्थापक बाबर ने अपना वंश .....से जोड़ा था।

(a) पिता के वंश से तैमूर और माता के वंश से चंगेज खान
(b) पिता के वंश से चंगेज खान और माता के वंश से तैमूर
(c) पिता और माता के वंश से चगताई तुर्क
(d) पिताऔर माता के वंश से मंगोलियाई

Ans : (a) बाबर का जन्म 14 फरवरी 1483 ई. को मावरा उन्नहर (ट्रान्स आक्सियाना) की एक छोटी सी रियासत फरगना में हुआ था। बाबर के पिता का नाम उमर शेख मिर्जा था जो फरगना की जागीर का मालिक था। तथा उसकी माता का नाम कुतलुग निगार खानम था। बाबर अपने पिता पक्ष की ओर से तैमूर का पांचवा वंशज तथा मातृ पक्ष की ओर से चंगेज खां का 14 वां वंशज था। इस प्रकार उसमें तुर्कों एवं मंगोलों दोनों के रक्त का सम्मिश्रण था।

15. फिरोज शाह तुगलक के शासन काल में निम्नलिखित में से कौन-सा कर युद्ध के दौरान प्राप्त लूट के माल का 1/5 था?

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(a) खराज (b) खुम्स
(c) जकात (d) जजिया

Ans : (b) फिरोज तुगलक ने खुम्स (युद्ध के दौरान लूट का माल) में 1/5 भाग कर के रूप में लिया। फिरोज तुगलक ने 24 प्रचलित करो को समाप्त करके इस्लामिक शरीयत कानून द्वारा अनुमति प्राप्त केवल चार करों- खराज, जकात, जजिया, खुम्स को आरोपित किया। फिरोज तुगलक दिल्ली सल्तनत का प्रथम शासक था जिसने ब्राह्मणों पर भी जजिया कर लगाया। सिंचाई कर (हक-ए-शर्ब) लेने वाला फिरोज तुगलक दिल्ली सल्तनत का प्रथम शासक था। सिंचाई कर कृषि उपज का 10 प्रतिशत था।

16. अष्टप्रधान जो शिवाजी के मराठा साम्राज्य के प्रशासन में सहायता करते थे, के संदर्भ में निम्न में से कौन केंद्रीय प्रशासन के प्रभारी थे?

(a) मोरोपन्त त्रयम्बक पिंगले
(b) रामचंद्र नीलकंठ मुजुमदार
(c) अन्नाजी दत्तो
(d) दत्ताजी त्रिंबक वाकनीस

Ans : (a) अष्ट प्रधान जो शिवाजी के मराठा साम्राज्य के प्रशासन में सहायता करते थे के सन्दर्भ में केन्द्रीय प्रशासन के प्रभारी मोरोपन्त त्रयम्बक पिंगले थे। ये मराठा साम्राज्य के प्रथम पेशवा थे। शिवाजी की प्रशासनिक व्यवस्था अधिकांशतः दक्षिण राज्यों और मुगलों की प्रशासनिक व्यवस्था से प्रभावित थी। शासन का वास्तविक संचालन आठ मंत्री करते थे जिसे अष्ट प्रधान कहा जाता था। जिसका कार्य राजा को परामर्श देना मात्र था। इसे किसी भी अर्थ में मंत्रिमण्डल नहीं कहा जा सकता है।

17. निम्नलिखित में से किस मामले में, वी.डी.सावरकर को 1911 में अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह की कुविख्यात सैल्युलर जेल से आजीवन भेजे जाने की सजा दी गई थी?

(a) अलीपुर बम केस (b) नासिक षड्यंत्र केस
(c) दिल्ली षड्यंत्र केस (d) लाहौर षड्यंत्र केस

Ans : (b) महाराष्ट्र के क्रांतिकारी संघों में से प्रथम स्थान पर विनायक दामोदर सावरकर द्वारा स्थापित अभिनव भारत समाज का था। वी.डी. सावरकर द्वारा 1899 ई. में स्थापित मित्र मेला नामक संस्था ही कालांतर में अभिनव भारत समाज के रूप में प्रसिद्ध हुई। नासिक जिले के कलेक्टर जैक्सन की हत्या के लिए नासिक षडयन्त्र केस के तहत वी.डी. सावरकर को 1911 ई. में अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह की सेल्युलर जेल (काला पानी) में आजीवन भेजे जाने की सजा दी गयी थी।

18. सी.आर. दास की मृत्यु के बाद स्वराज पार्टी का दलों में विभाजन हो गया था और प्रतिक्रियावादी दल ने .....द्वारा/के लिए कार्य किया।

(a) ब्रिटिश सरकार के साथ सहयोग करके हिंदू हितों की रक्षा
(b) असंतुष्टों के रूप में कार्य करके विधायी कार्यों में बाधा उत्पन्न करना
(c) गाँधी के रचनात्मक कार्यों के पक्ष में कांग्रेस के अपरिवर्तनवादियों से सहयोग
(d) कांग्रेस के भीतर पार्टी की अलग पहचान बनाए रखना

Ans : (a) सी.आर. दास और पण्डित मोतीलाल नेहरू ने मार्च 1923 ई. को इलाहाबाद में कांग्रेस खिलाफत स्वराज पार्टी जिसे सामान्यतः 'स्वराज पार्टी' के नाम से जाना जाता था की स्थापना की थी। 16 जून 1925 को सी.आर. दास की मृत्यु के बाद स्वराज दल की शक्ति क्षीण होने लगी, पार्टी में साम्प्रदायिक भावनाओं तथा सरकार के साथ सहयोग करने वालों की संख्या में वृद्धि होने लगी। प्रत्युत्तरवादी गुट हिन्दू हितों की रक्षा के लिए सरकार का सहयोग करने लगे।

19. निम्नलिखित में से किसने भारतीय विश्वविद्यालयों में धार्मिक शिक्षा के लिए प्रबलता से वकालत की?

(a) बाल गंगाधर तिलक
(b) स्वामी विवेकानंद
(c) महात्मा गाँधी
(d) मदन मोहन मालवीया

Ans : (d) पं. मदन मोहन मालवीय ने भारतीय विश्वविद्यालयों में धार्मिक शिक्षा के लिए प्रबलता से वकालत की थी। मदन मोहन मालवीय का विचार था कि विश्वविद्यालयों में धार्मिक शिक्षा के माध्यम से हिन्दू धर्म का और अच्छे तरीके से उत्थान किया जा सकता है।

20. सामाजिक कानूनों को उसे पारित किए गए वर्षों के साथ मिलान कीजिए।

सूची- I		सूची- II
(A) सती का उन्मूलन	i)	1843
(B) विधवा पुनर्विवाह कानून	ii)	1804
(C) कन्या भ्रूण हत्या निषेध	iii)	1829-30
(D) दास प्रथा का उन्मूलन	iv)	1856

(a) A-i, B- ii, C-iii, D-iv
(b) A-ii, B- i, C-iv, D-iii
(c) A-iii, B- iv, C-ii, D-i
(d) A-iii, B- iv, C-i, D-ii

Ans : (c) सही सुमेलन निम्न है–

घटना	वर्ष (ई.)
सती का उन्मूलन	1829–30
विधवा पुर्नविवाह कानून	1856
कन्या भ्रूण हत्या निषेध	1804
दास प्रथा का उन्मूलन	1843

21. भारतीय स्थल पर गड्ढे.खोदने के साक्ष्य निम्नलिखित में से किस प्राचीन स्थल से पाए गए हैं?

(a) लोथल और कालीबंगा
(b) बुर्जहोम और रंगपुर
(c) रूपर और रंगपुर
(d) कालीबँगन और सुरकोटदा

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (b) नव पाषाण कालीन युग के प्रथम प्रसार उपकरण उ.प्र. के टोंस नदी घाटी में सर्वप्रथम 1860ई. में लेन्मेसुनियर ने प्राप्त किया। नवपाषाण कालीन स्थल बुर्जहोम एवं गुफाकराल (जो कश्मीर प्रान्त में स्थित है) से अनेक गर्तावास (गड्ढाघर), मृदभाण्ड तथा हड्डी के कई औजार प्राप्त हुए हैं। रंगपुर से भी गड्ढे खोदने का साक्ष्य प्राप्त हुआ है। बुर्जहोम से प्राप्त कब्रों में पालतू कुत्तों को मालिक के साथ दफनाया जाता था।

22. निम्नलिखित में से कौन सा वैदिक लेख पहली बार ''पुनर्जन्म के सिद्धांत'' की प्रमाणित व्याख्या देता है?

(a) छांदोग्य उपनिषद (b) मुंडकोपनिषद
(c) शतपथ ब्राह्मण (d) वृहदारण्यक उपनिषद

Ans : (c) पुनर्जन्म के सिद्धान्त का उल्लेख पहली बार शतपथ ब्राह्मण में दिखता है। शतपथ ब्राह्मण यजुर्वेद का ब्राह्मण है।
आयोग ने इसका उत्तर विकल्प (a) माना है।

23. 'निष्क' निम्नलिखित में से किस काल में विनिमय के एक माध्यम के रूप में प्रयुक्त था?

(a) वैदिक काल (b) मौर्य काल
(c) गुप्त काल (d) संगम काल

Ans : (a) वैदिक काल में विनिमय के एक माध्यम के रूप में निष्क का प्रयोग किया जाता था। हिरण्य एवं सुवर्ण शब्द का प्रयोग सोने के लिए किया जाता था। निष्क सोने का एक आभूषण था। निष्क जो ऋग्वैदिक काल में एक आभूषण था उत्तर वैदिक काल में यह एक मुद्रा के रूप मे प्रचलित हुआ।

24. निम्नलिखित में से कौन-से कार्य अशोक द्वारा नियुक्त राजुक निष्पादित करते थे?

(a) राजस्व कार्य (b) न्यायिक कार्य
(c) धार्मिक कार्य (d) सैन्य कार्य

Ans : (a&b) अशोक द्वारा नियुक्त रज्जुक पहले केवल राजस्व विभाग का ही कार्य करते थे किन्तु बाद में उन्हें न्यायिक कार्य ीाी प्रदान किया गया। राजुक दण्डों में छूट भी दे सकता था। अशोक के स्तम्भ लेख 3 और 7 में युक्त, रज्जुक व प्रादेशिक नामक अधिकारियों की नियुक्ति का उल्लेख है।
नोट- माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर (b) सही माना है।

25. 'प्रशस्ति' का अर्थ क्या है?

(a) यह एक शिलालेख था
(b) यह एक तांबे की तश्करी थी
(c) यह धातु की तस्तरी पर एक राजसी चार्टर था
(d) राजा की स्तुति

Ans : (d) प्रशस्ति का अर्थ राजा की स्तुति करना होता है। प्रशस्ति में राजा के द्वारा किए गये महान कार्यों का उल्लेख होता था।

26. निम्नलिखित में से कौन-सा सही युग्म नहीं है?

(a) एलोरा गुफाएँ- राष्ट्रकूट
(b) महाबलिपुरम- पल्लव
(c) खजुराहो- चंदेल
(d) एलिफेंटा गुफाएँ- मौर्य काल

Ans : (d) एलिफेंटा की गुफाएं मौर्य काल से सम्बन्धित नहीं है, बल्कि इसका निर्माण 6वीं से लेकर 8वीं सदी ई. में हुआ था। एलोरा गुफा महाराष्ट्र में है जो राष्ट्रकूट शासकों से सम्बन्धित है। महाबलीपुरम तमिलनाडु में है, यह पल्लव शासकों से सम्बन्धित है। खजुराहों मध्य प्रदेश में है, जो चन्देलों से सम्बन्धित। खजुराहो मन्दिर स्थापत्यकला के लिए प्रसिद्ध है।

27. निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य असत्य है?

(a) सिकंदर लोदी ने आगरा की स्थापना की
(b) हरिहर-1 ने दक्षिण के विजयनगर राजवंश की स्थापना की
(c) बलबन ने कुतुब मीनार का निर्माण पूर्ण करवाया
(d) सभी सही है

Ans : (c) कुतुब मीनार का निर्माण दिल्ली में हुआ था। इसका निर्माण ऐबक ने शुरू करवाया। उसकी योजना 225 फीट ऊँची 4 मंजिला इमारत बनाने की थी, किन्तु ऐबक के समय एक ही मंजिला बन पायी थी। तीन मंजिल का निर्माण इल्तुतमिश के समय पूरा हुआ। फिरोज तुगलक के समय इसकी चौथी मंजिल क्षतिग्रसत हो गयी। उसने इसके स्थान पर दो और मंजिलों का निर्माण करवाया । इस प्रकार यह इमारत अब पांच मंजिला हो गयी। कुतुबमीनार के निर्माण में बलबन का कोई योगदान नहीं है। अतः कथन (c) गलत है।

28. निम्नलिखित में से किसे मुगल शासकों के काल के दौरान न्यायिक प्रणाली में सर्वोच्च पद पर नियुक्त किया गया था

(a) काजी-उल-कुजात
(b) काजी-उल-हजात
(c) काजी-फैज-उल-इस्लाम
(d) इनमें से कोई नहीं

Ans : (a) काजी-उल-कुजात को मुगल शासकों के काल के दौरान न्यायिक प्रणाली में सर्वोच्च पद पर नियुक्त किया गया था। मुख्य काजी को सहायता के लिए मुफ्ती नियुक्त होते थे जो कानून की व्याख्या करते थे जिसके आधार पर मुख्य काजी निर्णय देता था।

29. निम्नलिखित में से किसने महाभारत को फारसी में अनुवादित करवाकर 'रज्मनामा' नाम दिया?

(a) अकबर (b) जहाँगीर
(c) औरंगजेब (d) उक्त में से कोई नहीं

Ans : (a) मुगल बादशाह अकबर ने महाभारत को फारसी में अनुवादित कराकर 'रज्मनामा' नाम दिया। अकबर ने फैजी के अधीन एक अनुवाद विभाग की स्थापना की । अकबर के काल में अन्य प्रमुख अनुवादित ग्रंथ निम्न हैं– ज्योतिष ग्रंथ तजक का अनुवाद जहॉन-ए-जफर नाम से, सिंहासन बत्तीसी का अनुवाद नामा-ए-खिराद अफजा नाम से, कथासरित्सागर का अनुवाद बहर-अल-असमार नाम से, पंचतंत्र का अनुवाद अनवर-ए-सुलेही आदि।

30. मुगल वंश की निम्नलिखित में से किस इमारत के डिजाइन और वास्तुकला से उस्ताद ईसा सम्बन्धित है।

(a) ताजमहल
(b) बुलंद दरवाजा
(c) लाल किला
(d) उत्माद-उद्दौला का मकबरा

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (a) शाहजहाँ का काल मुगल वास्तुकला का स्वर्ण युग माना जाता है। शाहजहाँ कालीन वास्तुकला का चरमोत्कर्ष आगरे मे यमुना नदी के तट पर निर्मित उसकी प्रिय पत्नी मुमताज महल का मकबरा है। इसका मुख्य स्थापत्यकार उस्ताद अहमद लाहौरी था, जिसे शाहजहां ने नादिर-उल-असर की उपाधि दी थी। इसका प्रधान मिस्त्री या निर्माता उस्ताद ईसा खा था।

31. मकबरों की 'अष्ट भुजाकार' आकृति मध्यकालीन भारत के निम्नलिखित में से किस वंश की विशेषता थी?

(a) खिलजी (b) तुगल
(c) सैय्यद (d) लोदी

Ans : (d) मकबरों की अष्टभुजाकार आकृति मध्यकालीन भारत के लोदी वंश की विशेषता थी। लोदी वंश को 'मकबरों का काल' भी कहा जाता है। लोदी काल के मकबरों को दो भागों 'अष्टभुजी' व 'चतुर्थभुजी' मकबरों में बाटा जा सकता है। प्रथम अष्टभुजाकार मकबरा दिल्ली में स्थित खान-ए-जहाँ तेलंगानी का मकबरा है। सिकंदर लोदी के समय में एक नई शैली की शुरूआत हुई, जिसमें एक गुम्बद के स्थान पर दो गुम्बदों का निर्माण हुआ। उल्लेखनीय है कि सिकन्दर लोदी का मकबरा भारत में निर्मित पहली इमारत थी, जिसमें दोहरे गुम्बद का प्रयोग किया गया है।

32. 3 फरवरी, 1882 को भारत की ब्रिटिश सरकार ने शिक्षा निदेश के मौजूदा प्रणाली की कार्यशैली की जाँच एवं उसके लोक प्रिय आधार पर विस्तार के लिए एक भारतीय शिक्षा आयोग की नियुक्ति की। निम्नलिखित में से कौन उस आयोग का अध्यक्ष था?

(a) एच. पी. जैकोव (b) सी. पियरसन
(c) जी. ई. वार्ड (d) डब्ल्यू. डब्ल्यू हंटर

Ans : (d) लार्ड रिपन ने 1882 ई. में डब्ल्यू. डब्ल्यू हंटर की अध्यक्षता मे एक आयोग गठित किया। जिसका उद्देश्य 1854 ई. के बाद शिक्षा के क्षेत्र में की गयी प्रगति का मूल्यांकन करना था। इस आयोग को प्राथमिक शिक्षा के प्रसार के लिए भी उपाय सुझाने थे। प्राथमिक शिक्षा को महत्व देते हुए कहा गया कि यह शिक्षा स्थानीय भाषा और उपयोगी विषयों में हो इसका नियन्त्रण जिला और नगर बोर्डों को सौंपा जाता है।

33. 'सत्य शोधक समाज' की स्थापना निम्नलिखित में से किसने की?

(a) राजाराम मोहन राय
(b) संत तुकाराम
(c) महात्मा ज्योतिबा फुले
(d) इनमें से कोई नहीं

Ans : (c) 'सत्य शोधक समाज' की स्थापना ज्योतिबा फुले द्वारा 24 सितम्बर 1873 को किया गया। यह आन्दोलन दलितों और निम्न जाति के लोगों के कल्याण के लिए चलाया गया था। ज्योतिबा फुले ने अपनी पुस्तक 'गुलामगीरी' (1872), 'सार्वजनिक सत्य धर्म' व 'सत्य शोधक समाज' संगठन द्वारा निम्न जातियों को पाखण्डी ब्राह्मणों एवं उनके अवसरवादी धर्म ग्रन्थों से सुरक्षा दिलाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

34. ''यंग बंगाल'' आंदोलन के पीछे प्रेरणा कौन था?

(a) मधुसूदन दत्त
(b) हेनरी विवियन डेरोजियो
(c) कृष्ण मोहन बनर्जी
(d) राम गोपाल घोष

Ans : (b) यंग बंगाल आन्दोलन के संस्थापक हिन्दू कालेज के एंग्लो इण्डियन शिक्षक हेनरी विवियन डेरोजियो (1809–31 ई.) थे। 1828 ई. में स्थापित यंग बंगाल आन्दोलन का प्रमुख उद्देश्य प्रेस की स्वतन्त्रता, जमींदारों के अत्याचारों से रैय्यतों को सुरक्षा, सरकारी नौकरियों में उच्च पदों पर भारतीयों की नियुक्ति हेतु आवाज उठाना था। विवियन डेरोजियो फ्रांस की क्रांति से अत्यन्त प्रभावित थे।

35. स्वराज, भारत के राजनैतिक प्रयासों का लक्ष्य था- यह दादाभाई नौरोजी द्वारा.....में घोषित किया गया था।

(a) कलकत्ता सत्र, 1888 (b) कलकत्ता सत्र, 1906
(c) लाहौर सत्र, 1885 (d) बॉबे सत्र, 1889

Ans : (b) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन (1906 ई.) में दादाभाई नौरोजी ने 'स्वराज' को भारत के राजनैतिक प्रयासों का लक्ष्य घोषित किया। इसी अधिवेशन में स्वदेशी बहिष्कार, राष्ट्रीय शिक्षा व शासन से जुड़े प्रस्ताव पारित हुए। इस अधिवेशन की अध्यक्षता दादाभाई नौरोजी ने की थी।

36. निम्नलिखित में से कौन-सी संभवतः भारत में प्रयोग की जाने वाली प्रथम धातु थी?

(a) लोहा (b) ताँबा
(c) सोना (d) चाँदी

Ans : (b) सर्वप्रथम जिस धातु को औजारों हेतु प्रयोग किया गया वह 'ताँबा' थी। ऐसा माना जाता है कि ताँबे का सर्वप्रथम प्रयोग लगभग 5000 ई. पू. में किया गया था। ताँबा राजस्थान की खेतडी से प्राप्त होता था। ताँबा के प्रयोग से पहले पत्थर के औजारों का प्रयोग किया जाता था। ताँबा की खोज हो जाने से इस काल को ताम्रपाषाण काल कहा गया।

37. हड़प्पा सभ्यता की पहली खगोलीय पर्यवेक्षणशाला निम्नलिखित में से किस प्राचीन भारतीय स्थल पर पाई गई है?

(a) चहुंदड़ो (b) रूपर
(c) दायमावाद (d) धौलावीरा

Ans : (d) हड़प्पा सभ्यता की पहली खगोलीय पर्यवेक्षणशाला धौलावीरा नामक प्राचीन स्थल से पाई गयी है। धौलावीरा गुजरात के कच्छ जिले में अवस्थित है। इसकी खोज (1901) आर.एस. विष्ट ने की थी। धौलावीरा वर्तमान में खोजे गये हड़प्पा कालीन विशालतम नगरों में से एक है। यह तीन प्रमुख भागों में विभाजित था।

38. प्राचीन भारतीय लेखों के अनुसार निम्नलिखित में से कौन-सी दो नदियों के बीच की भूमि 'ब्रह्मवर्त' कहलाती है?

(a) सरस्वती नदी और दृश्द्वती नदी
(b) सरस्वती नदी और सहयू नदी
(c) सुतुद्री नदी और विपासा नदी
(d) गंगा नदी और यमुना नदी

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (a) मनुस्मृति में दृश्द्वती और सरस्वती के मध्य का क्षेत्र 'ब्रह्मावर्त' कहा गया है। दृश्द्वती की पहचान राजस्थान की हकरा नदी से की जाती है। दृश्द्वती सरस्वती नदी की सहायक नदी मानी जाती हैं जो राजस्थान में बहती थी। सरस्वती नदी ऋग्वेद की सबसे पवित्र नदी है। इसे नदियों में श्रेष्ठ अर्थात 'नदीतमा' कहा गया। गंगा व यमुना नदी के क्षेत्र 'ब्रह्मर्षि देश' कहा गया है।

39. निम्नलिखित में से कौन-सा कर्मकांडी वेद है?

(a) ऋग्वेद (b) यजुर्वेद
(c) सामवेद (d) अथर्ववेद

Ans : (b) यजुर्वेद एक कर्मकाण्डीय वेद है। इसमें विभिन्न यज्ञों से संबंधित अनुष्ठानों व विधियों का उल्लेख है। यह वेद 'गद्य' एवं 'पद्य' दोनों में रचित है। यजुर्वेद के कर्मकाण्डों को सम्पन्न कराने वाले पुरोहित को 'अध्वर्यु' कहा जाता था। यजुर्वेद की दो शाखाएँ हैं– शुक्ल यजुर्वेद और कृष्ण यजुर्वेद। शुक्ल यजुर्वेद को 'वाजसनेयी संहिता' भी कहते हैं। शुक्ल यजुर्वेद का ब्राह्मण ग्रंथ 'शतपथ' व कृष्ण यजुर्वेद का ब्राह्मण ग्रंथ 'तैत्तिरीय' है।

40. निम्नलिखित में से क्या ईसा की प्रथम सदी के आस-पास विकसित मथुरा कला शैली में मूर्तिकला के लिए प्रयुक्त होता था?

(a) संगमरमर (b) स्लेट पत्थर
(c) ग्रेनाइट (d) लाल बलुआ पत्थर

Ans : (d) ईसा की प्रथम सदी के आस-पास विकसित मथुरा कला शैली में मूर्तिकला के लिए लाल बलुआ पत्थर प्रयुक्त होता था। ईसा की प्रथम सदी से लेकर लगभग मुगल काल तक लाल बलुआ पत्थर का प्रयोग किया गया है। जबकि गन्धार कला में काले रंग के स्लेटी पत्थर का प्रयोग हुआ है।

41. निम्नलिखित पर विचार करें:

1. नालंदा विश्वविद्यालय और विक्रमशीला विश्वविद्यालय दोनों पाल वंश के दौरान विकसित हुए।

2. नालंदा विश्वविद्यालय और विक्रमशीला विश्वविद्यालय दोनों खिलजी वंश द्वारा नष्ट कर दिए गए।

उक्त कथनों में से कौन-सा सत्य है?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 न ही 2

Ans : (a) गुप्त वंश के शासक कुमार गुप्त के शासन काल में नालन्दा वि.वि. की स्थापना हुई थी। इस विश्वविद्यालय को 'आक्सफोर्ड आफ महायान बौद्ध' कहा जाता है। पाल वंश के संस्थापक गोपाल के बाद उसका पुत्र धर्मपाल बंगाल का शासक बना। इसे 'उत्तरापथ स्वामी' कहा जाता है। धर्मपाल एक उत्साही बौद्ध था उसके लेखों में उसे 'परम सौगात' कहा गया है। उसने बिहार में विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना की। पाल वंश के दौरान नालन्दा विश्वविद्यालय का भी विकास क्रम जारी रहा नालंदा विश्वविद्यालय और विक्रमशिला विश्वविद्यालय खिलजी वंश (1290–1320 ई.) द्वारा नहीं नष्ट किये गये थे, बल्कि इन्हें कुतबुद्दीन ऐबक के सेनापति इख्तियारूद्दीन-मुहम्मद बख्तियार खिलजी द्वारा लगभग 1202 ई. में नष्ट किया गया था। अतः केवल कथन (1) सत्य है।

42. अहमद शाह अब्दाली ने निम्नलिखित में से किस मुगल शासक के शासनकाल में सर्वप्रथम भारत पर आक्रमण किया?

(a) मोहम्मद शाह (b) अहमद शाह
(c) शाह आलम (d) अकबर II

Ans : (a) अहमद शाह अब्दाली ने मुगल शासक मोहम्मद शाह के शासनकाल में सर्वप्रथम 1748 ई. में भारत पर आक्रमण किया था। अहमद शाह अब्दाली व मराठों के बीच 14 जनवरी 1761 में पानीपत का तृतीय युद्ध हुआ, जिसमें मराठों की हार हुई।

43. निम्नलिखित में से किसके लिए शेरशाह सूरी को नहीं जाना जाता?

(a) नागरिक प्रशासन की प्रणाली का संगठन
(b) पहला रुपया जारी किया जो 20वीं सदी तक प्रयोग होता रहा
(c) नहरों द्वारा सिंचाई की प्रणाली शुरू करने के लिए
(d) सभी शेरशाह सूरी द्वारा शुरू किए गए

Ans : (c) शेरशाह सूरी के महान कार्यों में नहरों द्वारा सिंचाई की प्रणाली शुरू करना शामिल नहीं है। नहरों द्वारा सिंचाई की प्रणाली तुगलक वंश के संस्थापक गयासुद्दीन तुगलक ने प्रारम्भ किया था। शेरशाह सूरी प्रथम शासक था जिसने पहली बार 'रुपया' को शुरू किया जो लगभग 20वीं सदी तक प्रयोग होता रहा। नागरिक प्रशासन की प्रणाली का संगठन भी शेरशाह सूरी द्वारा किया गया।

44. निम्नलिखित में से किसने कश्मीर में शालीमार और निशात बाग की नींव रखी?

(a) अकबर (b) जहाँगीर
(c) शाहजहाँ (d) नूरजहाँ

Ans : (b) जहांगीर ने कश्मीर में प्रसिद्ध शालीमार और निशात बाग की नींव रखी और उसी ने शेख सलीम चिश्ती के मकबरे में लाल बलुआ पत्थर के स्थान पर संगमरमर लगवाया। जहांगीर ने वास्तुकला की अपेक्षा चित्रकला को अधिक प्रश्रय दिया। फलस्वरूप उसके समय में बहुत कम इमारतों का निर्माण हुआ। जहांगीर के समय सबसे उल्लेखनीय इमारत 'एतमात्-उद्दौला का मकबरा' है।

45. निम्नलिखिल में से किस युद्ध में पहली बार तोपखाने का प्रयोग किया गया?

(a) पानीपत का प्रथम युद्ध
(b) पानीपत का द्वितीय युद्ध
(c) तराईन का द्वितीय युद्ध
(d) खानवा का युद्ध

Ans : (a) पानीपत का प्रथम युद्ध 21 अप्रैल 1526 ई. में बाबर व इब्राहिम लोदी के मध्य हुआ। इस युद्ध में बाबर की विजय का मुख्य कारण उसका तोपखाना एवं कुशल सेनापतित्व था। पानीपत के प्रथम युद्ध में बाबर ने उज्बेकों की 'तुलगमा युद्ध पद्धति' तथा तोपों को सजाने में 'उस्मानी विधि' का प्रयोग किया था। दो गाड़ियों के बीच व्यवस्थित जगह छोड़कर उसमें तोपों को रखकर चलाने को 'उस्मानी विधि' कहते थे।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

46. 1556 में दिल्ली को खोने वाला हिंदू शासक कौन था?

(a) पृथ्वीराज चौहान (b) हेमू
(c) राणा संग्राम सिंह (d) मेधिनी रॉय

Ans : (b) 1556 ई. में दिल्ली को खोने वाला हिन्दू शासक हेमू था। पानीपत का द्वितीय युद्ध 5 नवम्बर 1556 ई. को मुगल सम्राट अकबर व हेमू (मो0 आदिल शाह का वजीर व सेनापति) के मध्य हुआ। इसके पूर्व हेमू ने दिल्ली पर अधिकार कर स्वयं को स्वतंत्र शासक घोषित कर 'विक्रमादित्य' की उपाधि धारण कर ली थी। पानीपत के द्वितीय युद्ध में हेमू की पराजय हुई।

47. बाबर की मृत्यु 26 दिसम्बर 1530 में हुई और उसे आगरा के आरामबाग में दफनाया गया। बाद में शेरशाह के शासनकाल के दौरान उसके शरीर को निम्नलिखित में से किस स्थान पर ले जाकर दफनाया गया?

(a) दिल्ली (b) फरगना
(c) काबुल (d) समरकंद

Ans : (c) 26 दिसम्बर, 1530 ई. में आगरा में बाबर की मृत्यु हो गयी और उसे आगरा में नूर अफगान जिसका आधुनिक नाम आराम बाग है मे ंदफनाया गया। परन्तु बाद में उसे काबुल में उसी के द्वारा चुने गये स्थान पर दफना दिया गया।

48. ब्रिटिश काल के दौरान भारत का शीर्ष न्यायालय निम्नलिखित में से कौन-सा था?

(a) फेडरल कोर्ट (b) प्रेसीडेंसी कोर्ट
(c) प्रिवी काउंसिल (d) इंग्लैंड का सुप्रीम कोर्ट

Ans : (c) 1774 ई. में कलकत्ता में एक सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना की गयी। सर एलिजा इम्पे को मुख्य न्यायाधीश तथा तीन अन्य चेम्बर्स, लिमस्टर एवं हाइड को न्यायधीश बनाया गया। यह अभिलेख न्यायालय था, इसके विरुद्ध अपील प्रीवी कांउसिल में होती थी। इस प्रकार ब्रिटिश शासन काल के दौरान भारत का शीर्ष न्यायालय प्रीवी काउंसिल था।

49. निम्नलिखित में से कौन मुगल बादशाह अकबर II की ओर से पैरवी करने के लिए बादशाह के राजदूत के रूप में इंग्लैंड गए थे?

(a) अजीमुल्लाह खान (b) राजाराम मोहन राय
(c) महराजा तेजचंद्र रे (d) राजा राधाकांत देव

Ans : (b) शाहआलम द्वितीय की मृत्यु के बाद उसका पुत्र अकबर द्वितीय अंग्रेजों के संरक्षण में बादशाह बनने वाला प्रथम मुगल शासक था। इसने अपनी पेंशन प्राप्त करने हेतु दूत के रूप में राजा राम मोहन राय को 'राजा' की उपाधि देकर ब्रिटेन भेजा। इसके समय में बादशाहत केवल लाल किले में ही सिमट कर रह गयी थी 1837 ई. में अकबर द्वितीय की मृत्यु हो गयी थी।

50. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली महिला अध्यक्ष कौन थी?

(a) सरोजिनी नायडू (b) सुचेता कृपलानी
(c) राजकुमारी अमृत कौर (d) एनी बेसेंट

Ans : (d) 'आयरन लेडी' के नाम से प्रसिद्ध श्रीमती एनीबेसेन्ट भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्रथम महिला अध्यक्ष थीं। इन्होंने 28–29 दिसम्बर 1917 को कलकत्ता में आयोजित भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्षता की थीं। इन्होंने भारत में स्वशासन के उद्देश्य से 1916 ई. में 'होमरूल लीग आन्दोलन' चलाया। जन जागरण हेतु इन्होंने 'कामनवील' तथा 'न्यू इण्डिया' नामक समाचार पत्रों का सम्पादन भी किया। एनी बेसेन्ट ने 1898 ई. में बनारस में 'सेन्ट्रल हिन्दू कालेज' की नींव रखी थी।

51. गदर आंदोलन के शुरू होने का सबसे महत्वपूर्ण कारण था

(a) प्रथम विश्व युद्ध का आरंभ
(b) करतार सिंह सराभा को फाँसी
(c) कामगाटामारू घटना
(d) लाल हरदयाल की गिरफ्तारी

Ans : (a) गदर आंदोलन के शुरू होने का सबसे महत्वपूर्ण कारण प्रथम विश्वयुद्ध का आरम्भ होना था। कामागाटामारू प्रकरण कनाडा में भारतीयों के प्रवेश से सम्बन्धित विवाद था। कनाडा सरकार ने ऐसे भारतीयों को अपने यहां प्रवेश वर्जित कर दिया जो सीधे भारत से नहीं आते थे। कनाडा सरकार का यह कानून इसलिए भी अधिक कठोर माना गया क्योंकि उन दिनों ऐसा कोई रास्ता नहीं था जिससे भारतीय सीधे कनाडा पहुंच सकें।

52. प्राचीन भारत की जोर्वे संस्कृति निम्नलिखित राज्यों में से किस स्थान के नाम पर ही नामित की गई है?

(a) राजस्थान (b) गुजरात
(c) कर्नाटक (d) महाराष्ट्र

Ans : (d) प्राचीन भारत की जोर्वे संस्कृति महाराष्ट्र से सम्बन्धित है। महाराष्ट्र में पायी गयी जोर्वे बस्तियों में एक तरह का निवासगत अधिक्रम (ऊँच-नीच का क्रम) दिखाई देता है इससे यहां द्विस्तरीय निवास का अभ्यास मिलता हैं। जोर्वे पश्चिमी महाराष्ट्र में स्थित है।

53. सिंधु घाटी सभ्यता का उद्घाटन अभी तक नहीं किया गया है

निम्नलिखित कारणों पर विचार करें :

1. उनकी भाषा के बारे में कोई जानकारी नहीं है
2. अभिलेखों की छोटी लंबाई
3. द्विभाषा लेखों की अनुपस्थिति

उक्त में से कौन-सा/से सही कारण है?

(a) केवल 1 (b) केवल 1और 2
(c) 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

Ans : (d) सिंधु घाटी सभ्याता के उद्घाटन से सम्बन्धित उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं अर्थात सिंधु घाटी सभ्यता की भाषा के बारे में कोई जानकारी नहीं है, इसके अभिलेखों की लम्बाई छोटी है व इसमे द्विभाषा लेख अनुपस्थित है।

54. 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' या 'हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो' यह निम्नलिखित में से किस उपनिषद् में आता है?

(a) छांदोग्य (b) मांडुक्य
(c) मुंडक (d) वृहदारण्यक

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (d) वृहदारण्यक उपनिषद में 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' यह 'हमें अन्धकार से प्रकाश की ओर ले चलो' का उल्लेख है। इसी उपनिषद में याज्ञवल्क्य और गार्गी संवाद का उल्लेख है। यह सबसे बड़ा उपनिषद है।

55. निम्नलिखित में से कौन-सा बौद्ध धर्म के विस्तार का प्रथम मूर्त साक्ष्य माना जाता है?

(a) बुद्ध की मूर्ति (b) अशोक के शिलालेख
(c) महाविभाषा (d) जातक कथाएँ

Ans : (b) अशोक के शिलालेखों को बौद्ध धर्म के विस्तार का प्रथम मूर्त साक्ष्य माना जाता है। राज्याभिषेक से सम्बन्धित मास्की के लघु शिला लेख में अशोक ने स्वयं को 'बुद्ध शाक्य' कहा है।

56. पुष्यमित्र शुंग के बाद शासक कौन बना था?

(a) अग्निमित्र (b) सुज्येष्ट
(c) पुण्यमित्र (d) देवभूमि

Ans : (a) शुंग वंश की स्थापना 185 ई. पू. में मौर्य सेनापति पुष्यमित्र शुंग ने अन्तिम मौर्य शासक वृहद्रथ की हत्या करके की थी। पुष्यमित्र शुंग कट्टर ब्राह्मणवादी था। इसकी मृत्यु के बाद इसका पुत्र अग्निमित्र शासक बना।

57. ग्वालियर के निकट बाघ की गुफाएँ निम्नलिखित में से किस युग की चित्रकला का प्रतिनिधित्व करती हैं?

(a) मौर्य युग (b) गुप्त युग
(c) कुषाण युग (d) रजपूत यंग

Ans : (b) ग्वालियर के निकट बाघ की गुफाएँ गुप्त काल की चित्रकला का प्रतिनिधित्व करती हैं। कला एवं साहित्य के विकास की दृष्टि से गुप्तकाल को भारतीय इतिहास का 'क्लासिकी युग' अथवा 'स्वर्णयुग' कहा गया हैं। गुप्तकाल में चित्रकला का विकास हुआ। इस काल के चित्रों के अवशेषों को बाघ की गुफाओं, अजन्ता की गुफाओं तथा बादामी की गुफाओं में देखा जा सकता है।

58. निम्नलिखित में से कौन-सा शासक मामलूक वंश का था?

(a) अल्लाउद्दीन खिलजी
(b) इब्राहिम लोदी
(c) बलबन
(d) मोहम्मद गोरी

Ans : (c) सल्तनत कालीन शासक बलबन 'मामलूक' वंश से सम्बन्धित था। 1206 से 1290 ई. में दिल्ली पर शासन करने वाले सुल्तान तीन अलग–अलग वंशों से सम्बन्धित थे। कुतबुद्दीन ऐबक ने कुतबी, इल्तुतमिश ने शम्सी व बलबन ने बलबनी वंश की स्थापना की। आरम्भ में इसे दास वंश का नाम दिया गया, क्योंकि इस वंश का प्रथम शासक कुतबुद्दीन ऐबक दास था। बाद में इतिहासकार हबीबुल्ला ने इन्हें 'मामलूक' शासक कहा।

59. निम्नलिखित में से किसे दक्कन क्षेत्र में गुरिल्ला युद्धनीति का प्रणेता कहा जाता है?

(a) शिवाजी (b) शाहजी भोसले
(c) मलिक अंबर (d) मालोजी भोसले

Ans : (c) दक्कन क्षेत्र में गुरिल्ला युद्धनीति का प्रणेता मलिक अम्बर था। सर्वप्रथम इस नीति का सफल प्रयोग छत्रपति शिवाजी ने मुगलों के विरूद्ध किया।

60. निम्नलिखित में से दिल्ली सल्तनत के किस शासक ने स्वयं को 'सिकंदर-ए-सानी' घोषित किया?

(a) बलबन (b) कैकूबाद
(c) अलाउद्दीन खिलजी (d) फिरोज तुगलक

Ans : (c) दिल्ली सल्तनत के शासक अलाउद्दीन खिलजी ने स्वयं को 'सिकंदर-ए-सानी' घोषित किया। अलाउद्दीन खिलती को 'विश्व का सुल्तान', 'पृथ्वी के शासकों का सुल्तान', 'युग का विजेता' तथा 'जनता का चरवाहा' जैसे नामों से विभूषित किया जाता है।

61. रैयतवारी व्यवस्था जो ब्रिटिश भारत के कुछ भागों में शुरू की गई थी, कृषि भूमि के कृषकों से राजस्व एकत्रित करने की दो मुख्य प्रणालियों में से एक थी। यह मूल रूप से .....द्वारा शुरू की गई थी।

(a) अकबर (b) शेरशाह सूरी
(c) जहाँगीर (d) हुमायूँ

Ans : (b) रैय्यतवाड़ी व्यवस्था मूल रूप से शेरशाह सूरी द्वारा शुरू की गई थी जिसमें किसानों से प्रत्यक्ष संपर्क कर लगान वसूल किया जाता है। ब्रिटिश काल में यह व्यवस्था मद्रास, बम्बई, पूर्वी बंगाल, असम और कुर्ग में लागू की गई। इस व्यवस्था के अंतर्गत ब्रिटिश भारत की 51 प्रतिशत भूमि शामिल थी।

62. पाषाण युग मे माइक्रोलिथ निम्नलिखित में से किस युग में सामान्यतः पाए गए थे?

(a) पुरापाषाण युग (b) मध्यपाषाण युग
(c) नवपाषाण युग (d) ताम्रपाषाण युग

Ans. (b) : मध्य पाषाण युग की शुरुआत लगभग 10,000 ई.पू. से मानी जाती है। इस काल के लघु उपकरणों को सर्वप्रथम सी.एल. कार्लाइल ने 1867 ई. में विन्ध्य क्षेत्र से खोजा था। इस काल के उपकरण बहुत छोटे थे (लगभग 1 सेमी. से 5 सेमी.)। इसीलिए इन उपकरणों को लघु पाषाण उपकरण (माइक्रोलिथिक) कहा गया। पुरापाषाण युग का समय लगभग 6 लाख से 10 हजार ई. पू. माना जाता है। नवपाषाण युग का समय लगभग 4000 से 1000 ई.पू. माना जाता है तथा ताम्रपाषाण युग की शुरुआत लगभग 3000 ई.पू. से माना गया है।

63. कौन-से चिश्ती सूफी संत को 'चिराग-ए-देहलवी' के लोकप्रिय नाम से जाना जाता था?

(a) निजामुद्दीन औलिया
(b) शेख नासिरुद्दीन महमूद
(c) कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी
(d) उक्त में से कोई नहीं

Ans : (b) चिश्ती सूफी संत शेख नासिरूद्दीन महमूद को 'चिराग-ए-देहलवी' के नाम से भी जाना जाता था। ये निजामुद्दीन औलिया के शिष्य थे। इन्होंने तौहीद-ए-वजूदी की रचना की। भारत में चिश्ती सम्प्रदाय की स्थापना ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती (1143–1236ई.) ने अजमेर में की।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक चयन परीक्षा, 2013

सामाजिक विज्ञान

इतिहास

(विश्लेषण सहित व्याख्या)

1. निम्नलिखित पशु-समूहों में से कौन-सा समूह मोहनजोदड़ो की पशुपति मुहर पर अंकित है?

(a) सिंह, गैंडा, भैंसा और घोड़ा
(b) वृषभ, गैंडा, भैंसा और हाथी
(c) सिंह, हाथी, भैंसा और वृषभ
(d) व्याघ्र, गैंडा, भैंसा और हाथी

उत्तर–(d)

व्याख्या–मोहनजोदड़ों से प्राप्त एक मुहर के ऊपर पद्मासन की मुद्रा में विराजमान एक योगी का चित्र मिला है। पुरुष की दाँयी ओर चीता और हाथी तथा बांई ओर भैंसा और गैंड़ा का चित्र मिला है सिर पर एक त्रिशूल जैसा आभूषण है इसके तीन मुख हैं। मार्शल ने इस देवता को 'रुद्रशिव' से सम्बन्धित किया है जिसे त्रिमुख, पशुपति, योगेश्वर अथवा महायोगी कहा गया है।

2. सबसे पहले चार आश्रमों का वर्णन आया है, वह उपनिषद है –

(a) ईश (b) छान्दोग्य
(c) बृहदारण्यक (d) जावालोपनिषद्

उत्तर – (d)

व्याख्या – तीन आश्रमों का सर्वप्रथम वर्णन छान्दोग्य उपनिषद में तथा चारों आश्रमों का वर्णन जावालोपनिषद में मिलता है। याज्ञवल्क्य-गार्गी संवाद का उल्लेख वृहदारण्य उपनिषद में मिलता है।

3. निम्नलिखित में से कौन 'प्रस्थानत्रयी' में सम्मिलित नहीं है –

(a) भगवतगीता (b) भागवत
(c) उपनिषद (d) ब्रह्मसूत्र

उत्तर – (b)

व्याख्या – प्रस्थानत्रयी के अंतर्गत भागवत का उल्लेख नहीं है बल्कि भगवतगीता, उपनिषद और ब्रह्मसूत्र का उल्लेख है।

4. वह कौन सा ग्रंथ है जिसमें बुद्ध की कुशीनगर की अंतिम यात्रा का वर्णन है?

(a) महापरिनिर्वाण सूत्र (b) जातक कथाएँ
(c) ललित विस्तार (d) बुद्ध चरित

उत्तर–(a)

व्याख्या–महात्मा बुद्ध का जन्म 563 ईसा पूर्व में कपिलवस्तु के समीप लुम्बिनी वन में हुआ था। 35 वर्ष की आयु में उनको ज्ञान प्राप्त हुआ उन्होंने अपना पहला उपदेश सारनाथ में दिया इसके बाद वह लगातार अपने विचारों से लोगों को अवगत कराते रहे। बुद्ध सबसे अधिक 21 बार श्रावस्ती में वर्षावास किये थे। 80 वर्ष की आयु में कुशीनगर में शरीर का त्याग कर दिया। इसे बौद्ध ग्रंथों में 'महापरिनिर्वाण' कहा गया है। 'महापरिनिर्वाण सूत्र' (महापरिनिब्बान सूत्त) में बुद्ध के कुशीनगर के अंतिम यात्रा का वर्णन मिलता है।

5. 'गंगा अवतरण' का दृश्य कहाँ चित्रित है?

(a) मदुरै (b) ऐहोल (c) काँचीपुरम् (d) मामल्लपुरम

उत्तर–(d)

व्याख्या–मामल्लपुरम् मद्रास से लगभग 48 किमी दक्षिण समुद्रतट पर स्थित है इसे अब महाबलीपुरम् कहते है। इस नगर को पल्लव शासक नरसिंह वर्मन (620-688 ई.) ने स्थापित किया था। यह नगर पल्लव शासकों के समय एक प्रसिद्ध बन्दरगाह और व्यापारिक केन्द्र व सांस्कृतिक स्थल था। यह नगर आजकल उजड़ गया है। पल्लवकालीन वास्तुकला के सुन्दरतम् उदाहरण महाबलीपुरम् में पाये जाते है। यही पर 'गंगा अवतरण' का दृश्य भी चित्रित है।

6. महावीर जैन ने किस भाषा में अपना प्रवचन दिया?

(a) पाली (b) मगधी
(c) सूरसेनी (d) अर्ध-मगधी

उत्तर – (d)

व्याख्या – चौबीसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी का जन्म 599 ई. पू. में वैशाली के निकट कुण्डग्राम में हुआ। 30 वर्ष की आयु में उन्होंने गृहत्याग दिया तथा 12 वर्ष तक घोर तपस्या के बाद उनको ज्ञान प्राप्त हुआ। कैवल्य प्राप्ति के पश्चात् महावीर ने अपना उपदेश जनसाधारण की भाषा 'अर्द्ध मागधी' में दिया।

7. चतुष्पाद शिव प्रतिमा कहाँ है?

(a) एलोरा (b) उदयपुर
(c) नचना-कुठार (d) खजुराहो

उत्तर–(d)

व्याख्या–खजुराहो मंदिर समूह के लिए अति प्रसिद्ध है। दसवीं से बारहवीं शताब्दी में चन्देलों के शासनकाल में इन मंदिरों का निर्माण हुआ। खजुराहो के सुन्दर मंदिर में से अधिकांश का निर्माण राजा धंग (954-1002 ई.) के द्वारा करवाया गया था। खजुराहो में 85 मंदिरों के निर्माण का उल्लेख मिलता है किन्तु वर्तमान में 30 मंदिर ही शेष हैं ये मन्दिर शैव, वैष्णव, शाक्त, जैन धर्म से सम्बन्धित है। इन मंदिरों में कण्डारिया (कन्दरिया) महादेव का मंदिर सर्वश्रेष्ठ है यहीं से चतुष्पाद शिव की प्रतिमा प्राप्त हुई है।

8. निम्नलिखित में से कौन चोल वंश का राजस्व अधिकारी था –

(a) पेरूमक्कल (b) आलनायक
(c) शेरुण्डाराम (d) वरिट्पपोत्तागक्का

उत्तर–(d)

व्याख्या–चोल राज्य की आय का प्रमुख साधन भूमिकर था जिसे ग्राम सभाएं वसूल करती थीं। कृषि उत्पादन का एक तिहाई भू-राजस्व के रूप में वसूल किया जाता था। चोल सम्राट राजराज प्रथम तथा कुलोतुंग प्रथम ने भूमि की नाप करवाई। उपज के अनुसार भूमि को कुल 12 कोटियों में विभाजित किए जाने का विवरण चोल अभिलेखों से प्राप्त हुए हैं। राजस्व विभाग के प्रमुख अधिकारी 'वरिटपपोत्तागक्का' कहलाते थे।

9. तमिल कवियों के तीसरे संगम की पीठ कहाँ थी?

(a) काञ्ची (b) तंजौर
(c) मदुरै (d) उरैयूर

उत्तर – (c)

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या – संगम तमिल कवियों का संघ अथवा मण्डल था। इन संघों या परिषदों का आयोजन पाण्ड्य शासकों के संरक्षण में किया गया था। तीन संगमों का आयोजन हुआ था, प्रथम का स्थान मदुरा, द्वितीय संगम की अध्यक्षता अगस्त्य ऋषि के पश्चात् उनके शिष्य तोल्लकाप्पियर ने कपाटपुरम (अलवै) और तृतीय संगम का स्थान उत्तरी मदुरा था। प्रथम संगम के अध्यक्ष अगस्त्य ऋषि द्वितीय के अगस्त्य तथा तोल्लकाप्पियर तथा तृतीय संगम पीठ के अध्यक्ष नक्कीरर थे।

10. चोल सम्राटों के अधीन 'कुर्रम' क्या था?

(a) एक नगर (b) एक जिला
(c) एक प्रान्त (d) कुछ ग्रामों का समूह

उत्तर – (d)

व्याख्या – प्रशासन की सुविधा के लिए चोल साम्राज्य आठ प्रान्तों या मण्डलों में विभाजित था। मण्डल का विभाजन कोट्टम में किया गया जो आजकल के कमिश्नरियों के बराबर होते थे। कोट्टम को नाडु (जिला) में बाँटा गया था। नाडु के अंतर्गत अनेक ग्राम संघ थे जिन्हें 'कुर्रम' कहा जाता था। प्रशासन की सबसे छोटी इकाई ग्राम सभा होती थी।

11. रुद्रमादेवी किस वंश की रानी थी?

(a) वारंगल के काकतीय (b) वादामी के चालुक्य
(c) मदुरै के पाण्ड्य (d) वेंगी के पूर्वी चालुक्य

उत्तर – (a)

व्याख्या – गणपति काकतीय वंश का सर्वाधिक शक्तिशाली राजा था। गणपति के बाद उसकी पुत्री रुदमादेवी काकतीय राज्य की शासिका बनी। यादव वंशी महादेव ने उसे पराजित किया। इसके बाद वारंगल के काकतीय वंश की शक्ति तथा प्रतिष्ठा का पुनरुद्धार प्रताप रुद्र देव ने किया। मुहम्मद तुगलक ने इस राज्य को सल्तनत का अंग बनाया।

12. उस गुप्त वाकाटक रानी का नाम उल्लेख कीजिए जिसने अनुदान स्वरूप भूमि दी –

(a) कुबेरनागा (b) प्रभावती गुप्ता
(c) कुमार देवी (d) दत्ता देवी

उत्तर – (b)

व्याख्या – चन्द्रगुप्त द्वितीय ने अपनी पुत्री प्रभावती गुप्ता का विवाह वाकाटक शासक रुद्रसेन द्वितीय से किया था। रुद्रसेन द्वितीय के दो पुत्र थे। रुद्रसेन की मृत्यु के बाद प्रभावती गुप्ता अपने पुत्र दिवाकर सेन को गद्दी पर बिठाकर उसकी संरक्षिका बन गई। प्रभावती के पूना ताम्रलेख से उसके भूमि अनुदान का उल्लेख मिलता है।

13. किस काल के मंदिर की वास्तुकला में सर्वप्रथम गंगा और यमुना की आकृतियाँ आती हैं?

(a) परमार (b) पल्लव
(c) गुप्त (d) चन्देल

उत्तर – (c)

व्याख्या – भारत में मंदिरों का पूर्ण विकास गुप्त काल से मिलता है। इस समय कई मंदिरों का निर्माण हुआ जिसमें साँची, एरण, तिगवा आदि के मंदिर प्रसिद्ध हैं। गर्भगृह के प्रवेशद्वार पर बने चौखट पर मकरवाहिनी गंगा और कूर्मवाहिनी यमुना की आकृतियाँ उत्कीर्ण मिलती हैं जो गुप्तकाल की विशेषता है।

14. निम्नांकित किस स्थल पर स्थित स्तूप अवशेषों से अशोक की पाषाण पर उद्धृत प्रतिमा उसके नाम के साथ प्राप्त हुई है?

(a) साँची (b) अमरावती
(c) देहर-कुठार (d) कनगनहल्ली

उत्तर – (d)

व्याख्या – कनगनहल्ली स्थित स्तूप अवशेषों से अशोक की पाषाण पर उद्धत प्रतिमा उसके नाम के साथ प्राप्त हुई है। यह स्थल कर्नाटक के गुलबर्गा जिले के चितलपुर तालुका में स्थित है।

16. निम्नलिखित में से किसने 'धर्ममहाराज' की उपाधि धारण की थी जिसका औचित्य उसके द्वारा अश्वमेध सहित अनेक वैदिक यज्ञों के सम्पादित करने से सिद्ध होता है?

(a) प्रवरसेन प्रथम (b) समुद्रगुप्त
(c) सर्वतात (d) पुष्यमित्र

उत्तर – (a)

व्याख्या – विन्ध्यशक्ति के बाद उसका पुत्र तथा उत्तराधिकारी प्रवरसेन प्रथम (275-335 ई.) शासक हुआ। वाकाटक वंश का वह अकेला शासक था जिसने 'सम्राट' की उपाधि धारण की थी। वह धर्मनिष्ठ ब्राह्मण था जिसने चार अश्वमेध तथा एक वाजपेय यज्ञ के अतिरिक्त अनेक वैदिक यज्ञों का भी अनुष्ठान किया।

17. जिलअल्लाह जो राजाधिकार संबंधी अवधारणा है, किससे संबंधित है –

(a) बलबन (b) बहलोल लोदी
(c) फिरोज तुगलक (d) इल्तुतमिश

उत्तर–(a)

व्याख्या–भारत में सल्तनत का प्रथम शासक कुतुबुद्दीन ऐबक को माना जाता है लेकिन बलबन दिल्ली सल्तनत का प्रथम सुल्तान था जिसने सुल्तान के पद, अधिकार एवं राजत्व के सम्बन्ध में अपने विचार प्रकट किए। बलबन के राजत्व सिद्धान्त की सर्वप्रमुख विशेषता यह है कि वह राजत्व को पृथ्वी पर ईश्वर का प्रतिनिधित्व 'निबायत-ए-खुदाई' तथा मान-मर्यादा की दृष्टि से उसे पैगम्बर के बाद स्वीकार करता था। वह सुल्तान को ईश्वर का प्रतिबिम्ब (जिल अल्लाह) तथा उसके हृदय को दैवी प्रेरणा और क्रांति का भण्डार मानता था।

18. वह कौन सा प्रथम राज्य था जिसके विरुद्ध अलाउद्दीन खिलजी ने हमले की शुरुआत की?

(a) मेवाड़ (b) रणथम्भौर
(c) दिल्ली (d) बंगाल

उत्तर–(b)

व्याख्या–1292 ई. में अलाउद्दीन खिलजी ने दिल्ली के सुल्तान जलालुद्दीन खिलजी की आज्ञा से भिलसा को लूटा जिसके फलस्वरूप अलाउद्दीन खिलजी को अवध की सूबेदारी दी गयी। 1296 में अलाउद्दीन खिलजी ने देवगिरि को लूटा और अपने चाचा जलालुद्दीन खिलजी का वध करके दिल्ली का सुल्तान बना। अलाउद्दीन साम्राज्यवादी विचार का शासक था और इसी के तहत उसने रणथम्भौर पर स्वयं आक्रमण किया और छल से उसने किले को जुलाई 1301 ई. में जीत लिया। रणथम्भौर पर चौहान राजपूत राणा हम्मीरदेव का शासन था।

19. 'तुर्कान-ए-चिहलगानी' का उल्लेख सबसे पहले किसने उल्लेख किया –

(a) किताबुर-रेहला (b) फुतुह-उस-सलातिन
(c) तबकात-ए-नासिरी (d) खजाइन-उल-फुतूह

उत्तर–(b)

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–'तुर्कान-ए-चिहलगानी' अथवा 'चालीसा दल' का गठन इल्तुतमिश ने किया था। इसका उल्लेख सर्वप्रथम इसामी की पुस्तक 'फुतुह-उस-सलातीन' में मिलता है।

20. सुल्तान मुहम्मद बिन तुगलक के शासन क्षेत्र को 'हिंद और सिंध' शब्द का प्रयोग किसने किया?

(a) जियाउद्दीन बरनी (b) इब्नबतूता
(c) याहिया-बिन-अहमद सरहिन्दी (d) अब्दल मलिक इसामी

उत्तर – (b)

व्याख्या – इब्नबतूता का वास्तविक नाम अबू अब्दुल्ला मुहम्मद था। वह अफ्रीका का निवासी था। पश्चिम एशिया के विभिन्न नगरों का भ्रमण करते हुए 1333 ई. में सिंध में उसने प्रवेश किया और भारत में प्रायः 14 वर्ष रहा। मुहम्मद बिन तुगलक ने उसे दिल्ली का काजी नियुक्त किया था। अपने देश मोरक्को वापस जाने के बाद इब्नबतूता ने 'रेहला' नाम से अपना यात्रा विवरण लिखा और उसने मुहम्मद बिन तुगलक के शासन क्षेत्र को 'हिन्द' और 'सिन्ध' शब्द से सम्बोधित किया।

21. वली और अमीर के पदों को किसने पृथक् किया?

(a) बलबन (b) मुहम्मद तुगलक
(c) अलाउद्दीन खिलजी (d) गियासुद्दीन तुगलक

उत्तर – (b)

व्याख्या – मुहम्मद-बिन-तुगलक ने वली तथा अमीर के पदों को पृथक किया। उसने भू-राजस्व संग्रह तथा प्रशासन के कार्यों के आधार पर वली तथा अमीर का विभाजन किया। मुक्ता तथा वली से राजस्व संबंधी अधिकार छीनकर 'वली-उल-खराज' नामक नये अधिकारी को सौंप दिया। इब्नबतूता के अनुसार पदों के विभाजन के क्रम में इक्ता प्रशासन में 'वली-उल-खराज' लगान वसूली का कार्य करता था जबकि 'अमीर' सेना की देख-रेख का कार्य करता था।

22. सुल्तानगढ़ी किसका मकबरा था?

(a) कुतुबुद्दीन ऐबक (b) रुकनुद्दीन फिरोज
(c) बलबन (d) नसीरुद्दीन महमूद

उत्तर – (d)

व्याख्या – दिल्ली सल्तनत युग में विभिन्न ललित कलाओं में से मुख्यतया स्थापत्य कला का विकास हुआ। कुतुबमीनार का प्रारम्भ कुतुबुद्दीन ऐबक के समय हुआ और इसका पूर्ण निर्माण इल्तुतमिश के समय हुआ। इल्तुतमिश ने कुतुबमीनार से 30 मील दूर मलकपुर गाँव में अपने सबसे बड़े पुत्र नासिरुद्दीन मुहम्मद का मकबरा 'सुल्तानगढ़ी' बनवाया।

23. किस मंगोल सेनापति ने अलाउद्दीन खिलजी को हराया?

(a) तरगी (b) इकबालमंद
(c) कुतलग ख्वाजा (d) कदर

उत्तर – (a)

व्याख्या – मंगोलों का चौथा आक्रमण उस समय हुआ जबकि अलाउद्दीन चित्तौड़ के घेरे से वापस दिल्ली पहुँचा ही था। उसकी पर्याप्त सेना उसके पास नहीं थी। एक बड़ी सेना तेलंगाना आक्रमण पर गई थी (1303 ई.) तभी मंगोल नेता तरगी ने 1,20,000 घुड़सवार सेना लेकर दिल्ली पर आक्रमण कर दिया। विवश होकर अलाउद्दीन को सीरी के दुर्ग में शरण लेनी पड़ी। मंगोल दो महीने के घेरे के बाद दिल्ली व आस-पास के प्रदेशों को लूटकर वापस चले गये। यह अलाउद्दीन की पराजय कही जाएगी।

24. 'शर्ब' कर किस पर लागू होता था?

(a) गैर-मुसलमानों पर (b) विदेशी व्यापार पर
(c) औद्योगिक विकास पर (d) जल आपूर्ति बनाए रखने पर

उत्तर – (d)

व्याख्या – फीरोजशाह तुगलक ने भूमि की उर्वरता में वृद्धि के लिए 5 बड़ी नहरों का निर्माण करवाया। परिणामस्वरूप सिंचाई सुविधा के कारण कृषि में उन्नति होती है। सरकारी नहरों से सिंचाई करने पर 'हक-ए-शर्ब' नामक सिंचाई कर लगाया गया, जो भूमि से उत्पादित पैदावार का 10% था।

25. कौन-सा दिल्ली सुल्तान हिन्दू योगियों और मुस्लिम फकीरों के साथ बातें कीं?

(a) अलाउद्दीन खिलजी (b) फिरोजशाह तुगलक
(c) मुहम्मद बिन तुगलक (d) गियासुद्दीन तुगलक

उत्तर – (c)

व्याख्या – दिल्ली सल्तनत के सुल्तानों में मुहम्मद बिन तुगलक सर्वाधिक विलक्षण व्यक्तित्व वाला व्यक्ति था। मुहम्मद बिन तुगलक धार्मिक रूप से कट्टर नहीं था। वह होली और मुहर्रम में भाग लेता था। उसने अपने दरबार में जैन विद्वान जिन प्रभु सूरि और राजशेखर और जम्बूजी का स्वागत किया तथा दिल्ली के प्रसिद्ध सूफी शेख शिहाबुद्दीन को अपने दरबार में नियुक्त किया था।

15. निम्नलिखित में से किस भाषा में विजयनगर के शासक कृष्णदेवराय ने अपने सुप्रसिद्ध ग्रंथ अमुक्तमाल्यदा की रचना की?

(a) तेलुगू (b) तमिल
(c) कन्नड़ (d) संस्कृत

उत्तर – (a)

व्याख्या – विजयनगर के तुलुव वंश के सर्वश्रेष्ठ शासक कृष्णदेव राय का शासनकाल 1509-1529 ई. तक था। उसके दरबार में आठ कवियों की एक मण्डली रहती थी जिसे अष्टदिग्गज कहा जाता था। कृष्ण देव राय स्वयं विद्वान थे। उसने स्वयं तेलुगू में 'अमुक्तमाल्यद' की रचना की थी तथा यवन स्थापनाचार्य की उपाधि धारण की थी। बाबर ने अपनी आत्मकथा में कृष्ण देवराय को भारत का सर्वाधिक शक्तिशाली शासक बताया था।

26. अहमदशाह ने 1748 में सफदरजंग को किस पद पर नियुक्त किया था –

(a) साम्राज्य का वजीर (b) अवध का सूबेदार
(c) मीर बख्शी (d) सूबा बिहार का दीवान

उत्तर–(a)

व्याख्या–अवध के स्वतन्त्र राज्य का संस्थापक सआदत खाँ अथवा बुरहान-उल-मुल्क था उसने अपनी पुत्री का विवाह अपने भतीजे सफदरजंग से किया था। सआदत खाँ की मृत्यु के बाद मुगल सम्राट मुहम्मदशाह ने एक फरमान के द्वारा सफदरजंग को अवध का नवाब नियुक्त किया। 1748 ई. में सम्राट अहमद शाह ने सफदरजंग को अपना वजीर नियुक्त किया और उसके उत्तराधिकारी प्रायः नवाब वजीर कहलाने लगे। सआदत अली खाँ (1798-1814 ई.) को राजा की उपाधि लॉर्ड हेस्टिंग्स ने दिया था।

27. किस शासक ने विचार दिया कि राज्य वास्तव में एक इस्लामी राज्य नहीं हो सकता है?

(a) गियासुद्दीन तुगलक (b) मुहम्मद बिन तुगलक
(c) जलालुद्दीन खिलजी (d) फिरोजशाह खिलजी

उत्तर–(c)

व्याख्या–जलालुद्दीन खिलजी दिल्ली का प्रथम तुर्की सुल्तान था जिसने उदार निरंकुशवाद के आदर्श को अपने सामने रखा उसने अपने विरोधियों को संतुष्ट करने का प्रयत्न किया यद्यपि वह योग्य

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

सेनापति था। उसने भय और आतंक के स्थान पर उदारता एवं सहृदयता की नीति को अपनाया तथा अपने शत्रुओं के हृदय-परिवर्तन पर बल दिया। उसका मानना था कि राज्य वास्तव में एक इस्लामी राज्य नहीं हो सकता है।

28. अकबर ने 'फरजन्द' की उपाधि किसे दी?

(a) बीरबल (b) मिर्जा अब्दुर्रहीम खानखाना
(c) मिर्जा मनोहर शेखावत (d) राजा मान सिंह

उत्तर—(d)

व्याख्या—आमेर (जयपुर) का राणा बिहारीमल अथवा भारमल था जो कछवाहा राजपूत था बिहारीमल ने अपने पुत्री का विवाह 1562 ई. में मुगल सम्राट अकबर से कर दिया। अकबर ने प्रसन्न होकर बिहारी मल को मुगल सेना में 5 हजार का मनसब प्रदान किया तथा बिहारीमल के पुत्र भगवानदास और मानसिंह को भी उच्च मनसब प्रदान किया। मानसिंह की सेवा से प्रसन्न होकर अकबर ने उसे 'फरजन्द' की उपाधि प्रदान की।

29. पानीपत के तृतीय युद्ध में मराठों की ओर से लड़ते हुए मरने वाला मुसलमान सेनानायक था –

(a) इब्राहीम खान गार्दी (b) नजीब उद्दौला
(c) मुजफ्फर हुसैन (d) दोस्त मोहम्मद रूहेला

उत्तर—(a)

व्याख्या—14 जनवरी, 1761 को अहमदशाह अब्दाली और मराठों के बीच पानीपत का युद्ध हुआ। इस युद्ध में मराठों की पराजय हुई। इस युद्ध में इब्राहीम खां गार्दी का भारी तोपखाना उपयोगी सिद्ध नहीं हुआ उधर अब्दाली की ऊँटों पर रखी घूमने वाली तोपों ने मराठों का सर्वनाश कर दिया। इस युद्ध में मराठों की ओर से दत्ताजी, जकोजी, इब्राहीम गार्दी, सदाशिव जैसे महान सेनापतियों की मृत्यु हुई। इस समय मराठा शासक बालाजी बाजीराव था जो युद्ध के कुछ ही दिन बाद मर गया।

30. 'बखर' है –

(a) इतिहास रचना के वर्णात्मक साधन
(b) गुप्तचरों की सूचना
(c) राजकीय घोषणायें
(d) विदेशी समाचार पत्र

उत्तर – (a)

व्याख्या – मराठा साम्राज्य में इतिहास रचना के वर्णात्मक साधन 'बखर' कहे जाते थे।

31. किसके विरुद्ध शाहजहाँ ने करतारपुर का युद्ध लड़ा था?

(a) गुरू हर हाय (b) गुरू हरकिशन
(c) गुरू हरगोविन्द सिंह (d) गुरू तेग बहादुर

उत्तर – (c)

व्याख्या – सिखों के छठें गुरु हरगोविन्द थे। इनके पिता गुरु अर्जुन देव को जहाँगीर ने फाँसी दिलवा दिया था। हरगोविन्द ने अपने समर्थकों से धन के स्थान पर घोड़े और हथियार लेने आरम्भ कर दिये तथा तख्त अकाल बंगा की नींव डाली और अमृतसर की किलेबन्दी की। 1628 में शाहजहाँ का प्रिय बाज उड़कर गुरु गोविन्द के खेमे में आ गया। इसी को लेकर दोनों पक्षों में करतारपुर का युद्ध हुआ।

32. निम्नलिखित में से अशोक का कौन शिलालेख धार्मिक सामंजस्य के विषय में कहता है?

(a) द्वितीय शिलालेख (b) बारहवाँ शिलालेख
(c) तेरहवाँ शिलालेख (d) दसवाँ शिलालेख

उत्तर – (b)

व्याख्या – बारहवें शिलालेख में अशोक विभिन्न धर्मों के प्रति अपने दृष्टिकोण को और स्वाभाविक और अधिक स्पष्ट करते हुए कहता है 'मनुष्य को अपने धर्म का आदर और दूसरे धर्म की अकारण निन्दा नहीं करनी चाहिए। एक न एक कारण से अन्य धर्मों का आदर करना चाहिए। ऐसा करने पर मनुष्य अपने सम्प्रदाय की वृद्धि करता है तथा दूसरे के सम्प्रदाय का उपकार करता है।

33. नादिर शाह द्वारा बन्दी बनाया गया मुगल बादशाह था –

(a) फर्रूखशियर (b) मुहम्मद शाह
(c) बहादुर शाह (d) जहाँदार शाह

उत्तर – (b)

व्याख्या – 1739 ई. में अफगान शासक ने भारत पर आक्रमण किया और मुगल बादशाह मुहम्मद शाह को बन्दी बनाया, 20 मार्च, 1739 को नादिरशाह दिल्ली में प्रवेश किया। उसके नाम का खुतबा पढ़ा गया तथा सिक्के जारी किए गए। नादिरशाह दिल्ली में दो माह रहा और अधिकाधिक धन लूटकर भारत से ले गया और जाने से पहले मुहम्मद शाह को पुनः भारत का सम्राट नियुक्त किया।

34. दारा शिकोह को 'मुलहिद' किसने कहा था?

(a) औरंगजेब (b) मुराद
(c) शाह शुजा (d) मोहम्मद काजिम

उत्तर – (a)

व्याख्या – औरंगजेब एक धर्मनिष्ठ शासक था तथा दारा धार्मिक रूप से उदार था। उत्तराधिकार के युद्ध में औरंगजेब ने दारा को पराजित किया। कुछ व्यक्तियों द्वारा औरंगजेब से दारा को जीवन दान देने के लिए याचना किया गया, जिस पर औरंगजेब ने उसे 'अल-मुलाहिद' (विधर्मी) कहा और क्षमा न करते हुए दिल्ली में दारा की हत्या करवा दी।

35. निम्नलिखित में से कौन एक संस्कृत के विद्वानों की सहायता से दारा शिकोह द्वारा तैयार किए उपनिषदों के फारसी अनुवाद की प्रस्तुति है –

(a) सिर्र-ए-अकबर (b) मज्म-उल-बहरीन
(c) किताब-उल-हिन्द (d) बहर-उल-हयात

उत्तर – (a)

व्याख्या – दारा-शिकोह मुगल सम्राट शाहजहाँ का ज्येष्ठ पुत्र था। वह सूफियों की कादिरी शाखा से जुड़ा हुआ था। उसकी रूचि संस्कृत ग्रंथों, पुराणों तथा रहस्यवाद में अधिक थी। उसने 52 उपनिषदों का फारसी भाषा में अनुवाद 'सिर्र-ए-अकबर' (महान रहस्य) के नाम से किया। इसके अतिरिक्त भगवद्गीता तथा योगवशिष्ट का अनुवाद फारसी भाषा में किया है। उसने हिन्दू धर्म एवं सूफीमत का तुलनात्मक अध्ययन के लिए 'मजमा-ए-अल-बहरायन' (दो महासागरों का मिलन) नामक पुस्तक लिखा है।

36. 'मिर्जा राजा' की मुगल पदवी किसे प्रदान की गई थी?

(a) जय सिंह (b) भारमल
(c) जसवंत सिंह (d) राम सिंह

उत्तर – (a)

व्याख्या – आमेर के राजा जयसिंह को जहाँदार शाह ने 'मिर्जा राजा' की उपाधि दी तथा फर्रूखशियर ने जयसिंह को सवाई उपाधि प्रदान की थी। जयसिंह ने 18 नवम्बर, 1727 के आमेर के स्थान पर जयपुर को अपने राज्य की नई राजधानी बनाया।

37. वह कौन-सा हिन्दू चित्रकार था जो जहाँगीर द्वारा ईरान के शाह अब्बास प्रथम का छाया चित्र बनाने के लिए भेजा गया था?

(a) बसावन (b) दसरथ
(c) बिशन दास (d) मनोहर

उत्तर – (c)

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या – मुगल शासकों में जहाँगीर ने सबसे अधिक चित्रकला में रुचि ली। उसके दरबार में अबुल हसन और मंसूर जैसे चित्रकार रहते थे। इसके अतिरिक्त मोहम्मद मुराद, बिशनदास, मनोहर तथा गोवर्धन आदि भी थे। बिशनदास छवि चित्र बनाने में सिद्धहस्त थे। जहाँगीर ने उसे ईरान के शाह अब्बास प्रथम का छायाचित्र बनाने के लिए भेजा था। जिसका वर्णन जहाँगीर ने अपनी आत्मकथा 'तुजुक-ए-जहाँगीरी' में की है।

38. उस अंग्रेज अधिकारी का नाम बताइए जिसने चन्द्रगिरि के शासक से वर्ष 1639 में मद्रास पट्टे पर लिया था?

(a) सर जार्ज आक्सिंडन (b) फ्रांसिस डे
(c) सर टामस रो (d) सर जॉन चाइल्ड

उत्तर–(b)

व्याख्या–1597 ई. में जान मिल्डेनहाल नामक ब्रिटिश यात्री थल मार्ग से भारत आया। 1599 ई. में ही कुछ व्यापारियों ने अंग्रेजी ईस्ट इण्डिया कम्पनी को स्थापित किया। 1639 में फ्रांसिस डे नामक अंग्रेज को चन्द्रगिरी के राजा से मद्रास पट्टे पर प्राप्त हुआ। यहीं पर अंग्रेजों ने 'फोर्ट सेंट जार्ज' नामक किले की स्थापना की, 1641 में कोरोमण्डल तट पर फोर्ट सेंट जॉर्ज कम्पनी का मुख्यालय बन गया।

39. निम्नलिखित में से कौन-सा केंद्र भारत में डच वाणिज्यिक केंद्र नहीं था?

(a) हुगली (b) मसुलिपटम
(c) करीकल (d) बालासोर

उत्तर–(a)

व्याख्या–1602 ई. में डच (हालैण्ड) संसद द्वारा पारित प्रस्ताव से एक संयुक्त डच ईस्ट इंडिया कम्पनी (वेरेनिग्दे ओस्त इंडसे) की स्थापना हुई। 1605 ई. में डचों ने मसूलीपट्टम में प्रथम कारखाने की स्थापना की इसके अतिरिक्त समय के अनुसार उन्होंने इसका विस्तार किया और 1616 में सूरत, 1645 में कराईकल 1658 ई. में बालासोर, 1659 ई. नेगापट्टम में कारखाने स्थापित किये। इस समय हुगली में पुर्तगाली जमे हुए थे।

40. राबर्ट क्लाइव ने मुगल शासक से बंगाल बिहार और उड़ीसा की दीवानी किस वर्ष स्वीकार की?

(a) 1761 (b) 1765
(c) 1778 (d) 1781

उत्तर – (b)

व्याख्या – मुगल सम्राट शाह आलम द्वितीय ने 12 अगस्त, 1765 को एक फरमान द्वारा कम्पनी को बंगाल, बिहार और उड़ीसा की दीवानी स्थाई रूप से दे दी जिसके बदले में कम्पनी सम्राट को 26 लाख रुपया वार्षिक देगी। इस समय ईस्ट इंडिया कम्पनी की ओर से बंगाल का गवर्नर रॉबर्ट क्लाइव था। उसने बंगाल की आर्थिक व प्रशासनिक व्यवस्था को ठीक करने के लिए द्वैध शासन प्रणाली लागू किया।

41. निम्नलिखित में से किसके प्रयासों द्वारा मद्रास प्रेसीडेंसी में देवदासी प्रथा का उन्मूलन हुआ?

(a) मुथुलक्ष्मी रेड्डी (b) राधा बाई सुब्रमणियम
(c) एनी बेसेंट (d) दुर्गा बाई देशमुख

उत्तर – (a)

व्याख्या – डॉ. मुथुलक्ष्यमी रेड्डी का जन्म मद्रास प्रेसीडेंसी में हुआ था। वह भारत की प्रथम महिला विधायक (1927 ई.) तथा प्रथम सर्जन थी। वह एक समाजसुधारक, शिक्षक तथा सर्जन के रूप में प्रसिद्ध थी। चूँकि उनकी माँ एक देवदासी थी, इस वजह से समाज में जो कष्ट उन्हें झेलना पड़ा उसके विरोध स्वरूप मद्रास प्रेसीडेंसी में देवदासी प्रथा के उन्मूलन के लिए प्रयास किया था। मुथुलक्ष्मी रेड्डी के जीवन में बदलाव महात्मा गाँधी तथा एनी बेसेन्ट से मिलने के पश्चात् आया। इन्होंने बहुविवाह, महिलाओं के वयस्क मताधिकार, देवदासी प्रथा उन्मूलन आदि समाज सुधारक कार्य किय। इनकी पुस्तक माई एक्सपीरियंस है।

42. बेसिन की संधि (1802) किस-किस के बीच हुई?

(a) अंग्रेज और टीपू सुल्तान
(b) अंग्रेज और होल्कर
(c) अंग्रेज और गायकवाड़
(d) अंग्रेज और पेशवा बाजीराव द्वितीय

उत्तर – (d)

व्याख्या – द्वितीय आंग्ल-मराठा युद्ध (1803-05 ई.) मराठों के आन्तरिक विद्रोह का परिणाम था। जिसका लाभ अंग्रेजों ने उठाया। पेशवा बाजीराव द्वितीय ने युद्ध के दौरान जसवन्तराव होल्कर के भाई की हत्या कर दी, जिसके कारण 25 अक्टूबर, 1802 ई. को जसवन्तराव होल्कर ने पेशवा तथा सिन्धिया की संयुक्त सेना को पराजित और 31 दिसंबर, 1802 ई. को अंग्रेजों के साथ 'बेसीन की संधि' कर लेता है। वेलेजली के संरक्षकत्व में पेशवा 13 मई, 1803 ई. को पूना पर अधिकार कर लेता है। इस प्रकार शिवाजी द्वारा प्रारम्भ मराठा साम्राज्य की स्वतंत्रता का अंत हो जाता है।

43. 1857 में अंग्रेजों के विरुद्ध जेहाद का प्रचार किसने किया?

(a) मौलवी अहमद उल्ला (b) मौलवी कुदरत अली
(c) मौलवी अहसान उल्ला (d) मौलवी बरकत अली

उत्तर–(a)

व्याख्या– मौलवी अहमद उल्ला मूलतः तमिलनाडु के अर्काट जिले के रहने वाले थे और फैजाबाद में आकर बस गये थे। 1857 के विद्रोह के दौरान उन्होंने भारत के विभिन्न धर्मानुयायियों का आह्वान करते हुए कहा कि "सारे लोग काफिर अंग्रेजों के विरुद्ध खड़े हो जाओ और उन्हें भारत से बाहर खदेड़ दो। उनकी गतिविधियों से भयभीत अंग्रेजों ने उनको पकड़ने के लिए 50,000 रुपये का ईनाम घोषित किया था। 5 जून, 1858 को अवध रूहेलखण्ड सीमा पर उनकी हत्या कर दी गई।

44. 1861 में आगरा में राधास्वामी सत्संग की स्थापना किसने की?

(a) पंडित ब्रह्मशंकर मिश्र (b) राय माधो प्रसाद
(c) स्वामी शिव दयाल सिंह (d) राय अजुध्या प्रसाद

उत्तर–(c)

व्याख्या–1861 में आगरा दयालबाग में राधास्वामी सत्संग की स्थापना तुलसीराम जिसे शिव दयाल साहेब के नाम से भी जाना जाता है ने की थी उनका उद्देश्य एक ईश्वर में विश्वास, धार्मिक एकता, सामाजिक जीवन में सरलता और समाज सेवा पर जोर देना था।

45. आर्य समाज की स्थापना कहाँ हुई थी?

(a) हरिद्वार (b) लाहौर
(c) राजकोट (d) बम्बई

उत्तर – (d)

व्याख्या – स्वामी दयानन्द सरस्वती के बचपन का नाम मूल शंकर था। अल्पायु में ही मूर्ति पूजा में उनका विश्वास न रहा। 1861 ई. में उन्होंने मथुरा के स्वामी विरजानन्द को अपना गुरु बनाया और वहीं पर वेदों का अध्ययन किया। अपने गुरु से पृथक् होकर उन्होंने हिन्दू धर्म, सभ्यता और भाषा के लिए प्रचार का कार्य आरम्भ किया और सर्वप्रथम बम्बई में 1875 में आर्य समाज की स्थापना की। "वेदों की ओर लौटो" का नारा दिया।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

46. 1888 ई. में हुए प्रथम राष्ट्रीय सामाजिक आन्दोलन के अधिवेशन जो मद्रास में हुआ था, उसकी अध्यक्षता किसने की?

(a) टी. माधव राव (b) एम. जी. रानाडे
(c) के. नटराजन (d) राय बहादुर रघुनाथ राव

उत्तर – (a)

व्याख्या– 1888 ई. में प्रथम राष्ट्रीय सामाजिक आंदोलन का अधिवेशन मद्रास में हुआ था, इसकी अध्यक्षता टी. माधव राव ने की थी।

47. चालुक्य और होयसल वंश के मंदिर किस शैली में निर्मित हैं?

(a) नागर (b) वेसर
(c) द्रविड़ (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर – (b)

व्याख्या – भारतीय मंदिरों को मुख्यतः तीन शैलियों में विभाजित किया जा सकता है जो नागर, बेसर और द्रविड़ शैली के रूप में प्रसिद्ध है। उत्तरी तथा मध्य भारत के मंदिर नागर शैली में निर्मित है तथा मध्य भारत तथा कर्नाटक के कतिपय मंदिरों में प्रायः उत्तरी तथा दक्षिणी दोनों शैलियों का सम्मिलित स्वरूप था। कर्नाटक में पट्टतकल के चालुक्य मंदिर प्रायः बेसर शैली के माने जा सकते हैं। दक्षिण भारत के मंदिर प्रायः द्रविण शैली में निर्मित हैं।

48. निम्नलिखित में से कौन भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस के स्थापना अधिवेशन में उपस्थित नहीं था?

(a) दादाभाई नौरोजी (b) जी. सुब्रमण्य अय्यर
(c) जस्टिस रानाडे (d) सुरेन्द्रनाथ बनर्जी

उत्तर–(d)

व्याख्या–28 दिसम्बर 1885 को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना का अधिवेशन हो रहा था, उसी समय 25 दिसम्बर 1885 ई. को 'इंडियन नेशनल कॉन्फ्रेंस' का कलकत्ता में द्वितीय अधिवेशन था, जिसके अध्यक्ष सुरेन्द्रनाथ बनर्जी थे। इसी कारण वह कांग्रेस के स्थापना अधिवेशन में शामिल नहीं हो सके थे।

49. ऐनी बेसेन्ट द्वारा प्रारम्भ किया गया स्वराज शासन आंदोलन का लक्ष्य क्या था?

(a) भारतीय जनता को शिक्षित करना
(b) भारत के लिए स्वशासन प्रारम्भ करना
(c) प्रशासन में ब्रिटिश एकाधिकार के विरुद्ध आन्दोलन करना
(d) विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार

उत्तर – (b)

व्याख्या – 1915 के शुरू में एनी बेसेन्ट ने दो अखबारों 'न्यू इंडिया' और 'कॉमनवील' के माध्यम से आन्दोलन छेड़ दिया। उनकी माँग थी कि जिस तरह से गोरे उपनिवेशों में वहाँ की जनता को अपनी सरकार बनाने का अधिकार दिया गया है, भारतीय जनता को भी स्वशासन का अधिकार मिले। अप्रैल 1915 के बाद एनी बेसेन्ट ने और भी कड़ा और जुझारू रुख अख्तियार किया।

50. काँग्रेस ने मुस्लिमों के लिए पृथक् निर्वाचन मण्डल को स्वीकार किया –

(a) लखनऊ समझौता (b) लाहौर समझौता
(c) पूना समझौता (d) शिमला समझौता

उत्तर – (a)

व्याख्या – लखनऊ काँग्रेस अधिवेशन में तिलक को पुनः काँग्रेस में शामिल कर लिया गया। इसी अधिवेशन में महत्वपूर्ण काँग्रेस-लीग समझौता हुआ, जो 'लखनऊ पैक्ट' के नाम से जाना जाता है। इस समझौते में तिलक और एनी बेसेन्ट ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस अधिवेशन में काँग्रेस ने मुस्लिमों के लिए पृथक् निर्वाचन मण्डल को स्वीकार किया। मदन मोहन मालवीय का मानना था कि मुस्लिम लीग को बहुत तवज्जो दिया जा रहा है।

51. निम्नलिखित में से किस अधिनियम द्वारा भारत के गवर्नर जनरल को अध्यादेश जारी करने की शक्ति प्रदान की गई?

(a) चार्टर ऐक्ट-1833
(b) भारतीय परिषद अधिनियम - 1861
(c) भारतीय परिषद अधिनियम - 1892
(d) भारतीय परिषद अधिनियम – 1909

उत्तर – (b)

व्याख्या – 1861 ई. का यह कानून भारत के संवैधानिक विकास में एक महत्वपूर्ण कदम था। इस कानून से अंग्रेजों की वह नीति आरम्भ हुई जिसे 'सहयोग की नीति' या 'उदार निरंकुशता' का नाम दिया क्योंकि इसके द्वारा सर्वप्रथम भारतीयों को शासन में सम्मिलित करने का प्रयत्न किया गया था तथा गवर्नर जनरल को आवश्यकता पड़ने पर अध्यादेश जारी करने का अधिकार दिया गया जो व्यवस्थापिका सभा या भारत सचिव द्वारा समाप्त न किए जाने पर छह माह तक लागू रह सकता है।

52. सुभाषचन्द्र बोस के त्यागपत्र के बाद भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस का अध्यक्ष कौन हुआ?

(a) राजेन्द्र प्रसाद
(b) सरदार पटेल
(c) मौलाना अबुल कलाम आजाद
(d) पट्टाभि सीतारमैया

उत्तर – (a)

व्याख्या – मार्च, 1939 को त्रिपुरी में काँग्रेस का वार्षिक अधिवेशन हुआ। अध्यक्ष पद के चुनाव में सुभाष चन्द्र बोस ने गाँधी जी के प्रतिनिधि पट्टाभिसीतारमैया को पराजित किया। काँग्रेस के कार्यकारिणी के गठन पर मतभेद के कारण सुभाष चंद्र बोस ने त्याग-पत्र दे दिया। उनकी जगह राजेंद्र प्रसाद को अध्यक्ष चुना गया। उसी वर्ष सुभाष चंद्र बोस ने फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना की।

53. शंखलिपि के लेख निम्नलिखित स्थल के स्तूप अवशेष से प्राप्त हुए हैं –

(a) भरहुत (b) देउर – कुठार
(c) अमरावती (d) सारनाथ

उत्तर–(a)

व्याख्या–शंखलिपि (शेल्य-स्क्रिप्ट) को ब्राह्मी से उत्पन्न माना जाता है। यह उत्तर मध्य भारत के शिलालेखों में चौथी से आठवीं शताब्दी के मध्य प्राप्त होता है। इसकी खोज 1836 ई. में जेम्स प्रिंसेप द्वारा उत्तराखण्ड के बाराहर से प्राप्त किया गया था। शंख लिपि के साक्ष्य उदयगिरि पहाड़ियों, गुप्तकालीन मंदिरों (देवगढ़ के दशावतार मंदिर), भरहुत स्तूप (सतना म.प्र.), कंकाली देवी मंदिर (जबलपुर), एरण (सागर जिला), साँची स्थित अशोक स्तम्भ आदि स्थानों से प्राप्त होते हैं।

54. 'जीव शिव है' इस सिद्धान्त का प्रचलन किसने किया था?

(a) राजा राममोहन राय (b) श्री नारायण गुरु
(c) दयानन्द सरस्वती (d) रामकृष्ण परमहंस

उत्तर–(d)

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या– स्वामी रामकृष्ण परमहंस (1834-1886) दक्षिणेश्वर स्थित काली मंदिर के पुजारी थे इन्होंने चिंतन, संन्यास और भक्ति के परम्परागत तरीके से धार्मिक मुक्ति प्राप्त करने का प्रयास किया। भारतीय सभ्यता और संस्कृति में पूर्ण निष्ठा रखने वाले रामकृष्ण सभी धर्मों को सत्य मानते थे वे मूर्ति पूजा में विश्वास करने के साथ-साथ उसे शाश्वत, सर्वशक्तिमान ईश्वर को प्राप्त करने का एक साधन मानते थे उन्होंने इस सिद्धान्त का प्रचलन किया कि 'जीव शिव है'।

55. किस मूर्ति कला में सबसे पहले रामायण से दृश्य प्रकट हुए?

(a) नचना-कुठार (b) खजुराहो
(c) एरण (d) ओसियाँ

उत्तर–(a)

व्याख्या–मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में अजयगढ़ के समीप नचना-कुठार नामक स्थान पर पार्वती का मंदिर है। यहाँ की मूर्ति कला में सर्वप्रथम रामायण के दृश्य मिलते हैं।

56. निम्नलिखित में अजंता के किस गुफा में 'मरणासन्न राजकुमारी' का दृश्य अंकित है?

(a) गुफा संख्या 1 (b) गुफा संख्या 9
(c) गुफा संख्या 10 (d) गुफा संख्या 16

उत्तर–(d)

व्याख्या–अजन्ता में पहले 29 गुफाओं में चित्र बने थे परन्तु अब केवल छः गुफाओं (1-2 9-10 तथा 16-17) के चित्र शेष बचे हैं। अजन्ता की 16वीं गुफा के चित्रों में 'मरणासन्न राजकुमारी' नामक चित्र सर्वाधिक सुन्दर एवं आकर्षक है यह पति की विरह में मरती हुई राजकुमारी का चित्र है। उसे चारों ओर परिवारजन शोकाकुल अवस्था में खड़े है विद्वानों ने इसकी पहचान बुद्ध के सौतेले भाई नन्द की पत्नी सुन्दरी से की है।

57. निम्नलिखित में से कौन 'चतुराईपूर्ण निष्क्रियता' की नीति के साथ जुड़ा है –

(a) विलियम बेंटिक (b) लार्ड कैनिंग
(c) जॉन लॉरेन्स (d) लार्ड मेयो

उत्तर–(c)

व्याख्या–आंग्ल-अफगान सम्बन्धों का दूसरा अध्याय लार्ड एलनवरों के काल से आरम्भ होकर लार्ड नार्थ बुक के वायसराय काल तक चलता है। इस काल को कुशल अकर्मण्यता की नीति या चतुराई पूर्ण निष्क्रियता का काल कहा जाता है। यह अफगान युद्ध में हुए सर्वनाश का सीधा परिणाम थी। इस नीति को प्रायः जान लारेन्स के नाम से सम्बन्धित किया जाता है। क्योंकि उसके वायसराय काल में इस नीति को अनुसरण करने का स्पष्ट अवसर मिला।

58. निम्नलिखित में से कौन सा बंदरगाह पोडुके नाम से 'दी परिप्लस ऑफ दी इरिथ्रियन' के लेखक को ज्ञात था –

(a) अरिकामेडु (b) बारबेरिकम
(c) कोरके (d) ताम्रलिप्ति

उत्तर–(a)

व्याख्या–अरिकामेडु में 1945 ई. में हुई खुदाई से ई. सन् की प्रथम दो शताब्दियों के रोमन मृदभाण्डों के अनेक टुकड़ों के साथ-साथ एक रोमन व्यापारिक केन्द्र (बस्ती) के अवशेष का पता चला है। अरिकामेडु को पेरिप्लस आफ दि एरिथ्रियन सी में 'पोडुके' (पोडुका) नाम से सम्बोधित किया गया है।

59. दक्षिणी भारत में स्थित निम्नलिखित स्तूप अवशेषों में दशरथ जातक का शिल्पांकन प्राप्त हुआ है –

(a) नागार्जुनकोण्डा (b) अमरावती
(c) गुम्मिडीदुर्रू (d) फनिगिरी

उत्तर–(a)

व्याख्या–हैदराबाद से 100 मील दक्षिण-पूर्व की ओर स्थित नागार्जुन-कोंडा एक प्राचीन स्थान है यह बौद्ध महायान के प्रसिद्ध आचार्य नागार्जुन के समय एक सुन्दर नगर था। कृष्णा नदी के तट पर स्थित यह नगर प्राकृतिक सौन्दर्य से समन्वित होने के साथ ही, दुर्भेद्य दुर्ग की भाँति सुरक्षित भी था। यहाँ से नौ बौद्ध स्तूपों के अवशेष प्राप्त हुए हैं इन्हीं स्तूपों में दशरथ जातक का शिल्पांकन प्राप्त हुआ है।

60. निम्नलिखित संतों में से किसे उसके अनुयायी विष्णु का अवतार मानते हैं?

(a) चैतन्य (b) रामानन्द
(c) रामानुज (d) वल्लभाचार्य

उत्तर – (a)

व्याख्या – संत चैतन्य का जन्म बंगाल के नदिया नामक स्थान पर एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। 22 वर्ष की आयु में ईश्वरपुरी नामक एक साधु से कृष्ण मंत्र लिया और 24 वर्ष की आयु में साधु हो गये। उन्होंने मूर्ति पूजा और धार्मिक ग्रन्थों का विरोध नहीं किया। वे सभी को कृष्ण भक्ति के योग्य मानते थे। उनके अनुयायी उनको विष्णु का अवतार मानते हैं।

61. 'जाति मीमांसा' के लेखक हैं –

(a) पेरियार रामास्वामी (b) ज्योतिबा फुले
(c) बी. आर. अम्बेदकर (d) श्री नारायण गुरु

उत्तर – (d)

व्याख्या – श्री नारायण गुरु केरल के एझवा (एक अस्पृश्य) जाति से सम्बन्धित थे। श्री नारायण गुरु ने अपने से नीची जातियों के प्रति अस्पृश्यता की प्रथा को समाप्त करने का प्रयास किया। उन्होंने विवाह संस्कार, धार्मिक पूजा तथा अन्त्येष्टि आदि के कर्मकाण्डों को सरल बनाया। श्री नारायण गुरु को अस्पृश्य जातियों को पिछड़ी हुई जातियों में परिवर्तित करने में विशेष सफलता मिली। उन्हें 'जाति मीमांसा' का लेखक माना जाता है।

62. भागिलय की मुद्रायें निम्नलिखित से प्राप्त हुए हैं –

(a) नासिक (b) कौशाम्बी
(c) गोदावरी-कृष्णा घाटी (d) नर्मदा घाटी

उत्तर – (d)

व्याख्या – भागिलय की मुद्राएँ नर्मदा घाटी से प्राप्त हुई है। इन मुद्राओं के माध्यम से ही मुख्यतया भागिलयों के इतिहास की जानकारी प्राप्त होती है। इन्हें नगर नामंकित नागर सिक्के कहा जाता है

63. 'जवाबित' थे –

(a) कृषि संबंधित कानून (b) हिन्दुओं से संबंधित विषय
(c) राज्य कानून (d) भूमि सम्बन्धित कानून

उत्तर – (c)

व्याख्या – जवाबित राज्य कानून को कहा जाता था। वस्तुतः मध्यकालीन भारत में मुस्लिम सत्ता के स्थापना के बाद धर्म और राजनीति का प्रश्न जटिल प्रश्न के रूप में उभरा। जवाबित इसी प्रश्न का हल था, जो राज्य कानून के रूप में आया।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT) चयन परीक्षा, 2011
सामाजिक विज्ञान
इतिहास
(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)

1. अशोक के शिलालेखों की लिपि क्या है?
(a) संस्कृत (b) पालि
(c) ब्राह्मी (d) प्राकृत
उत्तर– (c)

व्याख्या-अशोक के अभिलेख प्राकृत भाषा में तथा ब्राह्मी लिपि में लिखे गये हैं। उनके दो अभिलेखों-शाहबाजगढ़ी तथा मानसेहरा की लिपि ब्राह्मी न होकर खरोष्ठी है। यह दाईं से बाईं ओर लिखी जाती थी। अशोक के अभिलेखों का विभाजन तीन वर्गों में किया जा सकता है-(1) शिलालेख, (2) स्तंभलेख, (3) गुहालेख। साथ में कांधार के शर-ए-कुना अभिलेख में ग्रीक तथा अरामेइक लिपियों का प्रयोग हुआ है।

2. पूर्ण विकसित हड़प्पा-सभ्यता लगभग कितनी शताब्दियों तक जीवित रही :
(a) चार (b) पांच (c) सात (d) तीन
उत्तर– (b)

व्याख्या-मोहनजोदड़ो, कोटदीजी, कालीबंगन, लोथल, रोजदी, सुरकोटदा से जो रेडियो कार्बन तिथियां प्राप्त की गयी हैं उसके आधार पर सैंधव सभ्यता की तिथि ई.पू. 2400-1700 तक निर्धारित होती है। लगभग 2400 ई.पू. से 2000 ई.पू. तक यह सभ्यता अपने विकास की पराकाष्ठा पर थी। पूर्ण विकसित हड़प्पा सभ्यता लगभग पाँच शताब्दियों तक जीवित रही।

3. उपलब्ध प्रमाणों के आधार पर हड़प्पा सभ्यता ने मानव जाति को जो दो स्थायी उपहार प्रदान किए वे थे–
(a) गेहूँ और कपास की खेती
(b) गणित और दशमलव प्रणाली का ज्ञान
(c) ताम्र और कांस्य आगलन प्रौद्योगिकी
(d) सोखे और मिट्टी के पाइप बनाना
उत्तर– (c)

व्याख्या-हड़प्पा सभ्यता ने मानव जाति को दो स्थाई उपहार ताँम्र और काँस्य आगलन प्रौद्योगिकी प्रदान की थी। संभवतः सैन्धव सभ्यता से पहले इस प्रकार की वैज्ञानिक रूप से विकसित प्रौद्योगिकी प्रकाश में नहीं आई थी। यही कारण है कि सैन्धव पुरास्थलों से ताँम्र एवं काँसे के प्रमाण प्राप्त हुए हैं जिसके कारण इसे काँस्ययुगीन सभ्यता भी कहा जाता है। हड़प्पा से ताँबे की इक्कागाड़ी, ताँबे का पैमाना, काँसे का दर्पण एवं मोहनजोदड़ों से काँस्य की कुल्हाड़ी प्राप्त हुई है।

4. हड़प्पा के लोगों के सामान्य घरेलू बर्तन किससे बने होते थे?
(a) पत्थर
(b) चीनी मिट्टी
(c) मिट्टी के अच्छी तरह पकाए गए चित्रात्मक बर्तन
(d) ताम्र
उत्तर– (c)

व्याख्या-बर्तन बनाने के लिए सिंधु की मिट्टी का प्रयोग किया जाता था जिसमें चूना (Lime) या अभ्रक (Mica) मिलाया जाता था। हड़प्पा के बर्तन भारी और उपयोग्य थे। बर्तन विभिन्न प्रकार के थे-सादे या पुते हुए या चित्रात्मक। अधिकतर भांड सादे थे जो लाल मिट्टी के बने थे (वस्तुतः खुले में पकाये जाने के कारण वे लाल हो जाते थे) जिन पर बहुधा लाल या भूरी पट्टिका बना दी जाती थी।

5. लोथल और चन्हूदड़ों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण उद्योग क्या था?
(a) जहाज-निर्माण (b) मनका-उत्पादन
(c) हथकरघा वस्त्र उद्योग (d) धातुकर्म उद्योग
उत्तर– (b)

व्याख्या-चन्हूदड़ों और लोथल में मनके बनाने के कारखाने थे। इन मनको को बड़ी मेहनत से बनाया जाता था। वांछित आकार देने के फलस्वरूप इन पर पॉलिश की जाती थी फिर इनमें छेद किया जाता था जिससे इनमें धागा डाला जा सके।

6. हड़प्पा-कालीन नगरों पर कौन शासन करता था?
(a) राजा (b) पुरोहित राजा
(c) व्यापारियों का अल्प तंत्र (d) शासन व्यवस्था अज्ञात है
उत्तर– (d)

व्याख्या-सैंधव नगरों की शासन व्यवस्था के विषय में हमें कुछ भी पता नहीं है। इस संबंध में हम केवल अनुमान ही लगा सकते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि मोहनजोदड़ों तथा हड़प्पा का शासन सुदृढ़ दुर्गों द्वारा होता था। इन दुर्गों में केन्द्रीय अधिकारी निवास करते थे। संभवतः उनका एक राजा भी होता था जो पुरोहित होता था और देवता के प्रतिनिधि के रूप में शासन चलाता था।
नोट- माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (c) माना है।

7. उत्तर वैदिक काल में आर्यों को भारतीय भूगोल के किस अंश की जानकारी नहीं थी?
(a) दोनों समुद्रों की
(b) हिमालय के विभिन्न पर्वत शिखरों की
(c) कृष्णा नदी घाटी तक दक्षिण भारत की
(d) सम्पूर्ण गंगा नदी घाटी की
उत्तर– (c)

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-उत्तर वैदिक काल में आर्यों को भारतीय भूगोल के कृष्णा नदी घाटी तक दक्षिण भारत की जानकारी नहीं थी। आर्य सभ्यता का प्रसार अभी विन्ध्य पर्वत के दक्षिण में नहीं हो पाया था। किसी भी वैदिक ग्रन्थ में हम दक्षिण के राज्यों का नामोल्लेख नहीं पाते हैं।

8. निम्नलिखित में से कौन से ग्रंथ वेदों या श्रुतियों के अंग नहीं थे?

(a) संहिता (b) ब्राह्मण
(c) उपनिषद् (d) पुराण

उत्तर– (d)

व्याख्या-पुराण ग्रन्थ वेदों या श्रुतियों के अंग नहीं थे। वैदिक साहित्य को सुविधानुसार चार भागों में बाँटा जाता है- (1) वेदों की संहिताएँ (2) ब्राह्मण ग्रन्थ (3) आरण्यक ग्रन्थ (4) उपनिषद। इसके अतिरिक्त भारतीय ऐतिहासिक कथाओं का सबसे अच्छा क्रमबद्ध विवरण पुराणों में मिलता है। पुराणों के रचयिता लोमहर्ष अथवा उनके पुत्र उग्रश्रवा माने जाते हैं। इनकी संख्या 18 है।

9. ''युद्ध का प्रारम्भ मनुष्यों के मस्तिष्क में होता है'', किस ग्रंथ में उल्लिखित है?

(a) ऋग्वेद (b) सामवेद
(c) अथर्ववेद (d) मुण्डक उपनिषद्

उत्तर– (c)

व्याख्या-''युद्ध का प्रारंभ मनुष्यों के मस्तिष्क में होता है'' यह अथर्ववेद में लिखित है। अथर्ववेद में तंत्र मंत्र, जादू, शाप, वशीकरण आदि विषयों का विवरण मिलता है।

10. प्रथम बौद्ध संगीति का अध्यक्ष कौन था?

(a) थेर यश (b) महाकस्सप
(c) मोग्गलिपुत्त तिस्स (d) वसुमित्र

उत्तर– (b)

व्याख्या-प्रथम बौद्ध संगीति बुद्ध की मृत्यु के तत्काल बाद राजगृह की सप्तपर्णि गुफा में हुई। इस समय मगध का शासक अजातशत्रु था। इस संगीति की अध्यक्षता महाकस्सप ने की तथा इसमें बुद्ध के प्रमुख शिष्य आनन्द और उपालि भी उपस्थित थे। इसमें बुद्ध की शिक्षाओं का संकलन हुआ तथा उन्हें सुत्त और विनय नाम के दो पिटको में विभाजित किया गया।

11. बुद्ध के प्रवचनों का संकलन प्रसिद्ध धम्मपद निम्नलिखित में से किस ग्रंथ का अंग है–

(a) सुत्त पिटक (b) विनय पिटक
(c) अभिधम्म पिटक (d) दीर्घ निकाय

उत्तर– (a)

व्याख्या-बुद्ध के प्रवचनों का संकलन प्रसिद्ध 'धम्मपद' सुत्तपिटक ग्रन्थ का अंग है। सुत्तपिटक पाँच निकायों में विभक्त है जो इस प्रकार हैं- 1. दीर्घनिकाय 2. मज्झिम निकाय 3. संयुक्त निकाय 4. अंगुत्तर निकाय 5. खुद्दक निकाय। खुद्दक निकाय अपने आप में स्वतंत्र एवं पूर्ण है। इसके कुछ अन्य ग्रन्थ इस प्रकार हैं-खुद्दक पाठ, धम्मपद, उदान, सुत्तनिपात, विमानवत्थु, पंकवत्थु, थेरगाथा, थेरीगाथा एवं जातक।

12. प्रसिद्ध बौद्ध विद्वान अश्वघोष किसके समकालीन थे–

(a) अशोक (b) मिनाण्डर
(c) कनिष्क (d) हर्ष

उत्तर– (c)

व्याख्या-प्रसिद्ध बौद्ध विद्वान अश्वघोष कनिष्क के समकालीन थे। वे कनिष्क के राजकवि थे। उनकी रचनाओं में तीन प्रमुख हैं- (1) बुद्धचरित (2) सौन्दरनन्द तथा (3) शारिपुत्रप्रकरण। इनमें प्रथम दो महाकाव्य तथा अन्तिम नाटक ग्रन्थ है।

13. मौर्य दरबार में मिश्र के राजा टॉलेमी फिलाडेल्फस का दूत कौन था?

(a) डाइनोसियस (b) डाइमेकस
(c) मेगस्थनीज (d) डियोडोरस

उत्तर– (a)

व्याख्या-प्लिनी के अनुसार मिस्र के राजा टालमी द्वितीय फिलाडेल्फस (285-247 ई. पू.) ने डाइनोसियस नामक एक राजदूत मौर्य दरबार में भेजा था। इसके अतिरिक्त मेगस्थनीज राजदूत बनकर चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में, डाइमेकस सीरिया के राजा एन्टियोकस का राजदूत बनकर बिन्दुसार के दरबार में आया था। जबकि डियोडोरस एक यूनानी लेखक था।

14. निम्नलिखित में से कौन-सा पक्ष अशोक के धम्म का एक सैद्धांतिक पक्ष नहीं है–

(a) अहिंसा (मनसा, वाचा, कर्मणा) (b) व्यवहार में संयम
(c) सभी के साथ समान व्यवहार (d) पापों से भय

उत्तर– (d)

व्याख्या-अशोक दूसरे एवं सातवें स्तम्भलेख में उन गुणों को गिनाता है जो धम्म का निर्माण करते हैं। इन्हें हम इस प्रकार रख सकते हैं-'अपासिनवे बहुकयानेदयादानेसचे सोचयेमादवेसाधवेच।' अर्थात् धम्म-अल्पपाप (अपासिनवे) है अत्यधिक कल्याण (बहुकयाने) है। दया है, दान है, सत्यवादिता है। पवित्रता (सोचये) है-मृदुता (मादवे) है साधवे (साधुता) है। अशोक लोगों को अहिंसा का उपदेश देता है। सबके साथ उचित व्यवहार तथा संयम का भी उपदेश देता है।

15. अशोक के किस शिलालेख से युद्ध और हिंसा के कारण जनित उसके अन्तर्मन की व्यथा प्रकट होती है

(a) धौली और जौगढ़ (b) शाहबाजगढ़ी और सोपारा
(c) मास्की और भाब्रू (d) मानसेहरा और गिरनार

उत्तर– (a)

व्याख्या-अशोक के 13वें शिलालेख में कलिंग युद्ध के भयानक परिणामों का इस प्रकार उल्लेख हुआ है-'इसमें एक लाख पचास हजार व्यक्ति बन्दी बनाकर निर्वासित कर दिये गये, एक लाख लोगों की हत्या की गई तथा इससे भी कई गुना अधिक मर गये। कलिंग युद्ध की हृदय विदारक हिंसा एवं नरसंहार की घटनाओं ने अशोक के हृदय स्थल को स्पर्श किया। धौली तथा जौगढ़ के शिलालेखों पर 11वें, 12वें, 13वें शिलालेख उत्कीर्ण नहीं किये गये हैं। धौली तथा जौगढ़ पृथक प्रज्ञापनों या शिलालेखों के रूप में भी प्रसिद्ध है।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

16. भारत का निम्नलिखित कौन वर्तमान प्रान्त मौर्य साम्राज्य का अंग नहीं था/ थे :

(a) केरल (b) तमिलनाडु
(c) उपर्युक्त (a) और (b) (d) कश्मीर

उत्तर– (c)

व्याख्या-भारत के वर्तमान प्रान्त केरल तथा तमिलनाडु मौर्य साम्राज्य का अंग नहीं थे। द्वितीय शिलालेख में अशोक अपनी दक्षिणी सीमा पर स्थित चोल, पाण्ड्य, सतियपुत्त, केरलपुत्त तथा ताम्रपार्णि के नाम बताता है। ये सभी तमिल राज्य थे तथा उसके साम्राज्य के बाहर थे। चोल राज्य में तमिलनाडु के त्रिचनापल्ली तथा तंजोर का क्षेत्र था और पाण्ड्य राज्य में मदुरा, रामनाद तथा तिरुनेवेल्ली के जिले सम्मिलित थे केरल पुत्त राज्य में दक्षिण मालावार क्षेत्र था। सतियपुत्त की पहचान संदिग्ध है।

17. जनपद स्तर पर मौर्य अधिकारियों का सही अवरोही क्रम था?

(a) राजुक, प्रादेशिक, युक्त (b) युक्त, राजुक, प्रादेशिक
(c) प्रादेशिक, युक्त, राजुक (d) प्रादेशिक, राजुक, युक्त

उत्तर– (d)

व्याख्या-जनपद स्तर पर मौर्य अधिकारियों का सही अवरोही क्रम था-प्रादेशिक, राजुक, युक्त। प्रादेशिक, शेष दोनों अधिकारियों से वरिष्ठ होता था। प्रादेशिक तथा राजुक अपने कार्यों में युक्त नामक अधीनस्थ अधिकारियों से सहायता प्राप्त करते थे। प्रादेशिक मण्डल प्रधान अधिकारी होता था। राजुक आधुनिक बन्दोवस्त अधिकारी की तरह होते थे। युक्त राजस्व वसूल करते तथा उसका लेखा-जोखा रखते थे।

18. मौर्य काल में शिक्षा का सर्वाधिक प्रसिद्ध केन्द्र था–

(a) तक्षशिला (b) उज्जैनी
(c) नालन्दा (d) वल्लभी

उत्तर– (a)

व्याख्या-मौर्यकाल में तक्षशिला शिक्षा का एक प्रसिद्ध केन्द्र था। कौटिल्य तक्षशिला के शिक्षा केन्द्र का प्रमुख आचार्य था। वह स्वभाव से अत्यन्त रूढ़िवादी तथा क्रोधी था। पुराणों में उसे द्विजर्षभ (श्रेष्ठ ब्राह्मण) कहा गया है। प्राचीन भारत के शिक्षा केन्द्रों में नालन्दा विश्वविद्यालय सर्वाधिक उल्लेखनीय है। इसकी स्थापना कुमारगुप्त प्रथम (415-455 ई.) ने करवाई थी। वल्लभी विश्वविद्यालय की स्थापना मैत्रकवंशी शासक भट्टार्क ने की थी। यहाँ मैत्रक राजवंश की राजधानी थी।

19. सारनाथ से प्राप्त अशोक के स्तम्भ पर कौन-सा पशु उत्कीर्णित नहीं है–

(a) कुकुदमान (कूबड़वाला) वृषभ (b) हिरण
(c) हाथी (d) अश्व

उत्तर– (b)

व्याख्या-सारनाथ से प्राप्त अशोक के स्तम्भ पर हिरण नहीं उत्कीर्ण है। सारनाथ के स्तम्भ का सिंहशीर्ष सर्वोत्कृष्ट है। इसके फलक पर चार सजीव सिंह पीठ से पीठ सटाये हुए तथा चारों दिशाओं की ओर मुँह किये हुए दृढ़तापूर्वक बैठे हैं। सिंहों के मस्तक पर महाधर्मचक्र स्थापित था जिसमें मूलतः **32** तीलियाँ थीं। सिंहों के नीचे चार चक्र बने हैं जो धर्मचक्रप्रवर्तन के प्रतीक हैं। इसी पर चार पशुओं-गज, अश्व, बैल तथा सिंह की आकृतियाँ उत्कीर्ण हैं।

20. राजेन्द्र चोल ने किस पाल नरेश को पराजित किया?

(a) गोपाल (b) देवपाल
(c) विग्रहपाल (d) महीपाल प्रथम

उत्तर– (d)

व्याख्या-राजेन्द्र चोल ने पाल नरेश महिपाल प्रथम को पराजित किया था। राजेन्द्र चोल ने अपने पुत्र विक्रमचोल के नेतृत्व में सेना भेजी। गोविन्द चन्द्र को जीतने के बाद उसने बंगाल के पाल शासक महीपाल के ऊपर आक्रमण कर उसे भी पराजित किया। पराजित पाल नरेश युद्ध क्षेत्र से भाग गया। इस अभियान का उद्देश्य गंगानदी का पवित्र जल लाना था।

21. दक्षिण भारत में चोलों का वास्तविक संस्थापक कौन था?

(a) विजयालय (b) परान्तक प्रथम
(c) राजराज प्रथम (d) राजेन्द्र प्रथम

उत्तर– (c)

व्याख्या-दक्षिण भारत में चोल साम्राज्य का वास्तविक संस्थापक परान्तक द्वितीय (सुन्दर चोल) का पुत्र अरिमोलिवर्मन (राजराज प्रथम) था जो 985 ई. के मध्य में राजराज की उपाधि धारण कर गद्दी पर बैठा। अपनी अनेक सामरिक सफलताओं तथा साम्राज्य प्रशासन हेतु नवीन सफल शासन प्रणाली के कारण उसे चाले वंश का सबसे महान शासक माना जाता है।
नोट- माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (b) दिया है जो कि गलत है।

22. निम्नलिखित में से किससे चोल साम्राज्य के प्रशासनिक प्रभागों का सही अवरोही क्रम ज्ञात होता है :

(a) मण्डलम्, वलनाडु, कुर्रम (b) मण्डलम्, कोट्टम् नाडु
(c) कुर्रम, नाडु, कोट्टम (d) नाडु, कुर्रम तनियुर

उत्तर– (b)

व्याख्या-प्रशासन की सुविधा के लिए विशाल चोल साम्राज्य छः प्रान्तों में विभाजित था। प्रान्त को 'मण्डलम्' कहा जाता था। मण्डलम् का विभाजन 'कोट्टम' अथवा 'वलनाडु' में हुआ था जो आजकल की कमिश्नरियों के बराबर होते थे। प्रत्येक कोट्टम में कई जिले होते थे, जिले की संज्ञा नाडु थी। अतः चोल साम्राज्य के प्रशासनिक प्रभागों का सही अवरोही क्रम है- मण्डलम्, कोट्टम, नाडु।
नोट- माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (a) दिया है जो कि गलत है।

23. चोल राजा किस मत के संरक्षक थे?

(a) शैवमत
(b) वैष्णवमत
(c) शाक्तमत
(d) बौद्धमत

उत्तर– (a)

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-चोलराजा शैव मत के संरक्षक थे। चोल शासकों के उत्साह को देखकर उनके राज्य की प्रजा ने भी शैव धर्म ग्रहण कर लिया। चोल शासकों ने शैव सन्तों को ही अपना राजगुरू मनोनीत किया था। राजराज प्रथम तथा राजेन्द्र चोल के समय में क्रमशः ईशानशिव और सर्वशिव राजगुरू मनोनीत किये गये थे। चोलकालीन समाज में वैष्णव धर्म का भी प्रचार-प्रसार हुआ।

24. दिल्ली सल्तनत का पहला सम्प्रभु या प्रभुतासम्पन्न शासक था–

(a) कुतुबुद्दीन ऐबक (b) आराम शाह
(c) इल्तुतमिश (d) नासिरुदीन महमूद

उत्तर– (c)

व्याख्या-दिल्ली सल्तनत का पहला सम्प्रभु या प्रभुता सम्पन्न शासक इल्तुतमिश था। उसने सुल्तान के पद की स्वीकृति गोर के किसी शासक से नहीं बल्कि 1229 ई. में बगदाद के अब्बासी खलीफा से मान्यता का अधिकार पत्र प्राप्त किया था।

25. लोदी वंश के शासक किस जाति या प्रदेश से मूलतः संबंधित थे?

(a) विशुद्ध तुर्क
(b) तैमूरी तुर्क
(c) विशुद्ध अफगानी (अफगान या पठान)
(d) अफगानिस्तान में बसे हुए तुर्क

उत्तर– (c)

व्याख्या-लोदी वंश के शासक अफगानों की एक महत्वपूर्ण शाखा 'शाहूखेल' से संबंधित थे। दिल्ली के इससे पहले के सभी सुल्तान तुर्क थे, लेकिन लोदी विशुद्ध अफगानी थे। लोदी वंश का शासन 1451 से 1526 ई. तक रहा। अन्ततः पानीपत के युद्ध में बाबर ने इब्राहिम लोदी को हराकर 1526 ई. में मुगल वंश की स्थापना की।

26. अलाउद्दीन खिलजी द्वारा बाजार नियंत्रण व्यवस्था या आर्थिक अधिनियमों के पीछे क्या उद्देश्य था?

(a) जन कल्याण
(b) सीमित वेतन में अपने सैनिकों को संतुष्ट रखना
(c) हिन्दू सौदागरों और व्यापारियों पर नियंत्रण रखना
(d) अवैध व्यापारिक गतिविधियों को प्रतिबन्धित करने के लिए

उत्तर– (b)

व्याख्या-बाजार नियंत्रण और वस्तुओं के मूल्यों को निर्धारित करने में अलाउद्दीन का उद्देश्य राजनीतिक था। एक बड़ी सेना रखना, अपने सैनिकों को एक निश्चित और नकद वेतन देकर उनको जीवन की सुविधाएँ उपलब्ध कराना और इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए वस्तुओं के मूल्यों को बढ़ने से रोकना उसका मुख्य उद्देश्य था तथा बाजार नियंत्रण इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु एक साधन था।

27. मुहम्मद बिन तुगलक द्वारा सांकेतिक मुद्रा का प्रचलन संबंधी प्रयोग किस कारण से विफल सिद्ध हुआ?

(a) विदेशी व्यापारियों द्वारा सांकेतिक मुद्रा स्वीकार न करना
(b) व्यापक स्तर पर नकली सिक्कों की ढलाई
(c) सांकेतिक सिक्कों का घटियापन
(d) सांकेतिक मुद्रा को गलाकर धातु के रूप में उपयोग

उत्तर– (b)

व्याख्या-सुल्तान मुहम्मद बिन तुगलक ने सिक्कों के नकल न किये जाने की व्यवस्था नहीं की थी और नागरिकों ने इसका लाभ उठाकर नकली सिक्के बनाना आरंभ कर दिये थे। अतः उसके मुद्रा प्रचलन संबंधी प्रयोग सफल नहीं हुए।

28. फिरोज शाह तुगलक ने किसकी स्मृति चिरस्थायी रखने के लिए जौनपुर नगर की स्थापना की थी?

(a) गयासुद्दीन तुगलक (b) अलाउद्दीन खिलजी
(c) मुहम्मद बिन तुगलक (d) गयासुद्दीन बलबन

उत्तर– (c)

व्याख्या-फिरोज तुगलक ने 300 नवीन नगरों का निर्माण कराया। उसके द्वारा बसाये गये नगरों में फतेहाबाद, हिसार, फिरोजपुर, जौनपुर और फिरोजाबाद प्रमुख थे। जौनपुर नगर की स्थापना उसने अपने भाई जौना खाँ (मुहम्मद बिन तुगलक) की स्मृति में करवाया था।

29. बहमनी साम्राज्य की स्थापना के लिए निम्नलिखित में से कौन सी परिस्थिति उत्तरदायी थी–

(a) कल्याणी के चालुक्य साम्राज्य का विघटन
(b) दक्कन में तुगलक शासन के विरुद्ध श्रृंखलाबद्ध विद्रोह
(c) दिल्ली सुल्तानों से प्राप्त सैनिक समर्थन एवं प्रोत्साहन
(d) अमीरान-ए-सादाह विद्रोह

उत्तर– (d)

व्याख्या-दक्कन के 'अमीरान-ए-सादाह' के विद्रोह के कारण मुहम्मद बिन तुगलक के शासनकाल के अंतिम दिनों में बहमनी साम्राज्य की स्थापना हुई। हसन गंगू (जफर खाँ 1347-1358 ई.) नामक एक सरदार अलाउद्दीन हसन बहमनशाह की उपाधि धारण करके 1347 ई. में सिंहासनारूढ़ हुआ और बहमनी साम्राज्य की नींव डाली।

30. बहमनी साम्राज्य और विजयनगर साम्राज्य के मध्य शत्रुता से संबंधित कौन-सा विवादग्रस्त क्षेत्र था?

(a) तेलंगाना (b) गोआ
(c) मुद्गल का दुर्ग (d) रायचूर दोआब

उत्तर– (d)

व्याख्या-बहमनी साम्राज्य और विजयनगर साम्राज्य के मध्य शत्रुता से संबंधित क्षेत्र कृष्णा एवं तुंगभद्रा नदियों के मध्य स्थित प्रसिद्ध रायचूर दोआब था।

31. बहमनी साम्राज्य में अफाकी लोग कौन थे?

(a) ईरान, इराक, तुर्की एवं अरब देशों से आए मुसलमान अप्रवासी
(b) बहमनी साम्राज्य में रहने वाले विदेशों व्यापारी
(c) इस्लाम धर्म अंगीकार करने वाले दक्षिण भारतीय लोग
(d) बहमनी दरबार के शिया अमीर

उत्तर– (a)

व्याख्या-अफाकियों के आगमन से बहमनी शासन एवं संस्कृति पर विदेशी, विशेषतः ईरानी प्रभाव बढ़ने लगा। इस प्रकार इस युग में बहमनी साम्राज्य पर विदेशियों, दक्खिनियों एवं हिंदुओं का

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

मिश्रित प्रभाव पड़ा। परंतु इनमें दो वर्गों अर्थात् दक्खिनियों एवं अफाकियों (ईरानी, अरब और तुर्कों) के मध्य इस सीमा तक विद्वेष की वृद्धि हुई कि वह बहमनी साम्राज्य के विनाश का प्रमुख कारण बना।

32. वह कौन सुल्तान था, जो स्वयं को नायब-ए-खुदाई या ईश्वर का प्रतिनिधि कहता था?

(a) इल्तुतमिश (b) बलबन
(c) अलाउद्दीन खिलजी (d) गयासुद्दीन

उत्तर– (b)

व्याख्या–बलबन स्वयं को नायब-ए-खुदाई या ईश्वर का प्रतिनिधि कहता है। इस प्रकार बलबन के राजत्व सिद्धान्त का स्वरूप और सार फारस के राजत्व से प्रेरित था। उसके अनुसार राजा 'जिल्ले अल्लाह' अर्थात् ईश्वर का प्रतिबिंब है।

33. तैमूर को सैयद वंश प्रतिनिधि खिज्र खाँ द्वारा संस्थापित राजवंश क्यों कहा जाता है?

(a) उसने तथा उसके उत्तराधिकारियों ने सैयद नाम से शासन किया।
(b) खिज्र खाँ पैगम्बर का वंशज था।
(c) खिज्र खाँ पूर्वी तुर्किस्तान की सैयद-जनजाति का था।
(d) वह इस्लामी धर्मशास्त्र का एक प्रतिष्ठित विद्वान था।

उत्तर– (b)

व्याख्या–तैमूर को सैयद वंश प्रतिनिधि खिज्र खाँ द्वारा संस्थापित राजवंश कहा जाता है क्योंकि खिज्र खाँ पैगम्बर का वंशज था। मध्य एशिया के महान सेनानायक तैमूर ने 1398 ई. में सुल्तान नासिरुद्दीन महमूद के शासनकाल में भारत पर आक्रमण किया था और खिज्र खाँ को लाहौर, मुल्तान एवं दिपालपुर की सुबेदारी सौपी थी।

34. सल्तनत काल में उत्तराधिकार का क्या सामान्य नियम था?

(a) जन्म की वरीयता के आधार पर
(b) अग्रजाधिकार नियम के अनुसार
(c) पूर्व सुल्तान द्वारा नामांकन
(d) अमीरों के मंतव्य और गद्दी के लिए दावेदार व्यक्ति की अपनी शक्ति एवं क्षमता या योग्यता

उत्तर– (d)

व्याख्या–सल्तनत काल में उत्तराधिकार का कोई निश्चित नियम नहीं था। एक आधार पर पैतृक सुल्तान के द्वारा नामजद किये जाने के अधिकार की मान्यता थी। अयोग्य उत्तराधिकारी होने की स्थिति में सरदारों ने सुल्तान चुनने की प्रेरणा का प्रयोग किया। इसके अतिरिक्त, तलवार की शक्ति भी सिंहासन के अधिकार को निश्चित करती थी। अलाउद्दीन खिलजी, खिज्रखाँ और बहलोल लोदी ऐसे ही शासक थे।

35. बरीद कौन थे?

(a) शाही कारखानों में काम करने वाले दस्तकार
(b) सुल्तान के अंगरक्षक
(c) शाही आय-व्यय का हिसाब रखने वाले प्रभारी अधिकारी
(d) गुप्तचर एवं सूचनाएँ एकत्रित करने वाले

उत्तर– (d)

व्याख्या–बरीद गुप्तचर एवं सूचनाएँ एकत्रित करने वाले थे। गुप्तचर विभाग का प्रधान अधिकारी बरीद-ए-मुमालिक होता था।

36. सल्तनत-कालीन केन्द्रीय शासन व्यवस्था में सर्वोच्च एवं असाधारण पदासीन अधिकारी कौन था?

(a) काज़ी-उल-कुज़ात (b) मज़लिस-ए-खलावत का अध्यक्ष
(c) वज़ीर (d) नायब-ए-मुल्क

उत्तर– (d)

व्याख्या–मुइजुद्दीन बाहरामशाह के शासनकाल (1240-1242 ई) में अपनी शासन सत्ता को सुदृढ़ करने के लिए तुर्क अधिकारियों ने एक नवीन पद 'नायब-ए-मुमलकत' की स्थापना की थी। यह पद संरक्षक के समान होता था और पदासीन व्यक्ति सम्पूर्ण अधिकारों का स्वामी होता था। सर्वप्रथम यह पद रजिया के विरुद्ध षडयंत्र करने वाले एतगीन को मिला था।

37. औरंगजेब द्वारा किस अंतिम दक्कनी राज्य को मुगल साम्राज्य में शामिल किया गया?

(a) बीजापुर (b) अहमदनगर
(c) गोलकुण्डा (d) बरार

उत्तर– (c)

व्याख्या–औरंगजेब ने दक्षिण के राज्य बीजापुर एवं गोलकुण्डा को जीता था। औरंगजेब द्वारा अंतिम दक्कनी राज्य के रूप में गोलकुण्डा को सम्मिलित किया गया। औरंगजेब ने गोलकुण्डा के शासक अबुल हसन को बन्दी बनाकर दौलताबाद के किले में भेज दिया और उसके राज्य को मुगल साम्राज्य में अक्टूबर 1687 में सम्मिलित कर लिया।

38. उत्तर-पश्चिम सीमाप्रांत में अकबर की अत्यधिक महत्वपूर्ण उपलब्धि क्या थी?

(a) कश्मीर (b) काबुल
(c) कन्धार (d) बलूचिस्तान

उत्तर– (c)

व्याख्या–उत्तर-पश्चिम सीमा प्रांत में अकबर की अत्यधिक महत्वपूर्ण उपलब्धि कन्धार की विजय थी। 1595 ई. में कन्धार बिना किसी युद्ध के मुगलों को प्राप्त हो गया। कन्धार पर्शिया के हाथ में था परन्तु वहाँ के तत्कालीन किलेदार मुजफ्फर हुसैन मिर्जा के संबंध पर्शिया दरबार से खराब हो गये। स्वरक्षा के लिए उसने किला स्वेच्छा से मुगल सरदार शाहबेग को सौंप दिया और स्वयं मुगलों की सेवा में चला गया।

39. सुप्रसिद्ध कृति तबकात-ए-अकबरी की रचना किसने की थी?

(a) ख्वाज़ा निज़ामुद्दीन अहमद (b) बदायूँनी
(c) अबुल फजल (d) ख्वान्द मीर

उत्तर– (a)

व्याख्या–'तबकात-ए-अकबरी' ग्रन्थ को निजामुद्दीन अहमद ने लिखा था। निजामुद्दीन ने तबकात-ए-अकबरी को तीन भागों में विभाजित किया है।

मुन्तखाब-उल-तवारीख	–	बदायूँनी
अकबरनामा	–	अबुल फजल
कानूनी-ए-हुमायूँनामा	–	ख्वान्द मीर

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

40. मुगल शासन-व्यवस्था के संबंध में निम्नलिखित कौन-सा कथन सत्य नहीं है –

(a) मुगल शासन व्यवस्था मुख्यतः एक सैनिक शासन था
(b) यह एक केन्द्रीभूत निरंकुशवाद या एकतंत्रवाद था
(c) सम्राट को इस्लामी परम्पराओं का पालन करना पड़ता था
(d) सम्राट द्वारा मंत्रियों से परामर्श लेना आवश्यक नहीं था।

उत्तर– (c)

व्याख्या-निःसंदेह मुगल शासन व्यवस्था की उत्पत्ति का आधार सैनिक था। मूलतया मुगल शासन केन्द्रीयकृत शासन था जिसमें बादशाह संपूर्ण राज्य और प्रशासन का प्रधान और सभी शक्तियों का निर्विवाद उपभोग करने वाला था। इसके अतिरिक्त सम्राट द्वारा मंत्रियों से परामर्श लेना आवश्यक नहीं था।

41. मुगल साम्राज्य का प्रांतों में विभाजन पहली बार किसने किया था?

(a) बाबर (b) हुमायूँ
(c) जहाँगीर (d) अकबर

उत्तर– (d)

व्याख्या-मुगल साम्राज्य का प्रांतों में विभाजन पहली बार अकबर ने किया था। अकबर ने 1580 ई. में अपने संपूर्ण साम्राज्य को 12 सूबों में विभाजित किया, किन्तु शासनकाल के अन्तिम समय में दक्षिण भारत के बरार, खानदेश एवं अहमदनगर की विजय के पश्चात सूबों की संख्या बढ़कर 15 हो गई।

42. मुगल प्रांतीय प्रशासनिक व्यवस्था की ''पारस्परिक नियंत्रण एवं शक्ति संतुलन'' के अंतर्गत निम्नलिखित में से कौन अधिकारी सूबेदार पर नियंत्रण रखता था :

(a) दीवान (b) बख्शी
(c) फौजदार (d) वाकया-ए-नवीस

उत्तर– (a)

व्याख्या-प्रधानमंत्री को दीवान के कार्य दे दिये गये और बाद के समय में दीवान ही राज्य का वजीर और प्रधानमंत्री होने लगा। बख्शी का कार्य सेना की देखभाल करना था। फौजदार सरकार (जिले) का मुख्य प्रशासक होता था। वाकिया-ए-नवीस समाचार लेखक था। अतः सूबेदार पर नियंत्रण दीवान रखता था।

43. परगना या महाल के प्रशासन का प्रभारी-अधिकारी कौन होता था?

(a) आमिल (b) पोतदार
(c) शिकदार (d) बितिक्ची

उत्तर– (c)

व्याख्या-शिकदार परगने का प्रमुख अधिकारी था। वह एक सैनिक अधिकारी था। उसका प्रमुख उत्तरदायित्व परगने में शान्ति और व्यवस्था स्थापित रखना तथा लगान वसूल करने में सहायता देना था। अकबर ने आमिल की नियुक्ति परगने की मालगुजारी वसूल करने के लिए किया था। बितिक्ची - यह एक लिपिक था जो भूमि एवं लगान सम्बन्धी कागजात तैयार करता था। पोतदार - यह परगने का खजांची होता था।

44. भारत में मनसबदारी प्रथा की उत्पत्ति किसके शासन-काल के साथ सम्बद्ध की जा सकती है?

(a) अलाउद्दीन खिलजी (b) चंगेज खान
(c) तैमूर (d) शेरशाह सूरी

उत्तर– (b)

व्याख्या-प्रत्येक सैनिक अधिकारी को मनसब पद प्रदान किया जाता था। मनसबदारी व्यवस्था मुगल सैनिकों का मूलाधार थी जो मंगोलों (चंगेज खाँ) की दशमलव पद्धति पर आधारित थी। बादशाह उनको अपने मनसब के अनुसार वेतन देता था। मनसब कोई पदवी या पद संज्ञा नहीं थी वरन् यह किसी अमीर की स्थिति को दर्शाती थी। इसका अर्थ पद या श्रेणी था।

45. किसने सफलतापूर्वक विद्रोह करके जहाँगीर को अपने सैनिक कैम्प में बंदी बना लिया था?

(a) खुर्रम (b) महाबत खाँ
(c) खुसरो (d) आसफ खाँ

उत्तर– (b)

व्याख्या-महाबत खाँ ने सफलतापूर्वक विद्रोह करके जहाँगीर को अपने सैनिक कैम्प में बंदी बना लिया था। जब नूरजहाँ को इस बात की सूचना मिली कि महाबत खाँ ने बादशाह को कैद कर लिया है तो उसने आसफ खाँ को इसके लिए दोषी ठहराया।

46. मुस्लिम कानून का प्रतिपादन करने के लिए निम्नलिखित में से कौन उत्तरदायी था–

(a) काज़ी-उल-कुज़ात (b) काज़ी
(c) मुफ्ती (d) मीर आदिल

उत्तर– (a)

व्याख्या-मुस्लिम कानूनों का प्रतिपादन करने के लिए काजी-उल-कुज्जात जिम्मेदार होता था। बादशाह के अतिरिक्त राजधानी, सूबों एवं नगरों में काजी की नियुक्ति की जाती थी। मुख्य काजी या काजी-उल-कुज्जात कानून को लागू करने वाला प्राधिकारी होता था। जबकि मुफ्ती कुरान के अनुसार कानून की व्याख्या करने वाला अधिकारी होता था।

47. अकबर ने किस घटना के स्मरणार्थ फतेहपुर सीकरी की स्थापना की थी?

(a) बाबर द्वारा खनवा की विजय
(b) शेख सलीम चिश्ती के आशीर्वाद से सलीम के जन्म
(c) गुजरात की विजय
(d) हल्दीघाटी के युद्ध में मुगलों की विजय

उत्तर– (b)

व्याख्या-शेख सलीम चिश्ती ने अकबर के तीन पुत्रों के जन्म की भविष्यवाणी की थी। इसके तुरंत बाद 1569 ई. में राजकुमार सलीम का जन्म हुआ। सलीम के जन्म के दो वर्ष बाद 1571 ई. में फतेहपुर सीकरी के निर्माण का आदेश दिया। किन्तु अन्य समकालीन इतिहासकारों के विचार में अकबर ने फतेहपुर सीकरी का निर्माण शेख सलीम चिश्ती के प्रति आदर प्रकट करने के उद्देश्य से करवाया। इसके अतिरिक्त गुजरात विजय की स्मृति में बुलंद दरवाजा का निर्माण करवाया।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

48. अकबर-कालीन किस भवन/किन भवनों की स्थापत्य योजना को बौद्ध स्थापत्य से प्रेरणा मिली थी?

(a) फतेहपुर सीकरी का पंचमहल
(b) सिकन्दरा में अकबर का मकबरा
(c) उपर्युक्त (a) और (b) दोनों
(d) फतेहपुर सीकरी में इबादतखाना

उत्तर– (c)

व्याख्या-अकबर कालीन फतेहपुर सीकारी का पंचमहल तथा सिंकदरा में अकबर का मकबरा भवनों की स्थापत्य योजना को बौद्ध स्थापत्य से प्रेरणा मिली। सिकंदरा में अकबर का मकबरा पाँच मंजिल का मकबरा है जबकि पंचमहल को हवा महल भी कहा जाता था, यह भी पंच मंजिला आयताकार कक्ष है।

49. जहाँगीर के शासनकाल में निम्नलिखत में से कौन-से नवीन प्रांत का गठन किया था?

(a) उड़ीसा (b) कश्मीर (c) सिन्ध (d) बीजापुर

उत्तर– (*)

व्याख्या-अबुल फजल के अनुसार अकबर के समय बारह सूबे थे। बाद में बरार, खानदेश और अहमदनगर की विजय के साथ इनकी संख्या पंद्रह हो जाती है। जहाँगीर के समय कांगड़ा को विजित करके लाहौर के सूबे में मिला दिया गया। शाहजहाँ ने कश्मीर, थट्टा और उड़ीसा (जिन्हें अकबर ने क्रमशः लाहौर, मुल्तान और बंगाल के सूबों में सम्मिलित कर रखा था) को अलग करके स्वतंत्र सूबा बना दिया। अतः स्पष्ट है कि उड़ीसा नामक नवीन प्रांत का गठन शाहजहाँ ने किया था।
नोट- माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर (a) माना है।

50. 500 से 2,500 से कम की ज़ात वाले मनसबदारों को क्या कहा जाता था?

(a) मनसबदार (b) अमीर
(c) अमीर-ए-उम्दा (d) उम्दा-ए-आज़म

उत्तर– (b)

व्याख्या-500 से 2500 से कम की जात वाले मनसबदारों को अमीर कहा जाता था। 500 से नीचे के मनसबदार 'मनसबदार' ही कहलाते थे।

51. मुगल नौसेना का नौसेनापति कौन होता था?

(a) मुआल्लिम (b) मीर-ए-बहर
(c) केरानी (d) नाखुदा

उत्तर– (b)

व्याख्या-मुगल सेना का नौसेनापति 'मीर-ए-बहर' होता था। 1572 ई. में गुजरात विजय तथा बंगाल अभियान के दौरान अकबर ने पहली बार नौ-सेना की आवश्यकता का अनुभव किया था। फलस्वरूप अकबर ने एक विभाग स्थापित किया जिसे 'नबाड़ा' कहा जाता था। इसका प्रमुख अधिकारी 'मीर-ए-बहर' होता था।

52. ईस्ट इण्डिया कम्पनी को किस लोकप्रिय नाम से पुकारा जाता था?

(a) कम्पनी ऑफ मर्चेन्ट्स ऑफ लन्दन
(b) जॉन कम्पनी
(c) कम्पनी ऑफ इण्टरलोपर्स
(d) जॉब चारनॉक कम्पनी

उत्तर– (c)

व्याख्या-ईस्ट इण्डिया कम्पनी को ''कम्पनी ऑफ इण्टरलोपर्स'' लोकप्रिय उपनाम से पुकारा जाता था। इण्टरलोपर्स (गिल्ड) कम्पनी को सामूहिक रूप से व्यापार करने वाली कम्पनी या संस्था के रूप में जाना जाता था। प्रारम्भ में लण्डन में इस कम्पनी के 28 संचालक थे जो इसके साझेदारों द्वारा वार्षिक रूप से निर्वाचित होते थे। कम्पनी के दैनिक कार्य निदेशक करते थे। जिन्हें 'कोर्ट ऑफ डायरेक्टर' कहा जाता था।

53. भारत में थियोसॉफिकल सोसाइटी को सफलता तथा लोकप्रियता मुख्य रूप से किसके कारण प्राप्त हुई?

(a) मैडम एच.पी. ब्लावत्स्की (b) कर्नल एच. एस. ऑलकॉट
(c) सर विलयम क्रुक (d) श्रीमती एनी विसेन्ट

उत्तर– (d)

व्याख्या-भारत में थियोसॉफिकल सोसायटी को सफलता तथा लोकप्रियता मुख्य रूप से श्रीमती एनी बेसेन्ट के कारण प्राप्त हुई। उन्होंने 1898 में बनारस में सेंट्रल हिंदू कॉलेज की नींव रखी जहाँ हिंदू धर्म और पाश्चात्य वैज्ञानिक विषय पढ़ाए जाते थे। आगे चलकर 1916 में यही बनारस हिंदू विश्वविद्यालय बन गया। श्रीमती एनी बेसेन्ट द्वारा ही 1916 में होमरूल आंदोलन चलाया गया।

54. थियोसॉफिकल सोसाइटी के किस साहसिक कार्य को जन साधारण की स्वीकृति एवं भरपूर समर्थन प्राप्त हुआ?

(a) रहस्यात्मक अनुभूति की वकालत।
(b) हिन्दू, जरथुस्त्र और बौद्ध आदि प्राचीन धर्मों के पुनरूत्थान और सुदृढ़ीकरण का समर्थन।
(c) मानव के सार्वभौमिक बंधुत्व को बढ़ावा।
(d) भारत के युवकों की शिक्षा।

उत्तर– (d)

व्याख्या-थियोसोफिकल सोसायटी की स्थापना 1875 में अमेरिका में हुई थी। इसकी स्थापना एक रूसी महिला हेलना पेट्रोवना ब्लावात्सकी (1831-91) और एक अमरीकी सैनिक अफसर कर्नल स्टील आलकॉट (1831-97) ने की थी।
इस सोसायटी के अनुयायी हिन्दू धर्म, जो एक राष्ट्रीय धर्म था और बौद्ध धर्म जैसे प्राचीन धर्मों को पुनर्जीवित कर उन्हें मजबूत बनाने की वकालत की। वे पुनर्जन्म और कर्म के सिद्धान्त को स्वीकार करते थे और सांख्य और उपनिषदों के दर्शन को अपना प्रेरणास्रोत मानते थे। वे विश्वबंधुत्व की भावना का समर्थन करते थे। भारत के युवकों की शिक्षा के कार्य को जनसाधारण की स्वीकृति एवं भरपूर समर्थन प्राप्त हुआ।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

55. भारतीय जनता से किसने कहा था, ''तुम वीर बनो, साहसी बनो, हिम्मत करो, इस बात पर गर्व करो कि तुम एक भारतीय हो, प्रत्येक भारतीय मेरा भाई है।''

(a) राजा राममोहन राय (b) विवेकानन्द
(c) दयानन्द सरस्वती (d) महादेव गोविन्द रानाडे

उत्तर– (b)

व्याख्या–स्वामी विवेकानन्द ने भारतीय जनता से कहा था, ''तुम वीर बनो, साहसी बनो, हिम्मत करो, इस बात पर गर्व करो कि तुम एक भारतीय हो, प्रत्येक भारतीय मेरा भाई है।'' उन्होंने रामकृष्ण मिशन की भी स्थापना की थी।

56. निम्नलिखित में से किसने अलीपुर षड्यंत्र काण्ड में फंसे अरविन्द घोष का बड़ी कुशलता से बचाव किया।

(a) चित्तरंजन दास (b) व्योमेशचन्द्र बनर्जी
(c) मोती लाल नेहरू (d) तेजबहादुर सप्रू

उत्तर– (a)

व्याख्या–अलीपुर षडयंत्र काण्ड में फंसे अरविन्द घोष का चितरंजन दास ने बड़ी कुशलता से बचाव किया। अलीपुर षडयंत्र काण्ड में अरविन्द घोष और उनके भाई बारीन्द्र घोष सहित 34 लोग कैद कर लिये गये थे। मगर 15 लोगो को सजा हुई और उनमें से कुछ (जिनमें बारीन्द्र घोष भी शामिल थे) को आजीवन कारावास देकर काला पानी भेज दिया गया। अरविन्द घोष को रिहा कर दिया गया।

57. महात्मा गाँधी द्वारा स्थापित हरिजन संघ के संस्थापक अध्यक्ष कौन थे?

(a) महादेव देसाई (b) घनश्याम दास बिड़ला
(c) अमृतलाल ठक्कर (d) बी.आर. अम्बेडकर

उत्तर– (b)

व्याख्या–महात्मा गाँधी द्वारा स्थापित हरिजन संघ के संस्थापक अध्यक्ष घनश्याम दास बिड़ला थे। पूना समझौते (सितंबर 1932) के बाद महात्मा गांधी अस्पृश्यता विरोधी आन्दोलन में रूचि लेने लगे तथा इस प्रकार 'अखिल भारतीय अस्पृश्यता विरोधी लीग' की स्थापना हुई जिसका नाम परिवर्तित कर 'हरिजन सेवक संघ' कर दिया गया।

58. महात्मा गाँधी ने केवल एक बार कांग्रेस के किस वार्षिक अधिवेशन की अध्यक्षता की थी–

(a) काकिनाडा, 1923 (b) बेलगाम, 1924
(c) कानपुर, 1925 (d) गुवाहाटी, 1926

उत्तर– (b)

व्याख्या–महात्मा गाँधी ने बेलगाम अधिवेशन की अध्यक्षता 1924 में की थी। कानपुर (1925 ई.) अधिवेशन की अध्यक्षता सरोजनी नायडू ने तथा काकीनाडा अधिवेशन (1923 ई.) की अध्यक्षता मौलाना मुहम्मद अली ने की थी। गुवाहाटी अधिवेशन 1926 की अध्यक्षता एस. श्रीनिवास अयंगर ने की थी। इसी अधिवेशन में पहली बार कांग्रेस कार्यकर्ताओं को खादी पहनना अनिवार्य कर दिया गया।

59. किसने हाथ से बुने हुए खादी के वस्त्र पहन कर शाही दरबार (1877) में भाग लिया था?

(a) गणेश वासुदेव जोशी (b) एम.जी. रानाडे
(c) रवीन्द्रनाथ टैगोर (d) बालेन्द्रनाथ टैगोर

उत्तर– (a)

व्याख्या–गणेश वासुदेव जोशी ने हाथ से बने खादी के वस्त्र पहनकर शाही दरबार (1877 ई.) में भाग लिया था। 12 जनवरी, 1872 को उन्होंने खादी उपयोग में लाने की शपथ ली थी और उसे आजीवन निभाया। खादी का उपयोग कर उसका प्रचार-प्रसार करने वाले जी वी जोशी पहले देशभक्त थे। भारत में स्वदेशी का विचार सबसे पहले उन्होंने ही दिया था। उनके द्वारा किए गए सार्वजनिक कार्यों के कारण उन्हें ''सार्वजनिक काका'' ही कहा जाने लगा था।

60. किस वायसराय को भारतीय राष्ट्रवाद का उत्प्रेरक कहा गया है?

(a) लार्ड कैनिंग (b) लार्ड डलहौजी
(c) लार्ड कर्जन (d) लार्ड मिन्टो

उत्तर– (c)

व्याख्या–लार्ड कर्जन (1899-1905 ई.) को भारतीय राष्ट्रवाद का उत्प्रेरक कहा गया है। कर्जन की नीतियों के समर्थक फ्रेजर ने माना है कि भारत में राष्ट्रीयता का प्रारंभ कर्जन ने ही किया। गोखले ने कर्जन की तुलना मुगल सम्राट औरंगजेब से की।

61. महाराष्ट्र के एक समाज सुधारक जो 'लोकहितवादी उपनाम से प्रसिद्ध थे–

(a) महादेव गोविन्द रानाडे (b) गोपाल हरि देशमुख
(c) दादाभाई नौरोजी (d) ज्योतिबा फूले

उत्तर– (b)

व्याख्या–महाराष्ट्र के एक समाज सुधारक जो 'लोकहितवादी' उपनाम से प्रसिद्ध थे, वे गोपाल हरि देशमुख थे। दादाभाई नौरोजी को 'ग्रैण्ड ओल्ड मैन ऑफ इण्डिया' कहा गया है। महादेव गोविन्द रानाडे को महाराष्ट्र का सुकरात कहा जाता है। ज्योतिबा फूले ने सत्यशोधक समाज की स्थापना की और 'गुलामगीरी' नामक पुस्तक लिखी।

62. यह किसने कहा कि 'राजनीतिक स्वतंत्रता राष्ट्र की प्राणवायु है''?

(a) बाल गंगाधर तिलक (b) अरविन्द घोष
(c) विपिन चन्द्र पाल (d) महात्मा गाँधी

उत्तर– (b)

व्याख्या–अरविन्द घोष ने कहा कि ''राजनीतिक स्वतंत्रता राष्ट्र की प्राणवायु है।'' अलीपुर षडयंत्र काण्ड के मुकदमा से छूटने के बाद अरविन्द घोष ने अपने राजनैतिक एवं दार्शनिक विचार दिये। आगे चलकर इन्होंने आतंकवादी क्रिया-कलापों को त्याग दिया और संन्यासी हो गये तथा पांडिचेरी में अपना आश्रम स्थापित किया।

63. ''वेदों की ओर वापस चलो'' का आदर्श वाक्य किसने दिया था?

(a) दयानन्द सरस्वती (b) बाल गंगाधर तिलक
(c) विष्णु शास्त्री बापट (d) नरेन्द्र नाथ दत्त

उत्तर– (a)

व्याख्या–''वेदों की ओर वापस चलो'' का आदर्श वाक्य दयानन्द सरस्वती ने दिया था। उन्होंने 1875 ई. में बम्बई में आर्य समाज की स्थापना की। 1877 ई. को इन्होंने अपना मुख्यालय लाहौर को बनाया। इनके विचारों एव चिंतन का संकलन इनके द्वारा प्रकाशित पुस्तक सत्यार्थ प्रकाश में प्राप्त होता है।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT) चयन परीक्षा, 2010

सामाजिक विज्ञान

इतिहास

(विश्लेषण सहित व्याख्या)

1. सूची-I एवं सूची-II को सुमेलित कीजिए तथा दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I	सूची-II
A. दयानन्द सरस्वती	(i) खुदाई खिदमतगार
B. खान अब्दुल गफ्फार खान	(ii) तत्वबोधिनी सभा
C. राममोहन राय	(iii) आर्य समाज
D. देवेन्द्रनाथ टैगोर	(iv) ब्रह्म समाज

कूट :

	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)	(2)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(3)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)	(4)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

उत्तर–(1)

व्याख्या–सही सुमेल इस प्रकार है–

सूची-I	सूची-II
A. दयानन्द सरस्वती	(iii) आर्य समाज
B. खान अब्दुल गफ्फार खान	(i) खुदाई खिदमतगार
C. राममोहन राय	(iv) ब्रह्म समाज
D. देवेन्द्रनाथ टैगोर	(ii) तत्वबोधिनी सभा

2. भारतीय उप-महाद्वीप के किस भाग में हड़प्पा संस्कृति का उदय हुआ?

(1) पूर्वी (2) पश्चिमी
(3) उत्तरी-पश्चिमी (4) दक्षिण-पूर्वी

उत्तर–(3)

व्याख्या–भारतीय उपमहाद्वीप के उत्तरी-पश्चिमी में हड़प्पा सभ्यता का उदय हुआ था। सैंधव सभ्यता नगरीय सभ्यता थी। भारत के उत्तरी-पश्चिमी क्षेत्रों के साथ-साथ पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बलूचिस्तान आदि स्थानों से सैंधव सभ्यता के साक्ष्य मिले हैं। इसके प्रमुख स्थलों में मोहनजोदड़ो, हड़प्पा, धौलावीरा, बनावली, राखीगढ़ी, कालीबंगा, लोथल आदि हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद सर्वाधिक पुरास्थल गुजरात राज्य से प्राप्त हुए हैं।

3. प्रागैतिहासिक युग में मानव कहाँ रहता था?

(1) मचान पर (2) कन्दरा में
(3) झोपड़ी में (4) इन सभी में

उत्तर–(4)

व्याख्या–जिस काल में मनुष्य ने घटनाओं का कोई लिखित विवरण उद्दत नहीं किया, उसे प्रागैतिहासिक काल कहते हैं। इस काल का मानव, मचान, कन्दरा एवं झोपड़ी में निवास करता था।

4. सिन्धु घाटी के निवासियों को किस धातु का ज्ञान नहीं था?

(1) सोना (2) चाँदी
(3) लोहा (4) ताँबा

उत्तर–(3)

व्याख्या–रेडियो कार्बन C_{14} जैसी नवीन विश्लेषण पद्धति के द्वारा सिन्धु सभ्यता की सर्वमान्य तिथि 2350 ई.पू. से 1750 ई.पू. मानी गयी है। इस सभ्यता की खोज रायबहादुर दयाराम साहनी ने की थी। इस सभ्यता को आद्य ऐतिहासिक अथवा कांस्य युग में रखा जा सकता है। इस सभ्यता के लोगों को लोहे का ज्ञान नहीं था।

5. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिए–

सूची-I	सूची-II
A. महाभाष्य	1. कालिदास
B. कुमारसम्भव	2. पाणिनी
C. अष्टाध्यायी	3. चाणक्य
D. अर्थशास्त्र	4. पतंजलि

कूट :

	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	4	1	2	3	(2)	1	2	3	4
(3)	1	2	4	3	(4)	2	1	4	3

उत्तर–(1)

व्याख्या–सही सुमेल इस प्रकार है–

सूची-I	सूची-II
A. महाभाष्य	4. पतंजलि
B. कुमारसम्भव	1. कालिदास
C. अष्टाध्यायी	2. पाणिनी
D. अर्थशास्त्र	3. चाणक्य

6. वल्लभाचार्य ने किसकी भक्ति का गान प्रचार किया?

(1) राम (2) विष्णु
(3) कृष्ण (4) शिव

उत्तर–(3)

व्याख्या–कृष्ण भक्ति का गान वल्लभाचार्य ने प्रचार किया। वल्लभाचार्य के व्यक्तित्व पर विष्णु स्वामी के रुद्र सम्प्रदाय का अत्यधिक प्रभाव पड़ा। वल्लभाचार्य ने अपने दर्शन का नाम पुष्टि मार्ग दर्शन रखा। इन्होंने भगवान कृष्ण की यश लीला गान कर अपने पुष्टि मार्ग का प्रमुख उद्देश्य स्वीकार किया।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

7. निम्नांकित में से बौद्ध धर्म किसकी हिमायत करता है?

(1) भूखा रहना (2) दुःख भोग
(3) मध्यमार्ग (4) सही मार्ग

उत्तर–(3)

व्याख्या–बौद्ध धर्म के संस्थापक गौतम बुद्ध थे। इन्हें एशिया का ज्योति पुन्ज कहा जाता है। बौद्ध धर्म के बारे में हमें विशद ज्ञान पाली त्रिपिटक से प्राप्त होता है। यह मूलतः अनीश्वरवादी था इसमें आत्मा की परिकल्पना भी नहीं है। यह मध्यम मार्ग की अवधारणा पर आधारित है।

8. सायण ने वेदों पर अपनी टीका किस भाषा में लिखी?

(1) तेलुगु (2) तमिल
(3) संस्कृत (4) पाली

उत्तर–(3)

व्याख्या–वेदों पर अपनी टीका सायण ने संस्कृत भाषा में लिखी। समस्त दक्षिण भारत में अभिजात वर्ग की भाषा संस्कृत थी। सर्वसाधारण में स्थानीय तेलुगु कन्नड़ एवं तमिल का प्रचार प्रसार था। बुक्का प्रथम के समय वैदिक साहित्य (संस्कृत) के अध्ययन अध्यापन में विशेष प्रगति हुई। इसके समय में माधवाचार्य विद्यारण्य तथा इसके भाई सायण जैसे विद्वान ने वैदिक ग्रन्थों पर स्वतन्त्र रूप से भाष्य (टीका) तैयार किया।

9. निम्नांकित में से कौन-सा स्थान बौद्ध धर्म से सम्बन्धित नहीं है?

(1) नालन्दा (2) सोमनाथ
(3) सारनाथ (4) बोधगया

उत्तर–(2)

व्याख्या–बौद्ध धर्म के प्रवर्तक बुद्ध को बोधगया में 35 वर्ष की आयु में वैशाख की पूर्णिमा की रात निरंजना नदी के किनारे पीपल वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ। नालन्दा बौद्ध शिक्षा का केन्द्र था। बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश ऋषिपतनम् (सारनाथ) में दिया जिसे बौद्ध ग्रंथों में धर्मचक्रप्रवर्तन कहा गया जबकि सोमनाथ शिव मन्दिर से सम्बन्धित है।

10. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के लेखक कौन हैं?

(1) विशाखादत्त (2) बाणभट्ट
(3) कालिदास (4) भास

उत्तर–(3)

व्याख्या–कालिदास संस्कृत के सर्वश्रेष्ठ कवि एवं नाटककार हैं। 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' की रचना कालिदास ने की है। अभिज्ञान शाकुन्तलम् इनकी सर्वोत्कृष्ट रचना है। इस रचना में कुल सात अंक है जिनमें हस्तिनापुर के राजा दुष्यन्त तथा कण्व ऋषि की पालिता कन्या शकुन्तला के मिलन वियोग तथा पुनर्मिलन की कथा का नाटकीय चित्रण अत्यन्त सजीवता एवं कथनीयता के साथ किया गया है। इसके अतिरिक्त कालिदास ने मेघदूत,कुमारसम्भव आदि की भी रचना की हैं। कालिदास को भारत का शेक्सपीयर कहा जाता है।

11. गौतम बुद्ध कहाँ पैदा हुए थे?

(1) कपिलवस्तु में (2) लुम्बिनी में
(3) सारनाथ में (4) इलाहाबाद में

उत्तर–(2)

व्याख्या– गौतम बुद्ध का जन्म लगभग 563 ई. पू. में कपिलवस्तु के समीप लुम्बिनी वन (आधुनिक रुमिन्देई अथवा रुमिन्देह नामक स्थान) में हुआ था। उनके पिता शुद्धोधन कपिलवस्तु के शाक्यगण के प्रधान थे। उनकी माता का नाम महामाया था। गौतम के बचपन का नाम सिद्धार्थ था। 29 वर्ष की आयु में इन्होंने गृहस्थ जीवन से संन्यास ले लिया।

12. 'बुद्धचरित' का लेखक कौन था?

(1) हरिषेण
(2) अश्वघोष
(3) वसुमित्र
(4) कालिदास

उत्तर–(2)

व्याख्या–कनिष्क के राजकवि अश्वघोष थे जिसने बुद्धचरित, सौन्दरानन्द और सूत्रालंकार की रचना की थी। बुद्धचरित को बौद्धों का रामायण कहा जाता है। कनिष्क के दरबार में अश्वघोष, वसुमित्र, पार्श्व, चरक, नागार्जुन, मातृचेट तथा संगरक्ष शोभा बढ़ाते थे।

13. शक सम्वत् कब प्रारम्भ हुआ –

(1) 56 ई. (2) 78 ई.
(3) 56 ई.पू. (4) 78 ई.पू.

उत्तर–(2)

व्याख्या–फर्ग्युसन, ओल्डेनबर्ग, थामस, बनर्जी तथा हेमचन्द्र राय चौधरी जैसे कुछ विद्वान कनिष्क के राज्यारोहण की तिथि 78 ईस्वी मानते हैं उनके अनुसार कनिष्क 78 ईस्वी से शक सम्वत् का प्रवर्तक था।

14. 'उत्तररामचरितम्' के रचयिता कौन हैं?

(1) बिल्हण (2) भवभूति
(3) हेमचन्द्र (4) जयदेव

उत्तर–(2)

व्याख्या–भवभूति ने 'उत्तररामचरितम्' की रचना की है। भवभूति का आर्विभाव 700 ई. के लगभग हुआ। ये कन्नौज के शासक यशोवर्मा के दरबार में निवास करते थे। भवभूति ने तीन नाटक - उत्तर रामचरित, मालतीमाधव और महावीरचरित लिखे थे। इसमें सर्वश्रेष्ठ नाटक उत्तररामचरित था।

15. हर्षवर्धन के शासनकाल में सत्ता केन्द्र स्थान कौन-सा था?

(1) कन्नौज (2) थानेश्वर
(3) प्रयाग (4) वाराणसी

उत्तर–(1)

व्याख्या–हर्षवर्धन के शासनकाल में सत्ता केंद्र कन्नौज था। इसका एक नाम महोदय भी मिलता है। कन्नौज की महत्ता सातवीं शताब्दी ई. से बढ़ी। पहले यह मौखरिवंश की राजधानी थी तथा फिर हर्षवर्धन ने उत्तरी भारत में अपना विशाल साम्राज्य स्थापित कर लेने के बाद कन्नौज को अपनी राजधानी बनाया। इस समय से कन्नौज ने पाटलिपुत्र का स्थान ग्रहण कर लिया तथा यह महत्वपूर्ण राजनीतिक गतिविधियों का केन्द्र बन गया। कादम्बरी में बाणभट्ट ने हर्ष के काल का वर्णन किया है।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

16. यूनानी राजदूत मेगस्थनीज किसके दरबार में भारत आया था?

(1) अजातशत्रु (2) अशोक
(3) चन्द्रगुप्त मौर्य (4) बिम्बिसार

उत्तर–(3)

व्याख्या– चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में यूनानी राजदूत मेगस्थनीज भारत आया था। संभवतः वह ई.पू. 304 से 299 के बीच किसी समय पाटलिपुत्र में उपस्थित हुआ था। भारत में रह कर इसने जो देखा सुना उसे इण्डिका नामक अपने पुस्तक में लिपिबद्ध किया। मेगस्थनीज ने इण्डिका में चन्द्रगुप्त मौर्य के नगर प्रशासन का वर्णन किया है।

17. महाबलिपुरम् के सात रथों वाले मन्दिर किसने बनवाये?

(1) पल्लव (2) चोल
(3) चालुक्य (4) पाण्ड्य

उत्तर–(1)

व्याख्या–पल्लवों ने महाबलिपुरम् के सात रथों वाले मन्दिर बनवाये। मामल्लशैली की महत्वपूर्ण रचना रथ अथवा एकाश्मक मंदिर है जो महाबलिपुरम् में बनाये गये। इनके निर्माण की परम्परा नरसिंहवर्मन् के समय प्रारम्भ हुई। प्रमुख रथ हैं–द्रौपदी रथ, नकुल-सहदेव रथ, अर्जुन रथ, भीम रथ, धर्मराज रथ, गणेश रथ, पिडारि (ग्राम्य-देवी) रथ तथा वलैयंकुट्टै रथ। द्रौपदी रथ सबसे छोटा तथा धर्मराज सबसे बड़ा है। इन रथों को सप्त पगोडा भी कहा गया है।

18. माउंट आबू के दिलवाड़ा मन्दिरों का निर्माण किसने कराया?

(1) पाल शासकों ने (2) चन्देलों ने
(3) सोलंकी ने (4) राष्ट्रकूटों ने

उत्तर–(3)

व्याख्या–सोलंकी वंश का संस्थापक मूलराज प्रथम था। इसकी राजधानी अन्हिलवाड़ थी। इसी वंश के भीम प्रथम के सामन्त विमल ने आबू पर्वत पर दिलवाड़ा के प्रसिद्ध जैन मन्दिर का निर्माण करवाया था। यह पूर्णतः संगमरमर से बनाया गया है।

19. कुमारदेवी किस गुप्त शासक की पत्नी थी?

(1) चन्द्रगुप्त प्रथम (2) समुद्रगुप्त
(3) रायगुप्त (4) चन्द्रगुप्त द्वितीय

उत्तर–(1)

व्याख्या–गुप्त शासक चन्द्रगुप्त प्रथम की पत्नी कुमारदेवी थीं। चन्द्र गुप्त प्रथम (319-350 ई.) प्रारम्भिक गुप्त शासकों में सर्वाधिक शक्तिशाली था। इसने महाराजाधिराज की उपाधि धारण की। इसके शासन काल की सर्वाधिक महत्वपूर्ण घटना गुप्तों तथा लिच्छवियों के बीच वैवाहिक संबन्ध की स्थापना है। चन्द्रगुप्त I ने लिच्छवियों का सहयोग एवं समर्थन प्राप्त करने के लिए उनकी राजकुमारी कुमारदेवी के साथ अपना विवाह किया। चन्द्रगुप्त प्रथम ने कुछ अन्य राजवंशों से भी वैवाहिक सम्बन्ध स्थापित किए थे।

20. चन्द्रगुप्त मौर्य की राजधानी थी –

(1) मथुरा (2) पाटलिपुत्र
(3) वाराणसी (4) प्रयाग

उत्तर–(2)

व्याख्या– मौर्य वंश का संस्थापक चन्द्रगुप्त मौर्य था। इसकी राजधानी पाटलिपुत्र (वर्तमान पटना) थी। इसी नगर में गंगा एवं सोन नदी का संगम है। हर्यक वंश के शासक उदायिन की राजधानी भी पाटलिपुत्र थी।

21. कौन गुप्त शासक नहीं था?

(1) रामगुप्त (2) समुद्रगुप्त
(3) चन्द्रगुप्त (4) देवगुप्त I

उत्तर–(4)

व्याख्या–गुप्त राजवंश की स्थापना लगभग 275 ई. में श्रीगुप्त ने किया था। गुप्तवंश का दूसरा शासक महाराज घटोत्कच हुआ जो श्रीगुप्त का पुत्र था। चन्द्रगुप्त प्रथम ने (लगभग 319-350 ई.) 'महाराजाधिराज' की उपाधि धारण की थी। समुद्रगुप्त के (350-375 ई.) दरबारी कवि हरिषेण ने प्रयाग प्रशस्ति रचना लिखी थी। समुद्रगुप्त के बाद गुप्तवंश का शासक रामगुप्त हुआ था जो अल्पकालीन शासक रहा। चन्द्रगुप्त द्वितीय विक्रमाद्वित्य ने (लगभग 375-415 ई.) विक्रमांक, परमभागवत जैसी उपाधियाँ धारण की। देवगुप्त उत्तरकालीन गुप्तवंश का शासक था तथा इसने मालवा में अपना स्वतंत्र राज्य स्थापित कर लिया था। देवगुप्त हर्ष का प्रतिद्वंद्वी और बंगाल के गौड़ नरेश शशांक का मित्र था।

22. अश्वघोष का सम्बन्ध था?

(1) वर्धन से (2) मौर्य से
(3) कुषाण से (4) गुप्त से

उत्तर–(3)

व्याख्या–कुषाण शासक कनिष्क का शासन काल साहित्य की उन्नति के लिए भी प्रसिद्ध था वह विद्या का उदार संरक्षक था तथा उसके दरबार में उच्चकोटि के विद्वान रहते थे। ऐसे विद्वानों में अश्वघोष का नाम सर्वप्रमुख था वे कनिष्क के राजकवि थे। उनकी तीन प्रमुख रचना–(1) बुद्धचरित (2) सारिपुत्र प्रकरण (3) सौदरानन्द है। कुषाण शासक कनिष्क के समय हुई चतुर्थ बौद्ध समिति के समय वसुमित्र अध्यक्ष एवं अश्वघोष उपाध्यक्ष थे।

23. राष्ट्रकूट साम्राज्य का संस्थापक कौन था?

(1) कृष्ण I (2) दन्तिदुर्ग
(3) गोविन्द II (4) इनमें से कोई नहीं

उत्तर–(2)

व्याख्या–राष्ट्रकूट राजवंश का संस्थापक दन्तिदुर्ग (752 ई.) था। इसकी राजधानी मान्यखेट (वर्तमान मालखेड़, शोलापुर के निकट) थी। इस वंश के प्रमुख शासक थे–कृष्ण प्रथम, ध्रुव, गोविन्द तृतीय, अमोघवर्ष, कृष्ण द्वितीय, इन्द्र तृतीय, कृष्ण तृतीय इत्यादि।

24. प्राचीन भारत में निम्नलिखित में से किस शासक ने जैन धर्म स्वीकार कर संन्यास ले लिया था?

(1) बिम्बिसार
(2) चन्द्रगुप्त मौर्य
(3) पुष्यमित्र
(4) हर्ष

उत्तर–(2)

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या– चन्द्रगुप्त मौर्य ने जैन धर्म स्वीकार कर संन्यास ले लिया था। चन्द्रगुप्त मौर्य एक महान विजेता, साम्राज्य निर्माता एवं कुशल प्रशासक था। एक सामान्य कुल में उत्पन्न होते हुए भी अपनी योग्यता के बल पर वह एक सार्वभौम सम्राट के पद पर पहुंच गया। जैन परम्परा के अनुसार अपने जीवन के अन्तिम समय में वह जैन हो गया तथा जैन सन्त भद्रबाहु की शिष्यता ग्रहण कर ली। चन्द्रगुप्त मौर्य ने संलेखना द्वारा अपने प्राणों का त्याग किया।

25. चालुक्य वंश की राजधानी थी –

(1) वातापी (2) कन्नौज
(3) मान्यखेट (4) काँची

उत्तर–(1)

व्याख्या–चालुक्य वंश की राजधानी वातापी थी। ईसा की छठी शताब्दी के मध्य से लेकर आठवीं शताब्दी के मध्य तक दक्षिणापथ पर चालुक्य वंश की जिस शाखा का आधिपत्य रहा उसका उत्कर्ष स्थल बादामी या वातापी होने के कारण इसे वातापी अथवा वातापी का चालुक्य कहा जाता है। बादामी के चालुक्य वंश का संस्थापक पुलकेशिन प्रथम नामक व्यक्ति था। पुलकेशिन द्वितीय इस वंश का शक्तिशाली शासक हुआ।

26. पल्लव वंश का अन्तिम शासक कौन था?

(1) राजराज प्रथम (2) नृपतुंग वर्मन
(3) कर्क तृतीय (4) अपराजित वर्मन

उत्तर–(4)

व्याख्या–अपराजित वर्मन काञ्ची के पल्लव वंश का अन्तिम महत्वपूर्ण शासक था। 885 ई. के लगभग उसने गंग नरेश पृथ्वीपति तथा चोल नरेश आदित्य प्रथम की सहायता से पाण्ड्यवंशी शासक वरगुण द्वितीय को श्रीपुरम्बियम के युद्ध में पराजित किया। 903 ई. के लगभग उसके मित्र चोल नरेश आदित्य प्रथम ने उसकी हत्या कर दिया तथा तोण्डमण्डलम् का स्वामी बन गया।

27. गुप्तकाल में किस धर्म का सबसे अधिक विकास हुआ?

(1) बौद्ध धर्म (2) जैन धर्म
(3) पौराणिक धर्म (4) यवनों का धर्म

उत्तर–(3)

व्याख्या–गुप्त साम्राज्य का उदय तीसरी शताब्दी के अन्त में प्रयाग के निकट कौशाम्बी में हुआ था। इस वंश में पौराणिक धर्म का सर्वाधिक विकास हुआ। पुराणों की वर्तमान रूप में रचना गुप्तकाल में हुई। इसमें ऐतिहासिक परम्पराओं का उल्लेख किया गया है।

28. ''मुझे नहीं मालूम क्या कानूनी है या क्या गैर-कानूनी, मैं राज्य की आवश्यकता अनुसार कानून बनाता हूँ।'' यह किसने कहा था?

(1) बलबन
(2) अलाउद्दीन खिलजी
(3) फिरोज तुगलक
(4) रजिया सुल्तान

उत्तर–(2)

व्याख्या–'मुझे नहीं मालूम क्या कानूनी है या क्या गैर-कानूनी, मैं राज्य की आवश्यकता अनुसार कानून बनाता हूँ।' अलाउद्दीन खिलजी एक निरंकुश शासक था। वह पूर्ण निरंकुशता में विश्वास करता था। अलाउद्दीन खिलजी धर्म के प्रभाव से राजनीति को मुक्त रखने में सफल हुआ। उसने शरीयत के सम्बन्ध में काजी मुगीस से कहा था कि ''मौलाना मुगीस, न मुझे ज्ञान है और न मैंने कोई पुस्तक पढ़ी है। तब भी मुसलमान पैदा हुआ हूँ और मेरे पूर्वज पीढ़ियों से मुसलमान रहे हैं। उन विद्रोहों को रोकने के लिए जिनमें हजारों जीवन नष्ट हो जाते हैं। मैं अपनी प्रजा को ऐसा आदेश देता हूँ जिन्हें राज्य के लिए लाभदायक और परिस्थितियों के लिए अनुकूल समझता हूँ मैं नहीं जानता कि शरा उनकी आज्ञा प्रदान करता है कि नहीं''।

29. इब्नबतूता किसके शासनकाल में भारत आया?

(1) अलाउद्दीन खिलजी (2) गियासुद्दीन तुगलक
(3) मुहम्मद बिन तुगलक (4) फिरोजशाह तुगलक

उत्तर–(3)

व्याख्या–मुहम्मद बिन तुगलक के शासनकाल में इब्न-बतूता (मोरक्को) भारत आया। इब्न-बतूता अफ्रीका का निवासी था और यात्री के रूप में भारत आया। 1333 ई. में उसने भारत में प्रवेश किया। वह 14 वर्ष तक भारत में रहा। सुल्तान मुहम्मद बिन तुगलक ने उसे दिल्ली में काजी के पद पर नियुक्त किया जिसने पद पर दस वर्ष तक शासन किया। इब्न-बतूता ने अपने विदेश यात्रा का विवरण 'रेहला' नामक ग्रन्थ में लिखा। मुहम्मद बिन तुगलक ने उसे राजदूत बनाकर चीन भेजा।

30. 'तुर्कान-ए-चिहलगानी' कौन थे?

(1) सुल्तान के अंगरक्षक
(2) चालीस तुर्क अमीरों का समूह
(3) इस्लाम के धार्मिक विशेषज्ञ
(4) इनमें से कोई नहीं

उत्तर–(2)

व्याख्या– 'तुर्कान-ए-चिहालगानी' चालीस तुर्क अमीरों का समूह था। आरम्भ में कुछ कुतबी अर्थात् कुतुबुद्दीन के समय के सरदार और मुइज्जी अर्थात् मुहम्मद गोरी के समय के सरदारों ने इल्तुतमिश के सिंहासन पर बैठते ही उसका विरोध किया। इल्तुतमिश ने उनके विद्रोह को समाप्त कर दिया परन्तु वह कभी भी उन पर पूर्ण विश्वास न कर सका। इस कारण उसने अपने गुलाम सरदारों का एक गुट बनाया जो 'तुर्कान-ए-चिहालगानी' के नाम से विख्यात हुआ। ये गुलाम सरदार उसी के द्वारा खरीदे गए थे, जिन्हें राज्य में प्रतिष्ठित पद प्रदान किये और प्रशासन में उनसे सहयोग लिया।

विशेष तथ्य-

इल्तुतमिश द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्य निम्न हैं–

(i) कुतुबमीनार के निर्माण को पूर्ण करवाया।
(ii) सबसे पहले शुद्ध अरबी सिक्के जारी किए (चाँदी का टंका एवं तांबा का जीतल)
(iii) इक्ता प्रणाली चलाई।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

31. किस दिल्ली सुल्तान ने घोड़ों को दागने की प्रथा प्रारम्भ की?

(1) इल्तुतमिश (2) बलबन
(3) अलाउद्दीन खिलजी (4) फिरोजशाह तुगलक

उत्तर–(3)

व्याख्या–दिल्ली सल्तनत के सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी ने घोड़ों को दागने की प्रथा प्रारम्भ की थी। अलाउद्दीन ने ऐसा परिवर्तन इसलिए किया कि सैनिक अच्छे घोड़ों में परिवर्तन न कर सकें और एक ही घोड़े को बार-बार निरीक्षण के लिए प्रस्तुत न किया जा सके, इसके लिए घोड़ों को दागने की प्रथा प्रारम्भ की गई। दिल्ली के किसी अन्य सुल्तान ने उस समय तक इन कार्यों को अपनी सेना में आरम्भ नहीं किया था।

विशेष तथ्य- अलाउद्दीन खिलजी ने सैनिक व्यवस्था में काफी परिवर्तन किया। युद्ध के अवसर पर सैनिक अपने स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति को न भेज दें। इसकी रोकथाम के लिए सैनिकों का हुलिया लिखने की प्रथा प्रारम्भ की। दक्षिण भारत का विजय सल्तनत काल में अलाउद्दीन द्वारा किया गया।

32. 'तुजुके जहाँगीरी' किसने लिखी?

(1) बदायूँनी (2) जहाँगीर
(3) बरनी (4) अबुल फजल

उत्तर–(2)

व्याख्या–'तुजुके जहाँगीरी' जहाँगीर द्वारा लिखित है। ये जहांगीर की आत्मकथा है। इसमें जहाँगीर ने अपने सिंहासन पर बैठने के समय से लेकर अपने शासन के सत्रहवें वर्ष तक लिखा। बाद में स्वास्थ्य खराब हो जाने के कारण उसने लिखने का उत्तरदायित्व अपने बख्शी मोतमिद खाँ को सौंप दिया। जिसने उसे जहाँगीर के शासन के 19वें वर्ष तक पूरा किया।

33. बुलन्द दरवाजा अकबर की किन पर विजय के उपलक्ष्य में बनाया गया था?

(1) राजपूत (2) मारवाड़
(3) गुजरात (4) डक्कन

उत्तर–(3)

व्याख्या–बुलन्द दरवाजा अकबर 1572 में गुजरात विजय के उपलक्ष्य में बनाया गया था। बुलन्द दरवाजा सीकरी जामा मस्जिद के दक्षिणी द्वार में निर्मित भारत का सबसे ऊँचा प्रवेश द्वार है। 42 फीट ऊंची चौकी (जो सीढ़ियों से युक्त है) पर बना 134 फीट ऊँचा यह दरवाजा जमीन से 176 फीट ऊँचा है। 1601 में असीरगढ़ विजय के बाद इसकी ऊँचाई और बढ़ा दी गई। इसीलिए इसे गुजरात विजय और दक्षिण विजय दोनों को स्मृति का रूप माना जाता है।

34. 'मनसब' क्या था?

(1) कार्यालय (2) ओहदा
(3) जागीर (4) जाट

उत्तर–(2)

व्याख्या–'मनसब' शब्द का अर्थ श्रेणी अथवा पद या ओहदा है तथा मनसबदार का अर्थ उस अधिकारी से था जिसे शाही सेना में एक पद अथवा श्रेणी प्राप्त थी। अकबर की मनसबदारी व्यवस्था दशमलव प्रणाली पर आधारित थी। जिस अधिकारी के अन्तर्गत दस सवार होते थे वह 'सरखेल' कहलाता, एक हजार घुड़सवारों का नेता 'अमीर' तथा दस हजार घुड़सवारों का नेता 'मलिक' कहलाता था।

35. जयपुर शहर का संस्थापक कौन था?

(1) चूरामन (2) राजा सवाई जयसिंह
(3) राजा उदय सिंह (4) राजा मानसिंह

उत्तर–(2)

व्याख्या–राजा सवाई जयसिंह जयपुर शहर के संस्थापक थे। इनको सवाई की पदवी मुगल शासक फर्रुखसियर ने दी थी। जयसिंह एक विख्यात राजनेता कानून निर्माता और सुधारक थे परन्तु इससे अधिक वह विज्ञान प्रेमी थे। इन्होंने 1722 ई. में जयपुर शहर की स्थापना की। जयसिंह एक महान खगोल शास्त्री थे इन्होंने जयपुर, दिल्ली, उज्जैन, मथुरा, वाराणसी में आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित वेधशालाएं बनवायीं।

36. चगताई तुर्क शासन भारत में किस नाम से जाना जाता है?

(1) सैयद (2) खिलजी
(3) मुगल (4) लोदी

उत्तर–(3)

व्याख्या–'चगताई तुर्क' शासन भारत में मुगल के नाम से जाना जाता है। 'मुगल' शब्द लैटिन शब्द से बना है जिसका अर्थ होता है 'बहादुर'। भारत में मुगल वंश का संस्थापक बाबर था। वह पिता (उमर शेख मिर्जा) की ओर से चगताई तुर्क और माता की ओर से मंगोल वंश से सम्बन्धित था। लेकिन अपनी आत्मकथा 'बाबरनामा' में स्वयं को अपनी माँ के वंश से मानने पर जोर दिया है इसीलिए उसके द्वारा स्थापित वंश मुगल वंश कहलाये। पानीपत के युद्ध के बाद बाबर ने भारत की विजय प्रारम्भ की।

37. पानीपत का द्वितीय युद्ध कब हुआ था?

(1) 4 नवम्बर, 1556 ई. में (2) 5 नवम्बर, 1556 ई. में
(3) 6 नवम्बर, 1556 ई. में (4) इनमें से कोई नहीं

उत्तर–(2)

व्याख्या–पानीपत का द्वितीय युद्ध 5 नवम्बर, 1556 ई. में हुआ था। ये युद्ध अकबर एवं हेमू के मध्य हुआ था। इसमें अकबर की विजय हुई थी। आँख में तीर लगने के कारण हेमू की पराजय हुई।

38. निम्नलिखित में से किस सिक्ख गुरू के नेतृत्व में सिक्ख राजनैतिक व सैनिक शक्ति के रूप में संगठित हुए?

(1) गुरु तेज बहादुर (2) गुरु अर्जुन देव
(3) गुरु नानक (4) गुरु गोविन्द सिंह

उत्तर–(4)

व्याख्या–गुरु गोविन्द सिंह के नेतृत्व में सिक्ख राजनैतिक व सैनिक शक्ति के रूप में संगठित हुए। गोविन्द सिंह तेग बहादुर सिंह के एक मात्र पुत्र थे। बिहार के पटना में 1666 ई. में उनका जन्म हुआ था। गुरु गोविन्द सिंह ने सिक्खों को एक सैनिक सम्प्रदाय खालसा में परिवर्तित कर दिया। गुरु गोविन्द सिंह सिखों के 10वें गुरु व अन्तिम गुरु थे।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

39. मिर्जा गालिब किस सम्राट के समय में था?

(1) अकबर (2) बहादुर शाह द्वितीय
(3) जहाँगीर (4) अकबर द्वितीय

उत्तर–(2)

व्याख्या–मिर्जा गालिब मुगल शासक बहादुर शाह द्वितीय के समकालीन रहें। इनका जन्म 1797 ई. में आगरा, उत्तर प्रदेश में हुआ था। इनका पूरा नाम मिर्जा असद-उल्ला खाँ था। इनको पहले असद नाम से जाना जाता था, फिर गालिब के नाम से जाने गए। ये उर्दू एवं फारसी भाषा के एक महान शायर थे जो बहादुर शाह II के दरबारी कवि भी थे।

40. निम्नलिखित में से कौन सही सुमेलित है?

(1) अकबर – विलियम हॉकिंस
(2) जहाँगीर – रॉल्फ फिच
(3) शाहजहाँ – टॉमस रो
(4) औरंगजेब – मनूची

उत्तर–(4)

व्याख्या–मुगल दरबार में जाने वाला प्रथम अंग्रेज कैप्टन हॉकिन्स था जो जेम्स प्रथम के राजदूत के रूप में 1609 ई. में जहाँगीर के दरबार में गया था। 1615 ई. में सम्राट जेम्स प्रथम ने सर टॉमस रो को अपना राजदूत बनाकर मुगल सम्राट जहांगीर के दरबार में भेजा। मनूची, मुगल सम्राट औरंगजेब के दरबार में आया था।

41. शेरशाह का मकबरा कहाँ स्थित है?

(1) फतेहपुर सीकरी में (2) सासाराम में
(3) आगरा में (4) दिल्ली में

उत्तर–(2)

व्याख्या–सूर साम्राज्य का संस्थापक अफगान वंशीय शेरशाह सूरी था। इसका जन्म 1472 ई. में बजवाड़ा (होशियारपुर, नरनौल) में हुआ था। इनके बचपन का नाम फरीद खाँ था। शेरशाह की मृत्यु कालिंजर के किले को जीतने (1545) के क्रम में हुई। इसका मकबरा सासाराम में झील के बीच ऊँचे टीले पर निर्मित किया गया है।

42. जोधाबाई महल स्थित है–

(1) फतेहपुर सीकरी में (2) दिल्ली में
(3) अजमेर में (4) पानीपत में

उत्तर–(1)

व्याख्या–जोधाबाई का महल फतेहपुर सीकरी में अकबर द्वारा बनवाया गया था। यह एक आयताकार भवन है, इसकी लम्बाई 320 फीट तथा चौड़ाई 215 फीट है तथा ऊँचाई 32 फीट है।

43. हमीदा बानू बेगम पत्नी थी –

(1) अकबर की (2) हुमायूँ की
(3) बाबर की (4) शेरशाह की

उत्तर–(2)

व्याख्या–निर्वासन के समय हुमायूँ ने हिन्दाल के आध्यात्मिक गुरु फारसवासी शिया मीर बाबा दोस्त उर्फ मीर अली अकबर जामी की पुत्री हमीदा बेगम से 29 अगस्त 1541 ई. को निकाह कर लिया। कालान्तर में हमीदा से ही अकबर जैसे महान सम्राट का जन्म हुआ।

44. भारत में सर्वप्रथम आने वाले यूरोपीय कौन थे?

(1) फ्रांसीसी (2) ब्रिटिश
(3) पुर्तगाली (4) स्पैनिश

उत्तर–(3)

व्याख्या–पुर्तगाली भारत में सर्वप्रथम आने वाले यूरोपीय थे। पुर्तगाल का निवासी वास्कोडिगामा पहला यूरोपीय व्यक्ति था जिसने 17 मई, 1498 ई. में आशा अन्तरीप होते हुए भारत के कालीकट समुद्र तट के किनारे उतरा। वह पुर्तगाल के शासक के प्रतिनिधि के रूप में भारत आया। कालीकट के राजा जमोरिन ने उसका स्वागत किया।

45. 1773 के 'रेग्यूलेटिंग ऐक्ट' द्वारा स्थापित गवर्नर जनरल की परिषद् में सदस्य कौन नहीं था?

(1) मानसन (2) क्लेवरिंग
(3) बरवैल (4) फ्रांसिस

उत्तर–(*)

व्याख्या–1773 के 'रेग्यूलेटिंग ऐक्ट' द्वारा स्थापित गवर्नर जनरल की परिषद् में पार्षद फिलिप फ्रांसिस, क्लेवरिंग, मॉनसन तथा बरवैल सदस्य थे। इस एक्ट के तहत बंगाल में एक प्रशासन मंडल बनाया गया जिसमें गवर्नर जनरल (अध्यक्ष के रूप में) तथा चार पार्षद नियुक्त किये गये। इस मंडल में बहुमत से निर्णय होते थे और अध्यक्ष केवल मत बराबर होने की स्थिति में केवल निर्णायक मत का ही प्रयोग कर सकता था। फिलिप फ्रांसिस और वारेन हेस्टिंग का आपसी मतभेद काफी दिन चला। अतः उपर्युक्त सभी विकल्प सत्य है। **नोट-** माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर (F) दिया है।

46. ईस्ट इण्डिया कम्पनी का निम्नलिखित में से आरम्भिक नारा क्या था?

(1) केवल भू-भाग (2) व्यापार और भू-भाग
(3) भू-भाग नहीं, व्यापार (4) इनमें से कोई नहीं

उत्तर–(3)

व्याख्या–31 दिसम्बर, 1600 ई. को इंग्लैण्ड की रानी एलिजाबेथ प्रथम ने ईस्ट इण्डिया कम्पनी को अधिकार पत्र प्रदान किया। उस समय इसका नारा था "भू-भाग नहीं व्यापार"। प्रारम्भ में ईस्ट इण्डिया कम्पनी में 217 साझीदार थे और गर्वनर टॉमस स्मिथ था।

47. निम्नलिखित में से किस अधिनियम द्वारा ईस्ट इण्डिया कम्पनी के व्यापारिक अधिकारों को समाप्त कर दिया गया?

(1) रेगुलेटिंग एक्ट द्वारा
(2) 1813 के चार्टर एक्ट द्वारा
(3) 1833 के चार्टर एक्ट द्वारा
(4) 1853 के चार्टर एक्ट द्वारा

उत्तर–(2)

व्याख्या–1813 के चार्टर अधिनियम के तहत (i) कम्पनी के अधिकार पत्र को 20 वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया। (ii) कम्पनी के भारत के साथ व्यापार करने के एकाधिकार को छीन लिया गया किन्तु उसे चीन के साथ व्यापार एवं पूर्वी देशों के साथ चाय के व्यापार के सम्बंध में 20 वर्षों के लिए एकाधिकार प्राप्त रहा। (iii) कुछ सीमाओं के अधीन सभी ब्रिटिश नागरिकों के लिए भारत के साथ व्यापार खोल दिया गया।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

48. 1857 में सिपाही विद्रोह कहाँ से प्रारम्भ हुआ?

(1) कानपुर (2) झाँसी
(3) ग्वालियर (4) मेरठ

उत्तर–(4)

व्याख्या–29 मार्च 1857 को मंगल पाण्डे नामक एक सैनिक ने बैरकपुर में गाय की चर्बी मिले कारतूसों को मुँह से काटने से स्पष्ट मना कर दिया था फलस्वरूप उन्हें गिरफ्तार कर 8 अप्रैल 1857 ई. को फांसी दे दी गई। 10 मई, 1857 ई. के दिन मेरठ की पैदल टुकड़ी 20NI से 1857 ई. की क्रान्ति की शुरुआत हुई।

49. 'पद्मावत' के रचयिता कौन हैं?

(1) सूरदास (2) कबीर
(3) जायसी (4) तुलसीदास

उत्तर–(3)

व्याख्या–'पद्मावत' के रचयिता जायसी है। जायसी का वास्तविक नाम मलिक मोहम्मद था तथा अवध में स्थित जायस नामक ग्राम में उत्पन्न (1493 ई.) होने के कारण जायसी के नाम से प्रसिद्ध हुए। इनकी मृत्यु 1542 ई. के लगभग हुई। जायसी ने पद्मावत, अखरावट तथा आखिरी कलाम नामक ग्रन्थ की रचना की।

50. 'विधवा पुनर्विवाह एक्ट' कब पास हुआ?

(1) 1850 में (2) 1856 में
(3) 1870 में (4) 1860 में।

उत्तर–(2)

व्याख्या–लार्ड कैनिंग भारत में कम्पनी द्वारा नियुक्त अन्तिम गवर्नर जनरल तथा ब्रिटिश सम्राट के अधीन नियुक्त भारत का प्रथम वायसराय था। इसी के समय में ही सन् 1856 ई. में विधवा पुनर्विवाह अधिनियम पारित हुआ।

51. असम, चटगाँव जैसे पूर्वोत्तर भागों पर विजय प्राप्त करने वाला मुगल सेनापति कौन था?

(1) राजा जयसिंह (2) मीर जुमला
(3) शाइस्ता खाँ (4) जसवन्त सिंह

उत्तर–(*)

व्याख्या–मुगल सेनापति शाइस्ता खाँ असम जैसे पूर्वोत्तर भागों पर विजय प्राप्त की। जब औरंगजेब सिंहासन पर आरूढ़ हुआ तब उसने मीर जुमला को बंगाल का सूबेदार नियुक्त किया और उसे असमियों पर आक्रमण करने के लिए आदेश दिया। नवम्बर 1661 ई. में मीर जुमला ने कूच बिहार की राजधानी को जीत लिया, असम के पूर्वी और मध्य भाग पर अधिकार कर लिया, 1662 ई. में गुड़गाँव के राजा को परास्त करके उसकी राजधानी को जीत लिया तथा इस प्रकार मुगलों की सत्ता को असम में स्थापित कर दिया। 10 अप्रैल, 1663 ई. को बीमारी से मीर जुमला की मृत्यु हो गयी। पहाड़ी तथा दुर्गम क्षेत्र होने के कारण मुगलों को यहाँ शासन करने में हमेशा परेशानी रही।
नोट- माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर (F) दिया है।

52. 1925 के कानपुर कांग्रेस के अध्यक्ष कौन थे/थीं?

(1) लाला लाजपत राय
(2) सरदार वल्लभभाई पटेल
(3) पं. मोतीलाल नेहरू
(4) सरोजिनी नायडू

उत्तर–(4)

व्याख्या–कांग्रेस की स्थापना 1885 में की गई थी। कांग्रेस का प्रथम अध्यक्ष व्योमेश चन्द्र बनर्जी थे। 1925 में कानपुर में सम्पन्न कांग्रेस के अधिवेशन की अध्यक्षता सरोजिनी नायडू ने की थी। यह कांग्रेस का इकतालीसवां अधिवेशन था।

53. किस लेखक ने महात्मा गाँधी को 'प्रोफेशनल रीडर्स' की संज्ञा दी थी?

(1) फ्रेडरिक बी. फिशर (2) मर्टिन ग्रीन
(3) रोमां रोलां (4) सुभाष चन्द्र बोस

उत्तर–(*)

व्याख्या–स्वतन्त्रता आन्दोलन के दौरान गाँधी जी द्वारा परिस्थितियों के अनुसार प्रारम्भ किए गए विभिन्न आन्दोलनों के रणनीति से प्रभावित होकर अनेक व्यक्तियों ने गांधी जी की प्रसंशा किया है।
नोट- माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर (F) दिया है।

54. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

सूची-I	सूची-II
A. देशबन्धु चितरंजन दास	1. कस्तूरबा गाँधी
B. लाला लाजपत राय	2. स्वरूप रानी
C. महात्मा गाँधी	3. राधा देवी
D. मोतीलाल नेहरू	4. बसन्ती देवी

कूट :

	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	2	1	4	3	(2)	4	3	1	2
(3)	1	4	2	3	(4)	2	3	4	1

उत्तर–(2)

व्याख्या–सही सुमेल इस प्रकार हैं–

सूची-I	सूची-II
देश बन्धु चितरंजन दास	बसन्ती देवी
लाला लाजपत राय	राधा देवी
महात्मा गांधी	कस्तूरबा गाँधी
मोतीलाल नेहरू	स्वरूप रानी

55. निम्नलिखित में से कौन एक युग्म सुमेलित नहीं है?

(1) कानपुर – नाना साहब
(2) झाँसी – लक्ष्मीबाई
(3) ग्वालियर – तात्या टोपे
(4) इलाहाबाद – कुँवर सिंह

उत्तर–(4)

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–सही सुमेल इस प्रकार है–

कानपुर	–	नाना साहब
झाँसी	–	लक्ष्मीबाई
ग्वालियर	–	तात्या टोपे
इलाहाबाद	–	लियाकत अली

56. भारत की राजधानी पुरानी दिल्ली से नई दिल्ली कब स्थानांतरित की गई?

(1) 5 फरवरी, 1931 (2) 4 फरवरी, 1931
(3) 6 फरवरी, 1931 (4) 7 फरवरी, 1931

उत्तर–(*)

व्याख्या–12 दिसम्बर 1911 ई. को दिल्ली में एक भव्य दरबार का आयोजन हुआ। यहाँ पर बंगाल का विभाजन रद्द करने की घोषणा की गयी एवं भारत की राजधानी कोलकाता से दिल्ली स्थानान्तरित करने की घोषणा की गयी। 1912 ई. में दिल्ली, भारत की राजधानी बनी। पुनः 13 फरवरी, 1931 को भारत की राजधानी पुरानी दिल्ली से स्थानान्तरित करके नई दिल्ली किया गया।
नोट- प्रश्न में कोई भी विकल्प सत्य न होने के कारण माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर (F) दिया है।

57. सोलह संस्कारों में उपनयन संस्कार किस क्रम पर है?

(1) 11वाँ (2) 10वाँ (3) 9वाँ (4) 12वाँ

उत्तर–(1)

व्याख्या–हिन्दू अवधारणा के तहत 16 संस्कारों का विधान किया गया। ये संस्कार इस प्रकार हैं–(i) गर्भाधान, (ii) पुंसवन, (iii) सीमान्तोनयन, (iv) जातकर्म, (v) नामकरण, (vi) निष्क्रमण, (vii) अन्नप्राशन, (viii) चूड़ाकरण (ix) कर्णवेध (x) विद्यारम्भ, (xi) उपनयन, (xii) वेदारंभ, (xiii) केशान्त (xiv) समावर्त्तन (xv) विवाह तथा (xvi) अन्तेष्टि है।

58. 'किताब-उल-हिन्द' का लेखक कौन था?

(1) अमीर खुसरो (2) अलबरुनी
(3) इब्नबतूता (4) हसन निजामी

उत्तर–(2)

व्याख्या–अलबरुनी महमूद गजनवी के साथ भारत आया था। इसने भारतवासियों से जो सुना उसी के आधार पर अपना विवरण तहकीक-ए-हिन्द या किताब-उल-हिन्द (भारत की खोज) नामक पुस्तक में प्रस्तुत किया इसने राजपूत कालीन समाज, धर्म, रीति रिवाज, राजनीति आदि पर सुन्दर प्रकाश डाला।

59. रामायण लिखी –

(1) वाल्मीकि ने (2) वेदव्यास ने
(3) मनु ने (4) कौटिल्य ने

उत्तर–(1)

व्याख्या–रामायण के रचयिता वाल्मीकि थे। यह हिन्दू धर्म का महाकाव्य है। यह सात खण्डों में विभाजित है जिसमें (i) बालकाण्ड (ii) अयोध्याकाण्ड (iii) अरण्यकाण्ड (iv) किष्किंधाकाण्ड (v) सुन्दरकाण्ड, (vi) लंकाकाण्ड एवं (vii) उत्तरकाण्ड इत्यादि हैं।

60. ब्रह्म समाज का संस्थापक कौन था?

(1) ईश्वर चन्द्र विद्यासागर
(2) केशव चन्द्र सेन
(3) बैंटिंक
(4) राजा राममोहन राय

उत्तर–(4)

व्याख्या–ब्रह्म समाज की स्थापना 20 अगस्त 1828 ई. को राजा राम मोहन राय ने कलकत्ता में की। राजा राममोहन राय का जन्म 1774 ई. में राधानगर नामक एक गाँव में हुआ। उन्होंने अपने जीवन में अरबी, फारसी, अंग्रेजी, ग्रीक, हिब्रू आदि भाषाओं का अध्ययन किया। 17 वर्ष की उम्र में ही वे मूर्ति-पूजा के विरोधी हो गये। उन्होंने वेदान्त कालेज की स्थापना की थी। उनकी मृत्यु ब्रिटेन में हुई।

61. रेलवे बोर्ड का गठन कब हुआ?

(1) 1905 में (2) 1901 में
(3) 1910 में (4) 1915 में

उत्तर–(1)

व्याख्या–वर्ष 1905 में भारत सरकार के एक प्रस्ताव द्वारा रेलवे बोर्ड का गठन किया गया। भारतीय रेलवे का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।

62. हर्ष ने किस विश्वविद्यालय को विशेष संरक्षण प्रदान किया?

(1) विक्रम शिला (2) तक्षशिला
(3) मगध (4) नालन्दा

उत्तर–(4)

व्याख्या–हर्ष समय में नालन्दा महाविहार महायान सम्प्रदाय की शिक्षा का केन्द्र नालन्दा था। नालन्दा विहार के पटना जिले में राजगृह के बड़गाँव नामक ग्राम के पास स्थित था। इस महाविहार की स्थापना गुप्त शासक कुमारगुप्त प्रथम ने की थी। हर्ष के समय नालन्दा विश्वविद्यालय अपनी उन्नति की पराकाष्ठा पर था। हर्ष ने एक सौ ग्रामों की आय इसका खर्च चलाने के लिए प्रदान किया तथा यहाँ 100 फीट ऊँचा पीतल का एक विहार बनवाया। ह्वेनसांग ने नालन्दा विश्वविद्यालय में अध्ययन किया था। हर्ष के समय नालन्दा विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य शीलभद्र थे। हर्ष के समय यह विश्वविद्यालय अपनी उन्नति की पराकाष्ठा पर था।

63. 'अकबरनामा' का लेखक कौन था?

(1) अब्दुर्रहीम
(2) अबुल फजल
(3) रसखान
(4) बाबर

उत्तर–(2)

व्याख्या–अकबरनामा ग्रन्थ की रचना बादशाह अकबर के शासन काल में अबुल फजल ने की थी। अकबरनामा को तीन भागों में बाँटा गया है। पहले भाग में अमीर तैमूर से लेकर हुमायूँ तक के मुगल शासकों के इतिहास का वर्णन किया गया है। दूसरे तथा तीसरे भाग में 1602 ई. तक के अकबर के इतिहास को दिया गया है। अबुल फजल की मृत्यु के बाद इस ग्रन्थ को मुहीब खाँ ने पूरा किया।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT) चयन परीक्षा, 2009

सामाजिक विज्ञान

इतिहास

(विश्लेषण सहित व्याख्या)

1. हर्ष के काल में भारत में किसने यात्रा की थी?

(1) ह्वेनसांग (2) फाह्यान
(3) अलबरूनी (4) मेगस्थनीज

उत्तर : (1)

व्याख्या–हर्ष के समय ह्वेनसांग (युवानच्वांग) भारत आया। ह्वेनसांग का जन्म 600 ईस्वी के लगभग चीन के होनन प्रान्त के चीन-लिंउ नामक स्थान में हुआ था। उसके पिता का नाम चेन-हुई था। 637 में ह्वेनसांग नालन्दा विश्वविद्यालय गया। यहाँ के कुलपति आचार्य शीलभद्र थे वह पल्लवों की राजधानी काञ्ची भी गया था।

2. निम्नलिखित में से कौन-सी सिन्धु घाटी सभ्यता की सबसे प्रमुख विशेषता थी?

(1) अर्थव्यवस्था (2) धार्मिक जीवन
(3) नगर योजना (4) सामाजिक जीवन

उत्तर : (3)

व्याख्या–1921-22 में राखाल दास बनर्जी तथा दयाराम साहनी के नेतृत्व में हड़प्पा तथा मोहनजोदड़ो की खुदाई हुई। खुदाई से विकसित अवस्था में नगरों के अवशेष प्राप्त हुए। भारत के इतिहास में सर्वप्रथम नगरों का उदय सैन्धव सभ्यता से ही मिलता है। जो सिन्धु घाटी की सबसे प्रमुख विशेषता है।

3. निम्नांकित में से इन्द्र को ऋग्वेद में किस नाम से पुकारा गया है?

(1) वीरेन्द्र (2) पुरन्दर
(3) पशुपति (4) मारुत

उत्तर : (2)

व्याख्या–ऋग्वेद में इन्द्र का उल्लेख 250 बार हुआ है ऋग्वैदिक देवताओं में इन्द्र का प्रमुख स्थान है। ऋग्वेद में इन्द्र को पुरन्दर कहा गया है। कुछ इतिहासकार सैंधव सभ्यता के पतन के लिए इन्द्र को भी जिम्मेदार मानते हैं।

4. प्राचीन भारत का पहला प्रसिद्ध ज्योतिषशास्त्र का ज्ञाता कौन था?

(1) बाणभट्ट (2) आर्यभट्ट
(3) विशाखदत्त (4) कात्यायन

उत्तर : (2)

व्याख्या–आर्यभट्ट प्राचीन भारत का प्रथम ज्योतिषशास्त्र का ज्ञाता था। गुप्त काल में ज्योतिष एवं खगोल विद्या का विकास हुआ। गुप्त काल के प्रसिद्ध ज्योतिषी आर्यभट्ट प्रथम एवं वाराहमिहिर हैं। आर्यभट्ट प्रसिद्ध खगोलविद होने के साथ-साथ महान गणितज्ञ भी थे। आर्यभट्ट का जन्म पाटलिपुत्र में 476 ई. के लगभग हुआ था। 23 वर्ष की आयु में (499 ई.) में उन्होंने अपने ग्रन्थ 'आर्यभट्टीयम' की रचना की थी। आर्यभट्ट ने पता लगाया कि पृथ्वी गोल है तथा सूर्य के चारों ओर घूमती है और पृथ्वी में गुरुत्वाकर्षण है।

5. 'पंचतंत्र' किसने लिखा था?

(1) विशाखदत्त (2) शूद्रक
(3) विष्णुशर्मा (4) जयदेव

उत्तर : (3)

व्याख्या– विष्णुशर्मा ने 'पंचतंत्र' की रचना की थी। यह एक प्रसिद्ध कथा-संग्रह है जिसमें प्राचीन काल की अनेक कथाओं का संकलन किया गया है। विष्णुशर्मा गुप्तकाल की विभूति थे। कहा जाता है कि इसकी रचना अमर कीर्ति नामक राजा के मूर्ख पुत्रों को शिक्षा देकर विद्वान बनाने के उद्देश्य से की गयी थी। पंचतंत्र का अनुवाद कई भाषाओं में किया गया है।

6. किस बौद्ध संगीति में बौद्ध धर्म की हीनयान और महायान शाखाओं का उदय हुआ?

(1) पहली (2) दूसरी (3) तीसरी (4) चौथी

उत्तर : (4)

व्याख्या–चौथी बौद्ध संगीति कुषाण शासक कनिष्क के राज्य काल में कश्मीर के कुण्डलवन में हुई। इसकी अध्यक्षता वसुमित्र ने की तथा अश्वघोष इसके उपाध्यक्ष बने। इसी समय बौद्ध धर्म, हीनयान तथा महायान नामक दो स्पष्ट एवं स्वतन्त्र सम्प्रदायों में विभक्त हो गया। 'विभाषाशास्त्र' नामक ग्रंथ की रचना इसी समय वसुमित्र द्वारा की गयी थी।

7. रामायण का रचयिता कौन है?

(1) तुलसीदास (2) वेदव्यास (3) बाल्मीकि (4) कालिदास

उत्तर : (3)

व्याख्या–'रामायण' की रचना महर्षि बाल्मीकि ने संस्कृत भाषा में की थी। अनन्तर 16वीं शताब्दी में रघुकुल तिलक गोस्वामी तुलसी दास ने भगवान राम के मधुर चरित्र का वर्णन अपने पावन ग्रन्थ 'अवधी' भाषा में 'रामचरित मानस' में किया है।

8. बौद्ध दर्शन का दार्शनिक विवेचन किस ग्रन्थ में है?

(1) सुत्तपिटक (2) विनय पिटक
(3) अभिधम्म पिटक (4) जातक कथा

उत्तर : (3)

व्याख्या–महात्मा बुद्ध की मृत्यु के उपरान्त उनकी शिक्षाओं को संकलित कर तीन पिटकों में विभाजित किया गया। (1) विनयपिटक (2) सुत्तपिटक (3) अभिधम्म पिटक। विनय पिटक में संघ सम्बन्धी नियम तथा जीवन सम्बन्धी आचार विचारों, विधि विधानों आदि का संग्रह है। सुत्तपिटक में बौद्ध धर्म के सिद्धान्त तथा उपदेशों का संग्रह है। अभिधम्म पिटक में दार्शनिक सिद्धान्तों का संग्रह है। अभिधम्म पिटक का संकलन तृतीय बौद्ध संगीति में अशोक के समय हुआ।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

9. 'मुद्राराक्षस' किसने लिखा है?

(1) विष्णुगुप्त (2) बाणभट्ट
(3) विशाखदत्त (4) भारवि

उत्तर : (3)

व्याख्या—गुप्त-युग में साहित्य और विज्ञान के क्षेत्र में अभूर्तपूर्व प्रगति हुई। विशाखदत्त इस काल के अति प्रसिद्ध नाटककार हुए जिन्होंने मुद्राराक्षस एवं देवीचन्द्रगुप्तम् नामक नाटक ग्रन्थों की रचना संस्कृत भाषा में की। ये दोनों ग्रंथ राजनीतिक घटनाओं से परिपूर्ण है।

49. निम्नांकित को कालक्रम के अनुसार सजाइये और कूट का उपयोग करते हुए उपयुक्त विकल्प चुनिए -

(A) कलिंग युद्ध (B) चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य
(C) चाणक्य (D) कनिष्क

कूट :

(1) A → B → C → D (2) C → A → D → B
(3) B → A → C → D (4) C → A → B → D

उत्तर : (2)

व्याख्या—चाणक्य, मौर्य साम्राज्य के संस्थापक चन्द्रगुप्त मौर्य (323 ई.पू.) का प्रधानमंत्री था। 261 ई.पू. में कलिंग का युद्ध हुआ उस समय अशोक मौर्य वंश का शासक था। कनिष्क का राज्यारोहण 78 ई. को हुआ। 375 ई. से 415 ई. तक चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य ने भारत पर शासन किया।

10. 'भारत का नेपोलियन' किसकी उपाधि है?

(1) चन्द्रगुप्त मौर्य (2) रामगुप्त
(3) समुद्रगुप्त (4) बुधगुप्त

उत्तर : (3)

व्याख्या—समुद्रगुप्त को 'भारत का नेपोलियन' कहा जाता है। समुद्रगुप्त की उपलब्धियों का जो विवरण हमें प्रयाग प्रशस्ति से मिलता है। उसमें आर्यावर्त्त के राजाओं का उन्मूलन तथा सुदूर दक्षिण के राज्यों की विजय उसकी उत्कृष्ट सैनिक प्रतिभा के परिचायक हैं। इतिहासकार स्मिथ ने समुद्रगुप्त की वीरता पर मुग्ध होकर उसे 'भारत का नेपोलियन' कहा है। उसकी एक उपाधि 'अप्रतिरथः' भी मिलती है।

11. किस मुख्य उद्देश्य से अशोक ने अपनी प्रजा में 'धम्म' का प्रचार किया?

(1) बौद्ध धर्म के प्रचार हेतु
(2) ब्राह्मण धर्म को हतोत्साहित करने हेतु
(3) नवीन धर्म की स्थापना हेतु
(4) अपनी प्रजा के नैतिक और आध्यात्मिक विकास हेतु

उत्तर : (4)

व्याख्या—अशोक ने अपनी प्रजा के नैतिक और आध्यात्मिक विकास हेतु 'धम्म' का प्रचार किया। धम्म संस्कृत के धर्म का ही प्राकृत रूपान्तर है। धम्म तथा उसका प्रचार अशोक के विश्व इतिहास में प्रसिद्ध होने का सर्वप्रधान कारण है। दूसरे तथा सातवें स्तम्भ लेखों में धम्म से सम्बन्धित बातों का उल्लेख मिलता है।

12. राष्ट्रकूट वंश का महान शासक कौन था?

(1) ध्रुव (2) गोविन्द III
(3) कृष्ण II (4) गोविन्द IV

उत्तर : (2)

व्याख्या—मान्यखेत के राष्ट्रकूट वंश का पहला शासक दन्तिवर्मा हुआ। इस वंश की स्वतन्त्रता का जन्मदाता दन्तिदुर्ग था। कृष्ण प्रथम इस वंश का महान् शासक था उसने कैलाश मन्दिर का निर्माण कराया। कृष्ण प्रथम के बाद अन्तिम महान शासक गोविन्द तृतीय हुआ उसके विजयों का उल्लेख संजनलेख में है।

13. निम्नांकित में से कौन-सा राजा जैन संन्यासी हो गया?

(1) अशोक (2) हर्षवर्धन
(3) कनिष्क (4) चन्द्रगुप्त मौर्य

उत्तर : (4)

व्याख्या—जैन साहित्य से पता चलता है कि चन्द्रगुप्त मौर्य अपने जीवन के अन्तिम दिनों में जैन हो गया। तथा भद्रबाहु की शिष्यता ग्रहण कर ली तथा अपने पुत्र के पक्ष में सिंहासन त्याग कर तपस्या करने श्रवणबेलगोला चला गया और 298 ई.पू. में चन्द्रगुप्त मौर्य ने सल्लेखना पद्धति द्वारा प्राण त्याग दिया।

14. सिकन्दर ने भारत पर कब आक्रमण किया?

(1) 370 ई. पू. (2) 275 ई. पू.
(3) 327 ई. पू. (4) 400 ई. पू.

उत्तर : (3)

व्याख्या—हखामनी साम्राज्य का विनाश करने के पश्चात् सिकन्दर ने उसके सबसे पूर्वी भाग में स्थित बल्ख (बैक्ट्रिया) के प्रान्त में एक उपनिवेश की स्थापना की। इसी स्थान से उसने भारतीय विजय के लिए कूच किया। 327 ई.पू. के बसन्त में सिकन्दर ने सिन्धु नदी पार कर भारत-भूमि पर कदम रखा।

15. चरक किस शासक के दरबार में रहते थे?

(1) कनिष्क (2) बिम्बिसार
(3) चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य (4) अशोक

उत्तर : (1)

व्याख्या—कनिष्क विद्या का उदार संरक्षक था उसके दरबार में उच्च कोटि के विद्वान् तथा दार्शनिक निवास करते थे। कनिष्क के दरबार में आयुर्वेद के विख्यात विद्वान् चरक निवास करते थे वे कनिष्क के राजवैद्य थे जिन्होंने चरक संहिता की रचना की। यह औषधिशास्त्र से सम्बन्धित प्राचीनतम रचना है।

16. 'इण्डिका' का लेखक कौन था?

(1) जस्टिन (2) मेगस्थनीज
(3) अल बरूनी (4) स्ट्रैबो

उत्तर : (2)

व्याख्या—मेगस्थनीज सेल्युकस निकेटर द्वारा चन्द्रगुप्त मौर्य की राज्यसभा में भेजा गया यूनानी राजदूत था। वह ईसा पूर्व 304 से 299 के बीच किसी समय पाटलिपुत्र की सभा में उपस्थित हुआ था। भारत में रहकर उसने जो कुछ भी देखा-सुना उसे उसने 'इण्डिका' नामक अपनी पुस्तक में लिपिबद्ध किया। इसी पुस्तक में उसने नगर प्रशासन का वर्णन किया है।

17. प्रथम तराइन का युद्ध कब हुआ था?

(1) 1191 ई. में (2) 1192 ई. में
(3) 1193 ई. में (4) 1195 ई. में

उत्तर : (1)

व्याख्या—पृथ्वीराज चौहान तृतीय तथा मुहम्मद गोरी के बीच 1191 ईस्वी में भटिण्डा के निकट तराइन का प्रथम युद्ध हुआ। इस युद्ध में मुहम्मद गोरी की पराजय हुई। 'हम्मीर-महाकाव्य' के अनुसार पृथ्वीराज ने मुहम्मद गोरी को कैद कर लिया परन्तु उत्साह पूर्वक उसे छोड़ दिया।

18. विजयनगर राज्य की स्थापना किसने की?

(1) राम राजा (2) हरिहर और बुक्का
(3) देवराय I (4) विरूपाक्ष I

उत्तर : (2)

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–1336 ईस्वी में भारत के दक्षिणी-पश्चिमी तट पर विजयनगर राज्य की स्थापना करने का श्रेय हरिहर और बुक्का नाम के दो भाइयों को था। विजय नगर का प्रथम शासक हरिहर प्रथम था वह 1336-1356 ई. तक शासन किया उसकी प्रारम्भिक राजधानी अनाकोण्डी तथा बाद में विजयनगर राजधानी बनी।

19. मुहम्मद तुगलक द्वारा चलाई गयी सांकेतिक मुद्रा किस धातु की थी?

(1) चाँदी (2) लोहा
(3) ताँबा (4) सोना

उत्तर : (3)

व्याख्या–बरनी के अनुसार खजाने में धन की कमी और साम्राज्य की नीति को कार्य रूप में परिणत करने के कारण मुहम्मद तुगलक को सांकेतिक मुद्रा चलानी पड़ी ईरान में कैखातू खाँ के समय में सांकेतिक मुद्रा चलायी गयी थी। बरनी ने इस सांकेतिक सिक्का को ताँबे का बताया है। फरिश्ता ने पीतल होने की बात कही है।

20. निम्नलिखित को कालक्रम के अनुसार सजाइये तथा दिये गये कूट का उपयोग करते हुए उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिये -

(A) तुगलक वंश (B) सैयद वंश
(C) गुलाम वंश (D) लोदी वंश

कूट :

(1) A → B → C → D (2) C → A → B → D
(3) A → C → B → D (4) C → A → D → B

उत्तर : (2)

व्याख्या–गुलाम वंश की स्थापना कुतुबुद्दीन ऐबक ने किया था यह 1206 से 1290 तक चला। खिलजी वंश की स्थापना जलालुद्दीन खिलजी ने की थी जो 1290 से 1320 तक चला। तुगलक वंश 1320 से 1414 तक रहा और सैय्यद वंश का प्रारम्भ खिज्र खाँ द्वारा 1414 में किया गया। जो 1450 तक चला जबकि लोदी वंश का प्रारम्भ 1451 से 1526 में समाप्त हुआ।

21. निम्नलिखित घटनाओं को कालक्रम की दृष्टि से सजाइये एवं नीचे दिये गये कूट के आधार पर उत्तर का चयन कीजिए :

(A) तराईन का प्रथम युद्ध (B) राजधानी स्थानान्तरण
(C) तैमूर का आक्रमण (D) कुतुबमीनार का निर्माण

कूट :

(1) A → B → C → D (2) A → D → B → C
(3) C → D → A → B (4) A → D → C → B

उत्तर : (2)

व्याख्या–तराईन का प्रथम युद्ध 1191 में मुहम्मद गोरी और पृथ्वीराज चौहान के बीच हुआ। मुहम्मद तुगलक द्वारा 1327 में राजधानी दिल्ली से देवगिरि ले जाया गया। 1398 में भारत पर तैमूर का आक्रमण हुआ जबकि कुतुबमीनार निर्माण का प्रारम्भ कुतुबुद्दीन ऐबक ने 1199 ई. में किया था और इल्तुतमिश के समय में निर्माण कार्य पूरा हुआ।

22. वह कौन-सा मुस्लिम यात्री था जो विजयनगर के राजदरबार में आया था?

(1) अलउमरी (2) अलबरूनी
(3) इब्नबतूता (4) अब्दुर रज्जाक

उत्तर : (4)

व्याख्या– अब्दुर रज्जाक फारसी यात्री था जो कालीकट के जमोरिन के यहाँ शाहरुख का राजदूत बनकर आया था। अब्दुल रज्जाक ने अप्रैल 1443 में देवराय II के शासन काल के दौरान विजय नगर की भी यात्रा की। विजय नगर शहर के अद्भुत रूप और वैभव से आश्चर्यचकित होकर उसने लिखा है, मैंने पूरे विश्व में विजयनगर के समान दूसरा शहर न देखा है, न सुना है। यह इस प्रकार बना हुआ है कि एक के भीतर एक इसमें सात परकोटे हैं।

23. एक प्रत्यक्षदर्शी ने भारत की किस इमारत से उत्प्रेरित होकर कहा था कि 'उसे जन्नत से धरती पर उतारा गया है'?

(1) दिल्ली के लाल किले का भवन
(2) ताजमहल
(3) हीरा महल
(4) दिल्ली की जामा मस्जिद

उत्तर : (1)

व्याख्या–एक प्रत्यक्षदर्शी ने भारत के दिल्ली के लाल किले के भवन की इमारत से उत्प्रेरित होकर कहा था कि 'उसे जन्नत से धरती पर उतारा गया है'। दिल्ली के लाल किले के उत्तरी भाग में सुप्रसिद्ध दीवान-ए-खास स्थित है। यह भवन शाहजहां के शासन काल में निर्मित अन्य भवनों से अधिक अलंकृत है। स्थापत्य कला की दृष्टि से इसकी शैली पूर्ण नहीं है किन्तु फिर भी यह अत्यधिक प्रभावशाली है। इसमें 'ताजमहल' की सादगी का अभाव है, क्योंकि इसका निर्माण उस विचार के अनुसार नहीं किया गया था। यह शाहजहाँ के वैभव का परिचायक है। प्रसिद्ध कवि अमीर खुसरो की यह पंक्तियाँ भवन के वैभव का सुन्दर चित्रण प्रस्तुत करती हैं।

''गर फिरदौस वर रूये जमीं अस्त
हमीं अस्त, हमीं अस्त, हमीं अस्त''

24. पुरन्दर की संधि (1665) किसके बीच हुई थी?

(1) शिवाजी और औरंगजेब (2) शिवाजी और जयसिंह
(3) शिवाजी और शाइस्ता खां (4) शिवाजी और अफजल खां

उत्तर : (2)

व्याख्या–पुरन्दर की संधि (1665) शिवाजी एवं जयसिंह के मध्य 22 जून, 1665 ई. में हुई जिसके तहत शिवाजी 35 में से अपने 23 दुर्ग मुगलों को सौंप दिये तथा 12 दुर्ग जागीर के रूप में उसके पास रहे। 1666 में शिवाजी औरंगजेब से मिलने आगरा गये। दरबार के नियम तोड़ने के कारण शिवाजी को गिरफ्तार करके 'जयपुर भवन' आगरा में रखा गया। रक्षकों को चकमा देकर शिवाजी जेल से भाग गये।

25. चाँदबीबी रानी थी -

(1) बीजापुर की (2) बरार की
(3) अहमदनगर की (4) गोलकुण्डा की

उत्तर : (1)

व्याख्या–चाँदबीबी अहमदनगर के तीसरे शासक हुसैन निजामशाह की पुत्री, जिसका विवाह बीजापुर के पाँचवें सुल्तान अली आदिलशाह (1557-80 ई.) के साथ हुआ था। 1580 ई. में पति की मृत्यु के बाद उसने अपने नाबालिग पुत्र इब्राहिम आदिलशाह द्वितीय को बीजापुर का सुल्तान बनाकर संरक्षिका बन गई तथा 1584 में वह बीजापुर से अहमदनगर लौट गई।

26. सूची-I को सूची-II के साथ सही सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिये गये कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए -

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

सूची-I	सूची-II
A. पानीपत का प्रथम युद्ध	(i) 1527
B. पानीपत का द्वितीय युद्ध	(ii) 1529
C. घाघरा का युद्ध	(iii) 1526
D. खानवा का युद्ध	(iv) 1556

कूट :

A	B	C	D		A	B	C	D
(1) (i)	(ii)	(iii)	(iv)	(2)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(3) (iii)	(iv)	(i)	(ii)	(4)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)

उत्तर : (2)

व्याख्या–1526 में पानीपत का प्रथम युद्ध इब्राहिम लोदी व बाबर के बीच हुआ तथा पानीपत का द्वितीय युद्ध 1556 में अकबर और हेमू की सेना के बीच हुआ और घाघरा का युद्ध बाबर और अफगान सेना के बीच 1529 में हुआ। खानवा का युद्ध 1527 में बाबर और राणा सांगा के बीच हुआ।

27. मनसबदारी प्रणाली किसके द्वारा आरंभ की गयी?

(1) शेरशाह सूरी (2) जहांगीर
(3) अकबर (4) बीरबल

उत्तर : (3)

व्याख्या–अकबर द्वारा 1575 ई. में मनसबदारी प्रणाली आरंभ की गयी। 'मनसब' शब्द का अर्थ श्रेणी अथवा पद है तथा मनसबदार का अर्थ उस अधिकारी से था जिसे शाही सेना में एक पद अथवा श्रेणी प्राप्त थी। मनसबदारी व्यवस्था दशमलव प्रणाली पर आधारित थी। अकबर ने 'मनसबदारी' व्यवस्था के आधार पर सैनिक संगठन किया था।

28. मुगल सम्राटों में चित्रकला का पारखी कौन था?

(1) अकबर (2) शाहजहां (3) जहांगीर (4) हुमायूं

उत्तर : (3)

व्याख्या–जहाँगीर की चित्रकला के प्रति केवल रुचि ही नहीं थी, वरन् वह कुशल चित्रकार भी था। जहाँगीर अपनी आत्मकथा ''तुजुक-ए-जहाँगीरी' में लिखता है कि ''मेरी चित्रकला के प्रति रुचि तथा पहचान की निपुणता इस सीमा तक पहुँच गई थी कि जब किसी मृत अथवा आज के चित्रकारों का कोई भी चित्र बिना उसका नाम बताये मेरे सामने आता है तो मैं तत्क्षण बता देता हूँ कि यह चित्र अमुक व्यक्ति का है।'' अकारिजा उसके कला विभाग का अध्यक्ष था।

29. 'आईन-ए-अकबरी' का लेखक कौन है?

(1) अलबरूनी (2) अबुल फजल (3) बदायूँनी (4) बरनी

उत्तर : (2)

व्याख्या–आईन-ए-अकबरी की रचना अबुल फजल ने अकबर के समय की थी। यह ग्रंथ तीन भागों में विभाजित है। इस ग्रन्थ में अकबर की शासन व्यवस्था और उससे सम्बंधित नियमों और कानूनों का विस्तृत रूप से वर्णन किया गया है। इस ग्रंथ में अबुल फजल ने अपनी वंशावली और जीवन कथा को भी लिखा है।

30. निम्नलिखित में से कौन अवध का अन्तिम नवाब था?

(1) सादत अली (2) नासिरुद्दीन
(3) नासिरुद्दौला (4) वाजिदअली शाह

उत्तर : (4)

व्याख्या–4 फरवरी, 1856 को अंग्रेज रेजीडेण्ट ने नवाब वाजिद अली शाह से भेंट की तथा अवध की गद्दी छोड़ने के लिए एक संधि पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा, वाजिदअली शाह ने कहा कि संधियाँ बराबर वालों से होती है और हस्ताक्षर करने से मना कर दिया। डलहौजी ने एक घोषणा मात्र से अवध का विलय अंग्रेजी राज्य में कर दिया नवाब को कलकत्ता भेज दिया गया। नवाब ने अंग्रेजों द्वारा दी जा रही 12 लाख रुपये वार्षिक पेंशन लेने से मना कर दिया।

31. 'मुन्तखब-उद-तवारीख' पुस्तक के लेखक के नाम है -

(1) मिर्जा मुहम्मद कासिम (2) अब्दुल कादिर बदांयूनी
(3) इनायत खां (4) अबुल फजल

उत्तर : (2)

व्याख्या–अब्दुर कादिर बदांयूनी का जन्म 21 अगस्त, 1540 ई. को जयपुर में स्थित टोडा भीम नामक स्थान में हुआ था। उसने शेख हातिम सम्भली एवं शेख मुबारक नागौरी के अन्तर्गत शिक्षा ग्रहण की। वह उच्च कोटि का लेखक एवं अनुवादक था। उसने 'मुन्तखब-उद-तवारीख एवं किताबुल अहादीस' की रचना कर बादशाह अकबर को समर्पित किया था।

32. 'ब्लैक होल' (काल कोठरी) दुर्घटना कब घटित हुई?

(1) 21 जून, 1756 (2) 20 मई, 1756
(3) 20 जून, 1756 (4) 19 जून, 1756

उत्तर : (3)

व्याख्या–बंगाल के नवाब के आज्ञा के बगैर अंग्रेजों ने कलकत्ता में फोर्ट विलियम की किलाबन्दी कर लीं। नवाब ने 15 जून 1756 को फोर्ट विलियम को घेर लिया और कुल 146 अंग्रेज बन्दी बनाये गए 20 जून 1756 को एक कोठरी में बंद कर दिए गए दूसरे दिन सिर्फ 23 व्यक्ति जीवित बचे थे। इसी को ब्लैक होल घटना कहा गया। इस घटना के प्रत्यक्षदर्शी गवाह 'हैवल' हैं।

33. दक्षिण के नासूर ने किसको बरबाद कर दिया?

(1) अकबर (2) अलाउद्दीन खिलजी
(3) शाहजहां (4) औरंगजेब

उत्तर : (4)

व्याख्या–1682 में अपने पुत्र अकबर द्वितीय का पीछा करता हुआ औरंगजेब दक्षिण भारत पहुंचा। उसके पश्चात् उसे उत्तरी भारत में आने का अवसर प्राप्त नहीं हुआ। दक्षिण भारत औरंगजेब का कब्रिस्तान सिद्ध हुआ। इस घटना को औरंगजेब के जीवन का नासूर कहा जाता है।

34. अकबर के दरबार का एक विख्यात हिन्दी कवि कौन था?

(1) बीरबल (2) अब्दुर्रहीम
(3) राजा भगवान दास (4) राजा मानसिंह

उत्तर : (2)

व्याख्या–अकबर के युग में हिन्दी केवल हिन्दुओं की धरोहर नहीं थी बल्कि इस पर मुसलमानों का भी अधिकार था उनकी रचनाएँ आश्चर्यजनक हैं। फारसी, अरबी, तुर्की, हिन्दी, संस्कृत के समान मर्मज्ञ अब्दुरहीम खानखाना सबसे प्रमुख थे। हिन्दी काव्य का कोई इतिहास खानखाना के सम्मान के उल्लेख के बिना अपूर्ण है। रहीम के दोहे आज भी प्रचलित हैं।

35. 'वाकियात-ए-बाबरी' है –

(1) बाबर के फरमानों का संग्रह
(2) बाबर का जीवन-चरित्र
(3) 'बाबरनामा' नाम से चर्चित बाबर की आत्मकथा
(4) बाबर द्वारा रचित छन्दों का संग्रह

उत्तर : (3)

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–'वाकियात-ए-बाबरी' या 'बाबरनामा' बाबर की आत्मकथा है। उसने अपनी आत्मकथा मातृभाषा चगताई तुर्की में लिखी है जिसे तुजुक-ए-बाबरी वाकियात-ए-बाबरी या साधारण रूप में बाबरनामा जैसे विभिन्न नाम दिये गये हैं। बाबर ने अपनी आत्मकथा में विजयनगर और मेवाड़ जैसे हिन्दू राज्यों का उल्लेख किया है।

36. शेरशाह सूरी अपने किस कार्य के लिए सर्वाधिक प्रसिद्ध है?

(1) शैक्षिक सुधार (2) सामाजिक सुधार
(3) प्रशासनिक सुधार (4) धार्मिक सुधार

उत्तर : (3)

व्याख्या–शेरशाह के बचपन का नाम फरीद था। शेरशाह ने सत्ता प्राप्त करने के बाद अनेक सुधार किये। लेकिन उसके प्रशासनिक सुधार महत्वपूर्ण थे उसकी लगान व्यवस्था नवीन थी। शेरशाह मध्ययुग के महान् शासन प्रबन्धकों में से एक था शासन प्रबन्धक के रूप में उसे अकबर का अग्रगामी कहा जाता है।

37. किस क्रम में यूरोपीय लोग व्यापार करने हेतु भारत आये?

(1) पुर्तगाली, डच, अंग्रेज, फ्रांसीसी
(2) पुर्तगाली, अंग्रेज, डच, फ्रांसीसी
(3) अंग्रेज, पुर्तगाली, डच, फ्रांसीसी
(4) डच, पुर्तगाली, फ्रांसीसी, अंग्रेज

उत्तर : (1)

व्याख्या–17 मई, 1498 को वास्को-डि-गामा कालीकट पहुँचा, वहाँ का राजा जमोरिन ने उसका स्वागत किया इस प्रकार यूरोपियों का आगमन शुरू हुआ। 1602 ई. में डच कम्पनी का भारत में आगमन हुआ। 1608 में अंग्रेजों ने भारत में प्रथम फैक्ट्री स्थापित करने के प्रयत्न किये तथा 1664 में फ्रांसीसी कम्पनी का भारत में आगमन हुआ।

38. पहली रेलवे लाइन भारत में किसके समय में बिछाई गई?

(1) लार्ड वेलेजली (2) लार्ड डलहौजी
(3) लार्ड कैनिंग (4) लार्ड मेयो

उत्तर : (2)

व्याख्या–भारतीय सुरक्षा और आन्तरिक संचार व्यवस्था को बढ़ाने के लिए डलहौजी के शासनकाल में भारत में प्रथम रेलवे लाइन बम्बई से थाना तक बिछाई गई और शीघ्र ही समस्त भारतीय साम्राज्य रेलवे लाइनों के सूत्र में बाँध कर एक कर दिया गया।

39. भारत में 'सिविल सेवा' किसने प्रारम्भ की?

(1) लार्ड डलहौजी (2) लार्ड रिपन
(3) लार्ड हेस्टिंग्स (4) लार्ड कार्नवालिस

उत्तर : (4)

व्याख्या–कार्नवालिस का भारत में कार्यकाल 1786-1793 ईस्वी के बीच था। वह भारतीयों को बहुत हीन दृष्टि से देखता था उसे भारत में 'सिविल सेवा' का जन्मदाता माना जाता है। उसके समय भारतीय अधिक से अधिक उपजिलाधिकारी पद तक पहुँच सकते थे। 1853 में सिविल सेवा के लिए प्रतियोगी परीक्षा प्रारम्भ की गई।

40. 1498 में वास्को-डि-गामा भारत में कहां पहुंचा था?

(1) सूरत (2) कन्याकुमारी
(3) कालीकट (4) मालाबार

उत्तर : (3)

व्याख्या–17 मई, 1498 ई. को वास्को-डि-गामा एक गुजराती पथ प्रदर्शक अब्दुल मनीक की सहायता से कालीकट के बन्दरगाह पर पहुँचा। कालीकट के हिन्दू शासक जमोरिन ने उसका स्वागत किया तथा उसे मसाले, जड़ी-बूटियाँ आदि पुर्तगाल ले जाने हेतु प्रदान की। वास्कोडिगामा को इस यात्रा से काफी लाभ हुआ।

41. प्लासी के युद्ध में अंग्रेजों ने हराया -

(1) मीर कासिम को (2) शुजाउद्दौला को
(3) सिराजुद्दौला को (4) मीर जाफर को

उत्तर : (3)

व्याख्या– सेनानायक मीरजाफर, रायदुर्लभ के विश्वासघात के कारण 23 जून 1757 को हुए प्लासी के युद्ध में बंगाल के नवाब सिराजुद्दौला की हार हुई। इस युद्ध में लार्ड क्लाइव की अंग्रेज सेना विजयी हुई। नवाब के विश्वासपात्र मीर मदान और मोहनलाल की मृत्यु हुई।

42. सूची-I को सूची-II के साथ सही सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिये गये कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए -

सूची-I	सूची-II
A. लॉर्ड बैंटिक	(i) बंगाल का विभाजन
B. लॉर्ड डलहौजी	(ii) स्थानीय स्वशासन
C. लॉर्ड रिपन	(iii) सती प्रथा का उन्मूलन
D. लॉर्ड कर्जन	(iv) व्यपगत का सिद्धांत

कूट :

	A	B	C	D
(1)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(2)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(3)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(4)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

उत्तर : (1)

व्याख्या–लार्ड विलियम बैंटिक ने 1829 ई. में सती प्रथा का उन्मूलन किया, लार्ड डलहौजी के समय व्यपगत का सिद्धान्त लागू हुआ इसका प्रथम शिकार सतारा राज्य हुआ। लार्ड रिपन के समय स्थानीय स्वशासन का प्रारम्भ हुआ। कर्जन के समय 1905 में बंगाल का विभाजन किया गया।

43. 'वेदों की ओर लौट चलो'' यह किस धर्म सुधारक का नारा था?

(1) राममोहन राय (2) केशव चन्द्र सेन
(3) दयानन्द सरस्वती (4) स्वामी विवेकानन्द

उत्तर : (3)

व्याख्या–आर्य समाज आन्दोलन का प्रसार प्रायः पाश्चात्य प्रभावों की प्रतिक्रिया के रूप में हुआ। यह आन्दोलन केवल रूप में ही पुनरुत्थान था न कि तत्वों में। न तो स्वामी दयानन्द ही और न उनके गुरु स्वामी विरजानन्द ही पाश्चात्य शिक्षा से प्रभावित हुए थे। ये दोनों ही शुद्ध वैदिक परम्परा में विश्वास करते थे और उन्होंने ''पुनः वेदों की ओर चलो'' का नारा लगाया।

44. सती प्रथा का अन्त किसने किया था?

(1) डलहौजी (2) बैंटिक
(3) वेलेजली (4) वारेन हेस्टिंग्स

उत्तर : (2)

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–राजाराम मोहन राय और देवेन्द्र नाथ टैगोर की सहायता से 1829 में नियम 17 के तहत सती प्रथा को गैर-कानूनी घोषित कर दिया। 1830 में यह प्रथा बम्बई और मद्रास में भी लागू हो गया। राधाकान्त देव ने सती प्रथा समाप्ति का विरोध किया।

45. रामकृष्ण मिशन का संस्थापक कौन था?

(1) दयानन्द सरस्वती (2) केशवचन्द्र सेन
(3) स्वामी विवेकानन्द (4) रामकृष्ण परमहंस

उत्तर : (3)

व्याख्या–1897 में अमेरिका प्रवास से वापस आने के बाद स्वामी विवेकानन्द जी ने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की, रामकृष्ण मिशन का कलकत्ता के वेल्लूर और अल्मोड़ा के मायावती नामक स्थानों पर मुख्यालय खोला गया। रामकृष्ण मिशन में कार्यरत 'संन्यासी' जन साधारण के कष्टों को दूर करने के लिए समाज सेवा करते हैं।

46. निम्नलिखित में से कौन एक सही सुमेलित है?

(1) ब्रह्म समाज – रामकृष्ण परमहंस
(2) आर्य समाज – राजा राममोहन राय
(3) रामकृष्ण मिशन – लाला लाजपत राय
(4) थियोसाफिकल सोसाइटी – एनी बेसेण्ट

उत्तर : (4)

व्याख्या–1875 में मैडम एच. पी. ब्लावत्सकी एक जर्मन रूसी रक्त महिला ने थियोसोफिकल सोसायटी की नींव अमेरिका में रखी। तदनन्तर कर्नल ओल्कॉट भी उनसे जा मिले। 1882 में उन्होंने अपनी सोसायटी का मुख्यालय मद्रास नगर के समीप अड्यार में स्थापित किया। 1907 में कर्नल ओल्कॉट की मृत्यु के बाद एनी बेसेन्ट इसकी अध्यक्षा बनीं।

47. आधुनिक भारत का पिता किसे कहा जाता है?

(1) स्वामी विवेकानन्द (2) ईश्वरचन्द्र विद्यासागर
(3) राजा राममोहन राय (4) गोपाल कृष्ण गोखले

उत्तर : (3)

व्याख्या–राजा राम मोहन राय को आधुनिक भारत का पिता, नवीन युग प्रवर्तक, भारतीय पुनर्जागरण का पिता, भारतीय राष्ट्रीयता का देवदूत आदि विभिन्न उपाधियाँ दी गई हैं। राजा राम मोहन राय निःसन्देह, आधुनिक भारत के निर्माता थे। 19वीं सदी का कोई भी सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक आन्दोलन ऐसा न था जिसके आरम्भ में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उन्होंने सहयोग न दिया हो। इनकी मृत्यु इंग्लैण्ड के ब्रिस्टल में हुई।

48. वैदिक युग में कौन-सी सामाजिक कुप्रथा प्रचलित नहीं थी?

(1) बाल विवाह (2) सती प्रथा
(3) पर्दा प्रथा (4) बहुपत्नी प्रथा

उत्तर : (1)

व्याख्या– वैदिक समाज में बहुपत्नी प्रथा प्रचलित थी। इस समय **पर्दा प्रथा** तथा **बाल विवाह** का प्रचलन नहीं था। ऋग्वेद में सती-प्रथा के प्रचलन के स्पष्ट साक्ष्य उपलब्ध नहीं है। अथर्ववेद के एक मंत्र में विधवा से पति की चिता पर से उठने को कहा गया है।
नोट–आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर (1) दिया है।

50. कांग्रेस ने कब और कहाँ ''पूर्ण स्वतन्त्रता'' को अपना लक्ष्य घोषित किया?

(1) गया, 1922 (2) लाहौर, 1929
(3) मद्रास, 1927 (4) कराची, 1931

उत्तर : (2)

व्याख्या–1929 के लाहौर अधिवेशन में कांग्रेस ने '**पूर्ण स्वतंत्रता**' के प्रस्ताव को पास किया। दिसम्बर 1929 में कांग्रेस का वार्षिक सम्मेलन लाहौर में हुआ जिसके अध्यक्ष महात्मा गांधी जी चुने गये। परन्तु अपनी जगह जवाहर लाल नेहरू को अध्यक्ष बनाया। लाहौर में रावी नदी के तट पर 31 दिसम्बर, 1929 के मध्य रात्रि को भारतीय स्वतन्त्रता का झण्डा फहराया गया तथा पूर्ण स्वतन्त्रता को अपना लक्ष्य घोषित किया गया।

51. गदर पार्टी का संस्थापक कौन था?

(1) महात्मा गांधी (2) इन्दिरा गांधी
(3) लाला हरदयाल (4) सुभाष चन्द्र बोस

उत्तर : (3)

व्याख्या–क्रांतिकारी आतंकवादी आन्दोलन के प्रथम चरण में अनेक भारतीय संयुक्त राज्य अमरीका और कनाडा में बस गये थे। इन्हीं प्रवासियों में पंजाब के क्रांतिकारी लाला हरदयाल भी थे उनके प्रयास से 1 नवम्बर, 1913 को संयुक्त राज्य अमेरिका के सानफ्रांसिस्कों नगर में गदर पार्टी की स्थापना हुई। इनके प्रमुख नेताओं में भाई परमानन्द तथा रामचन्द्र और बरकतुल्ला आदि थे।

52. 'पाकिस्तान' शब्द का पहली बार प्रयोग किया था -

(1) चौधरी रहमत अली ने (2) मुहम्मद अली ने
(3) अकबर ने (4) जहांगीर ने

उत्तर : (1)

व्याख्या– चौधरी रहमत अली ने सर्वप्रथम 'पाकिस्तान' शब्द का प्रयोग किया था। पाकिस्तान शब्द का प्रयोग लंदन में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के एक विद्यार्थी चौधरी रहमत अली और उसके तीन साथियों ने जनवरी 1933 में प्रकाशित एक छोटे पैम्पलेट 'अब या फिर कभी नहीं' में किया था।

53. बंगाल का विभाजन हुआ था -

(1) 1904 ई. में (2) 1906 ई. में
(3) 1905 ई. में (4) 1911 ई. में

उत्तर : (3)

व्याख्या–19वीं सदी ज्यों-ज्यों ढलती जा रही थी, भारत में राष्ट्रीय चेतना विकसित होती जा रही थी। इसका केन्द्र था बंगाल। अंग्रेजों ने इसी जुझारू चेतना पर आघात करने के उद्देश्य से ही बंगाल के बंटवारे का निर्णय किया। 16 जुलाई, 1905 को कर्जन ने बंगाल विभाजन की घोषणा की।

54. भारत का प्रथम गवर्नर जनरल था -

(1) वारेन हेस्टिंग्स (2) लॉर्ड एमहर्स्ट
(3) सर जॉर्ज बार्लो (4) लॉर्ड डलहौजी

उत्तर : (*)

व्याख्या–लॉर्ड विलियम बैंटिक (1828-35 ई.) भारत के प्रथम गवर्नर जनरल एवं बंगाल के अंतिम गवर्नर जनरल थे। 1833 के चार्टर एक्ट द्वारा भारत के प्रशासन का केन्द्रीकरण कर दिया गया। बंगाल का गवर्नर भारत का गवर्नर-जनरल बना दिया गया और सपरिषद गवर्नर-जनरल को कम्पनी के सैनिक तथा असैनिक कार्य का नियंत्रण, निरीक्षण सौंप दिया। बम्बई, मद्रास तथा बंगाल एवं अन्य प्रदेश गवर्नर जनरल के नियंत्रण में दिया गया।
विशेष तथ्य- वारेन हेस्टिंग्स (1772-1785 ई.) बंगाल का अंतिम गवर्नर एवं बंगाल का प्रथम गवर्नर जनरल था। 1773 के रेग्यूलेटिंग एक्ट के जरिए ब्रिटिश कंपनी की भारतीय शासन-

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्यवस्था में महत्त्वपूर्ण परिवर्तन लाया गया जिसके फलस्वरूप भारतीय कार्यकारिणी परिषद (Executive council) का जन्म हुआ। इसी एक्ट के तहत बंगाल के गवर्नर को बंगाल गर्वनर जनरल बना दिया गया तथा मद्रास एवं बम्बई के गवर्नर को उसके अधीन कर दिया गया।

नोट- आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (1) को सही माना है।

55. निम्नांकित घटनाओं को काल क्रम की दृष्टि से सजाइये और दिये गये कूट के आधार पर उपयुक्त उत्तर चुनिए -

(A) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (B) जलियाँवाला बाग
(C) असहयोग आन्दोलन (D) भारत छोड़ो आन्दोलन

कूट :

(1) A → B → C → D (2) A → C → D → B
(3) A → B → D → C (4) C → A → B → D

उत्तर : (1)

व्याख्या–भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का गठन बम्बई में 1885 में हुआ था। 13 अप्रैल 1919 को अमृतसर में जलियाँवाला हत्या काण्ड हुआ तथा गांधीजी के नेतृत्व में 1920 में असहयोग आन्दोलन का प्रारम्भ हुआ और 1942 में बम्बई से भारत छोड़ो आन्दोलन का आरम्भ हुआ।

56. 'अभिनव भारत' का संस्थापक कौन था?

(1) रासबिहारी बोस (2) चन्द्रशेखर आजाद
(3) रामप्रसाद बिस्मिल (4) वीर सावरकर

उत्तर : (4)

व्याख्या–महाराष्ट्र के क्रांतिकारी संघों में से प्रथम स्थान विनायक दामोदर सावरकर द्वारा स्थापित 'अभिनव भारत समाज' का था जिसकी स्थापना 1904 में हुई थी विनायक दामोदर सावरकर द्वारा 1899 में स्थापित मित्रमेला नामक संस्था ही कालान्तर में 'अभिनव भारत समाज' के रूप में प्रसिद्ध हुई। इसकी शाखा महाराष्ट्र और मध्य प्रान्त के कई इलाकों में सक्रीय थी।

57. साइमन कमीशन भारत में कब आया?

(1) 1926 ई. (2) 1927 ई.
(3) 1928 ई. (4) 1929 ई.

उत्तर : (3)

व्याख्या–सर जॉन साइमन की अध्यक्षता में दिसम्बर 1927 में साइमन कमीशन का गठन हुआ इसमें कुल सात सदस्य थे और सभी अंग्रेज थे कांग्रेस ने इसे श्वेत कमीशन की संज्ञा दी। 3 फरवरी 1928 को यह आयोग बम्बई पहुँचा उस दिन पूरी बम्बई में हड़ताल का आयोजन कर काले झण्डे के साथ "साइमन वापस जाओ" के नारे लगाये गये।

58. अखिल भारतीय कांग्रेस की स्थापना हुई -

(1) 1884 ई. में (2) 1885 ई. में
(3) 1886 ई. में (4) 1887 ई.

उत्तर : (2)

व्याख्या–भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना 28 दिसम्बर, 1885 को बम्बई स्थित गोकुलदास तेजपाल संस्कृत विद्यालय में हुई। व्योमेश चन्द्र बनर्जी इसके प्रथम अध्यक्ष थे। इसमें कुल 72 व्यक्ति उपस्थित थे जिसमें एक तिहाई पत्रकार थे। इसके स्थापना के समय अंग्रेजी सरकार का वायसराय लार्ड डफरिन था।

59. भारत-छोड़ो आन्दोलन कब स्थगित हुआ?

(1) मई, 1943 (2) अगस्त, 1943
(3) जुलाई, 1944 (4) इनमें से कोई नहीं

उत्तर : (4)

व्याख्या–7 अगस्त, 1942 को बम्बई के ऐतिहासिक ग्वालिया टैंक मैदान में अखिल भारतीय कांग्रेस की बैठक में जिसमें वर्धा प्रस्ताव (भारत छोड़ो) की पुष्टि कर दी गई। 9 अगस्त, 1942 को भारत छोड़ो आन्दोलन शुरू होते ही गांधी सहित सभी प्रमुख नेताओं को सरकार द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। यह आन्दोलन काफी दिन चला और धीरे-धीरे मंद पड़ गया। कांग्रेस ने इसे अधिकारिक तौर पर स्थगित नहीं किया था।

60. ईश्वरचन्द्र विद्यासागर ने समर्थन किया -

(1) विधवा विवाह (2) स्त्री शिक्षा
(3) बाल विवाह का विरोध (4) इनमें से सभी

उत्तर : (4)

व्याख्या– ईश्वर चन्द्र विद्यासागर मूलतः शिक्षाशास्त्री तथा अध्यापक थे और कलकत्ता संस्कृत कालेज के प्राचार्य पद पर कार्यरत थे। इन्होंने विधवा विवाह, स्त्री शिक्षा एवं बाल विवाह का विरोध का समर्थन किया। ईश्वरचन्द्र विद्यासागर (1820-91) प्रसिद्ध विद्वान तथा बंगाल के एक अन्य समाज सुधारक थे।

61. उड़ीसा का प्राचीन नाम क्या है?

(1) उड़िया (2) उत्कल
(3) पुरी (4) कटक

उत्तर : (2)

व्याख्या–उड़ीसा का प्राचीन नाम उत्कल मिलता है। केसरी वंश के राजाओं की चवालीस पीढ़ियों ने चौथी सदी ईस्वी के उत्तरार्द्ध से 11वीं सदी ईस्वी के पूर्वार्द्ध तक उत्कल पर शासन किया। केसरी वंश के नरेशों ने भुवनेश्वर को लगभग सात सहस्र मन्दिरों से अलंकृत किया था।

62. कब 'भारतीय साम्यवादी दल' की स्थापना हुई थी?

(1) 1921 ई. में (2) 1922 ई. में
(3) 1924 ई. में (4) 1923 ई. में

उत्तर : (3)

व्याख्या–1 सितम्बर, 1924 को भारत में, कानपुर षड्यंत्र के मुकदमें के अन्त होते ही, सत्य भक्त ने यह घोषणा कर दी कि उसने भारतीय साम्यवादी दल की स्थापना कर दी है और वह स्वयं ही उसका सचिव बन गया है। इसकी अध्यक्षता सिंगार वेलु ने किया तथा इसका कार्यालय 1925 में बम्बई स्थानान्तरित किया गया।

63. "हाड़ और मांस का ऐसा व्यक्ति चला भी था" किसने कहा था?

(1) आइन्स्टाइन (2) अरनेस्ट
(3) रोमा रोला (4) ए. बेकरल

उत्तर : (1)

व्याख्या–स्वतन्त्रता आन्दोलन में गांधी अहिंसक आन्दोलन तथा उनके जुझारुपन को देखते हुए आइन्स्टाइन ने कहा था कि "हाड़ और मांस का ऐसा व्यक्ति चला भी था लोग याद करेंगे।"

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT) चयन परीक्षा, 2005

सामाजिक विज्ञान

इतिहास

(विश्लेषण सहित व्याख्या)

1. गिरनार शिला-लेख सम्बन्धित है–

(1) रुद्रसेन द्वितीय से (2) रुद्रदामन से
(3) रुद्रसेन प्रथम से (4) खारवेल से

उत्तर–(2)

व्याख्या – रुद्रदामन भारत में शासन करने वाले शक शासकों में सर्वाधिक शक्तिशाली एवं महत्वपूर्ण था। जूनागढ़ (गिरनार) से शक संवत् 72 (150 ई.) का उसका एक अभिलेख प्राप्त हुआ है। यह प्रशस्ति के रूप में है। खारवेल चेदि वंश का शासक था। रुद्रसेन प्रथम तथा रुद्रसेन द्वितीय वाकाटक वंश के शासक थे।

2. नवपाषण काल में वह कौन-सा स्थान था, जहाँ से बड़ी संख्या में हड्डी के बने औजार एवं हथियार प्राप्त हुए हैं?

(1) चिरान्द (2) छोटा नागपुर
(3) चुनार (4) झूँसी

उत्तर–(1)

व्याख्या – 1962-63 ईस्वी में प्रो. वी. पी. सिन्हा के नेतृत्व में बिहार के चिरान्द नामक ग्रामीण स्थल की खुदाई के बाद नवपाषाणिक अवशेष प्राप्त हुए। खुदाई के दौरान भारी मात्रा में हिरन के सींगों द्वारा निर्मित हथियार और औजार प्राप्त हुए हैं।

3. निम्नलिखित में से जिस वेद की रचना गद्य एवं पद्य दोनों में की गयी है, उसका नाम है–

(1) ऋग्वेद (2) सामवेद
(3) यजुर्वेद (4) अथर्वेद

उत्तर–(3)

व्याख्या – यजुर्वेद में यज्ञों के मंत्रों का संग्रह है और इनका प्रयोग 'अध्वर्यु' नामक पुरोहित किया करता था। यजुर्वेद का कार्यक्षेत्र कुरु पंचाल है। यजुर्वेद के दो भेद हैं – कृष्ण यजुर्वेद और शुक्ल। शुक्ल यजुर्वेद में मंत्रों का संग्रह है। कृष्ण यजुर्वेद में छंदोबद्ध मंत्रों के साथ गद्यात्मक भाग भी है। ऋग्वैदिक काल में, ऋग्वेद की रचना हुई। सामवेद, यजुर्वेद व अथर्ववेद की रचना उत्तरवैदिक काल में हुई।

4. सिन्धु सभ्यता के लोगों के लिए डील वाला बैल था–

(1) देशी पशु (2) विदेशी पशु
(3) पवित्र पशु (4) बलि पशु

उत्तर–(3)

व्याख्या – सैन्धव के धर्मज्ञान के लिए मुख्य रूप से मुद्राओं, छोटी-छोटी मूर्तियों तथा पाषाण प्रतिमाओं आदि के प्रमाण पर ही निर्भर रहना पड़ता है। सिंधु सभ्यता में पशु पूजा प्रचलित थी। इसमें गैंडा, बैल, चीता, भैंसा, कूबड़दार बैल आदि प्रमुख हैं। इसमें कूबड़दार बैल की पवित्र पशु के रूप में उपासना होती थी।

5. सिन्धु सभ्यता काल के लोग घर बनाते थे–

(1) पत्थर से (2) मिट्टी से
(3) कच्ची ईंटों से (4) पक्की ईंटों से

उत्तर–(4)

व्याख्या – सैन्धव सभ्यता नगरीय एवं कांस्ययुगीन सभ्यता थी। यहाँ के मकान, नालियाँ तथा स्नानगृह अच्छी तरह पकाई गई ईंटों की सहायता से बनते थे। ईंटें चतुर्भुजाकार होती थी। भवन तीन प्रकार के मिलते हैं - निवास गृह, विशाल भवन तथा सार्वजनिक स्नानागार।

6. महाभाष्य के रचनाकार हैं–

(1) पाणिनि (2) कात्यायन
(3) सन्ध्याकर नन्दी (4) पतञ्जलि

उत्तर–(4)

व्याख्या – पतंजलि पुष्यमित्र शुंग के पुरोहित थे। उनके 'महाभाष्य' में यवन आक्रमण की चर्चा हुई है जिसमें बताया गया है कि यवनों ने साकेत तथा माध्यमिका को रौंद डाला था।

8. पूर्व जैन धर्म गुरुओं ने संस्कृत भाषा का बहिष्कार करके किस भाषा को अपने धर्मोपदेश के प्रसार का माध्यम बनाया था?

(1) पाली (2) प्राकृत
(3) मराठी (4) बंगाली

उत्तर–(2)

व्याख्या – पूर्व जैन धर्म गुरूओं ने धर्मोपदेश के प्रसार का माध्यम संस्कृत के स्थान पर 'प्राकृत' (अर्द्ध मागधी) भाषा को अपनाया। जैन साहित्य को 'आगम' कहा जाता है, जिनमें महावीर स्वामी की शिक्षायें तथा भिक्षुओं के लिए नियम संकलित है इसकी भाषा 'अर्द्धमागधी' है। इसके अन्तर्गत 12 अंग, 12 उपांग, 10 प्रकीर्ण, 6 छेदसूत्र, 4मूलसूत्र, अनुयोग द्वारा तथा नन्दीसूत्र शामिल है। 12 अंगों में लिपिबद्ध 14 पूब्बों को प्राचीनतम जैन ग्रंथ माना जाता है।

9. निम्नलिखित घटनाओं को कालक्रम के अनुसार सजाइए तथा दिये गए कूट का उपयोग करते हुए उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए :

(क) कनिष्क का राज्याभिषेक
(ख) कलिंग युद्ध
(ग) चन्द्रगुप्त द्वितीय का राज्यकाल
(घ) अशोक की मृत्यु

कूट :

(1) क ⟶ ख ⟶ ग ⟶ घ (2) ख ⟶ ग ⟶ घ ⟶ क
(3) घ ⟶ ख ⟶ क ⟶ ग (4) ख ⟶ घ ⟶ क ⟶ ग

उत्तर–(4)

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या – प्राचीन काल के शासकों का विवरण निम्न प्रकार से है – 261 ई. पू. में कलिंग का युद्ध हुआ, 236 ई. पू. में अशोक की मृत्यु हुई तथा कनिष्क का राज्याभिषेक 78 ई. में हुआ तथा 375 ई. से 415 ई. तक चंद्रगुप्त द्वितीय का शासनकाल था।

10. 'रामायण' के रचनाकार हैं –

(1) वेदव्यास (2) बाल्मीकि
(3) कालिदास (4) तुलसीदास

उत्तर–(2)

व्याख्या – महर्षि बाल्मीकि ने संस्कृत भाषा में 'रामायण' की रचना की थी जबकि तुलसी दास ने अवधी भाषा में 'रामचरितमानस' के नाम से इसका अनुवाद किया।

11. निम्नलिखित में से असत्य कथन का चयन कीजिए–

(1) भारत के प्राचीनतम सिक्कों पर कोई अभिलेख नहीं है
(2) सातवाहनों ने सीशे के सिक्के ढलवाये थे
(3) गुप्त शासकों ने रूपक नामक चाँदी के सिक्के ढलवाए थे
(4) भारतवर्ष में स्वर्ण सिक्कों का चलन हर्षवर्धन द्वारा आरम्भ किया गया था

उत्तर–(4)

व्याख्या – उपर्युक्त आरंभिक तीनों ही विकल्प पूर्णतः सत्य, क्योंकि भारतवर्ष में स्वर्ण सिक्कों का चलन इण्डो-ग्रीक शासकों द्वारा शुरू हुआ था। हर्ष से पूर्व स्वर्ण सिक्कों का प्रचलन था। हर्ष के सिक्कों पर शिव और पार्वती की आकृति मिलती है।

12. धर्म शब्द का रूपान्तर 'धम्म' संबंधित है–

(1) संस्कृत भाषा में (2) पालि भाषा में
(3) प्राकृत भाषा से (4) अपभ्रंश भाषा से

उत्तर–(3)

व्याख्या–मौर्य सम्राट अशोक ने जिन आचारों की संहिता प्रस्तुत की, उसे उसके अभिलेखों में 'धम्म' कहा गया है। धम्म संस्कृति के धर्म का ही प्राकृत रूपान्तर है। धम्म के संदेश उसके दूसरे व सातवें स्तम्भ लेख में वर्णित है। अपने दूसरे लेख में अशोक स्वयं प्रश्न करता है - 'कियं चु धम्मे' (धम्म क्या है?) इसका उत्तर भी वह दूसरे एवं सातवें स्तम्भ लेखों में वह देता है।

13. सिकन्दर ने भारत पर आक्रमण किया था–

(1) 400 ई. पू. में (2) 370 ई. पू. में
(3) 327 ई. पू. में (4) 275 ई. पू. में

उत्तर–(3)

व्याख्या–हखामनी साम्राज्य को ध्वस्त करने के पश्चात् 326-27 ई. पू. के अंत में एक विशाल सेना के साथ सिकन्दर ने भारत पर आक्रमण किया। जिस समय सिकन्दर का आक्रमण हुआ। उस समय पश्चिमोत्तर भारत की राजनीतिक परिस्थितियाँ अराजकता से गुजर रहीं थीं।

14. अजातशत्रु राजा था–

(1) अंग का (2) कोशल का
(3) विदेह का (4) इनमें से किसी का भी नहीं

उत्तर–(d)

व्याख्या–हर्यक वंश का अजातशत्रु मगध का शासक था जिसे 'कुणिक' भी कहा गया है। वह अपने पिता के ही समान साम्राज्यवादी शासक था जिसने कोशल और वज्जि संघ के साथ लम्बा संघर्ष कर मगध साम्राज्य का विस्तार किया। इसी के समय में राजगृह के सप्तपर्णि गुफा में प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन हुआ था। अजातशत्रु घोर साम्राज्यवादी था।

15. कुषाण काल में मथुरा मूर्तिकला का एक प्रमुख केन्द्र था। यहाँ मूर्तियाँ किस पत्थर से बनाई जाती थी?

(1) संगमरमर (2) सिलेट पत्थर
(3) ग्रेनाइट (4) लाल बलुआ पत्थर

उत्तर–(4)

व्याख्या– कनिष्क के समय में मथुरा कला शैली का जन्म मथुरा में हुआ। इस शैली में लाल बलुआ पत्थर का प्रयोग हुआ। इसमें बौद्ध, जैन तथा हिन्दू धर्मों से संबंधित मूर्तियों का निर्माण किया गया है। बुद्ध की प्रथम मूर्ति के निर्माण का श्रेय इसी कला शैली को दिया जाता है। कुषाण काल में मथुरा भी कला का प्रमुख केंद्र था यहाँ अनेक स्तूपों, विहारों एवं मूर्तियों का निर्माण करवाया गया।

16. चोल राजाओं के शासन काल में 'उर' क्या होती थी?

(1) सामान्य ग्राम सभा (2) राजकीय दरबार
(3) धार्मिक सभा (4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर–(1)

व्याख्या–परान्तक प्रथम के उत्तरमेरूर अभिलेख से चोलों के स्थानीय स्वायत्त शासन प्रणाली के बारे में जानकारी प्राप्त होती है। इसमें तीन संस्थाओं के बारे में जानकारी मिलती है–उर, सभा या महासभा और नगरम्। इसमें से उर सर्वसाधारण की सामान्य सभा थी जबकि सभा या महासभा अग्रहार ब्राह्मणों की तथा नगरम् व्यापारियों की संस्था थी। चोलों का प्रशासन तथा स्वायत्त ग्राम प्रशासन प्रणाली काफी सफल रही जिसमें उन्होंने काफी दिन तक राज्य किये।

17. ''चन्द्रमा पृथ्वी के चारों ओर घूमता है और पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमती है।'' किस विद्वान ने यह सिद्ध किया था–

(1) आर्यभट्ट (2) ब्रह्मगुप्त
(3) वराहमिहिर (4) भारवि

उत्तर–(3)

व्याख्या – वराहमिहिर एक प्रसिद्ध ज्योतिषी थे और उनकी प्रसिद्ध पुस्तक वृहत्संहिता है। उपर्युक्त वर्णन उसी में है जबकि आर्यभट्ट ने पता लगाया कि पृथ्वी गोल है तथा सूर्य के चारों ओर घूमती है और पृथ्वी में गुरुत्वाकर्षण है। ब्रह्मगुप्त भी एक प्रसिद्ध ज्योतिषी थे जिन्होंने शून्य की खोज की।

18. पल्लवों के शासन काल में शिक्षा का प्रमुख केन्द्र था–

(1) काँची (2) मदुराई
(3) महाबलिपुरम् (4) तिरुचुरपल्ली

उत्तर–(1)

व्याख्या – पल्लव नरेशों का शासन संस्कृत तथा तमिल दोनों ही भाषाओं के साहित्य की उन्नति का काल रहा। कुछ पल्लव नरेश उच्चकोटि के विद्वान थे। पल्लवों की राजधानी, विद्या का प्रमुख केंद्र थी जहाँ एक संस्कृत महाविद्यालय (घटिका) था। कदम्ब नरेश मयूर शर्मा विद्याध्ययन के लिए काँची के विद्यालय में ही गया था।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

19. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा दिये गये कूटों में से उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(क) शूरसेन	(i) तक्षशिला
(ख) गान्धार	(ii) मथुरा
(ग) कोशल	(iii) अयोध्या
(घ) वैशाली	(iv) वज्जि संघ

कूट :

	क	ख	ग	घ
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(3)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(4)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

उत्तर–(3)

व्याख्या – जैन ग्रंथ 'भगवती सूत्र' तथा बौद्ध ग्रंथ अंगुत्तर निकाय में सोलह महाजनपदों का उल्लेख है उनमें से कुछ इस प्रकार राजधानी सहित हैं – शूरसेन की राजधानी मथुरा, गान्धार की तक्षशिला, कोशल की अयोध्या तथा वज्जि संघ की राजधानी वैशाली थी।

20. सैय्यद वंश का अन्त करने वाला शासक था–

(1) बहलोल लोदी (2) सिकन्दर लोदी
(3) इब्राहिम लोदी (4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर–(1)

व्याख्या – मुहम्मदशाह की मृत्यु के बाद उसका पुत्र अलाउद्दीन 'अलाउद्दीन आलमशाह' के नाम से सिंहासन पर बैठा। वह अपने वजीर हमीद खाँ से झगड़कर बदायूँ चला गया और 1451 ई. में बहलोल लोदी ने दिल्ली पर अधिकार करके सैयद वंश का अंत कर दिया।

21. 'टंका' नामक चाँदी के अरबी सिक्कों का प्रचलन किया था–

(1) कुतुबुद्दीन ऐबक ने (2) इल्तुतमिश ने
(3) रजिया सुल्तान ने (4) बलबन ने

उत्तर–(2)

व्याख्या – इल्तुतमिश पहला तुर्क सुल्तान था जिसने शुद्ध अरबी सिक्के चलाये। सल्तनत युग के दो महत्वपूर्ण सिक्के चाँदी का 'टंका' और ताँबे का 'जीतल' उसी ने आरम्भ किये थे। 'टंका' पर उस टकसाल का नाम लिखवाने की प्रथा प्रारम्भ किया।

22. वह कौन-सा मुस्लिम यात्री था जो विजयनगर राजदरबार में आया था–

(1) अलउमरी (2) अलबरूनी
(3) इब्नबतूता (4) अब्दुल रज्जाक

उत्तर–(4)

व्याख्या – 1422 ई. में देवराय द्वितीय विजयनगर का शासक बना। उसके शासन काल में फारसी यात्री अब्दुर्रज्जाक 1443 ई. में विजयनगर की यात्रा की। अब्दुर्रज्जाक भारत में शाहरूख के दूत के रूप में कालीकट के राजा जमोरिन के यहाँ आया था। उसने विजयनगर के सामाजिक जीवन तथा प्रशासन का वर्णन किया था।

23. सुल्तान मुहम्मद तुगलक द्वारा दौलताबाद को अपनी नई राजधानी बनाए जाने के कारण था–

(1) यह नगर साम्राज्य के केन्द्र में था
(2) इसकी जलवायु बड़ी ही रमणीय थी
(3) यह धन और ऐश्वर्य से परिपूर्ण नगर था
(4) दक्षिण प्रांत को अधिक आसानी से नियंत्रित करने के लिए वह यहाँ पर दूसरी राजधानी रखना चाहता था

उत्तर–(1)

व्याख्या – कुतुबुद्दीन मुबारक खिलजी ने देवगिरि का नाम कुतबाबाद रख दिया था और सुल्तान मुहम्मद तुगलक ने उसका नाम दौलताबाद रखा। दिल्ली के स्थान पर देवगिरि (दौलताबाद) को राजधानी बनाये जाने का मुख्य कारण बरनी के अनुसार साम्राज्य के केंद्र में होने से है।

24. अलाउद्दीन खिलजी की बाजार नियंत्रण व्यवस्था का जियाउद्दीन बरनी के अनुसार मुख्य उद्देश्य था–

(1) एक विशाल स्थायी सेना का भरण-पोषण
(2) जन सामान्य की समृद्धि एवं कल्याण
(3) किसानों की संपन्नता
(4) व्यापारियों को दंडित करना

उत्तर–(1)

व्याख्या – अलाउद्दीन के बाजार व्यवस्था के विषय में बरनी ने कहा, यदि उतनी बड़ी सेना को साधारण वेतन भी दिया जाता तो राज्य का खजाना पाँच या छः वर्ष में ही समाप्त हो जाता। अलाउद्दीन ने सेना के व्यय में कमी करने के लिए सैनिकों के वेतन में कमी की। परन्तु सैनिक सुविधापूर्वक रह सके। इसके लिए उसने वस्तुओं की कीमतें निश्चित की और उनकी दरें कम कर दीं।

25. किस दिल्ली सुल्तान के शासन काल में इब्नबतूता भारत में आया था?

(1) अलाउद्दीन खिलजी (2) गियासउद्दीन तुगलक
(3) मुहम्मद बिन तुगलक (4) फीरोजशाह तुगलक

उत्तर–(3)

व्याख्या – मुहम्मद बिन तुगलक के शासन काल में 1333 ई. में अफ्रीकी यात्री इब्नबतूता भारत आया था। सुल्तान ने उसका खूब स्वागत किया तथा दिल्ली का काजी नियुक्त किया। 1341 ई. में इब्नबतूता सुल्तान के राजदूत की हैसियत से चीनी शासक तोगन तिमूर के दरबार में भेजा किन्तु वह चीन न जाकर स्वेदश लौट गया।

26. निम्नलिखित घटनाओं को काल-क्रम की दृष्टि से सजाइए एवं नीचे दिये कूट के आधार पर उत्तर का चयन कीजिए :

(क) बाजार कीमतों में सुधार
(ख) पृथ्वीराज चौहान की पराजय
(ग) राजधानी स्थानान्तरण
(घ) कुतुबमीनार का निर्माण

कूट :

(1) क → ख → ग → घ (2) ख → ग → घ → क
(3) ग → घ → क → ख (4) ख → घ → क → ग

उत्तर–(4)

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या – सल्तनतकाल की प्रमुख घटनाओं का विवरण इस प्रकार है – 1192 ई. में मुहम्मद गोरी के साथ युद्ध में पृथ्वीराज चौहान की पराजय हुई, इल्तुतमिश के समय कुतुबमीनार का निर्माण पूर्ण हुआ, अलाउद्दीन खिलजी ने विशाल सैन्य व्यवस्था बनाये रखने के लिए बाजार कीमतों में सुधार किया तथा 1327 में मुहम्मद बिन तुगलक ने अपनी राजधानी दिल्ली से दौलताबाद ले गया।

27. सूची-I का मिलान सूची-II से कीजिए तथा नीचे दिये कूट का उपयोग करते हुए उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए–

सूची-I	सूची-II
(क) अमीर खुसरो	(i) तारीख-ए-फीरोजशाही
(ख) इब्नबतूता	(ii) तबकात-ए-नासिरी
(ग) मिनहाज सिराज	(iii) तुगलकनामा
(घ) जियाउद्दीन बरनी	(iv) रेहला

कूट :

	क	ख	ग	घ
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(3)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(4)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

उत्तर–(3)

व्याख्या – अमीर खुसरो ने तुगलकनामा तथा इब्नबतूता ने रेहला की रचना की जिसमें उसने अपनी यात्रा का वर्णन किया है। जियाउद्दीन बरनी ने कहा कि फिरोज शाह तुगलक को खुश करने के लिए तारीख-ए-फिरोजशाही की रचना की तथा तबकाते नासिरी की रचना मिनहाज सिराज ने की थी।

28. 'तुर्कान-ए-चिहलगानी' कौन थे?

(1) बलबन के दरबारी कवि
(2) सुल्तान के अंगरक्षक
(3) चालीस तुर्क अमीरों का समूह
(4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर–(3)

व्याख्या – इल्तुतमिश ने अपने विरोधी सरदारों को परास्त कर गुलाम अमीरों (सरदारों) की एक टुकड़ी रखी जिसे 'तुर्कान-ए-चहलगानी' या चालीसा गुट (चालीस अमीरों का गुट) कहा जाता था।

29. तुर्क शासक शहाबुद्दीन गोरी ने पृथ्वीराज चौहान को किस युद्ध में पराजित किया था?

(1) कन्नौज का युद्ध
(2) तराइन का द्वितीय युद्ध
(3) पानीपत का युद्ध
(4) खानवा का युद्ध

उत्तर–(2)

व्याख्या – मुहम्मद गोरी का प्रथम आक्रमण 1175 ई. में मुल्तान पर हुआ। 1191 में तराइन के प्रथम युद्ध में गोरी की पराजय हुई किन्तु 1192 के तराइन के द्वितीय युद्ध में मुहम्मद गोरी ने पृथ्वी राज चौहान तृतीय को हरा दिया। चौहानों की हार ने उत्तरी भारत में तुर्कों की सत्ता की स्थापना लगभग तय कर दिया।

30. 'मज्म-उल-बहरीन' पुस्तक के लेखक का नाम है–

(1) दारा शिकोह (2) बदायूँनी
(3) अबुल फजल (4) अब्दुल हमीद लाहौरी

उत्तर–(1)

व्याख्या – दारा शिकोह ने अपने ग्रन्थों 'भगवत गीता' एवं 'योग वशिष्ठ' का स्वयं अपनी देख-रेख में फारसी अनुवाद कराया। उसका सबसे महत्वपूर्ण कार्य 'वेदों का संकलन' जिसे उसने ईश्वरीय कृति माना है। दारा ने स्वयं 'मज्म-उल-बहरीन' (दो समुद्रों का मिलन) नामक पुस्तक की रचना की।

7. विजयनगर साम्राज्य में बारह अधिकारियों का वह समूह, जो गाँवों के कार्यों को देखता था, कहलाता था–

(1) सभा (2) नायक
(3) आयगार (4) प्रधानी

उत्तर–(3)

व्याख्या–नायंकार व्यवस्था की भाँति आयगार-व्यवस्था भी विजयनगर कालीन शासन व्यवस्था की एक बहुत महत्वपूर्ण विशेषता थी। इस व्यवस्था के तहत ग्रामीण शासकीय इकाई पर शासन के लिए बारह व्यक्तियों को नियुक्त किया जाता था। इस बारह शासकीय अधिकारियों के समूह को 'आयगार' कहा जाता था।

31. मुगल सम्राटों में चित्रकला का पारखी था–

(1) अकबर (2) शाहजहाँ
(3) जहाँगीर (4) हुमायूँ

उत्तर–(3)

व्याख्या–मुगल सम्राट जहाँगीर चित्रकला का पारखी था। उसके प्रसिद्ध चित्रकारों में अबुल हसन, उस्ताद मंसूर फार्रुख वेग, बिशनदास आदि उल्लेखनीय हैं उसने अबुल हसन तथा मंसूर को क्रमशः नादिर-उज-जमा तथा नादिर-उल-अस्र की उपाधि से विभूषित किया था। सर टामस रो ने इसी के समय यात्रा की थी। सर टामस रो ने जहाँगीर को एक युवती का चित्र भेंट किया। कुछ समय पश्चात् जहाँगीर ने सर टामस रो के सामने छः चित्र रखे लेकिन टामस रो अपने मूल चित्र को पहचान न सका।

32. सर टॉमस रो को दूत के रूप में भेजा गया था–

(1) औरगंजेब के दरबार में
(2) जहाँगीर के दरबार में
(3) शाहजहाँ के दरबार में
(4) अकबर के दरबार में

उत्तर–(2)

व्याख्या – हॉकिन्स के भारत से वापस जाने के बाद अंग्रेज कम्पनी ने इंग्लैण्ड के राजा जेम्स प्रथम के एक क्षमता प्राप्त राजदूत सर टामस रो को मुगल दरबार में भेजा। 1615 में जब सर टामस रो मुगल सम्राट जहाँगीर से अजमेर में सर्वप्रथम मिला। वह 1615 से 1618 तक मुगल दरबार में रहा और व्यापारिक सुविधाएँ प्राप्त कीं।

33. सूची-I में दी गई पुस्तकों को सूची-II में दिये गये उनके लेखकों के नाम से सुमेलित कीजिए तथा दिये गये कूटों में से उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए :

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

सूची-I (पुस्तकों के नाम)	सूची-II (लेखक)
(1) गुलशन-ए-इब्राहिमी	(i) अबुल फजल
(2) तारीख-ए-फिरोजशाही	(ii) अब्दुल कादिर बदायूँनी
(3) मुन्तखाब-उत-तवारीख	(iii) जियाउद्दीन बरनी
(4) अकबरनामा	(iv) मु0 कलीम फरिश्ता

कूट :

	क	ख	ग	घ
(a)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(b)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(c)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(d)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

उत्तर–(2)

व्याख्या – मुगल और सल्तनत काल में विभिन्न पुस्तकों का लेखन कार्य हुआ। निम्न कुछ इस प्रकार हैं - गुलशन-ए-इब्राहिमी-मुहम्मद कासिम फरिश्ता, तारीखे-फिरोजशाही की रचना जियाउद्दीन बरनी ने की और मुन्तखाब-उल-तवारीख की रचना अब्दुल कादिर बदायूँनी ने की तथा अकबरनामा, अबुल फजल की प्रसिद्ध कृति है।

34. वे अमीर, जिनके पूर्वज मुगल शासन में पहले ही सेवारत होते थे, कहलाते थे–

(1) शेखजादा (2) मिर्जा
(3) खानखाना (4) इनमें से कोई नहीं

उत्तर–(4)

व्याख्या – वे अमीर, जिनके पूर्वज मुगलशासन में पहले से सेवारत थे, उन्हें 'खानजाद' कहते थे। चगताई वंश के शासकों द्वारा मिर्जा उपाधि का प्रयोग किया जाता था जबकि खानखाना की उपाधि मुगल बादशाहों द्वारा विशेष सेवा के उपलक्ष्य में दी जाती थी जबकि भारतीय मुस्लिम अमीर के संतानों को शेखजादा कहा जाता था।

35. राजपूतों के साथ मेल-मिलाप की नीति अपनाने में अकबर का मुख्य उद्देश्य था–

(1) राजपूत स्त्रियों से विवाह रचना
(2) राजपूत राजाओं को अपने राज्य में मिलाना
(3) मुस्लिम प्रतिद्वंद्वियों को पृथक् करना
(4) मुगल साम्राज्य को शक्तिशाली बनाना

उत्तर–(4)

व्याख्या– अकबर का राजपूतों के साथ मेल-मिलाप की नीति अपनाने का मुख्य उद्देश्य मुगल साम्राज्य को शक्तिशाली बनाना था। अकबर ने अपनी राजपूत नीति के परिणामस्वरूप 1563 में तीर्थयात्रा कर तथा 1564 में जजिया कर को समाप्त कर दिया था। उसने राजपूतों से वैवाहिक सम्बन्ध स्थापित किये तथा उनको उच्च मनसब प्रदान किए।

36. 1793 ई. में बंगाल में स्थायी बन्दोबस्त लागू करने वाले का नाम था–

(1) लॉर्ड कार्नवालिस (2) वारेन हेस्टिंग्स
(3) सर जॉन शोर (4) जेम्स ग्रान्ट

उत्तर–(1)

व्याख्या – बंगाल की लगान व्यवस्था 1765 से ही अंग्रेज शासकों के लिए एक समस्या बनी हुई थी और जिस समय कार्नवालिस भारत आया। उस समय भी उस पर पर्याप्त वाद-विवाद चल रहा था। 1784 में पिट्स इण्डिया एक्ट द्वारा कम्पनी को बंगाल में स्थायी भूमि प्रबन्ध करने की सलाह दी गई थी। 1793 ई. में कार्नवालिस ने बंगाल में लगान की स्थायी व्यवस्था लागू कर दिया। जिसके अनुसार भूमि के लगान का 10/11 भाग कम्पनी को देना था तथा 1/11 भाग जमींदार अपनी सेवाओं के लिए अपने पास रखना था।

37. अंग्रेजों द्वारा भारत में स्थापित प्रथम व्यापारिक केन्द्र था–

(1) सूरत में (2) बम्बई में
(3) मद्रास में (4) कलकत्ता में

उत्तर–(1)

व्याख्या – अंग्रेजी कम्पनी की स्थापना 31 दिसम्बर 1600 ई. में हुई। 1608 में हॉकिन्स मुगल दरबार में व्यापारिक सुविधा प्राप्त करने हेतु पहुँचा। उसने मुगल बादशाह जहाँगीर से सूरत में फैक्ट्री खोलने की अनुमति माँगी। विभिन्न अवरोधों के बाद 1613 में अंग्रेजों को सूरत में व्यापारिक केंद्र खोलने की अनुमति मुगल दरबार से प्राप्त हो गई। यद्यपि इससे पहले मछलीपट्टनम में भी अंग्रेज अपना केंद्र बना चुके थे।

38. 'पिट्स इण्डिया ऐक्ट' किस वर्ष पारित हुआ था?

(1) सन् 1781 ई. में
(2) सन् 1782 ई. में
(3) सन् 1784 ई. में
(4) सन् 1786 ई. में

उत्तर–(3)

व्याख्या–ब्रिटिश संसद द्वारा 1784 में पिट्स इंडिया ऐक्ट पारित किया। इसके तहत कंपनी के व्यापारिक एवं राजनीतिक कार्यकलापों को एक-दूसरे से पृथक् कर दिया गया। कंपनी के सभी सैनिक, असैनिक तथा राजस्व संबंधी मामले 'बोर्ड ऑफ कंट्रोल' के अधीन कर दिया गया। भारत के गवर्नर की परिषद के सदस्यों की संख्या चार से घटाकर तीन कर दी गयी।

39. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा दिये गये कूटों में से उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए–

सूची-I	सूची-II
(क) भारत में पुर्तगाली व्यापार	(i) 1503 ई.
(ख) ब्रिटिश ईस्ट इण्डिया कम्पनी	(ii) 1602 ई.
(ग) फ्रान्सीसी ईस्ट इण्डिया कम्पनी	(iii) 1600 ई.
(घ) डच ईस्ट इण्डिया कम्पनी	(iv) 1664 ई.

कूट :

	क	ख	ग	घ
(1)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(2)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(3)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(4)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)

उत्तर–(1)

व्याख्या – भारत में मुख्यतः दो मार्गों से विदेशी प्रवेश कर सकते थे। पहला, उत्तर-पश्चिम सीमा को पार कर प्रसिद्ध और परम्परागत स्थल द्वारा और दूसरा, समुद्र मार्ग द्वारा। 17 मई, 1498 ई. को कालीकट के बंदरगाह पर वास्कोडिगामा के आने से यूरोपीय व्यापारियों का आगमन हुआ। भारत में पुर्तगाली व्यापार का प्रारम्भ 1503, ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कम्पनी 1600 ई., डच ईस्ट इण्डिया कम्पनी 1602 तथा 1664 में फ्रांसीसी ईस्ट इण्डिया कम्पनी का आगमन हुआ।

40. सूची-I का मिलान सूची-II से कीजिए तथा नीचे दिये कूट का उपयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

सूची-I	सूची-II
(क) लॉर्ड डलहौजी	(i) स्थानीय स्वायत शासन
(ख) लॉर्ड रिपन	(ii) बंगाल की संसद
(ग) लॉर्ड कर्जन	(iii) सती प्रथा उन्मूलन
(घ) लार्ड विलियम बेन्टिक	(iv) उत्तराधिकार अपहरण सिद्धान्त

कूट :

	क	ख	ग	घ
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(3)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(4)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

उत्तर–(4)

व्याख्या – लॉर्ड डलहौजी ने उत्तराधिकार अपहरण सिद्धान्त के तहत कई भारतीय राज्यों का विलय अंग्रेजी राज्य में किया। लॉर्ड रिपन के समय स्थानीय स्वायत्त शासन की व्यवस्था की गई तथा लार्ड विलियम बेंटिक ने ऐक्ट बनाकर सती प्रथा का उन्मूलन किया तथा इसे अपराध घोषित कर दिया। बंगाल की संसद का सम्बन्ध लॉर्ड कर्जन से है। लार्ड कर्जन ने बंगाल का विभाजन किया था।

41. बंगाल में 'दोहरा शासन' का अन्त किस गवर्नर के शासन काल में हुआ था?

(1) लॉर्ड वारेन हेस्टिंग्स (2) लॉर्ड क्लाइव
(3) लॉर्ड वार्लो (4) लॉर्ड कर्नवालिस

उत्तर–(1)

व्याख्या – क्लाइव ने बंगाल की उलझन को कुख्यात द्वैध प्रणाली द्वारा सुलझाने का प्रयत्न किया। इसमें वास्तविक शक्ति तो कम्पनी के पास थी परन्तु प्रशासन का भार नवाब के कंधों पर था। वारेन हेस्टिंग्स के समय 1772 में कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स ने द्वैध प्रणाली को समाप्त करने का निर्णय लिया।

42. 'दीवान' का पद अवध राज्य में किस परिवार के पास रहा?

(1) मेदिनी राय एक राजपूत
(2) नीलकण्ठ नागर गुजराती ब्राह्मण
(3) नवल राय एक कायस्थ
(4) आत्माराम एक पंजाबी खत्री

उत्तर–(2)

व्याख्या – सआदत खाँ जो 1720-22 तक मुगल शासन के अंतर्गत आगरा का गवर्नर था जिसका शासन उसने अपने नायाब नीलकण्ठ नागर के द्वारा चलाया। मुहम्मद शाह के समय सआदत खाँ ने अवध के स्वतंत्र राज्य की स्थापना की और नीलकण्ठ नागर को अपना दीवान बनाया। बाद में यह पद वंशानुगत हो गया।

43. सिपाही विद्रोह, 1857 ई. में प्रथम चिन्गारी भड़की थी–

(1) मेरठ में (2) झाँसी में
(3) कानपुर में (4) ग्वालियर में

उत्तर–(1)

व्याख्या – मई 1857 को मेरठ छावनी के 85 सैनिकों ने कुछ विशेष प्रकार के कारतूसों का प्रयोग करने से इंकार कर दिया। उनको कठोर परिश्रम के साथ 10 वर्ष की कैद दी गई। 10 मई को तीसरी घुड़सवार सेना ने विद्रोह कर दिया। उनके साथ भारतीयों की पैदल सेना भी सम्मिलित हो गयी। 5 जून, 1857 को झाँसी में विद्रोह हुआ।

46. मोहम्डन एंग्लो ओरिएन्टल कॉलेज, अलीगढ़ की स्थापना हुई थी–

(1) सन् 1865 ई. में (2) सन् 1875 ई. में
(3) सन् 1885 ई. में (4) सन् 1895 ई. में

उत्तर–(2)

व्याख्या – सर सैय्यद अहमद खाँ ने 1875 ईस्वी में अलीगढ़ में एक मुस्लिम एंग्लो ओरिएंटल स्कूल आरम्भ किया जहाँ पाश्चात्य विषय तथा विज्ञान और मुस्लिम धर्म दोनों पढ़ाये जाते थे। शीघ्र ही अलीगढ़ मुस्लिम सम्प्रदाय के धार्मिक तथा सांस्कृतिक पुनर्जागरण का केंद्र बन गया। यही पौधा आगे चलकर 1920 में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के वृक्ष के रूप में सामने आया।

47. डी. ए. वी. कॉलेज की सर्वप्रथम स्थापना हुई थी–

(1) दिल्ली में (2) पूना में
(3) अमृतसर में (4) लाहौर में

उत्तर–(4)

व्याख्या – आर्य समाज के कार्य क्षेत्र का सबसे अधिक प्रभाव विद्या तथा सामाजिक सुधार सेवा के क्षेत्र में देखने को मिला। दयानन्द की मृत्यु के बाद शिक्षा के माध्यम को लेकर आर्य समाज में मतभेद हो गया। 1886 में लाहौर में दयानन्द ऐंग्लो वैदिक (डी.ए.वी.) कॉलेज की स्थापना हुई। इसकी स्थापना हंसराज ने की थी।

48. 'रामकृष्ण मिशन' की स्थापना की थी–

(1) स्वामी दयानन्द सरस्वती ने
(2) स्वामी विवेकानन्द ने
(3) देवेन्द्रनाथ टैगोर ने
(4) केशवचन्द्र ने

उत्तर–(2)

व्याख्या – 1897 ई. में अमेरिका प्रवास से वापस आने के बाद स्वामी विवेकानन्द जी ने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की, 1909 में सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत कराया। रामकृष्ण मिशन का कलकत्ता के बारामठ-बेल्लूर और अल्मोड़ा के मायावती नामक स्थानों पर मुख्यालय खोला गया।

49. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा दिये गये कूटों में से उपर्युक्त विकल्प का चयन कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(क) क्रिप्स मिशन	(i) 1944
(ख) गाँधी-जिन्ना वार्ता	(ii) 1946
(ग) शिमला कॉन्फ्रेंस	(iii) 1942
(घ) कैबिनेट मिशन	(iv) 1945

कूट :

	क	ख	ग	घ
(1)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(2)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(3)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(4)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

उत्तर–(4)

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या – भारत में स्वतंत्रता आन्दोलन के समय विभिन्न राजनीतिक गतिविधियाँ हुईं जिसके तहत भारत में क्रिप्स मिशन 1942 ई. में आया। गाँधी और मुहम्मद अली जिन्ना के बीच दिल्ली में वार्ता 1944 में हुई और 1945 ई. में शिमला कॉन्फ्रेंस हुआ जो जिन्ना के चलते असफल हुआ तथा 1946 में कैबिनेट मिशन भारत आया।

50. नेहरू की अन्तरिम सरकार के वित्त मंत्री का नाम था–

(1) मुहम्मद इकबाल
(2) मुहम्मद अली
(3) सर सैयद अहमद खाँ
(4) लियाकत अली खाँ

उत्तर–(4)

व्याख्या – 2 सितम्बर, 1946 को जवाहर लाल नेहरू ने कार्यकारी परिषद के उपाध्यक्ष पद हेतु शपथ लिया। यह प्रधानमंत्री का अपरूप था। नेहरू के नेतृत्व में बने मंत्रिमण्डल में कुल तेरह सदस्य थे। लियाकत अली खाँ को वित्त मंत्रालय दिया गया था जिसने अपने पद का बहुत दुरुपयोग किये थे।

51. ''तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा''- यह घोषणा की थी–

(1) जवाहरलाल नेहरू ने (2) भगत सिंह ने
(3) सुभाष चन्द्र बोस ने (4) चन्द्रशेखर आजाद ने

उत्तर–(3)

व्याख्या–21 अक्टूबर 1943 को सुभाषचन्द्र बोस ने स्वतंत्र भारत की अस्थायी सरकार की स्थापना सिंगापुर में की। यहीं उन्होंने 'दिल्ली चलो' और 'तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूँगा' का नारा दिया। 21 अक्टूबर, 1945 ई. को आजाद हिन्द फौज को भंग कर दिया गया। भगत सिंह ने 'इंकलाब जिन्दाबाद' का नारा दिया था।

52. भारत के प्रथम गवर्नर-जनरल थे–

(1) सरोजनी नायडू (2) राजेन्द्र प्रसाद
(3) राधाकृष्णन (4) सी. राजगोपालचारी

उत्तर–(4)

व्याख्या – स्वतंत्र भारत के प्रथम गवर्नर जनरल लार्ड लुई माउंटबेटन थे जिनका कार्यकाल 1947-48 तक था। उनके त्यागपत्र देने के बाद राजगोपालचारी भारत के प्रथम भारतीय गवर्नर जनरल बने जिनका कार्यकाल 1948 से 1950 तक था।

53. फारवर्ड ब्लॉक दल के संस्थापक थे–

(1) सरदार भगत सिंह
(2) जवाहर लाल नेहरू
(3) सुभाषचन्द्र बोस
(4) चन्द्रशेखर आजाद

उत्तर–(3)

व्याख्या – सुभाषचंद्र बोस को सर्वसम्मति से 1938 में हरिपुरा कांग्रेस अधिवेशन का अध्यक्ष चुना गया था। इस पद पर 1939 त्रिपुरी में गाँधी जी के विरोध के बाद फिर चुन लिए गए लेकिन उनके नेतृत्व में बनी कार्यकारिणी समिति के सहयोग न मिलने के कारण उन्होंने समिति और कांग्रेस से त्यागपत्र देकर 1939 में ही फारवर्ड ब्लॉक दल की स्थापना की।

54. 'वर्नाक्यूलर प्रेस ऐक्ट' किसने समाप्त किया था?

(1) लॉर्ड कर्जन ने (2) लॉर्ड लिटन ने
(3) लॉर्ड वेलेजली ने (4) लॉर्ड रिपन ने

उत्तर–(4)

व्याख्या – लार्ड लिटन की अप्रिय नीतियों तथा सरकार की लोगों के दुख के प्रति उदासीनता से जनता में बहुत असंतोष फैल गया और समाचार-पत्रों ने इसकी खुलकर आलोचना की। इसी से निपटने के लिए सरकार ने 1878 में भारतीय भाषा समाचार-पत्र अधिनियम बना दिया। इसके तहत भारतीय समाचार-पत्रों की स्वतंत्रता को प्रतिबंधित किया गया। इस प्रतिबंधित एक्ट को 1882 में लॉर्ड रिपन ने समाप्त कर दिया।

55. ''स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है।'' यह उद्घोष किसने किया था?

(1) लाला लाजपत राय ने
(2) पंडित मोतीलाल नेहरू ने
(3) लोकमान्य तिलक ने
(4) केशवचन्द्र सेन ने

उत्तर–(3)

व्याख्या – आजादी की लड़ाई के दौर में, प्रेस की आजादी के सवाल को लेकर सबसे ज्यादा जुझारू संघर्ष उग्र राष्ट्रवादी नेता बाल गंगाधर तिलक ने किया। 1916 में लखनऊ समझौता के समय उन्होंने घोषणा की 'स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा' इससे देश के कोने-कोने में उत्तेजना की एक लहर उत्पन्न हो गई।

56. सीमान्त गाँधी (खान अब्दुल गफ्फार खाँ) ने पठानों की पार्टी बनाई थी। उस पार्टी का नाम था :

(1) पठान दल (2) खुदाई खिदमतगार
(3) खाकसार पार्टी (4) मुस्लिम लीग

उत्तर–(2)

व्याख्या – सविनय अवज्ञा आन्दोलन गाँधी के नेतृत्व में समूचे भारत में फैला। पश्चिमोत्तर सीमा प्रान्त के मुसलमानों ने खान अब्दुल गफ्फार खाँ (सीमांत गाँधी) के नेतृत्व में सविनय अवज्ञा आन्दोलन चलाया गया तथा इन्हीं के नेतृत्व में गठित 'खुदाई खिदमतगार' संगठन के माध्यम से 'लाल कुर्ती' आन्दोलन उत्तर पश्चिमी सीमा प्रान्त में चलाया गया।

57. किस जनसभा में 'करो या मरो' का नारा महात्मा गाँधी ने दिया था?

(1) कलकत्ता की (2) पूना की
(3) बम्बई की (4) अहमदाबाद की

उत्तर–(3)

व्याख्या – 7 अगस्त, 1942 को बम्बई के ऐतिहासिक ग्वालिया टैंक मैदान में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की वार्षिक बैठक हुई। इसमें वर्धा प्रस्ताव की पुष्टि हुई। 8 अगस्त, 1942 को गाँधी ने अपने ऐतिहासिक भाषण में एक नारा दिया 'करो या मरो' जिसका आशय था कि या तो हम भारत को आजाद करायेंगे अथवा कोशिश में अपनी जान दे देंगे।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

58. निम्नलिखित घटनाओं को कालक्रम की दृष्टि से सजाइए एवं नीचे दिये गये कूट के आधार पर उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिये :

(क) डांडी यात्रा
(ख) जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड
(ग) भारत छोड़ो आन्दोलन
(घ) स्वदेशी आन्दोलन

कूट :

(1) क ⟶ ख ⟶ ग ⟶ घ (2) ख ⟶ ग ⟶ घ ⟶ क
(3) घ ⟶ ख ⟶ क ⟶ ग (4) ग ⟶ घ ⟶ क ⟶ ख

उत्तर–(3)

व्याख्या – स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान विभिन्न घटनाओं का वर्णन निम्न प्रकार से है – स्वदेशी आन्दोलन का प्रारम्भ बंगाल में 1905 में हुआ। 13 अप्रैल, 1919 को जलियांवाला बाग हत्याकाण्ड हुआ, सविनय अवज्ञा आन्दोलन के तहत दाण्डी मार्च 1930 में हुआ तथा 1942 में भारत छोड़ो आन्दोलन का आरम्भ हुआ।

59. किस कला का गान्धार-कला पर अत्यधिक प्रभाव पड़ा था?

(1) पारसी कला का
(2) सीथियन कला का
(3) यूनानी कला का
(4) बैक्ट्रियन कला का

उत्तर–(3)

व्याख्या – यूनानी कला के प्रभाव से भारत के पश्चिमोत्तर प्रदेशों में कला की जिस नवीन शैली का उदय हुआ उसे 'गान्धार शैली' कहा जाता है। पाश्चात्य विद्वानों की धारणा है कि सर्वप्रथम गान्धार शैली में ही बुद्ध की मूर्तियों का निर्माण किया गया। किन्तु वी.एस. अग्रवाल का मत है कि सर्वप्रथम मथुरा कला शैली में बुद्ध की मूर्तियों का निर्माण किया गया। कला के अंतर्गत बुद्ध एवं बोधिसत्वों की बहुसंख्यक मूर्तियों का निर्माण हुआ।

60. 'भारतीय संविधान-सभा' (Constituent Assembly) का स्थापना वर्ष है–

(1) 1946 ई. (2) 1947 ई.
(3) 1948 ई. (4) 1949 ई.

उत्तर–(1)

व्याख्या–कैबिनेट मिशन योजना के तहत जुलाई 1946 में संविधान सभा के प्रथम हुए चुनाव में कांग्रेस को 208, मुस्लिम लीग को 73 तथा अन्य दलों को 15 सीटें प्राप्त हुई। संविधान सभा की बैठक 9 दिसम्बर 1946 को सच्चिदानंद सिन्हा (अस्थाई अध्यक्ष) की अध्यक्षता में शुरू हुआ। 11 दिसम्बर 1946 को डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद को स्थायी अध्यक्ष चुना गया। 29 अगस्त, 1947 को डॉ. भीमराव अम्बेडकर को संविधान के प्रारूप समिति का अध्यक्ष चुना गया।

61. 'स्टोरिया डि मोगोर' ग्रन्थ का रचयिता निकोलाज मनूची मूल निवासी था–

(1) मोरक्को का (2) लिस्बन का
(3) रोम का (4) वेनिस का

उत्तर–(4)

व्याख्या– मनूची वेनिस (इटली) का यात्री था जो 14 वर्ष की आयु में भारत आया। इसने भारत आकर दाराशिकोह के तोपची के रूप में कार्य किया तथा दारा के पराजय के पश्चात् चिकित्सक का पेशा अपना लिया। स्टोरियों डि मोगोर नामक संस्मरण लिखा जिसे 17वीं सदी के भारत का दर्पण कहा जाता है। दारा की मृत्यु के बाद मनूची जयसिंह की सेवा में चला गया। 1717 में उसकी मृत्यु हो गयी।

62. 'खासी' जनजाति का मूल निवास स्थान है–

(1) बिहार (2) असम
(3) मध्य प्रदेश (4) बंगाल

उत्तर–(2)

व्याख्या–खासी जनजाति का मूल निवास स्थान असम (वर्तमान मेघालय) में है। यह जनजाति जयन्तिया तथा गारो पहाड़ियों के बीच निवास करती थी। खासी जनजाति ने अपने नेता तीरत सिंह के नेतृत्व में 1828-1833 ई. में विद्रोह कर दिया। काफी मेहनत के बाद अंग्रेजों द्वारा इस विद्रोह को दबाया जा सका।

63. 'जगमोहन' उड़ीसा के मंदिरों के किस भाग को कहते थे?

(1) गर्भ-गृह (2) मण्डप
(3) शिखर (4) तोरण द्वार

उत्तर–(2)

व्याख्या – 'जगमोहन' उड़ीसा के मंदिरों में निर्मित वर्गाकार सभामण्डप या 'मुख्यमण्डप' को कहते हैं। इसके आगे एक या दो मण्डप और बनाये जाते थे, जिसे 'नटमंदिर' या 'भोगमंदिर' कहते हैं। जगमोहन का शीर्ष भाग पिरामिडाकार होता था। लिंगराज मंदिर (उड़ीसा) में चार विशाल कक्ष क्रमशः देउल (गर्भगृह), जगमोहन, नटमण्डलप तथा भोगमण्डप बने हुए थे।

44. भारत में किस सूफी संत ने सूफियों के 'सुहरावर्दी पंथ' की स्थापना की थी?

(1) शहाबउद्दीन सुहरावर्दी (2) बहाउद्दीन जकारिया
(3) कुत्बउद्दीन बख्तियार काकी (4) निजामुद्दीन औलिया

उत्तर–(2)

व्याख्या–भारत में सुहरावर्दी सिलसिले का प्रचार का मुख्य श्रेय बहाउद्दीन जकारिया और जलालुद्दीन तबरीजी को जाता है। इनका मुख्यालय मुल्तान में था। जकारिया ने कुबाचा के विरुद्ध इल्तुतमिश को सहायता दी थी जिसके फलस्वरूप सुल्तान इल्तुतमिश ने उन्हें शेख-उल-इस्लाम' की पदवी दी। इस शाखा की स्थापना शेख जियाउद्दीन अबुल जीव ने की थी, जो कि गजनवी के समकालीन थे।

45. किस संत ने संकीर्तन एवं नगरकीर्तन के रूप में भक्त गीतों को गाने की परम्परा प्रारम्भ की थी?

(1) कबीर (2) नानक
(3) चैतन्य (4) नामदेव

उत्तर–(3)

व्याख्या–चैतन्य का जन्म नादिया (प बंगाल) में हुआ। इन्हें आधुनिक वैष्णववाद का संस्थापक माना जाता है। इन्होंने मूर्तिपूजा का विरोध नहीं किया तथा ईश्वर को हरि या कृष्ण का नाम दिया। इन्होंने राधा कृष्ण की उपासना की तथा भक्ति में कीर्तन एवं नगरकीर्तन करते हुए इसे प्रोत्साहित किया। प्रभु प्रेम में कभी-कभी नृत्य करते हुए मूर्छित हो जाया करते थे।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT) चयन परीक्षा, 2004

सामाजिक विज्ञान

इतिहास

(विश्लेषण सहित व्याख्या)

1. प्राचीन पाषाण युग के निवासियों को निम्नलिखित में से किस विषय का ज्ञान था?

(1) चित्रांकन (2) कृषि कार्य
(3) शिकार (4) पशुपालन

उत्तर–(3)

व्याख्या–प्राचीन पाषाणकाल के हथियारों के अवशेष मिर्जापुर (उ. प्र.) की बेलन घाटी तथा पंजाब की सोहन नदी की घाटी, तथा मध्य प्रदेश में भीमबेटका की गुफाओं से प्राप्त हुआ है। इस काल का मानव आग से अनभिज्ञ था। मानव पूर्णतः आखेटक का जीवन जीता था तथा समूहों में कन्दराओं तथा गुफाओं में रहता था।

2. हड़प्पा सभ्यता के तहत वह एकमात्र जगह कौन-सी है, जहाँ 216 मीटर लंबा एवं 37 मीटर चौड़ा एक नौका घाट अवस्थित था?

(1) कालीबंगा (2) कोटदीजी
(3) लोथल (4) रोपड़

उत्तर–(3)

व्याख्या– लोथल गुजरात के अहमदाबाद जिले में भोगवा नदी के किनारे स्थित है इसकी खोज 1954 में एस. आर. राव ने की। लोथल को लघु हड़प्पा या लघु मोहनजोदड़ो भी कहा जाता है। लोथल के पूर्वी भाग में एक गोदीबाड़ा का साक्ष्य मिला है। लोथल से ही अग्नि कुण्ड के अवशेष, मनके बनाने का कारखाना, तीन युगल शवाधान, नाव के साक्ष्य, तांबे की मुहर, हाथी दांत का पैमाना आदि मिले हैं।

3. सिंधु घाटी सभ्यता के पतन के संबंध में दिए गए निम्नलिखित तथ्यों में से कौन सही ढंग से सुमेलित है/हैं?

(क) गार्डन – विदेशी आक्रमण
(ख) ऑरेल स्टेइन – जलवायुगत परिवर्तन
(ग) डैलेस – भौगोलिक घटनाक्रम
(घ) वी. एन. मिश्र – भूगर्भस्थलीय परिवर्तन

कूट :

(1) केवल क (2) केवल ख एवं ग
(3) केवल घ (4) क, ख, ग एवं घ

उत्तर–(4)

व्याख्या – सिन्धु घाटी के पतन के लिए विद्वानों ने भिन्न-भिन्न मत प्रकट किये हैं। गार्डन चाइल्ड, मार्टीमर ह्वीलर ने बाह्य आक्रमण, ऑरेल स्टेइन व ए. एन. घोष ने जलवायुगत परिवर्तन व डैलेस ने भौगोलिक घटनाक्रम तथा वी. एन. मिश्र ने भू-गर्भ स्थलीय परिवर्तन माना है जबकि के. यू. आर. केनेडी ने सैन्धव के पतन के लिए मलेरिया, महामारी जैसी बीमारियों को माना है।

4. उत्तर भारत की भक्ति आंदोलन–की भक्ति के इर्द-गिर्द विकसित हुआ –

(1) राम (2) कृष्ण
(3) ब्रह्मा (4) (1) एवं (2) दोनों

उत्तर–(4)

व्याख्या– उत्तर भारत में भक्ति आन्दोलन को गति प्रदान करने वाले संतों में राम भक्त गोस्वामी तुलसीदास और कृष्ण भक्त सूरदास का महत्वपूर्ण स्थान है। भक्ति आन्दोलन का आरंभ शंकराचार्य के समय से माना जाता है। रामानुज ने इसे विकसित किया। स्वामी रामानन्द ने भक्ति आन्दोलन को उत्तर भारत में 14वीं सदी में लाये।

5. बौद्धों का वह धर्म ग्रंथ जिसमें गौतम बुद्ध के पूर्ववर्ती जन्मों की कथाएं संकलित है, कहलाता है–

(1) जीविक (2) जातक
(3) विनय पिट्टक (4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर–(2)

व्याख्या – जातक कथाओं में भगवान बुद्ध की पूर्वजन्म की कथाओं का संकलन है। कुल जातक कथाओं की संख्या 547 या 549 है। विनयपिटक में बौद्ध भिक्षुओं-भिक्षुणियों के लिए आचार-विचार एवं नियमों का विवेचन किया गया है।

6. निम्नलिखित में से किसने उपनिषदों को फारसी में अनूदित कराने की पहल की?

(1) दारा (2) मुराद
(3) औरंगजेब (4) शाहजहाँ

उत्तर–(1)

व्याख्या–शाहजहाँ के पुत्र दाराशिकोह ने अथर्ववेद एवं उपनिषदों का फारसी में अनुवाद कराया। इसने बावन (52) उपनिषदों का 'सिर्र-ए-अकबर' (महान रहस्य) नाम से फारसी अनुवाद कराया। दाराशिकोह ने एक मौलिक पुस्तक 'मज्म उल बहरीन' (दो समुद्रों का संगम) की रचना की। जिसमें हिन्दू और इस्लाम धर्म को एक ही ईश्वर की प्राप्ति के दो मार्ग बताया गया है।

7. ग्रीक राजाओं द्वारा पाटलिपुत्र में तीन राजदूत भेजे गए थे। उनके नाम थे मेगस्थनीज, डेइमेकस और–

(1) सेल्यूकस (2) टॉलमी
(3) पैट्रोक्लिस (4) डायोनिसियस

उत्तर–(4)

व्याख्या– मेगस्थनीज यूनानी शासक सेल्यूकस का राजदूत चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में संभवतः ईसा पूर्व 304 से 299 के बीच पाटलिपुत्र की सभा में उपस्थित हुआ था एवं अपने अध्ययन से इंडिका की रचना की। डाइमेकस जो सीरिया नरेश एण्टियोकस का दूत था बिन्दुसार के दरबार में आया। डायोनिसियस जो मिस्र नरेश टॉलमी द्वितीय फिलाडेल्फस का राजदूत था जो मौर्य सम्राट अशोक के दरबार में आया था। मेगस्थनीज ने चन्द्रगुप्त मौर्य के नगर प्रशासन का वर्णन किया है।

8. कश्मीर में श्रीनगर किसने बसाया था?

(1) हर्ष (2) अशोक
(3) चन्द्रगुप्त प्रथम (4) बिन्दुसार

उत्तर–(2)

व्याख्या – कश्मीर में श्रीनगर तथा नेपाल में ललित पाटन नामक नगरों की स्थापना मौर्य शासक सम्राट अशोक ने की थी। महाराजाधिराज की उपाधि का प्रयोग सर्वप्रथम चन्द्रगुप्त प्रथम ने धारण किया था। बिन्दुसार सम्राट अशोक का पिता था। हर्ष को कश्मीर का नीरो कहा जाता है।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

9. उत्तर भारत में गणतंत्र एवं राजतंत्र (महाजनपद) की स्थापना हुई, लगभग –

(1) ई. पू. 900 में (2) ई. पू. 800
(3) ई. पू. 700 में (4) ई. पू. 600

उत्तर–(4)

व्याख्या–ईसा पू. छठीं शताब्दी के उत्तर भारत में गणतंत्र और राजतंत्र (महाजनपद) की स्थापना का वर्णन अंगुत्तर निकाय (बौद्ध ग्रंथ) में मिलता है। अधिकतर राज्य विन्ध्य के उत्तर में उत्तर-पूर्वी भारत में उत्तर पश्चिमी सीमा से बिहार तक फैले हुए हैं। जैन 'भगवती सूत्र' में भी 16 महाजनपदों की सूची मिलती है। इन महाजनपदों में वज्जि तथा मल्ल गणतंत्र थे।

10. किस शासक ने अपने को 'देवताओं का प्रिय' कहलवाया?

(1) चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य (2) कनिष्क
(3) अशोक (4) समुद्रगुप्त

उत्तर–(3)

व्याख्या – अशोक के अभिलेखों में उसकी कई उपाधियों का उल्लेख है। अशोक के अभिलेखों में उसे 'देवानंपिय', 'देवानंपियदसि' (देवताओं का प्रिय अथवा देखने में सुंदर) तथा 'राजा' आदि की उपाधियों से सम्बोधित किया गया है। अशोक के परवर्ती शासक दशरथ के भी 'देवानंपिय' की उपाधि धारण करने का उल्लेख मिलता है। चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य की उपाधि 'विक्रमांक', 'परमभागवत' थी। कनिष्क की उपाधि महाराजराजाधिराजदेवपुत्र थी। प्रयाग प्रशस्ति में समुद्रगुप्त को लिच्छवी दौहित्र एवं परमभट्टारक कहा गया है।

11. निम्नलिखित में से कौन-सा अंचल चन्द्रगुप्त मौर्य के साम्राज्य में शामिल नहीं था?

(1) अफगानिस्तान (2) बलूचिस्तान
(3) तमिलनाडु (4) बंगाल

उत्तर–(3)

व्याख्या–मौर्य सम्राट अशोक के शिलालेखों से प्रमाणित होता है। उसके शासनान्तर्गत 5 प्रांत थे –

दक्षिणापथ	–	सुवर्णगिरी
उत्तरापथ	–	तक्षशिला
कलिंग	–	तोसली
प्राशी (प्राची)	–	पाटलिपुत्र
अवन्ति	–	उज्जयिनी

मौर्य साम्राज्य में सुदूर दक्षिण (तमिलनाडु) के क्षेत्र नहीं शामिल थे।

12. बिन्दुसार के शासन काल में अशोक को जिस अंचल का शासन भार दिया गया था वह था –

(1) तक्षशिला (2) उज्जयिनी
(3) काठियावाड़ (4) (1) एवं (2) दोनों

उत्तर–(4)

व्याख्या–दिव्यावदान के अनुसार बिन्दुसार के शासनकाल में तक्षशिला के विद्रोह के दमन के लिए अशोक को भेजा गया था। अशोक अपने पिता के शासन काल में ही तक्षशिला और अवन्ति का प्रांतीय शासक रह चुका था। अशोक के शासनकाल में भी तक्षशिला में विद्रोह हुआ था उसने अपने पुत्र को वहाँ भेजा था।

13. सूची-I की मिलान सूची-II से कीजिए तथा नीचे दिये कूट का उपयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(क) अशोक स्तंभ	(i) बार्बर हिल्स
(ख) साँड़वाली राजधानी	(ii) रोपर
(ग) लोमर्षि गुफा	(iii) लौरिया नंदनगढ़
(घ) छिद्रयुक्त तर-कूप	(iv) रामपुरवा

कूट :

	क	ख	ग	घ
(1)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(2)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(3)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(4)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

उत्तर–(3)

व्याख्या – लौरिया नंदनगढ़ में अशोक स्तम्भ तथा रामपुरवा को साँड़ वाली राजधानी कहते हैं तथा बार्बर हिल्स में लोमर्षि गुफा, विश्व झोपड़ी गुफा, सुदामा की गुफा तथा रोपर में छिद्रयुक्त तर-कूप हैं।

14. मौर्य साम्राज्य के पतन का एक संभावित कारण था–

(1) अशोक द्वारा अहिंसा अपनाए जाने के कारण सैन्य शक्ति का ह्रास हो गया
(2) बौद्ध धर्मावलम्बी वणिक समुदाय इतना शक्तिशाली हो गया था कि इसने अपने सामने राज-शक्ति को बौना बना दिया।
(3) विशाल सैन्य-वाहिनी के रख-रखाव में होने वाले खर्च, अधिकारियों को प्राप्त वेतन एवं जमीन बंदोबस्त में होने वाले अर्थ-व्यय की वजह से मौर्य साम्राज्य की अर्थ-व्यवस्था डगमगा गई थी
(4) (1) एवं (2) दोनों

उत्तर–(3)

व्याख्या – मौर्य साम्राज्य के पतन के कई कारण थे जिसमें अयोग्य तथा निर्बल उत्तराधिकारी राष्ट्रीय चेतना का अभाव, प्रान्तीय शासकों के अत्याचार, आर्थिक तथा सांस्कृतिक असमानतायें करों की अधिकता, प्रशासन का अतिशय केंद्रीयकरण आदि।

15. 'शुंग वंश' का संस्थापक था–

(1) पुष्यमित्र (2) खारवेल
(3) अग्निमित्र (4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर–(1)

व्याख्या–अंतिम मौर्य सम्राट बृहद्रथ की हत्या कर उसके सेनापति पुष्यमित्र शुंग ने शुंगवंश की स्थापना 184 ई. पू. में की। पुष्यमित्र शुंग को प्रथम ब्राह्मण राज्य स्थापित करने वाला तथा ब्राह्मण धर्म का पुनरुद्धारक कहा जाता है। पतंजलि पुष्यमित्र शुंग के पुरोहित थे। पंतजलि के 'महाभाष्य' में यवन आक्रमण का उल्लेख है।

16. निम्नलिखित में से उत्तरी भारत मे कौन अंतिम ग्रीक शासक था?

(1) अजेस (2) गुण्डोफर्नेस
(3) हिप्पोट्रेटस (4) कनिष्क

उत्तर–(3)

व्याख्या – हिप्पोट्रेटस उत्तर भारत में अंतिम ग्रीक शासक था। उल्लेखनीय है कि युक्रेटाइटस वंश के ग्रीक शासकों की राजधानी तक्षशिला थी। इसी वंश के शक्तिशाली शासक एण्टिआलकीड्स के राजदूत हेलियोडोरस ने विदिशा में गरुढ़ स्तंभ की स्थापना की थी।

17. निम्नलिखित में से कौन-सा सातवाहन शासक शकों, यवनों एवं पल्लवों के संहारकर्ता के रूप में जाना जाता है?

(1) हाल (2) सिमुक
(3) शातकर्णी-I (4) गौतमीपुत्र श्री शातकर्णी

उत्तर–(4)

व्याख्या–सातवाहन वंश के महानतम शासक गौतमीपुत्र शातकर्णी को शकों, यवनों और पल्लवों का संहारकर्त्ता कहा गया है। इसका शासनकाल 106-130 ई. माना जाता है। इसे इस वंश का द्वितीयक संस्थापक माना जाता है। यह अपने वंश का तेइसवाँ राजा था तथा अपने को 'वेणकटक स्वामी' कहता था।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

18. गुप्त शासकों में से किसने 'विक्रमादित्य' की उपाधि धारण की?

(1) समुद्रगुप्त (2) चंद्रगुप्त II
(3) स्कंदगुप्त (4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर–(2)

व्याख्या–गुप्त सम्राट चन्द्रगुप्त द्वितीय (375-415 ई.) गुप्त वंश का महानतम शासक था जिसने शकों को परास्त कर 'विक्रमादित्य' की उपाधि धारण की तथा शकों पर विजय प्राप्त करने के कारण इसे 'शकारि' भी कहा जाता है। चन्द्रगुप्त द्वितीय विष्णु का अनन्य भक्त था। उसकी सर्वप्रिय उपाधि 'परमभागवत' थी। इसके शासनकाल में नौ रत्नों का उल्लेख मिलता है।

19. पुलकेशिन द्वितीय ने हर्ष की सेना का सामना जिस नदी के तट पर किया था, वह नदी थी–

(1) रावी (2) ताप्ती
(3) नर्मदा (4) कृष्णा

उत्तर–(3)

व्याख्या–चालुक्य वंश के शासकों में पुलकेशिन द्वितीय सर्वाधिक योग्य और प्रतापी राजा था। उसने कन्नौज के शासक हर्ष को दक्षिण के तरफ बढ़ने से रोका। ऐहोल लेख के रचयिता रविकीर्ति थे जो पुलकेशिन के दरबार में रहते थे। हर्ष और पुलकेशिन के बीच नर्मदा नदी के तट पर युद्ध हुआ जिसमें हर्ष की पराजय हुई।

20. पल्लवों ने अपने को किस देवता की संतान घोषित किया था?

(1) ब्रह्मा (2) विष्णु
(3) शिव (4) (1) एवं (3) दोनों

उत्तर–(1)

व्याख्या– पल्लव शासक अपनी उत्पत्ति 'ब्रह्म' से मानते हैं तथा उनके अभिलेखों में उन्हें भारद्वाजगोत्रीय ब्राह्मण तथा अश्वत्थामा का वंशज कहा गया है। पल्लव वंश के आरंभिक शासकों में सिंहवर्मन तथा सिंहविष्णु प्रमुख थे।

21. त्रिशक्तियों-राष्ट्रकूट, प्रतिहार एवं पाल के आपसी द्वन्द्व का केन्द्रीय शहर था –

(1) उज्जयिनी (2) कन्नौज
(3) काँची (4) पाटलिपुत्र

उत्तर–(2)

व्याख्या–त्रिगुट संघर्ष की शुरूआत प्रतिहार नरेश वत्सराज ने (780-805 ई.) कन्नौज के आयुध शासक इन्द्रायुध को परास्त किया। तत्कालीन कन्नौज राजनीतिक और व्यापारिक दृष्टि से अत्यंत ही महत्वपूर्ण था। इसे प्राप्त करने के लिए प्रतिहार नरेश वत्सराज, पाल नरेश धर्मपाल एवं राष्ट्रकूट नरेश ध्रुव संघर्षरत रहे। अंततः प्रतिहारों को विजय मिली।

22. निम्नलिखित पाल राजाओं में से कौन वंशानुगत राजा नहीं था, बल्कि उसे चुना गया था?

(1) गोपाल (2) धर्मपाल
(3) देवपाल (4) महिपाल

उत्तर–(1)

व्याख्या – शशांक के मृत्यु के बाद बंगाल में फैली अराजकता से ऊबकर बंगाल के प्रमुख नागरिकों ने गोपाल नामक एक सुयोग्य सेनानायक को अपना राजा बनाया तथा जिसने एक नवीन राजवंश की स्थापना की जिसे 'पालवंश' कहा जाता है। गोपाल ने 750 ई. से 770 ई. तक बंगाल पर शासन किया। धर्मपाल, देवपाल तथा महिपाल उसके उत्तराधिकारी थे।

23. निम्नलिखित में से किस चोल शासक ने कावेरी नदी के मुहाने पर अपनी राजधानी स्थापित की एवं इसका नाम 'गंगैकोण्डचोलपुरम्' रखा?

(1) राजराज (2) राजेन्द्र-I
(3) राजेन्द्र-II (4) राजधिराज-II

उत्तर–(2)

व्याख्या – राजेन्द्र प्रथम ने बंगाल के शासक महीपाल को हराकर 'गंगैकोंड' की उपाधि ली तथा इसके उपलक्ष्य में उसने 'गंगैकोण्ड चोलपुरम्' (त्रिचनापल्ली जिले में) नामक एक नयी राजधानी की स्थापना की। तंजौर के प्रसिद्ध शैव मंदिर 'बृहदीश्वर' का निर्माण राजराज प्रथम के समय हुआ था।

24. महाबलिपुरम् के तथाकथित रथशिल्प के साथ किसका नाम विशेष रूप से युक्त है?

(1) सिंह विष्णु (2) महेन्द्र बर्मन
(3) नरसिंह बर्मन-II (4) परमेश्वर बर्मन

उत्तर–(*)

व्याख्या– महाबलिपुरम के रथ मंदिरों का निर्माण प्रतापी पल्लव शासक नरसिंहवर्मन प्रथम ने करवाया था। ये रथशिल्प एक ही विशाल पाषाण खण्डों को काटकर निर्मित किए गए है। इन रथ मंदिरों को 'सप्त पगोडा' कहते हैं, यद्यपि इनमें रथ की कुल संख्या 8 है।
उल्लेखनीय है कि नरसिंहवर्मन द्वितीय द्वारा निर्मित मंदिर स्थापत्य राजसिंह शैली के नाम से प्रसिद्ध है तथा कांची का कैलाशनाथ मंदिर इस शैली का प्रमुख उदाहरण है।

25. मेगस्थनीज कौन था

(1) मंत्री (2) सेनापति
(3) स्वतंत्रता सेनानी (4) राजदूत

उत्तर–(4)

व्याख्या – मेगस्थनीज सेल्युकस 'निकेटर' द्वारा चंद्रगुप्त मौर्य की राज्य सभा में भेजा गया यूनानी राजदूत था। वह ईसा पूर्व 304 से 299 के बीच किसी समय पाटलिपुत्र की सभा में उपस्थित हुआ था। मेगस्थनीज ने 'इण्डिका' नामक ग्रंथ की रचना की थी।

26. मुहम्मद गोरी की मृत्यु के पश्चात् कुतुबुद्दीन ऐबक ने भारतीय प्रांतों पर शासन किया एवं एक राजवंश की स्थापना की, जिसका नाम था–

(1) ऐबक वंश (2) गुलाम वंश
(3) सल्तनत देश (4) (2) एवं (3) दोनों

उत्तर–(2)

व्याख्या–1206 ई. में मुहम्मद गोरी की मृत्यु के बाद कुतुबुद्दीन ऐबक ने गुलाम वंश की स्थापना की। 1206 ई. से 1290 ई. तक भारत पर तुर्की शासकों के शासन को फारसी इतिहासकारों में मुइज्जी, कुत्बी, शम्सी तथा बलबनी वर्गों में विभाजित किया है। कुतुबुद्दीन को 'लाख बख्श' की उपाधि प्राप्त थी, उसके समय में लाहौर ही राजधानी रही।

27. दिल्ली में मेहरौली के पास स्थित कुतुबमीनार का निर्माण कार्य पूरा किया गया था–

(1) इल्तुतमिश द्वारा (2) रजिया द्वारा
(3) बलबन द्वारा (4) ऐबक द्वारा

उत्तर–(1)

व्याख्या–इल्तुतमिश (1211 से 1236 ई.) जिसे गुलामों का गुलाम कहा जाता है। इसने कुतुबुद्दीन ऐबक द्वारा बनवाये गये दिल्ली स्थित कुतुबमीनार के अपूर्ण कार्य को पूरा करवाया। जो प्रारम्भिक इस्लाम कला का श्रेष्ठ नमूना माना गया था। उसने अपने दरबार में ईरानी राज दरबार के रीति-रिवाजों और व्यवहार को आरम्भ किया।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

28. अपने विख्यात नेता चंगेज खाँ के नेतृत्व में मंगोल प्रथम बार किस सन्–में सिंधु नदी के किनारे संगठित हुए थे –

(1) 1221 (2) 1222
(3) 1223 (4) 1224

उत्तर–(1)

व्याख्या–मंगोल चंगेजखाँ के नेतृत्व में 1221 ई. में सिन्धु नदी के किनारे संगठित हुए। चंगेज खाँ जलालुद्दीन मंगबरनी का पीछा करते हुए सिंधु नदी तक पहुँचा, स्थिति की वास्तविकता को समझते हुए सुल्तान इल्तुतमिश ने मंगबरनी को दिल्ली में शरण नहीं दी। 1224 ई. में जलालुद्दीन पर्शिया चला गया जिससे चंगेज खाँ से इल्तुतमिश के राज्य की रक्षा हुई।

29. 'तुगलकाबाद' शहर का निर्माण करवाया गया था–

(1) मुहम्मद बिन तुगलक द्वारा (2) गियासुद्दीन तुगलक द्वारा
(3) फिरोजशाह तुगलक द्वारा (4) (1) एवं (2) दोनों द्वारा

उत्तर–(2)

व्याख्या–तुगलकाबाद की स्थापना गियासुद्दीन तुगलक ने दिल्ली स्थित पहाड़ियों पर करवाया। इस नगर में एक दुर्ग का निर्माण कराया गया जिसे 'छप्पनकोट' के नाम से जाना जाता है। इसी किले के अंदर उत्तरी भाग में सुल्तान का पंचभुजीय मकबरा कृत्रिम झील के भीतर स्थित है। इसके निर्माण में लाल पत्थरों तथा संगमरमर का प्रयोग हुआ है।

30. दक्षिण भारत के विजयनगर राज्य के मुख्य प्रतिद्वन्द्वी.....के सुल्तान थे–

(1) वारंगल (2) मदुरै
(3) हयसाल (4) बहमनी राज्य

उत्तर–(4)

व्याख्या – विजयनगर की स्थापना 1336 ई. में हरिहर और बुक्का ने की थी। जबकि बहमनी राज्य की स्थापना 1347 ई. में हसन गंगू ने की थी। इन दोनों राज्यों के बीच कृष्णा-तुंगभद्रा के दोआब को लेकर विवाद काफी दिन तक चला था। विजयनगर के प्रमुख प्रतिद्वन्द्वी बहमनी राज्य के शासक थे।

31. पानीपत के प्रथम युद्ध ने लोदी वंश की रीढ़ की हड्डी ही तोड़ दी तथा इसके परिणामस्वरूप बाबर के नियंत्रण में एक बहुत बड़ा भू-भाग आ गया। वह भू-भाग फैला था–

(1) पंजाब एवं मुल्तान तक (2) दिल्ली एवं आगरा तक
(3) बंगाल एवं बिहार तक (4) सिंध एवं पंजाब तक

उत्तर–(2)

व्याख्या– पानीपत के प्रथम युद्ध में 1526 ई. में बाबर की सेना ने इब्राहिम लोदी को परास्त कर भारत में मुगल वंश को स्थापित कर दिया। मुगल सत्ता के अन्तर्गत दिल्ली तथा आगरा भी सम्मिलित हो गया। पानीपत के युद्ध में बाबर ने उजबेकों की युद्ध नीति 'तुलगमा युद्ध पद्धति' तथा तोपों को सजाने में 'उस्मानी विधि' (रूमी विधि) का प्रयोग किया था।

32. निम्नलिखित में से कौन अकबर के नव-रत्नों में शामिल नहीं था?

(1) बीरबल (2) रहीम
(3) बैजूबावरा (4) टोडरमल

उत्तर–(3)

व्याख्या–महान मुगल सम्राट अकबर के दरबार में नौ महान व्यक्तित्व विराजमान थे जिन्हें नवरत्न कहा जाता था। ये नवरत्न थे– बीरबल, अबुलफजल, टोडरमल, तानसेन, मानसिंह, अब्दुर्रहीम खानखाना, मुल्ला दो प्याजा, फैजी, हकीम हुकाम। बीरबल जिनका, बचपन का नाम महेश दास था और ब्रह्मा उपनाम से कविता लिखते थे। बैजूबावरा अकबर के नव-रत्नों में नहीं शामिल था।

33. तराइन के द्वितीय युद्ध के पश्चात् तुर्की शासन के अंतर्गत जो क्षेत्र हस्तांतरित हो गया, वह था–

(1) दिल्ली (2) पूर्वी राजस्थान
(3) पश्चिमी राजस्थान (4) (1) एवं (2) दोनों

उत्तर–(4)

व्याख्या – 1191 ईस्वी में तराइन के प्रथम युद्ध में मुहम्मद गोरी की पराजय हुई लेकिन 1192 ईस्वी में तराइन के द्वितीय युद्ध में पृथ्वीराज चौहान तृतीय की पराजय हुई। मुहम्मद गोरी ने दिल्ली तथा अजमेर पर अधिकार कर लिया। यहाँ उसने अपने अधीनस्थ शासक नियुक्त कर दिया। यह क्षेत्र पूर्वी राजस्थान में पड़ता है। इन क्षेत्रों पर चौहानों का शासन था।

34. उत्तर बंगाल की 'अदीना मस्जिद' का निर्माण हुआ था–

(1) सिकन्दरशाह द्वारा (2) शेरशाह द्वारा
(3) अदीलशाह द्वारा (4) अहमदशाह द्वारा

उत्तर–(1)

व्याख्या – प्रान्तीय शैलियों में बंगाल ने अलग ढंग की स्थापत्य शैली का विकास किया। इसमें ईंट, बांस, गौड़ पत्थर तथा काठ प्रचुर मात्रा में प्रयोग किये गये हैं। बंगाल में स्थापत्य कला का प्रमुख केंद्र 'पाण्डुआ' था जहाँ सिकन्दरशाह द्वारा निर्मित 'अदीना मस्जिद' भारत में सबसे विशाल मुस्लिम इमारत है।

35. `तुजुक-ए-बाबरी' एवं 'मसनवी साहित्यिक कृतियाँ थीं–

(1) बाबर की (2) हुमायूँ की
(3) फिरदौसी की (4) गुलबदन बेगम की

उत्तर–(1)

व्याख्या – तुजुक-ए-बाबरी अथवा बाबरनामा, बाबर की आत्मकथा को स्वयं मुगल बादशाह बाबर ने तुर्की भाषा में लिखा है। उसने मसनवी की भी रचना की। एलफिन्स्टन ने लिखा है कि तुजुक-ए-बाबरी एशिया में पाये जाने वाले वास्तविक इतिहास का यह एकमात्र ग्रंथ है।

36. सूची-I की मिलान सूची-II से कीजिए तथा नीचे दिये कूट का उपयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए–

सूची-I	सूची-II
(क) पानीपत का प्रथम युद्ध	(i) 1539
(ख) खानवा का युद्ध	(ii) 1540
(ग) चौसा का युद्ध	(iii) 1526
(घ) कन्नौज का युद्ध	(iv) 1527

कूट :

	क	ख	ग	घ
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(3)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(4)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

उत्तर–(3)

व्याख्या –

पानीपत का प्रथम युद्ध–1526 ई. – बाबर ने इब्राहिम लोदी को हराया
खानवा का युद्ध–1527 ई. – बाबर ने राणा सांगा को हराया
चौसा का युद्ध–1539 ई. – शेरशाह ने हुमायूँ को हराया
कन्नौज का युद्ध–1540 ई. – शेरशाह ने हुमायूँ को हराया

37. शेरशाह के शासनकाल में काश्तकारों के अधिकार एवं दायित्व विधिवत मंजूर किए गए थे तथा उन्हें स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया था। यह शामिल था–

(1) कबूलियात में (2) पट्टा में
(3) सर्दिस में (4) उपर्युक्त सभी में

उत्तर–(4)

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या – शेरशाह के समय किसानों को सरकार की ओर से 'पट्टे' दिये जाते थे जिनमें स्पष्ट किया गया होता था कि इस वर्ष उन्हें कितना लगान देना है। किसान 'कबूलियात पत्र' के द्वारा इनको स्वीकार करते थे।

38. अकबर के नेतृत्व में मुगल सेना एवं अफगान सेना के बीच 5 नवम्बर, 1556 को युद्ध हुआ था–

(1) पानीपत में (2) लाहौर में
(3) पेशावर में (4) चंदेर में

उत्तर–(1)

व्याख्या – 5 नवम्बर, 1556 ई. को अकबर और अफगान सेनापति हेमू के बीच पानीपत नामक स्थान पर युद्ध हुआ। अफगान पराजित हुए। इसे पानीपत का द्वितीय युद्ध नाम दिया गया। इस समय अफगान शासक आदिलशाह था।

39. अकबर ने 'जजिया कर' समाप्त कर दिया था–

(1) 1565 ई. में (2) 1564 ई. में
(3) 1563 ई. में (4) 1562 ई. में

उत्तर–(2)

व्याख्या – अकबर ने अपनी धार्मिक उदारता के तहत अनेक कार्य किए। उसने 1562 में 'दास प्रथा' बन्द कर दी तथा 1563 में हिन्दुओं पर लगने वाले 'तीर्थ यात्रा कर' को समाप्त किया और 1564 में 'जजिया कर' को भी समाप्त कर दिया।

40. नूरजहाँ पुत्री थी–

(1) ख्वाजा मुहम्मद शरीफ की
(2) मलिक मसूद की
(3) मिर्जा गियासबेग की
(4) उपर्युक्त में से किसी की भी नहीं

उत्तर–(3)

व्याख्या–मोतमिद खाँ की कृति 'इकबालनामा-ए-जहाँगीरी' के अनुसार नूरजहाँ जिसका प्रारंभिक नाम मेहरून्निसा था, वह मिर्जा गियासबेग की पुत्री थी। जो ईरान से नौकरी की चाह में भारत आया और मुगल शासकों के अधीन नौकरी की, जहाँगीर के समय वह उत्कर्ष पर पहुँच गया।

41. शिवाजी का राज्याभिषेक हुआ–

(1) 1674 ई. (2) 1675 ई.
(3) 1676 ई. (4) 1677 ई.

उत्तर–(1)

व्याख्या – 20 अप्रैल, 1627 को पूना के निकट शिवनेर के दुर्ग में शिवाजी का जन्म हुआ। 1674 ई. में शिवाजी ने अपना राज्याभिषेक करवाया, 'छत्रपति' की उपाधि ग्रहण की और रायगढ़ को अपनी राजधानी बनाया। भगवाध्वज उनका झण्डा था।

42. किसके शासनकाल को 'स्थापत्य कला का स्वर्णकाल' कहा जाता है?

(1) अकबर (2) जहाँगीर
(3) शाहजहाँ (4) औरंगजेब

उत्तर–(3)

व्याख्या–मुगलकालीन इतिहास में स्थापत्य कला की दृष्टि से शाहजहाँ के काल को स्वर्णकाल माना जाता है। उसके द्वारा निर्मित आगरे का ताजमहल, दिल्ली का जामा मस्जिद, आगरे के किले में मोती मस्जिद, दीवान-ए-खास, शीश महल, दीवान-ए-आम तथा नगीना मस्जिद आदि हैं।

43. ईस्ट इंडिया कम्पनी को बंगाल का पूर्ण स्वामित्व प्राप्त हुआ–

(1) 1764 ई. में (2) 1765 ई. में
(3) 1766 ई. में (4) 1767 ई. में

उत्तर–(1)

व्याख्या – 23 जून, 1757 को सिराजुद्दौला और अंग्रेज सेनाओं के बीच मुर्शिदाबाद के दक्षिण में 22 मील की दूरी पर स्थित प्लासी का युद्ध हुआ जिसमें अंग्रेज विजयी रहे। इस विजय के बाद बंगाल पर अंग्रेजों का अधिकार हो गया। लेकिन 22 अक्टूबर, 1764 को बक्सर नामक स्थान पर मीर कासिम को हराकर अंग्रेजों ने बंगाल पर पूर्ण अधिकार कर लिया।

44. निम्नलिखित में से किसे भारतीय कृषक वर्ग का 'प्रथम आम विद्रोह' कहा जा सकता है?

(1) संथाल विद्रोह (2) 1857 का विद्रोह
(3) बंगाल का नील विद्रोह (4) मराठा कृषक विद्रोह

उत्तर–(3)

व्याख्या – भारतीय कृषक वर्ग का प्रथम आम विद्रोह बंगाल का नील विद्रोह था। 19वीं शताब्दी के आरम्भ से ही कम्पनी के कुछ अवकाश प्राप्त यूरोपीय अधिकारियों तथा कुछ नए-नए धनी व्यापारियों ने बंगाल तथा बिहार के जमींदारों से भूमि प्राप्त किया था तथा विस्तृत रूप से नील की खेती आरम्भ की। ये लोग कृषकों पर बहुत अत्याचार करते थे तथा उन्हें ऐसी शर्तों पर नील उगाने पर बाध्य करते थे जो किसानों के लिए लाभप्रद नहीं थी। अप्रैल 1860 ई. में बारासात उपविभाग तथा पावना और नादिया जिलों के समस्त कृषकों ने (भारतीय इतिहास में प्रथम कृषकों की हड़ताल की) विद्रोह कर दिया था एवं नील बोने से मनाही कर दी। शीघ्र ही यह विद्रोह जैसोर, खुलना, राजशाही, ढाका, मालदा, दीनाजपुर तथा बंगाल के अन्य प्रदेशों में फैल गया। इस विद्रोह के स्थानीय नेता दिगम्बर विश्वास व विष्णु विश्वास थे। बाद में सरकार ने एक नील आयोग का गठन किया जिसमें कहा गया कि किसी भी रैय्यत को नील की खेती के लिए विवश नहीं किया जायेगा। दीनबन्धु मित्र ने नील विद्रोह का वर्णन अपने नाटक 'नील दर्पण' में किया है।

45. कानपुर में 1857 के विद्रोह का नेतृत्व किया था–

(1) जीनत महल ने (2) बख्त खान ने
(3) तांत्या टोपे ने (4) नाना साहेब ने

उत्तर–(4)

व्याख्या – कानपुर में 1857 के विद्रोह का नेतृत्व नाना साहब ने किया था। कानपुर अंग्रेजों के हाथ से 5 जून, 1857 को निकल गया था एवं नाना साहब को पेशवा घोषित किया गया। जनरल सर ह्यू व्हीलर जो कानपुर छावनी के कमाण्डर थे, उन्होंने 27 जून को आत्मसमर्पण कर दिया। इसी समय नाना साहब को तांत्या टोपे की सहायता प्राप्त हुई। सर कैम्बल ने कानपुर पर 6 दिसंबर को पुनः अधिकार कर लिया।

46. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रथम अध्यक्ष थे–

(1) सुरेन्द्रनाथ बनर्जी (2) डब्ल्यू.सी. बनर्जी
(3) महात्मा गाँधी (4) मोतीलाल नेहरू

उत्तर–(2)

व्याख्या – भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रथम अध्यक्ष ब्योमेश चन्द्र बनर्जी थे। इसकी स्थापना 1885 ई. में बम्बई के गोकुलदास तेजपाल संस्कृत कालेज में हुई थी। सुरेन्द्रनाथ बनर्जी दिसम्बर 1895 ई. में पूना से कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में चुने गये थे। दिसम्बर 1919 ई. में नागपुर से कांग्रेस अधिवेशन की अध्यक्षता मोतीलाल नेहरू ने किया था और महात्मा गाँधी दिसम्बर 1924 ई. में बेलगांव (कर्नाटक) से अध्यक्ष के रूप में कार्य किये थे।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

47. निम्नलिखित में से किसने 'काकोरी काण्ड' में मुकदमे का सामना नहीं किया था?

(1) अशफाकउल्ला खाँ (2) राजेन्द्र लाहिड़ी
(3) रोशन सिंह (4) चन्द्रशेखर आजाद

उत्तर–(4)

व्याख्या– यू. पी. के क्रांतिकारियों ने सहारनपुर, लखनऊ लाइन पर काकोरी जाने वाली गाड़ी को 9 अगस्त, 1925 को सफलतापूर्वक लूटा। इनके नेता रामप्रसाद बिस्मिल, रोशनलाल, अशफाकउल्ला को फाँसी दे दी गयी। चन्द्रशेखर आजाद पुलिस की गिरफ्त से बच निकले थे।

48. गाँधी जी को 'महात्मा' की उपाधि किसने दी थी?

(1) बाल गंगाधर तिलक (2) गोपाल कृष्ण गोखले
(3) मोतीलाल नेहरू (4) रवीन्द्रनाथ टैगोर

उत्तर–(4)

व्याख्या– बिहार के किसान नेता राजकुमार शुक्ला के आमंत्रण पर गाँधी जी ने नील के किसानों की समस्याओं के समाधान को लेकर 1917 ई. में सत्याग्रह प्रारंभ किये। चम्पारण सत्याग्रह के दौरान गाँधी जी के कुशल नेतृत्व से प्रभावित होकर रवीन्द्रनाथ टैगोर ने उन्हें 'महात्मा' की उपाधि प्रदान की। गाँधी जी ने इनको 'गुरुदेव' की उपाधि दी थी।

49. निम्नलिखित में से किसने 'नील दर्पण' नामक नाटक की रचना की

(1) बंकिम चंद्र चटर्जी (2) रवीन्द्रनाथ टैगोर
(3) शरतचंद्र चट्टोपाध्याय (4) दीनबंधु मित्र

उत्तर–(4)

व्याख्या– बंगाल में अंग्रेज नील उत्पादकों ने किसानों को जबरन नील की खेती करने पर अरसे से मजबूर कर रखा था। डिप्टी मजिस्ट्रेट हेम चन्द्राकर के आदेश से किसानों का गुस्सा भड़क उठा अतः नदिया जिले के गोविन्दपुर गाँव के किसानों ने दिगम्बर विश्वास और विष्णु विश्वास के नेतृत्व में विद्रोह करते हुए नील की खेती बंद कर दिया। दीनबंधु मित्र के नाटक नील दर्पण में किसानों के शोषण का विवरण मिलता है।

50. निम्नलिखित में से कौन भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्रथम बैठक में उपस्थित नहीं हो पाया था?

(1) दादाभाई नौरोजी (2) सुरेन्द्रनाथ बनर्जी
(3) बदरुद्दीन तैयबजी (4) रमेशचंद्र दत्त

उत्तर–(2)

व्याख्या – 28 दिसम्बर, 1885 को बम्बई स्थित गोकुलदास तेजपाल संस्कृत विद्यालय में कांग्रेस का प्रथम अधिवेशन हुआ था एवं इसके अध्यक्ष व्योमेश चन्द्र बनर्जी चुने गये। सुरेन्द्रनाथ बनर्जी इसमें सम्मिलित नहीं थे, क्योंकि वे 1885 ई. में कलकत्ता में द्वितीय भारतीय राष्ट्रीय कान्फ्रेंस की अध्यक्षता की थी।

51. `भारत-छोड़ो' प्रस्ताव के स्रष्टा कौन थे?

(1) सरदार बल्लभ भाई पटेल (2) जवाहरलाल नेहरू
(3) आचार्य नरेन्द्र देव (4) इनमें से कोई नहीं

उत्तर–(2)

व्याख्या – 'अंग्रेजों भारत-छोड़ो' प्रस्ताव का अनुमोदन 8 अगस्त 1942 ई. को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की मुम्बई के ऐतिहासिक ग्वालिया टैंक मैदान पर मौलाना अबुल कलाम आजाद की अध्यक्षता में हुए अधिवेशन में किया गया। इस अधिवेशन में अंग्रेजों भारत छोड़ों का प्रस्ताव पंडित जवाहर लाल नेहरू ने प्रस्तावित या पेश किया था, जिसका सरदार बल्लभभाई पटेल ने समर्थन किया था। इसी सम्मेलन में गाँधी जी ने 'करो या मरो' का नारा दिया था। भारत छोड़ो आंदोलन को अगस्त क्रांति भी कहा जाता है।

52. निम्नलिखित घटनाओं को कालक्रम की दृष्टि से सजाइए :

(क) चौरी-चौरा काण्ड 1922
(ख) चट्टगाँव शस्त्रागार लूट 1930
(ग) मोपला विद्रोह 1921

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए :

कूट :

(1) क ख ग (2) ख ग क
(3) ग क ख (4) ग ख क

उत्तर–(3)

व्याख्या – मोपला विद्रोह 1921 ई. में केरल में हुआ था। चौरी-चौरा काण्ड 5 फरवरी, 1922 ई. को गोरखपुर जिले में हुआ। चौरी-चौरा काण्ड के कारण गाँधी जी ने 12 फरवरी, 1922 ई. को अपना असहयोग आंदोलन स्थगित कर दिया। 1930 ई. में चटगाँव शस्त्रागार लूट काण्ड हुआ था।

53. सूची-I की मिलान सूची-II कीजिए तथा नीचे दिये कूट का उपयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(क) एहोल प्रस्तर-लेख	(i) उसवदत्त
(ख) जूनागढ़ शिला-लेख	(ii) पुलकेशिन II
(ग) नासिक गुहा-लेख	(iii) स्कंदगुप्त
(घ) भीतरी स्तम्भ लेख	(iv) रूद्रदमन।

कूट :

	क	ख	ग	घ
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(3)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(4)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

उत्तर–(4)

व्याख्या – एहोल प्रस्तर लेख पुलकेशिन द्वितीय के समय का है। रुद्रदामन का जूनागढ़ शिला-लेख संस्कृत में लिखित प्रथम अभिलेख था। नासिक गुहा लेख उसवदत्त का है। स्कन्दगुप्त के भीतरी स्तम्भ लेख से उसके समय में हुए हूण आक्रमण के संकेत मिलते हैं।

54. दस राजाओं के विख्यात युद्ध में निम्नलिखित कौन विजयी हुआ था?

(1) दिवोदास (2) सुदास
(3) तुर्वसगण (4) यदुगण

उत्तर–(2)

व्याख्या – भरत जन के राजन सुदास ने दाशराज्ञ युद्ध मे दस राजाओं के एक संघ को पराजित किया था। यह युद्ध परुषणी (रावी) के किनारे हुआ। विश्वामित्र ने दस राजाओं का एक संघ बनाया और सुदास के खिलाफ युद्ध घोषित कर दिया था। इस युद्ध में विजय के पश्चात् भरत जन के आधार पर देश का नाम भारत पड़ा। इस युद्ध में आर्य तथा अनार्य दो जाति के लोगों ने भाग लिया था।

55. गंधार कला पर विशेष प्रभाव था–

(1) ग्रीक कला का (2) रोमन कला का
(3) चीनी कला का (4) (1) एवं (2) दोनों का

उत्तर–(4)

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–कनिष्क के संरक्षण में विकसित गंधार कला को यूनानी बौद्ध कला भी कहते हैं। गन्धार शैली में भारतीय विषयों को यूनानी ढंग से व्यक्त किया गया है। गन्धार कला पर विशेष प्रभाव ग्रीक कला एवं रोमन कला का है। इस शैली की मूर्तियाँ अफगानिस्तान तथा पाकिस्तान से प्राप्त हुई है।

56. इलाहाबाद शिलालेख में समुद्रगुप्त की प्रशस्ति है, जिसके रचयिता हैं उनके दरबारी कवि–

(1) हरिषेण (2) नागसेन
(3) कालिदास (4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर–(1)

व्याख्या–समुद्रगुप्त के मंत्री एवं दरबारी कवि हरिषेण ने इलाहाबाद में स्थित अशोक के स्तंभ पर समुद्रगुप्त की प्रशस्ति में एक लेख लिखा। यह ब्राह्मी लिपि तथा संस्कृत भाषा में लिखा गया है। यह संस्कृत की चम्पू शैली का उदाहरण है। इस लेख में समुद्रगुप्त के विजयों का उल्लेख मिलता है।

57. निम्नलिखित विद्वानों में से किसने यह सिद्ध किया था कि धरती गोल है एवं अपनी धुरी पर चक्कर काटती है?

(1) आर्यभट्ट (2) वराहमिहिर
(3) ब्रह्मगुप्त (4) सुश्रुत

उत्तर–(1)

व्याख्या – आर्यभट्ट ने यह पता लगाया कि धरती गोल है तथा अपने अक्ष के चारों पर परिभ्रमण करती है, सूर्य स्थित है तथा पृथ्वी गतिशील है, चंद्रमा तथा दूसरे ग्रह सूर्य के प्रकाश से प्रकाशित होते हैं, उनमें स्वयं कोई प्रकाश नहीं होता है। इनकी प्रसिद्ध पुस्तक 'आर्यभट्टीयम्' है। वराहमिहिर के वृहत्संहिता के अनुसार चन्द्रमा पृथ्वी के चारों ओर घूमता है और पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमती है। ब्रह्मगुप्त एक प्रसिद्ध ज्योतिषी था।

58. सुल्तान महमूद गजनवी ने भारत पर कितने बार आक्रमण किया था?

(1) 20 (2) 19
(3) 18 (4) 17

उत्तर–(4)

व्याख्या – भारत की अव्यवस्थित परिस्थितियों में महमूद गजनवी ने भारत पर 11वीं सदी के प्रारम्भ में कई बार आक्रमण किये। सर हेनरी इलियट ने बताया है कि महमूद ने भारत पर 17 बार आक्रमण किये।

59. निजामुद्दीन औलिया थे –

(1) शासक (2) सूफी सन्त
(3) सिपहसालार (4) अमीर

उत्तर–(2)

व्याख्या – प्रसिद्ध सूफी संत बाबा फरीद के प्रमुख शिष्यों में शेख निजामुद्दीन औलिया का नाम विशेष उल्लेखनीय है। निजामुद्दीन औलिया का जन्म बदायूँ (उ. प्र.) में 1236 ईस्वी में हुआ था। निजामुद्दनी औलिया को 'महबूब-ए-इलाही' (ईश्वर का प्रिय), 'सुल्तान-उल-औलिया' (संतों का राजा) की उपाधि मिली थी। अमीर खुसरो इनके प्रमुख शिष्य थे।

60. 'आल इण्डिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस' के बम्बई अधिवेशन की अध्यक्षता किसने की?

(1) एम. ए. डांगे ने (2) वी. वी. गिरि ने
(3) लाला लाजपत राय ने (4) बी. शिव राव ने

उत्तर–(3)

व्याख्या–ऑल इण्डिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस का गठन 31 अक्टूबर, 1920 ई. में एन.एम. जोशी, जोसेफ बैपटिस्टा तथा लाला लाजपत राय के सहयोग से हुआ था। इसके प्रथम बम्बई अधिवेशन की अध्यक्षता लाला लाजपत राय ने किया था। इसके बाद सी. आर. दास, सी.एफ. एण्ड्रूज, जे.एम. सेनगुप्त, जवाहर लाल नेहरू, सुभाष चन्द्र बोस क्रमशः अध्यक्ष हुए।

61. गुरु नानक का जन्म तलवण्डी नामक स्थान पर किस वर्ष में तथा किस नदी के किनारे हुआ था?

(1) 1470 में, झेलम नदी के किनारे
(2) 1469 में रावी नदी के किनारे
(3) 1471, में चेनाब नदी के किनारे
(4) 1468 में सरयू नदी के किनारे

उत्तर–(2)

व्याख्या – सिख सम्प्रदाय के प्रवर्तक और सिखों के पहले गुरु नानक थे। इनका जन्म 15 अप्रैल, 1469 ई. को तलवण्डी नामक स्थान पर हुआ था। इनके पिता का नाम कालू जी मेहता और माता का नाम तृप्ता देवी था। नानक की पत्नी का नाम सुलक्षणा देवी था। तलवण्डी जिसे अब ननकाना नाम से पुकारा जाता है यह पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में स्थित है।

62. सिक्खों के निम्नलिखित गुरुओं को कालक्रम की दृष्टि से सजाएं :

(क) तेग बहादुर (ख) गोविन्द सिंह
(ग) बंदा बहादुर (घ) हरकिशन

एवं नीचे दिए गए कूट का उपोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए :

कूट :

(1) क ख ग घ
(2) ख ग घ क
(3) ग ख क घ
(4) घ क ख ग

उत्तर–(4)

व्याख्या – सिखों के प्रथम गुरु नानक थे। आठवें गुरु हरकिशन (1661-1664 ई.) तथा नवें गुरु तेगबहादुर (1664-1675 ई.) व अंतिम गुरु गोविन्द सिंह (1675-1708 ई. तक) रहे। बंदाबहादुर (1670-1716 ई.) को फर्रूखसियर ने फांसी दिलवा दिया था।

63. रैदास शिष्य थे–

(1) रामानन्द के (2) दादू दयाल के
(3) चैतन्य के (4) नामदेव के

उत्तर–(1)

व्याख्या – रैदास (रविदास) संत रामानन्द के शिष्य थे। रैदास मोची का कार्य करते थे। इनका जन्म काशी में हुआ था। रैदास का कहना था- "मन चंगा तो कठौती में गंगा" तथा ये निर्गुण शाखा के संत थे। स्वामी रामानन्द का जन्म 1299 ई. में प्रयाग के कान्यकुब्ज ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उन्होंने जाति प्रथा के बंधनों को तोड़ डाला और सभी जातियों के व्यक्तियों को अपना शिष्य बनाया। कबीर, रैदास, धन्ना, सेना, सधाना आदि उनके शिष्य थे। रामानन्द ने पद्मावती तथा सुरसीर नामक स्त्रियों को अपना शिष्या बनाया था।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT) चयन परीक्षा, 2004 (निरस्त)

सामाजिक विज्ञान

इतिहास

(विश्लेषण सहित व्याख्या)

1. सविनय अवज्ञा आन्दोलन गाँधी जी द्वारा किस वर्ष आरम्भ किया गया था?

(1) 1921 (2) 1935 (3) 1930 (4) 1942

उत्तर – (3)

व्याख्या – गाँधी जी ने जनता को राष्ट्रीय आन्दोलन से जोड़ने के लिए लगान में कमी, मद्य निषेध, नमक कर समाप्ति, सैनिक व्यय में कमी, राजनैतिक बंदियों की रिहाई, स्वरक्षा के लिए हथियारों के लाइसेंस आदि प्रश्नों को लेकर अवज्ञा आन्दोलन शुरू किया एवं डांडी मार्च (मार्च 1930) नामक यात्रा कर समुद्र तट के पास स्थित डांडी नामक स्थान पर नमक कानून भंग किया। वायसराय लार्ड इरविन ने आन्दोलन को कठोरता से दबाने का प्रयास किया। 1931 में गांधी-इरविन समझौता के द्वारा यह आंदोलन स्थगित हो गया।

2. वेदों के काव्यात्मक हिस्से को कहा जाता है –

(1) ब्राह्मण (2) अरण्यक
(3) संहिता (4) उपनिषद्

उत्तर – (3)

व्याख्या – वेदों के काव्यात्मक हिस्से को संहिता के नाम से जाना जाता है। भारतीय संस्कृति के विषय ज्ञान का विपुल भंडार वेदों में समाहित है। इनकी संख्या चार है जो क्रमशः ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद और अथर्ववेद हैं। सामवेद में गेय श्लोक समाहित हैं ये यज्ञों के समय पर देवताओं के आवाहन हेतु गाये जाते थे। अथर्ववेद जादू-टोना, तंत्रमंत्र से संबंधित है। ऋग्वेद देवताओं की स्तुति से सम्बन्धित हैं। यजुर्वेद यज्ञीय नियमों एवं विधि-विधानों से सम्बन्धित है।

3. बुद्ध को ज्ञान कहाँ प्राप्त हुआ था?

(1) बनारस (2) कुशीनगर
(3) सारनाथ (4) गया

उत्तर – (4)

व्याख्या – बुद्ध को बोधगया नामक स्थल से ज्ञान प्राप्त हुआ था। ब्राह्मणों की कर्मकाण्डपूर्ण पद्धति से तत्कालीन सामान्य जनमानस क्षुब्ध था इसी के प्रतिक्रियास्वरूप गौतम बुद्ध ने मध्यम मार्ग के धर्म की प्रतिस्थापना की। जो सर्वजन सुलभ था। बोधगया में गौतम बुद्ध को वटवृक्ष के नीचे वैशाख मास की पूर्णिमा को ज्ञान प्राप्त हुआ। तभी से वे 'तथागत' नाम से प्रसिद्ध हुए।

4. बौद्ध धर्म के प्रसार के लिए अशोक ने एक अधिकारियों की नियुक्ति, जिन्हें कहा जाता था –

(1) रजुक (2) युत
(3) आमात्य (4) धर्ममहामात्य

उत्तर – (4)

व्याख्या – बौद्ध धर्म के प्रसार के लिए अशोक ने राज्याभिषेक के 13वें वर्ष धर्ममहामात्र, स्त्र्याध्यक्ष महामात्र तथा ब्रजभूमिक महामात्र को नियुक्त किया। इसके अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारियों के रूप में युक्त, राजुक तथा प्रादेशिक को नियुक्त करता है।

5. चंद्रगुप्त के दरबार में सैल्यूकस ने एक दूत भेजा था, जिसका नाम था –

(1) हेरोडोटस (2) ह्वेनसांग
(3) मेगस्थनीज (4) हेलियोडोरस

उत्तर – (3)

व्याख्या – चन्द्रगुप्त के दरबार में सेल्यूकस ने अपना राजदूत मेगस्थनिज को भेजा था। मेगस्थनिज चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में 304 ई. पू. से 299 ई.पू. के बीच रहा। इसने अपने ग्रंथ इंडिका में चन्द्रगुप्त मौर्य के प्रशासन की विश्वसनीय जानकारी देता है। हालाँकि यह ग्रंथ अपने मूल रूप में उपलब्ध नहीं है, फिर भी इसके उद्धरण अनेक यूनानी लेखकों एरियन, स्ट्रैबो, प्लूटार्क, प्लिनी, जस्टिन एवं डायोडोरस आदि के उद्धरणों में प्राप्त होता है। स्ट्रैबो ने मेगस्थनीज के वृत्तांत को पूर्णतया असत्य एवं अविश्वसनीय कहा है।

6. हूणों ने भारत पर किसके समय में आक्रमण किया था?

(1) गुप्त (2) मौर्य
(3) फ्लास (4) सेना

उत्तर – (1)

व्याख्या – हूण, मध्य एशिया में निवास करने वाली एक बर्बर जाति थी। हूणों का प्रथम आक्रमण स्कन्दगुप्त के समय हुआ था। यू. एन. राय के अनुसार इसका प्रथम नेता खुशनेवाज था जिसने ईरान के ससानी शासकों को दबाने के बाद भारत पर आक्रमण किया।

7. हर्षवर्धन प्रत्येक पाँच वर्ष पर एक मेले का आयोजन करता था, यहाँ –

(1) थानेश्वर (2) कन्नौज
(3) प्रयाग (4) बनारस

उत्तर – (3)

व्याख्या – हर्षवर्द्धन प्रत्येक पाँच वर्ष पर महामोक्षपरिषद् का आयोजन करता था जो प्रयाग के पावन भूमि पर प्रतिष्ठित था। चीनी यात्री ह्वेनसांग के अनुसार प्रत्येक पाँचवें वर्ष प्रयाग में वर्द्धनवंशीय हर्ष एक सभा का आयोजन करता था जिसमें वह पाँच वर्ष के उपरांत स्वयं द्वारा अर्जित द्रव्य का दान करता था। ह्वेनसांग छठें महामोक्षपरिषद में उपस्थित था।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

8. सिंध पर अरबों के कब्जे के बाद मोहम्मद बिन कासिम द्वारा लगाया गया भूमि कर यह कहलाता था –

(1) सद्काह (2) खिराज
(3) वक्फ (4) जजिया

उत्तर – (2)

व्याख्या – अरबों ने मोहम्मद बिन कासिम के नेतृत्व में 712 ईस्वी में सिंध विजय प्राप्त की तथा दो नये कर लगाया जिसमें एक जजिया जो धार्मिक कर था तथा दूसरा 'खिराज' जो भूमि कर था। यह उपज का 2/5 से 1/4 तक होता था।

9. भारत में दास (Slave) राजवंश की स्थापना किसने की थी?

(1) गयासुद्दीन (2) कुतुबुद्दीन
(3) इल्तुतमिश (4) मोहम्मद गोरी

उत्तर – (2)

व्याख्या – 1206 से 1290 ईस्वी के मध्य हुए दिल्ली सल्तनत के सुल्तान गुलाम वंश के सुल्तानों के नाम से विख्यात हुए, यद्यपि वे न तो एक वंश के थे और न सुल्तान बनने के अवसर पर इनमें से कोई गुलाम था। दिल्ली का पहला मुस्लिम शासक कुतुबुद्दीन ऐबक था और उसी को भारत में तुर्की राज्य का संस्थापक भी माना जाता है।

10. महान कवि फिरदौसी किसके दरबार की शोभा बढ़ाता था?

(1) राजा सोलोमन (2) सुल्तान महमूद
(3) अलाउद्दीन (4) कुतुबुद्दीन

उत्तर – (2)

व्याख्या – पूर्व का होमर कहलाने वाला कवि फिरदौसी सुल्तान महमूद के दरबार की शोभा बढ़ाता था। इनकी महत्वपूर्ण रचना 'शाहनामा' है। ऐसा कहा जाता है कि शाहनामा लिखने हेतु सुल्तान ने उसे साठ हजार सोने का सिक्का देने का प्रण किया था। अंततः अपनी बात से मुकर कर उसके स्थान पर साठ हजार चांदी का मिस्कल दिया। परिणामतः फिरदौसी क्रुद्ध होकर गजनी को सदा के लिए त्याग दिया।

11. मोहम्मद बिन-तुगलक अपनी राजधानी दिल्ली से कहाँ ले गया था?

(1) वारंगल (2) फतेहपुर सीकरी
(3) दौलताबाद (4) अहमदनगर

उत्तर – (3)

व्याख्या – मुहम्मद बिन तुगलक 1326-27 ई. में अपनी राजधानी दिल्ली से देवगिरि को स्थानान्तरित किया। इस राजधानी परिवर्तन का उद्देश्य मंगोल आक्रमण से सुरक्षा को ध्यान में रखकर किया गया था। किन्तु इस योजना की असफलता के उपरांत पुनः 1335 ई. में उसने अपनी राजधानी दिल्ली स्थानान्तरित कर दिया।

12. दास राजाओं में सबसे महान किसे माना जाता है?

(1) शम्सुद्दीन इल्तुतमिश
(2) कुतुबुद्दीन ऐबक
(3) सुल्तान रजिया
(4) बहरामशाह

उत्तर – (1)

व्याख्या – भारत में गुलाम वंश की स्थापना कुतुबुद्दीन ऐबक ने किया तथा भारत में मुस्लिम सम्प्रभुता का इतिहास इल्तुतमिश से आरम्भ होता है। वूल्जले हेग ने लिखा है कि ''इल्तुतमिश गुलाम शासकों में सबसे महान था।''

13. निम्नलिखित में से कौन दिल्ली का प्रथम मुस्लिम शासक था जिसने दक्कन को भेदा था?

(1) अलाउद्दीन खिलजी (2) अहमद शाह
(3) मुहम्मद तुगलक (4) अली आदिल शाह

उत्तर – (1)

व्याख्या – अलाउद्दीन खिलजी दिल्ली का प्रथम मुस्लिम शासक था जिसने सर्वप्रथम दक्षिण भारत को जीतने का प्रयास किया। अलाउद्दीन के इस सैन्य अभियान के लिए राजनीतिक एवं आर्थिक कारण महत्वपूर्ण थे। उसके दक्षिण अभियान में उसके सेनापति मलिक कफूर को काफी सफलता मिली।

14. विश्व में सबसे बड़ा मकबरा, गोल गुम्बद किस राज्य में स्थित है?

(1) कर्नाटक (2) महाराष्ट्र
(3) केरल (4) दिल्ली

उत्तर – (1)

व्याख्या – इब्राहिम के पुत्र मुहम्मद आदिलशाह उसका उत्तराधिकारी हुआ। मुहम्मद आदिलशाह गोल गुम्बद (कर्नाटक) के नाम से विश्व प्रसिद्ध मकबरे में दफन है जिसे विश्व में स्थापात्य कला का आश्चर्य माना जाता है।

15. मेवाड़ राज्य, जो बाबर के समय से ही मुगल साम्राज्य को चुनौती दे रहा था, किसके समय में पराजित किया गया?

(1) अकबर (2) जहाँगीर
(3) शाहजहाँ (4) शेरशाह सूरी

उत्तर – (2)

व्याख्या – राणा प्रताप की मृत्यु के बाद उनका पुत्र अमरसिंह 1599 ई. में सिंहासनारूढ़ हुआ। उसने भी मुगलों की अधीनता अस्वीकार कर दी। 1613 ई. में जहाँगीर ने शाहजहाँ को मेवाड़ पर आक्रमण करने का आदेश दिया। शाहजहाँ के दबाव के कारण 1615 ई. में अमर सिंह ने मुगलों की अधीनता स्वीकार कर ली।

16. साबरमती के बायें किनारे स्थित अहमदाबाद शहर किसके द्वारा बनाया गया था?

(1) मुजफ्फर शाह
(2) तातर खाँ
(3) अहमद शाह
(4) नसिरुद्दीन मुहम्मद शाह

उत्तर – (3)

व्याख्या – अहमद शाह स्वतंत्र गुजरात राज्य का वास्तविक संस्थापक था। 1413 ई. में अहमद शाह ने असावल नामक प्राचीन नगर के स्थान पर अहमदाबाद शहर की स्थापना किया तथा पाटन के स्थान पर गुजरात की राजधानी अहमदाबाद स्थानांतरित की।

17. विजयनगर राजवंश की राजधानी, हम्पी किस नदी के किनारे स्थित थी?

(1) कृष्णा (2) तुंगभद्रा
(3) कावेरी (4) गोदावरी

उत्तर – (2)

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या – विजयनगर राजवंश की राजधानी 'हम्पी' तुंगभद्रा नदी के किनारे स्थित थी। हरिहर एवं बुक्का इसके संस्थापक थे। माधव विद्यारण्य तथा उसके भाई वेदों के प्रसिद्ध भाष्यकार सायण की प्रेरणा से हरिहर एवं बुक्का ने मुस्लिम से हिन्दू बनकर तुंगभद्रा नदी के उत्तरी तट पर स्थित अनेगुंडी दुर्ग के समीप विजयनगर की स्थापना संगम वंश के नाम से की थी।

18. 'मनसबदार' प्रणाली किसने आरम्भ की थी?

(1) बाबर (2) शेरशाह
(3) अकबर (4) हुमायूँ

उत्तर – (3)

व्याख्या – 'मनसबदार' प्रणाली अकबर ने फारसी पद्धति के आधार पर अपने शासन के 11वें वर्ष आरंभ की थी। इसके द्वारा अधिकारियों के पद एवं श्रेणी के अनुसान वेतन तथा भत्तों को सुनिश्चित किया। मनसबदारों की अकबर के समय 66 श्रेणियाँ थी, किंतु अबुल फजल के अनुसार 33 श्रेणी ही प्रचलन में थी, जो जात एवं सवार के आधार पर विभाजित थी।

19. किस भारतीय शासक की प्रशासन प्रणाली में 'महतरफा और जकात' नाम का सीमा शुल्क लगाया गया था?

(1) अकबर (2) जहाँगीर
(3) औरंगजेब (4) मराठा

उत्तर – (4)

व्याख्या – मराठों के प्रशासन प्रणाली में महतरफा और जकात नाम का सीमा शुल्क लगाया गया था, जो इनके आय का महत्वपूर्ण स्रोत था। हालांकि मराठों ने चौथ और सरदेशमुख नामक कर भी लेते थे, जो भूमि राजस्व के बाद इनके आय का प्रमुख स्रोत था।

20. अकबर एक मामले में प्रसिद्ध था, जो भारत के बहुत कम राजाओं और सम्राटों में था, क्योंकि –

(1) वह एक महान सम्राट था
(2) उसके दरबार में सर्वाधिक भव्यता थी
(3) उसने श्रेष्ठ शहर और भवन बनवाये थे
(4) उसने कई धर्मों, जातियों और राज्यनिष्ठा वाले लोगों को एक सुसंगठित और संघर्षशील साम्राज्य में ढाल दिया था

उत्तर – (4)

व्याख्या – अकबर कई धर्मों, जातियों और राज्यनिष्ठा वाले लोगों को एक सुसंगठित और संघर्षशील साम्राज्य में ढाल दिया था। यह प्रवृत्ति भारत के बहुत कम राजाओं और सम्राटों में थी। उसका दीन-ए-इलाही धर्म इसी का एक ज्वलंत उदाहरण है जहाँ हर धर्म के विद्वान इकट्ठा होते थे और अपने धर्म की मूल व्याख्या प्रस्तुत करते थे।

21. 'अकबरनामा' किसकी लिखी किताब है?

(1) शेख फैजी (2) अबुल फजल
(3) बदौनी (4) काफी खान

उत्तर – (2)

व्याख्या – अकबरनामा की रचना अबुल फजल ने की थी। अबुल फजल बादशाह अकबर के नौ रत्नों में से एक थे जिन्होंने कई ग्रंथों की रचना फारसी भाषा में की और संस्कृत की पुस्तकों का अनुवाद फारसी में किया। अकबरनामा को तीन भागों में बाँटा गया है। पहले भाग में अमीर तैमूर से लेकर हुमायूँ तक के मुगल शासकों के इतिहास का वर्णन किया गया है। दूसरे और तीसरे भाग में 1602 ई. तक के बादशाह अकबर के इतिहास को दिया गया है। अकबरनामा को तैयार करने में अबुल फजल ने फारसी भाषा में लिखे गये विभिन्न ग्रंथों की सहायता ली जिनमें तुजुक-ए-बाबरी, हुमायूँनामा, ताजकीरात-उल-वाकियात, ताजकीरात-ए-हुमायूँनामा और अकबरनामा तथा तारीख-ए-रशीदी प्रमुख थे।

22. जब प्लासी का युद्ध 1757 अपने चरम पर था तो कौन सिराजुद्दौला का साथ छोड़कर लॉर्ड क्लाइव के अधीन अंग्रेजों से जा मिला था?

(1) राय दुर्लभ (2) मीर जाफर
(3) जगत सेठ (4) अमीन चंद

उत्तर – (2)

व्याख्या – 23 जून, 1757 ई. को प्लासी के युद्ध में मीर जाफर ने सिराजुद्दौला का साथ छोड़कर लार्ड क्लाइव के अधीन अंग्रेजों से जा मिला। इस युद्ध में लार्ड क्लाइव ने अपनी कूटनीति में सफल होकर बंगाल के नवाब सिराजुद्दौला को पराजित कर दिया और 28 जून, 1757 ई. को मीर जाफर को लार्ड क्लाइव ने बंगाल का नवाब घोषित किया।

23. एक पुर्तगाली नाविक वास्को-डि-गामा कब कालीकट के बंदरगाह पर पहुँचा और भारत के लिए समुद्री मार्ग की खोज की?

(1) 22 अप्रैल, 1298 (2) 22 अप्रैल, 1398
(3) 22 अप्रैल, 1498 (4) 22 अप्रैल, 1598

उत्तर – (*)

व्याख्या – प्रथम पुर्तगाली यात्री वास्कोडिगामा 17 मई, 1498 को कालीकट के बंदरगाह पर पहुँचा, जहाँ के हिन्दू राजा जमोरिन ने उसका स्वागत किया।

24. अंग्रेजी फौज को किसके द्वारा अतिरिक्त भत्ता 'दुगुना भत्ता' दिया गया था?

(1) मीर जाफर (2) शाह आलम-II
(3) नजामुद्दौला (4) डुप्लिक्स

उत्तर – (1)

व्याख्या – 23 जून, 1757 को प्लासी का युद्ध हुआ। इस युद्ध में मीर जाफर विश्वासघात के कारण क्लाइव विजयी हुआ। मीर जाफर नवाब बना। उसने अंग्रेजों को बहुत सुविधाएँ प्रदान कीं। इसी के तहत उसने अंग्रेजी फौज का भत्ता दोगुना कर दिया।

25. पांडिचेरी स्थापित किया गया था इसके द्वारा –

(1) दुमस (2) डुप्लिक्स
(3) मार्टिन (4) ला वॉर्डोनाइस

उत्तर – (3)

व्याख्या – पाण्डिचेरी की स्थापना 1673 में फ्रैंको मार्टिन एवं वेलांगर द लेस्पिने ने की थी। इसकी स्थापना इन दोनों ने मुस्लिम सूबेदार शेरखाँ लोदी से एक छोटा-सा गांव पुदुचेरी प्राप्त कर इसकी (पांडिचेरी) नींव डाली। आगे चलकर 1674 में मार्टिन को इस बस्ती का प्रधान नियुक्त किया गया।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

26. 'ब्लैक होल' दुखद घटना के समय बंगाल का नवाब कौन था?

(1) अली वर्दी खान (2) मीर जाफर
(3) सर्फराज खान (4) सिराजुद्दौला

उत्तर – (4)

व्याख्या – ब्लैक होल की घटना के समय बंगाल का नवाब सिराजुद्दौला था। हालवेल ने इस घटना के विषय में कहा है कि युद्ध की आम प्रणाली के अनुसार अंग्रेजी बंदियों को जिनमें स्त्रियाँ एवं बच्चे सम्मिलित थे कुल 146 बंदियों के लिए 18 x 14 फुट के कमरे में बलात् बंद कर दिया गया। जिसमें दम घुटने के कारण 23 लोगों को छोड़कर शेष लोग दिवंगत हो गये। 20 जून, 1756 की इस घटना की जानकारी केवल अंग्रेज इतिहासकार द्वारा ही प्राप्त होती है।

27. भारतीय सिविल सेवा का संस्थापक किसे माना जाता है?

(1) सर जॉन शोर (2) लॉर्ड मिन्टो
(3) लॉर्ड डलहौजी (4) लॉर्ड कार्नवालिस

उत्तर – (4)

व्याख्या – लार्ड कार्नवालिस को भारत में सिविल सेवा का जन्मदाता माना जाता है। उसने पुलिस और न्यायिक सेवा को सीधे प्रशासन के अंतर्गत कर लिया, पहले यह कार्य जमींदार देखते थे। प्रशासनिक प्रणाली पर उसकी अमिट छाप थी। बाद में यह 'कार्नवालिस प्रणाली' के नाम से प्रसिद्ध हुई।

28. भारत में पहली बार किस गवर्नर-जनरल के समय में तार और रेल सेवा आरम्भ की गई थी?

(1) लॉर्ड विलियम बेंटिक (2) लॉर्ड डलहौजी
(3) लॉर्ड रिपन (4) लॉर्ड केनिंग

उत्तर – (2)

व्याख्या – भारत में पहली बार लॉर्ड डलहौजी के समय (1848-56 ई.) में तार और रेल सेवा आरम्भ की गयी थी। 16 अप्रैल, 1853 ई. को प्रथम रेलवे लाइन बम्बई से थाणे के बीच प्रारम्भ की गयी। लॉर्ड डलहौजी ने भारत में डाक-टिकटों का प्रचलन किया।

29. उस पर्मिट को क्या कहा गया था, जिसके अधीन ईस्ट इंडिया कम्पनी को (1757 से) प्रत्येक प्रकार के लेनदेन में मुक्तभाव से उपयोग के लिए, निरीक्षण और सीमा शुल्क के भुगतान से छूट प्राप्त थी?

(1) दस्तक (2) औरंग
(3) जकात (4) गोमत्शा

उत्तर – (1)

व्याख्या – उस परमिट को दस्तक के नाम से जाना जाता था जिसके अधीन ईस्ट इंडिया कंपनी को प्रत्येक प्रकार के लेनदेन में मुक्त भाव से उपयोग करने के लिए निरीक्षण और सीमा शुल्क के भुगतान से छूट प्राप्त थी। 1717 ई. में फर्रुखसियर द्वारा कंपनी को दिये गये फरमान में दो प्रतिशत चुंगी न देने की छूट दी गयी थी। इस दस्तक प्रथा के दुरुपयोग के मद्देनजर रखते हुए लार्ड कार्नवालिस के काल में इसे पूर्ण रूप से समाप्त कर दिया गया।

30. किस वाइसराय के समय में बंगाल नगरपालिका अधिनियम, 1884 पास किया गया था?

(1) लॉर्ड विलियम बेंटिंक (2) लॉर्ड डलहौजी
(3) लॉर्ड रिपन (4) लॉर्ड केनिंग

उत्तर – (3)

व्याख्या – लॉर्ड रिपन के समय में बंगाल नगरपालिका अधिनियम, 1884 पास किया गया था। इस अधिनियम में रिपन ने स्थानीय स्वशासन को महत्व देते हुए भारत में प्रतिनिधि संस्थाओं की नींव डाली। रिपन ने 1882 ई. में स्थानीय स्वशासन का प्रस्ताव पारित कर नगरपालिकाओं के विकास एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्थानीय वार्डों की स्थापना की।

31. वह यूरोपीय देश, जिसने सबसे पहले भारत से व्यापार आरम्भ किया था?

(1) फ्रांस (2) हालैण्ड
(3) पुर्तगाल (4) इंग्लैण्ड

उत्तर – (3)

व्याख्या – प्रथम पुर्तगाली एवं यूरोपीय यात्री वास्कोडिगामा 90 दिन की समुद्री यात्रा के बाद 'अब्दुल मनीद' नामक गुजराती पथ-प्रदर्शक की सहायता से 1498 ई. को कालीकट (भारत) पहुँचा कालीकट के शासक जमोरिन ने उसका स्वागत किया।

32. भारत में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कम्पनी की पहली प्रेसीडेन्सी कहाँ थी?

(1) मद्रास (2) मछलीपत्तनम
(3) सूरत (4) हुगली

उत्तर – (1)

व्याख्या – अंग्रेजों ने दक्षिण-पूर्वी समुद्र तट पर 1611 ई. में मछलीपट्टनम में एक व्यापारिक कोठी कायम की। यह गोलकुण्डा राज्य का बंदरगाह था। ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कम्पनी की प्रथम प्रेसीडेन्सी मद्रास में स्थापित हुई।

33. अल्बुकर्क ने गोवा कब्जा कहाँ से किया था?

(1) अहमदनगर (2) वेरार
(3) बीजापुर (4) गोतिओंडा

उत्तर – (3)

व्याख्या – अल्बुकर्क ने 1510 ई. में बीजापुर के यूसुफ आदिलशाह को हराकर गोवा पर अधिकार किया। भारत में पुर्तगाल साम्राज्य का वास्तविक संस्थापक अल्बुकर्क था। इसने पुर्तगाली शक्ति को भारत में क्षेत्रीय आधार प्रदान किया।

34. ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत में व्यापार पर अपना एकाधिकार कब खो दिया?

(1) 1798 (2) 1813
(3) 1833 (4) 1853

उत्तर – (2)

व्याख्या – 1813 के चार्टर ऐक्ट द्वारा ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कम्पनी का भारतीय व्यापार का एकाधिकार समाप्त कर दिया गया। यद्यपि उसके चीन के व्यापार तथा चाय के व्यापार का एकाधिकार चलता रहा। अब सभी अंग्रेज व्यापारियों को भारत से व्यापार करने की आज्ञा दे दी गयी।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

35. ब्रिटिश संसद द्वारा भारतीय मामलों में पहला वैधानिक हस्तक्षेप किस अधिनियम द्वारा किया गया था?

(1) दो डिक्लोरेटरी एक्ट, 1781
(2) पौक्सेज् इंडिया बिल, 1783
(3) पिट्स इंडिया बिल, 1784
(4) दी रेगुलेटिंग एक्ट, 1773

उत्तर – (4)

व्याख्या – ब्रिटिश संसद द्वारा भारतीय मामलों में पहला वैधानिक हस्तक्षेप रेग्युलेटिंग ऐक्ट 1773 के अधिनियम द्वारा किया गया था। इस ऐक्ट के अनुसार भारत में शासन का भार गवर्नर जनरल एवं उसकी चार सदस्यों वाली परिषद पर अवलम्बित था। यद्यपि इस परिषद का अध्यक्ष गवर्नर जनरल होता है किन्तु जहाँ तक निर्णय का प्रश्न है वे बहुमत पर आधारित होते थे। गवर्नर जनरल के निर्णायक मत का प्रयोग बहुमत के लिए होता था।

36. वह स्थान, जहाँ 1857 के विद्रोह को मौलवियों और पंडितों द्वारा समान रूप से बढ़ावा दिया गया था –

(1) असम (2) बिहार
(3) बंगाल (4) राजस्थान

उत्तर – (2)

व्याख्या – अंग्रेजों के सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक और धार्मिक नीतियों के कारण भारत में उनके खिलाफ 1857 में विद्रोह हुए। इस विद्रोह के दौरान बिहार में मौलवियों और पंडितों द्वारा समान रूप से इसको बढ़ावा दिया गया।

37. आर्य समाज ने किस क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि प्राप्त की थी?

(1) औद्योगिक विकास (2) शैक्षिक सुधार
(3) ग्रामीण विकास (4) राजनीतिक सुधार

उत्तर – (2)

व्याख्या – आर्य समाज ने शैक्षिक सुधार के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि प्राप्त की थी। समाज सुधारक स्वामी दयानंद सरस्वती ने 1875 ई. में बम्बई में आर्य समाज की स्थापना की जिसका मुख्य उद्देश्य प्राचीन वैदिक धर्म की शुद्ध रूप से पुनः स्थापना करना था, जो झूठे धार्मिक आडम्बर और सामाजिक कुरीतियाँ जो हिन्दू समाज में आ गई थीं को उखाड़ फेंकने का निश्चय किया।

38. देवबंद, उ. प्र. में दारुल-उलूम का सम्बन्ध किससे है?

(1) पारसी समाज सांस्कृतिक सुधार
(2) मुस्लिम सुधार आन्दोलन
(3) खादी आन्दोलन
(4) आतंकवादी कार्यकलाप

उत्तर – (2)

व्याख्या – देवबंद सहारनपुर में उत्तर प्रदेश में दारूल उलूम का सम्बन्ध मुस्लिम सुधार आंदोलन से है। उलेमा मुहम्मद कासिम ननौतवी और रशीद अहमद गंगोही ने 1866 ई. में कुरान एवं हदीश की शिक्षाओं के साथ, विदेशी शासकों के खिलाफ 'जिहाद' का नारा देने के उद्देश्य से दारुल उलूम या देवबंद आन्दोलन प्रारम्भ किया और नये नेताओं को धार्मिक प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से देवबंद में एक विद्यालय भी स्थापित किया।

39. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का जन्म किस वर्ष हुआ था?

(1) 1757 (2) 1775 (3) 1857 (4) 1885

उत्तर – (4)

व्याख्या – भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना 28 दिसम्बर, 1885 को बम्बई स्थित गोकुलदास तेजपाल संस्कृत विद्यालय में आयोजित एक सभा में किया गया। इसमें कुल 72 व्यक्ति उपस्थित थे जिसमें एक तिहाई पत्रकार थे। व्योमेश चन्द्र बनर्जी इसके प्रथम अध्यक्ष थे।

40. असहयोग आंदोलन की असफलता के बाद किसके नेतृत्व में कांग्रेसियों ने 'स्वराज दल' नामक एक नयी पार्टी बनायी थी?

(1) महात्मा गाँधी (2) बल्लभभाई पटेल
(3) चितरंजन दास (4) मोतीलाल नेहरू

उत्तर – (3)

व्याख्या – गांधीजी द्वारा असहयोग आंदोलन के दौरान चौरी-चौरा काण्ड का हिंसात्मक रुख देखकर इस आन्दोलन को वापस ले लेने पर इससे क्षुब्ध होकर श्री चितरंजन दास एवं मोतीलाल नेहरू ने स्वराज दल का गठन किया। इनका मुख्य उद्देश्य विधान परिषद चुनाव में भाग लेकर अंग्रेजों के कारनामों को देश को बताना था।

41. ब्रिटिश संसद के लिए चुना जाने वाला पहला भारतीय कौन था?

(1) केशव चंद्र सेन (2) दादाभाई नौरोजी
(3) न्यायाधीश रानाडे (4) बेहरामजी मल्बारी

उत्तर – (2)

व्याख्या – ब्रिटिश संसद के लिए चुना जाने वाला पहला भारतीय दादाभाई नौरोजी थे। ये पहले ऐसे भारतीय नेता थे जिन्हें उदारवादी दल की ओर से फिंसबरी से ब्रिटिश संसद के लिए चुना गया। इन्होंने अपने लंदन प्रवास (1855-69 ई.) के दौरान अंग्रेजों को भारतीय समस्याओं से अवगत कराने के लिए 'लंदन इंडियन एसोसिएशन' और 'ईस्ट इंडिया एसोसिएशन' की स्थापना की थी।

42. स्वदेशी आंदोलन में एक विशिष्ट भूमिका निभाने वाले कौन थे?

(1) बंगाल के छात्र
(2) किसान
(3) दुकानदार
(4) भारतीय पदाधिकारीगण

उत्तर – (1)

व्याख्या – कर्जन के समय 20 जुलाई, 1905 को बंगाल विभाजन की घोषणा कर दी गई। 7 अगस्त, 1905 से इस विभाजन के विरुद्ध आन्दोलन शुरू हो गया। युवक, छात्र और महिलाएं पहली बार सक्रिय राजनीति में आए। छात्रों ने इस आंदोलन में प्रमुख भूमिका निभायी।

43. गाँधी जी के राष्ट्रवाद का मुँह दिन-पर-दिन किनकी ओर मोड़ा था?

(1) कामगारों (2) किसानों
(3) आम जनता (4) जनजातीय लोगों

उत्तर – (3)

व्याख्या – गाँधी जी के शान्ति और अहिंसा के संदेश भारत ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण विश्व के लिए अनुकरणीय थे। गाँधी जी ने सत्याग्रह, असहयोग आन्दोलन तथा भारत छोड़ो आन्दोलन के जरिए सम्पूर्ण भारतीयों के मस्तिष्क को जागृत कर दिया और राष्ट्रवाद के वास्तविक प्रयोग के लिए आम जनता की ओर मुखर हुए।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

44. किसे 'देशबंधु' के नाम से जाना जाता है?

(1) आचार्य नरेन्द्र देव (2) राजेन्द्र प्रसाद
(3) चितरंजन दास (4) जी. एस. खार्पोडे

उत्तर – (3)

व्याख्या – चितरंजन दास 'देशबंधु' के नाम से जाने जाते थे। असहयोग आन्दोलन के अग्रणी नेता चितरंजन दास 1922 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रधान बने। इन्होंने स्वराज दल का गठन किया।

45. भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को कब फांसी दी गई थी?

(1) अप्रैल 1929 (2) अप्रैल 1930
(3) मार्च 1931 (4) फरवरी 1933

उत्तर – (3)

व्याख्या – केन्द्रीय विधानसभा में बम फेंकने के आरोप में पकड़े गये भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को साण्डर्स हत्याकाण्ड और लाहौर षड्यंत्र काण्ड के आधार पर 23 मार्च, 1931 ई. को फाँसी दे दी गई थी।

46. बाल गंगाधर तिलक ने किस अंग्रेजी समाचार-पत्र का सम्पादन किया था?

(1) मराठा (2) दी बॉम्बे क्रोनिकल
(3) यंग इण्डिया (4) केसरी

उत्तर – (1)

व्याख्या – अपने विचारों के प्रसार के लिए बाल गंगाधर तिलक ने 'दि मराठा' नाम से अंग्रेजी समाचार पत्र का सम्पादन किया था। इन्होंने मराठी में 'केसरी' नाम से भी समाचार पत्र का सम्पादन 2 जनवरी, 1881 में किया। तिलक ने अपने पत्र के माध्यम से आम जनता में स्वराज्य की लहर दौड़ा दी।

47. मुस्लिम लीग ने पहली बार पाकिस्तान की माँग कब की थी?

(1) 1939 (2) 1940 (3) 1937 (4) 1942

उत्तर – (2)

व्याख्या – नवम्बर 1939 ई. में जब कांग्रेस मंत्रिमण्डलों ने अपने पदों से त्याग-पत्र दिये तो 22 सितम्बर, 1939 ई. को 'मुस्लिम लीग' ने सम्पूर्ण भारत में स्वतंत्रता दिवस मनाया। द्वितीय विश्वयुद्ध आरम्भ होने पर अंग्रेजों ने भारत को यह आश्वासन देना आरम्भ किया कि ब्रिटेन का अंतिम लक्ष्य भारत को स्वतंत्रता प्रदान करना है। ऐसे में 1940 में मुस्लिम लीग ने अपने लाहौर अधिवेशन में पाकिस्तान की माँग प्रस्तुत की।

48. महात्मा गाँधी किस वर्ष सक्रिय रूप से राजनीति में आए?

(1) 1905 (2) 1919 (3) 1929 (4) 1930

उत्तर – (2)

व्याख्या – महात्मा गाँधी 1917 में सक्रिय रूप से राजनीति में तब आए जब बिहार प्रान्त के चम्पारन जिले में नील के किसानों पर हुए अत्याचार के खिलाफ उन्होंने सत्याग्रह प्रारम्भ किया। मार्च 1919 में रौलेट एक्ट के खिलाफ हुआ सत्याग्रह भारत में देशव्यापी संघर्ष छेड़ने का गांधी का पहला प्रयास था।

49. निम्नलिखित घटनाओं में से कौन-सी घटना पहले घटी?

(1) भारत छोड़ो आन्दोलन (2) दांडी यात्रा
(3) असहयोग आन्दोलन (4) चम्पारण सत्याग्रह

उत्तर – (4)

व्याख्या – भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान विभिन्न घटनाएं हुईं। चम्पारण सत्याग्रह 1917 ई. में गाँधी जी के नेतृत्व में हुआ, 1920 ई. में असहयोग आन्दोलन आरम्भ हुआ, 12 मार्च से 6 अप्रैल, 1930 तक दाण्डी मार्च हुआ। 8 अगस्त, 1942 को भारत छोड़ो आन्दोलन प्रारम्भ हुआ।

50. सरदार पटेल इससे जुड़े थे –

(1) बारदोली (2) चम्पारण
(3) चौरी चौरा (4) वर्धा

उत्तर – (1)

व्याख्या – सरदार पटेल बारदोली से जुड़े थे। गुजरात के सूरत जिले के बारदोली ताल्लुके में किसानों ने 1928 ई. में लगान न अदा करने का आंदोलन किया। इस आंदोलन में मेहता बंधुओं का महत्वपूर्ण योगदान था। मेहता ने जनवरी 1928 ई. में पटेल जी को इस आंदोलन हेतु आमंत्रित किया। बारदोली की औरतों ने ही पटेल को 'सरदार' की उपाधि दी।

51. किसने लंदन में आयोजित तीनों गोलमेज सम्मेलनों में भाग लिया था?

(1) एम. अली जिन्ना (2) बी. आर. अम्बेडकर
(3) एम. एन. जोशी (4) जे. एल. नेहरू

उत्तर – (2)

व्याख्या – 12 नवम्बर, 1930 से 19 जनवरी, 1931 तक प्रथम, 7 सितम्बर, 1931 से 1 दिसम्बर, 1931 तक द्वितीय, 17 नवम्बर, 1932 से 24 दिसम्बर, 1932 तक तृतीय गोलमेज सम्मेलन ब्रिटेन में हुआ। डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर ने इन तीनों सम्मेलनों में भाग लिया था।

52. निम्नलिखित में से कौन सामान्यतया 'लोकमान्य' के नाम से जाने जाते थे?

(1) महात्मा गाँधी (2) मोतीलाल नेहरू
(3) बाल गंगाधर तिलक (4) जवाहर लाल नेहरू

उत्तर – (3)

व्याख्या – बाल गंगाधर तिलक 'लोकमान्य' के नाम से जाने जाते हैं। इन्हें 'भारत का बेताज बादशाह' भी कहा जाता है। इन्होंने देशभक्ति की भावना को जागृत किया और कांग्रेस आंदोलन को अधिक विस्तारित बनाया।

53. भारत छोड़ो संकल्प का प्रारूप किसने बनाया था?

(1) आचार्य कृपलानी (2) जे. एल. नेहरू
(3) सरदार पटेल (4) पी. सीतारमैय्या

उत्तर – (2)

व्याख्या – 14 जुलाई, 1942 को वर्धा में आयोजित कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में 'भारत छोड़ो आन्दोलन' का प्रस्ताव पारित किया गया। जिसका प्रारूप पं. जवाहर लाल नेहरू ने बनाया था।

54. गुरु अर्जुन देव को जहाँगीर ने 1605 में किसके कहने पर मृत्युदंड दिया था?

(1) शाहजादा खुसरो (2) चंदु शाह
(3) मान सिंह (4) असफ खान

उत्तर – (2)

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या– गुरु अर्जुनदेव को जहाँगीर ने 1605 ई. में दीवान चंदू शाह के कहने पर मृत्युदण्ड दे दिया था। गुरु अर्जुन देव द्वारा शाहजादा खुसरो को संरक्षण देना उसके लिए घातक बन गया और जहाँगीर का कट्टर दुश्मन बन गया।

55. समाजवाद की संकल्पना किसके द्वारा क्रमबद्धता से विकसित की गई थी?

(1) एडम स्मिथ
(2) रोबर्ट ओवेन
(3) सेंट सिमन
(4) कार्ल मार्क्स

उत्तर – (4)

व्याख्या – समाजवाद की संकल्पना कार्ल मार्क्स द्वारा क्रमबद्धता से विकसित की गई थी। मार्क्स ने सम्पूर्ण विश्व को सर्वहारा और बुर्जुआ दो वर्गों में बांटकर समाजवाद की व्यवस्था की। मार्क्स ने न्यूयॉर्क के 'डेली ट्रिब्यून' (1853 ई.) में छपे अपने लेख में एशिया के समाज विशेषतः भारत और चीन समाजवाद के आधार का उत्तम विश्लेषण किया है।

56. किसने कहा था, ''मानव स्वतंत्र जन्म लेता है, फिर भी वह सभी जगह जंजीर से बंधा होता है''?

(1) मोंटेस्क्यू (2) रूसो
(3) वाल्टेयर 4) मार्क्स

उत्तर – (2)

व्याख्या – रूसो फ्रांसीसी था उसकी प्रसिद्ध कृति 'सामाजिक अनुबन्ध' है। इसमें उसने इस समस्या पर विचार किया कि मनुष्य ने 'प्राकृतिक दशा' से किस तरह निकल कर 'सभ्य समाज' का निर्माण किया है। उसका कथन था कि ''मनुष्य जन्म से स्वतंत्र है, परन्तु वह सर्वत्र जंजीरों से जकड़ा है।''

57. नाजियों द्वारा किस पुस्तक को अपना बाइबिल माना गया था?

(1) दास कैपिटल
(2) वार एण्ड पीस
(3) मीन कैम्फ
(4) कम्युनिस्ट मेनिफेस्टो

उत्तर – (3)

व्याख्या – हिटलर के नेतृत्व में नाजियों का उदय 1920 से 1930 ई. के बीच यूरोप में हुआ। हिटलर ने 'मीनकैम्फ' नामक पुस्तक की रचना की। जिसमें उसकी विदेश नीति की झलक मिलती है। इसी पुस्तक को नाजियों द्वारा बाइबिल माना गया था।

58. द्वितीय विश्व युद्ध के बाद एशिया में वह कौन पहला देश था जिसने अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की?

(1) भारत
(2) बर्मा
(3) इण्डोनेशिया
(4) श्रीलंका

उत्तर – (1)

व्याख्या – 1947 में भारत की स्वतंत्रता की घोषणा अंग्रेजों द्वारा की गई। 1948 में बर्मा तथा श्रीलंका के स्वतंत्रता की घोषणा की गई। 1950 में इंडोनेशिया के स्वतंत्रता की घोषणा डचों द्वारा की गई।

59. 'ऑपरेशन विजया' किसे मुक्त कराने के लिए प्रारम्भ किया गया था?

(1) पांडिचेरी
(2) जम्मू और कश्मीर
(3) अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
(4) गोआ

उत्तर – (4)

व्याख्या – 17 दिसम्बर, 1961 में गोवा संग्राम की उग्रता को देखते हुए भारत सरकार ने सैनिक कार्यवाही द्वारा गोवा, दमन एवं दीव पर अधिकार कर लिया।

60. भारत और चीन के बीच की लड़ाई किस काल में लड़ी गई थी?

(1) 1959 (2) 1962 (3) 1964 (4) 1967

उत्तर – (2)

व्याख्या – 8 सितम्बर, 1962 को चीन द्वारा नेफा (अरुणाचल प्रदेश) स्थित बॉर्डर लाइन मैकमोहन रेखा का अतिक्रमण कर लिया गया तथा 20 अक्टूबर, 1962 ई. को लद्दाख से लेकर नेफा तक चीनी सेना ने आक्रमण कर दिया।

61. सूर्य मंदिर कहाँ है?

(1) पुरी (2) अजमेर
(3) कोणार्क (4) खजुराहो

उत्तर – (3)

व्याख्या – सूर्य देवता को समर्पित कोणार्क का यह मंदिर सामान्यतः 'काले पैगोडा' के नाम से विख्यात है। तेरहवीं सदी के गंगवश के नरेश नरसिंह देव प्रथम (1238-1264 ई.) को मंदिर के निर्माण का श्रेय दिया जाता है। यह मंदिर 875 फुट लम्बे और 540 फुट चौड़े प्रांगण में बनवाया गया है।

62. झूमर नृत्य के लिए कौन-सा प्रान्त लोकप्रिय है?

(1) नागालैण्ड
(2) छत्तीसगढ़
(3) छोटा नागपुर
(4) महाराष्ट्र

उत्तर – (3)

व्याख्या – घूमर राजस्थान का अत्यंत लोकप्रिय नृत्य है। यह केवल स्त्रियों का लोकनृत्य है जबकि छोटा नागपुर में सीका, झूमर तथा पैका नृत्य किया जाता है। इस क्षेत्र में वर्षा के पूर्व और उसकी समाप्ति पर जातरा नृत्य किया जाता है।

63. गिर राष्ट्रीय उद्यान यहाँ है?

(1) गुजरात
(2) राजस्थान
(3) महाराष्ट्र
(4) तमिलनाडु

उत्तर – (1)

व्याख्या – राष्ट्रीय उद्यान जूनागढ़ (गुजरात) में स्थित है। यह उद्यान एशियाई सिंह तथा जंगली गधों के लिए प्रसिद्ध है। राजस्थान में केवलादेव घाना राष्ट्रीय उद्यान है। यह उद्यान सबसे बड़ा पक्षी उद्यान, जाड़े में साइबेरियन क्रेनों के लिए प्रसिद्ध है।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT) चयन परीक्षा, 2003

सामाजिक विज्ञान

इतिहास

(विश्लेषण सहित व्याख्या)

1. हड़प्पा संस्कृति से जुड़ा स्थल 'रंगपुर' किस नदी के तट पर स्थित है?

(1) सिन्ध (2) झेलम
(3) भादर (4) दस्त

उत्तर – (3)

व्याख्या – हड़प्पा संस्कृति से जुड़ा स्थल रंगपुर भादर नदी के तट पर स्थित है जो गुजरात प्रांत के अहमदाबाद जिले में स्थित है। इसकी खोज माधव स्वरूप वत्स ने 1931 में एवं एस. आर. राव ने 1953 में की थी। इस स्थल से सैन्धव संस्कृति के उत्तरावस्था का दर्शन होता है।

2. वैदिक युग की सर्वाधिक प्राचीन संस्था कौन सी थी?

(1) परिषद (2) सभा
(3) समिति (4) विद्थ

उत्तर – (4)

व्याख्या – 'विद्थ' वैदिक कालीन प्राचीन संस्था थी। वैदिक काल में राजा की निरंकुशता पर नियंत्रण सभा एवं समिति के माध्यम से किया जाता था। अथर्ववेद में सभा एवं समिति को "प्रजापति की दो पुत्रियाँ" कहा गया है। उत्तर वैदिक काल में सभा एवं समिति के अधिकारों में जहाँ एक तरफ वृद्धि होती है, वहीं 'विद्थ' का लोप होने लगता है।

वैदिक कालीन संस्था-

सभा- इसमें उच्च कुलीन लोग भाग लेते थे। यह उच्च सदन की भाँति कार्य करता था।

समिति- जनसाधारण लोगों की संस्था थी। यह निम्न सदन की भाँति कार्य करता था।

विद्थ- इसकी उत्पत्ति 'विद्' (जानना) शब्द से हुई है। यह विद्वानों की परिषद् थी। इसमें धार्मिक एवं दार्शनिक प्रश्नों पर चर्चा होती थी। इसमें स्त्री एवं पुरुष दोनों भाग लेते थे।

3. भारतीय संस्कृति की आधारशिला क्या है?

(1) मानव-कल्याण (2) गाय
(3) गंगा (4) ऋग्वेद

उत्तर – (4)

व्याख्या – ऋग्वेद को भारतीय संस्कृति की आधारशिला कहा जाता है क्योंकि इसमें भारत की प्राचीन सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक तथा राजनीतिक स्थिति का विशद वर्णन मिलता है जबकि सरस्वती को पवित्र नदी माना गया है। ऋग्वेद के नदीसूक्त में प्रथम नदी गंगा तथा अंतिम नदी गोमती सहित 21 नदियों का उल्लेख है। जिसमें से गंगा का नाम एक बार आता है।

4. खरोष्ठी लिपि का उद्भव किस काल में हुआ?

(1) पूर्व वैदिक काल (2) उत्तर वैदिक काल
(3) जैन काल (4) बुद्ध काल

उत्तर – (4)

व्याख्या– खरोष्ठी लिपि का उद्भव बुद्ध काल में ईरानी लिपि से हुआ था। ईरानी शासकों की कालावधि 5वीं सदी ईसा पूर्व की है। अतएव ईरानी शासक बुद्ध के समकालीन थे। इस लिपि का सर्वप्रथम प्रयोग भारत में अशोक के शाहबाजगढ़ी तथा मानसेहरा (पाकिस्तान) अभिलेखों में दिखाई पड़ता है।

5. भागवत धर्म का निम्न में से कौन दार्शनिक सम्प्रदाय था?

(1) सांख्य (2) अद्वैतवाद
(3) मीमांसा (4) विशिष्टाद्वैत

उत्तर – (4)

व्याख्या – भागवत धर्म का दार्शनिक सम्प्रदाय विशिष्टाद्वैत था। भागवत धर्म को वैष्णव धर्म भी कहा जाता है। रामानुज वैष्णव सम्प्रदाय के संस्थापक थे, जिसका मत विशिष्टाद्वैत था, के आचार्य थे।

6. अद्वैतवाद की अनुभूति किस काल में हुई थी?

(1) ऋग्वैदिक काल (2) उत्तर वैदिक काल
(3) शंकराचार्य के समय (4) स्वामी दयानन्द के समय

उत्तर – (2)

व्याख्या – अद्वैतवाद की अनुभूति उत्तर वैदिक काल के अंतिम चरण में उपनिषदों में निहित दार्शनिक विचारों से स्पष्ट होता है। चारों वेदों के अलग-अलग उपनिषद् है। उपनिषद् को 'वेदांग' कहा जाता है। इसमें 'आत्मा' तथा 'ब्रह्म' के बारे में स्पष्ट व्याख्या प्राप्त होता है। छान्दोग्य उपनिषद् में आत्मा तथा ब्रह्म के 'अद्वैतवादी चिंतन' का विस्तार से वर्णन है। कालान्तर में शंकराचार्य ने 10 उपनिषदों पर भाष्य लिखकर 'अद्वैतवाद' सिद्धान्त दिया तथा मुगल काल में दारा शिकोह ने 'सिर-ए-अकबर' के नाम से फारसी भाषा में अनुवाद किया।

7. 'बृहतसंहिता' की रचना किसने की थी?

(1) कालिदास (2) कल्हण
(3) आर्यभट्ट (4) वराहमिहिर

उत्तर – (4)

व्याख्या – 'बृहतसंहिता' वराहमिहिर का प्रसिद्ध ज्योतिष ग्रंथ है। इसमें 107 अध्याय है। इसमें खगोलशास्त्र, ग्रहों की गति, ग्रहण, वर्षा, बादल, वास्तुशास्त्र, फसलों की वृद्धि के उपाय, इत्रनिर्माण, लग्न, रत्न, मोती आदि का विस्तार से उल्लेख मिलता है। वराहमिहिर फलित ज्योतिष के विद्वान थे तथा चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य के नौ रत्नों में से एक थे। उनके द्वारा रचित 'सूर्यसिद्धान्त' में बताया है कि सूर्य, चन्द्रमा आदि ग्रह समान वेग से परिभ्रमण नहीं करते हैं किन्तु गणित की सुविधा के लिए सभी की गति समान मान की गयी है। वराहमिहिर ने ही सर्वप्रथम बताया कि सभी वस्तुएँ अज्ञात बल के कारण पृथ्वी की ओर आकर्षित होती हैं।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

आर्यभट्ट प्रथम खगोलशास्त्री एवं गणितज्ञ थे, जिन्होंने बताया कि पृथ्वी गोल है तथा अपने अक्ष पर घूमती है, जिनसे दिन व रात होते हैं। आर्यभट्ट, वराहमिहिर के गुरु थे।

8. जैन धर्म का ईश्वर के प्रति क्या विचार था?

(1) ईश्वर में विश्वास (2) ईश्वर में अविश्वास
(3) तीर्थंकरों में विश्वास (4) देवी देवताओं में विश्वास

उत्तर – (2)

व्याख्या – जैन धर्म ईश्वर की अवधारणा में अविश्वास करता है। छठीं शताब्दी ई. पूर्व में उदित बौद्ध एवं जैन आचार्यों में महावीर स्वामी का नाम एक नास्तिक विचारक के रूप में प्रतिष्ठित है। वे जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर थे। महावीर की अवधारणा कर्मवाद एवं पुनर्जन्मवाद में कूट-कूट कर भरी थी किन्तु ईश्वर के अस्तित्व में उनका कोई विश्वास न था। महावीर के अनुसार जीवन का चरम लक्ष्य कैवल्य की प्राप्ति ही है।

9. 'अर्थशास्त्र' ग्रन्थ की विषय-वस्तु क्या है?

(1) धार्मिक ग्रन्थ (2) आर्थिक-धार्मिक ग्रन्थ
(3) सामाजिक ग्रन्थ (4) राज्य एवं शासन नीति ग्रन्थ

उत्तर – (4)

व्याख्या – राज्य एवं शासन नीति, कौटिल्य प्रणीत अर्थशास्त्र का प्रतिपाद्य विषय है। कौटिल्य के अन्य नाम चाणक्य एवं विष्णुगुप्त है। वह चंद्रगुप्त मौर्य के प्रधानमंत्री एवं प्रधान पुरोहित पद पर नियुक्त थे। इस ग्रंथ में पंद्रह अधिकरण एवं एक सौ अस्सी प्रकरण है। इसे प्रकाश में लाने का श्रेय शामशास्त्री नामक विद्वान को जाता है।

10. कवि बाण किस स्थान का रहने वाला था?

(1) पटना (2) हजारीबाग
(3) शाहाबाद (4) चम्पारन

उत्तर – (3)

व्याख्या – महाकवि बाणभट्ट शाहाबाद के रहने वाले थे। इसकी जानकारी हमें इनके द्वारा प्रणीत ग्रंथ हर्षचरित से प्राप्त होती है जो कुल आठ उच्छ्वासों में विभक्त है। प्रथम तीन उच्छवास् में बाणभट्ट ने अपनी आत्मकथा लिपिबद्ध की है। द्वितीय उच्छ्वास में उन्होंने शाहाबाद के प्रीतिकूट नामक गाँव का रहने वाला बताया है।

11. यूनानी ग्रन्थ में चन्द्रगुप्त मौर्य को क्या कहा गया है?

(1) आमित्रोचेड्स (2) अग्रमीज
(3) सैण्डोकोट्टस (4) अमित्रघात

उत्तर – (3)

व्याख्या – यूनानी ग्रंथ में चंद्रगुप्त मौर्य को सैण्डोकोट्टस (सेण्ड्रोकोट्स) कहा गया है। यूनानी लेखकों में स्ट्रेबो, प्लूटार्क एवं जस्टिन आदि ने मौर्यवंशी सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य को उक्त नाम से सम्बोधित किया है। इस नाम की सर्वप्रथम पहचान ब्रिटिश इतिहासकार सर विलियम जोंस ने चंद्रगुप्त मौर्य से की। फिलार्कस ने चन्द्रगुप्त मौर्य को 'सेण्डोकोप्ट्स' कहा है।

12. अर्थशास्त्र में उल्लिखित 'सीताध्यक्ष' किस विभाग के अध्यक्ष थे?

(1) कर (2) कृषि (3) राजस्व (4) नौसेना

उत्तर – (2)

व्याख्या – कौटिल्य के अर्थशास्त्र में अनेक प्रकार की भूमियों का उल्लेख है। राजकीय भूमि से होने वाली आय को 'सीता' कहा जाता था जबकि राजकीय भूमि की व्यवस्था करने वाला प्रधान अधिकारी 'सीताध्यक्ष' कहलाता था और ऐसी भूमियों पर दासों, कैदियों तथा कर्मचारियों द्वारा कृषि कराई जाती थी।

13. गुप्त वंश के शासन काल में कौन-सा स्थान कला का प्रमुख केंद्र था?

(1) सारनाथ (2) अमरावती
(3) एलोरा (4) सांची

उत्तर – (1)

व्याख्या – गुप्तवंश के शासन काल में सारनाथ कला का प्रमुख केंद्र था। उक्त स्थल स्तूप निर्माण एवं मूर्ति निर्माण कला हेतु विशेष प्रसिद्ध था। यहाँ का धमेख स्तूप एवं बुद्ध से संबंधित विभिन्न मुद्राओं में निर्मित मूर्तियाँ मूर्तिकला का विशेष उदाहरण प्रस्तुत करती है। धमेख का स्तूप 128 फुट ऊँचा है। बुद्ध की मूर्तियाँ विभिन्न मुद्राओं में आकर्षक बनायी गयी है।

14. चन्द्रगुप्त मौर्य अपने जीवन के अंतिम वर्षों में एक जैन साधु के साथ दक्षिण भारत चला गया था। उस साधु (जैन मुनि) का नाम था –

(1) हरिभद्र (2) भद्रबाहु
(3) स्थूलबाहु (4) हेमचन्द्र

उत्तर – (2)

व्याख्या – चंद्रगुप्त मौर्य अपने जीवन के अंतिम समय में भद्रबाहु नामक जैन साधु के साथ दक्षिण भारत चला गया था। श्रवणबेलगोला नामक स्थल पर 298 ई. पूर्व के लगभग उसने (चंद्रगुप्त मौर्य) जैन विधि सल्लेखना अर्थात् उपवास पद्धति द्वारा शरीर त्याग दिया।

15. नालन्दा विश्वविद्यालय का अंत हुआ क्योंकि –

(1) राज्य संरक्षण नहीं दिया गया
(2) वहाँ विद्वान उदासीन रहे
(3) भारत में बौद्ध धर्म विलीन हो गया
(4) विद्वान आपस में अर्थहीन वाद विवादों में उलझे रहे

उत्तर – (1)

व्याख्या – नालंदा विश्वविद्यालय का अंत उचित राज्य संरक्षण के अभाव में होने के कारण हुआ। ह्वेनसांग के अनुसार यह एक अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त अध्ययन केंद्र था। हर्ष के काल में सौ गांवों के दान द्वारा इसका खर्च चलता था। शुरू में पालों ने भी संरक्षण दिया किंतु बाद में इसके स्थान पर विक्रमशिला विश्वविद्यालय को राजकीय संरक्षण देना प्रारंभ कर दिया, फलतः इसका महत्व घटने लगा, सही अर्थों में कहा जाय तो राजकीय संरक्षण के अभाव में एवं विदेशी आक्रांताओं के आक्रमण के कारण ही इस विश्वविद्यालय का इतिश्री हो गया।

16. चोलवंश के शासकों की महानता किस कार्य पर आधारित थी?

(1) कलाकृतियों पर (2) श्रेष्ठ शासन व्यवस्था
(3) सार्वजनिक निर्माण (4) सैन्य व्यवस्था

उत्तर – (2)

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या – श्रेष्ठ शासन प्रणाली चोल वंश के शासकों की महानतम् उपलब्धि थी। उत्कृष्ट केंद्रीय प्रशासन के अतिरिक्त चोलों ने असाधारण शक्ति एवं क्षमता से युक्त स्थानीय स्वायत्तशासी ग्रामीण संस्थाओं का निर्माण किया। परान्तक प्रथम के लेखों में उर, सभा या महासभा एवं नगरम् नामक संस्थाओं का विवरण प्राप्त होता है।

17. अलाउद्दीन खिलजी ने किस हिन्दू शासक को 'रायरायन' की उपाधि दी?

(1) प्रताप रुद्रदेव (2) रामचन्द्र देव
(3) वीर बल्लाल (4) सुन्दर पाण्ड्या

उत्तर – (2)

व्याख्या – अलाउद्दीन खिलजी ने देवगिरि के शासक रामचंद्र देव को रायरायन की पदवी दी और चंदोवा (स्वर्ण छत्र) देकर उसे सम्मानित भी किया। बाद में उसे एक लाख सोने के टंके के साथ-साथ नवसारी का जिला भी प्रदान कर दिया।

18. सुल्तान कुतुबुद्दीन ऐबक की राजधानी थी –

(1) लाहौर (2) दिल्ली
(3) अजमेर (4) लखनौती

उत्तर – (1)

व्याख्या – 1206 ई. में मुहम्मद गोरी की मृत्यु के कारण कुतुबुद्दीन ऐबक ने लाहौर में स्थानीय नागरिकों के अनुरोध पर सत्ता ग्रहण की। ताजुद्दीन यल्दौज तथा नासिरुद्दीन कुबाचा जैसे विरोधियों की तरफ से खतरा होने के कारण वह हमेशा लाहौर में ही रहा वही उसकी राजधानी बन गई थी। यद्यपि कुतुबुद्दीन ऐबक को भारत में तुर्की राज्य का संस्थापक माना जाता है। इल्तुतमिश ने कुतुबुद्दीन ऐबक की मृत्यु के बाद राजधानी को लाहौर से दिल्ली लाया।

19. निम्नलिखित में से किस सुल्तान ने सर्वप्रथम ब्राह्मणों से 'जजिया' कर वसूल किया?

(1) बलबन (2) अलाउद्दीन खिलजी
(3) गयासुद्दीन खिलजी (4) फिरोज शाह

उत्तर – (4)

व्याख्या – फिरोजशाह तुगलक (1351-1388 ई.) ने सर्वप्रथम ब्राह्मणों से जजिया कर वसूल किया। उसने मज़हबी धर्मनिष्ठा प्रदर्शित करने के लिए एवं उलेमाओं को संतुष्ट करने के लिए ब्राह्मणों पर यह कर लगाया था।

20. हुमायूँ ने 1555 में दिल्ली पर फिर से अधिकार प्राप्त किया –

(1) इस्लामशाह को हराकर (2) मुहम्मद आदिलशाह को हराकर
(3) इब्राहिमशाह को हराकर (4) सिकन्दरशाह को हराकर

उत्तर – (4)

व्याख्या – हुमायूँ ने 1555 में सिकंदरशाह को पराजित कर दिल्ली पर पुनः अधिकार प्राप्त कर लिया था। यह युद्ध 22 जून, 1555 ई. को मुगलों एवं अफगानों के बीच सरहिन्द नामक स्थान पर हुआ। इसमें अफगानों की बुरी तरह हार हुई और हुमायूँ को दिल्ली और आगरा का ताज पुनः प्राप्त हुआ।

21. दिल्ली के लाल किला का निर्माण किसने कराया?

(1) अकबर (2) जहाँगीर
(3) शाहजहाँ (4) औरंगजेब

उत्तर – (3)

व्याख्या – दिल्ली के लाल किले का निर्माण मुगल सम्राट शाहजहाँ ने कराया था। इस किले का निर्माण 1639 में शाहजहाँनाबाद नगर की स्थापना के उपरान्त करवाया। इसमें दीवाने आम, दीवाने खास एवं रंगमहल विशेष प्रसिद्ध इमारतें हैं।

22. किसके शासनकाल में मेवाड़ राज्य ने मुगलों की सम्प्रभुता को स्वीकार किया?

(1) अकबर (2) जहाँगीर
(3) शाहजहाँ (4) औरंगजेब

उत्तर – (2)

व्याख्या – जहाँगीर के शासन काल में मेवाड़ राज्य ने मुगलों की सम्प्रभुता को स्वीकार किया था। ध्यातव्य हो कि मुगल सम्राट अकबर अपने जीवनकाल में मेवाड़ पर अधिकार कर सकने में समर्थ नहीं हुआ था। अतः अपने पिता की इच्छा पूरी करने के लिए जहाँगीर ने 1606 से लेकर 1614 तक अनेक अभियान किये। अंततः 1615 में खुर्रम के अधीन मुगल सेना को विजयश्री मिली। राणा अमर सिंह और खुर्रम के बीच संधि हुई।

23. जहाँगीर ने किस गुरु को खुसरो की सहायता करने के आरोप में मृत्यु दण्ड दिया?

(1) गुरु तेगबहादुर (2) गुरु हरगोविन्द
(3) गुरु अर्जुन देव (4) गुरु गोविन्द सिंह

उत्तर – (3)

व्याख्या – जहाँगीर ने गुरु अर्जुनदेव को खुसरो की सहायता करने के आरोप में मृत्युदण्ड दिया था। अर्जुन देव पर यह अपराध सिद्ध होने के पश्चात् दो या ढ़ाई लाख रुपये का जुर्माना किया गया था। जिसे अदा न करने के कारण उन्हें मृत्युदण्ड दिया गया। जहाँगीर का यह कार्य बुद्धिमत्तापूर्ण नहीं था। इसी घटना के उपरांत सिख मुगलों के प्रबल शत्रु हो गये।

24. किस मुगल सम्राट का राज्याभिषेक दो बार किया गया –

(1) हुमायूँ (2) जहाँगीर
(3) शाहजहाँ (4) औरंगजेब

उत्तर – (4)

व्याख्या – औरंगजेब का राज्याभिषेक दो बार किया गया। पहला सामूगढ़ की विजय एवं आगरा को अपने अधिकार में कर लेने के बाद 21 जुलाई, 1658 को दिल्ली में प्रथम राज्याभिषेक और दूसरा शाहशुजा और दाराशिकोह को अंतिम रूप से परास्त करने के उपरांत 15 जून, 1659 को हुआ। प्रथम राज्याभिषेक के समय उसने 'अबुल मुजफ्फर आलमगीर' की उपाधि धारण की एवं द्वितीय राज्याभिषेक के समय 'अब्दुल मुजफ्फर मुहीउद्दीन मुहम्मद औरंगजेब बहादुर आलमगीर पादशाह गाजी' की उपाधि धारण की।

25. जयसिंह को राणा की उपाधि किस मुगल सम्राट ने दी?

(1) शाहजहाँ (2) औरंगजेब
(3) बहादुरशाह (4) जहाँगीर

उत्तर – (2)

व्याख्या – जयसिंह को राणा की उपाधि मुगल सम्राट औरंगजेब ने दी थी। वह एक कट्टर साम्राज्यवादी शासक था। इसी क्रम में उसका मारवाड़ के साथ-साथ मेवाड़ के जयसिंह से भी युद्ध छिड़ा किन्तु अंततः 1681 में जयसिंह से संधि हुई। जिसके तहत उसने जयसिंह को मेवाड़ का राणा स्वीकार किया तथा शाही सेना में इन्हें पाँच हजार का मनसब दिया गया।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

26. औरंगजेब के समय में किस जाट नेता ने भरतपुर की स्थापना की?

(1) चूरामन (2) राजाराम
(3) गोकला (4) उपर्युक्त में कोई नहीं

उत्तर – (1)

व्याख्या – औरंगजेब के समय जाट नेता चूरामन ने भरतपुर की स्थापना 1700 ई. में की। उसने एक सुदृढ़ दुर्ग का निर्माण कर मुगलों की शक्ति को चुनौती दिया। किन्तु 1721 ई. में जयसिंह द्वितीय द्वारा वह पराजित हुआ। बाद में उसने आत्महत्या कर ली। इसके उपरांत उसके भतीजे बदन सिंह ने जाटों का नेतृत्व संभाला।

27. मुगलकाल में कौन-सी पहली इमारत है जो पूर्णतः संगमरमर से बनी?

(1) हुमायूँ का मकबरा (2) अकबर का मकबरा
(3) शाहजहाँ का मकबरा (4) एतमादुद्दौला का मकबरा

उत्तर – (4)

व्याख्या – एतमादुद्दौला (एतमाद-उद-दौला) का मकबरा मुगलकालीन प्रथम इमारत है जो पूर्णतः संगमरमर से निर्मित है। यह आगरा में स्थित है। इसका निर्माण नूरजहाँ ने 1626 ई. में ईरानी शैली के आधार पर कराया था। इसमें सर्वप्रथम पित्रादूरा का प्रयोग हुआ था।

28. निम्नलिखित में से किस मुगल सेनापति ने शिवाजी को 1665 में पुरन्दर की संधि पर हस्ताक्षर करने के लिए विवश किया?

(1) शाइस्ता खाँ (2) बहादुर खाँ
(3) राजा जयसिंह (4) राजा जसवंत सिंह

उत्तर – (3)

व्याख्या – मुगल सेनापति राजा जयसिंह ने शिवाजी को 1665 ई. में पुरंदर की संधि पर हस्ताक्षर करने के लिए विवश किया। चूँकि राजा जयसिंह औरंगजेब द्वारा नियुक्त दक्षिण का सूबेदार था, शिवाजी के दमन के लिए उसे भेजा गया। उसने शिवाजी को पुरंदर के किले में घेर लिया। फलतः शिवाजी को संधि के लिए विवश होना पड़ा और शिवाजी को 35 किलों में से 23 किले मुगलों को देना पड़ा।

29. निम्नलिखित में से किसने पटना नगर की स्थापना की?

(1) शेरशाह (2) अलाउद्दीन हुसैनशाह
(3) इब्राहिम लोदी (4) अकबर

उत्तर – (1)

व्याख्या – एक प्रसिद्ध भवन निर्माता के रूप में शेरशाह द्वारा निर्मित सासाराम के मकबरे को पूर्वकालीन शैली का पराकाष्ठा तथा नवीन शैली के प्रारम्भ का द्योतक माना जाता है। उसने कन्नौज नगर को बर्बाद करके 'शेरसूर' नामक नगर तथा प्राचीन पाटलिपुत्र में आधुनिक पटना नगर की स्थापना की।

30. निम्नलिखित में से किस दक्षिण मुस्लिम राज्य के अमीरों ने प्रथम बार मराठों को छापामार युद्ध पद्धति के लिए प्रशिक्षित किया?

(1) अहमदनगर के मलिक अम्बर
(2) गोलकुण्डा के मीर जुमला
(3) गोलकुण्डा के मदन्ना
(4) बीजापुर के अफजल खाँ

उत्तर – (1)

व्याख्या – मलिक अम्बर अहमदनगर राज्य का वजीर था। मुगलों के आक्रमण का सामना करने के लिए उसने अपनी सेना में मराठों को भर्ती किया तथा उन्हें छापामार युद्ध नीति (गुरिल्ला युद्ध पद्धति) में प्रशिक्षित किया। इस युद्ध नीति का लाभ बाद में शिवाजी ने उठाया और मराठा साम्राज्य की स्थापना की।

31. निम्नलिखित में से कौन शेरशाह का उत्तराधिकारी हुआ?

(1) इस्लाम शाह (2) फिरोज शाह
(3) मुहम्मद आदिल शाह (4) इब्राहिम शाह

उत्तर – (1)

व्याख्या – शेरशाह की मृत्यु के उपरान्त उसका द्वितीय पुत्र इस्लाम शाह उसका उत्तराधिकारी नियुक्त हुआ। उसने 1545 ई. से 1553 ई. तक शासन किया। वह अमीरों के साथ अपने उग्र स्वभाव के कारण क्रूरता का व्यवहार किया फलतः असंतोष की भावना ने सूर साम्राज्य का पतन प्रारम्भ कर दिया।

32. निम्नलिखित में से किसने सासाराम में शानदार मकबरा बनवाया?

(1) सिकन्दर लोदी (2) इब्राहीम लोदी
(3) शेरशाह (4) इस्लाम शाह

उत्तर – (3)

व्याख्या – शेरशाह ने अपने थोड़े समय के शासन काल में इमारतें बनवाने का भी कार्य किया। उसकी सर्वश्रेष्ठ कृति उसका सहसराम (सासाराम) (बिहार) में स्वयं का मकबरा है। डॉ. कानूनगो ने उसके बारे में लिखा है "बाहर से मुस्लिम और अंदर से हिन्दू"। झील के बीच में एक चबूतरे पर बना हुआ शेरशाह का मकबरा निस्संदेह भारत की श्रेष्ठतम इमारतों में से एक है।

33. निम्नलिखित में से किस गवर्नर जनरल ने पिण्डारियों और पठानों का दमन किया?

(1) लार्ड विलियम बैन्टिक (2) लार्ड एमहर्स्ट
(3) लार्ड डलहौजी (4) लार्ड हेस्टिंग्स

उत्तर – (4)

व्याख्या – लॉर्ड हेस्टिंग्स ने पिण्डारियों और पठानों का दमन किया था। ध्यातव्य हो कि पिण्डारी मूलतः लुटेरों का एक दल था जिसमें हिन्दू और मुसलमान दोनों सम्मिलित थे। इनके बढ़े हुए आतंक को 1824 तक समाप्त किया जा सका।

34. बंगाल प्रेसीडेन्सी से बिहार किस सन् में पृथक् होकर एक अलग प्रान्त बना?

(1) 1930 (2) 1936
(3) 1940 (4) 1943

उत्तर – (2)

व्याख्या – 1911 में ब्रिटिश सरकार द्वारा बंगाल विभाजन को समाप्त करके बंगाली व भारतीय राष्ट्रवाद के बढ़ते प्रभाव को समाप्त करने का प्रयास किया और इसी के साथ उड़ीसा तथा बिहार को एक अलग राज्य बना दिया तथा बाद में 1936 ई. में इन दोनों प्रान्तों को अलग-अलग राज्य बना दिया।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

35. इलाहाबाद प्रयाग में 1857 के विद्रोह का नेतृत्व किसने किया?

(1) बेगम हजरत महल (2) खान बहादुर खाँ
(3) कदम सिंह (4) लियाकत अली

उत्तर – (4)

व्याख्या – इलाहाबाद में 1857 के विद्रोह का नेतृत्व लियाकत अली ने किया था। यह विद्रोह 1857 के जून महीने में प्रारम्भ हुआ था। इस विद्रोह में जिले का सूबेदार लियाकत अली को घोषित किया गया। अपने चरम पर पहुँचे इस विद्रोह को कर्नल नील ने अंततः दबाकर समाप्त कर दिया।

36. निम्न में से कौन-सा कथन 1857 ई. की क्रान्ति की प्रकृति और स्वरूप पर अधिक तर्कसंगत ढंग से प्रकाश डालता है –

(1) यह हिन्दुओं के आक्रोश का शोषण करने के लिए मुसलमानों का षड्यंत्र मात्र था
(2) यह एक राष्ट्रीय स्वतंत्रता के लिए लड़ा गया युद्ध था
(3) ब्रिटिश अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासन और आक्रोश मात्र था, जो भारतीय सैनिकों द्वारा व्यक्त किया गया
(4) यह उदीयमान मध्यम वर्ग द्वारा किया जाने वाला अंतिम प्रयास था, जिससे कि वे पुराने गौरव को प्राप्त कर सके

उत्तर – (2)

व्याख्या – 1857 के विद्रोह के स्वरूप के विषय में भिन्न-भिन्न मत प्रकट किए गए हैं। अंग्रेजी इतिहासकारों ने जो साम्राज्य के पक्षपाती थे इसे केवल सैनिक विद्रोह की संज्ञा दी है जबकि प्रमुख राष्ट्रवादी इतिहासकार वी. डी. सावरकर ने इसे स्वतंत्रता के लिए लड़ा गया युद्ध की संज्ञा दी है।

37. जिस योगदान के लिए लाल, बाल, पाल प्रसिद्ध हैं, वह था–

(1) उदारपंथ (2) सामाजिक एवं धार्मिक सुधार
(3) चरमपंथ (4) स्त्रियों की शिक्षा

उत्तर – (3)

व्याख्या – लाल-बाल-पाल अपने चरमपंथ के लिए प्रसिद्ध हैं। इनके नेतृत्व में उग्रवादी विचारधारा का आविर्भाव हुआ। इस आंदोलन का नेतृत्व बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय, विपिन चंद्र पाल एवं अरविंद घोष ने किया। उदारवादी नेताओं का मंतव्य अंग्रेजी शासन के अंतर्गत औपनिवेशिक शासन की स्थापना थी वहीं उग्रवादी नेताओं की मूलधारणा उनका अंत कर स्वशासन की स्थापना थी।

38. निम्नलिखित क्रान्तिकारियों में से किसने अमेरिका में 'गदर पार्टी' की स्थापना की?

(1) भूपेन्द्रनाथ दत्त (2) सरदार अजीत सिंह
(3) लाला हरदयाल (4) गणेश सावरकर

उत्तर – (3)

व्याख्या – लाला हरदयाल ने नवम्बर 1913 में अमेरिका में गदर पार्टी की स्थापना की। इसकी स्थापना अमेरिका के सैनफ्रांसिस्को में हुई। इसका उद्देश्य भारत से ब्रिटिश शासन को समाप्त करना था। इस पार्टी ने अपने उद्देश्यगत एक 'गदर' नामक पत्रिका का भी प्रकाशन किया।

39. कांग्रेस ने अपने किस अधिवेशन में पूर्ण स्वराज्य का अपना ध्येय घोषित किया?

(1) मद्रास अधिवेशन (1927) (2) कलकत्ता अधिवेशन (1928)
(3) लाहौर अधिवेशन (1929) (4) इलाहाबाद अधिवेशन (1930)

उत्तर – (3)

व्याख्या – काँग्रेस ने 1929 के लाहौर अधिवेशन में पूर्ण स्वराज्य का अपना ध्येय घोषित किया। इस अधिवेशन की अध्यक्षता जवाहर लाल नेहरू ने की थी। आगे चलकर 26 जनवरी, 1930 को पूर्ण स्वतंत्रता दिवस मनाने की घोषणा की गयी।

40. किस आन्दोलन के दौरान मोहनदास करमचन्द गाँधी नामक नए नेता ने राष्ट्रीय आन्दोलन की बागडोर संभाली?

(1) रौलेट सत्याग्रह (2) चम्पारन सत्याग्रह
(3) बार्दोली सत्याग्रह (4) खिलाफत आन्दोलन

उत्तर – (1)

व्याख्या – मोहनदास करमचंद गाँधी ने जब मार्च 1919 में 'रौलेट ऐक्ट' के खिलाफ सत्याग्रह छेड़ा तब उनका यह प्रयास भारत में देशव्यापी संघर्ष छेड़ने का पहला कदम था। इस समय तक उनकी आयु पचास वर्ष हो चुकी थी।

41. आजाद हिन्द फौज का संगठन (स्थापना) कहाँ हुआ?

(1) सिंगापुर (2) बर्मा
(3) थाईलैण्ड (4) जापान

उत्तर – (1)

व्याख्या – आजाद हिंद फौज का गठन सितम्बर 1943 ई. में सिंगापुर में किया गया था। इसका गठन कैप्टन मोहन सिंह ने ज्ञानी प्रीतम और मेजर फूजीहारा के सहयोग से किया था। इस सेना का उद्देश्य भारत के लिए स्वतंत्रता संघर्ष था।

42. बी. डी. सावरकर किससे सम्बन्धित थे?

(1) अनुशीलन समिति (2) युगान्तर पार्टी
(3) गदर पार्टी (4) अभिनव भारत

उत्तर – (4)

व्याख्या– बी. डी. सावरकर अभिनव भारत से संबंधित थे। 1904 में नासिक में उन्होंने इस गुप्त संगठन की स्थापना की थी जिसका प्रमुख उद्देश्य अतिगोपनीय ढंग से ब्रिटिश सत्ता को उखाड़ फेंकना था।

43. निम्नलिखित घटनाओं को कालक्रमानुसार सजाइए –

(1) अनुशीलन समिति (2) युगान्तर पार्टी
(3) गदर पार्टी (4) अभिनव भारत
(1) 1 2 3 4 (2) 2 1 3 4
(3) 4 1 2 3 (4) 1 4 2 3

उत्तर – (4)

व्याख्या – स्वतंत्रता आंदोलन के प्रारम्भिक चरण में हुई क्रांतिकारी गतिविधियों में निम्नलिखित संगठनों का उद्भव हुआ – अनुशीलन समिति की स्थापना 24 मार्च, 1902 में, युगान्तर पार्टी का गठन अप्रैल 1906 में तथा अभिनव भारत का उद्भव 1904 में हुआ। लाला हरदयाल के सहयोग से 1913 में गदर पार्टी की स्थापना हुई।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT) चयन परीक्षा, 2001
सामाजिक विज्ञान
इतिहास
(विश्लेषण सहित व्याख्या)

1. सिन्धु सभ्यता के लोग किस देवता की पूजा करते थे?

(1) पशुपति (2) कृष्ण (3) वरुण (4) विष्णु

उत्तर – (1)

व्याख्या – सिन्धु सभ्यता के लोग पशुपति की उपासना करते थे। यद्यपि कि सैन्धव स्थलों पर खुदाई के परिणामस्वरूप हमें मातृदेवी की कई मूर्तियाँ प्राप्त हुई हैं इससे स्पष्ट होता है कि मातृदेवी की उपासना भी उस काल में प्रचलित थी, स्पष्ट है कि मोहनजोदड़ो से प्राप्त एक मुद्रा के ऊपर पद्मासन की स्थिति में विराजमान एक योगी का चित्र प्राप्त होता है। सिर पर एक त्रिशूल जैसा आभूषण है इसके तीन मुख हैं। मार्शल ने इस देवता को रुद्र शिव के नाम से सम्बोधित किया है। जिसे त्रिमुख, माहेश्वर एवं पशुपति आदि नामों से भी संबोधित किया जाता है।

2. निम्नलिखित में से कौन वैदिक देवता नहीं है?

(1) विष्णु (2) कृष्ण
(3) इंद्र (4) ब्रह्मा

उत्तर – (2)

व्याख्या – निर्दिष्ट विकल्पों में विकल्प (2) कृष्ण का वैदिक ग्रंथों में उल्लेख नहीं है। सर्वप्रथम छांदोग्य उपनिषद में कृष्ण की चर्चा आयी है। विष्णु, इंद्र और ब्रह्मा आदि वैदिक देवता हैं।

3. उपनिषदों की विषय-वस्तु है –

(1) दर्शन (2) कर्मकांड
(3) भक्ति (4) उपर्युक्त सभी

उत्तर – (1)

व्याख्या – उपनिषद की विषयवस्तु दर्शन हैं। अर्थात् गुरु के समीप बैठकर ज्ञान दर्शन की जिज्ञासा शांत करना ही उपनिषद है। इसकी रचना उत्तरवैदिक काल में हुई है। इसका प्रतिपाद्य विषय ब्रह्मज्ञान तथा आत्मज्ञान से संबंधित है।

4. 'उत्तर रामचरित' के लेखक थे –

(1) बाल्मीकि (2) तुलसीदास
(3) भवभूति (4) इनमें से कोई नहीं

उत्तर – (3)

व्याख्या – उत्तर रामचरित के लेखक भवभूति थे। कन्नौज के शासक यशोवर्मन के राजसभा को सुशोभित करते थे। आपकी कृतियों में उत्तररामचरित सर्वश्रेष्ठ नाट्य कृति है। मालती माधव एवं महावीर चरित इनकी अन्य महत्वपूर्ण कृतियां हैं।

5. भागवत धर्म के संस्थापक थे –

(1) राम (2) कृष्ण
(3) शंकराचार्य (4) वेदव्यास

उत्तर – (2)

व्याख्या – भागवत धर्म के विषय में प्रारम्भिक जानकारी उपनिषदों से मिलती है। इस धर्म के प्रवर्तक कृष्ण थे जो वृष्णि कबीले के थे और जिनका निवास स्थान मथुरा था। कृष्ण का उल्लेख सर्वप्रथम छांदोग्य उपनिषद् में देवकीपुत्र और घोर अंगिरस के शिष्य के रूप में हुआ है।

6. निम्नलिखित में से किसे 'शाक्य मुनि' के नाम से भी जाना जाता है?

(1) महावीर स्वामी (2) शंकराचार्य
(3) गौतम बुद्ध (4) इनमें से कोई नहीं

उत्तर – (3)

व्याख्या – गौतम बुद्ध को शाक्य कुल में जन्म लेने के कारण शाक्य मुनि के नाम से भी जाना जाता है। इनका जन्म 563 ई. पूर्व में कपिलवस्तु के निकट लुम्बिनी में हुआ था। इनके पिता शुद्धोधन कपिलवस्तु के शाक्य गण के प्रधान थे।

7. हिंदू जैन एवं बौद्ध तीनों ही धर्मों का प्रतिनिधित्व करने वाली गुफा है –

(1) नासिक (2) पीतलखेरा
(3) अजंता (4) एलोरा

उत्तर – (4)

व्याख्या – हिन्दू, जैन एवं बौद्ध तीनों ही धर्मों का प्रतिनिधित्व करने वाली गुफा 'एलोरा की गुफा' है जो महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में स्थित है। यहाँ पहाड़ों को काटकर अनेक गुफाएं निर्मित की गई हैं जो बौद्ध, जैन एवं हिन्दू धर्मों से सम्बद्ध है।

8. बौद्ध धर्म के अंतर्गत् 'माध्यमिक दर्शन' के प्रतिपादक थे –

(1) नागार्जुन (2) अश्वघोष
(3) उपगुप्त (4) धर्मकीर्ति

उत्तर – (1)

व्याख्या – माध्यमिक दर्शन के प्रतिपादक नागार्जुन थे। इनकी प्रसिद्ध कृति 'माध्यमिककारिका' है। इसे सापेक्षवाद के नाम से भी जाना जाता है। इसका मूल सिद्धान्त हैं कि "प्रत्येक वस्तु किसी न किसी कारण से उत्पन्न हुई तथा वह उस निर्भर है।" प्रतीत्यसमुत्पाद को ही नागार्जुन ने शून्यता कहा है।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

9. मौर्यवंश के ठीक बाद किस वंश ने शासन किया?

(1) गुप्त वंश (2) कुषाण वंश
(3) सातवाहन वंश (4) शुंग वंश

उत्तर – (4)

व्याख्या – मौर्य वंश के उपरांत शुंग वंश का शासन स्थापित हुआ। अंतिम मौर्य शासक बृहद्रथ की हत्या कर उसके सेनापति पुष्यमित्र शुंग ने शुंग वंश की स्थापना की। उसने अपने जीवनकाल में दो अश्वमेध यज्ञ किया। बौद्ध साहित्य पुष्यमित्र को विहारों को नष्ट करने के कारण बौद्ध द्रोही बताते हैं।

10. गौतमी पुत्र शातकर्णी किस वंश का शासक था?

(1) शिशुनाग वंश (2) सप्तकर्ण वंश
(3) सातवाहन वंश (4) पुष्यभूति वंश

उत्तर – (3)

व्याख्या – सातवाहन वंश की स्थापना 60 ई. पू. में सिमुक ने की थी। इस वंश के शासकों ने अपनी राजधानी प्रतिष्ठान (वर्तमान में औरंगाबाद) में स्थापित की। इस वंश के प्रमुख शासक - सिमुक, कृष्ण, शातकर्णी प्रथम, गौतमी पुत्र शातकर्णी, वशिष्ठीपुत्र पुलुमावी तथा यज्ञश्री शातकर्णी थे।

11. फाह्यान किसके शासन काल में भारत आया था?

(1) चंद्रगुप्त मौर्य (2) चंद्रगुप्त प्रथम
(3) चंद्रगुप्त द्वितीय (4) समुद्रगुप्त

उत्तर – (3)

व्याख्या – चीनी यात्री फाह्यान गुप्त वंशीय सम्राट चन्द्रगुप्त द्वितीय के शासन काल में भारत आया था। उसका समय 399 से 414 ई. था। उसने अपने यात्रा विवरण में तत्कालीन स्थिति का सुन्दर चित्रण किया है।

12. मौर्य शासन प्रबंध के अंतर्गत राजस्व व्यवस्था की देख-रेख करने वाले अधिकारी का नाम था –

(1) समाहर्ता (2) अर्थाध्यक्ष
(3) सन्निधाता (4) इनमें से कोई नहीं

उत्तर – (1)

व्याख्या – मौर्य शासन के प्रबंध के लिए प्रमुख अधिकारी इस प्रकार थे –
पुरोहित – धर्म एवं दान विभाग का प्रधान
दौवारिक – राजकीय द्वार रक्षक
अन्तर्वंशिक – अंगरक्षक सेना का प्रधान
समाहर्ता – आय का संग्रहकर्ता, राजस्व विभाग का अध्यक्ष
सन्निधाता – राजकीय कोष का अध्यक्ष
प्रशास्ता– राजकीय कागजातों को तथा राजकीय आज्ञाओं को लिपिबद्ध
नागरक – नगर का प्रमुख अधिकारी
अंतपाल – सीमावर्ती दुर्गों का रक्षक

13. अजंता के प्राचीनतम चित्र का काल है –

(1) पहली शताब्दी ई. पू. (2) दूसरी शताब्दी ई. पू.
(3) तीसरी शताब्दी ई. पू. (4) चौथी शताब्दी ई. पू.

उत्तर – (1)

व्याख्या – अजंता के प्राचीनतम चित्र का काल पहली शताब्दी ई. पूर्व है। अजंता में 29 गुफाओं में चित्र निर्मित हैं। ये गुफाएँ महाराष्ट्र प्रांत के औरंगाबाद जिले में स्थित है।

14. सूची-I में दिये गये तीर्थयात्रियों का मिलान सूची-II में दिये गये राजवंशों से कीजिये और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए –

सूची-I	सूची-II
(अ) मेगस्थनीज	(i) पुष्यभूति वंश
(ब) फाह्यान	(ii) मौर्य वंश
(स) ह्वेनसांग	(iii) गुप्त वंश

कूट :

	अ	ब	स
(1)	(i)	(ii)	(iii)
(2)	(iii)	(i)	(ii)
(3)	(ii)	(i)	(iii)
(4)	(ii)	(iii)	(i)

उत्तर – (4)

व्याख्या – सही सुमेल इस प्रकार है –

सूची-I	सूची-II
मेगस्थनीज	मौर्य वंश (चंद्रगुप्त मौर्य के दरबार में)
फाह्यान	गुप्त वंश (चंद्रगुप्त II के दरबार में)
ह्वेनसांग	पुष्यभूति वंश (हर्षवर्धन के शासनकाल में)

15. निम्न में से सत्य कथन को चुनिए –

(1) बुद्ध और महावीर दोनों ही परमात्मा के अस्तित्व में विश्वास करते थे
(2) बुद्ध और महावीर दोनों ही आत्मा के अस्तित्व में विश्वास करते थे
(3) बुद्ध और महावीर दोनों ही पूजा-अर्चना के पक्षधर थे
(4) बुद्ध और महावीर दोनों ही कर्मवाद के समर्थक थे

उत्तर – (4)

व्याख्या – बौद्ध धर्म के संस्थापक गौतम बुद्ध थे। इन्हें 'एशिया का ज्योतिपुंज' कहा जाता है। इनका जन्म 563 ई. पू. में कपिलवस्तु के लुम्बिनी नामक स्थान पर हुआ था। जैन धर्म के 24वें एवं अंतिम तीर्थंकर महावीर स्वामी हुए। इनका जन्म 540 ई. पू. में कुण्डग्राम (वैशाली) में हुआ था। दोनों ही धर्म कर्मवाद में विश्वास रखते हैं।

16. अशोक के चौदह शिलालेख पाए गए थे –

(1) पाटलिपुत्र में (2) गिरनार में
(3) सारनाथ में (4) उज्जैन में

उत्तर – (2)

व्याख्या – अशोक के चौदह शिलालेख गुजरात प्रांत के काठियावाड़ में जूनागढ़ के समीप गिरनार की पहाड़ी में पाए गए थे। 1822 ई. में कर्नल टाड ने इन लेखों का पता लगाया था जो दो भागों में विभाजित है जिनके बीच में ऊपर से नीचे तक एक रेखा खींची हुई है। पहले पांच लेख बायीं ओर सात लेख दायीं ओर उत्कीर्ण किए गये हैं। तीसरा लेख नीचे है जिसके दायीं ओर चौदहवां लेख है।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

17. निम्न में से कौन-सा सम्राट एक कुशल संगीतज्ञ भी था?

(1) चन्द्रगुप्त प्रथम (2) चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य
(3) समुद्रगुप्त (4) अशोक

उत्तर – (3)

व्याख्या – सम्राट समुद्रगुप्त महान संगीतज्ञ था जो वीणावादन का शौकीन था। अपने सिक्कों पर वीणा बजाते हुए भी चित्रित है। प्रयाग प्रशस्ति में कहा गया है कि गांधर्व विद्या में प्रवीणता के कारण उसने इंद्र के आचार्य कश्यप, तुम्बुक, नारद आदि को भी लज्जित कर दिया था।

18. निम्नलिखित राजवंशों को सही काल-क्रम में सजाइए –

(अ) सातवाहन वंश (ब) मौर्य वंश
(स) कुषाण वंश (द) गुप्त वंश
(1) ब → स → अ → द (2) स → ब → द → अ
(3) द → अ → ब → स (4) अ → स → द → ब

उत्तर – (*)

व्याख्या –

मौर्यवंश	–	चन्द्रगुप्त मौर्य	–	322 ई.पू.
सातवाहन वंश	–	सिमुक	–	60 ई.पू.
कुषाण वंश	–	कुजुल कडफिसेस	–	15 ई.
गुप्त वंश	–	श्रीगुप्त	–	275 ई.

19. चोल शासकों का प्रतीक चिन्ह था –

(1) गाय (2) हिरण
(3) हाथी (4) बाघ

उत्तर – (4)

व्याख्या – चोल शासकों का प्रतीक चिन्ह 'बाघ' था। यह तमिलनाडु में पेन्नार तथा वेल्लारु नदियों के बीच स्थित था। चोल वंश का प्राचीनतम उल्लेख कात्यायन ने किया है। इस वंश का महानतम शासक करिकाल था। उसने कावेरीपट्टनम नामक तटीय राजधानी की स्थापना की।

20. आगरा शहर का निर्माण करवाया था –

(1) कुतुबुद्दीन ऐबक ने (2) रजिया सुल्तान ने
(3) सिकंदर लोदी ने (4) शाहजहाँ ने

उत्तर – (3)

व्याख्या – आगरा शहर का निर्माण 1504 ई. में सिकन्दर लोदी ने करवाया था। इस नगर की स्थापना राजपूतों पर नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से उसने किया था। आगरा में ही उसने बादलगढ़ का किला भी निर्मित करवाया था। उसने आगरा को 1506 ई. में अपनी राजधानी घोषित किया।

21. तैमूरलंग ने भारत पर आक्रमण किया था –

(1) 1226 ई. में (2) 1398 ई. में
(3) 1442 ई. में (4) 1526 ई. में

उत्तर – (2)

व्याख्या – तैमूरलंग ने 1398 ई. में भारत पर आक्रमण किया था। उस समय सुल्तान नासिरुद्दीन महमूद का शासन (1394-1412) था।

22. निम्न में से कौन-सा प्रांत बहमनी राज्य में शामिल नहीं था–

(1) दोआब (2) बीजापुर
(3) अहमदनगर (4) बरार

उत्तर – (1)

व्याख्या – प्रश्नगत विकल्पों में दोआब बहमनी राज्य में शामिल नहीं था क्योंकि दोआब एक महत्वपूर्ण उपजाऊ भू-क्षेत्र था जिस पर अधिकार को लेकर बहमनी और विजयनगर साम्राज्य के बीच निरंतर संघर्ष होते रहते थे और अंततः दोआब पर विजयनगर का नियंत्रण हो गया।

23. 13 वर्ष की अल्पायु में राजगद्दी पर बैठने वाले शासक का नाम था –

(1) समुद्रगुप्त (2) हर्षवर्द्धन
(3) अकबर (4) जहांगीर

उत्तर – (3)

व्याख्या – 13 वर्ष की अल्पायु में राजगद्दी पर बैठने वाले शासक का नाम अकबर था। इसका जन्म अमरकोट के राजा बीरसाल के महल में 15 अक्टूबर, 1542 ई. को हमीदा बानू बेगम के गर्भ से हुआ था। हुमायूँ की मृत्यु के उपरांत बैरम खाँ ने 14 फरवरी, 1556 को अकबर का राज्याभिषेक कर भारत का सम्राट घोषित किया।

24. निम्न में से कौन अकबर के नव-रत्नों में शामिल नहीं था?

(1) बीरबल
(2) रहीम
(3) बैजू बावरा
(4) टोडरमल

उत्तर – (3)

व्याख्या – निर्दिष्ट विकल्पों में प्रसिद्ध संगीतज्ञ बैजू बावरा अकबर के नवरत्नों में नहीं थे। ध्यातव्य हो कि अकबर के नौ रत्नों में मुल्ला दो प्याजा, अबुल फजल, टोडरमल, हकीम हुक्काम, तानसेन, शेख फैजी, अब्दुर्रहीम खानखाना, राजा बीरबल एवं मानसिंह थे।

25. सर टामस रो ने किस मुगल सम्राट से भारत में व्यापार करने की अनुमति प्राप्त की थी?

(1) अकबर से
(2) जहाँगीर से
(3) शाहजहाँ से
(4) औरंगजेब से

उत्तर – (2)

व्याख्या – सर टॉमस रो ने मुगल सम्राट जहाँगीर से भारत में व्यापार करने की अनुमति प्राप्त की थी। 1615 ई. में जेम्स प्रथम ने कम्पनी की तरफ से सर टॉमस रो को मुगल दरबार में भेजा था। विशेष प्रयास के परिणामस्वरूप भड़ौच, सूरत, आगरा, अहमदाबाद तथा मछलीपट्टम में अंग्रेजों द्वारा अपनी कोठियाँ स्थापित की गईं।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

26. किन दो मुगल शासकों के मध्यवर्ती काल में शेरशाह का शासन था?

(1) बाबर एवं हुमायूँ (2) हुमायूँ एवं अकबर
(3) अकबर एवं जहाँगीर (4) इनमें से कोई नहीं

उत्तर – (2)

व्याख्या – हुमायूँ एवं अकबर के मध्यवर्ती काल में शेरशाह का शासन (1540-45 ई.) था जो हुमायूँ के शासनकाल के तुरंत बाद था। अकबर का शासनकाल फरवरी 1556 से शुरू होता है जो शेरशाह के बाद का शासनकाल है। अतः शेरशाह का शासन हुमायूँ और अकबर के बीच हुआ।

27. बाबर एवं राणा सांगा के बीच हुए युद्ध को कहा जाता है –

(1) चंदेरी का युद्ध (2) हल्दी घाटी का युद्ध
(3) खानवा का युद्ध (4) इनमें से कोई नहीं

उत्तर – (3)

व्याख्या – 16 मार्च 1527 ई. को बाबर और मेवाड़ के राजपूत नरेश राणा सांगा के बीच खानवा का युद्ध हुआ। इस युद्ध में बाबर विजयी हुआ। इसी युद्ध में बाबर ने जिहाद (धर्मयुद्ध) का नारा दिया तथा 'गाजी' की उपाधि धारण की।

28. शिवाजी की राजधानी थी –

(1) राजपुर (2) राजगंज
(3) रायगढ़ (4) रायसमंद

उत्तर – (3)

व्याख्या – मराठा साम्राज्य के संस्थापक शिवाजी थे। इनका जन्म 1627 ई. में शिवनेर के दुर्ग (जुन्नार के समीप) में हुआ था। इनके गुरु दादा जी कोंणदेव थे। अपने सैन्य अभियान के अंतर्गत 1647 ई. में शिवाजी ने सर्वप्रथम बीजापुर के तोरण नामक पहाड़ी किले पर अधिकार किया। 1656 ई. में शिवाजी ने रायगढ़ को अपनी राजधानी बनाया।

29. शिवाजी के मंत्रिमण्डल 'अष्टप्रधान' की एक विशेषता थी –

(1) इनके सभी मंत्री ब्राह्मण होते थे
(2) इसके सात मंत्री ब्राह्मण होते थे
(3) इसका सिर्फ एक मंत्री ब्राह्मण होता था
(4) इसमें जातिगत कोई बाध्यता नहीं थी

उत्तर – (2)

व्याख्या – शिवाजी के मंत्रिमण्डल में अष्टप्रधान की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह थी कि इसके सात मंत्री ब्राह्मण होते थे। इस परिषद का प्रत्येक मंत्री अपने विभाग का प्रमुख होता था। जिसकी नियुक्ति शिवाजी द्वारा की जाती थी। न्यायाधीश तथा पंडितराव के अतिरिक्त शेष सभी को आवश्यकता पड़ने पर सेनाओं का नेतृत्व करना पड़ता था। इनमें सेनापति ब्राह्मण नहीं होता था।

30. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना के समय भारत के तत्कालीन वायसराय थे –

(1) लार्ड रिपन (2) लार्ड डफरिन
(3) लार्ड लिटन (4) लार्ड रीडिंग

उत्तर – (2)

व्याख्या – लार्ड डफरिन भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना (1885ई.) के समय वायसराय थे। ध्यातव्य हो कि कांग्रेस की स्थापना का विचार **लार्ड डफरिन** के मस्तिष्क की उपज थी। बाद में उनके सहयोगी ए. ओ. ह्यूम ने इसे मूर्त रूप प्रदान किया।

31. भारत में यूरोपीय व्यापारियों के आगमन का सही क्रम है –

(1) पुर्तगाली → डच → अंग्रेज → फ्रांसीसी
(2) पुर्तगाली → अंग्रेज → डच → फ्रांसीसी
(3) अंग्रेज → डच → पुर्तगाली → फ्रांसीसी
(4) पुर्तगाली → अंग्रेज → फ्रांसीसी → डच

उत्तर – (1)

व्याख्या – भारत में यूरोपीय व्यापारियों के आगमन का सही क्रम क्रमशः पुर्तगाली (1498), डच (1596), अंग्रेज (1599) एवं फ्रांसीसी (1664) है।

32. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना हुई थी –

(1) कलकत्ता में (2) पूना में
(3) बम्बई में (4) अहमदाबाद में

उत्तर – (3)

व्याख्या – भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना दिसम्बर, 1885 में हुई थी। इसकी बैठक बम्बई के गोकुलदास तेजपाल संस्कृत कालेज में हुई थी। इसमें कुल 72 प्रतिनिधियों ने भाग लिया एवं इसकी अध्यक्षता डब्ल्यू. सी. बनर्जी ने किया। इसके संस्थापक ए. ओ. ह्यूम थे।

33. 'यंग इण्डिया' पुस्तक के लेखक थे –

(1) विपिन चंद्र पाल (2) महात्मा गाँधी
(3) अरविंद घोष (4) लाला लाजपत राय

उत्तर – (4)

व्याख्या –

लेखक		पुस्तक
लाला लाजपत राय	–	यंग इंडिया, अनहैप्पी इंडिया
अरविंद घोष	–	द लाइफ डिवाइन, द मदर
महात्मा गाँधी	–	हिंद स्वराज, सत्य के प्रयोग
विपिन चन्द्र पाल	–	द न्यू स्पिरिट, द सोल ऑफ इंडिया

34. 'गदर पार्टी' के संस्थापक थे –

(1) वासुदेव बलवंत फड़के (2) विनय दामोदर सावरकर
(3) लाला हरदयाल (4) भगत सिंह

उत्तर – (3)

व्याख्या – 1 नवम्बर, 1913 ई. में अनेक भारतीयों ने लाला हरदयाल के नेतृत्व में सैन्फ्रांसिस्को (अमेरिका) में गदर पार्टी की स्थापना की। सोहन सिंह भाकना इसके प्रथम अध्यक्ष तथा लाला हरदयाल इसके प्रथम मंत्री एवं काशीराम कोषाध्यक्ष चुने गये थे।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

35. मुस्लिम लीग की स्थापना हुई थी –

(1) 1906 ई. (2) 1916 ई.
(3) 1926 ई. (4) 1936 ई.

उत्तर – (1)

व्याख्या – 30 दिसम्बर, 1906 ई. को ढाका के नवाब सलीमउल्ला खाँ के निमंत्रण पर सम्मेलन हुआ। नवाब वकार-उल-मुल्क इसके अध्यक्ष थे। इसी सम्मेलन में अखिल भारतीय मुस्लिम लीग का उदय हुआ। लीग का संविधान 1907 ई. में कराची के प्रथम अधिवेशन में बना और इस संविधान के अनुसार द्वितीय अधिवेशन 1908 में अमृतसर में हुआ जहाँ सर सैय्यद इमाम को इसका अध्यक्ष बना दिया गया।

36. 'वंदेमातरम्' गीत के रचयिता का नाम है –

(1) रवीन्द्रनाथ टैगोर (2) बंकिम चन्द्र चटर्जी
(3) सरोजनी नायडू (4) इनमें से कोई नहीं

उत्तर – (2)

व्याख्या – वंदेमातरम् गीत के रचयिता बंकिमचंद्र चटर्जी हैं। यह गीत उनके आनन्दमठ नामक ग्रंथ से लिया गया है। 1896 के कांग्रेस अधिवेशन में इसे स्वीकार किया गया था।

37. नील विद्रोह आरम्भ हुआ था –

(1) 1859 ई. में (2) 1871 ई. में
(3) 1886 ई. में (4) 1901 ई. में

उत्तर – (1)

व्याख्या – नील विद्रोह का आरम्भ 1859 ई. में आरम्भ हुआ था। यह आंदोलन बंगाल के नादिया जिले के गोविन्दपुर गांव से शुरू हुआ था। इसका नेतृत्व दिगम्बर एवं विष्णु विश्वास ने किया। इस आंदोलन का उद्देश्य नील उत्पादकों के शोषण के खिलाफ किसानों का खुला संघर्ष था।

38. 'इंडियन एसोसिएशन' के संस्थापक अध्यक्ष थे –

(1) दादा भाई नौरोजी (2) महादेव गोविन्द रानाडे
(3) सुरेन्द्र नाथ बनर्जी (4) मोतीलाल नेहरू

उत्तर – (3)

व्याख्या – इंडियन एसोसिएशन के संस्थापक अध्यक्ष सुरेन्द्रनाथ बनर्जी थे। इसका गठन 26 जुलाई, 1876 में कलकत्ता के अल्बर्ट हॉल में किया गया था। इस संस्था का प्रथम उद्देश्य देश में जनमत हेतु एक शक्तिशाली संस्था का गठन करना था।

39. 'मास्टर दा' के नाम से विख्यात स्वतंत्रता सेनानी का मूल नाम था –

(1) जाति मोहन सेन
(2) सूर्यसेन
(3) रास बिहारी बोस
(4) दीनबंधु मित्र

उत्तर – (2)

व्याख्या – भारत के विख्यात स्वतंत्रता सेनानी मास्टर दा बंगाल के सूर्यसेन को कहा जाता था। इन्होंने बंगाल में इंडियन रिपब्लिक आर्मी की स्थापना की थी। सविनय अवज्ञा आंदोलन में आपकी सक्रिय भूमिका रही। एक विद्यालय में शिक्षक बनने के उपरांत वे 'मास्टर दा' के नाम से विख्यात हुए।

40. जलियांवाला बाग हत्याकाण्ड की जाँच के लिए बनाई गई समिति का नाम था –

(1) साइमन कमीशन (2) हण्टर कमीशन
(3) रेमण्ड कमीशन (4) लिनलिथगो कमीशन

उत्तर – (2)

व्याख्या – जलियांवाला बाग हत्याकाण्ड की जाँच के लिए हण्टर कमीशन गठित किया गया था। इसकी अध्यक्षता लार्ड हण्टर ने की थी। यह आयोग 1919 में गठित किया गया जिसके सदस्य लार्ड हण्टर, मिस्टर जस्टिस रैकिंग, मि. रास सर जॉर्जबैरो, सर टामस स्मिथ, सर चिमन लाल शीतलवाड़, जगत नारायण, साहबजादा सुल्तान अहमद थे।

41. भारत छोड़ो आन्दोलन 1942 ई. के किस महीने में आरम्भ हुआ था?

(1) जनवरी में (2) जुलाई में
(3) अगस्त में (4) दिसम्बर में

उत्तर – (3)

व्याख्या – भारत छोड़ो आन्दोलन 1942 ई. में अगस्त महीने में प्रारम्भ हुआ था। 9 अगस्त, 1942 को शुरू होने वाले इस आंदोलन को अगस्त क्रांति के नाम से भी जाना जाता है। यह ब्रिटिश शासन के विरुद्ध भारत की अंतिम महान लड़ाई थी। जिसने ब्रितानी शासन की नींव को प्रकम्पित कर दिया। इसी आंदोलन में गाँधीजी ने करो या मरो का नारा दिया था।

42. गांधी इरविन समझौता हुआ था –

(1) 1929 ई. में (2) 1931 ई. में
(3) 1933 ई. में (4) 1939 ई. में

उत्तर – (2)

व्याख्या – गाँधी-इरविन समझौता 5 मार्च, 1931 में हुआ था। इस पैक्ट को दिल्ली पैक्ट भी कहा जाता है। इसी समझौते के तहत कांग्रेस द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लेना स्वीकार किया।

43. भारत में सुप्रीम कोर्ट की स्थापना हुई थी –

(1) 1772 ई. में (2) 1773 ई. में
(3) 1774 ई. में (4) 1775 ई. में

उत्तर – (3)

व्याख्या – रेग्यूलेटिंग एक्ट 1773 के तहत् भारत में सुप्रीम कोर्ट की स्थापना 1774 ई. में कलकत्ता में हुई थी। इसमें एक मुख्य तथा तीन अन्य न्यायाधीश थे। प्रथम मुख्य न्यायाधीश के पद पर सर एलिजा इम्पे नियुक्त हुए थे एवं चैम्बर्स, लिमैस्टर एवं हाइड अन्य न्यायाधीश के पद पर नियुक्त हुए थे।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर प्रदेश LT ग्रेड परीक्षा, 2018

इतिहास

व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र

(परीक्षा तिथि : 29 जुलाई, 2018)

1. बिहार में 1857 के विद्रोह के नायक थे–

(a) तात्या टोपे (b) नाना साहेब
(c) मंगल पाण्डे (d) कुँवर सिंह

Ans : (d) 1857 ई. में बिहार के जगदीशपुर में विद्रोह की अगुवाई करने वाले कुँवर सिंह बिहार के आरा जिले से संबंधित थे। 80 वर्ष की अवस्था में उन्होंने अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह का नेतृत्व किया था। उनके अदम्य, शौर्य, वीरता और सेनानायक के आदर्श गुणों के कारण उन्हें 'बिहार का सिंह' माना जाता है। शाहाबाद जिले में अंग्रेजों की सत्ता समाप्त कर कुंवर सिंह ने अपनी सरकार स्थापित की। विभिन्न स्थानों यथा, मिर्जापुर, रीवा, बाँदा, लखनऊ आदि में उन्होंने विद्रोहियों का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया। उनकी अंतिम सफलता थी गृहनगर जगदीशपुर के निकट अंग्रेजों को बुरी तरह पराजित करना। इसी स्थान पर वे बुरी तरह घायल भी हो गये फलस्वरूप 27 अप्रैल 1858 की उनकी मृत्यु हो गई।

2. निम्न घटनाओं पर विचार कीजिए तथा उन्हें काल-क्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए–

1. श्रीरंगपट्टनम की सन्धि
2. सूरत की सन्धि
3. सालबाई की सन्धि
4. वसई (बसीन) की सन्धि

कूट–

(a) 4, 1, 2, 3
(b) 2, 3, 1, 4
(c) 1, 2, 3, 4
(d) 4, 3, 2, 1

Ans : (b) सूरत की सन्धि – 1775 ई.
सालबाई की सन्धि – 1782 ई.
श्रीरंगपट्टनम की सन्धि – 1792 ई.
वसई (बसीन) की सन्धि – 1802 ई.

3. इनमें से किसने भारत में बैपटिस्ट मिशनरियों की गतिविधियों को 'विनाशक' माना?

(a) बेंटिक (b) मैकॉले
(c) वेलेज़ली (d) हेस्टिंग्स

Ans : (c) वेलेजली 1798-1805 ई. तक भारत का गवर्नर जनरल था। इसने भारत में बैपटिस्ट मिशनरियों की गतिविधियों को विनाशक माना था। इसने सहायक सन्धि प्रणाली द्वारा अनेक भारतीय राज्यों को ब्रिटिश साम्राज्य में मिलाया था।

4. कौन-सा मैसूर युद्ध 'मंगलौर की सन्धि' के साथ समाप्त हुआ?

(a) प्रथम (b) तृतीय
(c) चतुर्थ (d) द्वितीय

Ans : (d) द्वितीय आंग्ल मैसूर युद्ध 1780 से 84 ई. तक चला जो 1784 में मंगलौर की संधि से समाप्त हुआ। यह संधि टीपू सुल्तान की उत्कृष्ट कूटनीतिक सफलता थी हालांकि इस संधि से गवर्नर जनरल वॉरेन हेस्टिंग्स असहमत था।

5. डलहौजी के पहले 'विलय का सिद्धान्त' किस राज्य पर लागू किया जा चुका था?

(a) मांडवी (b) कोलाबा और जालौर
(c) सूरत (d) उपर्युक्त सभी

Ans : (d) विलय का सिद्धान्त सर्वप्रथम ईस्ट इण्डिया कंपनी के कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स द्वारा 1834 में प्रयोग किया गया। यद्यपि इसका सर्वाधिक प्रयोग लॉर्ड डलहौजी द्वारा किया गया। सर्वप्रथम कम्पनी द्वारा 1839 ई. में माण्डवी राज्य को इस सिद्धान्त के द्वारा हस्तगत् किया गया। तत्पश्चात् 1840 ई. में कोलाबा तथा जालौर व 1842 ई. में सूरत को कम्पनी द्वारा हस्तगत् किया गया।

6. लंदन में 'ईस्ट इण्डिया एसोसिएशन' की स्थापना की थी–

(a) बाल गंगाधर तिलक ने (b) सुभाष चन्द्र बोस ने
(c) दादाभाई नौरोजी ने (d) राजा राममोहन राय ने

Ans : (c) सन् 1866 ई. में लंदन में दादाभाई नौरोजी द्वारा ईस्ट इण्डिया एसोसिएशन की स्थापना की गई थी। दादाभाई नौरोजी को 'ग्रांड ओल्ड मैन ऑफ इण्डिया' कहा जाता था। इन्होंने रहनुमाई मजद्यासन सभा की भी स्थापना की थी। इन्होंने 'रास्त गोफ्तार' (सत्यवादी पत्रिका) का प्रकाशन किया। 'पॉवर्टी एण्ड अनब्रिटिश रूल इन इण्डिया' नामक पुस्तक लिखी।

7. भारत की जनगणना 1891 में जनगणना आयुक्त थे–

(a) प्लोडन (b) बेन्स
(c) रिज़ले (d) गेट

Ans : (b) भारत की जनगणना 1891 ई. में जरवाइस एथलेस्टेन बेन्स जनगणना आयुक्त थे। भारत में इनके कार्यों के लिए इन्हें नाइट की उपाधि दी गई थी।

8. सूची–I को सूची–II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए।

सूची–I	सूची–II
A. 1854 ई.	1. शिक्षा पर सर चार्ल्स वुड का डिस्पैच
B. 1882 ई.	2. सैड्लर विश्वविद्यालय आयोग
C. 1904 ई.	3. हंटर शिक्षा आयोग
D. 1917 ई.	4. भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(a) A B C D
1 3 4 2
(b) A B C D
1 4 3 2
(c) A B C D
4 2 1 3
(d) A B C D
4 1 2 3

Ans : (a) सही सुमेलन इस प्रकार है-

सूची-I		सूची-II
1854 ई.	–	शिक्षा पर सर चॉर्ल्स वुड का डिस्पैच
1882 ई.	–	हंटर आयोग (शिक्षा से संबंधित)
1904 ई.	–	भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम
1917 ई.	–	सैडलर विश्वविद्यालय आयोग

9. दक्षिणेश्वर सम्बन्धित है–

(a) महर्षि दयानंद से
(b) रवीन्द्र नाथ टैगोर से
(c) रामकृष्ण परमहंस से
(d) अरबिन्दो से

Ans : (c) स्वामी रामकृष्ण परमहंस कलकत्ता में स्थित 'दक्षिणेश्वर काली मंदिर' के पुजारी थे। उनका बचपन का नाम 'गदाधर चट्टोपाध्याय' था। स्वामी विवेकानन्द इनके शिष्य थे। स्वामी रामकृष्ण सभी धर्मों की एकता पर जोर देते थे।

10. इनमें से कौन 'देवबन्द स्कूल' से नहीं जुड़े थे?

(a) शाह अब्दुल अजीज (b) मो. कासिम ननौत्वी
(c) रशीद अहमद गंगोही (d) महमूद-उल-हसन

Ans : (a) देवबन्द स्कूल की स्थापना मुहम्मद कासिम ननौत्वी एवं रशीद अहमद गंगोही द्वारा की गयी थी। इस स्कूल की शुरुआत 1866-1867 ई. में देवबन्द (सहारनपुर) में की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य मुस्लिम सम्प्रदाय के लिए धार्मिक नेता तैयार करना, विद्यालय के पाठ्यक्रमों में अंग्रेजी शिक्षा एवं पश्चिमी संस्कृति को प्रतिबन्धित करना, मुस्लिम सम्प्रदाय का नैतिक एवं धार्मिक पुनरुद्धार करना तथा अंग्रेज सरकार के साथ असहयोग करना था। इस संस्था के नेता महमूद-उल-हसन ने संस्था के धार्मिक विचारों को राजनीतिक, बौद्धिक रंग देने का प्रयास किया। शिबली नूमानी जैसे फारसी एवं अरबी के प्रख्यात विद्वान और लेखक भी देवबन्द स्कूल के समर्थक थे। शाह अब्दुल अजीज देवबन्द स्कूल से नहीं जुड़े थे।

11. भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस के उदारवादी युग में 'भारतीय ग्लैडस्टोन' की उपाधि दी गई–

(a) गोपाल कृष्ण गोखले को
(b) दादाभाई नौरोजी को
(c) मोती लाल नेहरू को
(d) फिरोज शाह मेहता को

Ans : (b) दादाभाई नौरोजी ने पॉवर्टी एण्ड अन-ब्रिटिश रूल इन इंडिया में ब्रिटिश शासन की आर्थिक कुरीतियों का वर्णन किया, उन्हें भारत का ग्लैडस्टोन कहा जाता है। गोखले ने उनके बारे में कहा कि यदि मनुष्यों में कहीं देवत्य है तो वह दादाभाई नौरोजी में है।

12. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए व इंगित कीजिए कि निम्न में से कौन-सा सही सुमेलित नहीं हैं।

	सूची-I (लेखक)	सूची-II (कृति)
(a)	बी.जी. तिलक	गीता रहस्य
(b)	अरबिन्दो घोष	दि आइडियल ऑफ ह्यूमन यूनिटी
(c)	जे. एल. नेहरू	दि यूनिटी ऑफ इण्डिया
(d)	एस.सी. बोस	दि स्प्रिंगिंग टाइगर

Ans : (d)

सूची-I (लेखक)		सूची-II (कृति)
बी.जी तिलक	–	गीता रहस्य
अरबिन्दो घोष	–	दि आइडियल ऑफ ह्यूमन यूनिटी
जे.एल. नेहरू	–	दि यूनिटी ऑफ इण्डिया
ह्यू टोए	–	दि स्प्रिंगिंग टाइगर

13. निम्न में से कौन-सा सही सुमेलित नहीं है?

	(संगठन)	(संस्थापक)
(a)	ऑल इन्डिया किसान सभा	महात्मा गाँधी
(b)	आत्मीय सभा	राजा राममोहन राय
(c)	फॉरवर्ड ब्लॉक	सुभाष चन्द्र बोस
(d)	रामकृष्ण मिशन	विवेकानन्द

Ans : (a)

संगठन		संस्थापक
ऑल इण्डिया किसान सभा	–	स्वामी सहजानंद सरस्वती
आत्मीय सभा	–	राजा राम मोहन राय
फॉरवर्ड ब्लॉक	–	सुभाष चन्द्र बोस
रामकृष्ण मिशन	–	विवेकानन्द

14. महात्मा गाँधी के सम्बन्ध में, निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/ हैं?

i. 1920 ई. में उन्होंने असहयोग आन्दोलन आरम्भ किया।
ii. उन्होंने ग्राम उद्योग संघ प्रारम्भ किया था।

नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए-

कूट :

(a) केवल I (b) केवल II
(c) I और II दोनों (d) न तो I और न ही II

Ans : (c) गाँधी जी द्वारा 1 अगस्त, 1920 को असहयोग आंदोलन की शुरुआत की गई। उनका विचार था कि यदि असहयोग का ठीक ढंग से पालन किया जाए तो भारत एक वर्ष के भीतर स्वराज प्राप्त कर लेगा। उन्होंने जनता से आग्रह किया कि वे स्कूलों, कॉलेजों और न्यायालय में न जाएं तथा कर न चुकाएं। 5 फरवरी, 1922 ई. में चौरी-चौरा की घटना से दुखी होकर 12 फरवरी, 1922 को गांधी जी ने आंदोलन वापस ले लिया। गांधी जी ने 14 सितंबर, 1934 को वर्धा में अखिल भारतीय ग्रामोद्योग संघ की स्थापना की। इस आंदोलन का नेतृत्व करने हेतु कांग्रेस ने स्थायित्व की अर्थव्यवस्था के सिद्धान्त के लिए प्रख्यात डॉ. जोसेफ कार्नेलियस कुमारप्पा का चयन किया। इस संगठन के प्रथम अध्यक्ष श्री कृष्णदास जाजू थे।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

15. सुभाष चन्द्र बोस ने स्वाधीन भारत की अस्थायी सरकार के गठन की घोषणा की थी।

(a) 19 अक्टूबर, 1943 को
(b) 20 अक्टूबर, 1943 को
(c) 21 अक्टूबर, 1943 को
(d) 24 अक्टूबर, 1943 को

Ans : (c) नेता जी सुभाषचन्द्र बोस ने 5 जुलाई, 1943 को सिंगापुर के टाउन हॉल के सामने आजाद हिंद फौज के सुप्रीम कमांडर के रूप में सेना को संबोधित किया तथा दिल्ली चलों का नारा दिया। 21 अक्टूबर, 1943 ई. को उन्होंने भारत की अस्थाई सरकार बनाई जिसे जर्मनी, जापान, फिलीपीन्स, कोरिया, चीन, इटली, मान्चुको और आयरलैण्ड ने मान्यता दी थी। उन्होंने 1944 ई. में रंगून से रेडियो पर गाँधी जी को सर्वप्रथम राष्ट्रपिता कहकर सम्बोधित किया था।

16. 1947 में भारत-विभाजन के बाद किसे संयुक्त रक्षा समिति, जिसे सैनिक कर्मचारियों, हथियारों व युद्ध सामग्रियों के विभाजन की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, का सर्वोच्च सेनापति बनाया गया?

(a) रेडक्लिफ (b) माउन्टबेटन
(c) इस्मे (d) ऑचिनलेक

Ans : (d) 3 जून, 1947 को ब्रिटिश सरकार ने भारतीय उप-महाद्वीप में भारत व पाकिस्तान नाम से दो राज्यों को 15 अगस्त, 1947 को सत्ता हस्तांतरण के योजना की घोषणा की। 30 जून, 1947 ई. को तत्कालीन वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन की अध्यक्षता में मुस्लिम लीग तथा कांग्रेस के नेताओं ने मिलकर विभाजन परिषद द्वारा सशस्त्र बलों के बंटवारे पर सहमति व्यक्त की। फील्ड मार्शल ऑचिनलेक को माउंटबेटन द्वारा संयुक्त रक्षा सुप्रीम कमांडर नियुक्त किया गया था। जिसे सैनिकों, हथियारों तथा युद्ध सामग्रियों के विभाजन की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

17. इनमें से किन्हें भारत के प्राक् - इतिहास के अध्ययन को आरम्भ करने का श्रेय दिया जाता है?

(a) कॉमियाड़े (b) रॉबर्ट ब्रूसफुट
(c) एच.डी. संकालिया (d) डी टेरा

Ans : (b) रॉबर्ट ब्रूसफुट ब्रिटिश भू-गर्भ वैज्ञानिक और पुरातत्ववेत्ता थे। जियोलॉजिकल सर्वे से संबद्ध ब्रूसफुट ने सर्वप्रथम 1863 ई. में भारत में पाषाणकालीन बस्तियों के अन्वेषण की शुरुआत की।

18. हड्डी की मातृदेवी मूर्ति प्राप्त हुई है?

(a) विन्ध्य घाटी के निम्न पूर्वपाषाण काल से
(b) सोन घाटी के मध्य पूर्वपाषाण काल से
(c) बागोर के मध्य पाषाण काल से
(d) विन्ध्य घाटी के उच्च पूर्वपाषाण काल से

Ans : (d) विंध्य घाटी में स्थित बेलन के लोहंदा नाला क्षेत्र में उच्च पूर्व पाषाणकालीन उपकरणों के अतिरिक्त अस्थि निर्मित मातृदेवी की एक प्रतिमा मिली है जो संप्रति कौशाम्बी संग्रहालय में सुरक्षित है। बेलन घाटी की उच्च वर्ग पूर्व पाषाणकालीन संस्कृति का समय ईसा पूर्व 30 हजार से 10 हजार के बीच निर्धारित किया गया है।

19. धौलावीरा के निम्नतम् प्रथम चरण का जमाव किस संस्कृति से सम्बन्धित है?

(a) नवपाषाणिक संस्कृति
(b) प्राक्-हड़प्पा ग्रामीण संस्कृति
(c) विकसित हड़प्पा संस्कृति
(d) उत्तरावर्ती हड़प्पा संस्कृति

Ans : (b) धौलावीरा गुजरात के कच्छ जिले के भचाऊ तालुका में स्थित है। इसकी खोज सर्वप्रथम 1967-68 ई. में जे.पी. जोशी ने की तथा 1990-91 ई. में आर.एस. बिष्ट ने यहां व्यापक पैमाने पर उत्खनन कार्य करवाया। धौलावीरा के निम्नतम् प्रथम चरण की समयावधि 2650 से 2500 ई.पू. मानी जाती है। इस चरण में यहाँ से प्राक्-हड़प्पा संस्कृति के साक्ष्य प्राप्त होते हैं।

20. किस पुरास्थल के दुर्ग में 'सात अग्नि कुण्ड' प्राप्त हुए है?

(a) हड़प्पा (b) मोहनजोदड़ों
(c) लोथल (d) कालीबंगा

Ans : (d) कालीबंगा से सात अग्निकुण्ड का साक्ष्य प्राप्त हुआ है। कालीबंगा वर्तमान में हनुमानगढ़ (राजस्थान) में है। यह घग्घर नदी के बायें किनारे पर स्थित है। 1961 ई. में बी.बी. लाल तथा बी.के. थापर के निर्देशन में यहाँ पर खुदाई हुई।

21. निम्न हड़प्पीय स्थलों में से किनमें चावल की खेती के प्रमाण मिले हैं? नीचे दिए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

I. कालीबंगा
II. लोथल
III. मोहनजोदड़ो
IV. सुरकोटड़ा
कूट–

(a) I और II (b) I और III
(c) II और III (d) III और IV

Ans : (a) हड़प्पा, कालीबंगा, लोथल तथा रंगपुर से चावल का साक्ष्य प्राप्त होता है, जो कि निम्न कोटि का है। 'हुलास' पुरास्थल से धान की खेती का स्पष्ट प्रमाण मिलता है।

22. बूचड़खाना क्षेत्र का साक्ष्य प्राप्त हुआ है-

(a) महदहा से (b) चोपनी माण्डो से
(c) दमदमा से (d) सराय नाहर राय से

Ans : (a) महदहा (पट्टी, प्रतागढ़) मध्यपाषाणकालीन स्थल है, यहाँ से पशुवध स्थल (बूचड़खाना) का साक्ष्य मिला है। महदहा स्थल की खुदाई इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास के भूतपूर्व अध्यक्ष जी.आर. शर्मा तथा उनके सहयोगियों के द्वारा 1978 ई. के बीच की गयी। महदहा से लघु उपकरण के अतिरिक्त आवास एवं शवाधान तथा गर्त चूल्हे और स्त्री-पुरुष को साथ-साथ दफनाये जाने का साक्ष्य मिलता है।

23. हड़प्पा संस्कृति की पूर्वी सीमा थी–

(a) रोपड़ (b) संघोल
(c) आलमगीरपुर (d) राखीगढ़ी

Ans : (c) संपूर्ण सैन्धव सभ्यता का क्षेत्रफल 12 लाख, 99 हजार, 600 सौ वर्ग किलोमीटर था। इसका विस्तार उत्तर में माण्डा, कश्मीर से दक्षिण में दायमाबाद महाराष्ट्र तक तथा पश्चिम में सुत्कागेंडोर से पूर्व में आलमगीरपुर (उ.प्र.) तक था।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

24. ऋग्वेद के किस मण्डल में 'गायत्री मन्त्र' लिखा गया है?

(a) चतुर्थ (b) द्वितीय
(c) तृतीय (d) प्रथम

Ans : (c) गायत्री मंत्र का उल्लेख ऋग्वेद के तृतीय मण्डल में मिलता है। इसके रचनाकार विश्वामित्र हैं। यह मंत्र सविता (सूर्य देवता) को समर्पित है।

25. नारायण के साथ विष्णु के तादात्म्य का प्राचीनतम् उल्लेख प्राप्त होता है?

(a) तैत्तिरीय आरण्यक से (b) महाभारत से
(c) पतंजलि के महाभाष्य से (d) बौधायन धर्मसूत्र से

Ans : (b) नारायण के साथ विष्णु के तादात्म्य का उल्लेख सर्वप्रथम महाभारत के शान्तिपर्व में मिलता है जहाँ उन्हें सर्वव्यापी एवं सभी को उत्पन्न करने वाला बताया गया है। यद्यपि 'नारायण' का प्रथम उल्लेख ब्राह्मण ग्रन्थों में मिलता है। विष्णु का तादात्म्य नारायण से स्थापित हो जाने पर पंचरात्र धर्म (भागवत धर्म) अस्तित्व में आया। नारायण के उपासक पंचरात्र कहे गये।

26. इनमें से कौन वैदिक सूर्य देवता नहीं थे?

(a) सावित्री (b) विष्णु उरुक्रम
(c) विश्वकर्मा (d) सविता

Ans : (b) विष्णु उरुक्रम, विष्णु का नाम है न कि सूर्य का। अन्य सभी विकल्प सूर्य से सम्बन्धित है।

27. कनिष्क बौद्धधर्म के किस सम्प्रदाय का अनुयायी था?

(a) हीनयान (b) महायान
(c) वज्रयान (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans : (b) कनिष्क एक प्रसिद्ध कुषाणवंशी शासक था। उसने बौद्ध धर्म की महायान शाखा को राज्याश्रय प्रदान किया तथा उसका मध्य एशिया एवं चीन में प्रचार करवाया। उसके शासनकाल में कश्मीर के कुण्डलवन में बौद्ध धर्म की चतुर्थ संगीति का आयोजन किया गया था। जिसकी अध्यक्षता वसुमित्र ने की थी तथा अश्वघोष उसके उपाध्यक्ष थे।

28. प्रथम जैन समिति किसने आहूत की थी?

(a) भद्रबाहु (b) गर्दभिल्ल
(c) स्थूलभद्र (d) देवर्धिगणि

Ans : (c) प्रथम जैन संगीति का आयोजन 300 ई.पू. में हुआ। यह सभा चन्द्रगुप्त मौर्य के काल में हुई थी। यह सभा स्थूलभद्र की अध्यक्षता में पाटलिपुत्र में आयोजित की गई थी। इसमें जैन धर्म के 12 अंगों का संपादन हुआ था। जैन धर्म दो भागों दिगंबर तथा श्वेताम्बर में बंट गया था।

29. भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश कहाँ दिया था?

(a) बोध-गया (b) श्रावस्ती
(c) कुशीनगर (d) ऋषिपत्तन

Ans : (d) महात्मा बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश ऋषिपत्तन (सारनाथ) में दिया जहां पाँच ब्राह्मण उनके प्रथम शिष्य बने। बौद्ध धर्म का सर्वाधिक प्रचार कोशल राज्य में हुआ। कोशल राज्य की राजधानी श्रावस्ती में बुद्ध ने सर्वाधिक 21 वर्षावास किये थे।

30. 'भगवती सूत्र' किस धर्म से सम्बन्धित है?

(a) बौद्धधर्म (b) जैनधर्म
(c) ब्राह्मण धर्म (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans : (b) 'भगवती सूत्र' जैन धर्म से सम्बन्धित साहित्य है। इसमें जैन तीर्थंकरों मुख्यतः महावीर स्वामी का जीवन चरित्र तथा अन्य समकालिकों के साथ उनके सम्बन्धों का वर्णन है। 'भगवती सूत्र' पाँचवा जैन आगम है। कुल 12 जैन आगम हैं, जो महावीर स्वामी द्वारा प्रख्यापित माने जाते हैं। इसकी रचना सुधर्मस्वामी द्वारा प्राकृत में की गई थी। यह सभी आगमों में सबसे बड़ा ग्रन्थ है।

31. मेगस्थनीज के लेखन में उल्लिखित 'ऐग्रोनोमोई' कौन थे?

(a) प्रान्तीय अधिकारी (b) पुलिस अधिकारी
(c) जिले के अधिकारी (d) नगर के अधिकारी

Ans : (c) मौर्यकाल में जिले को विषय या आहार कहा जाता था तथा जिले के प्रमुख को आहारपति कहा जाता था। आहारपति को मेगस्थनीज ने 'एग्रोनोमोई' कहा है। वह मार्ग निर्माण का भी एक प्रमुख अधिकारी था। नगर का प्रमुख नागरक कहलाता था, जिसे मेगस्थनीज ने 'एस्टिनोमोई' कहा है।

32. सीरिया का राजदूत, डायमेकस किस मौर्य शासक के दरबार में आया था?

(a) चन्द्रगुप्त (b) बिन्दुसार
(c) अशोक (d) दशरथ

Ans : (b) सीरिया के शासक एन्टियोकस ने मौर्य सम्राट बिन्दुसार के दरबार में डायमेकस नामक राजदूत भेजा था। बिन्दुसार को 'अमित्रघात' भी कहा जाता था। यूनानी इतिहासकार उसे 'अमित्रोचेट्स' के नाम से पुकारते थे।

33. गुप्त सम्वत् 61 का मथुरा स्तम्भ-लेख सम्बन्धित है?

(a) समुद्रगुप्त से (b) चन्द्रगुप्त द्वितीय से
(c) कुमारगुप्त से (d) स्कन्दगुप्त से

Ans : (b) गुप्त संवत् 61 (380 ई.) का मथुरा स्तंभ लेख गुप्त वंशीय सम्राट चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य/चन्द्रगुप्त द्वितीय से सम्बन्धित है। यह मथुरा में रंगेश्वर महादेव के समीप एक बगीचे से प्राप्त हुआ है। इस शिलालेख में उदिताचार्य द्वारा उपमितेश्वर और कपिलेश्वर नामक शिव प्रतिमाओं की प्रतिष्ठापना का वर्णन है। इस लेख से तत्कालीन मथुरा में शैव धर्म के होने की पुष्टि होती है।

34. राजराज प्रथम की माता का क्या नाम था?

(a) इलंगोनपिच्चि (b) पंचवन मादेवियार
(c) बानवन महादेवियार (d) वानवन महादेवी

Ans : (d) राजराज प्रथम (985 ई. – 1015 ई.) को चोल साम्राज्य का पहला शक्तिशाली शासक माना जाता है। इनके पिता का नाम सुंदर चोल तथा माता का नाम वानवन महादेवी था। इन्होंने तंजौर का प्रसिद्ध राजराजेश्वर मंदिर या वृहदेश्वर मंदिर का निर्माण करवाया था।

35. इनमें से किस चोल शासक की उपाधि 'गंगैकोण्ड' थी?

(a) राजराज (b) राजेन्द्र प्रथम
(c) परान्तक (d) आदित्य प्रथम

Ans : (b) चोल वंश का सबसे महान शासक राजेन्द्र प्रथम था। अपनी महान विजयों द्वारा उसने चोल साम्राज्य का विस्तार कर उसे दक्षिण भारत का सबसे शक्तिशाली साम्राज्य बना दिया। उसने 'गंगैकोण्ड' की उपाधि धारण की तथा गंगैकोण्ड चोलपुरम् नामक नगर की स्थापना की। यहीं पर उसने चोलगंगम् नामक एक विशाल सरोवर का भी निर्माण करवाया।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

36. द्वितीय राजतरंगिणी के रचनाकार थे–

(a) जोनराज (b) कल्हण
(c) श्रीवर (d) जयदेव

Ans : (a) जोनराज 15वीं सदी के एक कश्मीरी इतिहासकार और संस्कृत कवि थे। उन्होंने द्वितीय राजतरंगिणी नामक इतिहास ग्रन्थ लिखा जिसमें उन्होंने कल्हण की राजतंरगिणी का सन् 1149 ई. तक का वृत्तान्त जारी रखते हुए अपने समकालीन सुल्तान जैन-उल-अबिदीन तक का वर्णन लिखा है। लेकिन जोनराज उनके शासनकाल का पूरा वृत्तान्त नहीं लिख सके। क्योंकि उनके शासनकाल के 35वें वर्ष में जोनराज का देहांत हो गया। उनके शिष्य श्रीवर ने आगे का वृत्तांत लिखा और उनकी कृति का नाम 'तृतीय राजतरंगिणी' था जो 1459 – 1486 ई. तक के बारे में है।

37. निम्नलिखित शासकों के शासनकाल को कालक्रम में व्यवस्थित कीजिए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए-

1. मुहम्मद बिन कासिम 2. महमूद गजनवी
3. तैमूर 4. चंगेज़ खान

कूट :

(a) 1, 4, 2, 3 (b) 1, 2, 4, 3
(c) 2, 3, 4, 1 (d) 4, 1, 2, 3

Ans : (b) शासकों के शासनकाल का सही क्रम निम्नानुसार होगा–
1. मुहम्मद बिन कासिम (712 ई.)
2. महमूद गजनवी (997-1030 ई.)
3. चंगेज़ खान (1162 – 1227 ई.)
4. तैमूर (1370 – 1405 ई.)

38. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

I. पृथ्वीराज चौहान, ख्वाज़ा मुइनुद्दीन चिश्ती के समकालीन थे।

II. गियासुद्दीन तुगलक, निजामुद्दीन औलिया के समकालीन थे।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल I (b) केवल II
(c) I और II दोनों (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans : (c) पृथ्वीराज चौहान (1166 – 1192 ई.) चौहान वंश के एक प्रतापी शासक थे जो, ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती (1141 – 1236 ई.) के समकालीन थे। ये चिश्ती सिलसिले के संस्थापक थे। गियासुद्दीन तुगलक (शासनकाल 1320 – 25 ई.) तुगलक वंश का संस्थापक था। निजामुद्दीन औलिया (1238-1325 ई.) इसके समकालीन थे। इनको महबूब-ए-इलाही भी कहा जाता था।

39. 'कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद का निर्माण किसने कराया?

(a) आराह शाह (b) इल्तुतमिश
(c) कुतुबुद्दीन ऐबक (d) नसिरुद्दीन

Ans : (c) दिल्ली में कुतुबमीनार के पास स्थित कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद का निर्माण गुलाम वंश के प्रथम शासक कुतुबुद्दीन ऐबक ने 1192ई. में करवाया था। इल्तुतमिश ने 1230 ई. में इसमें कुछ और हिस्से पूरा करवाया।

40. इल्तुतमिश के विषय में, निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

I. इल्तुतमिश ने अपने प्रभुत्व की मान्यता खलीफा द्वारा प्राप्त की।

II. इल्तुतमिश ने बंगाल के सुल्तान गियासुद्दीन को हराकर लखनौती पर अधिकार किया।

नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए।

(a) केवल I (b) केवल II
(c) I और II दोनों (d) न तो I और न ही II

Ans : (c) दिल्ली सल्तनत का वास्तविक संस्थापक इल्तुतमिश को माना जाता है। उसने सुल्तान पद की स्वीकृति गोर के किसी शासक से नहीं बल्कि खलीफा से प्राप्त की थी। फरवरी 1229 ई. में बगदाद के खलीफा का प्रतिनिधि स्वीकृति-पत्र को लेकर दिल्ली पहुँचा था।
1211 ई. में हेसामुद्दीन एवाज खिलजी सुल्तान गियासुद्दीन की उपाधि धारण कर बंगाल की गद्दी पर बैठा। 1226 ई. में इल्तुतमिश के पुत्र नासिरुद्दीन महमूद ने युद्ध में गियासुद्दीन को पराजित करके उसकी राजधानी लखनौती पर अधिकार कर लिया। इस प्रकार कथन 1 व 2 दोनों सही हैं।

41. अलाउद्दीन खिलजी के आक्रमण के समय देवगिरि का यादव शासक कौन था?

(a) प्रतापरुद्रदेव (b) हरिवर्मन
(c) काकुस्थवर्मन (d) रामचन्द्र

Ans : (d) 1296 ई. में अलाउद्दीन ने देवगिरि पर आक्रमण किया जहां के शासक रामचन्द्रदेव ने बाध्य होकर उसे प्रतिवर्ष एलिचपुर की आय को भेजने का वादा किया था। 1307 ई. में मलिक काफूर ने पुनः देवगिरि पर आक्रमण किया। रामचन्द्रदेव के आत्मसमर्पण करने पर उसे दिल्ली भेजा गया जहां अलाउद्दीन ने उसे 'रायरायन' की उपाधि दी तथा 6 माह के पश्चात् एक लाख सोने के टंके और नवसारी का जिला देकर उसके राज्य वापस भेज दिया।

42. निम्नलिखित में से कौन-सा सही सुमेलित नहीं है?

	घटना	वर्ष
(a)	सुल्तान जलालुद्दीन खिल्जी की हत्या	1296 ई.
(b)	खिज्र खाँ ने दिल्ली का सिंहासन ग्रहण किया	1414 ई.
(c)	सिकन्दर लोदी ने एक नए नगर आगरा की स्थापना की	1504 ई.
(d)	कन्नौज का युद्ध	1530 ई.

Ans : (d) कन्नौज अथवा बिलग्राम का युद्ध 1540 ई. में शेरशाह सूरी तथा मुगल शासक हुमायूं के मध्य लड़ा गया था। इस युद्ध में हुमायूं को परास्त करने के पश्चात् शेरशाह ने आगरा, दिल्ली, सम्भल, ग्वालियर, लाहौर आदि पर अपना अधिकार कर के हुमायूं को भारत से बाहर खदेड़ दिया तथा पुनः उत्तर भारत में अफगान साम्राज्य को स्थापित किया।

43. निम्नलिखित घटनाओं को कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

1. तैमूर का आक्रमण
2. सांकेतिक मुद्रा का प्रचलन
3. बाजार नियन्त्रण नीति
4. मलिक छज्जू का विद्रोह
कूट–
(a) 4, 1, 3, 2 (b) 3, 4, 2, 1
(c) 4, 3, 2, 1 (d) 1, 2, 3, 4

Ans : (c)

मलिक छज्जू का विद्रोह	–	1290 ई.
बाजार नियंत्रण नीति	–	1296–1316 ई.
सांकेतिक मुद्रा का प्रचलन	-	1329–30 ई.
तैमूर का आक्रमण	-	1398 ई.

44. शेख सलीम चिश्ती का दरगाह स्थित है–
(a) लाहौर में (b) अजमेर में
(c) आगरा में (d) फतेहपुर सीकरी में

Ans : (d) शेख सलीम चिश्ती की दरगाह आगरा जिले के फतेहपुर सीकरी में जामा मस्जिद के भीतर स्थित है। 1573 ई. में अकबर ने गुजरात विजय के साथ इस क्षेत्र को विजित कर के इसका नाम फतेहपुर सीकरी रखा। अकबर ने इस दरगाह का निर्माण 1580 – 81 ई. में करवाया था।

45. निम्नलिखित को उनकी निर्माण-तिथि के क्रम में व्यवस्थित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए।
1. आगरा का किला
2. दिल्ली का लाल किला
3. कुतुब मीनार
4. ताजमहल
कूट :
(a) 1, 2, 3, 4 (b) 3, 1, 2, 4
(c) 2, 1, 3, 4 (d) 3, 4, 2, 1

Ans : (b)

कुतुबमीनार	–	1193 ई.
आगरा का किला	–	1565 ई.
दिल्ली का लाल किला	–	1638 – 48 ई.
ताजमहल	–	1632 – 53 ई.

46. 'किरोरी' शब्द किसकी प्रशासनिक व्यवस्था में राजस्व अधिकारी के लिए प्रयुक्त किया जाता था?
(a) अलाउद्दीन खिल्जी (b) मुहम्मद बिन तुगलक
(c) शेरशाह (d) अकबर

Ans : (d) 'किरोरी' शब्द अकबर की प्रशासनिक व्यवस्था में राजस्व अधिकारी के लिए प्रयुक्त किया जाता था। 1562 ई. में एतमाद खाँ ने किरोरी व्यवस्था लागू की जिसके अनुसार समस्त खालसा भूमि को 182 राजस्व भागों में बांटा गया और प्रत्येक की मालगुजारी एक करोड़ दाम (ढ़ाई लाख रुपया) प्रति वर्ष निर्धारित किया गया। खालसा भूमि की इन इकाईयों से भू-राजस्व वसूल करने के लिए प्रत्येक इकाई में पृथक-पृथक आमिल नियुक्त किये गये जो किरोरी के नाम से प्रसिद्ध थे। किन्तु यह व्यवस्था असफल रही जिसके चलते एतुमाद खाँ को हटा दिया गया और 1564 ई. में मुजफ्फर खाँ तुरबती को दीवान बनाया गया। यह अकबर के समय का विख्यात वित्तपोषक था।

47. विजय नगर साम्राज्य के शासक कृष्णदेव राय ने संरक्षण दिया था?
(a) बल्लभाचार्य को (b) माधवाचार्य को
(c) रामानुजाचार्य को (d) निम्बार्काचार्य को

Ans : (a) वल्लभाचार्य का जन्म 1479 ई. में काशी (वाराणसी) में हुआ था, इनके माता-पिता तेलंगाना से काशी की यात्रा पर आ रहे थे तभी यात्रा मार्ग में इनका जन्म हुआ था। विजयनगर में राजा कृष्णदेव राय के दरबार में इन्होंने शास्त्रार्थ में शैव पंडितों को परास्त किया था। विजयनगर सम्राट ने इन्हें जगतगुरू महाप्रभु श्रीमदाचार्य की उपाधि से विभूषित किया था।

48. निम्नलिखित में से कौन-सा सही सुमेलित नहीं है?
(a) देवराय द्वितीय : अब्दुर्रज्जाक
(b) मु. बिन तुगलक : इब्न बतूता
(c) महमूद गजनवी : अलबरूनी
(d) बलबन : मार्को पोलो

Ans : (d) मार्कोपोलो 1292-95 ई. में भारत आया था। इस समय भारत में दिल्ली सल्तनत के शासक जलालुद्दीन खिल्जी (1290-96 ई.) का शासन था। अतः यह विकल्प सुमेलित नहीं है अन्य सभी विकल्प सुमेलित है।

49. 'श्री सम्प्रदाय' किस धर्म से सम्बन्धित है?
(a) शैवधर्म (b) वैष्णवधर्म
(c) बौद्धधर्म (d) जैनधर्म

Ans : (b) वैष्णव संत रामानुजाचार्य ने अपनी उपासना में लक्ष्मी व विष्णु की उपासना पर अत्यधिक बल दिया। मान्यता है कि इनका मत लक्ष्मी द्वारा दिए गए उपदेश पर आधारित था, इसलिए इस संप्रदाय को 'श्री संप्रदाय' भी कहा जाता है। रामानुजाचार्य को शेषनाग का अवतार माना जाता है।

50. अकबर के शासनकाल में प्रचलित एक 'दाम' दशमलव मुद्रा में कितने पैसे के बराबर थी?
(a) $1\frac{1}{4}$ (b) $1\frac{1}{2}$
(c) 02 (d) $2\frac{1}{2}$

Ans : (d) अकबर ने तांबे का एक सिक्का चलाया था, जिसे 'दाम' कहा जाता था। एक रूपए में 40 दाम होते थे। इस प्रकार 'दाम' दशमलव मुद्रा में 1/40 रूपया अथवा $2\frac{1}{2}$ पैसे के बराबर था। दाम और रूपए के मध्य 'आना' नामक सिक्का शाहजहां ने चलवाया था।

51. मुगल साम्राज्य में 'मीर-ए-तुजुक' से तात्पर्य था।
(a) मुख्य सचिव (b) मुख्य वित्त अधिकारी
(c) मुख्य न्यायाधीश (d) पुलिस अधिकारी

Ans : (*) मीर-ए-तुजुक मुगलकाल के धर्मानुष्ठान का एक अधिकारी था। इसका कार्य धार्मिक उत्सवों आदि का प्रबन्ध करना था। दिए गए विकल्प में कोई भी इस अधिकारी से साम्य नहीं रखते।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

52. निम्न घटनाओं को कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए–

1. खुर्रम का विद्रोह
2. चौसा का युद्ध
3. धरमत का युद्ध
4. खुसरो का विद्रोह

कूट

(a) 1, 2, 3, 4 (b) 4, 3, 2, 1
(c) 4, 1, 3, 2 (d) 2, 4, 1, 3

Ans : (d)
चौसा का युद्ध – 1539 ई.
खुसरों का विद्रोह – 1606 ई.
खुर्रम का विद्रोह – 1623 – 26 ई.
धरमत का युद्ध – 1658 ई.

53. अकबर के शासनकाल में उपज का कितना प्रतिशत भू-राजस्व के रूप में किसानों से लिया जाता था?

(a) $16\frac{1}{3}\%$ (b) 20%
(c) $33\frac{1}{3}\%$ (d) $49\frac{1}{3}\%$

Ans : (c) अकबर के समय में उपज का 1/3 भाग लगान के रूप में वसूल किया जाता था। किसानों से लगान सिक्कों के रूप में लिया जाता था और इसके लिए अलग-2 क्षेत्रों में गल्ले की अलग-अलग कीमतें निश्चित की जाती थी। अकबर ने किसानों को भूमि का स्वामी स्वीकार किया था और राज्य ने किसानों से सीधा सम्पर्क स्थापित किया।

54. 'पैबाकी' शब्द से तात्पर्य था?

(a) मन्दिर (b) कर
(c) गाँवों का समूह (d) भूमि

Ans : (d) पैबाकी शब्द का अर्थ है- जागीरों के लिए अलग से सुरक्षित रखे गये इलाके अथवा भूमि।

55. निम्न में से किस कृति को उनके फारसी अनुवादकों द्वारा 'रज्मनामा' शीर्षक दिया गया।

(a) लीलावती (b) महाभारत
(c) रामायण (d) अथर्ववेद

Ans : (b) रज्मनामा, महाभारत का फारसी अनुवाद है, जो मुगल बादशाह अकबर के समय में करवाया गया था। महाभारत का फारसी अनुवाद मुगल बादशाह अकबर के आदेश से बदायूँनी, नकीब खाँ और अब्दुल कादिर ने किया था। रज्मनामा के प्रसंगों पर चित्र बनाने के लिए दशवंत तथा बसावन को जिम्मेदारी दी गई थी।

56. भारत में पुर्तगालियों द्वारा प्राप्त किए गए स्थानों को उनके वर्षों से सुमेलित तथा नीचे दिए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए।

A. कालीकट	**1522**
B. कन्नानोर	**1525**
C. धाबोल	**1500**
D. पोन्नानी	**1502**

कूट :

(a)	A	B	C	D
	2	4	1	3
(b)	A	B	C	D
	4	1	3	2
(c)	A	B	C	D
	1	4	2	3
(d)	A	B	C	D
	3	4	1	2

Ans : (d)
A. कालीकट – 1500 ई.
B. कन्नानोर – 1502 ई.
C. धाबोल – 1522 ई.
D. पोन्नानी – 1525 ई.

57. निम्न में से किस शहर को 1661 में पुर्तगाल द्वारा दहेज स्वरूप अंग्रेजों को दिया गया?

(a) गोवा (b) दमन
(c) बम्बई (d) किलॉन

Ans : (c) पुर्तगालियों ने 1534 ई. में बम्बई को गुजरात के बहादुर शाह से छीन लिया था। 1661 ई. में चार्ल्स द्वितीय के साथ पुर्तगाली राजकुमारी कैथरीन डि ब्रगेन्जा के विवाह के अवसर पर यह दहेज स्वरूप अंग्रेजों को प्रदान कर दिया गया था। बाद में 10 पौण्ड वार्षिक किराये पर बम्बई ईस्ट इण्डिया कम्पनी को दे दिया गया।

58. निम्न में से कौन-सा सही सुमेलित नहीं है?

	घटना	**तिथि**
(a)	ब्लैक होल	20 जून, 1756 ई.
(b)	प्लासी का युद्ध	23 जून, 1757 ई.
(c)	बक्सर का युद्ध	22 अक्टूबर, 1764 ई.
(d)	देवगाँव की सन्धि	17 दिसम्बर, 1818 ई.

Ans : (d)

घटना	**तिथि**
ब्लैक होल	20 जून, 1756 ई.
प्लासी का युद्ध	23 जून, 1757 ई.
बक्सर का युद्ध	22 अक्टूबर, 1764 ई.
देवगांव की सन्धि	17 दिसम्बर, 1803 ई.

59. 'हिन्दू विधवा पुनर्विवाह अधिनियम' पारित हुआ था?

(a) 24 जुलाई 1856 को (b) 25 जुलाई 1856 को
(c) 26 जुलाई 1856 को (d) 28 जुलाई 1856 को

Ans : (c) हिन्दू विधवा पुनर्विवाह अधिनियम 26 जुलाई, 1856 ई. को पारित हुआ था। इस अधिनियम के द्वारा हिन्दू विधवाओं को पुनर्विवाह हेतु कानूनी मान्यता मिली। इस अधिनियम का ड्राफ्ट लार्ड डलहौजी द्वारा तैयार किया गया था।

60. 1857 के विद्रोह के समय मुगल शासक कौन था?

(a) बहादुर शाह जफर (b) मुहम्मद शाह रंगीला
(c) जहाँदर शाह (d) शाह आलम II

Ans : (a) लॉर्ड कैनिंग के गवर्नर जनरल के शासन काल के दौरान 1857 की महान क्रांति हुई, उस समय मुगल शासक बहादुर शाह जफर था।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

प्रशिक्षित स्नातक परीक्षा (इतिहास)

प्रैक्टिस सेट-1

1. 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया' नामक पुस्तक किसने लिखी?
(a) फीरोजशाह मेहता (b) बदरुद्दीन तैय्यबजी
(c) सी. आर. दास (d) जवाहरलाल नेहरू

2. भारत-चीन पंचशील संधि पत्र को कब हस्ताक्षर किये गये?
(a) 1951 (b) 1952
(c) 1954 (d) 1957

3. भारत को जब स्वतंत्रता मिली थी, तब इंग्लैण्ड के प्रधानमंत्री कौन थे?
(a) लार्ड माउण्टबेटन (b) विंस्टर्न चर्चिल
(c) क्लीमेंट एटली (d) इनमें से कोई नहीं

4. गाँधी को 'राष्ट्रपिता' का नामकरण किसने किया?
(a) जवाहरलाल नेहरू (b) मोतीलाल नेहरू
(c) सरोजिनी नायडू (d) सुभाषचंन्द्र बोस

5. 'पंजाब हिन्दू सभा' की स्थापना किसने की थी?
(a) यू. एन. मुखर्जी ने (b) लाल चन्द्र ने
(c) 1 व 2 दोनों ने (d) अजीत सिंह ने

6. जैन साहित्यिक कृति परिशिष्ट पर्वण किस कृति का परिशिष्ट है?
(a) मूल सूत्र (b) त्रिशष्टिशलाका पुरुष चरित
(c) उपनीति-भाव-प्रपंच कथा (d) प्रबंध चिन्तामणि

7. पाकिस्तान बनाने के विचार का प्रथम प्रणेता रहे
(a) मुहम्मद अली जिन्ना (b) शौकत अली
(c) सर सैय्यद अहमद खान (d) मुहम्मद इकबाल

8. तत्वबोधिनी पत्रिका का प्रारम्भ किसने किया था?
(a) राजा राम मोहन राय (b) राज नारायण बोस
(c) देवेन्द्र नाथ टैगोर (d) केशव चन्द्र सेन

9. 'बहिष्कृत भारत' पत्रिका को किसने आरंभ किया था?
(a) बी.आर. अम्बेडकर (b) करसोनदास मुल्जी
(c) भान दाजी (d) ज्योतिबा फुले

10. 1857 के विद्रोह के केंद्र और उनके नेताओं पर विचार कीजिए तथा सूची-I को सूची-II से सुमेलित करते हुए कूट में सही उत्तर का चयन कीजिए–

सूची-I	सूची-II
(A) नाना साहब	**1.** दिल्ली
(B) नवाब हमीद अली खाँ	**2.** कानपुर
(C) मौलवी अहमदुल्लाह	**3.** अवध
(D) मनीराम दीवान	**4.** असम

कूट :
(a) A-1 B-3 C-4 D-2
(b) A-1 B-2 C-4 D-3
(c) A-2 B-1 C-3 D-4
(d) A-2 B-1 C-4 D-3

11. निम्नलिखित में से कौन सा इतिहासकार वामपंथी इतिहासकार नहीं है।
(a) सुमित सरकार (b) रोमिला थापर
(c) ए आर देसाई (d) आर सी मजूमदार

12. प्रथम बार किस वर्ष में आई.सी.एस. परीक्षा का आयोजन भारत और ब्रिटेन में एक साथ हुआ?
(a) 1921 (b) 1922
(c) 1923 (d) 1924

13. फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना_____ने की।
(a) कॉर्नवॉलिस (b) बेन्टिक
(c) लार्ड वेलेज़ली (d) इनमें से किसने भी नहीं

14. बंगाल में स्थायी बंदोबस्त से क्या हुआ?
(a) रैयत के स्वार्थों को प्रोत्साहन
(b) जमींदारों की शक्ति सीमित हुई
(c) अंग्रेजों का समर्थन करने वाला कुलीन तंत्र का निर्माण हुआ
(d) भूमि हस्तांतरण रोका

15. बौद्ध परम्परा के अनुसार, किसका बाल भक्षक से बाल रक्षिका में परिवर्तन हो गया था?
(a) मारीचि (b) तारा
(c) हारीति (d) पट्टिणी

16. किस अधिनियम के अंतर्गत आई.सी.एस. के लिए प्रथम परीक्षा इलाहाबाद में आयोजित की गई?
(a) मार्ले मिन्टो सुधार अधिनियम, 1909
(b) 1892 का भारत परिषद् अधिनियम्
(c) 1919 का रॉलेट अधिनियम
(d) 1919 का भारत सरकार अधिनियम

17. निम्नांकित में से मद्रास का वह कौन गवर्नर था, जिसने टीपू सुल्तान से मंगलौर की संधि की थी?
(a) लार्ड हैरिस (b) लार्ड हैमिल्टन
(c) लार्ड मैकार्टनी (d) लार्ड स्टीफैन्सन

18. जनगणना के कार्य का आरंभ किसने किया?
(a) लार्ड मेयो (b) लार्ड लिटन
(c) लार्ड रिपन (d) लार्ड कर्जन

19. भारत में सत्रहवीं शताब्दी में कौन सी नई फसलें आयीं?
(a) तंबाकू और मक्का (b) गन्ना और नील
(c) चना और जौ (d) धान और बाजरा

20. किसे भक्ति आन्दोलन का संस्थापक माना जाता है?
(a) शंकराचार्य (b) माध्वाचार्य
(c) निंम्बार्काचार्य (d) रामानुजाचार्य

21. किताब-उल-हिन्द के रचयिता है
(a) इसामी (b) इब्न बतुता
(c) अल्बेरूनी (d) उत्बी

22. तुर्की जनजातियों में कौन शामिल नहीं हैं?
(a) सेजलुक (b) गुज्ज
(c) करलुग (d) शंसबनी

23. निम्नलिखित में से किस युद्ध में शेरशाह सूरी ने भाग लिया था?
(a) पानीपत के प्रथम युद्ध में (b) पानीपत के द्वितीय युद्ध में
(c) पानीपत के तृतीय युद्ध में (d) इनमें से किसी में भी नहीं

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

24. मुगल साम्राज्य का प्रांतों में विभाजन पहली बार किसने किया था?
(a) बाबर (b) हुमायूँ
(c) जहाँगीर (d) अकबर

25. निम्नलिखित में से कौन, महानुभाव सम्प्रदाय का संस्थापक था?
(a) एकनाथ (b) चक्रधर
(c) ज्ञानेश्वर (d) तुकाराम

26. मराठों के साथ होने वाली किस संधि को वारेन हेस्टिंग्ज़ 'कागज़ का टुकड़ा मात्र' मानता था?
(a) मंदसौर (b) सुरजी अर्जनगॉव
(c) ग्वालियर (d) पुरंदर

27. 'रज्मनामा' फ़ारसी अनुवाद है।
(a) पंचतंत्र का (b) रामायण का
(c) महाभारत का (d) कथासरित सागर का

28. अकबर ने किस जैन आचार्य को सम्मानित किया था?
(a) यशोभद्रा (b) हरिविजय सूरी
(c) चंद्रप्रभा सूरी (d) पुष्पदंत

29. निम्नलिखित में से कौन सा विदेशी यात्री छः बार भारत आया था?
(a) जीन बैप्टिस्ट ट्रैवर्नियर (b) एडवर्ड टैरी
(c) निकलस डाउंटन (d) फ्रांसिस्को पेलसार्ट

30. बलबन के द्वारा विजय के स्थान पर सुदृढ़ीकरण की नीति अपनाने के लिये, निम्नलिखित में से कौन एक कारण नहीं था?
(a) विदेशी आक्रमण का भय
(b) आन्तरिक विद्रोह
(c) भारतीय शासकों की तुर्की शासन को उखाड़ फेंकने की इच्छा
(d) उसका कमजोर स्वभाव

31. निम्नलिखित में से कौन-सा एक अष्टभुजीय मकबरा है?
(a) सिकन्दर लोदी का मकबरा
(b) बलबन का मकबरा
(c) गयासुद्दीन तुगलक का मकबरा
(d) फिरोजशाह तुगलक का मकबरा

32. अमीर खुसरो ने अपनी रचना 'आशिका' किसके आदेश पर लिखी?
(a) राय करन के (b) खिज्र खाँ के
(c) देवल रानी के (d) अलाउद्दीन खिलजी के

33. वह कौन सुल्तान था, जो स्वयं को नायब-ए-खुदाई या ईश्वर का प्रतिनिधि कहता था?
(a) इल्तुतमिश (b) बलबन
(c) अलाउद्दीन खिलजी (d) गयासुद्दीन

34. विख्यात पुराणों के आधार पर निम्न में से कौन – सा स्थान भगवान शिव द्वारा अपने लकुलीश अवतार के लिए चुना गया था?
(a) श्री शैल (b) काशी
(c) उज्जयिनी (d) कायावरोहण

35. अमीर खुसरो को सामान्यतः किस वाद्य यंत्र के लिए श्रेय दिया जाता है?
(a) रबाब (b) सरोद
(c) सितार (d) वीणा

36. निम्नलिखित में से कौन-सा शासक ममलूक वंश का था?
(a) अलाउद्दीन खिलजी (b) इब्राहिम लोदी
(c) बलबन (d) मोहम्मद गोरी

37. सुमेलित कीजिए:

A. मुहम्मद-बिन-तुगलक	1. सही माप के आधार पर भूमि कर का निर्धारण
B. फिरोज तुगलक	2. राज मुकुट की प्रतिष्ठा का पुनरुत्थान
C. बलबन	3. कृषि के विभिन्न विभागों की स्थापना
D. अलाउद्दीन खिलजी	4. उद्योग कार्यालय की स्थापना

	A	B	C	D		A	B	C	D
(a)	3	4	2	1	(b)	4	3	2	1
(c)	4	3	1	2	(d)	1	4	2	3

38. नीचे सूची-I तथा सूची-II दी गई हैं। इन दोनों का सही ढंग से मेल बिठाकर दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चुनाव कीजिए :

	सूची-I	सूची-II
(a)	दीवान-ए-रिसालत	(i) कृषि विभाग
(b)	दीवान-ए-कोही	(ii) सैन्य मामलों का विभाग
(c)	दीवान-ए-इंशा	(iii) धार्मिक मामलों का विभाग
(d)	दीवान-ए-अर्ज	(iv) पत्राचार विभाग

कूट :

	A	B	C	D
(a)	iii	ii	i	iv
(b)	ii	iii	iv	i
(c)	iii	i	iv	ii
(d)	iii	iv	i	ii

39. गुप्तकालीन विष्णु की वराह अवतार प्रतिमा कहाँ है?
(a) उदयगिरि गुफा (b) कान्हेरी गुफा
(c) एलोरा गुफा (d) एलिफैन्टा गुफा

40. महमूद गजनवी के काल में शाही-राज्य की राजधानी स्थित थी–
(a) पेशावर में (b) काबुल में
(c) उदभाण्डपुर में (d) अटक में

41. अरबों द्वारा सिन्ध विजय का उल्लेख किस ग्रन्थ में मिलता है ?
(a) चचनामा (b) प्रबन्धचिन्तामणि
(c) पृथ्वीराजरासो (d) किताबुल-हिन्द

42. नाडू क्या था?
(a) एक चाँदी का सिक्का (b) एक संगीत का स्वर
(c) एक राजस्व अधिकारी (d) एक प्रशासकीय विभाग

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

43. चोलवंश के शासकों की महानता किस कार्य पर आधारित थी?
(a) कलाकृतियों पर (b) श्रेष्ठ शासन व्यवस्था
(c) सार्वजनिक निर्माण (d) सैन्य व्यवस्था

44. 'भारत का नेपोलियन' किसकी उपाधि है?
(a) चन्द्रगुप्त मौर्य (b) रामगुप्त
(c) समुद्रगुप्त (d) बुधगुप्त

45. गुप्तकालीन सिक्कों का सबसे बड़ा कोष निम्नलिखित कौन सा है?
(a) बस्ती (b) कोटावा
(c) बयाना (d) हाजीपुर

46. निम्नलिखित में से कौन सा विभाग कण्टकशोधन से संबंधित था?
(a) कराधान (b) उद्योग
(c) पथ कर (d) न्यायपालिका

47. निम्नलिखित में से कौनसी एक योजना वस्तुतः असहयोग आंदोलन की मूल योजना का भाग नहीं थी, किन्तु आंदोलन के दौरान देश के विभिन्न भागों में बहुत लोकप्रिय हुई थी?
(a) विदेशी वस्त्रों का विक्रय करने वाली दुकानों पर धरना
(b) सरकारी विद्यालयों एवं महाविद्यालयों का बहिष्कार
(c) ताड़ी विक्रय करने वाली दुकानों पर धरना
(d) लोक परिवहन तथा संचार प्रणाली का बहिष्कार

48. शाह जी की ढेरी के स्तूप में प्राप्त पुरावशेष धातु मंजूषा में किनके साथ बुद्ध की आसनस्थ आकृतियाँ हैं?
(a) ब्रह्मा और विष्णु (b) ब्रह्मा और इन्द्र
(c) शिव और ब्रह्मा (d) विष्णु और इन्द्र

49. हर्ष के शासन काल में नालंदा विश्वविद्यालय का अध्यक्ष कौन था?
(a) वसुबंधु (b) शीलभद्र
(c) प्रभाकरमित्र (d) नागार्जुन

50. नासिक व कार्ले की गुफायें किसके राज्य में स्थित थी?
(a) शको के (b) शुंगो के
(c) कर्दमकों के (d) सातवाहनों के

51. वैदिक काल में चिनाब नदी को किस नाम से जाना जाता था?
(a) परूष्णी (b) शुतुद्री
(c) वितस्ता (d) अस्किनी

52. राणायणीय संहिता संबद्ध है-
(a) ऋग्वेद से (b) यजुर्वेद से
(c) सामवेद से (d) अथर्ववेद से

53. 'जैनुल आबिदीन का वास्तविक नाम क्या था?
(a) खफी खाँ (b) दाऊद खाँ
(c) शाही खाँ (d) अली शाह

54. पुरातात्त्विक साक्ष्य से प्रकट हुआ है कि सिन्धु घाटी सभ्यता के निम्नलिखित प्राचीन सभ्यता से सम्बन्ध थे–
(a) चीन (b) ग्रीस
(c) इराक (d) श्रीलंका

55. सिंधु सभ्यता में किस धातु की जानकारी मिलती है?
(a) सोना (b) कांस्य
(c) चांदी (d) तांबा

56. 1937 के चुनावों के बाद प्रांतों में स्थापित कांग्रेसी सरकारों की गतिविधियों के मार्गदर्शन और समन्वय के लिए तथा कांग्रेस के प्रांतीयकरण को रोकने के लिए एक संसदीय उपसमिति का गठन किया गया। निम्नलिखित में से कौन इसका सदस्य नहीं था?
(a) सी. राजगोपालाचारी (b) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(c) मौलाना अबुल कलाम आजाद (d) सरदार वल्लभभाई पटेल

57. कालीबंगा, जहाँ प्राक्-हड़प्पा संस्कृति के अनेक स्थल पाए गए हैं, निम्नलिखित किस क्षेत्र में स्थित था?
(a) सिंध (b) पंजाब
(c) राजस्थान (d) गुजरात

58. सिन्धु घाटी के निवासियों को किस धातु का ज्ञान नहीं था?
(a) सोना (b) चाँदी
(c) लोहा (d) ताँबा

59. सही युग्मों को सुमेलित कीजिए:

A.	हड़प्पा	**1.**	शवाधान आर. 37
B.	लोथल	**2.**	गोदीवाड़
C.	कालीबंगा	**3.**	नर्तकी की मूर्ति
D.	मोहनजोदड़ों	**4.**	जुता हुआ खेत

कूट-

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	1	2	4	3
(c)	3	4	1	2
(d)	4	2	1	3

60. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए कूट का उपयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए:

सूची-I	**सूची-II**
A. पुरापाषण काल	(i) कच्चे एवं पक्के मकान
B. मध्यपाषाण काल	(ii) नदी तट अधिवास
C. नवपाषण काल	(iii) शैलाश्रय अधिवास
D. ताम्रपाषाण काल	(iv) गर्त अधिवास

कूट :

	A	B	C	D		A	B	C	D
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(c)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)	(d)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)

61. इनमें से किन्हें भारत के प्राग् - इतिहास के अध्ययन को आरम्भ करने का श्रेय दिया जाता है?
(a) कॉमियाड़े (b) रॉबर्ट ब्रूस फुट
(c) एच.डी. संकालिया (d) डी टेरा

62. निम्नलिखित में से कौन-सी संभवत: भारत में प्रयोग की जाने वाली प्रथम धातु थी?
(a) लोहा (b) ताँबा
(c) सोना (d) चाँदी

63. किसके नेतृत्व में ए एस आई द्वारा भारत में सर्वप्रथम उत्खनन आरंभ किया गया?
(a) जॉन मार्शल (b) एलेक्जेण्डर कनिंघम
(c) मार्टिमर व्हीलर (d) एच डी सांकलिया

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तरमाला : प्रैक्टिस सेट–1

1.(d)	2. (c)	3. (c)	4. (d)	5. (c)	6. (b)	7. (d)	8. (c)	9. (a)	10. (c)
11.(d)	12. (b)	13. (c)	14. (c)	15. (c)	16. (d)	17. (c)	18. (a)	19. (a)	20. (d)
21.(c)	22. (d)	23. (d)	24. (d)	25. (b)	26. (d)	27. (c)	28. (b)	29. (a)	30. (d)
31.(a)	32. (b)	33. (b)	34. (d)	35. (c)	36. (c)	37. (a)	38. (c)	39. (a)	40. (c)
41.(a)	42. (d)	43. (b)	44. (c)	45. (c)	46. (d)	47. (c)	48. (b)	49. (b)	50. (d)
51.(d)	52. (c)	53. (c)	54. (c)	55. (b)	56. (a)	57. (c)	58. (c)	59. (b)	60. (b)
61.(b)	62. (b)	63. (b)							

व्याख्या

1. (d)
Discovery of India (डिस्कवरी ऑफ इण्डिया) की रचना 1944 के अप्रैल-सितंबर के बीच अहमदनगर की जेल में जवाहरलाल नहरू द्वारा की गई थी। इस पुस्तक में नेहरू जी ने सिन्धु घाटी सभ्यता से लेकर भारत की आजादी तक विकसित हुए भारत की बहुविध समृद्ध संस्कृति, धर्म और जटिल अतीत को वैज्ञानिक दृष्टि से लिखा है।

2. (c)
भारत-चीन के बीच नई दिल्ली में 29 अप्रैल, 1954 को तिब्बत को लेकर एक समझौता हुआ, जो कि पंचशील समझौता के नाम से जाना जाता है। उस समय भारत के प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू तथा चीन के प्रधानमंत्री चाऊ एन लाई थे।

3. (c)
भारत को जब स्वतंत्रता मिली थी, तब इंग्लैण्ड के प्रधानमंत्री क्लीमेंट एटली थे। फरवरी, 1947 में क्लीमेंट एटली ने भारत की आजादी की घोषणा की कि वह जून 1948 के पूर्व सत्ता भारतीयों को सौंप देंगे।

4. (d)
गाँधीजी को 'राष्ट्रपिता' सुभाषचंन्द्र बोस ने कहा था। महात्मा गाँधी को पहली बार सुभाषचंन्द्र बोस ने राष्ट्रपिता कहकर संबोधित किया था। 4 जून, 1944 को सिंगापुर रेडियो से एक संदेश प्रसारित करते हुए 'राष्ट्रपिता' महात्मा गाँधी कहा था।

5. (c)
पंजाब हिन्दू सभा की स्थापना 1909 ई. में यू. एन. मुखर्जी और लाल चन्द ने किया। लाल चन्द ने हिन्दू हितों पर बल दिया तथा हिन्दुओं में पृथकतावाद की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित किया। 1915 ई. में हिन्दू महासभा की स्थापना के बाद वे उससे सक्रिय रूप से जुड़े रहे। ये लाला लाजपत राय के निकट सहयोगी भी थे।

6. (b)
मूल सूत्रों की संख्या चार है। इनमें जैनधर्म के उपदेश, भिक्षुओं के कर्तव्य, विहार के जीवन, यम-नियम आदि का वर्णन है। ये हैं– उत्तराध्ययन, षडावशयक, दशवैकालिक तथा पिण्डनिर्युक्ति या पाक्षिक सूत्र। परिशिष्ट पर्वण वास्तव में स्थविरवली चरित्र है यह त्रिशिष्टिशलाका पुरुष चरित्र का परिशिष्ट है। प्रबन्धक चिन्तामणि की रचना मेरुतुंग ने की। उपमिति-भव-प्रपंच-कथा के लेखक सिद्ध या सिद्धर्षि जैन थे।

7. (d)
पाकिस्तान शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग यद्यपि चौधरी रहमत अली ने किया, परन्तु पृथक पाकिस्तान राज्य का विचार कवि व राजनैतिक चिन्तक मुहम्मद इकबाल ने 1930 के अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के इलाहाबाद अधिवेशन में दिया था।

8. (c)
तत्वबोधिनी पत्रिका महर्षि देवेन्द्र नाथ टैगोर द्वारा 16 अगस्त 1839 से शुरू की गयी थी। यह तत्वबोधिनी सभा की पत्रिका थी जिसका प्रकाशन 1883 ई. तक होता रहा। यह कोलकाता से बांग्ला भाषा में प्रकाशित होती थी। ब्रह्मधर्म के प्रचार के उद्देश्य से इसकी स्थापना की गयी थी।

9. (a)
'बहिष्कृत भारत' पत्रिका बी.आर. अम्बेडकर ने कोरेगांव भीमा के युद्ध स्मारक की यात्रा से प्रारम्भ की तथा 3 अप्रैल, 1927 को मराठी में इस पत्रिका को प्रकाशित किया गया।

10. (c)
1857 के विद्रोह के समय नेतृत्व नाना साहब-कानपुर, नवाब हमीद अली खाँ-दिल्ली, मौलवी अहमदुल्लाह-अवध, मनीराम दीवान-असम।

11.(d)
रोमेश चन्द्र मजूमदार (1888-1980), राष्ट्रवादी इतिहासकार थे, उन्होंने प्राचीन भारत के इतिहास पर बहुत कार्य किया है। उन्होंने भारत की स्वाधीनता के इतिहास पर भी बहुत कार्य किया है। उन्होंने कहा था कि "1857 का विद्रोह न तो पहला, न ही राष्ट्रीय, न ही स्वतंत्रता संग्राम था।" इनकी पुस्तक 'दी हिस्ट्री एंड कल्चर ऑफ दी इंडियन पीपुल' थी।

12. (b)
वर्ष 1922 में इंग्लैण्ड और भारत (इलाहाबाद) में सर्वप्रथम एक साथ आई.सी.एस. परीक्षाओं का आयोजन किया गया। ध्यातव्य है कि इस समय भारत के वायसराय (गवर्नर जनरल) लार्ड रीडिंग (1921-26) थे तथा पहले भारतीय आई.सी.एस. अधिकारी सत्येन्द्रनाथ टैगोर थे।

13. (c)
फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना 10 जुलाई, 1800 ई. में लॉर्ड वेलेजली ने कलकत्ता में किया था। जिसका उद्देश्य नागरिक सेवा के अधिकारियों की भाषा एवं संस्कृति में प्रशिक्षित करना था, परंतु ब्रिटेन की गृह सरकार के विरोध के कारण इसे बन्द कर दिया गया। मूलतः इस संस्था की स्थापना शोध एवं प्रकाशन इकाई के रूप में हुआ था।

14. (c)
बंगाल में स्थायी बंदोबस्त 1793 में लॉर्ड कार्नवालिस द्वारा लागू की गयी, जिसमें भूमि लगान का 10/11 भाग कंपनी सरकार को देना था तथा 1/11 भाग जमींदार को अपनी सेवाओं के लिए अपने पास रख लेना था। इस स्थायी बंदोबस्त से अंग्रेजों का समर्थन करने वाला एक कुलीनतंत्र का निर्माण हुआ, जो भारत की आजादी तक उनका समर्थक बना रहा।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

15. (c)
बौद्ध परम्परा के अनुसार, हारीति का बाल भक्षक से बाल रक्षिका में परिवर्तन हो गया। यह एक यक्षिणी थी। यह मातृदेवी के रूप में जानी जाती है। तारा आदि देवियों को वज्रयान में महत्व प्रदान किया गया है। तारा देवी बोधसित्व की पत्नी के नाम से जानी जाती है।

16. (d)
युनाइटेड किंगडम के संसद द्वारा पारित एक विधान जिसे 'मांटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार के नाम से जाना जाता है क्योंकि इस अधिनियम के पारित होने के समय मांटेग्यू भारत सचिव तथा चेम्सफोर्ड वायसराय थे। इसे भारत सरकार अधिनियम 1919 भी कहा जाता है। इस अधिनियम की मुख्य विशेषता 'उत्तरदायी शासन की प्रगति' है। भारत सरकार अधिनियम 1919 की अन्य विशेषताएँ निम्न है- (I) आई.सी.एस. के लिए प्रथम परीक्षा इलाहाबाद में आयोजित की गई। (II) प्रांतों में द्वैध शासन प्रणाली की शुरूआत। (III) लोक सेवा आयोग का गठन किया गया। (IV) केन्द्र में द्विसदनात्मक विधायिका की स्थापना।

17. (c)
मंगलौर की संधि टीपू सुल्तान तथा मद्रास के गवर्नर लार्ड मैकार्टनी के मध्य मार्च 1784 में हुई। इसके तहत दोनों एक दूसरे के जीते हुए प्रदेश लौटा दिए तथा दोनों पक्ष में युद्धबंदियों को रिहा करने का समझौता हुआ। अंग्रेजो ने अश्वासन दिया कि वे मैसूर के साथ मित्रता बनाए रखेंगें। मंगलौर की संधि पर वारेन हेस्टिंग्स ने कहा कि ''मैकार्टनी कैसा आदमी है, जो संधि के बावजूद भी कर्नाटक को खो देगा।''

18. (a)
सर्वप्रथम जनगणना 1872 में लार्ड मेयो के समय हुई थी लेकिन 1881 के बाद नियमित दशकीय जनसंख्या जनगणना शुरू हुआ, जो लार्ड रिपन ने शुरू किया था। वर्ष 2021 की जनगणना देश की 16वीं और स्वतंत्र भारत की 8वीं जनगणना होगी। जनगणना-2021 का विषय (थीम) ''जन भागीदारी से जनकल्याण'' है। जबकि 15वीं जनगणना-2011 का विषय (थीम) ''हमारी जनगणना, हमारा भविष्य'' था।

19. (a)
17वीं शताब्दी में तम्बाकू और मक्का पुर्तगालियों ने भारत में लाया था। अन्य सभी प्राचीन काल से ही भारत में प्राप्त होता है।

20. (d)
भक्ति आंदोलन का प्रारम्भिक प्रतिपादक महान वैष्णव गुरु रामानुजाचार्य को माना जाता है। ये सगुण ईश्वर में विश्वास रखते थे, इन्होंने विशिष्टद्वैत दर्शन का प्रतिपादन किया।
माध्वाचार्य का विश्वास द्वैतवाद में था। निम्बार्काचार्य रामानुज के समकालीन थे, ये द्वैताद्वैत दर्शन में विश्वास रखते थे तथा ईश्वर के प्रति समर्पण पर बल देते थे।

21. (c)
'किताब-उल-हिन्द' अलबरूनी द्वारा अरबी में लिखित कृति है, इस ग्रंथ में भारत के धर्म, दर्शन, त्योहारों, खगोल विज्ञान, रीति रिवाजों तथा प्रथाओं, सामाजिक जीवन, भार-तौल तथा मापन विधियों, मूर्तिकला, कानून तथा विज्ञान आदि विषयों का वर्णन किया गया है।

22. (d)
8वीं सदी में तुर्को ने मध्य एशिया से हटना प्रारम्भ किया और एक के बाद एक सल्जूक, गुज्ज, खिताई, इल्बारी, कर्लूग आदि विभिन्न तुर्क-जातियाँ इस्लामी प्रदेशों में प्रवेश करती चली गई जहाँ उन्होंने स्वतन्त्र राज्य स्थापित किये। शन्सबनी का सम्बन्ध तुर्क जनजातियों से नहीं है।

23. (d)
शेरशाह सूरी ने मुगल सम्राट बाबर की ओर से चन्देरी के युद्ध (1528) में भाग लिया था।

24. (d)
मुगल साम्राज्य का प्रांतों में विभाजन पहली बार अकबर ने किया था। अकबर ने 1580 ई. में अपने संपूर्ण साम्राज्य को 12 सूबों में विभाजित किया, किन्तु शासनकाल के अन्तिम समय में दक्षिण भारत के बरार, खानदेश एवं अहमदनगर की विजय के पश्चात सूबों की संख्या बढ़कर 15 हो गई।

25. (b)
मध्यकालीन भक्ति-आन्दोलनों के विकास तथा लोकप्रियता में महाराष्ट्र के संतों का महत्वपूर्ण योगदान है। ज्ञानेश्वर, हेमाद्रि और चक्रधर से आरंभ होकर रामदास, तुकाराम, नामदेव ने भक्ति पर बल दिया तथा एक भगवान की संतान होने के नाते सबकी समानता के सिद्धान्त को प्रतिष्ठित किया। **महानुभाव सम्प्रदाय** के संस्थापक चक्रधर थे। ज्ञानेश्वर महाराष्ट्र में रहस्यवादी सम्प्रदाय के संस्थापक थे। यह सम्प्रदाय आगे चलकर विकसित हुआ तथा नामदेव, एकनाथ और तुकाराम के हाथों इसने विभिन्न रूप धारण किए। ज्ञानेश्वर ने मराठी भाषा में भगवतगीता पर ज्ञानेश्वरी नामक टीका (समीक्षा) लिखी जिसकी गणना संसार की सर्वोत्तम रहस्यवादी रचनाओं में की जाती है। एकनाथ का जन्म पैठण (औरंगाबाद) में हुआ था। प्रतिदिन कीर्तन (भक्तिगीत) गाना इनकी दिनचर्या थी। **तुकाराम** जन्म से शूद्र थे और शिवाजी के समकालीन थे। तुकाराम ने हिन्दू-मुस्लिम एकता पर बल दिया तथा बारकरी पंथ की स्थापना की।

26. (d)
मराठों के साथ होने वाली पुरन्दर की संधि को वॉरेन हेस्टिग्ज ने 'कागज का टुकड़ा मात्र' मानता था। पुरन्दर की संधि 1776 ई. में पेशवा माधवराव नारायण राव एवं अंग्रेजों के बीच हुई थी। सुरजी–अरजनगाँव की संधि 30 दिसंबर, 1803 ई. को सिंधिया व अंग्रेजों के बीच हुई थी। ग्वालियर की संधि 5 नवम्बर, 1817 ई. को दौलतराव सिंधिया व अंग्रेजों के बीच हुई थी। मंदसौर की संधि 6 जनवरी, 1818 ई. को होल्कर एवं अंग्रेजों के बीच हुई थी।

27. (c)
रज्मनामा हिन्दुओं के प्रसिद्ध महाकाव्य महाभारत का फारसी भाषा में किया गया अनुवाद है। महाभारत का फारसी अनुवाद मुगल बादशाह अकबर के आदेश से बदायूँनी, नकीब खाँ और फैजी ने 'रज्मनामा' नाम से किया था। रज्मनामा पाण्डुलिपि को मुगल चित्रकला के इतिहास में एक मील का पत्थर माना जाता है। रज्मनामा के चित्रों में भगवान कृष्ण एवं बलराम का जरासंध के साथ युद्ध, शिशुपाल वध, द्रौपदी का स्वयंवर, पारिजात हरण आदि प्रसंग मुख्य है। इसी शृंखला में मुगलकाल का एक शानदार चित्र लंदन के ब्रिटिश संग्रहालय में है जिसमें कृष्ण को अपने घोड़े को पानी पिलाते हुए दिखाया गया है।

28. (b)
हरिविजय सूरी अकबर के समय के प्रमुख जैन आचार्य थे। इन्होंने अकबर को जैन दर्शन के बारे में समझाया था। अकबर इनसे इतना प्रभावित हुआ कि उसने इनको 'जगत गुरु' की उपाधि दी।

29. (a)
फ्रांसीसी यात्री जीन बैप्टिस्ट ट्रैवर्नियर ने 1638 से 1663 के बीच छः बार भारत की यात्रा की थी। यह पेशे से जौहरी था तथा मुगल शासक शाहजहां के काल में भारत आया। इसके द्वारा लिखी गई पुस्तक ''ट्रैवेल्स इन इण्डिया'' है। जिसमें शाहजहाँ एवं औरंगजेब के शासनकाल का विस्तारपूर्वक वर्णन किया है।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

30. (d)
बलबन ने तुर्की सल्तनत की रक्षा का सुप्रबन्ध किया और उसे नया जीवन प्रदान किया, यही उसका सबसे महान कार्य था। वह दृढ़ इच्छा शक्ति वाला व्यक्ति था। उसने आंतरिक शांति की पुनः स्थापना की और सल्तनत की उत्तर पश्चिमी सीमाओं की रक्षा के लिए समुचित प्रबन्ध करके उसको मंगोलों के आक्रमणों से बचाया। उसने पड़ोसी हिन्दू शासकों की भूमि को जीतने का प्रयत्न नहीं किया। अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति एवं कठोर स्वभाव के कारण बड़े-बड़े तुर्क सरदारों की शक्ति को कुचल कर इस देश में तुर्की शासन को नया रूप दिया। अतः वह कमजोर भाव वाला व्यक्ति नहीं था।

31. (a)
लोदी काल में स्थापत्य कला के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण निर्माण हुए। इस काल में बड़ी संख्या में मकबरों का निर्माण हुआ जो अधिकतर खाने जहाँ तेलंगानी के मकबरे के अनुसरण पर बनाये गये हैं। उल्लेखनीय है कि खाने जहाँ तेलंगानी का मकबरा अष्टभुजीय मकबरे का एक सुन्दर उदाहरण है। हालांकि सिकन्दर लोदी के समय में स्थापत्य के क्षेत्र में एक नये ढंग की शुरुआत हुई जिसमें एक गुम्बद की जगह दो गुम्बदों का निर्माण आरम्भ हुआ। पर्सी ब्राउन ने सैय्यद और लोदी के काल को मकबरों के युग के नाम से सम्बोधित किया है।

32. (b)
आशिका की रचना अमीर खुसरो ने खिज्र खाँ के आदेश पर किया था। इसकी रचना पद्य में मूलतया गुजरात के राजा कर्ण की पुत्री देवल देवी और अलाउद्दीन खिलजी के पुत्र खिज्र खाँ के प्रेम का वर्णन किया गया है। इसमें खिज्र खाँ के नैतिक पतन का भी वर्णन मिलता है।

33. (b)
बलबन स्वयं को नायब-ए-खुदाई या ईश्वर का प्रतिनिधि कहता था। इस प्रकार बलबन के राजत्व सिद्धान्त का स्वरूप और सार फारस के राजत्व से प्रेरित था। उसके अनुसार राजा 'जिल्ले अल्लाह' अर्थात् ईश्वर का प्रतिबिंब है। बलबन का मानना था कि सुल्तान का हृदय दैवी अनुकंपा की एक विशेष निधि है, इस कारण इसका अस्तित्व अद्वितीय है।

34. (d)
पाशुपत शैव धर्म का प्राचीनतम सम्प्रदाय है जिसकी उत्पत्ति ईसा पूर्व दूसरी शती में हुई है। पुराणों के अनुसार इस सम्प्रदाय की स्थापना लकुलीश नामक ब्रह्मचारी ने की थी। इस सम्प्रदाय के अनुयायी लकुलीश को शिव का अवतार मानते हैं। इनका जन्म गुजरात के कायावरोहण नामक स्थान पर हुआ था। पशुपत सम्प्रदाय के लोग अपने हाथ में एक दण्ड धारण किये रहते हैं जिसे शिव का प्रतीक माना जाता है। इसका प्राचीनतम अंकन कुषाण शासक हुविष्क की मुद्रा पर मिलता है। लकुलीश ने पंचार्थ नामक ग्रन्थ की रचना की थी। पाशुपत सम्प्रदाय के अंतर्गत 5 पदार्थों की सत्ता को स्वीकार किया गया है।- (1) कार्य, (2) कारण, (3) योग, (4) विधि, (5) दुःखान्त।

35. (c)
अमीर खुसरो संगीत के क्षेत्र में महत्वपूर्ण यंत्रों की खोज की जिसमें सितार, तबला तथा सारंगी प्रमुख है।

36. (c)
सल्तनत कालीन शासक बलबन 'ममलूक' वंश से सम्बन्धित था। 1206 से 1290 ई. में दिल्ली पर शासन करने वाले सुल्तान तीन अलग–अलग वंशों से सम्बन्धित थे। कुतुबुद्दीन ऐबक ने कुत्बी, इल्तुतमिश ने शम्सी व बलबन ने बलबनी वंश की स्थापना की। आरम्भ में इसे दास वंश का नाम दिया गया, क्योंकि इस वंश का प्रथम शासक कुतुबुद्दीन ऐबक दास था। बाद में इतिहासकार हबीबुल्ला ने इन्हें 'ममलूक' शासक कहा।

37. (a)

मुहम्मद-बिन-तुगलक	कृषि के विभिन्न विभागों की स्थापना
फिरोज तुगलक	उद्योग कार्यालय की स्थापना
बलबन	राज मुकुट की प्रतिष्ठा का पुनरुत्थान
अलाउद्दीन खिलजी	सही माप के आधार पर भूमि कर का निर्धारण

38. (c)

सूची-I	**सूची-II**
(a) दीवान-ए-रिसालत	1. धार्मिक मामलों का विभाग
(b) दीवान-ए-कोही	2. कृषि विभाग
(c) दीवान-ए-इंशा	3. पत्राचार विभाग
(d) दीवान-ए-अर्ज	4. सैन्य मामलों का विभाग

39. (a)
गुप्त सम्राट वैष्णव धर्म के उपासक थे तथा उदयगिरि गुफा से भगवान विष्णु के वराह अवतार की प्रतिमा मिलती है। इन गुफाओं का निर्माण चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य ने करवाया था।

40. (c)
महमूद गजनवी के काल में शाही-राज्य की राजधानी उदभाण्डपुर थी। महमूद गजनवी का प्रथम आक्रमण 1000 ई. में हुआ था। इस आक्रमण के फलस्वरूप उसने कुछ सीमान्त किलों पर अधिकार कर लिया। इसके अनन्तर वह हिन्दूशाही राज्य के राजा जयपाल के विरुद्ध अभियान छेड़ दिया था।

41. (a)
अरबों द्वारा सिंध विजय का विस्तृत उल्लेख 'चचनामा' में मिलता है। यह ग्रंथ किसी अज्ञात लेखक द्वारा अरबी भाषा में लिखा गया था, जिसे अबु बकर कूफी ने 1216 ई. में फारसी में अनुवाद किया था।

42. (d)
चोलकालीन प्रशासन में स्थानीय स्वशासन का पूर्ण विकास हुआ था जिसमें नाडु एक प्रशासनिक इकाई थी तथा नाडु जिले के समान था। नाडु की सभा को नाट्टार कहा जाता था।

43. (b)
श्रेष्ठ शासन प्रणाली चोल वंश के शासकों की महानतम उपलब्धि थी। उत्कृष्ट केंद्रीय प्रशासन के अतिरिक्त चोलों ने असाधारण शक्ति एवं क्षमता से युक्त स्थानीय स्वायत्तशासी ग्रामीण संस्थाओं का निर्माण किया। परान्तक प्रथम के लेखों में उर, सभा या महासभा एवं नगरम् नामक संस्थाओं का विवरण प्राप्त होता है।

44. (c)
समुद्रगुप्त को 'भारत का नेपोलियन' कहा जाता है। समुद्रगुप्त की उपलब्धियों का जो विवरण हमें प्रयाग प्रशस्ति से मिलता है। उसमें आर्यावर्त्त के राजाओं का उन्मूलन तथा सुदूर दक्षिण के राज्यों की विजय उसकी उत्कृष्ट सैनिक प्रतिभा के परिचायक हैं। इतिहासकार स्मिथ ने समुद्रगुप्त की वीरता पर मुग्ध होकर उसे 'भारत का नेपोलियन' कहा है। उसकी एक उपाधि 'अप्रतिरथः' भी ज्ञात होती है।

45. (c)
गुप्तकालीन सिक्कों का सबसे बड़ा कोष बयाना (राजस्थान) में स्थित है। बयाना से 1821 ई. में सोने के सिक्कों का भारी ढेर प्राप्त हुआ था।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

46. (d)
न्यायपालिका विभाग कण्टकशोधन से संबंधित था। मौर्यकाल में न्यायालय मुख्यतः दो प्रकार के थे– (a) धर्मस्थीय (b) कण्टक-शोधन। इन न्यायालयों का अन्तर बहुत स्पष्ट नहीं है। फिर भी हम इन्हें सामान्यतः दीवानी तथा फौजदारी कह सकते हैं। इन दोनों में तीन-तीन न्यायाधीश एक साथ बैठकर न्याय का कार्य करते थे। विदेशियों के मामलों की सुनवाई के लिए विशेष प्रकार की अदालतें संगठित की गयी थी।

47. (c)
असहयोग आन्दोलन में एक और कार्रवाई, जो बहुत लोकप्रिय हुई वह थी ताड़ी की दुकानों पर धरना। हालॉकि यह मूल कार्यक्रम में नहीं था। सरकार को इससे बहुत आर्थिक नुकसान पहुँचा और वह मजबूर होकर इसके प्रचार में जुट गई। वह बताने लगी कि ताड़ी पीने के कितने फायदे हैं। बिहार और उड़ीसा की सरकार ने तो इतिहास पुरुषों के नाम तक गिनाए कि कितने महान-महान लोग शराब का सेवन करते थे, (मूसा, सिकंदर, जुलियस सीज़र, नेपोलियन, शेक्सपीयर, ग्लैडस्टान, टेनीसन और बिस्मार्क का नाम लिया गया।

48. (b)
शाहजी की ढेरी के स्तूप से प्राप्त पुरावशेष धातु मंजूषा में बुद्ध की आसनस्थ आकृतियाँ ब्रह्मा और इन्द्र की आकृतियों के साथ हैं।

49. (b) नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना गुप्तवंशी शासक कुमार गुप्त ने करवाई थी। शीलभद्र, हर्ष के शासनकाल में नालन्दा विश्वविद्यालय के प्रमुख आचार्य थे। हर्ष के शासनकाल में जब चीनी यात्री ह्वेनसाँग नालन्दा विश्वविद्यालय गया तब वहाँ के कुलपति आचार्य शीलभद्र थे।

50. (d)
नासिक तथा कार्ले गुफायें सातवाहन राज्य से सम्बंधित है। सातवाहन काल में नासिक एवं कार्ले प्रसिद्ध बौद्ध स्थल थे।
कार्ले चैत्य प्राचीन भारत के सर्वाधिक सुन्दर तथा भव्य स्मारको में से एक है। यह चैत्य सबसे बड़ा एवं सुरक्षित अवस्था में है।

51. (d)
वैदिक काल में चिनाब नदी को अस्किनी नाम से जाना जाता था। अन्य नदियों में रावी नदी को परुष्णी, सतलज नदी को शुतुद्री तथा झेलम नदी को वितस्ता नाम से वैदिक काल में जाना जाता था।

52. (c)
सामवेद की 3 शाखाएँ हैं– कौथुम संहिता (गुजरात से सम्बन्धित), राणायनीय संहिता (महाराष्ट्र से सम्बन्धित) एवं जैमिनीय संहिता (कर्नाटक से सम्बन्धित) है। सामवेद की कौथुम संहिता सबसे अधिक प्रचलित है।

53. (c)
जैनुल आबिदीन (1420-70) कश्मीर का महानतम शासक था। उसका वास्तविक नाम शाही खाँ था। उसकी उदार नीतियों के कारण उसे 'कश्मीर का अकबर' कहा जाता है। अपने पिता के विपरीत उसने हिन्दुओं के प्रति उदार नीति अपनाया तथा मुसलमान बनाए गए हिन्दुओं को पुनः अपने धर्म में लौटने की स्वतंत्रता दी। उसने कश्मीर में गो-हत्या को प्रतिबन्धित कर दिया।

54. (c)
सैन्धव निवासियों का भारतीय प्रदेशों के अतिरिक्त विश्व के कई अन्य देशों के साथ भी व्यापारिक एवं सांस्कृतिक सम्बन्ध था। मध्य एशिया, उत्तरी पूर्वी अफगानिस्तान, ईरान, बहरीन द्वीप, मेसोपोटामिया (इराक), मिस्र आदि देशों के साथ सैन्धव निवासियों का घनिष्ठ व्यापारिक सम्पर्क था।

55. (b)
सिंधु घाटी सभ्यता को कांस्य युगीन सभ्यता कहा जाता है।

56. (a)
1937 के चुनावों के बाद प्रान्तों में स्थापित कांग्रेसी सरकारों की गतिविधियों के मार्ग दर्शन और समन्वय के लिए तथा कांग्रेस के प्रान्तीयकरण को रोकने के लिए एक संसदीय उपसमिति का गठन किया गया। जिसमें अबुल कलाम आजाद, सरदार वल्लभ भाई पटेल और डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद शामिल थे।

57. (c)
कालीबंगा राजस्थान के गंगानगर जिले (वर्तमान में हनुमानगढ़ जिला) में घग्घर नदी के बाएं किनारे पर स्थित सैन्धव सभ्यता का एक महत्वपूर्ण स्थल है। यहां 1961 ई. में बी.बी. लाल तथा बी.के. थापड़ ने खुदाई करवाई। संभवतः यह सैन्धव सभ्यता की तीसरी राजधानी थी। यहाँ से जुते हुए खेत के साक्ष्य मिलते है। यहाँ से भूकम्प के प्राचीनतम साक्ष्य मिलते है। जिसके फलस्वरूप यहां की प्राक्-हड़प्पा सभ्यता का अन्त (लगभग 2700-2600 ई.पू.) हो गया।

58. (c)
रेडियो कार्बन C_{14} जैसी नवीन विश्लेषण पद्धति के द्वारा सिन्धु सभ्यता की सर्वमान्य तिथि 2350 ई.पू. से 1750 ई.पू. मानी गयी है। इस सभ्यता (हड़प्पा) की खोज रायबहादुर दयाराम साहनी ने की थी। इस सभ्यता को आद्य ऐतिहासिक अथवा कांस्य युग में रखा जा सकता है। इस सभ्यता के लोगों को लौह का ज्ञान नहीं था।

59. (b)
सही सुमेलित युग्म इस प्रकार है-

हड़प्पा	- शवाधान आर. 37
लोथल	- गोदीवाड़ा
कालीबंगा	- जुता हुआ खेत
मोहनजोदड़ो	- नर्तकी की मूर्ति

60. (b)

A. पुरापाषण काल	- नदी तट अधिवास
B. मध्यपाषण काल	- शैलाश्रय अधिवास
C. नवपाषण काल	- गर्त अधिवास
D. ताम्रपाषण काल	- कच्चे एवं पक्के मकान

61. (b)
रॉबर्ट ब्रूस फुट ब्रिटिश भू-गर्भ वैज्ञानिक और पुरातात्विक थे। जियोलॉजिकल सर्वे से संबद्ध ब्रूस फुट ने सर्वप्रथम 1863 ई. में भारत में पाषाणकालीन बस्तियों के अन्वेषण की शुरुआत की।

62. (b)
सर्वप्रथम जिस धातु को औजारों हेतु प्रयोग किया गया वह 'तांबा' था। ऐसा माना जाता है कि तांबे का सर्वप्रथम प्रयोग लगभग 5000 ई. पू. में किया गया था। तांबा राजस्थान की खेतडी से प्राप्त होता था। तांबा के प्रयोग से पहले पत्थर के औजारों का प्रयोग किया जाता था। तांबा की खोज हो जाने से इस काल को ताम्रपाषाण काल कहा गया।

63. (b)
A.S.I. द्वारा भारत में सर्वप्रथम एलेक्जेण्डर कनिंघम ने उत्खनन आरम्भ करवाया था। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण सांस्कृतिक विरासतों के पुरातत्वीय अनुसंधान तथा संरक्षण के लिए संगठन है इसका प्रमुख कार्य राष्ट्रीय महत्व के प्राचीन स्मारकों तथा पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों का रखरखाव करना है। इसकी स्थापना 1861ई. में किया गया था तथा इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

प्रशिक्षित स्नातक परीक्षा (इतिहास)

प्रैक्टिस सेट-2

1. मैकमोहन रेखा किस संधि का परिणाम थी?
(a) काबुल ट्रीटी, 1893 (b) ल्हासा ट्रीटी, 1904
(c) नानजिंग ट्रीटी, 1842 (d) शिमला कन्वेंशन, 1914

2. अंग्रेजी सम्राट ने 'भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम' पर किस तिथि को हस्ताक्षर किए?
(a) 3 जून 1947 (b) 26 जून 1947
(c) 18 जुलाई 1947 (d) 31 जुलाई 1947

3. शाही भारतीय नौ सेना के नाविकों ने किस दिन विद्रोह किया?
(a) 8 फरवरी 1946 (b) 18 फरवरी 1946
(c) 18 जनवरी 1946 (d) 28 जनवरी 1946

4. गाँधीजी के आह्वान पर दांडी मार्च कब शुरू हुआ?
(a) 12 मई, 1930 ई. को
(b) 12 अप्रैल, 1930 ई. को
(c) 12 मार्च, 1930 ई. को
(d) 12 फरवरी, 1930 ई. को

5. महायुद्ध में भारत का सहयोग सुनिश्चित करने के लिए निम्न में से किस वायसराय ने 'ऑगस्ट ऑफर' प्रस्तुत किया था?
(a) लॉर्ड वेवल (b) लॉर्ड हार्डिंग्स
(c) लॉर्ड लिनलिथगो (d) लॉर्ड माउंटबेटन

6. गांधीजी ने किस घटना के बाद असहयोग आंदोलन वापस लेने का निर्णय लिया?
(a) दांडी यात्रा (b) बंगाल का विभाजन
(c) चौरी-चौरा कांड (d) काकोरी कांड

7. जलियाँवाला बाग सामूहिक हत्याकांड कहाँ पर हुआ था?
(a) जलांधर (b) अमृतसर
(c) लुधियाना (d) होशियारपुर

8. 'प्रबुद्ध भारत' नामक अंग्रेजी समाचार-पत्र प्रकाशित किया गया था
(a) आर्य समाज द्वारा
(b) रामकृष्ण मिशन द्वारा
(c) थियोसोफिकल सोसाइटी द्वारा
(d) ब्रह्म समाज द्वारा

9. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के किस सत्र में ''समाज के समाजवादी ढाँचे'' को कांग्रेस द्वारा औपचारिक रूप से स्वीकार किया गया?
(a) वर्धा सत्र (b) भुवनेश्वर सत्र
(c) नागपुर सत्र (d) अवाडी सत्र

10. निम्नलिखित में से कौन-सा प्रदेश भारत में 'सैनिकों की पौधशाला' कहलाता था?
(a) बंगाल (b) गुजरात
(c) अवध (d) पंजाब

11. तालिका को मिलाइए :

A.	कुँवर सिंह	1.	दिल्ली
B.	मौलवी अहमदुल्ला	2.	बिहार
C.	मंगल पांडे	3.	फैजाबाद
D.	जीनत महल	4.	बैरकपुर

	A	B	C	D
(a)	3	2	1	4
(b)	2	3	1	4
(c)	2	3	4	1
(d)	3	2	4	1

12. निम्नलिखित में से कौन प्रसिद्ध प्राच्यविद नहीं था?
(a) एच. टी. कोलब्रुक (b) एच.एच. विल्सन
(c) एडविन अर्नाल्ड (d) चार्ल्स ट्रेवेर्नियर

13. ''गिफ्ट टू मोनोथ्रीस्ट्स'' नामक कृति किसने लिखी थी?
(a) राममोहन राय
(b) रविन्द्र नाथ टैगोर
(c) अरविन्द घोष
(d) स्वामी विवेकानन्द

14. 'सूर्यास्त कानून' ब्रिटिश सरकार की किस भू-राजस्व व्यवस्था से सम्बन्धित था?
(a) रैय्यतवारी बंदोबस्त
(b) स्थायीबंदोबस्त
(c) महालवारी बंदोबस्त
(d) तालुकदारी बंदोबस्त

15. बम्बई मिल हैण्ड्स एसोसिएशन भारत में एक प्रकार की प्रथम ट्रेड यूनियन थी। इसके संस्थापक थे-
(a) शशिपद् बनर्जी (b) एन. एम. लोखण्डे
(c) एम. एन. राय (d) एस. एम. जोशी

16. कलकत्ता के फोर्ट विलियम का प्रथम सभापति कौन था?
(a) चार्ल्स आयर (b) जॉन चाइल्ड
(c) जार्ज अक्सेन्डन (d) जीराल्ड आन्जीअर

17. एल्फिन्स्टन कहाँ का गवर्नर था?
(a) बम्बई का (b) मद्रास का
(c) हुगली (कलकत्ता) का (d) अवध का

18. भारत की सर्वप्रथम, कागज पर लिखी गई, 1223-24 ई. की हस्तलिखित पुस्तक कहाँ से उपलब्ध हुई है?
(a) पंजाब (b) राजस्थान
(c) गुजरात (d) बंगाल

19. कवि चंडीदास ने किस भाषा की लोकप्रियता में योगदान दिया था?
(a) बंगाली (b) ब्रजभाषा
(c) मैथिली (d) अवधी

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

20. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए:

मुस्लिम पद		अर्थ	
A	सिरा	**1.**	कुरान की व्याख्या
B	हदीस	**2.**	पारंपरिक सामाजिक प्रथाएँ
C	सुन्नह	**3.**	पैगम्बर के कथनों और कृत्यों के अभिलेख
D	तफ़सीर	**4.**	पैगम्बर की जीवनी

कूट-

	A	**B**	**C**	**D**
(a)	1	2	3	4
(b)	1	3	2	4
(c)	4	3	1	2
(d)	4	3	2	1

21. अपने शासनकाल के किस वर्ष अकबर ने अपने साम्राज्य को सूबों में विभाजित किया?
(a) 18वें वर्ष (b) 24वें वर्ष
(c) 32वें वर्ष (d) 40वें वर्ष

22. फिरोज़ शाह तुगलक द्वारा दिल्ली की गद्दी पर राज्यारोहण के उपरान्त समाप्त किए गए कृषि उपकर क्या कहलाते थे?
(a) सोंधर (b) अबवाब
(c) मुहद्दिसात (d) तकावी

23. शेरशाह का मकबरा कहाँ स्थित है?
(a) फतेहपुर सीकरी में (b) सासाराम में
(c) आगरा में (d) दिल्ली में

24. भारत में किसके द्वारा तोप और बन्दूक का प्रयोग प्रथमतया किया गया था–
(a) बलबन ने (b) अलाउद्दीन खिलजी ने
(c) बाबर ने (d) अकबर ने

25. सतनामियों का विद्रोह किसके शासन काल में हुआ था?
(a) अकबर (b) शाहजहाँ
(c) औरंगजेब (d) जहाँगीर

26. निम्न में से किस सम्राट ने ट्रॉय के 178 ग्रेन के चांदी के रुपया की शुरुआत की?
(a) बाबर (b) हुमायूँ
(c) शेरशाह (d) अकबर

27. अकबर के साथ वैवाहिक गठबंधन बनाने वाला पहला कबीला कौन सा था?
(a) राठौड़ (b) चौहान
(c) कछवाहा (d) सिसोदिया

28. मुगल काल में श्रेष्ठ किस्म की नील का उत्पादन कहाँ होता था?
(a) बयाना, सरखेज, सेह्वान (b) खुर्जा, बयाना, कोइल
(c) सरखेज, तेलंगाना, खुर्जा (d) सेह्वान, तेलंगाना, खुर्जा

29. मलिक काफूर के दक्षिण अभियान का अति विश्वसनीय वृत्तांत दिया है?
(a) अमीर खुसरो ने (b) हसन निजामी ने
(c) मिनहाज ने (d) जियाउद्दीन बरनी ने

30. मुहम्मद तुगलक ने 'दीवाने कोही' नामक एक नये विभाग का सृजन किया, इसका मुख्य कार्य था
(a) परती भूमि को कृषि योग्य बनाना
(b) भू-राजस्व का बकाया संग्रह करना
(c) उद्दण्ड सरदारों को दण्डित करना
(d) राजस्व अधिकारियों का पर्यवेक्षण करना

31. 'सिकन्दर-ए-सानी' की उपाधि किस सुल्तान ने धारण की थी?
(a) बलबन (b) फिरोज तुगलक
(c) अलाउद्दीन खिलजी (d) सिकन्दर लोदी

32. अलाउद्दीन द्वारा दिल्ली में मद्यनिषेध के आदेश का प्रमुख कारण था-
(a) आर्थिक (b) नैतिक
(c) राजनैतिक (d) धार्मिक

33. निम्नलिखित में से किसने अपनी रचना प्रमुखतः शेरशाह सूरी पर केन्द्रित की?
(a) अब्दुल हमीद लाहोरी (b) याह्या सरहिन्दी
(c) अब्बास खान सरवानी (d) मुहम्मद कासिम फरिस्ता

34. पतंजलि के योगसूत्र का अरबी भाषा में अनुवाद किसने किया?
(a) बरनी (b) अल बरूनी
(c) इसामी (d) सरहिन्दी

35. जौनपुर में शर्की राज्य स्थापित किया था।
(a) अहमदुल्ला मुहम्मद शाह ने
(b) अबु बक्र शाह ने
(c) मलिक सरवर ने
(d) मलिक मुबारक ने

36. अमीर खुसरो का जन्म कहाँ हुआ था?
(a) दिल्ली (b) पटियाली
(c) बदायुं (d) मेरठ

37. निम्नलिखित में से कौन निजामुद्दीन औलिया का शिष्य नहीं था?
(a) अमीर खुसरो (b) बरनी
(c) शेख जमालुद्दीन (d) मीर हसन देहलवी

38. कलिंग नरेश खारवेल की 'हाथीगुम्फा प्रशस्ति' किस भाषा में उत्कीर्ण की गयी है?
(a) पालि (b) संस्कृत
(c) तमिल (d) प्राकृत

39. लाहौर में गजनी वंश का अन्तिम शासक था।
(a) अली किरमज (b) मसूद
(c) खुसरो मलिक (d) सुबुक्तगीन

40. उत्तरमेरूर अभिलेख में 'सभा' के गठन का विवरण किसके शासनकाल से सम्बन्धित है?
(a) राजराज चोल (b) राजेन्द्र चोल
(c) कुलोतुंग चोल (d) परान्तक चोल

41. किस चोल शासक ने सबसे पहले भूमि की पैमाइश करायी थी?
(a) राजराज प्रथम (b) सुन्दरचोल
(c) गण्डरा दित्य (d) राजेन्द्र चोल

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

42. 'प्राकृत प्रकाश' का लेखक कौन है?
(a) पतंजलि (b) पाणिनि
(c) वररूचि (d) अमरसिंह

43. निम्नलिखित क्षेत्रों में से किस क्षेत्र पर चन्द्रगुप्त-I का शासन नहीं रहा?
(a) प्रयाग (b) साकेत
(c) वैशाली (d) मगध

44. निम्नलिखित में से किस एक देशी रियासत के संविधान का प्रारूप महात्मा गाँधी द्वारा तैयार किया गया था?
(a) औंध (b) बड़ौदा (c) जामनगर (d) मैसूर

45. निम्नलिखित में से कौन सा सही कालक्रम में है?
(a) मौर्य-कुषाण-हर्यक-गुप्त (b) हर्यंक-मौर्य-कुषाण-गुप्त
(c) हर्यंक-कुषाण-गुप्त-मौर्य (d) कुषाण-हर्यक-मौर्य-गुप्त

46. किस स्थान से 'कपिलवस्तु महाविहारे' अंकित सील प्राप्त हुई है?
(a) पिपरहवा (b) काशी
(c) देवदह (d) शालवन

47. निम्नलिखित शासकों में से कौन जैन धर्म के संरक्षक थे?
(1) शिशुनाग (2) खारवेल
(3) चन्द्रगुप्त मौर्य
(a) 1, 2 और 3 (b) 1 और 2
(c) 2 और 3 (d) 1 और 3

48. 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' या 'हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो' यह निम्नलिखित में से किस उपनिषद् में आता है?
(a) छांदोग्य (b) मांडुक्य
(c) मुंडक (d) वृहदारण्यक

49. सोलह महाजनपद काल में वज्जिसंघ की राजधानी कौन सी थी?
(a) वैशाली (b) चम्पा
(c) कुशीनगर (d) मथुरा

50. किस वैदिक पाठ्य के लिए 'वेदान्त' शब्द का प्रयोग होता है?
(a) अरण्यक (b) उपनिषद्
(c) ब्राह्मण (d) स्मृति

51. भारत में प्रथम पुरा प्रस्तर युगीन औजार की खोज का, जिससे देश में प्रागैतिहासिक अध्ययन का रास्ता खुला, श्रेय किसे जाता है?
(a) बर्किट (b) डे टेरा एवं पैटर्सन
(c) आर. बी. फूट (d) एच. डी. सांकलिया

52. हड़प्पा सभ्यता में निम्नलिखित किस लिपि का प्रयोग किया गया?
(a) वर्णात्मक (b) चित्रात्मक
(c) ध्वनि बोधक (d) शब्दांश

53. निम्नलिखित में से मोहनजोदड़ो जाने वाला व्यक्ति कौन था?
(a) राखालदास बनर्जी (b) सर आरेन स्टाइन
(c) डी.आर. भण्डारकर (d) एन.जी. मजूमदार

54. निम्नलिखित में से किसके राज्य के अंतर्गत खरपल्लाण तथा वनस्फर, दो क्षत्रप शासन करते थे?
(a) कनिष्क (b) कडफिस प्रथम
(c) कालुफण द्वितीय (d) हुविष्क

55. निम्न में से सर्वप्रथम किसने यह विचार व्यक्त किया था कि आर्यो ने भारत में पश्चिमोत्तर से प्रवेश किया था और हड़प्पा संस्कृति को नष्ट किया?
(a) ग्रिफिथ (b) प्रिन्सेस
(c) ह्वीलर (d) मैक्समूलर

56. सिंधु घाटी सभ्यता की खोज किस वर्ष की गई?
(a) 1921 (b) 1933
(c) 1917 (d) 1941

57. प्रागैतिहासिक चित्रकला के उदाहरण मिले है:
(a) अजन्ता की गुफाओं में
(b) बाघ की गुफाओं में
(c) एलोरा की गुफाओं में
(d) भीमबेटका के शैलाश्रयों में

58. निम्न में से किस एक स्थल पर शिल्प में विष्णु का वराह अवतार दर्शाया गया है?
(a) उदयगिरि गुफा, विदिशा (b) एलोरा गुफा, औरंगाबाद
(c) हाथीगुम्फा गुफा, भुवनेश्वर (d) एलीफैंटा गुफा, मुम्बई

59. भारतीय उपमहाद्वीप में निम्नलिखित किस स्थल से सर्वप्रथम होमिनिड जीवाश्म की खोज की गई?
(a) दमदमा (b) राखीगढ़ी
(c) सराय नाहर राय (d) हथनोरा

60. भारत के नियोलिथिक स्थिरीकरण की तिथि लगभग
(a) 8000 B.C. (b) 6000 B.C.
(c) 7000 B.C. (d) उपरोक्त कोई भी नहीं हैं

61. मुगलकालीन भारत में मुख्य रूप से थी –
(a) एक वर्ष में एक फसलीय अर्थव्यवस्था
(b) एक वर्ष में दो फसलीय अर्थव्यवस्था
(c) एक वर्ष में तीन फसलीय अर्थव्यवस्था
(d) एक वर्ष में चार फसलीय अर्थव्यवस्था

62. मकबरों की 'अष्ट भुजाकार' आकृति मध्यकालीन भारत के निम्नलिखित में से किस वंश की विशेषता थी?
(a) खिलजी (b) तुगलक
(c) सैय्यद (d) लोदी

63. गदर आंदोलन के शुरू होने का सबसे महत्वपूर्ण कारण था
(a) प्रथम विश्व युद्ध का आरंभ
(b) करतार सिंह सराभा को फाँसी
(c) कामागाटामारू घटना
(d) लाला हरदयाल की गिरफ्तारी

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तरमाला : प्रैक्टिस सेट–2

1. (d)	2. (c)	3. (b)	4. (c)	5. (c)	6. (c)	7. (b)	8. (b)	9. (d)	10. (c)
11. (c)	12. (d)	13. (a)	14. (b)	15. (b)	16 (a)	17. (a)	18. (c)	19. (a)	20. (d)
21. (b)	22. (b)	23. (b)	24. (c)	25. (c)	26. (c)	27. (c)	28. (a)	29. (a)	30. (a)
31. (c)	32. **(c)**	33. (c)	34. (b)	35. (c)	36. (b)	37. (c)	38. (d)	39. (c)	40. (d)
41. (a)	42. (c)	43. (c)	44. (a)	45. (b)	46. (a)	47. (c)	48. (d)	49. (a)	50. (b)
51. (c)	52. (b)	53. (a)	54. (a)	55. (c)	56. (a)	57. (d)	58. (a)	59. (d)	60. (c)
61. (b)	62. (d)	63. (a)							

व्याख्या

1. (d)
मैकमोहन रेखा भारत और चीन के बीच की रेखा है। यह **वर्ष 1914** में **शिमला समझौते** के परिणामस्वरूप अस्तित्व में आयी। इस सीमा रेखा का नाम सर हेनरी मैकमोहन के नाम पर रखा गया था, जिनकी इस समझौते में महत्वपूर्ण भूमिका थी और वे भारत की तत्कालीन अंग्रेजी सरकार के विदेश सचिव थे। मैकमोहन रेखा की लम्बाई 890 किमी. है।

2. (c)
भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947 इंग्लैण्ड की पार्लियामेंट द्वारा पारित वह विधान है जिसके अनुसार इग्लैण्ड शासित भारत को 2 भागों भारत और पाकिस्तान में विभाजित किया गया। यह अधिनियम ब्रिटिश पार्लियामेंट में 18 जुलाई 1947 को स्वीकृत हुआ और 15 अगस्त 1947 को भारत का विभाजन हुआ। साथ ही दोनों देश स्वतंत्र घोषित किये गये।

3. (b)
18 फरवरी, 1946 का नौसैनिक विद्रोह बम्बई से कराची तक फैल गया था। इसमें रॉयल इंडियन नेवी के नौसैनिकों ने तत्कालीन ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ विद्रोह कर दिया। बाद में पटेल के आह्वान पर यह विद्रोह समाप्त हुआ।

4. (c)
12 मार्च, 1930 को गांधीजी ने दांडी यात्रा की शुरूआत की थी। 24 दिनों तक चली यह पद यात्रा अहमदाबाद के साबरमती आश्रम से शुरू होकर नवसारी स्थित दांडी तक सम्पन्न हुई थी। यह आन्दोलन नमक पर ब्रिटिश राज के एकाधिकार के खिलाफ था, जिसके कारण नमक जैसी प्राकृतिक संसाधनों को कुछ मात्रा में बनाने की छूट दे दी गयी।

5. (c)
अगस्त, 1940 में तत्कालीन वायसराय लार्ड लिनलिथगो द्वारा प्रस्तावित 'अगस्त प्रस्ताव' में महायुद्ध में सहयोग के बदले भारत में एक संविधान सभा बनाने की बात की गयी, साथ ही अल्पसंख्यको को यह विश्वास दिलाया गया कि वे ऐसी राज्य प्रणाली का समर्थन नहीं करेंगे, जिसे उस देश की एक प्रमुख जाति अस्वीकार करती हो।

6. (c)
1 अगस्त, 1920 को शुरू हुए असहयोग आन्दोलन को 5 फरवरी 1922 को गोरखपुर के चौरी-चौरा नामक स्थान पर हिंसा के कारण गाँधी जी ने वापस कर दिया। गाँधी जी ने इसी आंदोलन के दौरान अपनी 'कैसर-ए-हिन्द' की उपाधि लौटा दी।

7. (b)
10 अप्रैल 1919 को दो राष्ट्रवादी नेता डॉ सत्यपाल और डॉ. सैफुद्दीन किचलू गिरफ्तार कर लिए गए। 13 अप्रैल 1919 ई. को इनकी गिरफ्तारी के विरोध में जलियाँवाला बाग (अमृतसर) में एक जनसभा एकत्र हुई। यही पर ब्रिटिश अधिकारी जनरल डॉयर ने पार्क में एकत्रित हुए निहत्थे लोगों पर गोली चलाने का आदेश दे दिया। दीनबन्धु एफ. एण्ड्रूज ने इस हत्याकांड को 'जानबूझकर की गयी हत्या कहा'।

8. (b)
प्रबुद्ध भारत रामकृष्ण मिशन द्वारा प्रकाशित अंग्रेजी मासिक पत्रिका है इसका प्रकाशन 1896 से होता आ रहा है इसमें भिक्षुओं, साधुओं एवं संन्यासियों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक एवं धार्मिक विषयों पर लेख होते हैं इसका सम्पादन उत्तराखण्ड के अद्वैत आश्रम तथा प्रकाशन एवं मुद्रण कोलकता से होता है।

9. (d)
भारतीय गणतंत्र के संस्थापकों की दृष्टि मात्र राष्ट्रीय एकीकरण और राजनीतिक स्थिरता तक ही सीमित नहीं थी। भारतीय समाज को सामाजिक परिवर्तन के एक बड़े दौर से गुजरना था। संविधान के अनुच्छेद 36 के तहत राज्य के नीति निदेशक सिद्धान्तों में कहा गया था–'राज्य जनता के कल्याण को बढ़ावा देने के लिए एक सी सामाजिक व्यवस्था को यथासंभव प्रभावशाली उपायों से हासिल और सुरक्षित रखने की कोशिश करेगा, जिसमें आर्थिक और राजनीतिक न्याय, राष्ट्रीय जीवन को हरेक संस्था के माध्यम से उपलब्ध होगा।' 'समाज के समाजवादी प्रारूप' के रूप में इसे व्यक्त किया गया और आधिकारिक तौर पर कांग्रेस के अवाडी अधिवेशन द्वारा स्वीकार किया गया। बाद में इस आदर्श को दूसरी और तीसरी पंचवर्षीय योजनाओं का अंग बना लिया गया।

10. (c)
अवध प्रान्त को सैनिकों का पौधशाला कहा जाता है, क्योंकि आंग्ल भारतीय सेना में सबसे अधिक सैनिक इसी प्रान्त से भर्ती किये जाते थे।

11. (c)

A. कुँवर सिंह	बिहार
B. मौलवी अहमदुल्ला	फैजाबाद
C. मंगल पांडे	बैरकपुर
D. जीनत महल	दिल्ली

12. (d)
चार्ल्स ट्रेवेल्यन ब्रिटिश अधिकारी था तथा वह प्रशासनिक कार्य करता था उसने 1850 से 1860 तक कलकत्ता की कालोनियों में कार्य किया चार्ल्स ट्रेवेल्यन आंग्लवादी था, जबकि एच. टी. कोलब्रुक, एच.एच. विल्सन तथा एडविन अर्नाल्ड, जेम्स प्रिंसेप एवं एलेक्जेण्डर कनिघंम ये सभी प्राच्यविद हैं।

13. (a)
1809 ई0 में राजाराम मोहन राय ने तुहफत-उल-मुआहिदीन (A gift to monotheist) रचना फारसी में की जिसका परिचय अरबी भाषा में था।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

14. (b)
'सूर्यास्त कानून' ब्रिटिश सरकार की स्थायी बंदोबस्त भू राजस्व व्यवस्था से सम्बन्धित था। अंग्रेजों द्वारा बनाये गये कानून से काफी जमींदार भी प्रभावित हुए। बहुत से लोग इस नियम से अपनी पूर्ण जमीन खो बैठे। स्थाई बन्दोबस्त व्यवस्था से सर्वाधिक लाभ कुछ जमीदारों को हुआ।

15. (b)
1890 ई. में बाम्बे मिल हैंड एसोसिएशन के संस्थापक एन.एम. लोखण्डे थे। ये भारत में मजदूर आंदोलन के अग्रणी नेता थे। लोखंडे को भारत में व्यापार संघ आंदोलन के पिता के रूप में याद किया जाता है।

16 (a)
इंग्लैण्ड के सम्राट के सम्मान में कलकत्ता में फोर्ट विलियम की स्थापना की गयी थी। सर चार्ल्स आयर इसका पहला प्रेसीडेंट हुआ। सन् 1700 ई. में कलकत्ता पहला प्रेसीडेंसी नगर घोषित किया गया जो सन् 1774 ई. से 1911 ई. तक ब्रिटिश भारत की राजधानी रहा।

17. (a)
माउंटस्टुअर्ट एल्फिन्स्टन स्कॉटलैण्ड का एक राजनयिक तथा इतिहासकार था जो ब्रिटिश सरकार की तरफ से (1819-1827 ई.) मुम्बई का गवर्नर रहा, जहाँ उसने कई शिक्षण संस्थान आरम्भ किया। उसने भारत और अफगानिस्तान के बारे में पुस्तके लिखी हैं।

18. (c)
भारत की सर्वप्रथम, कागज पर लिखी गई, 1223-24 ई. की हस्तलिखित पुस्तक गुजरात से उपलब्ध हुई है। 13वीं शताब्दी में मुस्लिम लोग कागज का इस्तेमाल करने लगे थे। भारत में इस समय भी आम तौर पर ताड़-पत्रों और छाल पर लिखाई होती थी। अमीर खुसरों ने 13वीं शताब्दी के अंत में इसका उल्लेख किया है कि कागज का प्रसार भारत में हो चुका है।

19. (a)
चंडीदास, राधा-कृष्ण लीला संबंधी साहित्य का आदि कवि माने जाते है। इनका बंगाली वैष्णव समाज में बड़ा सम्मान था। चंडीदास को द्विज चंडीदास, दीन चंडीदास, बडु चंडीदास आदि कई नामों से जाना जाता है। इनकी पदावली को प्रायः कीर्तनियाँ लोग गाते हैं।

20. (d)
सही क्रम निम्नवत है–
सिरा – पैगम्बर की जीवनी
हदीस – पैगम्बर के कथनों एवं कृत्यों के अभिलेख
सुन्नह – पारंपरिक सामाजिक प्रथाएँ
तफसीर– कुरान की व्याख्या

21. (b)
अकबर ने अपने शासनकाल के 24वें वर्ष में साम्राज्य को सूबों में विभाजित किया। अकबर का जन्म 15 अक्टूबर, 1542 ई. को अमरकोट में हुआ था। 13 वर्ष की आयु में अकबर ने अपने पिता की मृत्यु के बाद शासन संभाला था। प्रारम्भ में अकबर के शासन का कार्य बैरम खाँ देखता था। 1560 ई. से अकबर ने प्रशासन अपने हाथों में ले लिया।

22. (b)
फिरोजशाह तुगलक द्वारा दिल्ली की गद्दी पर राज्यारोहण के उपरान्त समाप्त किये गये कृषि उपकर 'अबवाब' कहलाते थे। 'सोन्धर' कृषि ऋण थे। सुल्तान मुहम्मद तुगलक ने किसानों को कृषि के विकास हेतु ऋण के रूप में सोन्धर उपलब्ध कराया था, जिसे सुल्तान फिरोजशाह तुगलक ने माफ कर दिया था। तकावी भी कृषि ऋण को कहा जाता था।

23. (b)
सूर साम्राज्य का संस्थापक अफगान वंशीय शेरशाह सूरी था। इसका जन्म 1472 ई. में बजवाड़ा (होशियारपुर) में हुआ था। इनके बचपन का नाम फरीद खाँ था। शेरशाह की मृत्यु कालिंजर के किले को जीतने के क्रम में हुई। इसका मकबरा सासाराम (बिहार) में झील के बीच ऊँचे टीले पर निर्मित किया गया है।

24. (c)
मुगलकालीन बाबर ही ऐसा सम्राट था, जिसने युद्ध में तोप और बन्दूक का प्रयोग सर्वप्रथम किया था।

25. (c)
1672 ई. में किसानों और मुगलों के बीच मथुरा के निकट नारनौल नामक स्थल पर एक युद्ध हुआ जिसका नेतृत्व सतनामी नामक एक धार्मिक सम्प्रदाय ने किया था। सतनामी विद्रोह की शुरूआत एक सतनामी और एक मुगल सैनिक अधिकारी के बीच झगड़े को लेकर हुई इस विद्रोह को दबाने में स्थानीय हिन्दू जमींदार ने मुगलों का साथ दिया।

26. (c)
शेरशाह ने मुद्रा व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार किये। उसने मिश्रित धातु की मुद्राओं को बंद करा दिया तथा शुद्ध सोने, चांदी और तांबे के सिक्कों का प्रचलन किया। जिसका तौल एवं आकार निश्चित था। चांदी का रूपया सर्वप्रथम शेरशाह ने जारी किया था। जिसका वजन 178 ग्रेन था। चांदी और तांबे के विनिमय का अनुपात 1:64 था।

27. (c)
अकबर के साथ वैवाहिक गठबंधन बनाने वाला पहला राजपूत शासक कछवाहा वंश था। आमेर के राजपूत राजा भारमल ने अपनी पुत्री हरखाबाई का विवाह कर यह वैवाहिक गठबंधन स्थापित किया था।

28. (a)
मुगल काल में नील उत्पादन के क्षेत्र, बयाना, (राजस्थान), सरखेज (गुजरात), सेहवान थे।

29. (a)
मलिक काफूर के दक्षिण विजय का विश्वसनीय वृत्तांत अमीर खुसरो ने किया है। अलाउद्दीन के निर्देश में की गयी दक्षिण विजय का विवरण 'खजाइन-उल-फुतूह' में मिलता है जबकि 'आशिका' में देवल देवी एवं खिज्र खाँ के रूमानी प्रेम का वर्णन किया गया है। नूह सिपेहर में भारतीय जलवायु एवं यहाँ की आबोहवा का वर्णन है।

30. (a)
मुहम्मद बिन तुगलक एक अग्रगामी सोच वाला शासक था जिसने सल्तनत काल के विकास के लिए जहाँ एक तरफ कई नये प्रयोग किये, वहीं प्रचलित पद्धतियों में भी आमूल-चूल सुधार किये। इन्हीं सुधारों में से एक था दीवाने-कोही की स्थापना। इस संस्था की स्थापना के पीछे मुख्य उद्देश्य राज्य की सहायता से कृषि योग्य भूमि का विकास एवं विस्तार करना। इस प्रकार 'दीवाने-कोही' की स्थापना का मुख्य उद्देश्य परती एवं बंजर भूमि को कृषि योग्य बनाना था। इस विभाग का प्रमुख पदाधिकारी अमीर-ए-कोही था। इसके अतिरिक्त मुहम्मद बिन तुगलक ने किसानों की सहायता के लिए अत्यन्त कम ब्याज पर ऋण (सोन्धर) भी उपलब्ध कराया।

31. (c)
सिंकन्दर-ए-सानी अलाउद्दीन खिलजी की उपाधि थी, जिसका अर्थ था दूसरा अलेक्जेंडर (सिंकदर)।

32. (c)
अलाउद्दीन खिलजी ने राजनैतिक उद्देश्यों के लिए अनेक अध्यादेश जारी किये। इनमें से तीसरे अध्यादेश द्वारा अलाउद्दीन ने शराब और भांग जैसे मादक द्रव्यों का प्रयोग तथा जुआ खेलना बन्द करा दिया। दिल्ली में शराब पीना बिल्कुल समाप्त कर दिया गया और शराब के पात्रों को जनता के सम्मुख फेकवा दिया था तथा इस कानून को तोड़ने वाले को कठोर दण्ड दिया जाता था। जिसके कारण शराब पीने वाले दिल्ली से 20 या 25 मील दूर जाकर ही शराब पी सकते थे परन्तु इस कार्य को असम्भव समझकर अलाउद्दीन ने इस नियम में कुछ परिवर्तन कर दिया। व्यक्तियों को अपने घरों में शराब पीने और बनाने की आज्ञा

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

दे दी गयी परन्तु वे सार्वजनिक रूप से न तो शराब बना सकते थे, न उसे पी सकते थे और न ही शराब की दावतें कर सकते थे। अलाउद्दीन के लक्ष्य की पूर्ति के लिए यह पर्याप्त था।

33. (c)
अब्बास खाँ सरवानी रोह के एक प्रतिष्ठित परिवार का था तथा उसका पिता शेख अली वहाँ का जागीरदार था। 'तारीख-ए-शेरशाही' सरवानी की प्रमुख ऐतिहासिक कृति है, जो अकबर के आदेश पर लिखी गई। शेरशाह के इतिहास के लिए यह ग्रंथ एक आधारशिला है। वह शेरशाह के इतिहास का विस्तार से वर्णन करता है।

34. (b)
11वी सदी में अल-बरूनी ने पंतजलि के योग-सूत्र का अरबी भाषा में अनुवाद किया था।

35. (c)
फिरोजशाह तुगलक ने अपने चचेरे भाई जौना खाँ (मुहम्मद बिन तुगलक) की मुख्य स्मृति में गोमती नदी के तट पर जौनपुर नगर की नींव रखी। 1394 ई. में नासिरूद्दीन महमूद ने अपने एक दास मलिक सरवर ख्वाजा जहाँ को 'मलिक उस शर्क (पूर्व का स्वामी) की उपाधि सहित प्रशासन करने के लिए जौनपुर भेजा। उसने दिल्ली पर हुए तैमूर के आक्रमण के कारण व्याप्त अस्थिरता का लाभ उठाकर जौनपुर में 'शर्की वंश' की नींव डाली। इस सल्तनत का क्षेत्र उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ से उत्तरी बिहार के दरभंगा तक और उत्तर में नेपाल की सीमा से दक्षिण में बुंदेलखण्ड तक था। अन्ततः दिल्ली के सुल्तान बहलोल लोदी ने जौनपुर को जीत लिया और शर्की सल्तनत को दिल्ली सल्तनत में मिला लिया। जौनपुर राज्य को 'पूर्व का शिराज' भी कहा जाता है।

36. (b)
अमीर खुसरो का जन्म 1253 ई. में उत्तर प्रदेश के एटा जिले के पटियाली गांव (अब कासगंज जिला) में हुआ था। खुसरो को तोता-ए-हिंद कहा जाता है।

37. (c)
शेख जमालुद्दीन हाँसवी बाबा फरीद के शिष्य थे। बाबा फरीद चिश्ती सम्प्रदाय से सम्बंधित थे। बाबा फरीद का मूल नाम शेख फरीदुद्दीन गंज-ए-शकर था।
इनका जन्म मुल्तान में और मृत्यु पंजाब में हुई थी, बाबा फरीद (1175 ई. से 1265 ई.) की दरगाह पंजाब के पाटन में है।

38. (d)
कलिंगराज खारवेल का हाथीगुम्फा अभिलेख एक तिथिरहित अभिलेख है हालाँकि घटनाओं का क्रमवार विवरण इसमें प्राप्त होता है। इसी अभिलेख के अनुसार अशोक के कलिंग आक्रमण के समय यहाँ पर कोई नन्दराज नामक राजा शासन कर रहा था। यह अभिलेख प्राकृत भाषा में है, जो कि भुवनेश्वर से तीन मील दूर उदयगिरि पहाड़ी की गुफा से प्राप्त हुआ है। इस अभिलेख में राजा खारवेल का विस्तृत वर्णन है, जिसके अनुसार खारवेल ने कलिंगाधिपति व 'कलिंग चक्रवर्ती' की उपाधियाँ धारण की। वह जैन धर्म का अनुयायी था। सम्राट अशोक ने अपने शासन के 8वें वर्ष में कलिंग पर विजय प्राप्त की।

39. (c)
लाहौर में गजनी वंश का अंतिम शासक खुसरो मलिक था। 1186 ई. में मुहम्मद गोरी ने छल के द्वारा खुसरो मलिक को कैद कर लिया जिससे संपूर्ण पंजाब पर गोरी का अधिकार हो गया तथा गजनी राजवंश समाप्त हो गया।

40. (d)
चोल शासक परान्तक प्रथम के दो अभिलेख 919 ई. तथा 921 ई. के उत्तरमेरुर में मिले हैं। उत्तरमेरुर अभिलेख से चोल स्वायत्त शासन प्रणाली का वर्णन मिलता है। इससे सभा के गठन का विवरण प्राप्त होता है। सभा या महासभा ग्रामों में होती थी, ऐसे ग्रामों को ब्रह्मदेय अथवा मंगलम् भी कहा गया है। अग्रहार ग्रामों में मुख्यतः विद्वान ब्राह्मण निवास करते थे। तोंडमण्डलम् तथा चोलमण्डलम् के लेखों से अग्रहार के विषय में सूचना मिलती है। इससे स्पष्ट है कि काँची तथा मद्रास क्षेत्रों में ऐसी कई सभाएँ थी। सभा मुख्यतः अपनी समितियों के माध्यम से कार्य करती थीं। इन्हें वारियम् कहा गया है। इस शब्द का अर्थ स्पष्ट नहीं है। तमिल में इसका अर्थ 'आय' तथा 'कन्नड़' में 'कड़ी माँग' है। नीलकण्ठ शास्त्री इसे संस्कृत 'वार्य' का तमिल रूप मानते हैं जिसका अर्थ है चुना हुआ। एक लेख में सभा की कार्यसमिति को 'वरणम' कहा गया है सभा द्वारा किसी कार्य विशेष के लिए नियुक्त व्यक्तियों को 'वारियर' कहा जाता था।

41. (a)
राजराज-I ऐसा चोल शासक था जिसने सर्वप्रथम भूमि की पैमाइश 1000 ई. में करवाया और भूराजस्व का निर्धारण किया जो चोल राज्य की आय का प्रमुख साधन था। उसके समय भूमि की बारह से अधिक किस्मों का उल्लेख मिलता है।

42. (c)
'प्राकृत प्रकाश' के लेखक वररुचि थे। वररुचि विक्रमादित्य के नवरत्नों में से एक थे। पाणिनी व्याकरण पर वार्तिक लिखने वाले कत्यायन को तथा प्राकृत प्रकाश नाम के प्राकृत व्याकरण के रचयिता को भी वररुचि नाम से जाना जाता है। संस्कृत वाड्मय के इतिहास में वररुचि के नाम से कई ग्रन्थों के नाम मिलते हैं व कुछ सूक्ति-संग्रहों जैसे- 'सुभाषितावली', 'शार्डगधरपद्धति' व 'सदुक्तिकर्णामृत' आदि में भी अनके पद्यों के रचयिता के रूप में उद्धत हैं। तारानाथ ने अपने 'भारत में बौद्ध धर्म का इतिहास में 'ब्राह्मण वररुचि' या 'आचार्य वररुचि' को उद्धत किया है।

43. (c)
चन्द्रगुप्त-I गुप्त वंश का तीसरा एवं प्रथम महान शासक था, जिसने वैशाली को छोड़कर प्रयाग, साकेत और मगध आदि राज्यों पर शासन किया। विदित है कि चन्द्रगुप्त प्रथम ने महाराजाधिराज की उपाधि धारण की और चन्द्रगुप्त को गुप्त संवत् का संस्थापक माना जाता है।

44. (a)
औंध रियासत के राजा ने अपनी रियासत के संविधान का प्रारूप महात्मा गाँधी से तैयार कराया था।

45. (b)
हर्यक वंश (544 ई.पू.-412 ई.पू.)- मौर्य वंश (323 ई.पू.-184 ई.पू.)- कुषाण वंश- गुप्त वंश (319 ई.-550 ई.)

46. (a)
पिपरहवा की पहचान भगवान बुद्ध के जीवन से संबंधित कपिलवस्तु के रूप में की जाती है। यह स्थल उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थ नगर जनपद की नौगढ़ तहसील में भारत-नेपाल सीमा के निकट तराई क्षेत्र में स्थित है। इस स्थल से प्राप्त पुरावशेषों में ताँबे के कटोरे, थालियाँ, पत्थर से निर्मित माप-तौल के बाँट, मिट्टी तथा पत्थर के मनके और 'कपिलवस्तु महाविहारे' अंकित सील भी प्राप्त हुई है।

47. (c)
मौर्य वंश के संस्थापक चन्द्रगुप्त मौर्य और कलिंग के शासक खारवेल ने जैन धर्म को संरक्षण प्रदान किया था।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

48. (d)
वृहदारण्यक उपनिषद में 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' यह 'हमें अन्धकार से प्रकाश की ओर ले चलो' का उल्लेख है। इसी उपनिषद में याज्ञवल्क्य और गार्गी संवाद का उल्लेख है। यह सबसे बड़ा उपनिषद है।

49. (a)
वज्जिसंघ प्राचीन भारत के 16 महाजनपदो में से एक था। यह महाजनपद मगध के उत्तर में स्थित था। कई छोटे राज्यों को मिलाकर इसकी उत्पत्ति हुई थी। यह संघ 8 कुलो के संयोग से बना था। जिसमें 4 (विदेह, ज्ञातृक, वज्जि, लिच्छवी) कुल अधिक महत्वपूर्ण थे। इसकी राजधानी वैशाली थी।

50. (b)
वैदिक पाठ्य के लिए वेदान्त शब्द का प्रयोग उपनिषद् के लिए प्रयोग होता था।

51. (c)
राबर्ट ब्रूसफूट को भारतीय प्रागैतिहासिक काल का जनक कहा जाता है। 1863 में राबर्ट ब्रूसफूट ने सबसे पहले पुरा प्रस्तर युगीन प्रथम हैण्ड एक्स की खोज मद्रास के पल्लवरम् से की थी। जिसके फलस्वरूप भारत में प्रागैतिहासिक काल के अध्ययन का रास्ता खुल गया। बर्किट और डी टेरा एवं पैटर्सन महोदय भी प्रागैतिहासिक काल के अनुसंधानकर्त्ता हैं जबकि एच. डी. सांकलिया सिन्धु सभ्यता से सम्बन्धित पुरातत्ववेत्ता हैं।

52. (b)
हड़प्पा सभ्यता में चित्रात्मक लिपि का प्रयोग किया गया है। सिन्धु लिपि में लगभग 64 मूल चिन्ह एवं 250 से 400 तक अक्षर हैं जो सेलखड़ी की आयताकार मुहरों, तांबे की गुरिकाओं आदि पर मिलते हैं। सैन्धव लिपि मूल रूप से देशी है और उसका पश्चिम एशिया की लिपियो से कोई सम्बन्ध नहीं है। हड़प्पा लिपि भाव चित्रात्मक है।

53. (a)
हड़प्पा संस्कृति का महत्वपूर्ण स्थल मोहनजोदड़ो पाकिस्तान के सिन्ध प्रान्त के लरकाना जिले में स्थित है। सर्वप्रथम यहाँ 1921-22 ई. में दो प्रसिद्ध पुरातत्वशास्त्रियों राखालदास बनर्जी तथा दयाराम साहनी ने हड़प्पा तथा मोहनजोदड़ो के प्राचीन स्थलों से पुरावस्तुएँ प्राप्त करके यह सिद्ध कर दिया कि परस्पर 483 किमी. की दूरी पर बसे हुए ये दोनों ही नगर कभी एक ही सभ्यता के दो केन्द्र थे। पिग्गट महोदय ने इन्हें 'एक विस्तृत साम्राज्य की जुड़वा राजधानियाँ कहा है। साहनी तथा बनर्जी के पश्चात सर जॉन मार्शल तथा माधव स्वरूप वत्स ने क्रमशः मोहनजोदड़ो तथा हड़प्पा में कई वर्षों तक उत्खनन कराकर महत्वपूर्ण सामग्रियाँ प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त कुछ अन्य विद्वानों मार्टीमर ह्वीलर, के.एन. दीक्षित, अर्नेस्ट मैके, एन.जी. मजूमदार, आरेन स्टाइन आदि ने भी इस सभ्यता की खोज में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस पूरी सभ्यता को 'सिन्धु नदी घाटी की सभ्यता अथवा इसके मुख्य स्थल हड़प्पा के नाम पर ''हड़प्पा की सभ्यता'' कहा जाता है।

54. (a)
खरपल्लाण और वनस्फर कनिष्क के राज्य के अंतर्गत क्षत्रप थे। सारनाथ के लेख में महाक्षत्रप खरपल्लाण तथा क्षत्रप वनस्पर का उल्लेख मिलता है। खरपल्लाण मथुरा में महाक्षत्रप था तथा वनस्पर वाराणसी में क्षत्रप की हैसियत से शासन करता था। उत्तर-पश्चिम में ललत्र तथा लाइक उसके क्षत्रप थे। ध्यातव्य है कि प्रशासन की सुविधा के लिए कनिष्क ने अपने साम्राज्य को अनेक क्षत्रपियों में विभाजित किया था।

55. (c)
ह्वीलर के अनुसार द्वितीय शताब्दी ई.पू. के मध्य तक हड़प्पा सभ्यता विद्यमान थी तथापि अपने उत्तर काल में यह क्रमिक पतन की ओर अग्रसर हो रही थी। लगभग 1500 ई.पू. में इस सभ्यता का सहसा एवं आकस्मिक अंत किसी बाह्य आक्रमण का परिणाम था। द्वितीय शताब्दी ई. पूर्व में पश्चिमी एशिया में विभिन्न प्रजातियों का बड़े पैमाने पर इधर-उधर संचरण हुआ। मोहनजोदड़ो के ऊपरी धरातल से अस्त-व्यस्त दिशा में प्राप्त मानव कंकालों के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया कि हड़प्पा सभ्यता के अंतिम दौर में बाह्य आक्रमण हुआ था। अधिकांश कंकाल अस्त-व्यस्त दशा में बिना विधिवत् अंतिम संस्कार किये घरों तथा सार्वजनिक मार्गों पर पड़े हुए मिले थे।

56. (a)
सिंधु घाटी स्थल हड़प्पा की खोज 1921 में दयाराम साहनी ने की थी। जहां से मनुष्य के शरीर की बलुआ पत्थर की बनी मूर्तियां, अन्नागार तथा बैलगाड़ी के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।

57. (d)
प्रागैतिहासिक चित्रकला के उदाहरण भीमबेटका के शैलाश्रयों से मिले हैं। शैलाश्रय का आशय है पर्वत की गुफाओं में मानव की बसावट भीमबेटका का शैलाश्रय सबसे प्रसिद्ध शैलाश्रय है। इसे यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में सम्मिलित किया गया है। यह मध्य प्रदेश में स्थित है।

58. (a)
गुप्तकाल में गुहा-स्थापत्य कला का विकास हुआ। ये दो प्रकार की है - ब्राह्मण तथा बौद्ध। विदिशा के समीप उदयगिरि की कुछ गुफाओं का निर्माण इस युग में करवाया गया। ये भागवत तथा शैव धर्मों से सम्बन्धित है। यहाँ की सबसे प्रसिद्ध वाराह गुफा है जिसका निर्माण भगवान विष्णु के सम्मान में करवाया गया था। उदयगिरि पहाड़ी से चन्द्रगुप्त-II के विदेश सचिव वीरसेन का एक लेख मिलता है, जिससे विदित होता है कि उसने यहाँ एक शैव गुहा का निर्माण करवाया था।

59. (d)
नर्मदा घाटी के हथनोरा (म. प्र.) से एक मानव खोपड़ी प्राप्त हुई है। इसे भारत में प्राप्त किया गया प्रथम मानव अवशेष माना जाता है। इसकी खोज का श्रेय डा. अरुण सोनकिया को प्राप्त है। हथनोरा निम्न पुरापाषण काल का स्थल है। दक्षिण भारत में निम्न-पुरापाषाण काल के अन्य स्थल निम्न हैं- पल्लवरम्, अतिरमपक्कम आदि।

60. (c)
विश्वस्तरीय संदर्भ में नवपाषाण युग जहाँ 9000 ई.पूर्व से प्रारंभ माना जाता है, वहीं भारतीय उपमहाद्वीप में मेहरगढ़ से प्राप्त नवपाषाणिक बस्ती का कालक्रम 7000 ई.पू रखा गया है, इसी आधार पर भारत में नवपाषाणिक स्थिरीकरण की तिथि 7000 ई.पू. माना जाता है।

61. (b)
मुगलकालीन भारत में मुख्य रूप से एक वर्ष में दो फसलीय व्यवस्था (वर्तमान रवि और खरीफ) थी। मुगल काल में भूमि को 4 भागों में बाँटा गया था। पोलज, परती, चाचर और बंजर। उस समय में भू-राजस्व की दर कुल उत्पादन का 1/3 भाग था। ध्यान रहे कि अकबर ने आइने दहसाला की व्यवस्था की थी।

62. (d)
मकबरों की अष्टभुजाकार आकृति मध्यकालीन भारत के लोदी वंश की विशेषता थी। लोदी वंश को 'मकबरों का काल' भी कहा जाता है। लोदी काल के मकबरों को दो भागों 'अष्टभुजी' व 'चर्तुभुजी' मकबरों में बाँटा जा सकता है। प्रथम अष्टभुजाकार मकबरा दिल्ली में स्थित खान-ए-जहाँ तेलंगानी का मकबरा है। सिकंदर लोदी के समय में एक नई शैली की शुरूआत हुई, जिसमें एक गुम्बद के स्थान पर दो गुम्बदों का निर्माण हुआ। उल्लेखनीय है कि सिकन्दर लोदी का मकबरा भारत में निर्मित पहली इमारत थी, जिसमें दोहरे गुम्बद का प्रयोग किया गया है।

63. (a)
कामागाटामारू प्रकरण कनाडा में भारतीयों के प्रवेश से सम्बन्धित विवाद था। गदर आंदोलन के शुरू होने का सबसे महत्वपूर्ण कारण प्रथम विश्व युद्ध का आरंभ होना था। कनाडा सरकार ने ऐसे भारतीयों को अपने यहां प्रवेश वर्जित कर दिया जो सीधे भारत से नहीं आते थे। कनाडा सरकार का यह कानून इसलिए भी अधिक कठोर माना गया क्योंकि उन दिनों ऐसा कोई रास्ता नहीं था जिससे भारतीय सीधे कनाडा पहुंच सकें।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

प्रशिक्षित स्नातक परीक्षा (इतिहास)

प्रैक्टिस सेट-3

1. भारत की जनगणना 1891 में जनगणना आयुक्त थे–
(a) प्लोडन (b) बेन्स
(c) रिज़ले (d) गेट

2. किसने एक सौ एकड़ भूमि 1951 में विनोबा भावे को दान में दी, जिससे भावे ''भूदान आंदोलन'' प्रारम्भ करने को प्रेरित हुए?
(a) वेदिरे रामचंद्र रेड्डी (b) कोन्डा वेंकटराम रेड्डी
(c) पिंगली वेंकटराम रेड्डी (d) नुकला रामचंद्र रेड्डी

3. माउन्टबेटेन के जाने के पश्चात् निम्न में से किसने गवर्नर जनरल के रूप में कार्य किया?
(a) अबुल कलाम आजाद (b) चक्रवर्ती राज गोपालाचारी
(c) जवाहर लाल नेहरु (d) राजेन्द्र प्रसाद

4. सुभाषचन्द्र बोस द्वारा अंडमान द्वीप को क्या नाम दिया गया?
(a) वतन (b) शिवाजी
(c) शहीद (d) आजाद

5. किन्होंने अकबर के शासन काल के अंतिम दौर में 500 ज़ात तथा उससे ऊपर की श्रेणी वाले अमीरवर्ग पर प्रभुत्व जमाया?
(a) राजपूत तथा अन्य हिन्दू (b) शहजादे
(c) तूरानी (d) ईरानी

6. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और निम्न कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए –

सूची-I	सूची-II
(a) वी. डी. सावरकर	(i) गदर पार्टी
(b) लाला हरदयाल	(ii) कर्जन विली
(c) तारकनाथ दास	(iii) अभिनव भारत
(d) मदनलाल ढींगरा	(iv) फ्री हिन्दुस्तान

कूट :

	(A)	(b)	(c)	(d)
(a)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(b)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(c)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(d)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

7. भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान जेंटलमैन एग्रीमेंट किन किन के मध्य संपन्न हुआ था?
(a) मिर्जा इस्माइल और रामकरण जोशी
(b) के.एम. मुंशी और जयनारायण व्यास
(c) के.एम. मुंशी और माणिक्यलाल वर्मा
(d) मिर्जा इस्माइल और हीरा लाल शास्त्री

8. निम्नलिखित में से कौन काकोरी षडयंत्र में संलिप्त नहीं था?
(a) राम प्रसाद बिस्मिल (b) रौशन सिंह
(c) सूर्य सेन (d) अशफाकउल्लाह खां

9. ''देश-प्रेम धर्म है तथा धर्म है भारत के प्रति प्रेम।'' निम्नलिखित में से यह कथन किसका है?
(a) स्वामी विवेकानन्द (b) राजनारायण बोस
(c) बंकिमचंद्र चटर्जी (d) बाल गंगाधर तिलक

10. 'नील दर्पण' नाटक की प्रेरणा_____क्रॉप है।
(a) जम्बुकी/नील (b) अफीम
(c) ज्यूट (d) सूत

11. निम्नलिखित में से किस वायसराय ने जोर देते हुए कहा कि 'ढला लौह नौकरशाही' हमेशा नहीं चल सकती?
(a) रिपन (b) लॉरेन्स
(c) मेयो (d) मिण्टो

12. 10 मई, 1857 को मेरठ में कौन सा अफसर कमाण्ड कर रहा था जब सिपाहियों ने क्रांति का ऐलान किया?
(a) जनरल ह्यूईट (b) जनरल ह्यूरोज़
(c) कर्नल नील (d) चार्ल्स बैल

13. 'अखिल भारतीय किसान सभा' की स्थापना कब की गई?
(a) 1935 (b) 1936
(c) 1930 (d) 1933

14. 'ब्रिटिश भूमि व्यवस्था का पिता' किसे कहा गया?
(a) मार्टिन बर्ड (b) मैकॉले
(c) हर्टेज (d) मेकेन्जी

15. ''नीलदर्पण'' सम्बन्धित था
(a) कपास की खेती करने वालों से
(b) किसानों से
(c) नील की खेती करने वालों से
(d) चाय की खेती करने वालों से

16. कलकत्ता की स्थापना से पूर्व, बंगाल में अंग्रेजों की सर्वाधिक बड़ी बस्ती कौन सी थी?
(a) कासिम बाजार (b) चटगॉव
(c) हुगली (d) मुर्शीदाबाद

17. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए :

	सूची–I		सूची–II
A.	वर्नाक्यूलर प्रेस अधिनियम, 1878	1.	लॉर्ड चेम्सफोर्ड
B.	इंडियन यूनिवर्सिटी अधिनियम 1904	2.	लॉर्ड कर्ज़न
C.	भारतीय कौंसिल अधिनियम, 1909	3.	लॉर्ड लिटन
D.	रोलट अधिनियम, 1919	4.	लॉर्ड मिण्टो

कूट-

	A	B	C	D
(a)	1	4	3	2
(b)	2	3	1	4
(c)	3	2	4	1
(d)	4	2	3	1

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

18. ऋग्वेद के किस सूक्त में भरतीय नाटक के आरंभिक सूत्र पाए जाते हैं?
(a) विवाह-सूक्त (b) आप्री-सूक्त
(c) संवाद-सूक्त (d) पुरुष-सूक्त

19. चैतन्य महाप्रभु किसके उपासक थे?
(a) विष्णु (b) शिव
(c) कृष्ण (d) राम

20. निम्नलिखित में से किसने रामायण का बंगला रूपांतर प्रस्तुत किया था?
(a) विद्यापति (b) कृत्तिवास
(c) मालाधर बसु (d) चंडीदास

21. अकबर ने किसे जगद्गुरु की उपाधि प्रदान की थी?
(a) हरि विजय सूरि (b) हेमविजय गणि
(c) पद्म सुन्दर (d) शान्ति चन्द्र

22. मनसबदारी प्रणाली किसके द्वारा आरंभ की गयी?
(a) शेरशाह सूरी (b) जहांगीर
(c) अकबर (d) बीरबल

23. निम्नलिखित में से किस इतिहासकार ने लिखा है कि ''नूरजहाँ के सम्बन्धियों एवं जानकारी को हर प्रकार के अनुग्रह से बढ़ावा दिया गया।''
(a) मुत्तमिद खान (b) इनायत खान
(c) ख्वाजा कामगार खान (d) अब्दुल हमीद लाहोरी

24. निम्नलिखित मुगल शासकों में कौन 'वीणा बजाने' का शौकीन था?
(a) अकबर (b) औरंगजेब
(c) जहाँगीर (d) शाहजहाँ

25. मध्यकालीन भारत का वह कौन संत कवि था जिसने षड्-दर्शन के मूल्यों को अस्वीकार किया तथा निपख के मार्ग का अनुमोदन किया?
(a) कबीर (b) मलूकदास
(c) दादू दयाल (d) रैदास

26. रैय्यतवाड़ी व्यवस्था जो ब्रिटिश भारत के कुछ भागों में शुरू की गई थी, कृषि भूमि के कृषकों से राजस्व एकत्रित करने की दो मुख्य प्रणालियों में से एक थी। यह मूल रूप से .....द्वारा शुरू की गई थी।
(a) अकबर (b) शेरशाह सूरी
(c) जहाँगीर (d) हुमायूँ

27. मुगल काल में भारत से निर्यात का अधिकतम भाग किस वस्तु का था?
(a) सूती वस्त्र (b) शक्कर
(c) सोना (d) तांबा

28. तैमूर दिल्ली की वास्तुकला से इतना प्रभावित हुआ था कि वह अपने साथ भारत से शिल्पकार, राजमिस्त्री और निपुण कारीगरों को लेता गया, ताकि वह उनसे उन्हीं प्रकार की इमारतें बनवाए अपनी राजधानी –
(a) ताशकन्द में (b) बुखारा में
(c) समरकन्द में (d) अजरबेजान में

29. निजामुद्दीन जुनेदी प्रसिद्ध वजीर था -
(a) इल्तुतमिश का (b) बल्बन का
(c) नासिरुद्दीन महमूद का (d) अलाउद्दीन खिलजी का

30. 'मदरसा-ए-मुइज्जी' का निर्माण किसने कराया था?
(a) मुइज्जुद्दीन गोरी ने (b) कुत्बुद्दीन ने
(c) इल्तुतमिश ने (d) बल्बन ने

31. रजिया के विरोधी अमीर गुट का नेतृत्व कौन कर रहा था?
(a) मलिक रुकनुद्दीन कबीर खाँ
(b) निजामुल मुल्क जुनैदी
(c) मलिक अलाउद्दीन कूची
(d) मलिक बलबन

32. जिलअल्लाह जो राजाधिकार संबंधी अवधारणा है, किससे संबंधित है –
(a) बलबन (b) बहलोल लोदी
(c) फिरोज तुगलक (d) इल्तुतमिश

33. बरनी का तारिख-ए-फिरोज शाही लिखने का उद्देश्य था-
(a) शरीयत की रक्षा करना
(b) मुहम्मद बिन तुगलक खुश करना
(c) फिरोज शाह तुगलक को खुश करना
(d) इल्तुतमिश-सिंकदर लोदी काल की घटनाओं पर प्रकाश डालना

34. दिल्ली के किस सुल्तान ने सर्वाधिक मंगोल आक्रमणों का सामना किया था?
(a) इल्तुतमिश (b) बलबन
(c) अलाउद्दीन खिलजी (d) मोहम्मद बिन तुगलक

35. निम्न में से किसने औरंगजेब के शासन काल में व्यंग्य काव्य की रचना की?
(a) सौदा (b) जाफर जाष्टल्ली
(c) गनी कश्मीरी (d) मुल्ला दाऊद

36. किस सुल्तान ने खलीफा की उपाधि धारण की थी?
(a) सिकंदर लोदी (b) अलाउद्दीन खिलजी
(c) कुतुबुद्दीन मुबारक खिलजी (d) फिरोज तुगलक

37. चोल प्रशासन में 'उदासीन वरियम' किस विभाग से सम्बन्धित था?
(a) नौसेना विभाग (b) न्याय विभाग
(c) विदेशी सम्बन्ध विभाग (d) उद्यान विभाग

38. गौरी के आक्रमण के समय चालुक्यों को सहायता देने के विरुद्ध पृथ्वीराज तृतीय को परामर्श देने वाला मंत्री:
(a) कदम्बवास (b) चंद्रबरदाई
(c) वल्लभ (d) रणमल

39. किस चोल शासक ने पहली स्वर्ण मुद्रा जारी की थी?
(a) उत्तम चोल (b) राजराज प्रथम
(c) राजाधिराज (d) राजेन्द्र चोल

40. निम्नलिखित में कौन चोल शासक युद्ध भूमि में राजा घोषित हुआ था?
(a) राजेन्द्र प्रथम (b) राजराज प्रथम
(c) राजेन्द्र द्वितीय (d) राजाधिराज

41. इत्सिंग के अनुसार श्रीगुप्त ने किस स्थान पर चीनी बौद्ध तीर्थयात्रियों के लिए एक मन्दिर का निर्माण करवाया था?
(a) पुरुषपुर (b) मृगशिखवन
(c) तक्षशिला (d) लुम्बिनीवन

42. गुप्तकाल में भुक्ति क्या थी?
(a) राज्य (b) मण्डल
(c) जिला (d) परगना

43. चन्द्रगुप्त मौर्य की एक पत्नी सेल्यूकस निकेटर की पुत्री थीं। उसका नाम क्या था?
(a) कुमारदेवी (b) दत्त देवी
(c) करूवाकी (d) हेलेन

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

44. कश्मीर में श्रीनगर किसने बसाया था?
(a) हर्ष (b) अशोक
(c) चन्द्रगुप्त प्रथम (d) बिन्दुसार

45. सूची-I का सूची-II से मिलान कर दिए गए कूट से सही उत्तर दीजिए :

सूची-I	सूची-II
(A) मोरिय	(I) अलकप्प
(B) बुलि	(II) पिप्पलिवन
(C) कालाम	(III) सुंसुमारगिरी
(D) भग्ग	(IV) केसपुत्त

कूट :

	A	B	C	D
(a)	II	I	IV	III
(b)	I	II	III	IV
(c)	II	I	III	IV
(d)	III	IV	II	I

46. महायान सम्प्रदाय का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण दार्शनिक ग्रंथ है:
(a) प्रज्ञापारमिता (b) वज्रसूची
(c) अवदानकल्पलता (d) सुत्तनिपात

47. निम्नलिखित में किसके माध्यम से विजयनगर साम्राज्य में राजा गांवों पर अपना नियंत्रण स्थापित करता था?
(a) दण्डनायक (b) सुमन्त
(c) नायक (d) महानायकाचार्य

48. निम्नांकित में से किस वैदिक देवता का नाम बोगजकोई अभिलेख में नहीं मिलता है?
(a) इन्द्र (b) अग्नि
(c) मित्र (d) वरुण

49. वैदिक काल में जोती हुई भूमि के लिए_____शब्द का प्रयोग होता था।
(a) उर्वरा (b) यावा
(c) धान्य (d) उपरोक्त से कोई भी नहीं

50. अग्निपूजा के साक्ष्य हड़प्पा संस्कृति के किस स्थल से मिले हैं?
(a) कालीबंगा (b) राखीगढ़ी
(c) हड़प्पा (d) रंगपूर

51. सूची-I (हड़प्पीय पुरास्थल से प्राप्त सामग्री) को सूची-II (सम्भावित स्रोत) से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए –

सूची-I	सूची-II
(a) ताँबा	(i) दक्कन
(b) शंख	(ii) राजस्थान
(c) लाजवर्द	(iii) कच्छ
(d) सोना	(iv) अफगानिस्तान

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(b)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(c)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(d)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

52. निम्नलिखित में से किसकी पूजा हड़प्पा संस्कृति में नहीं होती थी?
(a) शिव (b) मातृ देवी
(c) पीपल (d) विष्णु

53. इनमें से कौन सा लोथल और चनहुदाड़ो में स्थित हड़प्पावालों के अत्यंत महत्वपूर्ण उद्यम है?
(a) जहाज निर्माण (b) मणि निर्माण
(c) बुनाई (d) धातुकर्म विज्ञान

54. मेसोपोटामिया में निम्नलिखित में किस भाषा ने सुमेरियन भाषा को प्रतिस्थापित किया?
(a) असीरियन (b) अक्काडियन
(c) आर्मेइक (d) ग्रीक

55. गंगाघाटी की नरहन संस्कृति सम्बन्धित है:
(a) मध्यपाषाणिक से (b) नवपाषाणिक से
(c) ताम्रपाषाणिक से (d) प्रारम्भिक ऐतिहासिक से

56. आभूषणों से युक्त मध्य पाषाणिक मानव समाधियाँ प्राप्त हुई हैं–
(a) भीमबेटका से (b) बागोर से
(c) महदहा से (d) सराय नाहर राय से

57. भारत में निम्नलिखित में किस नवपाषाणिक स्थल को सर्वप्रथम सूचित किया गया?
(a) कोल्डिह्वा (b) चिरांद
(c) गुफकराल (d) लिंगसुगुर

58. होमोसेपियन्स से जातीय रूप से भिन्न आरंभिक मानव नुमा जीवी को सामान्यत: कहते हैं-
(a) होमिनिड (b) पिथेक्यान्थ्रोपस
(c) सिनान्थ्रोपस (d) एनॉन्थ्रोपस

59. निम्न में से किस वर्ष में तिरुचिरापल्ली जिले में किसानों का विद्रोह हुआ जिसमें वामपंथी व दक्षिणापंथी समूहों (किसान, व्यापारी, कारीगर, आदि) ने अत्याचारियों के खिलाफ हाथ मिलाया?
(a) 1427 (b) 1428
(c) 1429 (d) 1430

60. निम्नलिखित में से सर्वप्रथम किसने बंगाल में ब्रिटेन की वस्तुओ के बहिष्कार का सुझाव दिया?
(a) अरविन्द घोष का पत्र 'वन्दे-मातरम्'
(b) कृष्णकुमार मित्र की साप्ताहिक पत्रिका 'संजीवनी'
(c) मोतीलाल घोष की 'अमृत बाजार पत्रिका'
(d) सतीश चन्द्र मुखर्जी की 'डॉन पत्रिका'

61. निम्नलिखित में से किस मामले में, वी.डी.सावरकर को 1911 में अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह की कुविख्यात सैल्युलर जेल में आजीवन भेजे जाने की सजा दी गई थी?
(a) अलीपुर बम केस (b) नासिक षड्यंत्र केस
(c) दिल्ली षड्यंत्र केस (d) लाहौर षड्यंत्र केस

62. नेहरू की अन्तरिम सरकार के वित्त मंत्री का नाम था–
(a) मुहम्मद इकबाल (b) मुहम्मद अली
(c) सर सैयद अहमद खाँ (d) लियाकत अली खाँ

63. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा दिये गये कूटों में से उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(क) क्रिप्स मिशन	(i) 1944
(ख) गाँधी-जिन्ना वार्ता	(ii) 1946
(ग) शिमला कॉन्फ्रेंस	(iii) 1942
(घ) कैबिनेट मिशन	(iv) 1945

कूट :

	क	ख	ग	घ
(a)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(b)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(c)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(d)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तरमाला : प्रैक्टिस सेट–3

1. (b)	2. (a)	3. (b)	4. (c)	5. (a)	6. (d)	7. (d)	8. (c)	9. (c)	10. (a)
11. (a)	12. (a)	13. (b)	14. (a)	15. (c)	16. (c)	17. (c)	18. (c)	19. (c)	20. (b)
21. (a)	22. (c)	23. (a)	24. (b)	25. (c)	26. (b)	27. (a)	28. (c)	29. (a)	30. (c)
31. (b)	32. (a)	33. (c)	34. (c)	35. (b)	36. (c)	37. (c)	38. (a)	39. (a)	40. (c)
41. (b)	42. (a)	43. (d)	44. (b)	45. (a)	46. (a)	47. (d)	48. (b)	49. (a)	50. (a)
51. (d)	52. (d)	53. (b)	54. (b)	55. (c)	56. (c)	57. (d)	58. (a)	59. (c)	60. (b)
61. (b)	62. (d)	63. (d)							

व्याख्या

1. (b)
भारत की जनगणना 1891 ई. में जरवाइस एथलेस्टेन बेन्स जनगणना आयुक्त थे।

2. (a)
18 अप्रैल 1951 को तेलंगाना क्षेत्र में स्थित **पोचमपल्ली गाँव** से वेदिरे रामचन्द्र रेड्डी ने एक सौ एकड़ भूमि को विनोबा भावे को दान में दी इसी से प्रेरित होकर उन्होंने 'भूदान आंदोलन' आरम्भ किया जो स्वैच्छिक भूमि सुधार आंदोलन था विनोबा की कोशिश थी भूमि का पुनर्वितरण सिर्फ सरकारी कानूनों के जरिए नहीं हो, बल्कि एक आंदोलन के माध्यम से इसकी सफल कोशिश की जाए। 20वीं सदी के पाचवें दशक में भूदान आंदोलन को सफल बनाने के लिए विनोबा ने गॉधीवादी विचारों पर चलते हुए रचनात्मक कार्यों और ट्रस्टीशिप जैसे विचारों को प्रयोग में लाया। उन्होंने सर्वोदय समाज की स्थापना की । यह रचनात्मक कार्यकर्त्ताओं का अखिल भारतीय संघ था। इसका उद्देश्य अहिंसात्मक तरीके से देश में सामाजिक परिवर्तन लाना था।

3. (b)
माउन्टबेटेन के जाने के बाद गवर्नर जनरल के रूप में कार्य चक्रवर्ती राज गोपालाचारी ने किया जिन्हें भारत का प्रथम भारतीय गवर्नर जनरल भी कहा जाता है। वह इस पद पर 26 जनवरी, 1950 तक रहे थे। 1952 से 1954 तक मद्रास के मुख्यमंत्री रहे। 1959 ई. में इन्होंने विविध मुद्दों पर कांग्रेसी नेताओं से मतभेद के कारण कांग्रेस छोड़कर 'स्वतन्त्र पार्टी' का गठन किया। वे सामाजिक समानता तथा दलित उत्थान के समर्थक थे।

4. (c)
सुभाष चन्द्र बोस ने 21 अक्टूबर, 1943 ई. को आजाद हिन्द फौज के सर्वोच्च सेनापति की हैसियत से सिंगापुर में स्वतंत्र भारत की अस्थायी सरकार की स्थापना की। जापान ने 8 नवम्बर, 1943 ई. को अण्डमार निकोबार द्वीप नेताजी की अस्थायी सरकार को सौंप दिया। नेता जी ने अण्डमान का नाम 'शहीद द्वीप' तथा निकोबार का नाम 'स्वराज द्वीप' रखा। 22 सितम्बर, 1944 ई. को सुभाष चन्द्र बोस ने 'शहीदी दिवस' मनाया।

5. (a)
अकबर के शासन काल के अंतिम दौर में 500 जात तथा उससे ऊपर की श्रेणी वाले अमीर वर्ग पर राजपूतों एवं अन्य हिन्दू सरदारों ने प्रभुत्व जमाया।

6. (d)
सही सुमेल है–

सूची-I	**सूची-II**
(a) वी. डी. सावरकर	(I) अभिनव भारत
(b) लाला हरदयाल	(II) गदर पार्टी
(c) तारकनाथ दास	(III) फ्री हिन्दुस्तान
(d) मदनलाल ढींगरा	(IV) कर्जन विली

7. (d)
भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान जेंटलमैन एग्रीमेंट (1942 ई.) मिर्जा इस्माइल और हीरा लाल शास्त्री के मध्य संपन्न हुआ। इस एग्रीमेट के अनुसार जयपुर प्रजामण्डल के सदस्यों ने भारत छोड़ो आंदोलन में भाग नही लिया परंतु जो सदस्य भाग लेना चाहते थे, उन्होंने **बाबा हरिश्चंद्र** के नेतृत्व में **'आजाद मोर्चे'** का गठन करके भाग लिया।

8. (c)
हिंदुस्तान रिपब्लिक एसोसिएशन के क्रांतिकारियों ने सहारनपुर-लखनऊ लाइन पर काकोरी जाने वाली ट्रेन को 9 अगस्त 1925 को लूट लिया। ब्रिटिश सरकार ने इस घटना में शामिल रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्लाह खाँ, रोशन लाल और राजेन्द्र लाहिड़ी पर काकोरी षड़यंत्र के तहत मुकदमा चलाकर फाँसी की सजा दी जबकि सूर्यसेन इसमें सामिल नहीं थे।

9. (c)
बंकिमचन्द्र चटर्जी उन्नीसवीं शताब्दी के बंगाल के प्रकाण्ड विद्वान तथा महान कवि और उपन्यासकार थे। उन्होंने अपनी प्रसिद्ध कृति आनन्दमठ में 'वंदे मातरम्' गीत की रचना की। वंदेमारतम गीत को सबसे पहले 1896 में कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में गाया गया था। वे ऐतिहासिक उपन्यास लिखने में सिद्धहस्त थे वे भारत के एलेक्जेंडर ड्यूमा माने जाते हैं। उन्होंने 1865 में बंग्ला भाषा में अपना पहला उपन्यास 'दुर्गेश नन्दिनी' लिखा। उनका कहना था कि नई राष्ट्रीय धार्मिकता केवल शिक्षा के विकास व विस्तार से लायी जा सकती है। इन्होंने शिक्षा की उपयोगिता को समझते हुए पूरे देश में सांस्कृतिक संस्थाओं की स्थापना पर बल दिया। उन्होंने धर्म के बारे में कहा कि ''देश प्रेम धर्म है तथा धर्म है भारत के प्रति प्रेम''।

10. (a)
1859-60 में बंगाल में किसानों ने नील विद्रोह किया था, जिसकी तत्कालिक स्थिति का इस नील दर्पण नाटक में वर्णन है, इसकी रचना दीनबंधु मित्र ने की है।

11. (a)
प्रक्रियावादी वायसराय लार्ड लिटन के बाद सज्जन वायसराय लार्ड रिपन 1880 में भारत आया। वह एक अच्छा शासक था। भारतीयों को विभिन्न क्षेत्रों में सुविधा प्रदान की। उसने जोर देते हुए कहा कि 'ढला लौह नौकरशाही' हमेशा नहीं चल सकती। 1884 में इलबर्ट विवाद के कारण त्याग पत्र दे दिया।

12. (a)
10 मई, 1857 को मेरठ में जब सिपाहियों ने विद्रोह किये थे, उस समय वहाँ कमांडिंग ऑफसर जनरल ह्यूईट थे।

13. (b)
11 अप्रैल 1936 ई. को लखनऊ में अखिल भारतीय किसान सभा की स्थापना हुई। स्वामी सहजानन्द सरस्वती इसके पहले अध्यक्ष तथा प्रो. एन. जी. रंगा इसके पहले महासचिव चुने गए। आगे किसान सभा के अधिवेशन को जवाहर लाल नेहरू ने भी संबोधित किया।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

14. (a)
'ब्रिटिश भूमि व्यवस्था का पिता मार्टिन बर्ड को कहा जाता है। स्थायी एवं रैय्यतवाड़ी व्यवस्था की असफलता के बाद महालवाड़ी व्यवस्था का प्रस्ताव हॉल्ट मैकेन्जी द्वारा लाया गया। अंग्रेजी को भारत की सरकारी भाषा तथा शिक्षा का माध्यम और यूरोपीय जातिवाद दर्शन तथा विज्ञान को भारतीय शिक्षा का लक्ष्य बनाने में मैकाले का सर्वाधिक योगदान था।

15. (c)
'नील दर्पण' नाटक नील की खेती करने वालों से संबंधित था, जिसे दीनबन्धु मित्र ने लिखा था। बंगाल में कोलकाता के नेशनल थिएटर में सन् 1872 ई. में प्रदर्शित यह प्रथम व्यावसायिक नाटक था।

16. (c)
यूरोपीय वाणिज्यिक कंपनियों में अंग्रेजी कंपनी सर्वाधिक सफल रही इनकी सफलता का प्रमुख कारण था इनका भारत सहित समूचे एशियाई व्यापार के स्वरूप को समझना तथा व्यापार विस्तार में राजनैतिक सैनिक शक्ति का सहारा लेना था। कंपनी का प्रारंभिक उद्देश्य ही था 'भू-भाग नहीं बल्कि व्यापार'। 1619 ई. तक अहमदाबाद, भड़ौच, बडौदा व आगरा में कंपनी के व्यापारिक कारखाने स्थापित हुए इन सभी व्यापारिक कोठियों का नियंत्रण सूरत से होता था। शाहजहाँ ने पुर्तगालियों से नाराज होकर बंगाल के सीमित क्षेत्र में व्यापार करने की अनुमति अंग्रेजों को दी। अंग्रेजो ने हुगली (बंगाल) में अपनी सबसे बड़ी बस्ती का निर्माण किया इसके पश्चात् कासिम बाजार, पटना, राजमहल में भी कारखाने खोले। अन्ततः औरंगजेब द्वारा अंग्रेजों को व्यापार के लिए एक फरमान जारी कर दिया तथा 1672 में बंगाल के मुगल सुबेदार शाइस्ता खाँ द्वारा अंग्रेजों को मिलने वाली व्यापारिक सुविधा को बहाल कर दिया।

17. (c)

वर्नाक्यूलर प्रेस अधिनियम, 1878	लॉर्ड लिटन
इंडियन यूनिवर्सिटी अधिनियम 1904	लॉर्ड कर्ज़न
भारतीय कौंसिल अधिनियम, 1909	लॉर्ड मिण्टो
रोलट अधिनियम, 1919	लॉर्ड चेम्सफोर्ड

18. (c)
भारतीय नाटक के आरंभिक सूत्र ऋग्वेद के संवाद सूक्त में पाये जाते हैं। आख्यानों और संवादों में निहित तत्वों से उत्तरकाल में साहित्य की कथा और नाटक विधाओं की उत्पत्ति हुई है।

19. (c)
भक्तिकाल के प्रमुख कवियो में चैतन्य महाप्रभु प्रमुख थे जिन्होंने गौड़ीय सम्प्रदाय की स्थापना की तथा इनके अनुयायियों द्वारा बाउल आंदोलन को आरम्भ किया गया। चैतन्य महाप्रभु कृष्ण और राधा के उपासक थे।

20. (b)
रामायण का बांग्ला रूपांतरण कृतिवास ने किया। यह ग्रंथ मूल रामायण का शब्दानुवाद नही है बल्कि इसमें मध्यकालीन बंगाली समाज और संस्कृति का विविध चित्रण भी है। बंगभाषा के इस महाकाव्य में 6 कांड (आदि कांड, अयोध्या कांड, अरण्य कांड, किष्किन्धा कांड, सुन्दर कांड और लंका कांड) है।

21. (a)
अकबर ने हरि विजय सूरि को जगद्गुरु की उपाधि प्रदान की थी। वह इसाई धर्म की तुलना में जैन धर्म से अधिक प्रभावित था।

22. (c)
अकबर द्वारा 1575 ई. में मनसबदारी प्रणाली आरंभ की गयी। 'मनसब' शब्द का अर्थ श्रेणी अथवा पद है तथा मनसबदार का अर्थ उस अधिकारी से था जिसे शाही सेना में एक पद अथवा श्रेणी प्राप्त थी। मनसबदारी व्यवस्था दशमलव प्रणाली पर आधारित थी। अकबर ने 'मनसबदारी' व्यवस्था के आधार पर सैनिक संगठन किया था। इस प्रणाली में सवार की संख्या जात से अधिक नहीं हो सकती।

23. (a)
जहाँगीर कालीन इतिहासकार मुत्तमिद खां ने अपनी रचना (इकबाल नामा-ए-जहाँगीर) में लिखा है कि ''नूर जहाँ के सम्बन्धियों एवं जानकारों को हर प्रकार के अनुग्रह से बढ़ावा दिया गया था।'' विदित है कि जहाँगीर ने मेहरूनिसा से 1611 ई. में विवाह कर नूरजहाँ की उपाधि प्रदान की थी।

24. (b)
मुगल वंश का सबसे कट्टर शासक एवं सुन्नी मुसलमान औरंगजेब था। औरंगजेब वीणा बजाने का शौकीन था। लेकिन उसने अपने साम्राज्य में संगीत पर प्रतिबन्ध लगा दिया था। जिससे संगीत का विकास उसके शासन काल में नहीं हो पाया था। उसने लेखन पर भी प्रतिबन्ध लगा दिया था। मुगल साम्राज्य में सबसे बड़ा राज्य इसी का था। इसके राज्य में 20 राज्य शामिल थे।

25. (c)
कबीर के आदर्शों अत्ययियों में अत्यधिक प्रसिद्ध दादू दयाल थे। इनका जन्म 1544 ई. में अहमदाबाद में ब्राह्मण परिवार में हुआ था। इनकी मृत्यु 1603 में राजस्थान के नराना या नारायण गाँव में हुई थी।, जहाँ अब इनके अनुयायियों का मुख्य केन्द्र है। इन्होंने ब्रह्म सम्प्रदाय या परब्रह्म सम्प्रदाय की स्थापन की थी। दादू गृहस्थ थे तथा इनका विश्वास था कि गृहस्थ का जीवन सध्य आध्यात्मिक अनुभूति के लिए अधिक उपयुक्त है। इन्होंने एक असम्प्रदायिक मार्ग (निपख सम्प्रदाय) का उपदेश दिया। सुन्दर दास तथा रज्जब उनके प्रसिद्ध शिष्य थे।

26. (b)
रैय्यतवाड़ी व्यवस्था मूल रूप से शेरशाह सूरी द्वारा शुरू की गई थी जिसमें किसानों से प्रत्यक्ष संपर्क कर लगान वसूल किया जाता था। ब्रिटिश काल में यह व्यवस्था मद्रास, बम्बई, पूर्वी बंगाल, असम और कुर्ग में लागू की गई। इस व्यवस्था के अंतर्गत ब्रिटिश भारत की 51 प्रतिशत भूमि शामिल थी।

27. (a)
मुगल काल में भारत से निर्यात होने वाली वस्तुओं में सर्वाधिक मात्रा सूती वस्त्र की थी, जिसका निर्यात विभिन्न देशों को किया जाता था जिसमें सुमात्रा, जावा, यूरोप, तुर्की, अरब आदि प्रमुख है। भारत से निर्यात होने वाली वस्तुओं में चीनी, कपड़ा, अनाज, नील, शोरा, लौंग, कपूर, केसर, चंदन की लकड़ी नारियल अफीम, कालीमिर्च, मसाले, पारा, मोती व पशुओं की खाल प्रमुख थे।

28. (c)
18 दिसम्बर, 1398 ई. को तैमूर ने दिल्ली पर अधिकार कर लिया। विजेता को अपार धनराशि लूट में प्राप्त हुई। प्रत्येक सैनिक धनी हो गया और ऐसा दरिद्र कोई न रहा कि उसके पास कम से कम बीस गुलाम भी न हों। तैमूर ने दिल्ली से शिल्पियों को चुनकर समरकन्द भेज दिया जहाँ उन्होंने उसके लिए प्रसिद्ध जामा मस्जिद का निर्माण किया।

29. (a)
दिल्ली सल्तनत का पहला इल्बारी शासक इल्तुतमिश था जिसने दिल्ली को अपनी राजधानी बनाया। 'निजामुद्दीन जुनैदी उसका योग्य वजीर था। इसके अतिरिक्त मिनहाज-उस-सिराज तथा मलिक ताजुद्दीन भी 'इल्तुतमिश के दरबार में संरक्षण प्राप्त किये थे। इल्तुतमिश को भारत में स्थायी रूप से शासन स्थापित करने तथा विशाल हिन्दू जनता के बीच मुस्लिम सत्ता की स्थापना करने में वजीर निजामुद्दीन जुनैदी की भी सहायता मिली थी।

30. (c)
इल्तुतमिश ने दिल्ली में 'मदरसा-ए-मुइज्जी' मोहम्मद गोरी के नाम पर तथा 'मदरसा-ए-नासिरी' (बेटे नासिरूद्दीन महमूद की स्मृति में) स्थापित करवाया।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

31. (b)
रजिया के विरोधी अमीर गुट का नेतृत्व निजामुल-मुल्क-जुनैदी कर रहा था। रजिया दिल्ली सल्तनत की प्रथम महिला शासिका थी। उसने सभी अमीर गुटों को पराजित किया था।

32. (a)
भारत में सल्तनत का प्रथम शासक कुतुबुद्दीन ऐबक को माना जाता है लेकिन बलबन दिल्ली सल्तनत का प्रथम सुल्तान था जिसने सुल्तान के पद, अधिकार एवं राजत्व के सम्बन्ध में अपने विचार प्रकट किए। बलबन के राजत्व सिद्धान्त की सर्वप्रमुख विशेषता यह है कि वह सुल्तान को पृथ्वी पर ईश्वर का प्रतिनिधि 'निबायत-ए-खुदाई' तथा मान-मर्यादा की दृष्टि से उसे पैगम्बर के बाद स्वीकार करता था। वह सुल्तान को ईश्वर का प्रतिबिम्ब (जिल्ले अल्लाह) तथा उसके हृदय को दैवी प्रेरणा और कांति का भण्डार मानता था।

33. (c)
बरनी ने अपने पुस्तक तारीख-ए-फिरोजशाही के माध्यम से इतिहास की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए इतिहासकार के कर्त्तव्य का भी उल्लेख किया है इस इतिहास में उसने सुल्तान बलबन के राज्यकाल से लेकर फिरोज शाह तुगलक के राज्यकाल के प्रथम छह वर्षों तक का इतिहास लिखा है। इसी के माध्यम से इतिहास द्वारा अपने समकालीन उच्च वर्ग का पथ प्रदर्शन करके अपने समकालीन सुल्तान फिरोजशाह के समक्ष एक आदर्श रखना चाहता था।

34. (c)
सर्वाधिक मंगोल आक्रमण अलाउद्दीन खिलजी के समय (कुल 6) हुए। उसके समय पहला मंगोल आक्रमण कादर खां के नेतृत्व (1296 ई.) में हुआ।

35. (b)
जाफर जटल्ली औरंगजेब के शासनकाल का एक अच्छा व्यंग्यकार था। अपने अनुभव के आधार पर उसने व्यंग्य काव्य की रचना की।

36. (c)
कुतुबुद्दीन मुबारक शाह खिलजी (1316 ई0 - 1320 ई0) दिल्ली सल्तनत का प्रथम सुल्तान था जिसने स्वयं को खलीफा घोषित किया तथा खलीफा की सत्ता को मानने से इंकार किया। यह दिल्ली सल्तनत का प्रथम सुल्तान था जिसने दक्षिण के राज्य देवगिरी को अपने साम्राज्य में मिला लिया। इसने अलाउद्दीन खिलजी द्वारा स्थापित बाजार व्यवस्था को नष्ट कर दिया था। वह विलासिता पूर्ण जीवन व्यतीत करता था। उसे नग्न स्त्री-पुरुषों की संगत पसंद थी, वह दरबार में स्वयं स्त्रियों के वस्त्र पहन कर आ जाता था।

37. (c)
चोल प्रशासन में गांव के कारोबार की देख-रेख के लिए एक कार्यकारिणी समिति करती थी जिसे वारियम कहा जाता था। वारियम में तीस सदस्य होते थे। इन तीस सदस्यों में से 12 बुर्जुग व विद्वान सदस्य को वार्षिक समिति के लिए 12 सदस्य उद्यान समिति (तोट्ट वारियम) तथा 6 सदस्य येरिवारियम के लिए निर्वाचित होते थे। उदासीन वारियम विदेशी संबंध विभाग से सम्बन्धित था।

तोट्टवारियम् – उद्यान समिति
एरिवारियम् – तालाब समिति
पोनवारियम् – स्वर्ण समिति
उदासीनवारियम् – सन्यासी या विदेशी देख-भाल समिति

38. (a)
गौरी के आक्रमण के समय चालुक्यों को सहायता देने के विरुद्ध पृथ्वीराज तृतीय को परामर्श देने वाला मंत्री कदम्बवास था। पृथ्वीराज तृतीय के समय में चालुक्य (सोलंकी) शासक भीम द्वितीय था। पृथ्वीराज तृतीय और चालुक्यों के बीच आपसी वैमनस्य के कारण अनेक युद्ध हुए किन्तु दोनों में से कोई एक दूसरे पर निर्णायक विजय प्राप्त नहीं कर सका। अतः जब चालुक्यों पर गोरी ने आक्रमण किया तो पृथ्वीराज तृतीय के लिए चालुक्यों को कमजोर करने का यह सुनहरा मौका मिल गया। इसीलिए उसने चालुक्यों की कोई सहायता नहीं की।

39. (a)
दक्षिण भारत के चोल शासकों में सर्वप्रथम उत्तम चोल ने स्वर्ण मुद्रा जारी की थी। आगे चलकर राजराज प्रथम और राजेन्द्र प्रथम ने बहुतायत संख्या में सोने के सिक्के जारी किये। चोलों से स्वर्ण सिक्कों का ढेर धवलेश्वरम से प्राप्त हुआ है।

40. (c)
राजेन्द्र द्वितीय राजाधिराजा का अनुज था और कोप्पम के युद्ध क्षेत्र में राजाधिराज की हत्या के बावजूद इसी क्षेत्र में उसने कल्याणी के चालुक्यों को पराजित करके युद्ध क्षेत्र में ही अपना राज्याभिषेक कराया। 1062 ई. में चोल सेनाओं द्वारा कूडल संगम के युद्ध मे चालुक्यों (सोमेश्वर प्रथम) को पराजित किया था।

41. (b)
नालन्दा जिसको मृगशिखवन भी कहते थे। प्राचीन काल में शिक्षा का महत्त्वपूर्ण केन्द्र था। यहां श्री गुप्त ने एक बौद्ध मन्दिर का निर्माण कराया। जिसका वर्णन चीनी यात्री जो कि 672 ई. में ह्वेनसांग के उपरान्त भारत आया था ने किया था। यद्यपि नालन्दा महायान बौद्ध धर्म की शिक्षा का प्रमुख केन्द्र था तथापि यहां अन्य विषयों की शिक्षा भी दी जाती थी। 12वीं शताब्दी के अन्त में मुस्लिम अक्रान्ता बख्तियार खिलजी ने इसकों ध्वस्त कर दिया था। तक्षशिला वर्तमान पाकिस्तान के रावलपिण्डी जिले में स्थित हैं। प्राचीन समय में गान्धार इसकी राजधानी थी और यह शिक्षा का प्रमुख केन्द्र था। रामायण के अनुसार भरत ने अपने पुत्र तक्ष के नाम पर इस नगर की स्थापना करवाई थी। कोशल नरेश प्रसेनजित, मगध का राजवैद्य जीवक, चाणक्य, बसुबन्ध ने यहां शिक्षा ग्रहण की थी। चन्द्रगुप्त ने भी अपनी सैनिक शिक्षा यहां प्राप्त की थी। बाद में चाणक्य यहां का प्रमुख आचार्य बना।

42. (a)
प्रशासन की सुविधा के लिए गुप्त साम्राज्य का विभाजन भुक्ति के रूप में किया गया था। जो आजकल के प्रांतों के समान थी। भुक्ति का विभाजन अनेक जिलों में था जिसे विषय कहा जाता था। विषयों का विभाजन तहसीलों में था जिसे बीथी कहा जाता था। सबसे छोटी इकाई ग्राम थी जिसका प्रशासन ग्रामीणी या ग्रामीण द्वारा चलाया जाता था।

43. (d)
चन्द्रगुप्त मौर्य की एक पत्नी जिसका नाम हेलेन था, सेल्युकस निकेटर की पुत्री थी। सिकन्दर के उपरान्त सेल्युकस ने भारत विजय का अभियान छेड़ा किन्तु पराजित हुआ। सन्धि के परिणामतः पुत्री का विवाह एवं 4 प्रांत दहेज में दिया।

44. (b)
कश्मीर में श्रीनगर तथा नेपाल में ललित पाटन नामक नगरों की स्थापना मौर्य शासक सम्राट अशोक ने की थी। चन्द्रगुप्त प्रथम को गुप्त वंश का संस्थापक माना गया है। बिन्दुसार सम्राट अशोक का पिता था। हर्ष को कश्मीर का नीरो कहा जाता है।

45. (a)

सूची-I		**सूची-II**
(a) मोरिय	–	पिप्पलिवन
(b) बुलि	–	अलकप्प
(c) कालाम	–	केसपुत्त
(d) भग्ग	–	सुंसुमारगिरी

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

46. (a)
महायान सम्प्रदाय का सर्वाधिक महत्वपूर्ण दार्शनिक ग्रन्थ प्रज्ञापारमिता है। महायान त्रिकाय (धर्मकाय, निर्माणकाय, संभोगकाय) और सुखावती (स्वर्ग) की संकल्पना के समर्थक थे। पारमिताओं तथा भूमियों के सिद्धान्त का महायान में विशेष विकास हुआ।

47. (d)
विजय नगर साम्राज्य प्रान्तों/जिलों एवं अन्य छोटी इकाइयों में विभक्त थे। प्रान्त सूबेदार की अधीनता में होता था जिसे नायक कहते थे। नायक राज परिवार का सदस्य अथवा प्रभावशाली सामन्त होता था। प्रान्त की सभी सैनिक, असैनिक शक्ति नायक के ही हाथों में होती थी। ग्राम प्रशासन की सबसे छोटी इकाई होती थी। ग्राम आत्मनिर्भर होता था। गांव में एक ग्राम सभा होती थी। जो कि ग्राम का प्रबन्ध किया करती थी। केन्द्रीय सरकार महानायकाचार्य नामक एक पदाधिकारी द्वारा गांव को नियंत्रित करती थी।

48. (b)
बोगजकोई अभिलेख मध्य एशिया के बोगजकोई नामक स्थान से लगभग 1400 ई. पू. का प्राप्त हुआ है। इस अभिलेख पर राजाओ के मध्य एक संधि का उल्लेख है। जिसमें राजाओं ने वैदिक युगीन देवताओं को साक्षी माना था। इसमें इन्द्र, मित्र, वरूण, नासत्य चार देवताओं के नाम है।

49. (a)
उत्तर वैदिक काल में 'जोती' हुई भूमि के लिए उर्वरा या क्षेत्र शब्द का प्रयोग होता था।

50. (a)
हड़प्पा संस्कृति में अग्नि पूजा के साक्ष्य कालीबंगा से मिले हैं। कालीबंगा राजस्थान में है। इसकी खोज 1953 ई. में अमलानंद घोष ने की थी। कालीबंगा की खुदाई से प्राक् सिन्धु सभ्यता से सम्बन्धित प्रमाण मिले हैं। यहाँ से दो फसलों को एक साथ बोने के प्रमाण मिले है।

51. (d)
हड़प्पीय पुरास्थल से प्राप्त सामग्री के संभावित स्त्रोत इस प्रकार है– तांबा (राजस्थान), शंख (कच्छ), लाजवर्द (अफगानिस्तान) और सोना (दक्कन)। ध्यातव्य है कि हड़प्पाई लोग स्थानीय एवं बाहर के क्षेत्रों से व्यापार करते थे। मेसोपोटामिया की सिलेण्डरनुमा मोहरे लोथल से प्राप्त हुई है। जबकि स्थानीय व्यापार में पत्थर, धातु, हड्डी आदि का व्यापार होता था।

52. (d)
हड़प्पा संस्कृति में विष्णु देवता की पूजा नहीं की जाती थी। हड़प्पा सभ्यता से सम्बद्ध पुरास्थलों से प्राप्त मृण्यमूर्तियों एवं मुहरों पर अंकित नारी आकृतियों के साक्ष्य को विद्वानों ने मातृशक्ति की उपासना से सम्बद्ध किया है। मार्शल और मार्टीमर ह्वीलर के अनुसार सैंधव सभ्यता के देव परिवार में मातृदेवी का स्थान सर्वश्रेष्ठ था। सिन्धु सभ्यता के पुरास्थलों से प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर यह प्रमाणित होता है कि यहाँ के निवासी शिव, पीपल, नाग आदि की पूजा करते थे।

53. (b)
मणि निर्माण लोथल और चन्हुदड़ो में हड़प्पा वालों का प्रमुख उद्यम था।

54. (b)
मेसोपोटामिया की सबसे पुरानी भाषा सुमेरियन का स्थान 2400 ई.पू. के बाद धीरे-धीरे अक्कदी भाषा ने ले लिया। इस भाषा में कीलाकार लेखन का रिवाज ईसवीं सन की पहली शताब्दी तक रहा।

55. (c)
गंगा घाटी की नरहन संस्कृति ताम्रपाषाणिक काल से मुख्यतया संबंधित है। वैसे नरहन संस्कृति का संबंध लौहकाल से भी है। किन्तु नरहन संस्कृति मुख्यतया ताम्रपाषाणिक संस्कृति के लिए ही जानी जाती है।

56. (c)
प्रतापगढ़ जिले की पट्टी तहसील स्थित महदहा नामक पुरास्थल से सर्वप्रथम मृग श्रृंगों की माला तथा हड्डियों के आभूषण मिले हैं। इस पुरास्थल की खोज जी. आर. शर्मा ने की थी।

57. (d)
भारतीय प्रागैतिहास को सर्वप्रथम उद्घाटित करने का श्रेय डॉ. प्राइमरोज को जाता है, जिन्हें 1842 ई. में कर्नाटक के रायचूर जिले के लिंगसुगुर नामक नवपाषाणिक स्थल से प्रागैतिहासिक औजार प्राप्त हुए।

58. (a)
मानव जैसे प्राणी अर्थात् आरंभिक प्राणी जिनसे मानव का विकास हुआ, होमिनिड कहलाते हैं।

59. (c)
1429 में तिरुचिरापल्ली (तमिनाडु) वामपंथी व दक्षिणापंथी अत्याचारियों के खिलाफ एकत्रित हो गये थे। यह किसानों का विद्रोह था जिसमें व्यापारी और कारीगर भी सम्मिलित हुए।

60. (b)
लार्ड कर्जन भारत में 1899-1905 तक रहा उसने 1905 में बंगाल को दो भागों में विभाजित किया। सम्पूर्ण बंगाल भारत की एक बड़ी राष्ट्रीय शक्ति थी और कर्जन इस शक्ति को तोड़ना चाहता था। इस विभाजन का सम्पूर्ण जनता ने विरोध किया। 16 अक्टूबर, 1905 को जिस दिन से विभाजन हुआ। पूरे बंगाल में शोक दिवस मनाया गया। स्वदेशी एवं बहिष्कार आन्दोलन का संदेश पूरे देश में फैल गया। सुरेन्द्रनाथ बनर्जी, कृष्ण कुमार मित्र, पृथ्वीश चन्द्र राय व अन्य नेताओं ने विभाजन प्रस्ताव के खिलाफ बंगाली, हितवादी, संजीवनी जैसे अखबारों के माध्यम से आन्दोलन छेड़ा। सर्वप्रथम बंगाल में ब्रिटेन की वस्तुओं के बहिष्कार का सुझाव कृष्ण कुमार मित्र की साप्ताहिक पत्रिका संजीवनी ने दिया था। 1868 में मोती लाल घोष ने अमृत बाजार पत्रिका का प्रकाशन किया। 1878 ई. के वर्नाकुलर प्रेस एक्ट से बचने के लिये इसकी भाषा अंग्रेजी की थी।

61. (b)
महाराष्ट्र के क्रांतिकारी संघों में से प्रथम स्थान पर विनायक दामोदर सावरकर द्वारा स्थापित अभिनव भारत समाज था। वी.डी. सावरकर द्वारा 1899 ई. में स्थापित मित्र मेला नामक संस्था ही कालांतर में अभिनव भारत समाज के रूप में प्रसिद्ध हुई। नासिक जिले के कलेक्टर जैक्सन की हत्या के लिए नासिक षडयन्त्र केस के तहत वी.डी. सावरकर को 1911 ई. में अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह की सेल्युलर जेल (काला पानी) में आजीवन कारावास की सजा दी गयी थी।

62. (d)
2 सितम्बर, 1946 को जवाहर लाल नेहरू ने कार्यकारी परिषद के उपाध्यक्ष पद हेतु शपथ लिया। यह प्रधानमंत्री का अपरूप था। नेहरू के नेतृत्व में बने मंत्रिमण्डल में कुल तेरह सदस्य थे। लियाकत अली खाँ को वित्त मंत्रालय दिया गया था जिसने अपने पद का बहुत दुरुपयोग किया था।

63. (d)
भारत में स्वतंत्रता आन्दोलन के समय विभिन्न राजनीतिक गतिविधियाँ हुईं जिसके तहत क्रिप्स मिशन 1942 ई. में भारत आया। गाँधी और मुहम्मद अली जिन्ना के बीच दिल्ली में वार्ता 1944 में हुई और 1945 ई. में शिमला कॉन्फ्रेंस हुआ जो जिन्ना के चलते असफल हुआ तथा 1946 में कैबिनेट मिशन भारत आया।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

प्रशिक्षित स्नातक परीक्षा (इतिहास)

प्रैक्टिस सेट-4

1. 'बंगाल टेनेंसी एक्ट' किस वर्ष लागू हुआ?
(a) 1884 ई. (b) 1885 ई.
(c) 1886 ई. (d) 1887 ई.

2. भारतीय संघ में विलय के लिए 'इन्स्ट्रूमेंट ऑफ एक्सैशन' पर हस्ताक्षर करने वाला कौन सा रियासती राज्य था?
(a) पटियाला (b) बड़ौदा
(c) बीकानेर (d) उदयपुर

3. भारत छोड़ो आन्दोलन के दौरान निम्नलिखित में से किस स्थान पर लोगों की सरकार स्थापित की गई थी?
(a) इलाहाबाद (b) कानपुर
(c) झाँसी (d) सतारा

4. निम्नांकित में किस सत्याग्रह का नेतृत्व महात्मा गांधी ने नहीं किया था?
(a) खेड़ा सत्याग्रह
(b) रॉलेट बिल के विरुद्ध सत्याग्रह
(c) महाद मीठा जलाशय सत्याग्रह
(d) वायकोम सत्याग्रह

5. 1665 में निम्नलिखित में से किसने बम्बई को अपने अधिकार में ले लिया?
(a) इन्फैण्टा (b) चारनाक
(c) जेरल्ड अन्गियर (d) हम्फरी कुक

6. निम्नलिखित में से कौन-सी पुस्तक विजय लक्ष्मी पंडित द्वारा नहीं लिखी गयी है?
(a) रोल ऑफ वुमेन इन द मॉडर्न वर्ल्ड
(b) द इवोल्यूशन ऑफ इंडिया
(c) वॉयस ऑफ द सिटी
(d) प्रिजन डायरी

7. आयक स्तम्भ कहं लगाए गये हैं?
(a) विहारों के भीतरी भाग में
(b) चैत्य मण्डपों के भीतरी भाग में
(c) स्तूपों के अण्ड (भाग) पर
(d) स्तूपों की मेढ़ी पर

8. स्वराज, भारत के राजनैतिक प्रयासों का लक्ष्य था- यह दादाभाई नौरोजी द्वारा.....में घोषित किया गया था।
(a) कलकत्ता सत्र, 1888 (b) कलकत्ता सत्र, 1906
(c) लाहौर सत्र, 1885 (d) बॉम्बे सत्र, 1889

9. निम्न में से किसने कहा था 'मेरे बालक नहीं तुम एक भारतीय प्रथम हो और उसके बाद ही एक मुसलमान हो?'
(a) जवाहर लाल नेहरू (b) मोहम्मद इकबाल
(c) मोहम्मद अली जिन्ना (d) सैयद अहमद खां

10. निम्न में से किसके शासनकाल में विजयनगर राज्य अस्तित्व में आया?
(a) गियासुद्दीन तुगलक (b) मोहम्मद तुगलक
(c) फिरोजशाह तुगलक (d) खिज खां

11. 1930 के दशक में बिहार में किसान आन्दोलन का नेतृत्व किसने किया था?
(a) सी.आर. दास (b) मुजफ्फर अहमद
(c) स्वामी सहजानन्द (d) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

12. ब्रिटिश सेना में सेवारत भारतीय सैनिकों का पहला विद्रोह कहाँ हुआ था?
(a) बंगाल (b) मेरठ
(c) वेल्लूर (d) अवध

13. संविधान की मसौदा समिति के सम्मुख आमुख (प्रस्तावना) को किसने प्रस्तुत किया?
(a) जवाहर लाल नेहरू (b) बी.आर. अम्बेडकर
(c) बी.एन.राव (d) महात्मा गांधी

14. महालवाड़ी बंदोबस्त की नीति की पहल किसने की?
(a) थॉमस मुनरों (b) सर जॉन शोर
(c) हॉल्ट मैकेन्जी (d) कार्नवालिस

15. निम्न में से कौन-सी एक कालिदास की रचना वैदिक/पौराणिक साहित्य में प्रचलित विषय-वस्तु पर आधारित नहीं है?
(a) अभिज्ञानशाकुन्तलम (b) मेघदूत
(c) कुमारसम्भव (d) रघुवंश

16. पहली रेलवे लाइन भारत में किसके समय में बिछाई गई?
(a) लार्ड वेलेजली (b) लार्ड डलहौजी
(c) लार्ड कैनिंग (d) लार्ड मेयो

17. किस वर्ष में कलकत्ता से आगरा में मध्य प्रथम 'टेलीग्राफ़ लाईन' प्रारम्भ की गई थी?
(a) 1853 (b) 1855
(c) 1856 (d) 1857

18. सर कॉलिन स्कॉट मॉनक्रीफ का सम्बन्ध है-
(a) नागरिक सुधार से (b) रेलवे से
(c) शिक्षा से (d) सिंचाई से

19. मुहम्मद तुगलक द्वारा चलाई गयी सांकेतिक मुद्रा किस धातु की थी?
(a) चाँदी (b) लोहा
(c) ताँबा (d) सोना

20. वह भक्ति-काल का संत जिनके पास विभिन्न जातियों के बारह (12) शिष्य थे–
(a) रामानन्द थे (b) सूरदास थे
(c) कबीर थे (d) वल्लभाचार्य थे

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

21. किस भक्तिकालीन संत ने पहली बार अपने उपदेश में हिन्दी भाषा का प्रयोग किया?
(a) कबीर (b) तुलसीदास
(c) रामानंद (d) दादू

22. निम्नलिखित शासकों में से किसने राम-सीता के अंकन से युक्त सिक्के चलवाये?
(a) अकबर (b) जहाँगीर
(c) जैनुल आबदीन (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

23. वे अमीर, जिनके पूर्वज मुगल शासन में पहले ही सेवारत होते थे, कहलाते थे–
(a) शेखजादा (b) मिर्जा
(c) खानखाना (d) इनमें से कोई नहीं

24. वह कौनसी मुगल राजसी महिला थी जिसकी मृत्यु के पश्चात् बहुत से राजपूत अमीरों ने अकबर के साथ अपने सिरों को मुँडवा लिया था?
(a) गुलबदन बेगम (b) हमीदा बानो बेगम
(c) माहम अनगा (d) मानमती बाई

25. जाति एवं नस्ल सम्बन्धी समस्त भेदभाव समाप्त करने हेतु एवं महानिर्वाण तंत्र में प्रदिष्ट विवाह का शैव स्वरूप अंगीकार करने का सुझाव किसने दिया था?
(a) राजा राममोहन राय (b) देवेन्द्रनाथ टैगोर
(c) केशवचन्द्र सेन (d) गोपालहरि देशमुख

26. शेरशाह प्रारम्भिक जीवन में 'अतालीक' नियुक्त हुआ
(a) बहार खां के अधीन (b) जलाल खां के अधीन
(c) जमाल खां के अधीन (d) ताज खां के अधीन

27. निम्नलिखित में से किसने कश्मीर में शालीमार और निशात बाग की नींव रखी?
(a) अकबर (b) जहाँगीर
(c) शाहजहाँ (d) नूरजहाँ

28. अकबर ने मुईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह की प्रथम यात्रा कब की थी :
(a) 1560 (b) 1570
(c) 1562 (d) 1573

29. दिल्ली के किस सुल्तान ने सीरी के दुर्ग की नींव डाली एवं उसे निर्मित किया?
(a) इल्तुतमिश (b) बलबन
(c) अलाउद्दीन खिलजी (d) गियासुद्दीन तुगलक

30. निम्नलिखित में से क्या सिकन्दर लोदी से सम्बन्धित नहीं है?
(a) भू-राजस्व निर्धारण हेतु भूमि मापन
(b) एक अनुवाद विभाग की स्थापना
(c) अन्न पर से कर समाप्त करना
(d) बहलोल लोदी के राजत्व सिद्धान्त का अनुसरण करना

31. दिल्ली सल्तनत के अन्तर्गत निम्न में से कौन सा एक सिक्का प्रचलन में नहीं था?
(a) दाम (b) टंका
(c) जीतल (d) दोगानी

32. मृत्यु के उपरान्त कुतुबुद्दीन ऐबक को दफनाया गया था –
(a) रावलपिण्डी में (b) इस्लामाबाद में
(c) लाहौर में (d) दिल्ली में

33. वली और अमीर के पदों को किसने पृथक् किया?
(a) बलबन
(b) मुहम्मद तुगलक
(c) अलाउद्दीन खिलजी
(d) गियासुद्दीन तुगलक

34. निम्नलिखित किसके लिए 'तुतिए-हिन्द' उपनाम का प्रयोग किया गया था?
(a) जियाउद्दीन बरनी
(b) अमीर खुसरो
(c) याहिया बिन अहमद सिरहिन्दी
(d) शहाबुद्दीन अहमद

35. निम्न में से किस सुल्तान ने शराब पीना, जुआ खेलना व भांग खाने पर प्रतिबंध लगाया?
(a) इल्तुतमिश (b) बलबन
(c) अलाउद्दीन खिलजी (d) फिरोज शाह तुगलक

36. निम्न में से कौन-सा नृजातीय तत्व हड़प्पा स्थलों के कंकाल अवशेषों में नहीं मिलती हैं?
(a) ऐल्पीय (b) भूमध्यसागरीय
(c) मंगोलियन (d) नेग्रीटो

37. अमीर खुसरो का मूल नाम क्या था?
(a) फरीद (b) जूना खान
(c) अबुल हसन (d) निजामुद्दीन हसन

38. गुप्तकाल में सार्थवाह कहा जाता था
(a) जिला प्रशासन का प्रमुख
(b) व्यापारिक कारवाँ का प्रमुख
(c) समिति का प्रमुख
(d) श्रेणी का प्रमुख

39. निम्नलिखित में किस चन्देल शासक ने महमूद गजनवी को संधि के लिए विवश कर लिया था?
(a) धंगदेव ने (b) विद्याधर ने
(c) ननुक ने (d) इनमें से कोई नहीं

40. 731 ई. में अरबों ने सिन्धु नदी के तट पर एक नगर स्थापित किया, जिसका नाम था-
(a) महफूजा (b) मन्सूरा
(c) सेहवान (d) थट्टा

41. निम्नलिखित में से किस चोल शासक की उपाधि 'पंडित चोल' थी?
(a) राजराज I (b) राजेन्द्र I
(c) राजाधिराज I (d) कुलोत्तुंग I

42. मेहरौली स्तम्भलेख किस शासक से संबंधित है?
(a) चन्द्रगुप्त II (b) चन्द्रगुप्त मौर्य
(c) चन्द्रगुप्त I (d) समुद्रगुप्त

43. सूची I को सूची- II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए-

सूची I	सूची II
(a) कुमारगुप्त प्रथम	1. महादेवी कुबेरनामा
(b) चन्द्रगुप्त प्रथम	2. महादेवी कुमार देवी
(c) चन्द्रगुप्त द्वितीय	3. महादेवी अनन्तदेवी

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कूटः

	A	B	C
(a)	1	2	3
(b)	2	1	3
(c)	3	2	1
(d)	1	3	2

44. निम्नलिखित में से कौन चन्द्रगुप्त मौर्य के शासनकाल में सौराष्ट्र का प्रान्तीय गवर्नर था?
(a) तुषास्प (b) पुष्यगुप्त
(c) बिन्दुसार (d) राधागुप्त

45. रणभूमि में अपने पतियों के साथ स्त्रियों के जाने की प्रथा को किसने बढ़ावा दिया?
(a) सदाशिव राव (b) रघुनाथ राव
(c) बालाजी राव (d) माधव राव

46. छठीं शताब्दी ईसा पूर्व में निम्नलिखित में से किस महाजनपद में राजतंत्रात्मक शासन नहीं था?
(a) कोसल (b) वज्जि
(c) अवन्ति (d) मगध

47. कौन सा प्राचीन भारतीय सभ्यता रंगीन ग्रे बेयर संस्कृति से पहचानी जाती है?
(a) सिंधु घाटी (b) पूर्व वैदिक
(c) उत्तर वैदिक (d) ताम्रपाषाण

48. वैदिक साहित्य का प्राचीनतम ग्रंथ कौन सा है?
(a) ऋग्वेद (b) उपनिषद
(c) सूत्र (d) महाकाव्य

49. वाग्भट्ट की अष्टांगहृदय किस से सम्बन्धित पुस्तक है?
(a) आयुर्वेद (b) दर्शन
(c) भाषा विज्ञान (d) संगीत

50. रेखीय-मापन के लिए हाथी दाँत का पैमाना प्राप्त हुआ है
(a) लोथल से (b) कालीबंगा से
(c) धौलीवीरा से (d) सुरकोटदा से

51. हड़प्पा के लोगों के सामान्य घरेलू बर्तन किससे बने होते थे?
(a) पत्थर
(b) चीनी मिट्टी
(c) मिट्टी के अच्छी तरह पकाए गए चित्रात्मक बर्तन
(d) ताम्र

52. डोमिनियन पद (स्टेट्स) के प्रदान करने के आधार पर भारत व पाकिस्तान की दो केन्द्रीय सरकारों को अन्तरिक करने का सुझाव किसने दिया?
(a) जवाहर लाल नेहरू व सरदार पटेल
(b) गांधीजी व जवाहरलाल नेहरू
(c) लार्ड माउण्ट बेटन व जवाहर लाल नेहरू
(d) वी.पी. मेनन व सरदाल पटेल

53. सर्वाधिक हड़प्पीय पुरास्थल किस नदी के किनारे पाए गये हैं?
(a) सिन्धु (b) सतलुज
(c) सरस्वती (d) रावी

54. सूची-I (हड़प्पाकालीन स्थल) का सूची-II (पुरातात्विक अवशेष) से मिलान करें और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन करें :

सूची-I	सूची-II
(a) मोहनजोदड़ो	(i) नगर दुर्ग और निचली बस्ती
(b) लोथल	(ii) बड़ा अन्नागार
(c) कालीबंगा	(iii) इंटों से बनी गोदी
(d) सुत्कांगेन्डोर	(iv) नगर दुर्ग और किलेबंद निचली बस्ती

कूटः

	A	B	C	D
(a)	i	ii	iv	iii
(b)	ii	iii	i	iv
(c)	iv	ii	i	iii
(d)	iii	i	ii	iv

55. निम्नलिखित में से कौन सा एक पशु हड़प्पा सभ्यता में मौजूद था?
(a) जिराफ (b) हाथी
(c) कंगारू (d) सियार

56. बसुलि, छेनी, छेद वाला गोल पत्थर किस संस्कृति के हैं?
(a) नव पाषाण युग
(b) ताम्र युग
(c) लौह युग
(d) चित्रित धूसर भाण्ड संस्कृति

57. 1863 में राबर्ट ब्रूसफुट को हस्तकुठार मिला था :
(a) बदमदुरै (b) अत्तिरम्पक्कम
(c) पल्लवरम (d) संगनकल्लू

58. किस प्रागैतिहासिक स्थल से भारत की प्राचीनतम झोपड़ियों के प्रमाण मिले हैं?
(a) चिरकी-नेवासा (b) डीडवाना
(c) हुंसगी (d) पैसरा

59. उपकरणों की खोज तथा नियोलिथिक युग में उनके कार्यान्वयन की जानकारी देने वाले रहे
(a) ले मेजुरायर (b) फ्रेशर
(c) माइल्स बर्किट (d) कारलाइल

60. निम्नलिखित राजवंशों में से किसके द्वारा शासित क्षेत्र में राज्य संरचना का वर्णन एक गांव राज्य के रूप में मिलता है?
(a) सातवाहन (b) गंग (c) चालुक्य (d) राष्ट्रकूट

61. महात्मा गाँधी ने केवल एक बार कांग्रेस के किस वार्षिक अधिवेशन की अध्यक्षता की थी–
(a) काकिनाडा, 1923 (b) बेलगांव, 1924
(c) कानपुर, 1925 (d) गुवाहाटी, 1926

62. कौन-से चिश्ती सूफी संत को 'चिराग-ए-देहलवी' के लोकप्रिय नाम से जाना जाता था?
(a) निजामुद्दीन औलिया
(b) शेख नासिरुद्दीन महमूद
(c) कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी
(d) उक्त में से कोई नहीं

63. पानीपत के तृतीय युद्ध में मराठों की ओर से लड़ते हुए मरने वाला मुसलमान सेनानायक था –
(a) इब्राहीम खान गार्दी (b) नजीब उद्दौला
(c) मुजफ्फर हुसैन (d) दोस्त मोहम्मद रूहेला

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तरमाला : प्रैक्टिस सेट–4

1. (b)	2. (c)	3. (d)	4. (c)	5. (c)	6. (c)	7. (d)	8. (b)	9. (c)	10. (b)
11. (c)	12. (c)	13. (a)	14. (c)	15. (b)	16. (b)	17. (a)	18. (d)	19. (c)	20. (a)
21. (c)	22. (a)	23. (d)	24. (b)	25. (a)	26. (a)	27. (b)	28. (c)	29. (c)	30. (d)
31. (a)	32. (c)	33. (b)	34. (b)	35. (c)	36. (d)	37. (c)	38. (b)	39. (b)	40. (a)
41. (b)	42. (a)	43. (c)	44. (b)	45. (a)	46. (b)	47. (c)	48. (a)	49. (a)	50. (a)
51. (c)	52. (d)	53. (c)	54. (b)	55. (b)	56. (a)	57. (c)	58. (d)	59. (a)	60. (b)
61. (b)	62. (b)	63. (a)							

व्याख्या

1. (b)
बंगाल टेनेंसी एक्ट 1885 ई. में लागू हुआ था। 1885 में ही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना हुई थी। इस समय भारत के वायसराय लार्ड डफरिन थे। इनके ही अध्यक्षता में बंगाल टेनेसी एक्ट पारित हुआ था।

2. (c)
माउंटबेटन ने देशी राज्यों के विलीनीकरण या सम्मिलन के लिए दो प्रकार के प्रपत्र तैयार करवाये थे–
(a) **इंस्ट्रूमेंट ऑफ एक्सैशन** – यह एक प्रकार का सम्मिलन पत्र था जिस पर हस्ताक्षर करने के उपरान्त रियासत भारतीय संघ में शामिल हो जाता था। सबसे पहले बीकानेर के महाराजा शार्दूल सिंह ने 7 अगस्त 1947 को सम्मिलन पत्र पर हस्ताक्षर किया।
(b) **स्टैण्डस्टिल एग्रीमेंट** – यह एक प्रकार से यथा स्थिति के लिए सहमति पत्र था।

3. (d)
1942 ई. में हुए भारत छोड़ो आन्दोलन के दौरान बलिया, सतारा तथा तामलूक में समानान्तर सरकारें गठित की गयी थी। सतारा (महाराष्ट्र) की समानान्तर सरकार सबसे ज्यादा दीर्घ जीवी साबित हुई। भारत छोड़ो आन्दोलन की शुरुआत से ही यह क्षेत्र काफी सक्रिय रहा था। आन्दोलन के पहले चरण में सरकार के स्थानीय मुख्यालयों से हजारों लोगों का जुलूस निकाला गया। इसके बाद भितरघात, डाकघरों पर हमला, बैंकों की लूट, टेलीफोन के तारों को काट देना आदि का सिलसिला शुरू हुआ। वाई.वी. चव्हाण यहाँ के महत्वपूर्ण नेता थे। उनका अच्युत पटवर्धन तथा अन्य भूमिगत नेताओं से भी सम्पर्क था। 1943 की शुरुआत से भूमिगत कार्यकर्ताओं ने अपने को पुनर्संगठित करना प्रारम्भ किया और लगभग छः महीने में उनका संगठन तैयार हो गया। प्रति सरकार समानान्तर सरकार की स्थापना की गयी। नाना पाटिल इसके महत्वपूर्ण नेताओं में से थे।

4. (c)
महात्मा गाँधी 1915 ई. में द. अफ्रीका से वापस आकर भारत की सक्रिय राजनीति से स्वयं को जोड़ा तथा 1915 ई. में अहमदाबाद के समीप ''साबरमती आश्रम'' की स्थापना की। इसके पश्चात क्रमशः चम्पारण सत्याग्रह (1917 ई.), अहमदाबाद का मजदूर अंदोलन (1918 ई.), खेड़ा सत्याग्रह (1918 ई.), खिलाफत व असहयोग आंदोलन के साथ ही रोलेट एक्ट के विरुद्ध सत्याग्रह भी किया। केरल के त्रावणकोर राज्य में वायकूम सत्याग्रह आंदोलन में अछूतों के मंदिर प्रवेश की माँग का भी समर्थन किया। महाद मीठा जलाशय सत्याग्रह भीमराव अंबेडकर की अगुवाई में 20 मार्च 1927 को महाराष्ट्र राज्य के रायगढ़ जिले के महाड़ नामक स्थान पर दलितों को सार्वजनिक चवदार तालाब से पानी पीने और इस्तेमाल करने का अधिकार दिलाने के लिए किया गया एक प्रभावी सत्याग्रह था।

5. (c)
जाब चारनाक ने कलकत्ता को बसाया था। जेरल्ड अन्गियर ने बम्बई पर अधिकार कर लिया तब यह नगर बहुत ही सामान्य अवस्था में था। बाद में अंग्रेजों ने इसे एक व्यापारिक रूप में विकसित किया।

6. (c)
वॉयस ऑफ द सिटी के लेखक 'ओ हेनरी' हैं, शेष की लेखिका विजय लक्ष्मी पंडित है। विजयलक्ष्मी पंडित की प्रसिद्ध पुस्तक 'द स्कोप ऑफ हैपिनेस : ए पर्सनल मेमोरर' थी।

7. (d)
महात्मा बुद्ध के महानिर्वाण के बाद उनकी अस्थियों को 8 भागों में बांटा गया तथा उन पर समाधियों का निर्माण किया गया। सामान्यतया इन्हीं को स्तूप कहा गया। स्तूप के निर्माण की प्रथा बुद्ध काल के पूर्व की है। 'स्तूप का शाब्दिक अर्थ होता है ढेर या ढूहा' चूंकि यह चिता के स्थान पर बनाया जाता था। अतः इसका एक नाम चैत्य भी हो गया। स्तूप 4 प्रकार के बताये गये हैं- (1) शारीरिक, (2) पारिभोगिक, (3) संकल्पित, (4) उद्देशिका। स्तूप का प्रारम्भिक रूप अर्ध गोलाकार मिलता है। इसमें एक चबूतरा होता है जिसे मेधि कहते हैं इस चबूतरे को थोड़ा-थोड़ा सभी तरफ बढ़ा दिया जाता है। आगे की ओर जो चबूतरा निकल जाता है उसे आयक कहते हैं। इन पर स्तम्भ होते थे जिन्हें आयक स्तम्भ कहते हैं। स्तूप की चोटी सिरे पर चपटी होती है जिसके ऊपर धातु पात्र रखा जाता था। इसे हर्मिक कहते हैं। स्तूप को चारों ओर से बाड़ अथवा दीवाल से घेर दिया जाता था। इसे वेदिक या (रेलिंग) कहते हैं। स्तूप तथा वेदिका में मध्य खाली स्थान को प्रदक्षिणापथ कहा जाता था।

8. (b)
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन (1906 ई.) में दादाभाई नौरोजी ने 'स्वराज' को भारत के राजनैतिक प्रयासों का लक्ष्य घोषित किया। इसी अधिवेशन में स्वदेशी, बहिष्कार, राष्ट्रीय शिक्षा व शासन से जुड़े प्रस्ताव पारित हुए। इस अधिवेशन की अध्यक्षता दादाभाई नौरोजी ने की थी।

9. (c)
1920 के दशक के दौरान जिन्ना की राष्ट्रवादिता पर साम्प्रदायिकता का पूर्णतः प्रभाव नहीं था। उन्होंने 1924 में समाप्त प्राय मुस्लिम लीग को पुनर्जीवित किया। 1924 तक लखनऊ समझौते के आधार पर हिन्दू-मुस्लिम एकता पर भी जोर देते थे, ताकि ब्रिटिश शासन से मिलकर लड़ा जा सके। केंद्रीय विधान परिषद में सरकारी नीतियों और कदमों का विरोध करने में वे स्वराजियों के साथ थे। 1925 में जब एक मुसलमान नौजवान ने यह कहा कि मैं मुसलमान पहले हूँ- तो उन्होंने उसे समझाया कि नहीं पहले भारतीय हो और मुसलमान बाद में।

10. (b)
मुहम्मद बिन तुगलक के शासनकाल में 1325 में मुहम्मद के चचेरे भाई बहाबुद्दीन, गुर्शास्प ने विद्रोह किया। 1327-28 में आंध्र के तटवर्ती प्रदेशों के नायकों ने विद्रोह किया। इसके साथ ही बीदर,

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

दौलताबाद, गुलबर्गा और मदुरा में भी विद्रोह प्रारम्भ हो गये। इस अशांतिजनक स्थिति का लाभ उठाकर कंपिली में भी विद्रोह शुरू हो गया और देवेगिरि के यादवों के उत्तराधिकारियों ने भी स्थित का लाभ उठाकर अपनी स्वतंत्रता स्थापित की। इन विद्रोहों को दबाने के लिये मुहम्मद बिन तुगलक ने हरिहर एवं बुक्का को तुगलक सेनापति के रूप में दक्षिण भेजा। हरिहर एवं बुक्का ने विद्यारण्य नामक संत के प्रभाव में आकर 1336 ई. में विजयनगर राज्य की स्थापना की। इनके पिता संगम के नाम पर विजयनगर के प्रथम राजवंश का नाम संगम वंश पड़ा। गियासुद्दीन तुगलक जिसने तुगलक वंश की स्थापना की 1320 को सिंहासनारूढ़ हुआ। वह दिल्ली का प्रथम सुल्तान था, जिसने अपने नाम के साथ गाजी शब्द का प्रयोग किया। वह शेख निजामुद्दीन औलिया से वैमनस्यता रखता था। फिरोज तुगलक ने कृषि को प्रोत्साहन देने हेतु नहरों का निर्माण कराया। उसने रोजगार दफ्तर की स्थापना की, दारूल शफा नामक खैराती अस्पताल खुलवाया जिसमें रोगियों को मुफ्त दवा एवं भोजन मिलता था।

11. (c)
1936 में लखनऊ में 'अखिल भारतीय किसान कांग्रेस' की स्थापना हुई, जिसका नाम बाद में बदलकर 'अखिल भारतीय किसान सभा' कर दिया। बिहार प्रान्तीय किसान सभा के लड़ाकू संस्थापक स्वामी सहजानन्द सरस्वती इसके अध्यक्ष और आन्ध्रा में किसान आन्दोलन के अगुआ तथा कृषि क्षेत्र की समस्याओं के विद्वान एन.जी. रंगा, महासचिव चुने गये। किसान सभा के पहले सम्मेलन में खुद जवाहर लाल नेहरू आये और संगठन का स्वागत किया। इस सम्मेलन में उपस्थित अन्य हस्तियाँ थीं राममनोहर लोहिया, सोहन सिंह जोन्स, इन्दुलाल याज्ञनिक, जय प्रकाश नारायण, मोहन लाल गौतम, कमल सरकार। सम्मेलन में निर्णय लिया गया कि किसानों काएक घोषणा पत्र निकाला जाए तथा इंदुलाल याज्ञनिक के सम्पादन में एक बुलेटिन का नियमित प्रकाशन हो।

12. (c)
वेल्लूर विद्रोह 10 जुलाई 1806 ई. को मद्रास राज्य के वेल्लूर में हुआ था। यह ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ भारतीय सिपाहियो द्वारा बड़े पैमाने पर और हिंसक विद्रोह का पहला उदाहरण था, जो 1857 के स्वतंत्रता संघर्ष से भी आधी सदी पहले घटित हुआ था।

13. (a)
संविधान सभा की प्रथम बैठक 9 दिसम्बर 1946 को हुई। डॉ. सच्चिदानन्द सिन्हा को सभा का अस्थायी अध्यक्ष नियुक्त किया गया। 11 दिसम्बर, 1946 को डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को सभा का स्थाई अध्यक्ष नियुक्त किया गया। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने अपने भावपूर्ण भाषण में स्वतंत्र भारत के आदर्शों पर प्रकाश डाला और नये भारतीय समाज की रूपरेखा के सम्बन्ध में विचार प्रकट किये। उनके विचारों को दृष्टि में रखते हुए उद्देश्य प्रस्ताव तैयार किया गया जो कि भारतीय संविधान का प्रस्तावना रखा। इस उद्देश्य प्रस्ताव को 13 दिसम्बर, 1946 को जवाहर लाल नेहरू ने मसौदा समिति के समक्ष प्रस्तुत किया। इस संविधान निर्मात्री सभा में बी.एन. राव संवैधानिक सलाहकार एवं बी.आर. अम्बेडकर प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे।

14. (c)
महालवाड़ी बंदोबस्त की नीति की पहल 1819 ई0 हॉल्ट मैकेन्जी ने की थी। इस व्यवस्था में भू–राजस्व का निर्धारण 'महाल' या समूचे ग्राम के उत्पादन के आधार पर किया जाता था और महाल के समस्त कृषक भू–स्वामियों के भू–राजस्व का निर्धारण संयुक्त रूप से किया जाता था। जिनमें गाँव के लोग अपने मुखिया या प्रतिनिधियों के द्वारा एक निर्धारित समय सीमा के अंदर लगान में अदायगी की जिम्मेदारी अपने ऊपर लेते थे।

15. (b)
गुप्तकालीन कवि एवं नाटककार ने ऋतुसंहार, मेघदूत, कुमार सम्भव, रघुवंश, मालविका अग्नि मित्रम, विक्रमोर्वशीय, अभिज्ञान शाकुन्तलम की रचना की। मेघदूत की विषय वस्तु वैदिक/पौराणिक न होकर वियोग श्रृंगार है। यह कालिदास का दूसरा खण्ड काव्य है। इसमें धनपति कुबेर के शाप से निर्वासित एक यक्ष द्वारा अपनी विरहविधुरा कान्ता को मेघ द्वारा संदेश पहुंचाने का मनोरम वर्णन है। अभिज्ञानशाकुन्तलम में हस्तिनापुर के राजा दुष्यन्त तथा कण्व ऋषि पालिता कन्या शकुन्तला के मिलन, वियोग, पुनर्मिलन की कथा का नाटकीय चित्रण किया गया है। कुमारसम्भव यह 17 सर्गों का महाकाव्य है जिसमें शिव-पार्वती के पुत्र कार्तिकेय के जन्म की कथा वर्णित है। रघुवंश, यह कालिदास का सर्वश्रेष्ठ महाकाव्य है इसमें दिलीप से लेकर अग्निवर्ण तक चालीस इक्ष्वाकुवंशी राजाओं का चरित्र-चित्रण है। मालविकाग्निमित्रम कालीदास का प्रथम नाटक है।

16. (b)
भारतीय सुरक्षा और आन्तरिक संचार व्यवस्था को बढ़ाने के लिए डलहौजी के शासनकाल में भारत में प्रथम रेलवे लाइन 1853 ई. में बम्बई से थाना तक बिछाई गई और शीघ्र ही समस्त भारतीय साम्राज्य रेलवे लाइनों के सूत्र में बाँध कर एक कर दिया गया।

17. (a)
लार्ड डलहौजी 1848 ई. में भारत के गवर्नर जनरल बनकर आए। उनका शासनकाल काफी विवादित रहा क्योंकि उन्होंने युद्ध व व्यपगत सिद्धान्त (डॉक्ट्रिन ऑफ लैप्स) के आधार पर अंग्रेज साम्राज्य का विस्तार करते हुए अनेक महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न किया। इन्हीं के द्वारा ब्रिटिश रेजिडेंट जेम्स आउट्रम की रिपोर्ट के आधार पर अवध का विलय (1856) किया गया, 1853 में बम्बई एवं थाणे के मध्य प्रथम रेल का परिचालन, 1853 में ही कलकत्ता से आगरा के मध्य प्रथम 'टेलीग्राफ लाईन' प्रारंभ किया गया था। इन्हीं के काल में पहली बार सार्वजनिक निर्माण विभाग तथा लोक शिक्षा विभाग (1854) की स्थापना की गई।

18. (d)
लार्ड कर्जन ने 1901 में स्कॉट मानक्रीफ की अध्यक्षता में एक आयोग सिंचाई के पूर्ण प्रश्न की जाँच करने के लिए नियुक्त किया। इस आयोग ने सुझाव दिया कि 4.5 करोड रुपए अतरिक्त धन आने वाले 20 वर्षों में सिंचाई व्यवस्था पर व्यय किया जाय।

19. (c)
बरनी के अनुसार खजाने में धन की कमी और साम्राज्य की नीति को कार्य रूप में परिणत करने के कारण मुहम्मद तुगलक को सांकेतिक मुद्रा चलानी पड़ी ईरान में गेताखू खाँ के समय में सांकेतिक मुद्रा चलायी गयी थी। बरनी ने इस सांकेतिक सिक्का को ताँबे का बताया है। फरिश्ता ने पीतल होने की बात कही है।

20. (a)
भक्ति आंदोलन को दक्षिण से उत्तर में लाने का श्रेय रामानन्द को है। इनका जन्म इलाहाबाद (प्रयागराज) में हुआ था। रामानन्द रामानुज के मतावलम्बी राघवानंद के शिष्य थे। इनका दृष्टिकोण उदार था और इन्होंने सभी जातियों, धर्मों, यहाँ तक कि मुसलमानों को भी अपना शिष्य बनाया। वे पहले उपदेशक थे जिन्होंने हिन्दी का प्रयोग किया इनकी दो महिला शिष्य थी– पद्मावती तथा सुरसरी। रामानन्द के 12 शिष्यों में जाट धन्ना, नाई सेना, मोची रैदास, जुलाहा कबीर एवं पीपा राजपूत प्रमुख थे।

21. (c)
रामानंद भक्ति काल के प्रथम संत थे जिन्होंने हिन्दी भाषा को अपने मत के प्रचार का माध्यम बना कर भक्ति आंदोलन को जनाधार दिया। इन्होंने कृष्ण और राधा के स्थान पर राम और सीता की भक्ति का आरंभ किया। कबीर ने अपनी कोई रचना नहीं लिखी, उनके सिद्धांतों को उनके शिष्य धर्मदास द्वारा बीजक में संकलित किया गया है।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

22. (a)
मुगलकालीन शासक अकबर ने राम-सीता के अंकन से युक्त सिक्के चलवाये थे। यद्यपि अकबर के समय में अनेक तरह के कलात्मक सिक्के जारी किये गये, जिसमें चाँदी के एक सिक्के के एक तरफ धनुर्धारी राम और दूसरी तरफ सीता की प्रतिमा अंकित थी और देवनागरी लिपि में रामसिया अंकित है।

23. (d)
चगताई वंश के शासकों द्वारा मिर्जा उपाधि का प्रयोग किया जाता था, जबकि खानखाना की उपाधि मुगल बादशाहों द्वारा विशेष सेवा के उपलक्ष्य में दी जाती थी जबकि, भारतीय अमीर के संतानों को शेखजादा कहा जाता था।

24. (b)
हमीदा बानो बेगम, जो अकबर की माँ थी, की मृत्यु 1604 ई. हुआ था। इनकी मृत्यु पर अकबर के साथ बहुत से राजपूत अमीरो ने अपने सिरों को मुँडवा लिया था।

25. (a)
राजा राममोहन राय सामाजिक सुधार में प्रभात का तारा थे। उन्होंने जातिवाद पर प्रत्यक्ष प्रहार किया। उनके अनुसार जातिपाँति के कारण भारतीय समाज जड़ हो गया है और इससे लोगों की एकता तथा घनिष्ठता में बाधा पड़ती है। इन अनगिनत विभाजनों के कारण देश प्रेम की भावना उत्पन्न ही नहीं होती। राजा साहब ने सुझाव दिया कि जातिपाँति के बन्धनों को हटाने के लिये शैव वैवाहिक पद्धति अपनानी चाहिये। राममोहन राय के विचारों को फैलाने के लिये देवेन्द्र नाथ टैगोर ने 1839 ई. तत्व बोधनी सभा की स्थापना की।

26. (a)
शेरशाह इब्राहिम सूर का पौत्र व हसन का पुत्र था। अपनी योग्यता से शेरशाह अपने पिता के आश्रयदाता जमाल खाँ का विश्वासपात्र बन गया। 1528 ई. में वह दक्षिणी बिहार गया तथा बहार खाँ के पुत्र जलाल खाँ का शिक्षक (अतालीक) व संरक्षक नियुक्त किया गया। शासक की मृत्यु के पश्चात् दक्षिण बिहार का नायव-सूबेदार बना दिया गया।

27. (b)
जहांगीर ने कश्मीर में प्रसिद्ध शालीमार और निशात बाग की नींव रखी और उसी ने शेख सलीम चिश्ती के मकबरे में लाल बलुआ पत्थर के स्थान पर संगमरमर लगवाया। जहांगीर ने वास्तुकला की अपेक्षा चित्रकला को अधिक आश्रय दिया। फलस्वरूप उसके समय में बहुत कम इमारतों का निर्माण हुआ। जहांगीर के समय सबसे उल्लेखनीय इमारत 'एतमात्-उद्दौला का मकबरा' है।

28. (c)
अकबर मुईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर पहली बार 1562 ई. में गया था, मुईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह अजमेर में है। इनका जन्म 1143 ई. में सीस्तान एवं मृत्यु 1236 ई. में अजमेर में हुई। 1192 ई. में वह मुहम्मद गोरी के साथ भारत आया था।

29. (c)
1303 ई. में अलाउद्दीन खिलजी ने सीरी के दुर्ग की नींव डाली तथा उसे निर्मित किया। उसने सीरी का नगर बसाया, उसमें हजार स्तम्भों वाला महल बनवाया, निजामुद्दीन औलिया की दरगाह में जमैयतखाना मस्जिद और कुतुबमीनार के निकट 'अलाई दरवाजा' बनवाया।

30. (d)
बहलोद लोदी की मृत्यु के पश्चात् उसका तीसरा पुत्र 'निजाम खाँ' सिकन्दर लोदी के नाम से लोदी वंश के सिंहासन पर आरुढ़ हुआ। वह एक हिन्दू महिला का पुत्र था, इस कारण कुछ दरबारी अमीरों ने उसके सिंहासनारोहण का विरोध किया। लेकिन इन विरोधों को दरकिनार करते हुए वह 1489 ई. में दिल्ली की गद्दी पर बैठा। उसने अपने शासन काल में कई महत्वपूर्ण कार्य किये जिनमें भू-राजस्व निर्धारण के लिए एक नया पैमाना गजे सिकन्दरी का विकास किया। चूँकि वह एक शिक्षित व्यक्ति था, इसलिए साहित्यिक रचनाओं के प्रति उसकी रुचि थी। इसी उद्देश्य से उसने एक अनुवाद विभाग की स्थापना की। उसने स्वयं के आदेश से आर्युवेद के एक ग्रन्थ का 'तिब्बत-ए-सिकन्दरी' नाम से अनुवाद कराया। उसने खाद्यान्नों पर लिए जाने वाले कर को समाप्त कर दिया। लेकिन अपने पिता के राजत्व सिद्धान्त को पलटते हुए अफगान आदर्शों की जगह तुर्की तथा हिन्दू सिद्धान्तों को अपनाया।

31. (a)
दिल्ली सल्तनत में 'देहलीवाला', 'टंका', जीतल, 'दोगानी', 'अदली', 'खिफाफती', 'बहलोली' आदि सिक्के प्रचलन में थे। 'दाम' सल्तनत काल में प्रचलन में नहीं था। 'दाम' का प्रचलन शेरशाह सूरी ने किया। शेरशाह के समय मुद्रा- नीति में निम्नलिखित परिवर्तन किये गये :
(a) शुद्ध चाँदी का सिक्का, 'रुपया' नाम से प्रचलित हुआ।
(b) शुद्ध ताँबे के सिक्के 'दाम' कहलाए।
(c) चाँदी के रुपयों की तौल 175 ग्रेन के बराबर थी।
(d) दाम की तौल 380 ग्रेन नियत की गई।
(e) दोगानी नामक सिक्के का प्रचलन मुहम्मद-बिन-तुगलक द्वारा किया गया।

32. (c)
कुतुबुद्दीन ऐबक (1206-1210 तक) की मृत्यु (चौगान) पोलो खेलते समय घोड़े से गिरने के कारण हो गई थी। मृत्यु के पश्चात् इसे लाहौर में दफनाया गया। ध्यातव्य है कि कुतुबुद्दीन ऐबक की राजधानी भी लाहौर थी। ऐबक एक तुर्की शब्द है जिसका अर्थ होता है - 'चन्द्रमा का देवता'। ऐबक को 'कुरान खाँ' भी कहा गया है।

33. (b)
मुहम्मद बिन तुगलक ने दोआब में भू-राजस्व की वृद्धि कर दी उसी समय अकाल पड़े हुए थे। भू-राजस्व अधिकारियों ने निर्दयतापूर्वक कर वसूलने का प्रयत्न किया। इससे दक्षिण के अमीरान-ए-सादाह भी असंतुष्ट थे। कुछ प्रान्तीय गवर्नर (वली) भी इसके विरुद्ध थे। सुल्तान ने जनता के राहत के लिए कार्य तो किए लेकिन कुछ अमीरों तथा वली को उनके पदों से पृथक् कर दिया क्योंकि सुल्तान का मानना था कि जनता की परेशानी का कारण अकाल कम तथा अमीर और वली अधिक जिम्मेदार हैं।

34. (b)
विख्यात कवि अमीर खुसरो जिसका उपनाम तुतिए- हिन्द (भारत का तोता) था। अमीर हसन व खुसरो ने अपना साहित्यिक जीवन शहजादा मुहम्मद के समय में शुरू किया था। अमीर खुसरो भारत का पहला कवि था जिसने अपनी कविता में खड़ी बोली का प्रयोग किया था। इनकी प्रसिद्ध रचनाएँ थी- खजायन-उल-फुतुह आशिका, नूह सिपेहर व तुगलकनामा था।

35. (c)
अलाउद्दीन खिलजी ने विद्रोहों के उत्तरदायी कारणों के जाने के बाद निम्न चीजों पर प्रतिबंध लगा दिया-
धनी व्यक्तियों की सम्पत्ति छीनना, गुप्तचर विभाग का गठन, अमीरों के मेल-मिलाप व वैवाहिक संबंधों पर प्रतिबंध तथा मद्य-निषेध को लागू करना जिसके अंतर्गत शराब और भांग जैसे द्रव्यों का प्रयोग व जुआं खेलना बंद करा दिया। यह करने वाला दिल्ली का प्रथम सुल्तान था। इल्तुतमिश ने 40 गुलाम सरदारों के गुट अर्थात् तुर्कान-ए-चिहलगानी का गठन किया था।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

36. (d)
मोहनजोदड़ों से प्राप्त कंकालों की शारीरिक रचना के विचार से यहां के कुछ कंकालों के अध्ययन से जाति सम्बन्धी निष्कर्ष निकाले गये है। प्रारम्भिक रिपोर्टों के अनुसार कंकालों मानव शास्त्रीय अध्ययन से जाति के आधार पर 4 समूहों में वर्गीकृत किया गया है- (1) प्रोटो ऑस्ट्रेलायड- इसके तीन उदाहरण मिले हैं- इस जाति के लोग आजकल लंका एवं दक्षिण भारत में हैं। (2) भूमध्यसागरीय - इसके 6 उदाहरण मिले है। इनके कंकालों से प्राप्त खोपड़ियां कुछ लम्बी है। इस तरह के कपाल ब्लूचिस्तान से प्राप्त हुये हैं। (3) मंगोलियन - इसका एक उदाहरण मिला है। (4) अल्पाइन - इसके एक निश्चित एवं तीन संभावित उदाहरण मिले हैं।

37. (c)
अमीर खुसरो का मूल नाम अबुल हसन मोइन-उद्दीन खुसरो था। इनका जन्म 1253 ई. में उत्तर प्रदेश के एटा जिले के पटियाली गाँव में हुआ था। इनकी मृत्यु 1325 ई. में दिल्ली में हुई थी। अमीर खुसरो चिश्ती सम्प्रदाय के शेख निजामुद्दीन औलिया के शिष्य थे। उन्होंने दिल्ली के 8 सुल्तानों का शासन काल देखा था। फारसी कविता का भारतीयकरण सर्वप्रथम खुसरो ने ही किया था। इनके द्वारा फारसी की प्रतिपादित नवीन शैली को सबक-ए-हिंदी कहा जाता है।

38. (b)
गुप्तकाल में वाणिज्यिक निकायों को उनके वास्तिविक कार्य या स्वरूप के आधार पर विभाजन हुआ था। व्यापारियों की एक समिति होती थी जिसे निगम कहा जाता था। निगम का प्रधान श्रेष्ठि कहलाता था व्यापारियों के समूह को सार्थ तथा उनके नेताओं को सार्थवाह कहा जाता था। नगर श्रेष्ठिन बैंकरों एवं साहूकार के रूप में कार्य करते थे।

39. (b)
महमूद गजनवी का चंदेलों पर प्रथम आक्रमण 1019-20 ई. में हुआ। उस समय चंदेल वंश का शासक विद्याधर था जो अपने वंश का सर्वाधिक शक्तिशाली शासक था। इस युद्ध का कोई परिणाम नहीं निकला। फलस्वरूप महमूद गजनवी को विवश होकर विद्याधर के साथ संधि करनी पड़ी।

40. (a)
731 ई. में अरबों ने सिन्धु नदी के तट पर पहला नगर महफूजा तथा उसके बाद दूसरा नगर मन्सूरा में स्थापित किया था। मुहम्मद बिन कासिम ने 712 ई. में सिन्धु पर आक्रमण किया। मकरान पहुँचकर उसने वहाँ के राजा की सहायता प्राप्त की तथा दाहिर के शासन से असन्तुष्ट जाटों और मेदों को अपनी ओर मिला लिया। विद्रोही बौद्धों ने भी उसकी सहायता की। सर्वप्रथम मुहम्मद ने देवल पर आक्रमण कर उसे अपने अधिकार में किया तथा 17 वर्ष से अधिक की आयु के समस्त पुरुषों का कत्ल करा दिया। उसके आक्रमण से दाहिर स्वयं घबड़ा गया तथा उसने देवल में उसका सामना करने के लिए कोई सेना नहीं भेजी। इस प्रकार बिना किसी प्रतिरोध के ही मुहम्मद को सिन्धु का दक्षिणी भाग प्राप्त हो गया। इसके बाद निरुन, सेहवान, आदि को विजय करता हुआ उसने सिंधु नदी पार कर लिया।

41. (b)
राजेन्द्र चोल प्रथम चोल शासक राजराज प्रथम का पुत्र था। इसने 1014 से 1044 ई. तक शासन किया। इसकी उपाधि थीं - गंगैकोण्डचोल, वीर राजेन्द्र, कडारकोण्ड, मुडिगोंडचोल, पंडितचोल, परकेशरीवर्मन, निगरिल्लीचोल। वी.ए. स्मिथ ने इसे 'दक्षिण का नेपोलियन' भी कहा है। चोल शासक राजेन्द्र प्रथम की उपाधि 'पंड़ित चोल' उसके विद्यानुराग को पुष्टि करती है।

42. (a)
दक्षिण दिल्ली में मेहरौली के लौह स्तम्भ में चन्द्र नामक राजा की विजयकीर्ति अंकित है। यह चन्द्र नामक राजा चन्द्रगुप्त II (विक्रमादित्य) ही माना जाता है। इसके समय के कुछ अन्य अभिलेख निम्नलिखित हैं – मथुरा स्तम्भ लेख, उदयगिरि - गुहालेख, गढ़वा शिलालेख (इसमें चन्द्रगुप्त को परम भागवत कहा गया है), साँची के लेख, उदयगिरि का गुहा लेख, मथुरा का शिलालेख आदि।

43. (c)
चन्द्रगुप्त प्रथम के शासन काल की सर्वाधिक महत्वपूर्ण घटना गुप्तों एवं लिच्छिवियों के बीच वैवाहिक सम्बन्ध की स्थापना की है। चन्द्रगुप्त I एक दूरदर्शी सम्राट था लिच्छिवियों का सहयोग एवं समर्थन प्राप्त किया और लिच्छिवी वंश की राजकुमारी कुमारदेवी के साथ अपना विवाह किया। गुप्तवंश में सर्वप्रथम चन्द्रगुप्त प्रथम ने ही रजत मुद्राओं का प्रचलन करवाया था। उपर्युक्त सिक्कों के मुख्य भाग पर चन्द्रगुप्त I तथा कुमार देवी की आकृतियाँ उनके नामों के साथ-साथ अंकित हैं। नागवंशी शासकों का समर्थन प्राप्त करने के लिए चन्द्रगुप्त द्वितीय ने नाग राजकुमारी कुबेरनामा के साथ अपना विवाह किया। कुमारगुप्त प्रथम ने महादेवी अनन्त देवी के साथ वैवाहिक सम्बन्ध स्थापित किया था। कदम्ब राजवंश के लोग कुन्तल (कर्नाटक) में शासन करते थे। गोलकुण्डा अभिलेख से पता चलता है कि इस वंश के शासक काकुत्सवर्मन ने अपनी एक पुत्री का विवाह किसी गुप्त राजकुमार से किया था। अनुमान किया जाता है कि चन्द्रगुप्त के पुत्र कुमारगुप्त प्रथम का विवाह कदम्ब वंश में हुआ।

44. (b)
चन्द्र गुप्त मौर्य ने पुष्यगुप्त वैश्य को काठियावाड़ का राज्यपाल नियुक्त किया। अर्थशास्त्र के अनुसार राज्यपाल को 12,000 पण वार्षिक वेतन मिलता था। ये अनेक अमात्यों एवं अध्यक्षों की सहायता से प्रान्तों के शासन को चलाते थे। पुष्यगुप्त वैश्य ने ही इस क्षेत्र में सुदर्शन झील का निर्माण करवाया।

45. (a)
सदाशिव भाऊ एक दम्भी तथा अपनी शक्ति का दुरूपयोग करने वाला व्यक्ति था। उसने युद्ध क्षेत्र में स्त्रियां और बच्चों को ले जाने की प्रथा को बढ़ावा दिया। जबकि राजा सूरजमल जाट ने भाऊ को परामर्श दिया कि वह स्त्रियों और बच्चों को एवं भारी तोपो को एवं अन्य ऐश्वर्य की सामग्री को झांसी अथवा ग्वालियर में छोड़ दे। जिससे सेना को उनकी रक्षा की अतिरिक्त जिम्मेदारी का निर्वाह न करना पड़े।

46. (b)
छठी शताब्दी ईसा पूर्व में 16 महाजनपदों का प्रमाण मिलता है जिसका उल्लेख बौद्ध ग्रंथ अगुत्तर निकाय तथा जैन ग्रंथ 'भगवतीसूत्र' में है। इन 16 महाजनपदों में 10 गणतंत्र थे। जिनमें 8 वज्जिसंघ तथा 2 मल्ल के अन्तर्गत थे। अंगुत्तर निकाय में 16 महाजनपदों की प्रामाणिक सूची मिलती है।

47. (c)
उत्तर वैदिक कालीन सभ्यता का मुख्य केन्द्र 'मध्य देश' था, जिसका प्रसार सरस्वती से लेकर गंगा दोआब था। चित्रित धूसर मृदभाण्ड इस काल की विशिष्टता थी क्योंकि यहां के निवासी मिट्टी के चित्रित और भूरे रंग के कटोरों तथा थालियों का प्रयोग करते थे। इन स्थानों को पेंटेंट ग्रे वेयर (पीजीडब्ल्यू) के नाम से पहचाना जाता था। यहां की सभ्यता ग्रे वेयर संस्कृति से पहचानी जाती है।

48. (a)
वैदिक साहित्य का प्राचीनतम ग्रंथ ऋग्वेद है। ऋग्वेद की ऋचाओं का पाठ 'होता' करता था, इसलिए इसे होतृवेद भी कहा जाता हैं। ऋग्वेद का ईरानी ग्रंथ जेद अवेस्ता के साथ अद्भूत समानता है। अवेस्ता एवं ऋग्वेद भारोपीय (Indo- curopean) भाषा के दो प्राचीनतम ग्रंथ है। ऋग्वेद का आरम्भ अग्नि की उपासना से होता है। ऋग्वैदिक काल (1500 ई. पू. - 1000 ई. पू.) का समय है।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उपनिषदो में याज्ञिक कर्मकाण्ड तथा ब्राह्मणों के प्रभुत्व के विरोध में प्रबल प्रतिक्रिया हुई यह प्रतिक्रिया पांचालो एवं विदेह राज्य में विशेषकर हुई जहां 600 ई. पू. के आस-पास उपनिषदों का संकलन हुआ था।

49. (a)
बाग्भट्ट की अष्टांगहृदय में आयुर्वेद के सम्पूर्ण विषय काय, शल्य, शालाक्य आदि आठो अंगों का वर्णन है दिनचर्या, रात्रिचर्या, ऋतुचर्या, द्रव्य गुण, विज्ञान का विस्तृत वर्णन है।

50. (a)
रेखीय-मापन के लिए हाथी दांत का पैमाना लोथल से प्राप्त हुआ है, हड़प्पीय नगर लोथल गुजरात के अहमदाबाद जिले में भोगवा नदी के किनारे स्थित है। यहाँ पुरातत्वविद रंगनाथ राव के नेतृत्व में 1955-56 ई. में खुदाई कराई गयी थी। यहाँ मुख्य विशेषता बंदरगाह था। इसकी खोज एस0आर0 राव ने 1954 में की थी।

51. (c)
बर्तन बनाने के लिए सिंधु की मिट्टी का प्रयोग किया जाता था जिसमें चूना (Lime) या अभ्रक (Mica) मिलाया जाता था। हड़प्पा के बर्तन भारी और उपयोग्य थे। बर्तन विभिन्न प्रकार के थे-सादे या पुते हुए या चित्रात्मक। अधिकतर भांड सादे थे जो लाल मिट्टी के बने थे (वस्तुतः खुले में पकाये जाने के कारण वे लाल हो जाते थे) जिन पर बहुधा लाल या भूरी पट्टिका बना दी जाती थी।

52. (d)
एटली ने घोषणा की कि जून 1948 तक सरकार भारत की सत्ता जिम्मेदार भारतीयों के हाथ में सौंप देगी। इस कार्य के लिये माउण्ट बेटन को भारत का गवर्नर जनरल बनाकर भेजा गया। भारत आते ही माउण्ट बेटन ने यहां की राजनीतिक स्थित पर काबू पाने के लिये देश के विभिन्न नेताओं से बात-चीत की। गांधी जी का विचार था कि अंतरिम सरकार पूर्ण रूप से जिन्ना के हाथों में सौंप दी जाय। अबुल कलाम आजाद देश विभाजन के खिलाफ थे। मेनन व पटेल ने भारत और पाकिस्तान की डोमिनियन स्टेट्स के आधार पर सत्ता हस्तान्तरित करने का सुझाव दिया।

53. (c)
सर्वाधिक हड़प्पीय पुरास्थल सरस्वती नदी के किनारे पाए गये है। भारत में विदित है कि हड़प्पा सभ्यता को मानव सभ्यता के विकास का प्रथम साक्ष्य माना गया है। इस सभ्यता के लोगों का जीवन अधिकाशतः नगरीय था। वर्तमान में आधुनिक नगरों के विकास का आधार हड़प्पा सभ्यता को कहा जा सकता है।

54. (b)
सूची-I (हड़प्पाकालीन स्थल) का सूची-II (पुरातात्विक अवशेष) से मिलान इस प्रकार है–

मोहनजोदड़ो	- बड़ा अन्नागार
लोथल	- ईटो से बनी गोदी
कालीबंगा	- नगर दुर्ग और निचली बस्ती
सुत्कागेन्डोर	- नगर दुर्ग और किलेबंद निचली बस्ती

55. (b)
हड़प्पा सभ्यता के मोजनजोदड़ो से प्राप्त एक सील पर तीन मुख वाले देवता (पशुपति नाथ) की मूर्ति मिली है जिसमें चारो ओर हाथी, गैंडा, चीता तथा भैसा विराजमान हैं।

56. (a)
नवपाषाण कालीन स्थलों में बुर्जहोम एवं गुफकराल (कश्मीर प्रांत) से अनेक प्रकार के मृदभाण्ड एवं प्रस्तर तथा हड्डी के औज़ार प्राप्त हुए हैं यहाँ के प्रमुख औज़ार बसुली, छेनी आदि द्वारा कृषि कार्यों को सम्पन्न किया जाता था।

57. (c)
भारत में पाषाणकालीन बस्तियों के अन्वेषण की शुरुआत 1863 में जियो लॉजिकल सर्वे के अधिकारी रॉबर्ट ब्रूसफुट ने की जब उन्होंने दक्षिण भारत के तमिलनाडु प्रांत चेन्नई के पास स्थित पल्लवरम् नामक स्थान से प्रथम हैण्ड एक्स खोजा था। रॉबर्ट ब्रूस फुट को भारतीय प्रागैतिहास का जनक कहा जाता है।

58. (d)
पैसरा (बिहार) से प्राचीनतम झोपड़ियों के साक्ष्य मिले हैं। पैसरा पाषाण युग का पुरास्थल है। इसकी खोज विदुला जायसवाल ने 1947 में की थी। मध्य पाषाण काल के स्थल बागोर (राजस्थान) से भी झोपड़ियों और खडंज़ों द्वारा फर्शों के साक्ष्य मिले हैं। उ.प्र. के सरायनाहर से अनेक छोटी भट्ठियाँ, एक बड़ी सामुदायिक भट्ठी, झोपड़ी का फर्श और कई कब्रे मिली हैं। यहीं से स्तम्भगर्त के भी प्रमाण मिले हैं।

59. (a)
ले मेजुरायर ने 1860 ई0 में उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद में स्थित टोंस नदी घाटी में पाशिल डार सेल्ट प्राप्त कर नवपाषाण काल की खोज की घिसाईद्वार, चोंचदार तथा पालिशदार औजारों के उपयोग से नवपाषाण काल लगा था।

60. (b)
कदम्बों तथा पल्लवों के राज्यों के मध्य आधुनिक मैसूर के दक्षिण में गंगों का राज्य स्थित था। इस स्थान को गंगवंश के साथ लम्बे समय तक सम्बद्ध होने के कारण गंगबाडि कहा गया। इस वंश के शासक अय्यवर्मा (450 ई.) तथा उसके छोटे भाई कृष्ण वर्मा के मध्य राजसिंहासन के लिये युद्ध हुआ। परिणामस्वरूप राज्य दोनों भाइयों में आधा-आधा बांट दिया गया। दोनों ने अपने पुत्र का नाम सिंह वर्मा रखा उनके काल में भी विभाजन कायम रहा। इस विभाजन के परिणामस्वरूप गंग राज्य की संरचना ग्रामीण राज्य की तरह हो गई। अन्ततः 1004 में गंगराज्य को चोल शासक राजराज ध ने विजित कर लिया। राष्ट्रकूट राजवंश की स्थापना दन्तिदुर्ग ने की थी। इसने चालुक्य वंश की अधीनता से अपने को मुक्त करवाकर 744 ई. में स्वतंत्र राज्य की स्थापना की। इससे महाराजधिराज परमेश्वर परमभट्टारक जैसी उपाधि धारण की थी जो इसके विशाल एवं शक्तिशाली राज्य का परिचायक है। सातवाहन वंश की स्थापना शिमुक ने की थी। इनका राज्य कृष्ण एवं तुंगभद्रा नदी के मध्य था।

61. (b)
महात्मा गाँधी ने केवल एक बार कांग्रेस के बेलगांव अधिवेशन की अध्यक्षता 1924 में की थी। कानपुर (1925 ई.) अधिवेशन की अध्यक्षता सरोजनी नायडू ने तथा काकीनाडा अधिवेशन (1923 ई.) की अध्यक्षता मौलाना मुहम्मद अली ने की थी। गुवाहाटी अधिवेशन (1926) की अध्यक्षता एस. श्रीनिवास अयंगर ने की थी। इसी अधिवेशन में पहली बार कांग्रेस कार्यकर्ताओं को खादी पहनना अनिवार्य कर दिया गया।

62. (b)
चिश्ती सूफी संत शेख नासिरूद्दीन महमूद को 'चिराग-ए-देहलवी' के नाम से भी जाना जाता था। ये निजामुद्दीन औलिया के शिष्य थे। इन्होंने तौहीद-ए-वजूदी की रचना की। खैर-उल-मजलिस इनके कथनों का संग्रह है। भारत में चिश्ती सम्प्रदाय की स्थापना ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती (1142–1236 ई.) ने अजमेर में की।

63. (a)
14 जनवरी, 1761 को अहमदशाह अब्दाली और मराठों के बीच पानीपत का तृतीय युद्ध हुआ। इस युद्ध में मराठों की पराजय हुई। इस युद्ध में इब्राहीम खां गार्दी का भारी तोपखाना उपयोगी सिद्ध नहीं हुआ उधर अब्दाली की ऊँटों पर रखी घूमने वाली तोपों ने मराठों का सर्वनाश कर दिया। इस युद्ध में मराठों की ओर से दत्ताजी, जकोजी, इब्राहीम गार्दी, सदाशिव जैसे महान सेनापतियों की मृत्यु हुई। इस समय मराठा शासक बालाजी बाजीराव था जो युद्ध के कुछ ही दिन बाद मर गया।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

प्रशिक्षित स्नातक परीक्षा (इतिहास)

प्रैक्टिस सेट-5

1. किसका मत है कि कोई भी हिन्दू मुस्लिम और अंग्रेज वस्तुनिष्ठ इतिहास नहीं लिख सकता?
(a) बी.सी. चौधरी (b) आर.सी. मजूमदार
(c) आर.पी. त्रिपाठी (d) जी.एन.शर्मा

2. **किसने पूर्वी पाकिस्तान को एक स्वतंत्र गणराज्य 'बांग्लादेश' के नए नाम से घोषित किया?**
(a) इन्दिरा गांधी (b) शेख मुजीबुर्रहमान
(c) शेख खालिदा जिया (d) काज़ी नज़रूल इस्लाम

3. 'द स्टोरी आफ द इण्टीग्रेशन आफ द इण्डियन स्टेट्स' पुस्तक के लेखक कौन है?
(a) आर. सी. मजूमदार (b) के. के. दत्ता
(c) एस. आर. मल्होत्रा (d) वी. पी. मेनन

4. इलाहाबाद में 1935 में हुई 'उत्तर प्रदेश किसान कॉन्फ्रेन्स' के अध्यक्ष थे
(a) जे.एल. नेहरू (b) मदन मोहन मालवीय
(c) अच्युत पटवर्धन (d) वल्लभभाई पटेल

5. सी.आर. फार्मूला (राजगोपालाचारी योजना) का विरोध किसने किया था?
(a) गांधी जी ने (b) मोहम्मद अली जिन्ना ने
(c) लार्ड माउन्टबेटन ने (d) लार्ड इरविन ने

6. विजयनगर राज्य में सामाजिक एवं धार्मिक विषयों पर निर्णय देते थे-
(a) समयाचार्य अथवा देशरि
(b) कावलकार अथवा अरसुकवलकार
(c) धर्मोपंच अथवा धर्म देश
(d) पर्षोकाण अथवा ध्रुवराज

7. भारतीय फैक्टरी अधिनियम पहली बार कब लागू किया गया?
(a) 1881 (b) 1861
(c) 1891 (d) 1833

8. स्वामी दयानंद सरस्वती की प्रसिद्ध कृति का क्या नाम है जिसमें उनके विचार प्रकाशित हैं?
(a) सत्यार्थ प्रकाश (b) रास्त गोफ्तार
(c) गीता रहस्य (d) संवाद् कौमुदी

9. निम्न में से किसे 'धोन्धू पंत' के नाम से भी जाना जाता था?
(a) तात्या टोपे (b) नाना साहेब
(c) राम प्रताप (d) पुरन्दर सिंह

10. 1857 ई. के विद्रोह के दौरान वीर कुँवरसिंह का सम्बन्ध था
(a) अवध से (b) बिहार से
(c) कानपुर से (d) लखनऊ से

11. एज ऑफ कन्सैंट ऐक्ट, 1860 ई. ने लड़कियों के विवाह की आयु कितनी निर्धारित की?
(a) 10 वर्ष (b) 12 वर्ष
(c) 14 वर्ष (d) 15 वर्ष

12. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पहले मुस्लिम अध्यक्ष कौन थे?
(a) मौलाना आजाद (b) हसरत मोहानी
(c) एम.ए. अंसारी (d) बदरूद्दीन तैयबजी

13. भारत में स्थापित होने वाला पहला वाणिज्यिक बैंक कौन सा था?
(a) यूनियन बैंक (b) बैंक ऑफ मद्रास
(c) बैंक ऑफ कलकत्ता (d) बैंक ऑफ बॉम्बे

14. 'पुराने गारन्टी व्यवस्था' के अधीन रेलवे में निवेश करने वाली ब्रिटिश कम्पनियों को गारंटित लाभांश का आश्वासन था –
(a) 10% (b) 8%
(c) 5% (d) 3%

15. क्लाइव ने एक व्यक्ति के जाली हस्ताक्षर का प्रयोग किया। वह था–
(a) नेल्सन (b) वाट्सन
(c) पीटरसन (d) विल्सन

16. कोल्हापुर के महाराजा छत्रपति शाहू ने बी. आर. अम्बेडकर को प्रोत्साहित किया -
(a) बहिष्कृत भारत के प्रकाशन हेतु
(b) हरिजन बन्धु के प्रकाशन हेतु
(c) मूक नायक के प्रकाशन हेतु
(d) स्वराज्य के प्रकाशन हेतु

17. दलदली स्थल सुतानती में 1690 में किसने कलकत्ता की आधारशिला रखी?
(a) कैप्टन विलियम हीथ (b) सर चार्ल्स आयर
(c) जॉब चारनॉक (d) जॉन सरमन

18. राजा टोडरमल द्वारा किस भूराजस्व व्यवस्था को विकसित किया गया था?
(a) बटाई (b) जरीब
(c) कान्कूत (d) जब्ती

19. कश्मीर में ऋषि सिलसिला का संस्थापक कौन था?
(a) सैय्यद मुहम्मद हमदानी (b) शेख अब्दुल कादिर
(c) शेख नूरुद्दीन (d) बाकी बिल्लाह

20. भारत में सूफी मत के बारे में निम्न में से कौन-सी टिप्पणी सही नहीं है?
(a) बा-शरा (जो इस्लामिक कानून मानते थे) और बे-शरा (जो इससे बंधे नहीं थे) सूफी घरानों के मोटे तौर पर विभाजित दो संप्रदाय है।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(b) भारत में चिश्ती और सुहरावर्दी दो सबसे प्रमुख सूफी सिलसिले थे।
(c) चिश्ती दक्षिण भारत में सक्रिय थे, जबकि दिल्ली तथा आसपास के इलाके सुहरावर्दियों के क्षेत्र थे।
(d) खानकाह मे रहने वाले प्रमुख रहस्यवादी ने व्यापक रूप से सिलसिले की रंहनुमाई की।

21. कौन अकबर का समकालीन होते हुए भी, 'आइन-ए-अकबरी' में उल्लिखित नहीं है?
(a) रामदास (b) सूरदास
(c) तुलसीदास (d) तानसेन

22. निम्नलिखित में से कौन से एक संगमयुगीन कवि ने एक तमिल प्रमुख के विरूद्ध हुए मौर्य अभियान का वर्णन किया है?
(a) परनर (b) अव्वैयार
(c) इलांगो अडिगल (d) मामूलनर

23. दारा शिकोह को 'मुलाहिद' किसने कहा था?
(a) औरंगजेब (b) मुराद
(c) शाह शुजा (d) मोहम्मद काजिम

24. शेरशाह के शासन के समय किस विभाग का अध्यक्ष राज्य की आय और व्यय की देखभाल करता था?
(a) दीवान-ए-वजारत (b) दीवान-ए-आरिज
(c) दीवान-ए-रसालत (d) दीवान-ए-इंशा

25. निम्नलिखित में से किस सम्राट के शासनकाल के अंतिम वर्षों में वतन जागीर की अवधारणा अस्तित्व में आई थी:
(a) हुमायूं (b) अकबर
(c) जहांगीर (d) औरंगजेब

26. निम्नलिखित में से किसे मुगल शासकों के काल के दौरान न्यायिक प्रणाली में सर्वोच्च पद पर नियुक्त किया गया था
(a) काजी-उल-कुजात (b) काजी-उल-हजात
(c) काजी-फैज-उल-इस्लाम (d) इनमें से कोई नहीं

27. पश्चिमी भारत आने वाला प्रथम अंग्रेज कौन था?
(a) थॉमस स्टीफेंस (b) राल्फ फिच
(c) कैप्टन हॉकिन्स (d) जॉन मिल्डेनहॉल

28. निम्नलिखित में से कौन एक मोहम्मद बिन तुगलक के विषय में सही नहीं है?
(a) वह सार्वजनिक रूप से होली खेला था।
(b) वह गंगा-जल का पान करता था।
(c) उसने हिन्दू अमीरों को नियुक्त किया था
(d) वह कभी किसी मंदिर नहीं गया था

29. सोन्धर शब्द का प्रयोग किसानों के दिए जाने वाले ऋण के रूप में किसके समय में हुआ?
(a) बलबन (b) अलाउद्दीन खिलजी
(c) मुहम्मद तुगलक (d) फिरोज तुगलक

30. इतिहासकार जियाउद्दीन बरनी के अनुसार दिल्ली का आदर्श सुल्तान था :
(a) बलबन
(b) अलाउद्दीन खलजी
(c) फिरोज शाह तुगलक
(d) बहलोल लोदी

31. सल्तनत युग में 'मजलिस-ए-खलवत' क्या थी?
(a) सुल्तान की एक परामर्शदात्री संस्था
(b) अमीरों की एक संस्था
(c) राजस्व विभाग की एक समिति
(d) विद्वानों की एक समिति

32. फिरोज तुगलक ने केवल वे ही कर वसूल किए जिन्हें इस्लाम धर्म की मान्यता थी। निम्नलिखित में से कौन-सा एक अतिरिक्त कर था, जो फिरोज ने लगाया?
(a) जकात (b) जजिया
(c) सिंचाई कर (d) खुम्स

33. एक विषय-क्षेत्र, जो हिन्दुओं द्वारा अपेक्षाकृत उपेक्षित रहा, लेकिन वहाँ मुसलमान लेखकों ने अपनी निपुणता दिखाई, था-
(a) तर्कशास्त्र (b) संगीतशास्त्र
(c) ज्योतिषशास्त्र (d) इतिहास

34. निम्नलिखित में से सल्तनत काल में कौन सी नई फसल को प्रयोग में लाना प्रारम्भ किया?
(a) पान (b) अफीम
(c) नील (d) आम

35. निम्नलिखित में से किसने इक्ता प्रणाली को समाप्त कर दिया?
(a) इल्तुतमिश (b) अलाउद्दीन खिलजी
(c) कुतुबद्दीन ऐबक (d) बलबन

36. उश्र क्या था:
(a) मुसलमानों से लिया जाने वाला भूमि कर
(b) हिन्दुओं से लिया जाने वाला भूमि कर
(c) मुसलमानों से लिया जाने वाला धार्मिक कर
(d) युद्ध की लूट का 1/5वां भाग राज्य का हिस्सा

37. 'तुर्जुमा-ए-बाराही' किस विषय से सम्बन्धित एक भारतीय ग्रन्थ का फारसी रूपान्तर है?
(a) आयुर्विज्ञान (b) ज्योतिष
(c) संगीत (d) दर्शन

38. किस मुस्लिम शासक के सिक्कों पर लक्ष्मी अंकित की गयी थी?
(a) मुहम्मद-बिन-तुगलक (b) फिरोज तुगलक
(c) महमूद गजनी (d) मुहम्मद गोरी

39. चोल शासकों में से किसने चीन में अपने व्यापारिक दूत मंडल भेजे –
(a) राजराज (b) राजेन्द्र
(c) कुलोतुंग (d) उपर्युक्त सभी

40. चोल शासन में लगान वसूली का माध्यम था :
(a) राज कर्मचारी (b) ग्राम सभा
(c) सामन्त (d) कोषाध्यक्ष

41. समुद्रगुप्त के समय कांची का राजा कौन था?
(a) हस्तिवर्मन् (b) मंटराज
(c) नीलराज (d) विष्णुगोप

42. निम्नलिखित में से कौन सा एक वाद्ययंत्र समुद्रगुप्त के सिक्कों पर अंकित है?
(a) मृदंग (b) वीणा
(c) रबाब (d) मंजीरा

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

43. विजयनगर साम्राज्य का राजस्व विभाग जाना जाता था-
(a) मालखाना के नाम से (b) अठानवे के नाम से
(c) संग्रहणी के नाम से (d) भण्डार के नाम से

44. निम्न में से कौन सा स्रोत चन्द्रगुप्त मौर्य को क्षत्रिय मानता है?
(a) विष्णुपुराण (b) मुद्राराक्षस
(c) अर्थशास्त्र (d) दिव्यावदान

45. निम्नलिखित में किस के साथ 'धर्मयज्ञ' शब्दावली संबंधित है?
(a) सांची बौद्ध विहार (b) नालंदा बौद्ध विहार
(c) सारनाथ बौद्ध विहार (d) कुसीनगर बौद्ध विहार

46. नारायण के साथ विष्णु के तादात्म्य का प्राचीनतम उल्लेख प्राप्त होता है?
(a) तैत्तिरीय आरण्यक से (b) महाभारत से
(c) पतंजलि के महाभाष्य से (d) बौधायन धर्मसूत्र से

47. राजत्व की दैवी उत्पत्ति का सिद्धान्त प्रथम बार पाया जाता है
(a) ऋग्वैदिक साहित्य से (b) उत्तर वैदिक साहित्य में
(c) जैन साहित्य में (d) बौद्ध साहित्य में

48. सुमेलित कीजिये-

प्रथम सूची	द्वितीय सूची
A. वेदांत सूत्र	1. जैमिनी
B. वैशेषिक सूत्र	2. पतंजलि
C. योग सूत्र	3. वादरायण
D. पूर्वमीमांसा	4. कणाद

	A	B	C	D
(a)	1	3	4	2
(b)	2	4	3	1
(c)	3	4	2	1
(d)	4	2	3	1

49. प्राचीन भारत में लंबाई नापने की इकाई क्या कहलाती थी?
(a) रक्तिका (b) निमिष
(c) कार्ष (d) यव

50. सिंधु घाटी की लिपि की सूचना प्राप्त होती है-
(a) आभूषणों से (b) मूर्तियों से
(c) मोहरों से (d) खिलौनों से

51. निम्नलिखित में से कौन-सा उत्तर प्रदेश का स्थल सिंधु सभ्यता का केन्द्र नहीं है?
(a) हुलास (b) सोथी
(c) आलमगीरपुर (d) कोल्डिहवा

52. घसीटी बेगम, शौकत जंग, राजबल्लभ और यार लतीफ खाँ जानी दुश्मन थे-
(a) नवाब अलीवर्दी खाँ के (b) नन्द कुमार के
(c) सिराजुद्दौला के (d) शुजाउद्दौला के

53. हडप्पा की ईंट के माप का अनुपात है
(a) 1:2:3 (b) 1:2:4
(c) 1:3:4 (d) 1:2:5

54. इनमें से किन्हें भारत के प्राग्-इतिहास के अध्ययन को आरम्भ करने का श्रेय दिया जाता है?
(a) कॉमियाड़े (b) रॉबर्ट ब्रुसफूट
(c) एच.डी. संकालिया (d) डी टेरा

55. प्रागैतिहासिक काल का कौन-सा स्थल 'ताम्बवती' नाम से प्रसिद्ध है?
(a) कायथ (b) गिलुन्द
(c) अहाड़ (d) महेश्वर

56. नवपाषण काल में वह कौन-सा स्थान था, जहाँ से बड़ी संख्या में हड्डी के बने औजार एवं हथियार प्राप्त हुए हैं?
(a) चिराँद (b) छोटा नागपुर
(c) चुनार (d) झूँसी

57. मेसोलिथिक युग से सम्बन्धित इनमें से कौन सा बयान गलत है?
(a) यह मेसोलिथिक तथा नियोलिथिक युग के बीच की संक्रमण अवधि रही है
(b) वे गाय, कुत्ते, बैल, बकरी जैसे जानवरों को पालना आरंभ करते थे।
(c) मेसोलिथिक युग के उपकरणों की गुण विशेषता लघु पाषाण युक्त थे
(d) सन् 1867 में कार्लाइल ने विन्ध्य के चट्टानी आवासों से माइक्रोलिथ्स को पहली बार खोज किया था

58. निम्नलिखित में से किस ने बालाथल का उत्खनन किया?
(a) एस आर राव (b) बी बी लाल
(c) केएन पूरी (d) वी एन मिश्रा

59. निरवसित (वर्जित) और अनिरवसित (अवर्जित) शूद्रों का उल्लेख हुआ है -
(a) यास्क के निरुक में
(b) पाणिनी की अष्टाध्यायी में
(c) कौटिल्य के अर्थशास्त्र में
(d) उपरोक्त में से किसी में नहीं

60. निम्न में से किस सुल्तान के काल में फिरदौसिया सूफियों को उत्पीड़न व प्राणदण्ड झेलना पड़ा?
(a) बलबन (b) अलाउद्दीन खिलजी
(c) मुहम्मद बिन तुगलक (d) फिरोज शाह तुगलक

61. वह कौन-सा हिन्दू चित्रकार था जो जहाँगीर द्वारा ईरान के शाह अब्बास प्रथम का छाया चित्र बनाने के लिए भेजा गया था?
(a) बसावन (b) दसरथ
(c) बिशन दास (d) मनोहर

62. 1556 में दिल्ली को खोने वाला हिंदू शासक कौन था?
(a) पृथ्वीराज चौहान (b) हेमू
(c) राणा संग्राम सिंह (d) मेदिनी रॉय

63. ब्रिटिश काल के दौरान भारत का शीर्ष न्यायालय निम्नलिखित में से कौन-सा था?
(a) फेडरल कोर्ट (b) प्रेसीडेंसी कोर्ट
(c) प्रिवी काउंसिल (d) इंग्लैंड का सुप्रीम कोर्ट

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तरमाला : प्रैक्टिस सेट–5

1.(b)	2.(b)	3.(d)	4. (a)	5. (b)	6. (a)	7. (a)	8. (a)	9. **(b)**	10.(b)
11.(a)	12.(d)	13.(c)	14. (c)	15. (b)	16. (c)	17. (c)	18. (d)	19. (c)	20.(c)
21.**(c)**	22.(d)	23.(a)	24. (a)	25. (b)	26. (a)	27. (a)	28. (d)	29. (c)	30.(c)
31.(a)	32.(c)	33.(d)	34. (c)	35. (b)	36. (a)	37. (b)	38. (d)	39. (d)	40.(b)
41.(d)	42.(b)	43.(b)	44. (d)	45. (c)	46. (b)	47. (b)	48. (c)	49. (d)	50.(c)
51.(d)	52.(c)	53.(b)	54. (b)	55. (c)	56. (a)	57. (a)	58. (d)	59. (b)	60.(d)
61.(c)	62.(b)	63.(c)							

व्याख्या

1. (b)
आर0 सी0 मजूमदार का मत था कि कोई भी हिन्दू-मुस्लिम और अंग्रेज वस्तुनिष्ठ इतिहास नहीं लिख सकता है।

2. ()
1970-71 में शेख मुजीबुर्रहमान के नेतृत्व में बांग्ला देश की स्वयायत्ता का आन्दोलन प्रारम्भ हो गया। पूर्वी पाकिस्तान अर्थात बांग्ला देश की जनता पूर्णतया मुजीबुर्रहमान के साथ थी। 16 दिसम्बर 1971 को स्वतन्त्र बांग्ला देश का उदय हुआ।

3. (d)
द स्टोरी आफ द इण्टीग्रेशन आफ द इण्डियन स्टेट्स नामक पुस्तक के लेखक वी. पी. मेनन हैं। इस पुस्तक का प्रकाशन 1955 ई. में लन्दन स्थित लांगमैन प्रकाशन द्वारा किया गया था।

4. ()
सन् 1935 ई. में इलाहाबाद में हुई उत्तर प्रदेश किसान कॉफ्रेंस के अध्यक्ष जवाहर लाल नेहरू थे। इस कॉन्फ्रेन्स में किसानों की समस्याओं तथा अंग्रेजों के द्वारा किसानों पर किये जा रहे अत्याचार के बारे में भी विचार किया गया था।

5. (b)
चक्रवर्ती राजगोपालाचारी ने 1944 में एक फार्मूला निकाला था जिसमें उन क्षेत्रों के लिए आत्म निर्णय के अधिकार के आधार पर समझौता सुझाया गया था जो मुस्लिम बहुल वाले थे। इसे ही सी.आर. फार्मूला या राजा जी फार्मूला कहा जाता है। इस फार्मूले पर गाँधी जी एवं मोहम्मद अली जिन्ना के मध्य वार्तालाप एवं पत्र व्यवहार हुआ किन्तु जिन्ना ने इसका विरोध किया और यह असफल रहा।

6. (a)
विजय नगर साम्राज्य की अपनी विशिष्ट विधि एवं न्याय व्यवस्था थी। सम्राट न्याय का प्रधान स्रोत था। ग्राम सभायें, मन्दिर, न्यासी तथा जातियों के वयोवृद्ध लोग साम्राज्य के बहिर्वर्ती क्षेत्रों में न्याय प्रदान करते थे। कुछ मामलों में दिव्य परीक्षाओं का उल्लेख करता है - (1) अपराधी से गरम लोहे को चटवाना (2) गरम तकतरी के साथ कुछ दूरी तक चलना, (3) उबलते हुये घी में दो अंगुलियां डालना। अपराधों के लिए दोषी पाये गये अपराधियों को कठोर दण्ड दिया जाता था। प्राण दण्ड, अंग-भंग, कारावास तथा अर्थदण्ड सामान्य दण्ड थे। सामाजिक एवं धार्मिक मामलों में समयाचार्य नामक पदाधिकारी थे।

7. (a)
भारतीय फैक्टरी अधिनियम, 1881 में लॉर्ड रिपन के काल में सर्वप्रथम लागू हुआ। इस अधिनियम के तहत 7 वर्ष से कम आयु के बच्चों को काम करने से प्रतिबंधित किया गया और 7 से 12 वर्ष तक के बच्चों के कार्य की अवधि को 9 घंटे निर्धारित किया गया। महीने में 4 दिन के अवकाश की भी व्यवस्था की गई।

8. (a)
सत्यार्थ प्रकाश की रचना 1875 ई. में हिन्दी भाषा में आर्य समाज के प्रवर्तक स्वामी दयानन्द सरस्वती ने की थी। इसका प्रमुख उद्देश्य आर्य समाज के सिद्धातों का प्रचार-प्रसार करना था।

9. ( )
नाना साहब का वास्तविक नाम धोंधू पंत (धोंधू पंडित) था। वे अन्तिम पेशवा बाजीराव द्वितीय के दत्तक पुत्र थे। कानपुर में 1857 के विद्रोह के नेता नाना साहब को तात्या टोपे का सक्रिय सहयोग प्राप्त था।

10. (b)
1857 ई. के विद्रोह में वीर कुंवर सिंह ने जगदीशपुर (बिहार) से भारतीयों का नेतृत्व कर रहे थे। कानपुर से नाना साहब और तात्या टोपे लखनऊ से हजरत बेगम तथा अवध में मौलवी अहमदउल्ला ने विद्रोह का नेतृत्व किया था।

11. (a)
ईश्वर चन्द्र विद्यासागर के प्रयासों के फलस्वरूप 1860 ई. में Age of Consent Act पारित हुआ। जिसने द्वारा महिलाओं के विवाह की न्यूनतम आयु 10 वर्ष कर दी गयी थी, जबकि शारदा एक्ट के माध्यम से लड़कियों के न्यूनतम वैवाहिक आयु 14 वर्ष और लड़को की आयु 18 वर्ष तय की गयी।

12. (d)
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का तीसरा वार्षिक अधिवेशन 1887 में मद्रास में आयोजित हुआ। इसकी अध्यक्षता बदरूद्दीन तैयबजी ने की। ये भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रथम मुस्लिम अध्यक्ष थे।

13. (c)
यूरोपीय पद्धति पर आधारित भारत का प्रथम बैंक विदेशी पूँजी के सहयोग से एलेक्जेण्डर एण्ड कम्पनी द्वारा बैंक ऑफ हिन्दुस्तान नाम से 1770 से कोलकाता में स्थापित किया गया, किन्तु यह बैंक शीघ्र ही असफल हो गया। सन् 1806 में बैंक ऑफ बंगाल, सन् 1840 में बैंक ऑफ बॉम्बे तथा 1843 ई. में बैंक ऑफ मद्रास की स्थापना की गई।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

14. (c)
1850 के बाद ब्रिटेन के पूँजीपतियों ने अपने धन पर लाभ कमाने हेतु भारत में बड़े पैमाने पर पूँजी का निवेश रेल निर्माण, सरकार को कर्ज, चाय रबर, कॉफी आदि उद्योगों में निवेश किया। लाभ के गारन्टी के अन्तर्गत रेल निर्माण में पूँजी निवेश पर सरकार द्वारा 4.5% – 5% लाभ की गारन्टी दी गयी थी।

15. (b)
कलकत्ता के सेठ अमीचंद ने नवाब सिराजुद्दौला को अपदस्थ कर मीरजाफर को बंगाल का नवाब बनवाने के लिए अंग्रेजों व नवाब के विरोधियों के मध्य गुप्त वार्ताएं कराई और बदले में मुर्शिदाबाद में नवाब के खजाने की लूट में लम्बे कमीशन की मांग की और ऐसा न करने पर षडयंत्र की सूचना नवाब को देने की बात कही। फलतः क्लाइव ने मीर जाफर के साथ होने वाली संधि के दो प्रारूप तैयार करवाए-एक जाली प्रारूप था जिसमें कमीशन देने की बात कही गयी थी। इस पर क्लाइव ने एडमिरल वाटसन के भी हस्ताक्षर कर दिए थे। जबकि मूल समझौते के प्रारूप में कमीशन की बात नहीं थी। अमीचंद को इस जाल बट्टे की जानकारी प्लासी के युद्ध के उपरांत पता चली और कहा जाता है कि अंततः अमीचंद निराश और पागल होकर मर गया।

16. (c)
छत्रपति शाहू (कोल्हापुर के महाराजा) से प्रोत्साहन पाकर अम्बेडकर ने मूक नायक का प्रकाशन किया। अम्बेडकर ने दलितों के उत्थान के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

17. (c)
एक ब्रिटिश बस्ती के रूप में कोलकाता का इतिहास 1690 ई. में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के एक अधिकारी जाब चारनाक द्वारा यहाँ पर एक व्यापारिक चौकी की स्थापना से शुरू होता है। आगे चलकर कोलकाता भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का सबसे प्रमुख केन्द्र बन गया। 1912 ई. तक कोलकाता ब्रिटिश भारत की राजधानी रही।

18. (d)
मुगल सम्राट जलालुद्दीन मोहम्मद अकबर के समय में राजा टोडरमल ने जब्ती नामक भूराजस्व व्यवस्था का विकास किया था जिसमें भूमि की पैमाइश की जाती थी। एवं खेतों की मूल पैदावार को आंकने के आधर पर करों की दर का निर्धारण किया जाता था। वह एक अच्छा विद्वान भी था तथा उसने 'भागवत पुराण' का फारसी अनुवाद किया। 1589 ई. में टोडरमल की मृत्यु हो गयी।

19. (c)
सूफी विचाधारा से प्रेरित ऋषि आंदोलन कश्मीर मे शेख नुरुद्दीन ऋषि द्वारा चलाया गया। कश्मीर में 15वीं-16वीं सदियो में सूफीवाद के ऋषि पंथ का उदय हुआ। शेख नूरुद्दीन ऋषि को नन्द ऋषि के नाम से भी जाना जाता है जिसने कश्मीर के लोगों के जीवन पर गहरा प्रभाव डाला।

20. (c)
सूफी मत इस्लाम धर्म में उदार, रहस्यवादी और संश्लेषणात्मक प्रवृत्तियों का प्रतिनिधित्व करने वाली विचारधारा है। सूफी मत में मुख्यतः चिश्ती और सुहरावर्दी जैसे दो प्रमुख सिलसिले भारत में प्रचलित हुए। चिश्ती भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश में फैले हुए थे, भारत के अजमेर को इन्होंने सर्वप्रथम अपना आध्यात्मिक केन्द्र बनाया। जबकि सुहरावर्दी सिलसिले का मुख्यालय मुल्तान में था।

21. (c)
तुलसीदास मुगल सम्राट अकबर के समकालीन थे। अकबर के दरबारी कवि अबुल फजल ने अपनी कृति अकबरनामा की तीसरी जिल्द 'आइने अकबरी' में तुलसीदास का उल्लेख नही किया है। अबुल फजल ने अपने आइने अकबरी में पंद्रह चित्रकारों के नाम गिनाए हैं, जो सौ के लगभग चित्रकारों में से (जिनमें से अधिकतर हिन्दू थे) उठकर उत्कृष्ट कलाकारों की श्रेणी में पहुँच गये थे। इन चित्रकारों के नाम हैं- दसवंत, वसावन, केशव लाल, मुकंद, मिशकिन, फारुख, कलमल, माधू जगन, महेश, खेमकरण, तारा, साँवल, हरिवंश और राम। अकबर अपने कलाकारों के काम में खुद गहरी दिलचस्पी लेता था। तथा हर हफ्ते कारनामों का लेखा-जोखा लेता था। उनकी योग्यता और गुणवत्ता का मूल्यांकन करता था और तदनुसार उन्हें पुरस्कृत (या दण्डित भी) करता रहता था।

22. (d)
चन्द्रगुप्त एवं उसके उत्तराधिकारी बिन्दुसार के शासन काल में मौर्य साम्राज्य का विस्तार पूर्वी समुद्रतट को छोड़कर सारे दक्षिणपथ तक हो गया था और दक्षिण भारत का बहुत बड़ा भाग या तो उनके साम्राज्य में शामिल था अथवा वह उनके प्रभाव क्षेत्र में था। दूसरी अथवा तीसरी शताब्दी में होने वाले कवि मामूलनार ने दक्षिण में किसी तमिल राजा को हराने के लिये जाने वाली मरियर (मौर्यों) की सेना का उल्लेख किया है। मौर्य के लिये उपर्युक्त विशेषण 'वम्बा' (तुरन्त उठा हुआ) से प्रतीत होता है कि यह उल्लेख चन्द्रगुप्त अथवा बिन्दुसार जैसे किसी प्रारम्भिक मौर्य सम्राट का है इस प्रकार मौर्यों की शक्ति भारतीय प्रायद्वीप के दक्षिण छोर तक पहुँच गई और मौर्य पताका उत्तर पश्चिम के हेरात से लेकर दक्षिण में मदुरा तक फहराती थी। परणर संगमयुगीन कवि थे इन्होंने चेर शासक शेनगुट्टुवन का यशोगान किया है। इलंगो आदिगल शेनगुट्टुवन के भाई थे। मान्यतानुसार इन्होंने शिल्पादिकारम की रचना की थी।

23. (a)
औरंगजेब एक धर्मनिष्ठ शासक था तथा दारा धार्मिक रूप से उदार था। उत्तराधिकार के युद्ध में औरंगजेब ने दारा को पराजित किया। दारा सिकोह को 'मुलहिद' औरंगजेब ने कहा है औरंगजेब और उसके अन्य भाइयों शाहसुजा, मुराद और औरंगजेब के इतिहासकार मिर्जा मोहम्मद काजिम थे। कुछ व्यक्तियों द्वारा औरंगजेब से दारा को जीवन दान देने के लिए याचना किया गया, जिस पर औरंगजेब ने उसे 'अल-मुलाहिद' कहा और क्षमा न करते हुए दिल्ली में दारा की हत्या करवा दी।

24. (a)
सूरवंश का संस्थापक एवं सबसे महान शासक शेरशाह सूरी था। राज्य की आय-व्यय की देखभाल करने वाले अध्यक्ष को दीवान-ए-वजारत कहा जाता था। यह लगान और अर्थव्यवस्था का प्रधान था। राज्य की आय व्यय की देखभाल करना तथा अन्य मन्त्रियों के कार्यो की देखभाल करना भी उनका दायित्व था।

25. (b)
सम्राट अकबर के शासनकाल के अंतिम वर्षों में वतन जागीर की अवधारणा अस्तित्व में आई। मनसबदारों को वेतन नकद व जागीर दोनों ही रूप में देने की व्यवस्था थी। कार्यकाल के समय मनसबदारों के मरने पर उसकी सम्पत्ति को जब्त कर लिया जाता था।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

इस प्रकार मनसबदार का पद आनुवांशिक नहीं था मनसबदारों की जागीरे एक प्रांत से दूसरे प्रांत में स्थानांतरिक कर दी जाती थी। जागीर देने की इस पद्धति का अपवाद वतन जागीरें की थी। ऐसी जागीर वेतन के रूप में पैतृक राज्यों में ही विशेषकर राजपूतों को प्रदान की जाती थीं।

26. (a)
काजी-उल-कजात को मुगल शासकों के काल के दौरान न्यायिक प्रणाली में सर्वोच्च पद पर नियुक्त किया गया था। मुख्य काजी को सहायता के लिए मुफ्ती नियुक्त होते थे जो कानून की व्याख्या करते थे जिसके आधार पर मुख्य काजी निर्णय देता था।

27. (a)
पश्चिमी भारत पहुंचने वाला प्रथम ब्रिटिश थॉमस स्टीफेंस था, जो कि एक अंग्रेजी जेसुइट पुजारी और मिशनरी था, जो अक्टूबर, 1579 ई. में गोवा पहुंचा था। विलियम हॉकिन्स 1608 ई. में जहांगीर के दरबार तथा 1615 में सर टामस रो मुगल दरबार में आये थे। जॉन मिल्डेनहाल 1599 ई. में भारत आया था। राल्फ फिंच अकबर के समय भारत आया था।

28. (d)
मुहम्मद बिन तुगलक ने हिन्दुओं को सम्मानित पदों पर नियुक्त किया था। सम्भवतया, दिल्ली सुल्तानों में वह प्रथम सुल्तान था जो हिन्दुओं के त्यौहार मुख्यतया होली में भाग लेता था। उसने गैर तुर्कों और भारतीय मुसलमानों को भी सरकारी पदों पर नियुक्ति किया था जिसके कारण बरनी ने उसकी कटु आलोचना की और ऐसे व्यक्तियों को छिछोरी, माली, जुलाहा, नाई, रसोइया इत्यादि कहा। इसके अतिरिक्त वह गंगा जल का पान भी करता था तथा सभी धर्मों का सम्मान करता था। अपनी हिन्दू प्रजा के प्रति उसका व्यवहार भी सहिष्णुतापूर्ण था। नगरकोट पर आक्रमण के अवसर पर उसने ज्वालादेवी के मंदिर को नष्ट नहीं किया।

29. (c)
मुहम्मद बिन तुगलक ने किसानों के विकास के लिए उन्हें 'सोन्धर' नामक कृषि ऋण प्रदान किये थे। यह ऋण राज्य की ओर से किसानों को अत्यन्त कम ब्याज पर उपलब्ध कराया जाता था। फिरोजशाह तुगलक जब शासक वना तो उसने सोन्धर नामक ऋण को माफ कर दिया।

30. (द)
इतिहासकार जियाउद्दीन बरनी के अनुसार दिल्ली का आदर्श सुल्तान फिरोजशाह तुगलक था। बरनी एवं अफीफ दोनों फिरोज शाह तुगलक को आदर्श एवं श्रेष्ठ सुल्तान मानते हैं।
तारीखे-फिरोज शाही में बरनी ने लिखा है 'सुल्तान मुइजुद्दीन बिन साम के उपरान्त समय तथा युग के बादशाह सुल्तान फिरोजशाह के समान कोई भी शिष्ट, सज्जन, दयालु, कृपालु दूसरों के अधिकार पहचानने वाला तथा कर्तव्यनिष्ठ, इस्लाम के नियमों में विश्वास रखने वाला बादशाह दिल्ली के राजसिंहासन पर आरुढ़ नहीं हुआ।' इसी ग्रंथ में बरनी ने फिरोजशाह को एक आदर्श सुल्तान घोषित किया है।

31. (a)
सुल्तान को परामर्श देने के लिए मजलिस-ए-खलवत एक मंत्रिपरिषद थी। गुलाम युग में इस परिषद के चार मंत्रियों की संख्या होती थी जो राज्य के चार स्तंभ माने जाते थे। बाद में इसकी संख्या 6 हो गयी जो निम्न है – 1. वजीर, 2. आरिज-ए-मुमालिक, 3. दीवान-ए-रसालत, 4. दीवान-ए-इंशा, 5. सद्र-उस-सुदूर, 6. दीवान-ए-कजा। सुल्तान मजलिसे खलवत में सभी को न बुलाकर अपनी मर्जी से कुछ ही लोगों को बुलाता था।

32. (c)
फिरोज तुगलक इस्लाम का पालन करने वाला सुल्तान था। उसने इस्लामी कानूनों के द्वारा स्वीकृत केवल चार कर लगाये - जजिया, जकात, खुम्स और खराज। खराज लगान कर था, खम्स युद्ध में लूटे गये धन का 1/5 भाग था जो सुल्तान के पास जाता था और 4/5 भाग सैनिकों में बांट दिया जाता था। जजिया हिन्दुओं पर धार्मिक कर था। जकात, मुसलमानों से लिया जाने वाला और उन्हीं के हितार्थ व्यय किये जाने वाला धार्मिक कर था जो सम्पूर्ण आय का ढाई प्रतिशत था। इसके अतिरिक्त उसने उलेमा वर्ग की स्वीकृति के पश्चात् सिंचाई कर अथवा हक्क-ए-शर्ब भी लगाया जो उलेमा वर्ग की स्वीकृति के पश्चात् जनता पर लागू किया गया। फिरोज तुगलक सिंचाई कर लगाने वाला दिल्ली सल्तनत का पहला सुल्तान था।

33. (d)
इतिहास लेखन हिन्दुओं द्वारा उपेक्षित रहा लेकिन मुस्लिम बुद्धिजीवियों में इतिहास लेखन एक स्वतन्त्र विषय के रूप में प्रतिष्ठित हुआ। मध्यकालीन भारत से सम्बन्धित समसामयिक ऐतिहासिक साहित्य अपेक्षाकृत प्रचुर मात्रा में मिलता है। जैसे-जैसे इस्लाम में आकार एवं विस्तार में वृद्धि हुयी वैसे-वैसे अरब यात्री धर्म प्रचार तथा व्यापारिक उत्साह से प्रेरित होकर भारत के विभिन्न हिस्सों के सम्पर्क में आते गए। वे यात्री अपनी यात्रा के मूल्यवान एवं दिलचस्प विवरण लिखकर छोड़ गये है। 8वीं शताब्दी में जब से अरबों ने सिंध पर विजय प्राप्त की और उसे बाद में बढ़ते हुये तुर्की साम्राज्य से मिला लिया गया तभी से सच्चे अर्थों में भारतीय इतिहास से सम्बन्धित ऐतिहासिक साहित्य प्राप्त होना शुरू हो जाता है।

34. (c)
नील सल्तनत काल में शुरु की गई फसल है, पान का उद्भव स्थल मलाल द्वीप है। वेदों में भी पान के सेवन की पवित्रता का वर्णन हैं।

35. (b)
इक्ता प्रथा का अंत अलाउद्दीन खिलजी ने किया था। इस प्रथा को इल्तुतमिश ने शुरू किया था। इसके अंतर्गत सैनिकों/राज्य अधिकारियों को वेतन के बदले भूमि दी जाती थी।

36. (a)
उश्र- मुसलमानो से लिया जाने वाला भूमि कर था। जिस भूमि पर प्राकृतिक साधनों द्वारा सिंचाई होती थी वहाँ से पैदावार का 10% तथा कृत्रिम साधनों द्वारा सिंचाई होने पर उपज का 5% भाग कर के रूप में राज्य वसूलता था।
जकात- मुसलमानो की आय पर लगने वाला धार्मिक कर
खुम्स- युद्ध में लुटे गये धन पर लगने वाला कर
जजिया- गैर मुसलमानों पर लगने वाला कर

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

37. (b)
तुर्जुमा-ए-बाराही' ज्योतिष विषय से सम्बन्धित भारतीय ग्रन्थ का फारसी रूपान्तरण है। ह्वेनसांग एवं अलबरूनी के विवरण से पता चलता है कि व्याकरण एवं ज्योतिष की शिक्षा का भारत में बहुत अधिक प्रचलन था इन विषयों से सम्बन्धित विद्वानों का समाज में बड़ा सम्मान था। राजदरबार में कई ज्योतिषी निवास करते थे। शिक्षा केन्द्रों में धार्मिक विषयों के साथ-साथ लौकिक विषयों की पढ़ाई भी सुचारू रूप से होती थी। यज्ञों से अभीष्ट फल प्राप्त करने के लिए यह आवश्यक था कि उनका अनुष्ठान शुभ समय तथा मुहूर्त में किया जाए। ग्रहों तथा नक्षत्रों की स्थिति का अध्ययन करके यह समय ज्ञात किया जाता था। इस अध्ययन ने ज्योतिष नामक वेदांग को जन्म दिया। ज्योतिष की सर्वप्राचीन रचना लगधमुनि कृत 'वेदांग ज्योतिष' है इसमें कुल 44 श्लोक हैं। इनमे कहा गया है कि जो ज्योतिष को जानता है वही यज्ञों का यथार्थ जानता है।

38. (d)
ध्यातव्य हो कि मुहम्मद गोरी ने लक्ष्मी प्रकार की आकृति के सिक्के ढलवाये थे। कलचुरि तथा चन्देल सिक्कों पर भी लक्ष्मी की आकृति मिलती है।

39. (d)
चोल शासक राजराज, राजेन्द्र तथा कुलोतुंग के समय में अपने व्यापारिक दूत मंडल चीन भेजे, कुलोतुंग ने तो 1077 ई. में 72 सौदागरों का एक चोल दूत-मण्डल चीन भेजा था।

40. (b)
चोल शासक प्राचीन भारत के इतिहास में प्रसिद्ध है और स्वशासन में जो ग्राम सभाएँ होती थी, उन्हें काफी अधिकार दिया जाता था। जो लगान वसूली हुआ करता था उसका अधिकार ग्राम सभाओं को चोल शासन में दिया गया था।

41. (d)
समुद्रगुप्त के समय कांची का राजा विष्णुगोप था। प्रयाग प्रशस्ति में समुद्रगुप्त द्वारा दक्षिण भारत में पराजित किये गये राजाओं की सूची दी गई है– 1. कोसल का राजा महेन्द्र, 2. महाकान्तार का राजा व्याघ्रराज, 3. कौशल का राजा मण्टराज, 4. पिष्टपुर का राजा महेन्द्रगिरि, 5. कोट्टूर का राजा स्वामीदत्त, 6. एरण्डपल्ल का राजा दमन, 7. काञ्ची का राजा विष्णुगोप, 8. अवमुक्त का राजा नीलराज, 9. वेंगी का राजा हस्तिवर्मा, 10. पालक्क का राजा उग्रसेन, 11. देवराष्ट्र का राजा कुबेर, 12. कुस्थलपुर का राजा धनञ्जय।

42. (b)
समुद्रगुप्त के सिक्को पर वीणा का चित्रण वर्णित है। समुद्रगुप्त ने मुख्य रूप से स्वर्ण सिक्के जारी किये उसके राज्य में तांबे के सिक्के का प्रचलन नाम मात्र का था।

43. (b)
शिष्ट नामक भूमिकर विजयनगर राज्य की आय का प्रमुख साधन था। अठानवे नामक विभाग के अधीन इसकी भूमि कर के शासन की प्रणाली कार्यक्षम थी। कर लगाने के उद्देश्य से भूमि को तीन भागों में बांटा गया था - भीगी जमीन, सूखी जमीन, बाग एवं जंगल। किसानों को अपनी उपज का 10वाँ भाग देना पड़ता था। विजयनगर के शासकों ने ''पार्थक्य सूचक कर के सिद्धांत'' को अपनाया अर्थात उन्होंने भूमि की तुलनात्मक उपज पर कर निर्धारित किया। भूमि कर के अतिरिक्त रैयतों को अन्य प्रकार के कर देने पड़ते थे जैसे - चारा कर, विवाह कर इत्यादि।

44. (d)
बौद्ध ग्रन्थ दिव्यावदान चन्द्रगुप्त मौर्य को क्षत्रिय मानता है। जबकि विशाखदत्त कृत मुद्राराक्षस इन्हें बृषल कुल का बताते हैं।
चन्द्रगुप्त मौर्य एक शक्तिशाली शासक था उसने साम्राज्य को बनाने के लिए चाणक्य का सहारा लिया जो चाणक्य बाद में चन्द्रगुप्त मौर्य का प्रधानमंत्री बना था।

45. (c)
सारनाथ बौद्ध विहार से धर्मयज्ञ शब्दावली संबंधित है।

46. (b)
नारायण के साथ विष्णु के तादात्म्य का उल्लेख सर्वप्रथम महाभारत के शान्तिपर्व में मिलता है जहाँ उन्हें सर्वव्यापी एवं सभी को उत्पन्न करने वाला बताया गया है। यद्यपि 'नारायण' का प्रथम उल्लेख सत-पथ ब्राह्मण ग्रन्थों में मिलता है। विष्णु का तादात्म्य नारायण से स्थापित हो जाने पर पंचरात्र धर्म (भागवत धर्म) अस्तित्व में आया। नारायण के उपासक पंचरात्र कहे गये।

47. (b)
राजत्व के दैवी उत्पत्ति का सिद्धांत का सर्वप्रथम उल्लेख 'ऐतरेय-ब्राह्मण' में किया गया था। 'ऐतरेय ब्राह्मण उत्तरवैदिक कालीन रचना थी। राजा सामान्य उपाधियों के स्थान पर राजाधिराज, सम्राट, एकराट जैसी उपाधियां धारण करने लगा था।

48. (c)

A. वेदान्त सूत्र	3. वादरायण
B. वैशेषिक सूत्र	4. कणाद
C. योग सूत्र	2. पतंजलि
D. पूर्वमीमांशा	1. जैमिनी

49. (d)
प्राचीन भारत में दूरी अथवा लम्बाई नापने की इकाई यव थी। यव के अतिरिक्त अंगुल, वितस्ति, हस्त, धुन और क्रोश भी लम्बाई मापने की इकाई थी।

50. (c)
सिन्धु घाटी की लिपि की सूचना मोहरों से प्राप्त होती है। सिन्धु घाटी की उपत्यका में लगभग सौ से भी अधिक स्थलों में उत्खनन से प्राप्त दो हजार मोहरें मिली हैं, जिन पर मानव, मछली, पशु तथा पेड़-पौधों की आकृतियों के साथ-साथ लिपि संकेत भी उत्कीर्ण है। ध्यातव्य है कि, सिन्धु लिपि में 64 मूलभूत चिन्ह है। उत्तरी हड़प्पा काल की लिपि के 25 चिन्ह भी इन्हीं 64 चिन्हों में सम्मिलित है, परवर्ती हड़प्पाकालीन लिपियों में एकान्तर रेखा लगाना बंद कर दिया गया था।

51. (d)
सिंधु सभ्यता के प्रमुख स्थलों में उत्तर प्रदेश का विशेष योगदान है यहाँ के प्रमुख स्थल आलमगीरपुर, सोथी, हुलास (सहारनपुर), बडागाँव प्रमुख हैं जबकि कोल्डिहवा (इलाहाबाद) स्थित पाषाणकालीन स्थल माने जाते हैं।

CLICK HERE -
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

52. (c)
अलीवर्दी खाँ की मृत्यु के उपरान्त उसका दौहित्र सिराजुद्दौला उसका उत्तराधिकारी हुआ जो कि सिराजुद्दौला की मौसी घसीटी बेगम एवं उसके पुत्र शौकत जंग को पंसद नहीं था। अतः दोनों ने अंग्रेजों की सहायता से सिराजुद्दौला के विरूद्ध षड्यंत्र करने लगे। उसके इस कार्य में घसीटी बेगम के दीवान राजबल्लभ का भी समर्थन था।

53. (b)
हड़प्पा की ईंटो का अनुपात 7 : 14 : 28 या 1 : 2 : 4 हैं।

54. (b)
रॉबर्ट ब्रुसफूट ब्रिटिश भू-गर्भ वैज्ञानिक और पुरातात्विक थे। जियोलॉजिकल सर्वे से संबद्ध ब्रूस फुट ने सर्वप्रथम 1863 ई. में भारत में पाषाणकालीन बस्तियों के अन्वेषण की शुरुआत की।

55. (c)
अहाड़ का प्राचीन नाम ताम्बवती है। यह स्थान अरावली पर्वत मालाओं से घिरा हुआ उदयपुर के पूर्व में अहाड़ नदी के किनारे पर बसा है। अभिलेखों में इसी को घाटपुर कहा गया है। खुदाई में यहाँ एक बड़ी भट्ठी और ताँबे का सामान मिला है जिससे पता चलता है कि यहाँ ताँबा गलाने और बर्तन का काम होता था। यह स्थान आठ बार बसा है हर बार लोग एक दूसरे स्थान पर बसे। चौथी बार में ही ताँबे का सामान मिला है। ताँबे के औजार दीवारों के मलवों में मिले हैं। धूप में सुखाई हुई कच्ची ईटों और पत्थरों से मकान बनते थे। घर काफी बड़े होते थे। खुदाई में एक ही जगह लाइन में अनेक चूल्हे मिले हैं। लगता है ये एक ही परिवार के थे। तरह-तरह की आकृतियों के मसाला पीसने के पत्थर मिले हैं। यहाँ द्वितीय काल के सिक्के और सीलें भी मिली हैं उन पर ब्राह्मी लिपि में लिखा है। मिट्टी और पत्थर के मनके मिले हैं, जिन पर चित्रकारी की गयी है। ये मनके जानवरों को पहनाए जाते थे। मिट्टी की चूड़ियाँ, धूपदान, पूजा का बर्तन, पहिए, गोलियाँ, दिये, कानों के गहने, मनुष्य, जानवरों की आकृतियाँ भी मिली हैं। यहाँ धूलकोट टीले के पास पारड़ा गाँव में भील रहते हैं। इन भीलों का यहाँ के रहने वालों से कोई सम्बन्ध नहीं लगता। कायथा मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले में चम्बल की सहायक नदी काली सिंधु के दक्षिण किनारे पर बसा है। यहाँ खुदाइयों में लाल, पीले तथा भूरे रंग के मृद्भाण्ड प्राप्त होते हैं, धातुओं में ताँबे तथा काँसे के उपकरण एवं आभूषण जैसे-कुल्हाड़ी, चूड़ी, मनको के हार आदि प्राप्त हुए हैं।

56. (a)
1962-63 ईस्वी में प्रो. वी. के. सिन्हा के नेतृत्व में बिहार के चिरॉंद नामक ग्रामीण स्थल की खुदाई के बाद नवपाषाणिक अवशेष प्राप्त हुए। खुदाई के दौरान भारी मात्रा में हिरन के सींगों द्वारा निर्मित हथियार और औजार प्राप्त हुए हैं।

57. (a)
मेसोलिथिक युग अर्थात मध्यपाषाण काल उच्च पुरापाषाण काल एवं नवपाषाण काल (नियोलिथिक युग) के मध्य के संक्रमण काल को माना जाता है। मध्यपाषाण काल को लगभग 9000 ई.पू. के आस पास रखा जाता है। यह कालखण्ड 10,000 ई.पू. के आस-पास हिम युग के अंत के पश्चात् जलवायु में परिवर्तन के प्रारंभ के बाद के कालखण्ड के रूप में देखा जाता है। इस युग में पशुपालन का आरंभ प्रमुख विशेषता माना जाता है जिसके साक्ष्य आदमगढ़ एवं बागोर से प्राप्त हुए हैं।

58. (d)
बालाथल (राजस्थान) का उत्खनन **वी एन मिश्रा** ने किया। यह **नवीनतम ज्ञात स्थल** है।

59. (b)
शूद्रों की स्थिति सूत्र काल में सर्वाधिक दयनीय रही। उन्हें पूर्णतया द्विजों की मर्जी पर छोड़ दिया गया। उनकी तुलना पशु से की गई। उनका एकमात्र कार्य उच्च वर्णों की सेवा करना बताया गया। गौतम ने बताया कि शूद्रों को उच्च वर्णों का जूठन प्रयोग करना चाहिये। आपस्तम्ब के अनुसार शूद्र द्वारा स्पर्श किया गया भोजन ब्राह्मणों के लिए वर्जित है। वशिष्ठ ने शूद्रों को श्मशान जैसा अपवित्र बताया। पाणिनी ने दो प्रकार के शूद्रों का उल्लेख किया है – निरवसित (नगर के बाहर रहने वाले) तथा अनिरवसित (नगर की सीमा में रहने वाले) इनमें पहले प्रकार के शूद्र ही अस्पृश्य माने जाते थे।

60. (d)
फिरोज की धार्मिक नीति धर्मान्धता और असहिष्णुतापूर्ण रहा। वह शिया, सूफी, मुन्हीदियो, महदवियों आदि मुसलमान वर्गों के प्रति भी असहिष्णु था क्योंकि वह सुन्नी मत के समर्थक नहीं थे। इसके काल में फिरदौसियों का विद्रोह हुआ जिसमें रुकन नामक फिरदौसी नेता को मृत्यु दण्ड भी दे दिया।

61. (c)
मुगल शासकों में जहाँगीर सबसे अधिक चित्रकला में रुचि ली। उसके दरबार में अबुल हसन और मंसूर जैसे चित्रकार रहते थे। इसके अतिरिक्त मोहम्मद मुराद, बिशनदास, मनोहर तथा गोवर्धन आदि भी थे। बिशनदास छवि चित्र बनाने में सिद्धहस्त थे। जहाँगीर ने उसे ईरान के शाह अब्बास प्रथम का छायाचित्र बनाने के लिए भेजा था। जिसका वर्णन जहाँगीर ने अपनी आत्मकथा 'तुजुक-ए-जहाँगीरी' में की है।

62. (b)
1556 ई. में दिल्ली को खोने वाला हिन्दू शासक हेमू था। पानीपत का द्वितीय युद्ध 5 नवम्बर 1556 ई. को मुगल सम्राट अकबर व हेमू (मो0 आदिल शाह का वजीर व सेनापति) के मध्य हुआ। इसके पूर्व हेमू ने दिल्ली पर अधिकार कर स्वयं को स्वतंत्र शासक घोषित कर 'विक्रमादित्य' की उपाधि धारण कर ली थी। पानीपत के द्वितीय युद्ध में हेमू की पराजय हुई।

63. (c)
1774 ई. में कलकत्ता में एक सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना की गयी। सर एलिजा इम्पे को मुख्य न्यायाधीश तथा तीन अन्य चेम्बरलिन, लिमेस्टर एवं हाइड को न्यायाधीश बनाया गया। यह अभिलेख न्यायालय था, इसके विरुद्ध अपील प्रीवी कांउसिल में होती थी। इस प्रकार ब्रिटिश शासन काल के दौरान भारत का शीर्ष न्यायालय प्रीवी काउंसिल था।